



सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड
डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड
(कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी)
एक मिनी रत्न कंपनी (कैट-1)

वार्षिक रिपोर्ट एवं लेखा

2022-23



ऊर्जा सुरक्षा को प्रेरित करना
स्थिरता को प्रोत्साहन देना

राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता

48वाँ वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखा विवरण

2022-2023



सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

(कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कम्पनी)

मिनी रत्न कंपनी (कैट-I)

आईएसओ 9001 : 2015 प्रमाणित

गोन्दवाना प्लेस, काँके रोड
राँची — 834031

सीआईएन : यू14292 जेएच1975 जीओआई 001223

वेबसाइट : www.cmpdi.co.in

विजन

बढ़ते भू-संसाधन के क्षेत्र तथा संबंधित (व्यवसायिक) क्रिया-कलापों में वैश्विक बाजार का नेतृत्व करना।

मिशन

प्रमुख परामर्शदाता के रूप में भारत तथा अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में भी कोयला, गवेशण, खनन, अभियंत्रण तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में संपूर्ण परामर्शी सेवा प्रदान करना।

सीएमपीडीआईएल की प्रबंधन नीति

कोयला एवं अन्य खनिज संसाधन के गवेशण तथा खान आयोजन, डिजाइन, सम्बद्ध अभियंत्रण तथा प्रबंधन प्रणाली में परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सीएमपीडीआईएल विस्तृत भू-संसाधन क्षेत्र तथा अन्य व्यावसायिक क्रिया-कलापों में बाजार में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर है।

हम निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रतिबद्ध हैं :-

कोयला और अन्य खनिज संसाधनों के गवेशण तथा खान आयोजन (माइन प्लानिंग, डिजाइन, संबद्ध अभियंत्रण) डिजाइन संबद्ध अभियंत्रण तथा प्रबंधन प्रणाली में परामर्श सेवा देने के उद्देश्य से सीएमपीडीआईएल बढ़ते भू-संसाधन क्षेत्र तथा अन्य व्यावसायिक क्रिया-कलापों में अग्रणी परामर्शदाता के रूप में बाजार का नेतृत्वकर्ता (मार्केट लीडर) बनने का प्रयास कर रहा है। हम निम्नलिखित के प्रति समर्पित हैं :

1. पर्यावरण, सूचना सुरक्षा तथा ऊर्जा उपलब्धि पर सम्यक (यथोचित) ध्यान देते हुए अपने परामर्श एवं अन्य सहायता सेवाओं की गुणवत्ता में सतत सुधार लाना।
2. उत्पन्न अपशिष्ट में लगातार (दृढ़तापूर्वक) कमी लाकर, पुनः उपयोग कर तथा उसके कुछ भाग को पुनर्चक्रित (रिसाइक्लिंग) कर; हमारे कार्यों द्वारा पर्यावरण पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव को कम कर पर्यावरण को संरक्षित करना।
3. गुणवत्ता, पर्यावरण, ऊर्जा तथा सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली के उद्देश्य एवं लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराना।
4. व्यापार निरंतरता बनाए रखने के लिए खतरों (जोखिम) तथा व्यवधानों से अपनी सूचना संपदा (परिसम्पत्ति) को बचाए रखना तथा सूचना सुरक्षा कार्यनिष्पादन में सतत सुधार लाना।
5. कानूनी एवं अन्य सभी प्रयोज्य (लागू) आवश्यकताओं (अपेक्षाओं) का अनुपालन।

कोल इंडिया लिमिटेड के शेयर होल्डरों के लिए सामान्य नोट

सीएमपीडीआईएल का वार्षिक लेखा विवरण जाँच के लिए मुख्यालय में रखा रहेगा तथा कोल इंडिया लिमिटेड के किसी भी शेयर होल्डर के माँगने पर जानकारी देने के लिए भी उपलब्ध रहेगा।

विषय-सूची

क्र. सं.	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	2022-2023 के दौरान प्रबन्धन	01
2.	21.07.2023 के अनुसार निदेशक मंडल के सदस्य	02
3.	बैंकर्स, अंकेक्षक तथा पंजीकृत कार्यालय	03
4.	48वें वार्षिक आम बैठक की सूचना	04
5.	अध्यक्ष का कथन	07
6.	उपलब्धि : एक नजर में	18
7.	वित्तीय पर्यवेक्षण एवं सांख्यिकी	19
8.	निदेशक-मंडल की रिपोर्ट	21
9.	निदेशक-मंडल की रिपोर्ट की अनुसूची	114
10.	सीईओ एवं सीएफओ प्रमाण-पत्र	122
11.	निगमित शासकीय प्रमाण-पत्र	123
12.	सांविधिक अंकेक्षकों की रिपोर्ट एवं प्रबंधन का उत्तर तथा सचिवीय अंकेक्षकों की रिपोर्ट एवं प्रबंधन का उत्तर	132
13.	धारा 143 (6)(बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ तथा प्रबंधन का उत्तर	172
14.	निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पर वार्षिक रिपोर्ट	174
15.	लेखे का अंकेक्षित विवरण	197
16.	नकद प्रवाह (कैशफ्लो) विवरण के साथ-साथ लेखे पर टिप्पणी	207
17.	महत्वपूर्ण लेखा नीति तथा खण्डवार विवरण सहित लेखे पर टिप्पणी	245

31.03.2023 को निदेशक मंडल की स्थिति

अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक



श्री मनोज कुमार

कार्यकारी निदेशक



श्री आर.एन. झा



श्री एस.के. गोमास्ता



श्री शंकर नागाचारी



श्री अजय कुमार

सरकारी अंशकालिक निदेशक



डॉ. बी. वीरा रेड्डी



श्री मनोज कुमार गुप्ता

स्थायी आमंत्रित सदस्य



श्री अजितेश कुमार

कंपनी सचिव



श्री अभिषेक मुँधरा

वर्ष 2022-2023 के दौरान प्रबंधन

कार्यकारी निदेशक

श्री मनोज कुमार	:	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक (04.10.2021 के अपराह्न से)
श्री रवीन्द्र नाथ झा	:	निदेशक (तकनीकी) (30.01.2019 से)
श्री सतेन्द्र कुमार गोमास्ता	:	निदेशक (तकनीकी) (25.02.2020 से)
श्री शंकर नागाचारी	:	निदेशक (तकनीकी) (02.09.2022 से)
श्री अजय कुमार	:	निदेशक (तकनीकी) (26.10.2022 से)

अंशकालिक सरकारी निदेशक

डॉ० वीरा रेड्डी	:	निदेशक (तकनीकी), कोल इंडिया लिमिटेड, (24.02.2022 से)
श्री मुकेश चौधरी	:	निदेशक (सीएलडी), कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली (26.05.2020 से 07.12.2022 तक)
श्री मनोज कुमार गुप्ता	:	उप सचिव (22.02.2023 से)

अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक

डा. कृष्ण चन्द्र पाण्डेय	:	स्वतंत्र निदेशक (10.07.2019 से 09.07.2022 तक)
श्रीमती अलका पाण्डा	:	स्वतन्त्र निदेशक (10.07.2019 से 09.07.2022 तक)
श्री प्रमोद सिंह चौहान	:	स्वतंत्र निदेशक (16.10.2019 से 15.10.2022 तक)

स्थायी आमंत्रित सदस्य

श्री अजितेश कुमार	:	निदेशक, कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली (13.01.2020 से)

कम्पनी सचिव

श्री अभिषेक मुंढड़ा	:	प्रबंधक (वित्त)/कंपनी सचिव (18.02.2016 से)

वर्ष 2022-2023 के अनुसार बोर्ड के सदस्य

कार्यकारी निदेशक

श्री मनोज कुमार	:	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
श्री रवीन्द्र नाथ झा	:	निदेशक (तकनीकी)
श्री सतेन्द्र कुमार गोमास्ता	:	निदेशक (तकनीकी)
श्री शंकर नागाचारी	:	निदेशक (तकनीकी)
श्री अजय कुमार	:	निदेशक (तकनीकी)

अंशकालिक सरकारी निदेशक

डॉ० वीरा रेड्डी	:	निदेशक (तकनीकी/दधए कोल इंडिया लिमिटेड) कोलकाता
श्री मनोज कुमार गुप्ता	:	उप सचिव (एन/सीएसआर-डब्लू), कोयला मंत्रालय नई दिल्ली

गैर सरकारी अंशकालिक निदेशक

स्थायी आमंत्रित सदस्य

श्री अजितेश कुमार	:	निदेशक, कोयला मंत्रालय, नई दिल्ली

कम्पनी सचिव

श्री अभिषेक मुंघड़ा	:	प्रबंधक (वित्त) कंपनी सचिव

निगमित सूचना

निबंधित कार्यालय

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड,
गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची- 834031 (झारखंड), भारत
सीआईएन: यू 14292 जेएच 1975 जीओआई 001223
वेब साइट: www.cmpdi.co.in

बैंकर्स

भारतीय स्टेट बैंक
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
एक्सिस बैंक
केनरा बैंक
एचडीएफसी बैंक
आईसीआईसीआई बैंक
पंजाब नेशनल बैंक
इंडियन ओवरसीज बैंक
यूको बैंक
बैंक ऑफ इंडिया।

ऑडिटर

सांविधिक अंकेक्षक

मेसर्स के सी टाक एंड कंपनी, रांची

सचिवीय अंकेक्षक

मेसर्स मेहता - मेहता, मुंबई

निगमित शासकीय अंकेक्षक

मेसर्स मेहता - मेहता, मुंबई

कॉस्ट अंकेक्षक

मेसर्स विजेंद्र शर्मा - कंपनी, नई दिल्ली

डिपोजिटरी

मेसर्स नेशनल सिक्यूरिटी डिपोजिटरी लिमिटेड

रजिस्ट्रार एंड शेयर ट्रान्स्फर एजेंट

मेसर्स एनएसडीएल डाटाबेस मैनेजमेंट लिमिटेड

आईएसआईएन

INE 05HV01019

48वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना

एतद्वारा सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड के सभी शेयरधारकों को नोटिस दिया जाता है कि कंपनी की 48वीं वार्षिक आम बैठक शुक्रवार, 21 जुलाई, 2023 को सुबह 10:45 बजे पंजीकृत कार्यालय, रांची में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी)/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स (ओएवीएम) के माध्यम से निम्नलिखित व्यवसाय करने के लिए आयोजित की जाएगी :-

क. सामान्य व्यवसाय:

- 31 मार्च 2023 को लेखापरीक्षित तुलन पत्र पर विचार करना और उसे अपनाना, उस तारीख को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए लाभ और हानि खाता और साथ ही सांविधिक लेखा परीक्षक और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक और निदेशकों की रिपोर्ट पर विचार करना।
- ₹70.00 करोड़ (लगभग) के अंतरिम लाभांश के भुगतान की पुष्टि करना अर्थात् मार्च 2023 में कंपनी के 14,28,000 इक्विटी शेयरों पर ₹490.20 प्रति शेयर (लाभांश प्रति शेयर) का भुगतान किया गया और ₹19 करोड़ (लगभग) के अंतिम लाभांश के भुगतान को मंजूरी दी गई अर्थात् बोर्ड द्वारा जून, 2023 में 14,28,000 इक्विटी शेयरों पर ₹133.06 प्रति शेयर (लाभांश प्रति शेयर) कुल मिलाकर ₹89 करोड़ (लगभग) वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए लाभांश के रूप में सिफारिश की गई।
- श्री मनोज कुमार (डीआईएन: 09225497) के स्थान पर एक निदेशक नियुक्त करना, पूर्णकालिक निदेशक जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152(6) के अनुसार चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होते हैं और पात्र होने के कारण, खुद को पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तुत करते हैं।
- श्री आर. एन. झा (डीआईएन: 05195902) के स्थान पर एक निदेशक नियुक्त करना, पूर्णकालिक निदेशक जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 152(6) के अनुसार चक्रानुक्रम से सेवानिवृत्त होते हैं और पात्र होने के कारण, खुद को पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तुत करते हैं।

ख. विशेष व्यवसाय:

- निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित वित्तीय वर्ष 2022-23 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का अनुसमर्थन।

निम्नलिखित संकल्प पर विचार करने और यदि उपयुक्त समझा जाए तो इसे संशोधनों के साथ या उनके बिना, सामान्य संकल्प के रूप में पारित करना :

संकल्प किया गया कि बोर्ड द्वारा 22.09.2022 को आयोजित 261वीं बोर्ड बैठक में लागत लेखा परीक्षक, मेसर्स विजेंदर शर्मा एंड कंपनी को वित्तीय वर्ष 2022-23 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक अनुमोदित पारिश्रमिक ₹4,40,000.00 प्रति वर्ष प्लस लागत लेखा परीक्षा तथा यात्रा के लिए लागू कर एवं जेब खर्च प्रतिपूर्ति कुल शुल्क के 50% तक सीमित है और इसके द्वारा इसकी पुष्टि की जाती है।

उपरोक्त विशेष व्यवसाय के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102(1) के अनुसार स्पष्टीकरण विवरण इसके साथ संलग्न है।

टिप्पणियाँ:-

- कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ("एमसीए") ने अपने सामान्य परिपत्र संख्या 20/2020 और 10/2022 क्रमशः 05 मई, 2020 और 28 दिसंबर, 2022 और इस संबंध में जारी अन्य परिपत्र (सामूहिक रूप से "एमसीए परिपत्र" के रूप में संदर्भित) ने अन्य बातों के साथ-साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स ("वीसी या ओएवीएम") के माध्यम से एजीएम के संचालन हेतु एमसीए जनरल परिपत्र संख्या 20/2020 के पैराग्राफ 3 और 4 में प्रदान की गई आवश्यकताओं के अनुसार 30 सितंबर, 2023 को या उससे पहले करने की अनुमति दी है।

कंपनी अधिनियम, 2013 और एमसीए परिपत्रों के प्रावधानों के अनुपालन में, कंपनी का एजीएम वीसी/ओएवीएम के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय एजीएम के लिए कार्यक्रम

2. चूंकि यह एजीएम वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एमसीए परिपत्रों के अनुसार आयोजित किया जा रहा है, सदस्यों की भौतिक उपस्थिति को समाप्त कर दिया गया है। तदनुसार, सदस्यों द्वारा प्रॉक्सी की नियुक्ति की सुविधा एजीएम के लिए उपलब्ध नहीं होगी और इसलिए प्रॉक्सी फॉर्म और उपस्थिति पर्ची इस नोटिस के साथ संलग्न नहीं है। वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एजीएम में भाग लेने वाले सदस्यों को अधिनियम की धारा 103 के तहत कोरम के उद्देश्य से गिना जाएगा।
3. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 112 और 113 के अनुसरण में सदस्यों के प्रतिनिधियों को वीसी या ओएवीएम के माध्यम से भागीदारी और मतदान के लिए नियुक्त किया जा सकता है। वीसी या ओएवीएम के माध्यम से बैठक में भाग लेने के लिए, कंपनियों द्वारा अधिकृत ई-मेल आईडी पर लिंक पहले ही प्रदान किया जाएगा और बैठक में शामिल होने की सुविधा बैठक शुरू करने से कम से कम 15 मिनट पहले खुली रखी जाएगी और इस तरह के निर्धारित समय के 15 मिनट बाद बंद नहीं की जाएगी।
4. सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) के सचिवीय लेखा परीक्षक सहित शेयरधारक, निदेशक और लेखा परीक्षक बैठक में भाग लेने और/या मतदान करने के हकदार हैं या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स (ओएवीएम) के माध्यम से बैठक में भाग ले सकते हैं और/या मतदान कर सकते हैं। बैठक में विचार की गई वस्तुओं पर केवल ऐसे चरण में अपनी सहमति या असहमति व्यक्त करने के लिए cosecretary.cmpdi@coalindia.in पर ई-मेल भेज सकते हैं।
5. सदस्यों से यह भी अनुरोध है कि वे कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 101(1) के अनुसार कम समय में बैठक बुलाने के लिए अपनी सहमति प्रदान करें।

निदेशक मंडल के आदेश से

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड के लिए

दिनांक : 17.07.2023

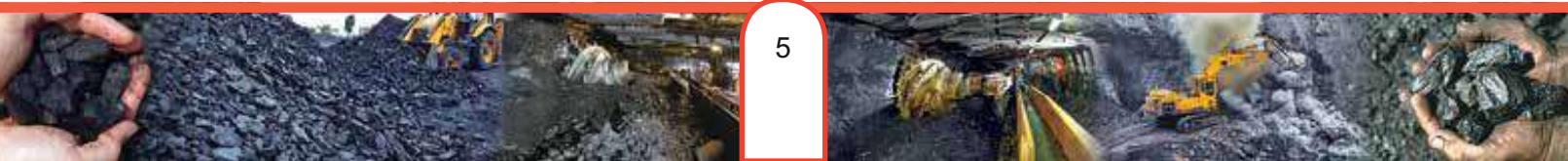
स्थान : राँची



वितरण :

सभी शेयरधारक
कंपनी के सभी निदेशक
कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक
कंपनी के सचिवीय लेखा परीक्षक
कंपनी के लागत लेखा परीक्षक
महाप्रबंधक (वित्त)/सीएफओ

(अभिषेक मुंधरा)
कंपनी सचिव



कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 102(1) के अनुसार स्पष्टीकरण विवरण

मद सं. ख (1): निदेशक मंडल द्वारा निर्धारित वित्तीय वर्ष 2022-23 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक का अनुसमर्थन।

सीएमपीडीआईएल के निदेशक मंडल ने 22.09.2022 को आयोजित अपनी 261वीं बैठक में वित्त वर्ष 2022-23 से वित्तीय वर्ष 2024-25 तक लागत लेखा परीक्षा करने के लिए लेखा परीक्षा समिति की सिफारिश के बाद मेसर्स विजेंदर शर्मा एंड कंपनी की नियुक्ति को मंजूरी दी। ₹4,40,000.00 प्रति वर्ष प्लस लागू कर और यात्रा और जेब खर्च प्रतिपूर्ति कुल शुल्क के 50% तक सीमित है। आम बैठक में शेयरधारकों द्वारा कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 14 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 के अनुसार, लेखा परीक्षा समिति द्वारा अनुशंसित और निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित लागत लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक को बाद में पुष्टि करने की आवश्यकता है।

निदेशक और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक या उनके रिश्तेदारों में से कोई भी संकल्प में रुचि प्रदर्शित नहीं की है या चिंतित नहीं है।

बोर्ड ने सदस्यों के अनुमोदन के लिए संकल्प की सिफारिश की।

निदेशक मंडल के आदेश से
सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड के लिए

दिनांक : 17.07.2023

स्थान : राँची



(अभिषेक मुंधरा)
कंपनी सचिव



अध्यक्ष का कथन

श्री मनोज कुमार
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

प्रिय शेयरधारक,

सीएमपीडीआईएल की 48वीं वार्षिक आम बैठक में आप सभी का बेहद गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 की कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अपार हर्ष हो रहा है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त अवधि की निदेशक मंडल की रिपोर्ट, अंकेक्षित (ऑडिट) लेखे की रिपोर्ट के साथ-साथ सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट एवं भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट एवं समीक्षा पहले ही कंपनी के शेयरधारकों को दी जा चुकी है।

1.0 विकास की रूप-रेखा

संपूर्ण भारतीय खनन उद्योग को एक ही छत के नीचे विस्तृत प्लानिंग सेटअप के रूप में सीएमपीडीआई की स्थापना का विचार एवं प्रस्ताव मूलतः 1972 में पोलैंड के विशेषज्ञों वाले संयुक्त अध्ययन दल द्वारा आया। इसके बाद सीएमपीडीआई की स्थापना 1 नवम्बर, 1975 को की गई।

आपकी कंपनी द्वारा कोयले के गवेषण, खान आयोजन एवं अभिकल्पन, पर्यावरण अभियांत्रिकी, कोयले का परिष्करण एवं उपयोग, संबंधित अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग) सेवाएँ, सूचना एवं संचार, प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन विकास, सुदूर संवेदन, क्षेत्र सेवा अंदि में कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनियों को घरेलू परामर्श सेवाएँ देती रही है। कोल इंडिया लिमिटेड से बाहर के ग्राहकों को भी इसी प्रकार की सेवाएँ दी जा रही है। कुछ हद तक धात्विक खनन उद्योग को भी आयोजना एवं सम्बद्ध सेवाएँ दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, सीएमपीडीआई गैर-सीआईएल ब्लॉक, कोयला आधारित गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधन यानि सीबीएम, सीएमएम यूसीजी शेल गैस से संबंधित इसी प्रकार की सेवाएँ कोयला मंत्रालय तथा पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को भी दे रहा है।

सीएमपीडीआईएल के गठन के बाद के वर्षों के दौरान बड़ी खुली खान तथा भूमिगत खान परियोजना के लिए संयुक्त प्लानिंग कार्य करने हेतु पूर्ववर्ती यूएसएसआर के जिप्रोशाख्त, पोलैंड के कोपेक्स तथा ब्रिटेन के ब्रिटिश माइनिंग कन्सल्टेंट जैसे उन्नत (अग्रणी) कोयला खनन वाले देश के संस्थानों के साथ द्विपक्षीय समझौते के जरिए अपने योजनाकारों एवं अभियंताओं की विशेषज्ञता का स्तर बढ़ाया गया। सीएमपीडीआई के कार्मिकों की विशेषज्ञता के स्तर को बढ़ाने के अतिरिक्त, कम्प्यूटर एवं प्रयोगशाला सुविधा की स्थापना के द्वारा महत्वपूर्ण आधारभूत सुविधा का निर्माण किया गया। इन सब उपायों से सीएमपीडीआई एक ही छत के नीचे खनिज एवं खनन के क्षेत्र में संपूर्ण समाधान करने वाला अद्वितीय कंपनी बन गया है। फिर भी, विश्वव्यापी व्यावसायिक वातावरण में आए बदलाव के कारण 1990 के दशक में इस तरह के द्विपक्षीय



समझौते महत्वहीन हो गए हैं एवं अपनी गति खो चुके हैं। कर्मियों की सेवा-निवृत्ति, कोल इंडिया लिमिटेड की अन्य अनुषंगी कंपनियों में स्थानान्तरण तथा युवा अभियंताओं की बहाली नहीं होने के कारण 90 के दशक में कार्यकुशल श्रमशक्ति के मामले में कंपनी की शक्ति में कमी आने लगी जो काफी समय तक चलती रही। इसके अलावा, बदलते व्यावसायिक परिदृश्य और देश और विदेश में खनन क्षेत्र में अवसरों में परिणामी परिवर्तन ने मुख्य रूप से 2000 के बाद विशेषज्ञों के पलायन को बढ़ावा दिया जो अगले 5-6 वर्षों तक जारी रहा। फिर भी, कंपनी अपनी सेवाओं एवं सुविधाओं को उत्कृष्ट स्तर तक बढ़ाने के प्रति पूर्णतः समर्पित है ताकि भारत तथा विदेश में व्यापार के वातावरण में बदल रहे परिदृश्य के साथ सामांजस्य बैठाया जा सके। इस कथन की इस तथ्य से पुष्टि की जा सकती है कि यह कंपनी कुछ संभव सीमा तक कम्प्यूटरीकरण के साथ-साथ उच्च उत्पादकता वाले ड्रिल, 2डी/2डी सिसमिक सर्वे प्रौद्योगिकी गवेषण तथा खनन उद्योग से संबंधित साफ्टवेयर के प्रयोग के अलावा पर्यावरणिक सुविधा से संबंधित उपकरण को बढ़ाने, कोयले का गुण निर्धारण एवं आईएसओ मानक शामिल करने में सक्रिय रूप से लगी रही है।

सीएमपीडीआईएल के प्रमुख क्रिया-कलापों में से एक ड्रिलिंग की क्षमता, जिससे भावी कोयला उत्पादन की आवश्यकता के लिए कोल ब्लॉक के अनुमान करने में मदद मिलती है, लगभग 2 लाख मीटर प्रतिवर्ष (04-05 में 2.02 लाख मीटर से 07-08 में 2.09 लाख मीटर) के आस-पास थी तथा बिक्री लगभग 150 से 200 करोड़ रुपये (2004-05 में 151 करोड़ रुपये तथा 2007-08 में 196 करोड़ रुपये) थी। ड्रिलिंग में योगदान सिर्फ विभागीय संसाधन का ही था। 11वीं योजना के प्रारंभ में यह विचार आया कि संसाधनों को तेजी से प्रमाणित करने की आवश्यकता को ध्यान में रख कर, खासकर गवेषण के क्षेत्र में सीएमपीडीआई की भूमिका में काफी वृद्धि करने की जरूरत होगी। तदनुसार, विभागीय क्षमता को बढ़ाने के अलावा एमईसीएल सहित अन्य एजेंसियों की ड्रिलिंग क्षमता का उपयोग कर संपूर्ण ड्रिलिंग क्षमता में वृद्धि करने पर बल दिया गया तथा निजी एजेंसियों को ड्रिलिंग कार्य का कुछ भाग आउटसोर्स कर ड्रिलिंग शुरू किया गया। इसी के साथ-साथ सीएमपीडीआई की कोयला कोर जाँच की क्षमता भी बढ़ायी गयी। कुल मिलाकर स्वदेशी तथा आयातित उपकरण के जरिए अन्य प्रयोगशालाओं जैसे पर्यावरण, सीबीएम खनन प्रौद्योगिकी आदि की क्षमता को भी बढ़ायी गयी है।

इसके बाद प्रशासकीय मंत्रालय यानि कोयला मंत्रालय भी सीएमपीडीआई की गवेषण क्षमता बढ़ाने के लिए एक योजना लेकर आया, जहाँ वर्ष 2015-16 तक विभागीय ड्रिलिंग क्षमता 4 लाख मीटर सहित 15 लाख मीटर तक बढ़ाई जानी थी। सीएमपीडीआई ने पूर्व के वर्ष में की गई ड्रिलिंग की तुलना में वर्ष 2016-17 में 13 प्रतिशत वृद्धि दर्ज कर 11.26 लाख मीटर, वर्ष 2017-18 में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज कर 13.66 लाख मीटर, वर्ष 2018-19 में 13.60 लाख मीटर ड्रिलिंग तथा 2019-20 में 12.94 लाख मीटर ड्रिलिंग तथा 2020-21 में 12.48 लाख मीटर 2021-22 में 7.91 लाख मीटर ड्रिलिंग कर लिया।

2022-23 के दौरान, 7.00 लाख मीटर के एमओयू लक्ष्य के मुकाबले 6.85 लाख मीटर की ड्रिलिंग की गई। 2021-22 के बाद से ड्रिलिंग लक्ष्य और संबंधित उपलब्धि में कमी मुख्य रूप से गैर-सीआईएल और प्रोमोशनल ब्लॉकों में अन्वेषण के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के तहत कोयला मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रदान किए गए फंड में कमी के साथ-साथ कम मीटर उपलब्धता के कारण हुई। सीआईएल ब्लॉक में, हालाँकि, 2021-22 से NMET (नेशनल मिनरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट) फंडिंग के माध्यम से ड्रिलिंग को बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं। सीएमपीडीआईएल ने 2021-22 के दौरान कोयला अन्वेषण के 24 प्रस्ताव और 2022-23 के दौरान 8 प्रस्ताव प्रस्तुत किए थे, जिनमें से क्रमशः 16 और 8 प्रस्तावों को एनएमईटी द्वारा अनुमोदित किया गया था। इसी प्रकार, सीएमपीडीआईएल ने भी 2021-22 के दौरान गैर कोयला खनिज के 2 प्रस्ताव और 2022-23 के दौरान 5 प्रस्ताव प्रस्तुत किए। इसमें से 2021-22 के दौरान 1 प्रस्ताव और 2022-23 के दौरान 3 प्रस्तावों को NMET द्वारा अनुमोदित किया गया था। इस बीच, ईएफसी ने दो केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के तहत अन्वेषण गतिविधियों के संबंध में अगले 4-5 वर्षों के लिए वित्त पोषण की सिफारिश की है, जिससे आने वाले 4-5 वर्षों में अन्वेषण के तहत उपलब्धि में वृद्धि होगी।

समान रूप से, सीएमपीडीआईएल ने सक्रिय रूप से बाहरी ग्राहकों (निजी कंपनियों, राज्य सरकार, केंद्र सरकार, एमओसी, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, खदान डेवलपर और ऑपरेटर और विदेशी कंपनी सहित) से संबंधित अपनी सेवाओं और ग्राहक आधार के विविधीकरण का सहारा लिया है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में ₹ 32 करोड़ की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान ₹ 68 करोड़ से अधिक है, यह अब तक का सबसे अधिक राजस्व उत्पन्न हुआ।

सीएमपीडीआईएल ने दो नई सेवाएं विकसित की हैं। भारत में पहली बार वैज्ञानिक रेत पुनःपूर्ति अध्ययन और मृदा नमी संरक्षण अध्ययन और परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में सी2सी सेवाएं प्रदान करने का एक नया व्यवसाय मॉडल अपनाया।

हाइड्रोजियोलॉजी की योग्यता को बढ़ाते हुए, सीएमपीडीआईएल ने व्यापक रिपोर्ट तैयार करने के लिए पहले प्राप्त मान्यता के अलावा ग्राउंड वॉटर मॉडलिंग में सीजीडब्ल्यू से मान्यता भी हासिल कर ली है, इस प्रकार खनन क्षेत्र में एक ही छत के नीचे हाइड्रोजियोलॉजी में संपूर्ण सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

विविधीकरण के साथ, निकट भविष्य में समग्र रूप से कोयला क्षेत्र के हित के लिए कंपनी की विशिष्टता को संरक्षित रखा जाएगा।

2.0 वित्तीय उपलब्धि:

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, आपकी कंपनी ने 1386.09 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसमें 366.95 करोड़ रुपये का कर पूर्व लाभ, 25.95 करोड़ रुपये की अन्य व्यापक आय शामिल है। आपकी कंपनी की पूंजी आरक्षित को छोड़कर निवल संपत्ति 31.03.2023 को बढ़कर 1217.65 रुपये (58.04 करोड़ रुपये के ओसीआई सहित) हो गई है। वित्तीय वर्ष के दौरान, प्रति शेयर आय एक साल पहले के 1975.63 रुपये (14,28,000 शेयरों पर गणना) से बढ़कर 2077.45 रुपये (14,28,000 शेयरों पर गणना) हो गई है।

3.0 ड्रिलिंग एवं सिस्मिक सर्वेक्षण उपलब्धि:

2022-23 के दौरान, 7.00 लाख मीटर के एमओयू लक्ष्य के मुकाबले लगभग 6.85 लाख मीटर की ड्रिलिंग की गई, जिसमें लगभग 578 मीटर/ड्रिल/माह की उत्पादकता के साथ विभागीय ड्रिल के माध्यम से लगभग 4.21 लाख मीटर की ड्रिलिंग शामिल है। 2022-23 के दौरान लगभग 609 लाइन किमी 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण किया गया, जिसमें विभागीय संसाधनों के माध्यम से लगभग 163 लाइन किमी 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण शामिल है, जो पिछले वर्ष की उपलब्धि से एक बड़ी छलांग है।

29 भूवैज्ञानिक रिपोर्टों के माध्यम से लगभग 383 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करते हुए विस्तृत गवेषण के माध्यम से, लगभग 10 बिलियन टन अतिरिक्त कोयला संसाधनों को 'प्रमाणित श्रेणी' में जोड़ा गया।

4.0 परियोजना रिपोर्ट:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान लगभग 87 मिलियन टन प्रतिवर्ष अतिरिक्त क्षमता वृद्धि वाली कुल 39 परियोजना रिपोर्ट तैयार की गई। इन 39 परियोजना रिपोर्टों में से 24 परियोजना रिपोर्ट खुली खदानों के हैं, 13 परियोजना रिपोर्ट भूमिगत (यूजी) खान के तथा 2 परियोजना रिपोर्ट मिली-जुली खान के हैं। 39 पीआर में से गैर-सीआईएल खानों के लिए 1 पीआर की योजना बनाई गई है। 24 ओपनकास्ट पीआर में 4 मेगा-ओपनकास्ट परियोजनाएं (क्षमता 10 एमटीवाई और उससे अधिक), केदला ओसी (10 एमटीवाई), कारो एक्सपेंशन ओसी (11 एमटीवाई), भुवनेश्वरी एक्सपेंशन ओसी (50 एमटीवाई) और कुसमुंडा एक्सपेंशन ओसी (75 एमटीवाई) शामिल हैं। सभी 13 यूजी पीआर (1 गैर-सीआईएल पीआर सहित) और 2 मिश्रित पीआर के यूजी भाग की योजना कंटीन्यूअस माइनर तकनीक के साथ बनाई गई है।



5.0 प्रयोगशालाओं का उन्नयन:

सीएमपीडीआईएल में सभी प्रयोगशालाओं की क्षमता को उन्नत किया गया है। कोयला कैंरेक्टराईजेशन प्रयोगशाला की भू-रासायनिक प्रयोगशाला नमूना तैयार करने वाली इकाई में स्वचालन की शुरुआत करके और तेजी से विश्लेषण करने वालों को जोड़कर कोयला कोर विश्लेषण की क्षमता में वृद्धि पर अपनी योजना लागू कर रही है जो बड़ी संख्या में विश्लेषण को पूरा करेगी। पूर्ण संचालन के बाद लैब सालाना लगभग 24000 मीटर कोल कोर को प्रोसेस करेगी। इस योजना के तहत लगाए जाने वाले उपकरण खरीद के विभिन्न चरणों में हैं। वर्तमान में लैब मैनुअल/अर्ध-स्वचालित नमूना तैयार करने वाली इकाइयों, समीपस्थ विश्लेषक, अंतिम विश्लेषक, बम कैलोरीमीटर, ऐश फ्यूजन तापमान रेंज विश्लेषक, एचजीआई उपकरण से सुसज्जित है। इसने हाल ही में राख विश्लेषण और ट्रेस तत्वों के अध्ययन के लिए एक एक्स-रे फ्लोरेसेंस (एक्सआरएफ) प्रणाली और तरल और ठोस नमूनों में एचजी सामग्री का निर्धारण करने के लिए एक डायरेक्ट मर्करी एनालाइज़र जोड़ा है। कोयले के कोकिंग गुणों का निर्धारण करने के लिए स्वेलिंग सूचकांक, एलटीजीके, प्लास्टोमीटर जैसे उपकरण भी उपलब्ध हैं। पेट्रोग्राफी लैब में पेट्रोग्राफिक अध्ययन करने के लिए उन्नत पेट्रोलॉजिकल माइक्रोस्कोप हैं, जिसमें कोयले के नमूनों की मैक्रो सामग्री (कोयला प्रकार) और परावर्तन प्रतिशत (रैंक/परिपक्वता) निर्धारित की जाती है। कोक बनाने में मिश्रण के रूप में दिए गए कोयले की उपयुक्तता का पता लगाने के लिए पेट्रोग्राफिक अध्ययन अनिवार्य है। एक स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप भी स्थापित किया गया है और जिसका उपयोग सीबीएम मूल्यांकन के लिए सूक्ष्म क्षेत्र विश्लेषण के लिए किया जाता है।

सीएमपीडीआईएल, आरआई-टप्पू भुवनेश्वर में एक रासायनिक विश्लेषणात्मक प्रयोगशाला भी स्थापित की गई है। कोयला कोर प्रसंस्करण क्षमता को और बढ़ाने के लिए जियो.केमिकल प्रयोगशाला ने वित्त वर्ष 2023.24 तक 2 वर्षों के लिए 20.000 मीटर के कोयला कोर का विश्लेषण करने में सक्षम 2 निजी प्रयोगशालाओं को सूचीबद्ध किया है।

12 भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में “जाँच” के क्षेत्र में सुविधा के लिए भू-रासायनिक प्रयोगशाला को मानक आईएसओ/आईईसी 17025: 2017 के अनुसार एनएबीएल प्रमाण-पत्र से नवाजा गया है। पेट्रोग्राफी प्रयोगशाला को कोयला एवं कार्बनिक पेट्रोग्राफी की अन्तर्राष्ट्रीय समिति (आईसीसीपी) द्वारा मान्यता दी जा चुकी है।

कोयला एवं खनिज तैयारी ;सीएमपीद्ध प्रयोगशाला की पुनः मान्यता 19.07.2022 को प्राप्त की गई। इस तरह के मान्यता प्राप्त निकाय द्वारा प्रत्यायन को परीक्षा परिणामों की पारस्परिक स्वीकृति की सुविधा के लिए पहला आवश्यक कदम माना जाता है। एनएबीएल, गैर-विनाशकारी परीक्षण के क्षेत्र में इसकी सुविधाओं/क्षेत्र के लिए आईएसओ/आईईसी 17025: 2017 के आधार पर सीएमपीडीआई, मुख्यालय की एनडीटी प्रयोगशाला को निरंतर मान्यता प्रदान करता है। सीएमपीडीआईएल के विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों में उचित उपकरण और संसाधनों के साथ एनडीटी सेल की स्थापना की गई है। क्षेत्रीय संस्थानों की प्रयोगशालाओं को भी एनएबीएल मान्यता प्राप्त करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

मौजूदा पर्यावरण प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक उपकरणों से मजबूत किया गया है। सीएमपीडीआईएल मुख्यालय, आरआई-I आरआई-II आरआई-IV आरआई-V और आरआई-VII की पर्यावरण प्रयोगशालाएं मौजूदा मान्यता के दायरे में 21 नए मापदंडों को जोड़कर आईएसओ/आईईसी 17025:2017 मान्यता योजना के अनुसार एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। सीएमपीडीआईएल मुख्यालय की पर्यावरण प्रयोगशाला को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत सीपीसीबी मान्यता भी प्राप्त हो गई है। सीएमपीडीआईएल मुख्यालय में पर्यावरण प्रयोगशाला ने आईएस/आईएसओ 45001:2018 के अनुसार व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (ओएचएसएमएस) के लिए मान्यता प्राप्त कर ली है।

सीबीएम/शेल गैस से संबंधित अध्ययन, रिजर्वार गुण निर्धारण तथा सीबीएम एवं शेल गैस संसाधन के मूल्यांकन करने से संबंधित सभी पारामेट्रिक डाटा के निर्माण को सुलभ बनाने के लिए सीएमपीडीआई में एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला कार्य कर रही है। इसके अलावा, सीएमपीडीआईएल की क्षमता और दक्षताओं को बढ़ाने के लिए, दो सिमुलेशन सॉफ्टवेयर यानी

SIMEDWin और COMET3 खरीदे गए हैं।

6.0 श्रमशक्ति की भर्ती:

गवेषण, आयोजना एवं अभिकल्पन (प्लानिंग एंड डिजाइन) के साथ-साथ संबद्ध अभियंत्रण सेवाओं में श्रमशक्ति की आवश्यकताओं पर ध्यान दिया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान सीएमपीडीआई में स्थानान्तरण और भर्ती के द्वारा 24 अधिकारियों को पदस्थापित किया गया है। इसी प्रकार भर्ती/अनुकम्पा के आधार पर नौकरी/अन्य अनुषंगी कंपनियों से स्थानान्तरण के द्वारा 25 गैर-अधिकारी वर्ग के कर्मचारियों को पदस्थापित किया गया है।

इसके अलावा सीएमपीडीआईएल में खदान योजना के वर्तमान और भविष्य के कार्यभार को पूरा करने के लिए अन्य सहायक कंपनियों से योग्य श्रमशक्ति के हस्तांतरण के प्रयास किए जा रहे हैं।

7.0 जियोमेटिक्स सेवाएँ

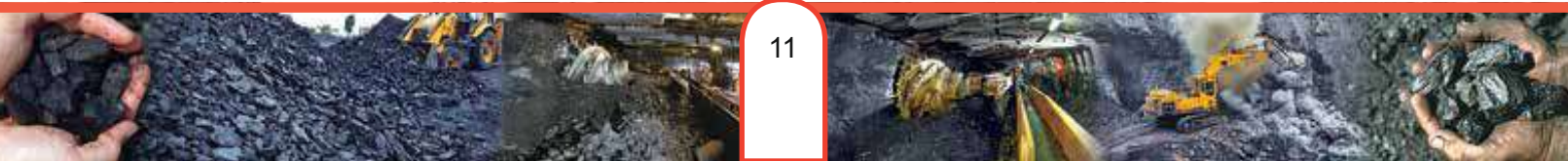
प्रति वर्ष 5 मिलियन घन मीटर (कोयलाओबी) से अधिक उत्पादन करने वाली कोल इंडिया लिमिटेड की सभी खुली खानों में वर्ष 2008 से वार्षिक आधार पर भूमि पुनरुद्धार मानिट्रिंग के लिए प्रति वर्ष उपग्रह-निगरानी की जा रही है। इसके बाद 2011 से तीन वर्ष के अंतराल पर चरणबद्ध तरीके से प्रतिवर्ष 5 मिलियन घन मीटर (कोयलाओबी) से कम उत्पादन करने वाली खुली खानों की भी भूमि पुनरुद्धार मानिट्रिंग का कार्य शुरू किया गया है।

तदनुसार वर्ष 2022-23 के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों की 101 खुली खान परियोजना तथा 9 कलस्टर्स के सैटेलाइट डाटा पर आधारित भूमि पुनरुद्धार मानिट्रिंग की गई। वर्ष के दौरान छह कोयला क्षेत्रों की वनस्पति कवर मैपिंग भी की गई। उपग्रह डेटा के आधार पर 32 ओपनकास्ट परियोजनाओं के कोर और बफर जोन की भूमि उपयोग/कवर मैपिंग की गई। MoEF&CC की आवश्यकता के अनुपालन के लिए SECL की 13 यूजी परियोजनाओं के लीजहोल्ड क्षेत्र के लिए भूमि उपयोग / कवर मैपिंग भी वर्ष के दौरान पूरी की गई थी।

सीएमपीडीआईएल के पास स्थलाकृतिक मानचित्रण, कोयला खदान अग्नि मानचित्रण, वनस्पति कवर मानचित्रण, निपटान मानचित्रण, वृक्षारोपण ऊंचाई आकलन और खनन से संबंधित अन्य गतिविधियों के लिए पूरी तरह से ड्रोन आधारित क्षमता है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान निष्पादित कुछ प्रमुख परियोजनाओं में झरिया मास्टर प्लान के लिए झरिया कोयला क्षेत्र में अस्थिर साइटों का भू-भाग मानचित्रण शामिल है; एमओईएफ अनुपालन के लिए सीसीएल की चार परियोजनाओं के लिए वास्तविक समय वीडियो फुटेज का ड्रोन आधारित अधिग्रहण; झरिया कोलफील्ड्स के नवगठित ब्लॉक-सी, डी और ई का भू-भाग मानचित्रण; कुजू ओसीपी, सीसीएल में ड्रोन आधारित थर्मल सर्वेक्षण; नाल्को, वेदांता और एससीसीएल के लिए मृदा नमी संरक्षण अध्ययन के लिए ड्रोन आधारित सर्वेक्षण; डीपीडीएच ब्लॉक में डब्ल्यूबीपीडीसीएल के लिए ड्रोन आधारित सर्वेक्षण; यूपी के 26 जिलों में रेत पुनःपूर्ति अध्ययन के लिए ड्रोन के माध्यम से डेटा प्राप्त करना आदि।

1 एमटीवाई से अधिक उत्पादन करने वाली सभी आउटसोर्स और विभागीय ओसी खानों का ओबीआर माप और 1 एमटीवाई (केवल किराए के पैच) से कम उत्पादन करने वाली ओसी खानों का वार्षिक माप पूरा हो चुका है और रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई है। एनटीपीसी की दुलंगा और तलाईपल्ली कोयला खनन परियोजनाओं, टीएचडीसी की अमेलिया कोयला खनन परियोजना, महावीर कोल रिसोर्सज प्राइवेट लिमिटेड के रिजेक्ट यार्ड में ओजीएल/उत्खनन माप कार्य किए गए हैं।

बिहार की 4 नदियों अर्थात सोन, फल्गु, किऊल और चानन नदियों और यूपी के बांदा जिले में यमुना, केन और बागीन नदियों के विभिन्न स्थलों पर रेत पुनःपूर्ति अध्ययन के लिए डेटा अधिग्रहण के लिए डीजीपीएस पद्धति का उपयोग किया गया था। इरकॉन और आईटीडी सीमेंटेशन के लिए पश्चिम बंगाल के सिवोक-रंगपो रेल लिंक परियोजना में जाइरोमैट 3000 का उपयोग करके सुरंग संरेखण के लिए जाइरोस्कोपिक सर्वेक्षण भी सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है।



8.0 कोल वाशरी की स्थापना में सहायता:

सीएमपीडीआई जल ग्रीनफील्ड कोयला वाशरियों के लिए वैचारिक रिपोर्ट तैयार करने से लेकर कार्य देन (अवार्ड) एवं उसके बाद ड्राईगों की संवीक्षा तथा वर्तमान वाशरियों के रूपान्तरण/आधुनिकीकरण तक तकनीकी सेवा देता है। इन सेवाओं में गहन लेबोरेटरी स्टडी, तकनीकी आर्थिक संभाव्यता रिपोर्ट (टीईएफआर) तथा वैचारिक रिपोर्ट (सीआर) की तैयारी, बोली प्रक्रिया प्रबंधन, संविदा दस्तावेज की तैयारी तथा परियोजना के कार्यान्वयन के दौरान ड्राईग की संवीक्षा के बाद कार्य देने (अवार्ड आफ वर्क) में सहायता शामिल है।

बीसीसीएल के कमांड क्षेत्र के तहत कोकिंग कोयला खदानों के गुणवत्ता मानकों के संबंध में एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई है और नवंबर 2022 में सीआईएल को प्रस्तुत की गई है और बीसीसीएल की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। इसके अलावा, एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना अर्थात् "भारतीय कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयले की बेहतर धुलाई दक्षता के लिए लागत प्रभावी प्रक्रिया फ्लोशीट का डिजाइन" पूरा किया गया और परियोजना पूर्णता रिपोर्ट 28.07.2022 को सीआईएल के अनुसंधान एवं विकास बोर्ड द्वारा स्वीकार कर ली गई।

कोकिंग कोयले की मांग से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक मसौदा रिपोर्ट सीएमडी, सीएमपीडीआईएल और सीएमडी, मेकॉन की संयुक्त अध्यक्षता में एमओसी द्वारा गठित समिति द्वारा तैयार की गई है और रिपोर्ट अंतिम चरण में है। कोल इंडिया लिमिटेड से कोयला खरीदने के लिए स्वतंत्र रूप से वाशरी स्थापित करने वाली निजी पार्टियों के लिए एक मसौदा नीति ढांचा भी तैयार किया गया है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

9.0 पर्यावरणिक सेवा:

वर्ष 2022-23 के दौरान आसनसोल, धनबाद, नागपुर, बिलासपुर, कुसमुंडा, हसदेव, जयंत, भुवनेश्वर तथा रांची स्थित अपने 9 पर्यावरणिक प्रयोगशालाओं के जरिए कोल इंडिया लिमिटेड की 299 परियोजनाओं/कलस्टर्स/संस्थापनों की पर्यावरणिक मॉनिटरिंग (वायु, जल एवं ध्वनि) की गई तथा 30 ड्राफ्ट ईआईए/ईएमपी/परिशिष्ट ईआईए/ईएमपी (पर्यावरण प्रभाव आकलन/पर्यावरण प्रबंधन योजनाएं) और 36 फार्म-1 / फार्म-IV / फार्म VI सहित 66 रिपोर्ट तैयार किए गए। कुछ विशेष कार्य जैसे वहन क्षमता अध्ययन, नदी पारिस्थितिकी तंत्र अध्ययन, पुनर्ग्रहण स्थलों का पारिस्थितिक अध्ययन, सीवर नेटवर्क, एसटीपी और ईटीपी का डिजाइन भी सीएमपीडीआईएल द्वारा किए गए थे।

सीआईएल खदानों के कार्बन पदचिह्न और कार्बन तटस्थता के लिए 'रोड मैप' और 'कोयला पीएसयू में पर्यावरण स्थिरता - वर्तमान स्थिति और आगे का रास्ता' पर रिपोर्ट एमओसी के लिए एसडीसी के तहत तैयार और प्रस्तुत की गई थी। सीएमपीडीआईएल ने कार्बन पदचिह्न विश्लेषण और कार्बन तटस्थता के लिए रोड मैप के लिए एससीसीएल को अपनी सेवाएं भी प्रदान कीं। इसके अलावा, सीएमपीडीआईएल ने भारत की जी20 प्रेसीडेंसी के तहत 'कोयला क्षेत्र में उचित परिवर्तन के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं' पर रिपोर्ट तैयार और प्रस्तुत की है।

उत्तर प्रदेश राज्य के 26 जिलों और बिहार राज्य की 4 नदियों (11 जिलों को कवर करते हुए) के लिए वैज्ञानिक रेत पुनः पूर्ति अध्ययन किया गया था। सीएमपीडीआईएल ने वानिकी मंजूरी शर्तों के अनुपालन में 4 परियोजनाओं के लिए पहली बार मिट्टी और नमी संरक्षण अध्ययन भी किया है।

सीएमपीडीआईएल ने "फ्यूजिटिव डस्ट के उत्पादन और संचलन को नियंत्रित करने के लिए प्रणाली और विधि" का आविष्कार किया है और दिसंबर, 2022 में इसके लिए पेटेंट प्राप्त किया है। इस प्रणाली का उपयोग खदानों, थर्मल पावर प्लांटों, रेलवे साइडिंग, बंदरगाहों, निर्माण स्थलों में किया जा सकता है, जिसमें, कोयला या अन्य खनिज/भगोड़ी सामग्री को खुले आसमान के नीचे संग्रहित किया जाता है। खुले स्रोतों से धूल उत्पादन को कम करने के अलावा, यह शोर क्षीणन भी प्रदान करेगा।

इसके अलावा, सीएमपीडीआईएल सीआईएल और पूरे भारत में फैले हुए अन्य संगठनों को अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए ओपनकास्ट/भूमिगत खनन, थर्मल, सीबीएम और कोयला वाशरी क्षेत्रों सहित खनिजों के खनन के लिए भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई), नई दिल्ली द्वारा पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) के परामर्श संगठन के रूप में अपनी मान्यता जारी रखे हुए है।

10.0 कोयला आधारित ऊर्जा का वैकल्पिक स्रोत:

सीएमपीडीआईएल ने कोयला आधारित गैर-पारंपरिक ऊर्जा के व्यावसायिक विकास को सरल बनाने के लिए अपना प्रयास जारी रखा और यह राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ व्यावसायिक तथा अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं का अनुसरण कर रहा सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों की ओर से, सीएमपीडीआईएल सीआईएल के लीजहोल्ड क्षेत्रों में कोलबेड मिथेन (सीबीएम) के विकास पर काम कर रही है।

तदनुसार, सीएमपीडीआईएल द्वारा कोल बेड मिथेन के व्यावसायिक दोहन के लिए पट्टेधारी (अनुषंगी कंपनियों) तथा सीआईएल के परामर्श से सीआईएल की अनुषंगी कंपनियों के खनन पट्टे भीतर संभावित सीबीएम ब्लॉकों की रूपरेखा निर्धारण के लिए सीएमपीडीआईएल द्वारा कदम उठाए जा चुके हैं। गैसीय सीम आम तौर पर दामोदर वैली कोलफील्ड्स तथा सोहागपुर कोलफील्ड्स में मिलते हैं। प्रारंभ में सीबीएम के व्यावसायिक विकास के उद्देश्य से सीआईएल के पट्टे वाले क्षेत्र में सीएमपीडीआईएल द्वारा तीन सीबीएम ब्लॉक, की रूपरेखा तैयार की गई है जिनके नाम हैं झरिया सीबीएम ब्लॉक- I (बीसीसीएल क्षेत्र), (II) रानीगंज सीबीएम ब्लॉक (ईसीएल क्षेत्र) तथा सोहागपुर ब्लॉक (एसईसीएल क्षेत्र)।

संबंधित अनुषंगी कंपनियों के साथ हुए समझौता ज्ञापन के अनुसार सीबीएम के विकास के लिए सीएमपीडीआईएल प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) है। सीबीएम डेवलपर (सीबीएमडी) के जरिए सीबीएम के व्यावसायिक निष्कर्षण के लिए संबंधित अनुषंगी कंपनियों के बोर्ड द्वारा झरिया सीबीएम- I ब्लॉक (बीसीसीएल एरिया), रानीगंज सीबीएम ब्लॉक (ईसीएल क्षेत्र) तथा सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक की परियोजना संभाव्यता रिपोर्ट के सैद्धान्तिक अनुमोदन प्राप्त हुआ।

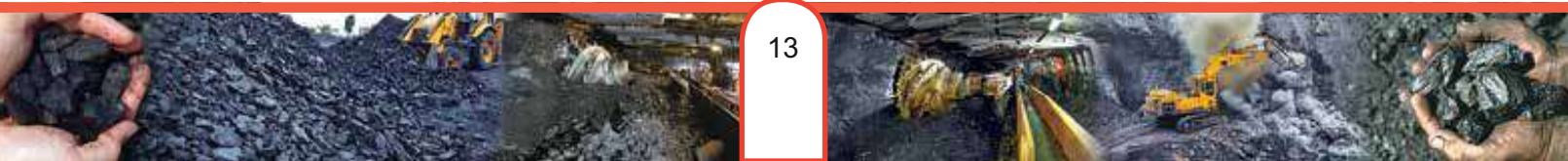
झरिया सीबीएम ब्लॉक- I को वैश्विक बोली के माध्यम से चयनित सीबीएम डेवलपर (सीबीएमडी) के रूप में मेसर्स प्रभा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को प्रदान किया गया है और राजस्व साझाकरण अनुबंध पर 20 सितंबर, 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे। ब्लॉक अन्वेषण चरण के तहत है। अन्य दो ब्लॉक यानी रानीगंज सीबीएम ब्लॉक और सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक- I के विकास की संभावनाओं के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

हमारे माननीय प्रधान मंत्री का दृष्टिकोण 2030 तक कोयला गैसीकरण के लिए 100 मिलियन टन कोयले का उपयोग करना है। उपरोक्त निर्देश के मद्देनजर, ईसीएल, एसईसीएल और एमसीएल कोयला से रासायनिक/उर्वरक और संभावित डाउनस्ट्रीम उत्पाद संयंत्र स्थापित करने का इरादा रखते हैं। बिल्ड-ओन-ऑपरेट (बीओओ) आधार पर गेल, आईओसीएल और बीएचईएल और डब्ल्यूसीएल के साथ संयुक्त उद्यम मोड पर कोयला गैसीकरण के माध्यम से। ईसीएल, एमसीएल और एसईसीएल की गैसीकरण परियोजनाओं के लिए पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट (पीएफआर) तैयार की गई है। तीन परियोजनाओं के लिए परिकल्पित अंतिम उत्पाद एसएनजी, अमोनियम नाइट्रेट और डीएमई हैं। सीएमपीडीआईएल ईसीएल, डब्ल्यूसीएल और एसईसीएल में गैसीकरण परियोजनाओं के विकास से संबंधित कार्य करने के लिए सिद्धांत कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) है।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, डब्ल्यूसीएल में 'कोयला से अमोनियम नाइट्रेट' परियोजना के लिए बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदाएं 6 मार्च, 2023 को जारी की गई हैं।

11.0 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ:

कोयला मंत्रालय (एमओसी) तथा सीआईएल के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुदान के तहत वित्त पोषित अनुसंधान क्रिया-कलापों को समन्वित करने के लिए सीएमपीडीआईएल पुल नोडल एजेंसी है। अनेक शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों द्वारा किए जा रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों के समन्वयन के अलावा सीएमपीडीआईएल अपने सुस्थापित प्रयोगशाला की सहायता से कोयला/लिग्नाइट खनन उद्योगों के प्रमुख क्षेत्रों जैसे कोयला गवेषण, कोयला आधारित गैर परंपरागत ऊर्जा संसाधन



जैसे कोल बेड मिथेन (सीबीएम), कोल माइन मिथेन (सीएमएम), कोयला गैसीकरण (भूतल एवं भूमिगत) शेल गैस मूल्यांकन, कोयला परिष्करण और उपयोग, उत्पादन में सुधार, खानों में उत्पादकता और सुरक्षा, खान पर्यावरण और पारिस्थितिकी की सुरक्षा और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी का विकास आदि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में अनुसंधान कार्य भी करता है।

वर्षों से अधिकांश अनुसंधान परियोजनाओं से काफी लाभ मिला है, जिसके फलस्वरूप परिचालनात्मक सुधार, अपेक्षाकृत सुरक्षित कार्य स्थिति, बेहतर संसाधन प्राप्ति तथा पर्यावरण का संरक्षण हुआ है। इनमें से कुछ अनुसंधानों का इस उद्योग पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है, जबकि कुछ ऐसे भी हैं जिनसे खनन आयोजना, डिजाइन तथा तकनीकी सेवाएँ सशक्त हुई हैं जिनकी जरूरत चालू खानों तथा भावी खनन परियोजनाओं दोनों को है।

2022-23 के दौरान 9 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं। ये पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं "सीआईएल कमांड क्षेत्रों के भीतर सीएमएम संसाधन के निष्कर्षण के लिए क्षमता निर्माण"; "संवादात्मक तंत्रिका नेटवर्क और हाइपर-स्पेक्ट्रल छवियों के आधार पर कोयला गुणवत्ता अन्वेषण तकनीक का विकास"; "उच्च राख वाले भारतीय कोयले के लिए अप्रत्यक्ष कोयला गैसीकरण रिएक्टर की मॉडलिंग और डिजाइन"; "कोयला खदान कामकाज में विभिन्न खनन विधियों के लिए स्तंभों/स्तंभों की श्रृंखला की डिजाइन और स्थिरता"; "उपग्रह डेटा और जमीनी अवलोकन का उपयोग करके कोयला क्षेत्र क्षेत्र में क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए एक पद्धति का विकास"; "तेल संचयन के माध्यम से वॉशरी ग्रेड कोकिंग कोयले और उच्च राख वाले गैर-कोकिंग कोयले से राख सामग्री (खनिज पदार्थ) को कम करने पर बेंच स्केल अध्ययन"; "भारत में ओपनकास्ट कोयला खदानों में ओवरबर्डन डंप की ऊंचाई बढ़ाने के लिए दिशानिर्देशों का विकास"; "सुरक्षा के साथ बंद कोयला खंभों को निकालने वाली ओपन कास्ट खदानों में आग लगने की घटना की भविष्यवाणी करने में सक्षम करने के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मशीन लर्निंग समाधान विकसित करना" और "लागत प्रभावी सुरक्षित संचालन के लिए रियल-टाइम प्रोग्नोसिस सिस्टम (आरटीपीएस) का विकास और अपनाना" मोबाइल मशीनरी का: डम्पर बेड़े का शोकेस प्रदर्शन" से संबंधित हैं।

भारत और विदेश में अनुसंधान संगठनों/शैक्षणिक संस्थानों और कोयला/लिग्नाइट उत्पादक कंपनियों के साथ लगातार बातचीत की जा रही है ताकि उन्हें सीआईएल की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए लाभकारी आवश्यकता-आधारित अनुसंधान प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। सीआईएल अपनी पहुंच बढ़ाने और अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में भारत और विदेशों में अधिक विश्व स्तरीय वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थानों को शामिल करने का इरादा रखता है ताकि वह आत्म-निर्भर बनकर देश की आकांक्षाओं को पूरा कर सके। विभिन्न अनुसंधान संगठनों/शैक्षणिक संस्थानों से अनुरोध किया गया है कि वे कोयला मंत्रालय और कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषण के लिए ऊर्जा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण और विश्वसनीय अनुसंधान परियोजनाओं और पहलों के माध्यम से अपने प्रतिभा पूल से विशेषज्ञों और युवा वैज्ञानिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करें।

पर्यावरणीय स्थिरता, ऊर्जा प्रबंधन और डिजिटलीकरण, कार्बन उत्सर्जन में कमी, नवीकरणीय ऊर्जा, एआई और आईओटी का उपयोग, अपशिष्ट से धन निर्माण, गवेषण आदि क्षेत्रों में नई तकनीकों की तैनाती के लिए नई परियोजनाएं शुरू करके अनुसंधान एवं विकास पहल के विविधीकरण पर जोर दिया जा रहा है।

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) को बढ़ावा देने के लिए कोयला और लिग्नाइट क्षेत्र में एस एंड टी अनुसंधान के लिए एक वेबसाइट (<https://scienceandtech.cmpdi.co.in>) डिजाइन की गई है। उपरोक्त वेबसाइट पर, कोयला अनुसंधान परियोजनाओं को लागू करने के लिए दिशानिर्देशों सहित पूर्ण और चालू अनुसंधान परियोजनाओं से संबंधित जानकारी उपलब्ध है।

वर्तमान में, आईआईटी, बॉम्बे; आईआईटी-आईएसएम, धनबाद; आईआईटी, खड़गपुर; आईआईटी, रुड़की; आईआईटी कानपुर; आईआईटी, बी.एच.यू., वाराणसी; आईआईटी, गुवाहाटी; एनआरएससी, हैदराबाद; जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएसआर), बेंगलूर; एनएमएल, जमशेदपुर; सीआईएमएफआर, धनबाद; एनआईटी, नागपुर; एससीसीएल; पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़; स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईएस), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली; ड्यूक यूनिवर्सिटी, यूएसए; सीएसआईआरओ, ऑस्ट्रेलिया; SIMTARS ऑस्ट्रेलिया; न्यू कैसल विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया; एलटीयू, स्वीडन, आदि जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के सहयोग से 41 अनुसंधान परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं।

सफलतापूर्वक पूर्ण की गई कुछ अनुसंधान परियोजनाओं के परिणामों को उजागर करने वाली एक पुस्तिका, जिसमें उनकी प्रतिकृति की क्षमता है, तैयार की गई है और परिणामों को बढ़ावा देने के लिए सभी हितधारकों को वितरित की गई है। इसके अलावा, अक्टूबर 2022 में नई दिल्ली में आयोजित प्रथम खनन कॉन्क्लेव में सफलतापूर्वक पूर्ण की गई परियोजनाओं पर एक लघु फिल्म प्रदर्शित की गई, जिसमें उनकी प्रतिकृति की क्षमता थी। जनवरी 2023 में माइन-टेक का एक विशेष आर एंड डी अंक भी प्रकाशित किया गया है, जिसमें प्रतिकृति की क्षमता वाली कुछ पूर्ण परियोजनाओं के परिणामों पर प्रकाश डाला गया है। सीआईएमएल के निदेशक (तकनीकी) की अध्यक्षता में एक जागरूकता कार्यक्रम 9 जनवरी 2023 को प्रोत्साहित करने के लिए आयोजित किया गया था। सीआईएमएल की दीर्घकालिक स्थिरता के लिए आवश्यकता-आधारित अनुसंधान प्रस्तावों को प्रस्तुत करना लाभकारी है।

12.0 निगमित सामाजिक दायित्व तथा सस्टेनेबिलिटी:

सीएमपीडीआईएमएल अपने व्यावसायिक उद्देश्यों के साथ-साथ कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) नीति के तहत अपने आसपास के समुदायों और आम सार्वजनिक जीवन के कल्याण और उत्थान के लिए लगातार प्रयासरत है। पिछले कुछ वर्षों में, सीएमपीडीआईएमएल ने सीएसआर के तहत अपने मुख्यालय, क्षेत्रीय संस्थानों और ड्रिलिंग शिविरों के आसपास के समुदायों के विकास और उत्थान के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, पर्यावरण और स्वच्छता, बुनियादी ढांचे आदि के क्षेत्रों में विभिन्न पहल की हैं। सीएमपीडीआईएमएल ने सराहनीय कार्य किया है और लक्ष्य से अधिक खर्च कर अपनी प्रतिबद्धता सुनिश्चित की है।

वर्ष 2022-23 के दौरान सीएसआर के तहत की गई प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं-मशीन ऑपरेटर के रूप में झारखंड, महाराष्ट्र, उड़ीसा और छत्तीसगढ़ के 430 वंचित/बेरोजगार युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण, आजीविका संवर्धन में सहायता के लिए झारखंड के 2000 पशु-संखियों को वैक्सीन बॉक्स प्रदान करना नेत्र सहायक में 2 वर्षीय डिप्लोमा कार्यक्रम में झारखंड के 20 युवाओं को प्रशिक्षण, फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट द्वारा 100 युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण, नंदन कानन चिड़ियाघर के जानवरों के स्वास्थ्य देखभाल के लिए उपकरण प्रदान करना, जिला अस्पताल रांची के लिए उपकरणों की व्यवस्था करना, रांची के मिसिरगोंडा में शौचालय और सोलर लाइट की व्यवस्था, स्कूलों में शौचालय की व्यवस्था, महाराष्ट्र, झारखंड और छत्तीसगढ़ में दिव्यांगों के लिए सहायक उपकरण की व्यवस्था आदि।

13.0 प्रबंधन प्रणाली मानक में परामर्शी सेवा:

कोल इंडिया लिमिटेड की सभी सहायक कंपनियों में प्रबंधन प्रणाली मानक के कार्यान्वयन कराने के लिए सीएमपीडीआईएमएल नोडल एजेंसी है, जो विभिन्न प्रबंधन प्रणाली मानकों जैसे आईएसओ 9001, आईएसओ 14001, आईएसओ 45001, आईएसओ 50001, ओएचएसएस 18001, आईएसओ 37001 आदि के अनुप्रयोग के लिए परामर्शी सेवा देता है। हम इन मानकों की स्थापना, प्रलेखन, जागरूकता, प्रशिक्षण, आंतरिक अंकेक्षण सहायता, कार्यान्वयन, प्रमाणन सहायता के साथ-साथ प्रमाणोत्तर सहायता देते हैं।

सभी क्षेत्रीय संस्थानों के साथ सीएमपीडीआई को नए संशोधित आईएसओ 9001: 2015 मानक की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लाइसेंस प्रदान किया गया है। सीएमपीडीआईएल का वर्तमान आईएमएस नियमावली में आईएसओ 9001, गुणता प्रबंधन प्रणाली, आईएसओ 14001 पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली, आईएसओ 27001 सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली तथा आईएसओ 50001 ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली शामिल है। सीएमपीडीआई, राँची ने आईएसओ 37001:2016 रिश्ततरोधी प्रणाली को भी कार्यान्वित किया है।

हमारे मार्गदर्शन एवं सहायता से सीआईएल ने आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001: 2015, आईएसओ 14001:2015 तथा आईएसओ 5001:2011 (गुणता प्रबंधन प्रणाली, पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली तथा ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली तथा ऊर्जा प्रबंधन प्रणाली) के लिए प्रमाण-पत्र प्राप्त किया है।

31 मार्च 2023 तक, सीआईएल की पांच सहायक कंपनियां यानी ईसीएल, सीसीएल, एनसीएल, एमसीएल और डब्ल्यूसीएल (83 इकाइयां) एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 और आईएसओ 45001:2018) के लिए प्रमाणित हैं। एनसीएल आईएसओ/आईसीसी 27001 - सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली कार्यान्वयन भी लागू कर रहा है और सीएमपीडीआई के मार्गदर्शन में प्रमाणन प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।

14.0 कोल इंडिया लिमिटेड से अलग की कम्पनियों को परामर्श सहायता:

वित्त वर्ष 2022-23 में, हमने सीआईएल के बाहर 39 संगठनों से ₹39 करोड़ से अधिक मूल्य की 84 बाहरी-सीआईएल कंसल्टेंसी के कार्य हासिल किये हैं, जिसमें एनटीपीसी, यूपी सरकार, सुशी चंद्रगुप्त कोल माइन प्राइवेट लिमिटेड, अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, एनएमडीसी, टीएचडीसी, एमआईएमआईपीएल, आईसीवीएल आदि के कंसल्टेंसी कार्य शामिल हैं। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2022-23 में बाहरी ग्राहकों को ₹157 करोड़ से अधिक के ऑफर भेजे गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 82% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है, जो अपने आप में नए ग्राहकों को जोड़ने में हमारी प्रतिबद्धता को व्यक्त करता है। इसके अलावा, हमने हाल ही में आईसीवीएल नामक ग्राहक से एक विदेशी कार्य प्राप्त की है और यह सीएमपीडीआई को सर्वोत्तम संभव परामर्श सेवाएं प्रदान करने के क्रम में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक कदम है।

वर्तमान में, सीईएससी, एनटीपीसी, एनएलसी, मिनरल्स लैब्स सर्विसेज लिमिटेड, जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, एनएमडीसी, टीएसएमपीएल लिमिटेड, एससीसीएल, डीजीएम (बिहार सरकार), डब्ल्यूबीपीडीसीएल, ओएमसी, ओएमडीसी, आदि जैसे 38 संगठनों के लिए सीएमपीडीआईएल द्वारा सीआईएल के बाहर 65 कंसल्टेंसी नौकरियां निष्पादित की जा रही हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 में, सीआईएल के बाहर 34 संगठनों के लिए सीएमपीडीआईएल द्वारा 67 सीआईएल परामर्श नौकरियों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। कुछ प्रमुख ग्राहक यूसीएमआईपीएल, नाल्को, टीएफएल, पीएफसीसीएल, सेल, ईएमआईएल, एनटीपीसी, वेदांता लिमिटेड, यूपी सरकार आदि थे।

15.0 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सेवा:

एमओसी के लिए एक डैशबोर्ड, कोयला दर्पण का रखरखाव किया जा रहा है, जिसमें भारतीय कोयले और लिग्नाइट के बारे में जानकारी है। संपूर्ण सीआईएल के लिए कॉलोनी रखरखाव पोर्टल विकसित किया गया है और कार्यान्वयन के लिए तैयार है।

ईआरपी को इसके 6 मॉड्यूल अर्थात् एचसीएम, एफआईसीओ, पीएम, पीएस, एमएम और एसडी के साथ सीएमपीडीआईएल में लागू किया गया है। रेलटेल कॉर्पोरेशन द्वारा मुख्यालय, डीसी और डीआर में 100 एमबीपीएस बैंडविड्थ और आरआई में 40 एमबीपीएस बैंडविड्थ के साथ प्राथमिक एमपीएलएस कनेक्टिविटी स्थापित की गई है। मुख्यालय पर 100 एमबीपीएस बैंडविड्थ और आरआई पर 40 एमबीपीएस बैंडविड्थ के साथ माध्यमिक एमपीएलएस कनेक्टिविटी बीएसएनएल द्वारा स्थापित की गई है।

सीएमपीडीआईएल ने पूरे कोल इंडिया लिमिटेड के ई-ऑफिस को नए बुनियादी ढांचे में अपग्रेड किया है। सीएमपीडीआईएल मुख्यालय और आरआई से चालान अपलोड करने के लिए एक पोर्टल विकसित किया गया है जो हमारे ग्राहक सीआईएल सहायक कंपनियों को चालान डाउनलोड करने और उन्हें तुरंत संसाधित करने की सुविधा प्रदान करता है। इससे सीएमपीडीआईएल को चालान के भुगतान में देरी कम हो जाएगी।

सीएमपीडीआईएल के लिए ऑनलाइन क्वार्टर आवंटन पोर्टल विकसित किया गया है और कार्यान्वयन के लिए तैयार है। उपकरण डेटा की निर्बाध प्रविष्टि के लिए भूमिगत और ओपनकास्ट खदान क्षमता आकलन अनुप्रयोगों को विकसित और तैनात किया गया है।

उत्पादकता बढ़ाने के लिए डेटा एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर (एसएसएस) पेश किया गया है। प्रारंभ में डेटा एनालिटिक्स अनुप्रयोगों के लिए सीआईएल के सहयोग से तीन परियोजनाओं की पहचान की गई है। सीआईएल, सीसीएल और एनसीएल के साथ विभिन्न बैठकें आयोजित की गई हैं और इस विषय पर आईआईसीएम में एक कार्यशाला की व्यवस्था की गई है। सीएमपीडीआईएल के लिए दो उपयोग मामले उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण (यूएटी) के तहत हैं। यह उम्मीद की जाती है कि डेटा एनालिटिक्स को एक उपकरण के रूप में सभी सहायक कंपनियों द्वारा दक्षता बढ़ाने के लिए रचनात्मक रूप से उपयोग किया जाएगा।

16.0 मान्यता एवं पुरस्कार:

भारत सरकार ने सीएमपीडीआईएल के योगदान और प्रासंगिकता को मान्यता देते हुए वर्ष 2019 में लोक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिनांक 09-10-1993 के उनके दिशा-निर्देशों ओ / एम नंबर 11 /36/97-वित्त के अनुसार मिनी रत्न (श्रेणी- प) का दर्जा दिया। डीपीई के निर्देश सार्वजनिक क्षेत्र को अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए नीतिगत उद्देश्य के रूप में लाभ कमाने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (पीएसई) को बढ़ी हुई स्वायत्तता और शक्तियों का प्रत्यायोजन प्रदान करते हैं। सीएमपीडीआईएल का प्रभावशाली प्रदर्शन 2007-08 (2010-11, 2018-19 और 2020-21 को छोड़कर) से लगातार उत्कृष्ट एमओयू (सीआईएल और सीएमपीडीआईएल के बीच) रेटिंग प्राप्त करने में परिलक्षित हुआ। अस्थायी रूप से मूल्यांकन की गई उत्कृष्ट रेटिंग के साथ 2021-22 के लिए समझौता जापान सीआईएल में मूल्यांकन और अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

17.0 निगमित शासन:

भारत सरकार के लोक उद्यम विभाग द्वारा जारी सेंट्रल पब्लिक सेक्टर इंटरप्राइजेज के लिए निगमित शासन पर सरकार के दिशा-निर्देश के अनुसार सीएमपीडीआईएल द्वारा निगमित शासन की शर्तों को पूरा किया गया है। निदेशक मंडल की रिपोर्ट में निगमित शासन पर एक अलग खंड (सेक्शन) जोड़ा गया है तथा निदेशक मंडल की रिपोर्ट में कंपनी से सांविधिक अंकेषकों से निगमित शासन की शर्तों के अनुपालन पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट में एक परिशिष्ट लगाया गया है।

18.0 आभारोक्ति

ये सभी उपलब्धियाँ आपकी कंपनी के सामूहिक प्रयास, श्रमिक संगठनों (जेसीसी) तथा ऑफिसर्स असोसिएशन के सदस्यों द्वारा अनवरत सहयोग के साथ-साथ कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा दिए गए सहयोग से प्राप्त हो सकी हैं। मुझे विश्वास है कि कर्मचारियों की संलिप्तता, समर्पण तथा कंपनी में उपलब्ध विशेषज्ञता भावी कार्य के प्रति समर्पण दिलासा का बड़ा स्रोत होगा। मैं विश्वास है कि हम भविष्य में और ऊँचाई प्राप्त करने का प्रयास जारी रखेंगे तथा पहले की तरह हर स्तर पर समर्पित प्रतिबद्धता तथा उपलब्धियों के साथ शेयर होल्डर की चुनौतियों एवं आकांक्षों को पूरा करेंगे।

मैं सभी शेयर होल्डर, कोयला मंत्रालय, अन्य मंत्रालयों तथा विभागों, राज्य सरकारों, सभी कर्मचारियों, श्रमिक संगठनों, ग्राहकों एवं विक्रेताओं (वेन्डरों) को उनकी हार्दिक सहायता तथा अनवरत सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

स्थान: राँची

दिनांक: 21.07.2023



(मनोज कुमार)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

सीएमपीडीआई लिमिटेड प्रदर्शन: एक अवलोकन

आकड़े करोड़ रुपये में

वित्तीय वर्ष	2022-23 (अंकेक्षित)	2021-22 (अंकेक्षित)	2020-21 (अंकेक्षित)
विवरण			
सेवाओं की बिक्री (निबल बिक्री)	1386.09	1208.43	1488.6
अन्य आय	12.69	29.83	20.08
कुल आय	1398.78	1238.26	1508.68
कुल खर्च	1031.83	872.22	1094.19
पी बी टी	366.95	366.04	414.49
पी ए टी	296.66	282.12	316.96
कुल ब्लॉक	243.8	204.85	188.01
चालू परिसम्पत्तियां	1598.64	1373.56	1414.43
चालू देयताएं	599.21	510.03	617.79
कार्यकारी पूंजी	999.43	863.53	796.64
नियोजित पूंजी*	1243.23	1068.38	984.65
इक्विटी पूंजी	142.8	142.8	142.8
भंडार और अधिशेष	1094.98	871.72	659.45
नेट वर्थ **	1217.65	995.62	784.47
नियोजित पूंजी पर रिटर्न	29.52	34.27	42.11
ईपीएस	2077.45	1975.63	2219.61

*नियोजित पूंजी = नेट ब्लॉक + वर्किंग कैपिटल

**नेट वर्थ = इक्विटी शेयर कैपिटल + रिज़र्व एंड सरप्लस एक्सक्लुडिंग कैपिटल रिज़र्व

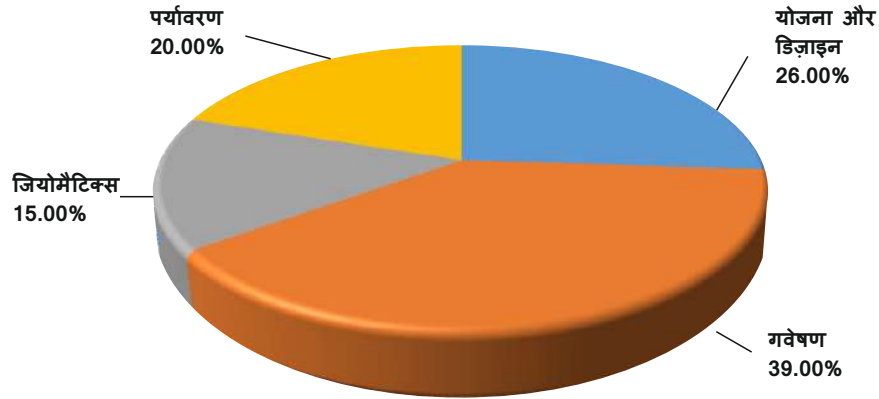
*** 1428000 बकाया इक्विटी शेयरों की कुल संख्या के आधार पर प्रति शेयर आय का पुनर्कथन किया गया है

आकड़े करोड़ रुपये में

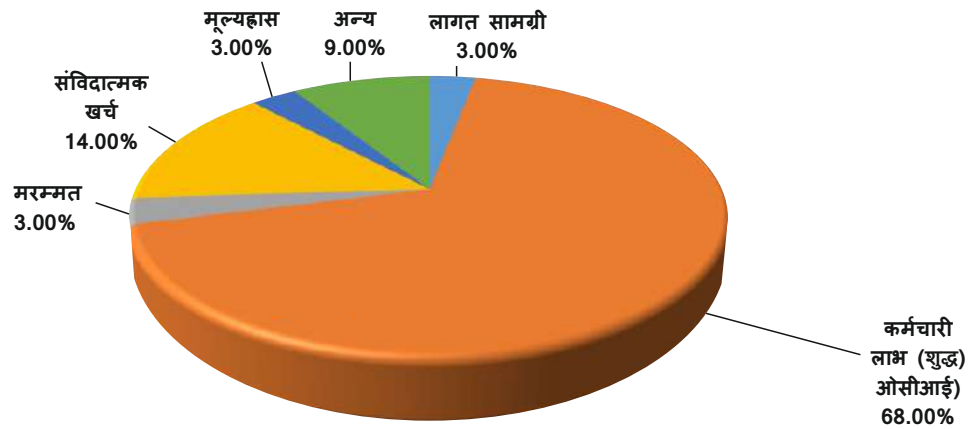
वित्तीय वर्ष	2022-23 (अंकेक्षित)	2021-22 (अंकेक्षित)	2020-21 (अंकेक्षित)
पीबीटी	366.95	366.04	414.49

सीएमपीडीआईएल का वित्तीय अवलोकन

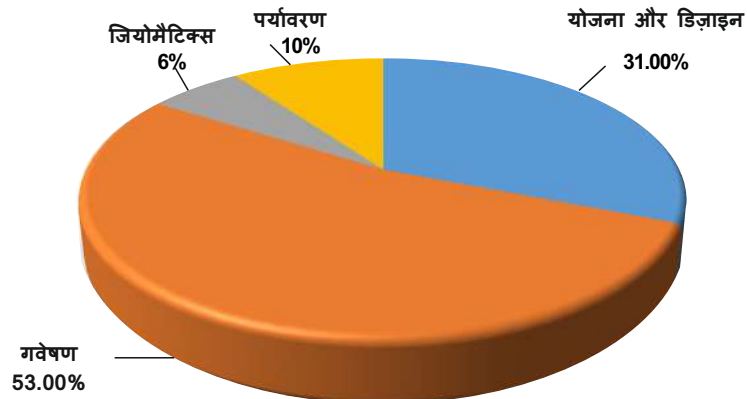
वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए बिक्री का विवरण



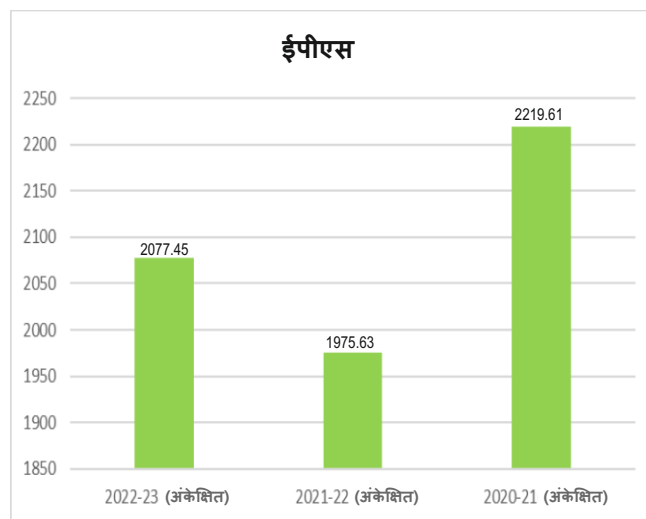
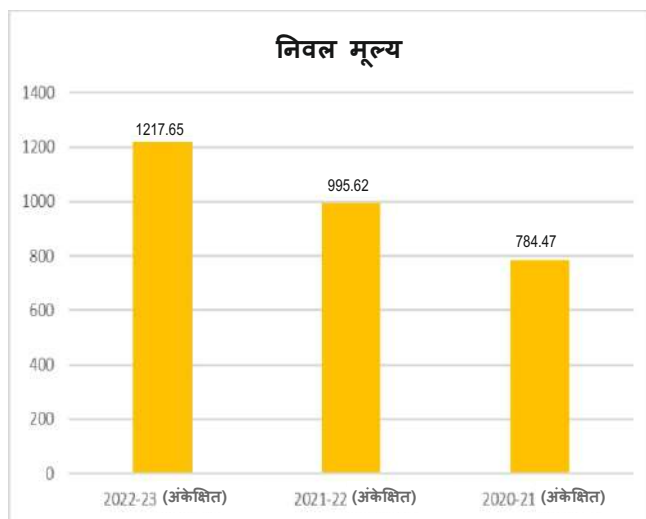
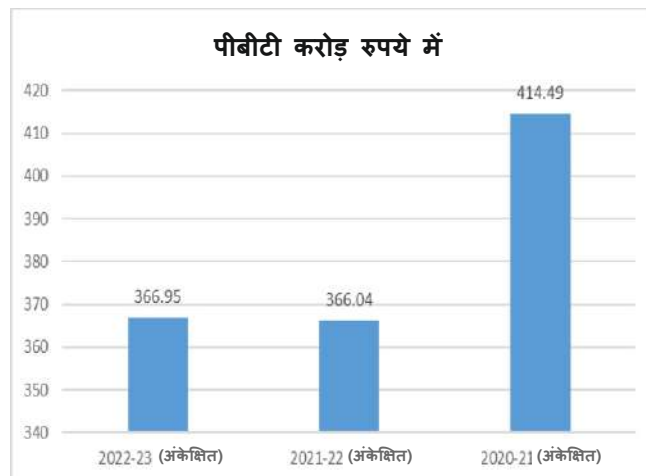
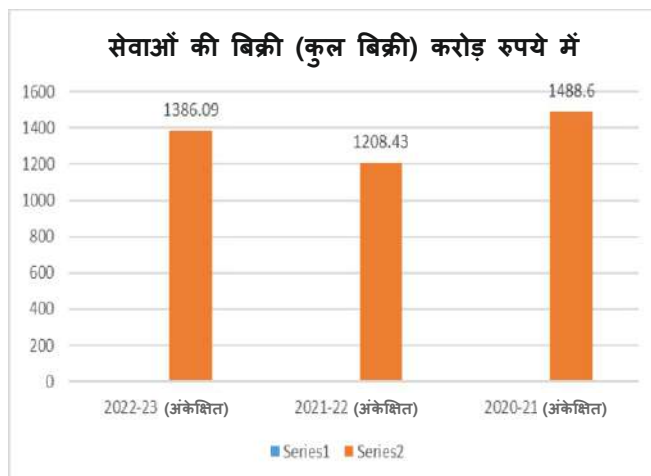
वित्तीय वर्ष 2022-23 के एक्सपेंडीचर का ब्रेकअप



व्यय (ओसीआई का शुद्ध) ब्रेकअप वित्तीय वर्ष 2022-23



सीएमपीडीआईएल का वित्तीय अवलोकन



निदेशक-मंडल का प्रतिवेदन

सेवा में,
अंशधारक

मुझे निदेशक-मंडल की ओर से 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए हिसाब-किताब तथा उस पर सांविधिक अंकेक्षकों के प्रतिवेदन और उस पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन सहित आपकी कंपनी के क्रिया-कलाप पर आधारित 48वाँ वार्षिक प्रतिवेदन पेश करते हुए अपार हर्ष हो रहा है।

भाग-क

1.0 निगमित पर्यवलोकन:

आपकी मिनी रत्न (कैट-1) कंपनी ने गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची स्थित अपने मुख्यालय तथा आसनसोल, धनबाद, राँची, नागपुर, बिलासपुर, सिंगरौली तथा भुवनेश्वर स्थित सातों क्षेत्रीय संस्थानों के साथ कार्य जारी रखी। सातों क्षेत्रीय संस्थानों को क्षेत्रीय संस्थान-1 से क्षेत्रीय संस्थान-7 तक का नाम दिया गया जो कोल इंडिया लिमिटेड की 7 संगत अनुषंगी कोयला उत्पादक कंपनियों जैसे ईसीएल (क्षे.सं.-1), बीसीसीएल (क्षे.सं.-2), सीसीएल (क्षे.सं.-3), डब्ल्यूसीएल (क्षे.सं.-4), एसईसीएल (क्षे.सं.-5), एनसीएल (क्षे.सं.-6) तथा एमसीएल (क्षे.सं.-7) को अपनी समर्पित सेवाएँ देती रही हैं।

सीआईएल, मुख्यालय, एनईसी तथा गैर सीआईएल ग्राहकों जैसे एनटीपीसी लिमिटेड, ओडीसी कोल एंड पावर लिमिटेड (ओसीपीएल), गुजरात इन्डस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड (जीआईपीसीएल), एनएलसी इंडिया लिमिटेड, अल्ट्राटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड, आदि को परामर्श सेवाएँ मुख्यतः सीएमपीडीआईएल मुख्यालय के द्वारा दी गई। इन परामर्श सेवा के अलावा सीएमपीडीआईएल ने कोयला मंत्रालय की विशेषज्ञता वाला कार्य का भी संचालन किया है।

वित्त वर्ष 2022.23 में हमने सीआईएल के बाहर 39 संगठनों से ₹39 करोड़ से अधिक मूल्य की 84 बाहरी सीआईएल कंसल्टेंसी के कार्य हासिल किये हैं, जिसमें एनटीपीसीएल यूपी सरकार ए सुशी चंद्रगुप्त कोल माइन प्राइवेट लिमिटेड ए अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ए एनएमडीसीएल टीएचडीसीएल एमआईएमआईपीएल ए आईसीवीएल आदि के कंसल्टेंसी कार्य शामिल हैं। इसके अलावा वित्त वर्ष 2022.23 में बाहरी ग्राहकों को ₹157 करोड़ से अधिक के ऑफर भेजे गए हैं जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 82% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है जो अपने आप में

नए ग्राहकों को जोड़ने में हमारी प्रतिबद्धता को व्यक्त करता है। इसके अलावा हमने हाल ही में आईसीवीएल नामक ग्राहक से एक विदेशी कार्य प्राप्त की है और यह सीएमपीडीआई को सर्वोत्तम संभव परामर्श सेवाएं प्रदान करने के क्रम में एक वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक कदम है।

वर्तमान में सीईएससीएल एनटीपीसी एनएलसीएल मिनरल्स लैब्स सर्विसेज लिमिटेड, जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, एनएमडीसी, टीएसएमपीएल, लिमिटेड, एससीसीएल, डीजीएम ;बिहार सरकार द्ध डब्ल्यूबीपीडीसीएल ओएमसी, ओएमडीसी, आदि जैसे 38 संगठनों के लिए सीएमपीडीआईएल द्वारा सीआईएल के बाहर 65 कंसल्टेंसी नौकरियां निष्पादित की जा रही हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 में सीआईएल के बाहर 34 संगठनों के लिए सीएमपीडीआईएल द्वारा 67 सीआईएल परामर्श नौकरियों को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। कुछ प्रमुख ग्राहक यूसीएमआईपीएल, नाल्को, टीएफएल, पीएफसीसीएल, सेल, ईएमआईएल, एनटीपीसी, वेदांता लिमिटेड ए यूपी सरकार आदि थे।

1.1 प्रदत्त प्रमुख सेवाएँ:

• भू-वैज्ञानिक गवेषण एवं ड्रिलिंग:

विश्वसनीय भू-वैज्ञानिक तथा भू-अभियंत्रण आँकड़ा तैयार करने तथा खनन परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए स्व-स्थाने कोयला भंडार के मूल्यांकन के उद्देश्य से क्षेत्रीय तौर पर गवेषित ब्लॉकों का विस्तृत भू-वैज्ञानिक गवेषण, मल्टी प्रोब भू-भौतिक लॉगिंग के जरिए भू-भौतिक सर्वेक्षण, हाई रिजोल्यूशन शैलो सीममिक सर्वेक्षण, जल भू-वैज्ञानिक अन्वेषण तथा कोल बेड मिथेन संसाधनों की पहचान।

• परियोजना आयोजन एवं डिजाइन:

भूमिगत और खुली खानों के लिए संभाव्यता रिपोर्ट, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तथा विस्तृत अभियंत्रण ड्राइंग, कोयला क्षेत्रों का मास्टर प्लान, कोल और मिनरल बेनीफिशिएशन तथा यूटिलाइजेशन प्लान, कोयला निपटान संयंत्र, वर्कशॉप और अन्य सहायक इकाईयाँ तथा निवेश निर्णय के लिए परियोजना रिपोर्ट एवं विभिन्न योजनाओं का तकनीकी-आर्थिक मूल्यांकन सहित आधारभूत सुविधा।



• अभियंत्रण सेवाएँ:

खानों, परिष्करण तथा यूटिलाइजेशन प्लांट्स, कोल हैंडलिंग प्लांट्स, विद्युत आपूर्ति प्रणाली, वर्कशॉप एवं अन्य इकाइयाँ, वास्तुशिल्पीय प्लानिंग एवं डिजाइन के लिए सिस्टम और सब-सिस्टम का विस्तृत डिजाइन

• अनुसंधान एवं विकास:

कोल इंडिया की आरएंडडी द्वारा निधित आरएंडडी योजना और कोयला मंत्रालय द्वारा निधित सभी एसएंडडी योजना के लिए नोडल एजेंसी के रूप में सेवा दे रहा है। सीएमपीडीआईएल, अपने बल पर परिष्करण, खनन, यूटिलाइजेशन, पर्यावरण गवेषण आदि के क्षेत्र में एप्लायड रिसर्च और विकास का कार्य भी शुरू किया है।

• प्रयोगशाला सेवाएँ:

पूरी तरह आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशाला खान की गैसों की गुणवत्ता का पूर्ण विश्लेषण, वायु, ध्वनि, कोयला कोर नमूनों, कोयले की धोवन क्षमता गुण-निर्धारण, संस्तर का भौतिक यांत्रिक शक्ति, पेट्रोग्राफी अध्ययन, गैर विध्वंसक परीक्षण आदि सेवाएँ दे रही है।

• पर्यावरणिक सेवाएँ:

पर्यावरण प्रबंधन योजना की तैयारी, क्षेत्रीय संस्थानों एवं मुख्यालयों के जरिए इसका कार्यान्वयन, घरेलू सीपीसीबी अनुमोदित प्रयोगशालाओं में वायु, जल, ध्वनि नमूनों का विश्लेषण, खान बंदी योजना बनाना तथा खान बंदी की मॉनिटरिंग करना, ओबी एवं हाई वाल का ढाल स्थायित्व अध्ययन, खानों की पर्यावरणिक वहन (कैरिंग) क्षमता तथा नदी तटीय इकोसिस्टम का अध्ययन, पूरे सीआईएल की खानों के लिए भू-उपयोग मानिटरिंग हेतु सुदूर उपग्रह डाटा का प्रयोग, आदि।

• सूचना प्रौद्योगिकी

• मानव संसाधन विकास

• विशेषीकृत सेवाएँ

- ❖ रिमोट सेंसिंग सहित जियोमेटिक्स
- ❖ खानों में संवातन (वेंटिलेशन) एवं गैस सर्वेक्षण
- ❖ नियंत्रित विस्फोटन
- ❖ नए विस्फोटकों का कार्य निष्पादन मूल्यांकन
- ❖ खनन इलेक्ट्रॉनिक्स
- ❖ खान की क्षमता का मूल्यांकन
- ❖ खान थम्हाल का डिजाइन ; रॉक मास रेटिंग (आरएमआर)
- ❖ अनाशक परीक्षण (एनडीटी)
- ❖ प्रबंधन प्रणाली परामर्श
- ❖ कोयला एवं ओबीआर की माप

1.2 वित्तीय कार्यकारी परिणाम:

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने 296.66 करोड़ रुपए कर पश्चात् लाभ अर्जित किया है। कंपनी का कार्यकारी परिणाम नीचे दिया गया है:

विवरण	31.03.2022 को समाप्त वर्ष	31.03.2023 को समाप्त वर्ष
निबल बिक्री	1208.43	1386.09
अन्य आय	29.83	12.69
कुल व्यय	872.22	1031.83
कर के पूर्व लाभ	366.04	366.95
कर व्यय	83.92	70.29
कर के बाद लाभ (क)	282.12	296.66
अन्य विस्तृत आय (ओसीआई)	26.65	25.95
आयकर, जिसे लाभ या हानि में पुनर्वर्गीकृत किया जाएगा	6.71	6.53
अन्य विस्तृत आय (ख)	19.94	19.42
कुल विस्तृत आय (क)+(ख)	302.06	316.08

1.3 प्रबंधन विवेचन एवं विश्लेषण रिपोर्ट:

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट (सीएमपीडीआई लि.) के प्रबंधन ने अपनी विचार-विमर्श एवं विश्लेषण रिपोर्ट पेश की है, जिसमें कंपनी के कार्य निष्पादन तथा संभावनाओं आउटलुक सहित विभिन्न महत्वपूर्ण मामले को शामिल किया गया।

1.3.1 सीएमपीडीआईएल के प्रमुख उद्देश्य:

1. भूवैज्ञानिक, भूभौतिकीय, जल-भूवैज्ञानिक तथा पर्यावरणिक आंकड़ा प्रतिपादन सहित कोयले तथा खनिज गवेषण में परामर्शी सेवा सहायता प्रदान करना।
2. अनुकूलतम खान प्लानिंग के लिए भूवैज्ञानिक मूल्यांकन पर भरोसा के स्तर को ऊँचा कर गवेषण तथा संभाव्यता रिपोर्ट की गुणवत्ता में सुधार करना।
3. संसाधन की उत्पादकता में सुधार लाकर एवं बर्बादी को रोककर आंतरिक संसाधनों का अनुकूलतम निर्माण करना तथा निवेश आवश्यकता को पूरा करने के लिए पर्याप्त बाहरी संसाधन लगाना।
4. कोयला खानों, कोयला परिष्करण तथा यूटिलाइजेशन संयंत्र आदि के लिए परियोजना की प्लानिंग एवं डिजाइनिंग।
5. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अनुसंधान एवं विकास योजना के तहत कोयला क्षेत्र में अनुसंधान क्रिया-कलाप को प्रोत्साहित करना, समन्वय करना तथा इनकी प्रभावकारिता सुनिश्चित करना।
6. कोयला खनन तथा सम्बद्ध परियोजनाओं के लिए पर्यावरण प्रबंधन योजना, (ईएमपी), पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) तथा खान बंदी योजना बनाना।
7. भूमि पुनुरुद्धार मानिट्रिंग, पर्यावरणिक आंकड़ा सृजन, वनाच्छादन मापन, कोयला खान अग्नि मापन, कोयला क्षेत्रों का वृहद पैमाने पर टोपोग्राफिकल मानचित्रण, टीपीएस एवं वाशरी स्थल आदि के चयन सहित आधारभूत संरचना के आयोजन के लिए सुदूर संवेदन सेवा प्रदान करना।

8. कोल इंडिया लिमिटेड की कोयला उत्पादक सहायक कंपनियों को क्षेत्र एवं प्रयोगशाला सेवा मुहैया कराना।

9. कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनियों के अतिरिक्त इससे इतर के संगठनों को परामर्शी सेवा मुहैया कराना।

1.3.2 सीएमपीडीआईएल के क्रिया-कलापों का संक्षिप्त विवरण

सीएमपीडीआईएल के क्रिया-कलापों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- (क) **भू-वैज्ञानिक गवेषण एवं सहायता सेवा-** स्थापना काल से ही यह सीएमपीडीआईएल का प्रमुख कार्य (कोर फंक्शन) रहा है, जो खनिज डिपोजिट(खनिज भंडार) के लिए निम्नलिखित सेवाएँ देता है:
 - गवेषण की आयोजन तथा कार्यान्वयन
 - निवेश तथा दोहन निर्णय के लिए संसाधन मूल्यांकन तथा प्रलेखन और
 - सम्बद्ध क्षेत्र परीक्षण तथा प्रयोगशाला सहायता
- (ख) **आयोजन, डिजाइन तथा सहायता सेवाएँ-** स्थापना काल से ही सीएमपीडीआईएल के दूसरा प्रमुख होने के कारण, निर्माण एवं एवं खानों का परिचालन, परिष्करण, उपयोग तथा अन्य आधारभूत सुविधा और अभियंत्रण परियोजनाओं के लिए निम्नलिखित सेवा दी जाती है।
 - वैचारिक(अवधारणात्मक)/पूर्व-संभाव्यता/संभाव्यता अध्ययन परियोजना रिपोर्ट और मूलभूत एवं विस्तृत अभियांत्रिकी डिजाइन का निर्माण और/अथवा मूल्यांकन
 - अभियंत्रण एवं अन्य संबंधित परामर्श तथा सहायता और
 - संबंधित क्षेत्र परीक्षण एवं प्रयोगशाला सहायता।
- (ग) **पर्यावरणिक प्रबंधन सेवाएँ-** माइन क्लोजर प्लानिंग, लेबोरेटरी तथा टेस्ट सपोर्ट सहित उनके प्लानिंग और आपरेशन के दौरान पर्यावरणिक प्रबंधन के लिए खनन एवं खनिज उद्योग को सभी प्रकार का सपोर्ट 1992 से ही दे रहा है।



(घ) जिओमेटिक्स सेवाएँ-2001 से ऑफर के तहत, निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं:

- खनन पट्टा और वन सीमा के लिए डिफरेंशियल जीपीएस सर्वेक्षण, ओबीआर/कोयला जांच मापन, यूजी खानों का सहसंबंध सर्वेक्षण, आदि।
- कोल माइन फायर मैपिंग, ओपनकास्ट खानों की भूमि सुधार निगरानी, कोयला क्षेत्रों के भूमि उपयोग/वनस्पति कवर मैपिंग आदि सहित रिमोट सेंसिंग अध्ययन।
- स्थलाकृतिक सर्वेक्षण,
- सैटेलाइट डेटा और जीआई के आधार पर थर्मल पावर स्टेशनों का साइट चयन।
- ड्रोन आधारित सर्वेक्षण और मानचित्रण सेवाएं

(ड.) मानव संसाधन विकास: 1976 से इन सेवाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: बाजार के ग्राहकों विशेषकर खनिज एवं खनन सेक्टर को प्रशिक्षण से संबंधित तकनीकी प्रबंधकीय प्रबंधन प्रणाली।

(च) प्रबंधन प्रणाली सेवाएँ: 1997 से यह क्रिएशन, डॉक्यूमेंटेशन, कार्यान्वयन तथा विभिन्न प्रबंधन प्रणाली मानकों का प्रशिक्षण अर्थात् आईएसओ 9001, आईएसओ 14001, ओएचएसएस 18001, एसए 8000, आईएसओ 50001, आईएसओ 27001 तथा आईएसओ 37001 पर सेवाएँ देता आ रहा है। सीएमपीडीआईएल को अपने सभी क्षेत्रीय संस्थानों के साथ संशोधित नए आईएसओ 9001: 2015 मानक की आवश्यकता को पूरा करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लाइसेंस दिया गया है।

(छ) विशेषज्ञता प्राप्त सेवाएँ: खानों में वेंटिलेशन और गैस सर्वेक्षण, नियंत्रित ब्लास्टिंग, नए विस्फोटकों के प्रदर्शन मूल्यांकन, खनन इलेक्ट्रॉनिक्स, खान क्षमता आकलन, खान समर्थन डिजाइन, रॉक मास रेटिंग (आरएमआर), गैर-विनाशकारी परीक्षण, सीआईएल और एमओसी आदि के लिए ऐप

और पोर्टल विकास के क्षेत्र में विशेषज्ञ परामर्श सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं।

1.3.3 उद्योग की संरचना एवं विकास:

सामान्य तौर पर अतीत में वैश्विक आर्थिक झटके गंभीर थे लेकिन समय के साथ समाप्त हो गए। इस सहस्राब्दी के तीसरे दशक में यह बदल गया। 2020 के बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था को कम से कम तीन झटके लगे हैं। यह सब वैश्विक उत्पादन में महामारी से प्रेरित संकुचन के साथ शुरू हुआ जिसके बाद रूसी-यूक्रेन संघर्ष के कारण दुनिया भर में मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई। फिर सभी अर्थव्यवस्थाओं के केंद्रीय बैंकों ने मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए समकालिक नीति दरों में बढ़ोतरी का जवाब दिया। यूएस फेड द्वारा दरों में बढ़ोतरी से अमेरिकी बाजारों में पूंजी प्रवाहित हुई जिससे अधिकांश मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर में तेजी आई। इससे चालू खाता घाटा (सीएडी) बढ़ गया और शुद्ध आयात करने वाली अर्थव्यवस्थाओं में मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ गया। दर वृद्धि और लगातार मुद्रास्फीति के कारण आईएमएफ ने विश्व आर्थिक आउटलुक के अक्टूबर 2022 के अपडेट में 2022 और 2023 के लिए वैश्विक विकास पूर्वानुमान को कम कर दिया। चीनी अर्थव्यवस्था की कमजोरियों ने विकास पूर्वानुमानों को कमजोर करने में और योगदान दिया।

कई विकासशील देशों, विशेष रूप से दक्षिण एशियाई क्षेत्र में, गंभीर आर्थिक तनाव का सामना करना पड़ा क्योंकि कमजोर मुद्राओं, उच्च आयात कीमतों, जीवन यापन की बढ़ती लागत और एक मजबूत डॉलर के संयोजन ने ऋण भुगतान को और अधिक महंगा बना दिया, जिसे संभालना बहुत मुश्किल साबित हुआ। हालाँकि, ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था महामारी से मुकाबला करने के बाद आगे बढ़ी है, कई देशों की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में पूरी तरह से ठीक हो गई है और वित्त वर्ष 2023 में खुद को महामारी-पूर्व विकास पथ पर चढ़ने के लिए तैयार कर रही है। फिर भी चालू वर्ष में, भारत को यूरोपीय संघर्ष के कारण बढ़ी मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने की चुनौती का भी सामना करना पड़ा है। सरकार और आरबीआई द्वारा उठाए गए कदमों के साथ-साथ वैश्विक कमोडिटी की कीमतों में कमी, आखिरकार नवंबर 2022 में खुदरा मुद्रास्फीति को आरबीआई के ऊपरी सहनशीलता

लक्ष्य से नीचे लाने में कामयाब रही है। हालाँकि, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के मूल्यहास की चुनौती बनी हुयी है, फिर भी यूएस फेड द्वारा नीतिगत दरों में और बढ़ोतरी की संभावना के बीच भारतीय मुद्रा अधिकांश अन्य मुद्राओं की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रही है।

इनके बावजूद, दुनिया भर की एजेंसियां भारत को वित्त वर्ष 2023 में 6.5-7.0 प्रतिशत की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में पेश कर रही हैं। ये आशावादी विकास पूर्वानुमान आंशिक रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन से उपजे हैं, जो निजी उपभोग के बढ़ोतरी में देखा गया है, जो विकास के प्रमुख चालक के रूप में निर्यात प्रोत्साहनों की जगह ले रहा है। निजी खपत में बढ़ोतरी ने उत्पादन गतिविधि को भी बढ़ावा दिया है जिसके परिणामस्वरूप सभी क्षेत्रों में क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है। खपत में उछाल सरकार द्वारा देखरेख किए गए लगभग -सार्वभौमिक टीकाकरण कवरेज द्वारा इंजीनियर किया गया था जिसने लोगों को संपर्क-आधारित सेवाओं पर खर्च करने के लिए सड़कों पर वापस ला दिया। 2 बिलियन से अधिक खुराक वाले दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टीकाकरण अभियान ने भी उपभोक्ता भावनाओं को ऊपर उठाने का काम किया, जो खपत में उछाल को लम्बा खींच सकता है।

जोरदार ऋण वितरण के कारण वित्त वर्ष 24 में विकास तेज होने की उम्मीद है, और कॉर्पोरेट और बैंकिंग क्षेत्रों की बैलेंस शीट के मजबूत होने के साथ भारत में पूंजी निवेश चक्र शुरू होने की उम्मीद है। आर्थिक विकास को और अधिक समर्थनसार्वजनिक डिजिटल प्लेटफार्मों के विस्तार और पीएम गतिशक्ति, राष्ट्रीय रसद नीति और विनिर्माण उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-लिंक प्रोत्साहन योजनाओं जैसे अग्रणी उपायों से मिलेगा।

भारत में खनन एक प्रमुख आर्थिक गतिविधि है जो देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देती है। कोयला खनन और बिजली उत्पादन दो प्रमुख उद्योग हैं और ये मिलकर भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में लगभग 12% का योगदान करते हैं, जो अर्थव्यवस्था के लिए उनके महत्व की पुष्टि करता है। इसके अलावा, भारत का लॉजिस्टिक्स उद्योग, स्पंज आयरन उद्योग, एल्यूमीनियम उद्योग सहित कई अन्य उद्योग भारत के

घरेलू कोयला उद्योग पर निर्भर हैं। कोयला खनन अक्सर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से, नौकरियों के सृजन के माध्यम से, स्थानीय बुनियादी ढांचे में सुधार करके - जैसे सड़क नेटवर्क और जल आपूर्ति, और स्थानीय आबादी को स्वास्थ्य और शिक्षा सेवाओं तक बेहतर पहुंच प्रदान करके स्थानीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन देता है। हाल के रोजगार आंकड़ों के अनुसार, भारतीय कोयला खदानों में लगभग 355,000 कर्मचारी कार्यरत हैं और लगभग 1.2 मिलियन लोग कोयला क्षेत्र पर निर्भर हैं। हालाँकि, इसमें कोयला रसद से संबंधित रोजगार शामिल नहीं है, जिसमें सड़क और रेलवे परिवहन दोनों शामिल हैं। इसलिए, न केवल देश के लिए ऊर्जा स्रोत के संदर्भ में, बल्कि इसकी सामाजिक-आर्थिक भूमिका के संदर्भ में भी, भारत के लिए कोयला क्षेत्र के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है।

अगले 20 वर्षों में भारत की ऊर्जा आवश्यकता बढ़ती रहेगी। यूटिलिटी सेक्टर की थर्मल पावर उत्पादन क्षमता में कोयले की हिस्सेदारी ऊंची रहने की उम्मीद है। भारत में कोयले की मांग बिजली क्षेत्र और गैर-विनियमित क्षेत्र दोनों के कारण लगातार बढ़ रही है। विज़न इंडिया @2047 दस्तावेज़ के अनुसार 2030 तक कोयला उत्पादन की आवश्यकता लगभग 1.5 बीटी होने का अनुमान है। मांग परिदृश्य आर्थिक विकास, ऊर्जा दक्षता और वैकल्पिक कोयला उपयोग के उद्भव से प्रभावित है। सीआईएल आपूर्ति शृंखला में संतुलन की भूमिका निभाना जारी रख सकती है।

सीओपी 26 में भारत के माननीय प्रधान मंत्री द्वारा दिए गए पंचामृत प्रतिबद्धता मंत्र में कहा गया है कि कोयला क्षेत्र पर वैकल्पिक अंतिम उपयोग की तलाश करने का दबाव होगा। ताप विद्युत क्षेत्र पर कोयले का जोर कम हो सकता है। सीएमपीडीआईएल अवसरों की तलाश कर सकता है इस संबंध में कोयले का वैकल्पिक उपयोग विकसित करना, नवीकरणीय ऊर्जा में विशेषज्ञता विकसित करना क्षेत्र और कोयला कंपनियों को उनके व्यवसायों में विविधता लाने के लिए परामर्श प्रदान करना भविष्य के लिए तैयार।

सरकार ने महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य निर्धारित किए हैं जिनमें शामिल हैं 2030 तक देश की ऊर्जा हिस्सेदारी का 50% नवीकरणीय ऊर्जा से विकसित करना। कोयले से दूर और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर इस तरह का परिवर्तन कोयले पर भारी प्रभाव डालेगा वह क्षेत्र जो वर्तमान में भारत की कुल

प्राथमिक ऊर्जा मांग का 45 प्रतिशत प्रदान करता है। यह है भारत में न्यायसंगत ऊर्जा परिवर्तन के बारे में चर्चा के केंद्र में कोयला क्यों है?

अर्जित ज्ञान और विभिन्न एजेंसियों द्वारा निरंतर क्षेत्रीय अन्वेषण के साथ, गोंडवाना कोलफील्ड्स (43) और तृतीयक कोलफील्ड्स (19) का कुल अनुमानित बेसिन क्षेत्र लगभग 66984 वर्ग किमी तक बढ़ गया है, जबकि देश का कुल अनुमानित कोयला क्षेत्र क्षेत्र मार्च 2023 तक लगभग 33480 वर्ग किमी था। लगभग 33480 वर्ग किमी के कुल अनुमानित कोयला क्षेत्र में से, कुल क्षेत्रीय अन्वेषण क्षेत्र लगभग 19870 वर्ग किमी मापा गया था और लगभग 13610 वर्ग किमी क्षेत्र क्षेत्रीय अन्वेषण के लिए छोड़ दिया गया है। तृतीयक कोयला क्षेत्रों का कुल बेसिनल क्षेत्र लगभग 1336 वर्ग किमी होने का अनुमान लगाया गया था, जिसमें से कुल लगभग 859 वर्ग किमी अनुमानित कोयला धारक क्षेत्र होने का अनुमान लगाया गया था। तृतीयक कोयला क्षेत्रों में कुल क्षेत्रीय अन्वेषण क्षेत्र लगभग 402 वर्ग किमी है।

सरकार के निर्देश के अनुसार, सीएमपीडीआईएल निकट भविष्य में तेज गति से कोयला दोहन के लिए सर्वोत्तम संपत्तियों की पहचान करने के लिए देश में 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण पर जोर देने के साथ क्षेत्रीय और विस्तृत अन्वेषण कर रहा है। इसका उद्देश्य संभावित बोलीदाताओं को यथाशीघ्र कोयला ब्लॉक उपलब्ध कराना है ताकि देश के उपलब्ध कोयला संसाधनों का यथासंभव दोहन किया जा सके। इसे ध्यान में रखते हुए, एमओसी नीलामी के लिए शेष ब्लॉकों में गैर-सीआईएल कोयला ब्लॉकों को कोकिंग कोयला ब्लॉकों में जी1 स्तर की खोज और उच्च ग्रेड गैर-कोकिंग कोयला ब्लॉकों और जी2/ स्तर की खोज (2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के साथ प्रति वर्ग किमी ड्रिलिंग में लगभग 2 बोरहोल के साथ अन्वेषण) लगा रही है।

भौतिक ड्रिलिंग के साथ संयोजन में अन्वेषण में 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से 2023-24 के लिए 680 लाइन किमी के 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के माध्यम से डेटा अधिग्रहण के साथ 7.5 लाख मीटर ड्रिलिंग का लक्ष्य कम बोरहोल घनत्व के साथ प्रस्तावित किया गया है।

सीआईएल के 1 बीटी कोयला उत्पादन लक्ष्य के लिए अन्वेषण और योजना अभ्यास पूरा हो चुका है, लेकिन भविष्य में उत्पादन को बढ़ाने और बनाए रखने के लिए सीआईएल को सीएमपीडीआई से निरंतर आधार पर तकनीकी सहायता की आवश्यकता होगी। यह सीएचपी, वॉशरी आदि सहित बुनियादी सुविधाओं के लिए भी सच होगा। इसके अतिरिक्त, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में अन्य कोयला उत्पादकों द्वारा भी सीएमपीडीआईएल की विशेषज्ञ सेवाओं की मांग थी। सीएमपीडीआईएल ने सीआईएल के अलावा अन्य कंपनियों जैसे सीईएससी, एनटीपीसी, एनएलसी, मिनरल्स लैब्स सर्विसेज लिमिटेड, जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड, एनएमडीसी, टीएसएमपीएल लिमिटेड, एससीसीएल, डीजीएम (बिहार सरकार), डब्ल्यूबीपीडीसीएल, ओएमसी, ओएमडीसी आदि के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान कीं। स्वदेशी आपूर्ति से कोयले की मांग को पूरा करने की दिशा में मुख्य रूप से सीआईएल की कोयला कंपनियों के कदम से सीएमपीडीआईएल की सेवाओं में तेजी आएगी।

इसके अलावा, कोल बेड मीथेन, कोल गैसीकरण आदि जैसे कोयला आधारित गैर-नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के वैकल्पिक स्रोत को अपनाने की दिशा में सीआईएल और अन्य कंपनियों के प्रयास सीएमपीडीआईएल के लिए परामर्श कार्य के स्रोत होने की संभावना है। सीएमपीडीआईएल ने सक्रिय रूप से कार्य किया है और सीआईएल क्षेत्रों जैसे ईसीएल, बीसीसीएल और एसईसीएल में सीबीएम परियोजनाओं के निष्पादन के लिए इसे प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में नियुक्त किया गया है। 2030 तक कोयला गैसीकरण के लिए 100 मिलियन टन कोयले का उपयोग करने के हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुसार, ईसीएल, एसईसीएल और एमसीएल कोयला गैसीकरण के माध्यम से कोयला से रसायन/उर्वरक और संभावित डाउनस्ट्रीम उत्पाद संयंत्र बिल्ड-ओन-ऑपरेट (बीओओ) आधार पर जेवी मोड में स्थापित करने के इच्छुक हैं। सीएमपीडीआईएल ईसीएल, डब्ल्यूसीएल और एसईसीएल में गैसीकरण परियोजनाओं के विकास से संबंधित कार्य करने के लिए प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) है।

इसके अतिरिक्त, कोयला सेक्टर में सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का उभरता क्षेत्र भी सीएमपीडीआईएल के लिए अतिरिक्त अवसर प्रस्तुत कर रहा है जो आने वाले वर्षों में और बढ़ेगा। इसके अलावा, सीएमपीडीआईएल ने यह सुनिश्चित करने के लिए पहल की है कि उसके प्रयास शीर्ष और निचले स्तर पर

सराहनीय रूप से प्रतिबिंबित हों, और तदनुसार, हाल के दिनों में बिक्री और पीबीटी में काफी वृद्धि हुई है।

यद्यपि उम्मीद है कि कोयला ईंधन भारत में अपनी प्रधानता बनाए रखेगा और कम से कम अगले 12 से 15 वर्षों में स्थानीय आबादी के लिए सस्ती और प्रचुर ऊर्जा प्रदान करने का एकमात्र यथार्थवादी विकल्प बना रहेगा, ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों का दोहन करने की सरकार की प्रतिबद्धता बड़े पैमाने पर, समानांतर रूप से, कोयला क्षेत्र के भविष्य के विस्तार कार्यक्रम को प्रभावित करने की संभावना है। ग्लासगो, यूनाइटेड किंगडम में आयोजित जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के पार्टियों के सम्मेलन (सीओपी26) के 26वें सत्र में, भारत ने भारत की जलवायु कार्रवाई के पांच अमृत तत्व (पंचामृत) प्रस्तुत किए, अर्थात् (i) रीच 500 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा क्षमता का गीगावॉट, (ii) 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से, (iii) अब से 2030 तक कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी, (iv) कमी 2030 तक अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता 45 प्रतिशत, 2005 के स्तर से अधिक और (v) 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करना। इसके अलावा, अद्यतन एनडीसी प्रतिबद्धता 2.5 से 3 बिलियन का अतिरिक्त कार्बन सिंक बनाने का वादा करती है। 2030 तक अतिरिक्त वन और वृक्ष आवरण के माध्यम से टन CO₂ के बराबर। इसके अलावा, पर्यावरण दिशानिर्देशों के तहत अनुपालन की विभिन्न आवश्यकताएं, हरित पैरवीकारों के दबाव के साथ-साथ कोयला खनन के लिए भूमि अधिग्रहण में आवश्यक प्रयास दिन-ब-दिन कठिन होते जा रहे हैं।

सीएमपीडीआईएल के राजस्व में गवेषण का प्रमुख योगदान रहा। हालाँकि, सीएमपीडीआई के राजस्व हिस्से में गवेषण का प्रभुत्व पिछले 5-6 वर्षों से लगातार घट रहा है। गवेषण की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए, गवेषण करने के अलावा गैर-कोयला क्षेत्र में विविधीकरण की आवश्यकता होगी, विशेष रूप से शीर्ष और निचली रेखाओं को बढ़ाने के लिए विभागीय स्तर पर 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण। साथ ही, अन्य सेवाओं जैसे योजना एवं डिजाइन, जियोमैटिक्स, हाइड्रोजियोलाॉजिकल अध्ययन सहित पर्यावरण सेवाओं आदि से राजस्व बढ़ाने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे।

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए और सीएमपीडीआईएल के व्यावसायिक क्षेत्र में गतिशीलता लाने के लिए, उत्पादकता में सुधार और विशेष रूप से 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण और अन्य भू-भौतिकीय तरीकों, उन्नयन और आधुनिकीकरण के व्यापक उपयोग के माध्यम से गवेषण क्षमता में वृद्धि सुनिश्चित करना यथार्थवादी होगा। जहां भी आवश्यक हो, मौजूदा सुविधाओं और बुनियादी ढांचे की व्यवस्था करना, श्रमशक्ति उपयोग को तर्कसंगत बनाना और कार्यकारी श्रमशक्ति को शामिल करना, कोयले के अलावा खनिज, खनन और संबद्ध इंजीनियरिंग क्षेत्रों के नए क्षेत्रों में विविधीकरण, मूल्य के संदर्भ में बाहरी नौकरियों (गैर-सीआईएल) की मात्रा बढ़ाना, प्रभावी निगरानी प्रणाली की स्थापना करना कंप्यूटरीकरण और नेटवर्किंग के माध्यम से ड्रिलिंग और इन्वेंट्री नियंत्रण, कोयला आधारित ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के विकास के लिए प्रौद्योगिकी की स्थापना आदि सहित मुख्य क्षेत्रों में प्रयास करना होगा।

1.3.4 उपरोक्त उद्देश्यों को साकार करने के लिए अपनाई गई रणनीति:

सीएमपीडीआईएल के पास खनिज, खनन और संबद्ध क्षेत्रों में गहन ज्ञान और बाजार है, यह अपने कॉर्पोरेट उद्देश्यों को साकार करने के लिए निम्नलिखित रणनीतियों और व्यवसाय योजना को अपना रहा है:

- (i) जहां तक संभव हो भौतिक ड्रिलिंग के स्थान पर 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के व्यापक अनुप्रयोग के माध्यम से गवेषण क्षमता को बढ़ाना आदि।
- (ii) कोयले के अलावा खनिज, खनन और संबद्ध इंजीनियरिंग क्षेत्रों के नए क्षेत्रों में विविधीकरण,
- (iii) राजस्व में बाहरी ग्राहकों के लिए बाजार हिस्सेदारी बढ़ाना,
- (iv) देश के भीतर और बाहर रणनीतिक साझेदारों के साथ गठजोड़ करना।
- (v) मौजूदा सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का उन्नयन और आधुनिकीकरण,
- (vi) परिचालन दक्षता और कार्य गुणवत्ता में वृद्धि,
- (vii) कॉर्पोरेट संस्कृति और आंतरिक प्रणालियों में सुधार,

- (viii) कोयला उद्योग को निरंतर योजना और विशेष सहायता सुनिश्चित करने के लिए जनशक्ति उपयोग और कार्यकारी जनशक्ति प्रेरण को तर्कसंगत बनाना,
- (ix) बेहतर लागत नियंत्रण उपाय और निगरानी, और
- (x) ऊर्जा के कोयला आधारित वैकल्पिक स्रोत के विकास के लिए सेवाएं प्रदान करना।

1.3.5 सामर्थ्य एवं कमजोरी: सामर्थ्य:

- सीएमपीडीआईएल वास्तव में एक बहु अनुशासनिक, शायद अपनी तरह का एक मात्र संगठन है जो एक ही छत के नीचे खनन के पहले, खनन के दौरान तथा खनन कार्य के बाद प्रायः सभी सेवाएँ उपलब्ध करा रहा है।
- भारत में विस्तृत कोयला गवेषण में प्रभुत्व वाला, सीएमपीडीआईएल की पहचान सरकारी प्रिफरेंसेज रखने के अलावा भारतीय ग्राहकों के बीच सबसे पसंदीदा परामर्शदाता के रूप में है।
- रणनीतिक रूप से अवस्थित अपने क्षेत्रीय संस्थानों के साथ यह कोयला मंत्रालय के साथ-साथ कोल इंडिया लिमिटेड की सभी कंपनियों को दहलीज पर ही सेवा देने में सक्षम है। सीएमपीडीआईएल की उपस्थिति कोयलाधारक क्षेत्रों के आस-पास अखिल भारतीय की है।

कोयला क्षेत्र में उपलब्ध वृहद संसाधनों की सूचना देने के लिए सीएमपीडीआईएल के पास कोयला ब्लॉकों, कोयला भंडारों, कोयले की गुणवत्ता आदि से संबंधित विश्वसनीय आँकड़ा आधारित पर्याप्त जानकारी है।

- इसके पास 1400 से अधिक बहुअनुशासनिक (मल्टीडिसिप्लिनरी) कौशल युक्त श्रमशक्ति का मजबूत आधार है।
- इसके पास बड़ी संख्या में आधारभूत सुविधाओं, 70 मि.ट.प्र.व. खुली खदान खान तथा 7.5 मी.ट.प्र.व. भूमिगत खान तक की निजी परियोजना क्षमता सहित 1200 से अधिक खनन परियोजना रिपोर्टों की प्लानिंग, 1300 से अधिक समेकित कोल गवेषण परियोजना, को क्रियान्वित करने का व्यापक आधारभूत संरचना उपलब्ध है।

8 राज्यों में जियोग्राफिकल रूप से फैले प्रयोगशाला सुविधाओं, बेस लाइन डाटा जेनरेशन क्षमता आदि से युक्त कोयला गवेषण (विस्तृत गवेषण के लिए देश में वेधन के लार्जैस्ट फ्लीट) के लिए इसके पास व्यापक आधारभूत संरचना उपलब्ध है।

कमजोरियाँ (कमियाँ):

- राजस्व प्राप्त करने के लिए कोयला मंत्रालय एवं कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों पर निर्भरता।
- क्षेत्रीय गवेषण आँकड़ा, जो विस्तृत कोयला गवेषण के लिए आवश्यक है, हेतु जीएसआई/एमईसीएल पर निर्भरता।
- उच्च संचालन लागत और निर्धारित लागत अर्थात् उद्योग में पियर्स की तुलना में कर्मचारी मुआवजा।
- दक्ष और अनुभवी अधिकारियों, कर्मचारियों की सेवा-निवृत्ति तथा नव-नियुक्त कर्मचारियों द्वारा प्रशिक्षण लेने के बाद कंपनी को छोड़ने की उच्च दर।
- गैर-विविधिकरण अर्थात् केवल कोयला उद्योग के लिए प्रतिबंधित

1.3.6 अवसर और आशंकाएं अवसर

- कोयले की मांग बढ़ने की संभावना है और सीएमपीडीआईएल सेवाओं के लिए गुंजाइश प्रदान करते हुए 2030 के दशक के मध्य में चरम पर पहुंच सकती है।
- सरकार द्वारा सार्वजनिक और निजी दोनों कंपनियों को कोयला ब्लॉकों की नीलामी/आवंटन ने सीआईएल के बाहर सीएमपीडीआईएल के लिए बाजार के अवसर पैदा किए हैं।
- कोयला क्षेत्र में आईटी के अनुप्रयोग को बढ़ाने की आवश्यकता
- गैर-कोयला क्षेत्र में विविधिकरण
- सीबीएम/सीएमएम/यूसीजी/शेल गैस/अन्य गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों के दोहन के क्षेत्र में सेवाओं का विस्तार।
- सीआईएल कोयले के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी विविधता लाने का प्रयास कर रही है। सीएमपीडीआईएल सक्रिय कदमों के माध्यम से चिन्हित क्षेत्रों में अपने क्षितिज का विस्तार करने पर भी विचार कर सकता है।

आशंकाएं

- भारतीय कोयला क्षेत्र 100% एफडीआई के साथ उदारीकरण की ओर बढ़ रहा है। कोयला क्षेत्र को और खोलने से अन्य घरेलू या अंतर्राष्ट्रीय परामर्श सेवा प्रदाताओं से बाजार में प्रतिस्पर्धा हो सकती है।
- क्षेत्रीय अन्वेषण में अनुरूप वृद्धि के अभाव में, विस्तृत ड्रिलिंग क्षमता का निर्वाह कठिन लगता है।
- कोयले का स्थान तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर, पवन आदि द्वारा लिया जा रहा है। वर्षों से, इन वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विकास बढ़ेगा और सस्ता हो जाएगा जो सीएमपीडीआईएल के पारंपरिक व्यवसाय के लिए खतरा पैदा कर सकता है।
- वन क्षेत्र में गवेषण पर प्रतिबंध और कानून एवं व्यवस्था की समस्या के कारण इन क्षेत्रों में ड्रिलिंग कार्य प्रभावित हो रहे हैं।
- एक प्रमुख रूप से मानव संसाधन संचालित कंपनी होने के नाते, वर्तमान उच्च आयु प्रोफाइल भविष्य में हानिकारक साबित होगी। विशेषज्ञ श्रमशक्ति तेजी से कम हो रही है, क्योंकि इसके कई अनुभवी तकनीकी विशेषज्ञ सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

1.3.7 मूल्य निर्धारण नीति:

सीएमपीडीआईएल, कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी द्वारा परामर्श सेवा से प्राप्त राजस्व:

गवेषण, खान योजना/परियोजना रिपोर्ट, पर्यावरणिक योजना तथा अन्य अभियंत्रण सेवाओं से प्राप्त राजस्व की पहचान ग्राहकों की विभिन्न श्रेणी के लिए अपनाए गए मूल्य-निर्धारण फार्मूला पर आधारित है।

1.3.8 बाजार नीति:

सीएमपीडीआईएल प्राथमिकता के आधार पर कोल इंडिया लिमिटेड और इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा सभी संभावित क्षेत्र में जब और जहाँ आवश्यक हो परामर्श सेवाएँ मुहैया कराने के प्रति वचनबद्ध है। सीएमपीडीआईएल महत्वपूर्ण और नीतिगत मूल्यों को ध्यान में रखकर कोल इंडिया से

बाहर के ग्राहकों से कार्य, जहाँ ऐसे बाहरी परामर्शी कार्य शुरू किए जा सकते हैं, लेने/करने के प्रति भी वचनबद्ध है।

1.3.9 दृष्टि एवं तैयारी:

11वीं एवं 12वीं योजना अवधि के दौरान सीएमपीडीआईएल का गवेषण कार्य बहुत ही उत्साहवर्द्धक रहा, जो 2017-18 तक जारी रहा, परंतु समय पर फंड की अनुपलब्धता सहित कई अन्य कारणों से वर्ष 2018-19 के दौरान इसे कायम नहीं रखा जा सका। कोविड-19 राष्ट्रव्यापी महामारी के कारण 2018-19 में की गई कुल ड्रिलिंग 13.60 लाख मीटर की तुलना में 2019-20 में 12.94 लाख मीटर तथा 2020-21 में 12.48 लाख मीटर रहा। कुल मिलाकर विभागीय ड्रिलों के दौरान 619 मीटर/ड्रिल/माह की उत्पादकता के साथ 5 लाख मीटर वेधन किया जो सीएमपीडीआईएल के इतिहास में सबसे अधिक है। विभागीय ड्रिल का आधुनिकीकरण, नई उच्च क्षमता वाले यांत्रिक और हाइड्रोस्टैटिक ड्रिल को शामिल करना, उच्च उत्पादकता वाले उच्च प्रदर्शन बिट्स की शुरुआत, नवीनतम मड प्रौद्योगिकी को अपनाना, ड्रिलिंग सहायक उपकरण और जनशक्ति की प्रभावी व्यवस्था सीएमपीडीआईएल की ड्रिलिंग क्षमता को बढ़ाने की कुंजी थी।

इसके अलावा, कोयला मंत्रालय द्वारा गैर-सीआईएल ब्लॉकों में प्रमोशनल एक्सप्लोरेशन और विस्तृत ड्रिलिंग के लिए फंड में कटौती के कारण, 2021-22 में 7.91 लाख मीटर की ड्रिलिंग और 2022-23 के दौरान केवल 6.85 लाख मीटर की ड्रिलिंग की जा सकी, जबकि इससे भी कम 7.00 लाख मीटर ड्रिलिंग का लक्ष्य। हालाँकि, ईएफसी ने अब दो केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के तहत अन्वेषण गतिविधियों के लिए अगले 4-5 वर्षों के लिए वित्त पोषण की सिफारिश की है।

29 भूवैज्ञानिक रिपोर्टों के माध्यम से लगभग 383 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करते हुए विस्तृत अन्वेषण के माध्यम से लगभग 10 बिलियन टन कोयला संसाधनों को 'प्रमाणित श्रेणी' में जोड़ा गया था। इसके अलावा, 5 भूवैज्ञानिक रिपोर्टों के माध्यम से लगभग 142 वर्ग किमी के क्षेत्र को कवर करते हुए प्रमोशनल (क्षेत्रीय) अन्वेषण के माध्यम से लगभग 7.9 बिलियन टन नए कोयला संसाधनों (संकेतित और अनुमानित श्रेणी) का अनुमान लगाया गया था।

कोयले की तेजी से खोज के साथ-साथ सीएमपीडीआई के राजस्व और लाभप्रदता को बढ़ाने और उपलब्ध जनशक्ति और मशीनों का उपयोग करने के लिए विभागीय 2डी/3डी

भूकंपीय सर्वेक्षण पर नए सिरे से जोर देने के तहत, 162.9 लाइन किमी 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण विभागीय स्तर पर किए गए। जो वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान हासिल की गई (केवल 7 लाइन किमी) की तुलना में काफी अधिक है। कुल मिलाकर, सीएमपीडीआईएल ने 2022-23 में 609 लाइन किमी 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण किया।

भारत सरकार ने कम लागत के साथ गवेषण की गति को तेज करने के लिए ड्रिलिंग के लिए बोरहोल की कम संख्या के साथ 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण तकनीक की शुरुआत पर जोर दिया है। सीएमपीडीआईएल ने ड्रिलिंग की समय लेने वाली प्रक्रिया पर निर्भरता को कम करने और भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार करने में उनका उपयोग करने के लिए अन्वेषण की विभिन्न भूभौतिकीय सर्वेक्षण तकनीकों जैसे आधुनिक तकनीकों का गहनता से उपयोग करने के लिए कदम उठाए हैं। इससे भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार करने में तेजी आएगी और ब्लॉकों के भूवैज्ञानिक मॉडल में बेहतर विश्वास मिलेगा।

2023-24 के लिए 680 लाइन किमी के 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण के माध्यम से डेटा अधिग्रहण के साथ 7.50 लाख मीटर ड्रिलिंग का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है। पिछले तीन वर्षों के दौरान गवेषण की गति मुख्य रूप से गैर-सीआईएल और प्रोमोशनल ब्लॉकों में कोयला गवेषण के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के तहत कोयला मंत्रालय द्वारा प्रदान किए गए फंड में कमी के साथ-साथ सीआईएल क्षेत्रों में ड्रिलिंग की गुंजाइश की कमी के कारण कम हो रही है। बढ़े हुए मीटरज लक्ष्यों के लिए और यह प्रवृत्ति निकट भविष्य में भी जारी रह सकती है। हालाँकि, गवेषण की दो केंद्रीय क्षेत्र योजनाओं के लिए अगले 4-5 वर्षों में ईएफसी फंडिंग की सिफारिश के साथ, अन्वेषण के तहत उपलब्धियाँ अगले 4-5 वर्षों में बढ़ेंगी।

वर्ष के दौरान प्रस्तुत की गई 39 परियोजना रिपोर्टें (पीआर) में से 24 पीआर ओपनकास्ट परियोजनाओं के थे, जिनमें 4 मेगा परियोजनाओं (क्षमता 10 एमटीवाई और उससे अधिक), 13 पीआर भूमिगत परियोजनाओं और 2 पीआर मिश्रित परियोजनाओं के लिए थे। 39 पीआर में से, एक पीआर (यूजी परियोजना) की योजना गैर-सीआईएल खदान के लिए बनाई गई है। भारत में सबसे अधिक नियोजित क्षमता वाली ओसी खदान, कुसमुंडा एक्सपेंशन ओसी (75 एमटीवाई) का पीआर वर्ष के दौरान तैयार किया गया है। सभी 13 यूजी पीआर (1 गैर-सीआईएल पीआर सहित) और 2 मिश्रित पीआर के यूजी भाग की योजना कंटीन्यूअस माइनर तकनीक के साथ बनाई गई है।

सीएमपीडीआईएल की सभी प्रयोगशालाओं की क्षमताओं को उन्नत किया गया है। जियो-केमिकल प्रयोगशाला जो एनएबीएल प्रमाणन से मान्यता प्राप्त है, वर्तमान में नमूना तैयार करने वाली इकाई में स्वचालन शुरू करके और तेजी से विश्लेषकों को जोड़कर कोयला कोर विश्लेषण की क्षमता बढ़ाने पर अपनी योजना लागू कर रही है जो बड़ी संख्या में विश्लेषण को पूरा करेगी। पेट्रोग्राफी लैब में पेट्रोग्राफर्स को इंटरनेशनल कमेटी ऑफ कोल एंड ऑर्गेनिक पेट्रोलॉजी (आईसीसीपी) द्वारा प्रमाणित किया गया है।

कोयला एवं खनिज तैयारी प्रयोगशाला की पुनः मान्यता 19.07.2022 को प्राप्त की गई। एनएबीएल ने गैर-विनाशकारी परीक्षण के क्षेत्र में सीएमपीडीआईएल मुख्यालय की एनडीटी प्रयोगशाला को मान्यता जारी रखी। सीएमपीडीआईएल के विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों में उचित उपकरणों और संसाधनों के साथ एनडीटी सेल की स्थापना की गई है। क्षेत्रीय संस्थानों की प्रयोगशालाओं को भी एनएबीएल मान्यता प्राप्त करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। सीबीएम/शेल गैस से संबंधित अध्ययनों, जलाशय विशेषताओं और सीबीएम और शेल गैस संसाधनों के मूल्यांकन से संबंधित सभी पैरामीट्रिक डेटा के उत्पादन की सुविधा के लिए सीएमपीडीआईएल में एक अत्याधुनिक सीबीएम लैब कार्यात्मक है।

मौजूदा पर्यावरण प्रयोगशालाओं को अत्याधुनिक उपकरणों से मजबूत किया गया है। सीएमपीडीआईएल मुख्यालय, आरआई-I, आरआई-II, आरआई-IV, आरआई-V और आरआई-VII की पर्यावरण प्रयोगशालाएं एनएबीएल द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। सीएमपीडीआईएल मुख्यालय की पर्यावरण प्रयोगशाला को पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत सीपीसीबी मान्यता भी प्राप्त हो गई है। सीएमपीडीआईएल मुख्यालय में पर्यावरण प्रयोगशाला ने आईएस/आईएसओ 45001:2018 के अनुसार व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (ओएचएसएमएस) के लिए मान्यता प्राप्त कर ली है।

प्रति वर्ष 5 मिलियन घन मी.(कोयला+ओबी) से अधिक उत्पादन करने वाली सीआईएल की ओपनकास्ट कोयला खदानों की भूमि पुनर्ग्रहण निगरानी के लिए उपग्रह निगरानी 2008 से वार्षिक आधार पर की जा रही है। इसके अलावा, वर्ष 2011 से 5 मिलियन घन मी (कोयला+ओबी) से कम उत्पादन वाली सीआईएल की ओपनकास्ट कोयला खदानों की भूमि सुधार निगरानी चरणबद्ध तरीके से तीन वर्षों के अंतराल पर करने का कार्य भी शुरू किया गया। तदनुसार, वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत आने वाली 101 ओपनकास्ट परियोजनाओं और सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों के

9 समूहों के लिए उपग्रह डेटा पर आधारित भूमि पुनर्ग्रहण निगरानी की गई है। वर्ष के दौरान छह कोयला क्षेत्रों की वनस्पति कवर मैपिंग भी की गई।

सीएमपीडीआईएल के पास स्थलाकृतिक मानचित्रण, कोयला खदान अग्नि मानचित्रण, वनस्पति कवर मानचित्रण, निपटान मानचित्रण, वृक्षारोपण ऊंचाई आकलन और खनन से संबंधित अन्य गतिविधियों के लिए पूरी तरह से ड्रोन आधारित क्षमता है। इसके अलावा, 1 एमटीवाई से अधिक उत्पादन करने वाली सभी आउटसोर्स और विभागीय ओसी खानों का ओबीआर माप और 1 एमटीवाई (केवल किराए के पैच) से कम उत्पादन करने वाली ओसी खानों का वार्षिक माप पूरा हो चुका है और रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है।

बीसीसीएल के कमांड क्षेत्र के तहत कोकिंग कोयला खदानों के गुणवत्ता मानकों के संबंध में एक व्यापक रिपोर्ट नवंबर 2022 में सीआईएल को सौंपी गई है, जिसे बीसीसीएल की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है। इसके अलावा, कोकिंग कोयले की मांग से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक मसौदा रिपोर्ट एमओसी द्वारा गठित समिति द्वारा तैयार की गई है और रिपोर्ट अंतिम चरण में है। कोल इंडिया लिमिटेड से कोयला खरीदने के लिए स्वतंत्र रूप से वाशरी स्थापित करने वाली निजी पार्टियों के लिए एक मसौदा नीति ढांचा भी तैयार किया गया है और इसे अंतिम रूप दिया जा रहा है।

सीएमपीडीआईएल ने कोयला आधारित गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों के वाणिज्यिक विकास की सुविधा के लिए अपने प्रयास जारी रखे हैं और राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ वाणिज्यिक और अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ा रहा है। सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों की ओर से, सीएमपीडीआईएल सीआईएल लीजहोल्ड क्षेत्रों में कोलबेड मीथेन (सीबीएम) का विकास कर रहा है। तदनुसार, सीएमपीडीआईएल कोल बेड मीथेन (सीबीएम) के वाणिज्यिक दोहन के लिए पट्टेदार (सहायक) और सीआईएल के परामर्श से सीआईएल सहायक कंपनियों के खनन पट्टे के भीतर संभावित सीबीएम ब्लॉकों के चित्रण के लिए कदम उठा रहा है। प्रारंभ में, तीन सीबीएम ब्लॉक, अर्थात्, झरिया सीबीएम ब्लॉक- I, रानीगंज सीबीएम ब्लॉक और सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक को सीबीएम के वाणिज्यिक विकास के लिए सीआईएल लीजहोल्ड क्षेत्रों में सीएमपीडीआईएल द्वारा चिन्हित किया गया है।

सीएमपीडीआईएल संबंधित सहायक कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन के तहत सीबीएम के विकास के लिए प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी है। सीबीएम डेवलपर के माध्यम से सीबीएम के वाणिज्यिक

निष्कर्षण के लिए संबंधित सहायक कंपनियों के बोर्ड द्वारा झरिया सीबीएम-I ब्लॉक, रानीगंज सीबीएम ब्लॉक और सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक की परियोजना व्यवहार्यता रिपोर्ट की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई थी। झरिया सीबीएम ब्लॉक-I को सीबीएम डेवलपर के रूप में मेसर्स प्रभा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को वैश्विक बोली और राजस्व साझाकरण अनुबंध के माध्यम से चुना गया है और ब्लॉक गवेषण चरण के तहत है। अन्य दो ब्लॉक यानी रानीगंज सीबीएम ब्लॉक और सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक-I के विकास की संभावनाओं के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

2030 तक कोयला गैसीकरण के लिए 100 मिलियन टन कोयले का उपयोग करने के हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के अनुसार, ईसीएल, एसईसीएल और एमसीएल कोयला गैसीकरण के माध्यम से कोयला से रसायन/उर्वरक और संभावित डाउनस्ट्रीम उत्पाद संयंत्र बिल्ड-ओन-ऑपरेट (बीओओ) आधार पर जेवी मोड में स्थापित करने के इच्छुक हैं। ईसीएल, एमसीएल और एसईसीएल की गैसीकरण परियोजनाओं के लिए पूर्व-व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की गई है। तीन परियोजनाओं के लिए परिकल्पित अंतिम उत्पाद एसएनजी, अमोनियम नाइट्रेट और डीएमई हैं। सीएमपीडीआईएल ईसीएल, डब्ल्यूसीएल और एसईसीएल में गैसीकरण परियोजनाओं के विकास से संबंधित कार्य करने के लिए प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, डब्ल्यूसीएल में "कोयला से अमोनियम नाइट्रेट" परियोजना के लिए बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदाएं 06.03.2023 को जारी की गई हैं।

सीएमपीडीआईएल कोयला मंत्रालय (एमओसी) के एसएंडटी अनुदान और सीआईएल के आरएंडडी बोर्ड के तहत वित्त पोषित अनुसंधान गतिविधियों का समन्वय करने वाली नोडल एजेंसी है। पिछले कुछ वर्षों में, इनमें से कई परियोजनाओं से काफी लाभ हुआ है जिसके परिणामस्वरूप परिचालन में सुधार, सुरक्षित कामकाजी स्थितियां, बेहतर संसाधन पुनर्प्राप्ति और पर्यावरण की सुरक्षा हुई है। जबकि कुछ अनुसंधान परियोजनाओं ने सीधे तौर पर उद्योग पर ठोस प्रभाव डाला है, वहीं कुछ ऐसी भी हैं जिन्होंने परिचालन खदानों और भविष्य की खनन परियोजनाओं दोनों के लिए आवश्यक खदान योजना, डिजाइन और तकनीकी सेवाओं को मजबूत किया है।

सीएमपीडीआईएल द्वारा अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में भारत और विदेशों में अधिक विश्व स्तरीय वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थानों को शामिल करने के प्रयास जारी हैं ताकि यह

आत्मनिर्भर बनकर देश की आकांक्षाओं को पूरा कर सके। पर्यावरणीय स्थिरता, ऊर्जा प्रबंधन और डिजिटलीकरण, कार्बन उत्सर्जन में कमी, नवीकरणीय ऊर्जा, एआई और आईओटी का उपयोग, अपशिष्ट से धन निर्माण, नई तकनीकों की तैनाती के क्षेत्र में नई परियोजनाएं शुरू करके अनुसंधान एवं विकास पहल के विविधीकरण पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष के दौरान, 9 अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं और 41 चालू अनुसंधान परियोजनाएं विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही हैं।

सीएमपीडीआईएल सीआईएल की सभी सहायक कंपनियों में प्रबंधन प्रणाली मानकों के कार्यान्वयन की सुविधा प्रदान कर रहा है और आईएसओ 9001, आईएसओ 14001, आईएसओ 45001, आईएसओ 50001, आईएसओ/आईईसी 27001, आईएसओ 37001, आदि जैसे विभिन्न प्रबंधन प्रणाली मानकों के अनुप्रयोग के लिए परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है। सीएमपीडीआईएल अपने सभी क्षेत्रीय संस्थानों के साथ, आईएसओ 9001:2015 - गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) के लिए भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लाइसेंस प्राप्त किया गया है। हमारे मार्गदर्शन और समर्थन के तहत, सीआईएल मुख्यालय, कोलकाता को आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 और आईएसओ 50001:2018 के खिलाफ प्रमाणन मिला है और सीआईएल की पांच सहायक कंपनियां यानी ईसीएल, सीसीएल, एनसीएल, एमसीएल और डब्ल्यूसीएल (83 इकाइयां) को प्रमाणित किया गया है। एकीकृत प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015 और आईएसओ 45001:2018)।

ईआरपी को इसके 6 मॉड्यूल अर्थात् एचसीएम, एफआईसीओ, पीएम, पीएस, एमएम और एसडी के साथ सीएमपीडीआईएल में लागू किया गया है। उत्पादकता बढ़ाने के लिए डेटा एनालिटिक्स सॉफ्टवेयर (एसएएस) पेश किया गया है। प्रारंभ में, डेटा एनालिटिक्स अनुप्रयोगों के लिए सीआईएल के सहयोग से तीन परियोजनाओं की पहचान की गई है। सीएमपीडीआईएल के लिए दो उपयोग मामले उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण (यूएटी) के तहत हैं। यह उम्मीद की जाती है कि डेटा एनालिटिक्स को एक उपकरण के रूप में सभी सहायक कंपनियों द्वारा दक्षता बढ़ाने के लिए रचनात्मक रूप से उपयोग किया जाएगा।

1.3.10 सीएमपीडीआईएल और कोल इंडिया के बीच एमओयू:

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए सीएमपीडीआईएल फिजिकल और वित्तीय कार्यनिष्पादन हेतु विभिन्न पारामीटर सेट करने के लिए कोल इंडिया के साथ एमओयू करता है। उपलब्धियों को 1-5 तक के स्केल पर वर्गीकृत किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2014-15 तक उत्कृष्ट 1.0 से 1.5 तथा खराब 4.51 से 5.0 तक दिया जाता रहा है। वित्तीय वर्ष 2014-15 के लिए सीएमपीडीआईएल को

डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज द्वारा उत्कृष्ट (1.002) रेटिंग दी गई जो सभी सीपीएसई के बीच तीसरा सर्वोत्तम है तथा अपने सिन्डकेट में प्रथम था। वित्तीय वर्ष 2015-16 से ग्रेडिंग सिस्टम को 5 प्वाइंट स्केल से बदलकर प्रतिशत प्रणाली में दिया गया। सीएमपीडीआईएल को 2007-08 से 2020-21 तक तीन वर्षों को छोड़कर उत्कृष्ट एमओयू रेटिंग से सम्मानित किया गया है, तीन वर्षों के दौरान रेटिंग बहुत अच्छा था, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एमओयू का प्रदर्शन मूल्यांकन सीआईएल में मूल्यांकन और अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

1.3.11 जोखिम और चिन्ताएँ

- वन क्षेत्रों में बोरहोल घनत्व की बढ़ी हुई संख्या के साथ ड्रिलिंग के लिए अनुमोदन प्राप्त करना और कानून एवं व्यवस्था की समस्याएं ड्रिलिंग के रास्ते में प्रमुख बाधाएं हैं।
- क्षेत्रीय अन्वेषण में अनुरूप वृद्धि के अभाव में, विस्तृत ड्रिलिंग क्षमता का निर्वाह मुश्किल लगता है। इसके अलावा, वन क्षेत्र में अन्वेषण पर प्रतिबंध विस्तार कार्यक्रम में समस्या पैदा कर सकता है।
- कोयला क्षेत्र के खुलने के मद्देनजर अन्य घरेलू या अंतरराष्ट्रीय परामर्श सेवा प्रदाताओं से बाजार में प्रतिस्पर्धा।
- कोयले का स्थान तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों जैसे सौर, पवन आदि द्वारा लिया जा रहा है। वर्षों से, इन वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का विकास बढ़ेगा और सस्ता हो जाएगा जो सीएमपीडीआईएल के पारंपरिक व्यवसाय के लिए खतरा पैदा कर सकता है।
- एक प्रमुख रूप से मानव संसाधन संचालित कंपनी होने के नाते, वर्तमान उच्च आयु प्रोफाइल भविष्य में हानिकारक साबित होगी। विशेषज्ञ जनशक्ति तेजी से कम हो रही है क्योंकि इसके कई अनुभवी तकनीकी विशेषज्ञ सेवानिवृत्त हो रहे हैं।
- कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में और जोखिम प्रबंधन के संबंध में सीआईएल के दिशानिर्देशों

के अनुसार, सीएमपीडीआईएल में बोर्ड स्तर के सदस्य के साथ एक जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया गया है।

1.3.12 आंतरिक नियंत्रण प्रणाली

- सीएमपीडीआईएल के पास व्यवसाय को सहज एवं प्रभावकारी ढंग से तथा प्रचलित नियमों एवं विनियमों के अनुसार चलाने के लिए आंतरिक नियंत्रण पद्धति तथा प्रक्रिया काफी सशक्त है।
- निर्बाध रूप से निर्णय लेने के लिए व्यापक अधिकार उपलब्ध है।
- समरूप अनुपालन के लिए लेखा-जोखा तैयार करने हेतु दिशा-निर्देशों का लगातार अनुसरण किया जाता है।
- आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के अनुपालन पर निगरानी करने के लिए एक अंकेक्षण समिति गठित की गई है।
- आंतरिक अंकेक्षण चार्टर्ड एकाउंटेंट्स/कोस्ट एकाउंटेंट फर्म द्वारा किया जाता है।
- आंतरिक अंकेक्षण द्वारा डिजाइन किया गया मुख्य कंट्रोल की परिचालन दक्षता के पर्यवेक्षण तथा मुख्य नियंत्रण को पहचानकर आंतरिक नियंत्रण को पहचानकर आंतरिक नियंत्रण फ्रेमवर्क विकसित किया गया है।
- विसिल ब्लोअर नीति अपनाई गई है तथा इसका अनुसरण किया जा रहा है।

1.3.13 मानव संसाधन में भौतिक विकास:

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम होने के कारण सीएमपीडीआईएल के कर्मियों का वेतन, मजदूरी तथा लाभ का निर्धारण भारत सरकार द्वारा कोयला कामगारों के लिए 5 वर्ष में एक बार तथा अधिकारियों के लिए 10 वर्ष में एक बार निर्धारित किया जाता है। सीएमपीडीआईएल अपने कर्मचारियों, मध्यम और वरीय प्रबंधन अधिकारियों, अन्य स्तर के अधिकारियों तथा प्रबंधन प्रशिक्षु के लिए सतत प्रशिक्षण और विकास के अवसर उपलब्ध करता है। इसके अतिरिक्त, कंपनी बाह्य प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा भारत से बाहर अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण सत्र की व्यवस्था कराता है। इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट को संबंधित भाग (पर्सन) में शामिल किया गया है।

1.3.14 परिचालन कार्य निष्पादन से संबंधित वित्तीय उपलब्धि पर विचार-विमर्श:

कंपनी की आय मुख्यतः कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनियों तथा अन्य कंपनियों को दी गई परामर्शी सेवा से प्राप्त आय अन्य आय एवं अर्जित ब्याज भी शामिल है। गत वर्ष की 1238.26 करोड़ रु. की तुलना में वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल आय 1398.78 करोड़ रु. है, इस प्रकार कुल वृद्धि 12.96 प्रतिशत दर्ज की गई।

आयकर व्यय में आयकर अधिनियम, यथासंशोधित के संबंधित प्रावधान के अनुसरण में परिकल्पित वर्तमान कर व्यय तथा आस्थगित कर व्यय या क्रेडिट शामिल है। वर्तमान कर के लिए प्रावधान की पहचान भत्ते तथा आयकर अधिनियम के अनुरूप छूट के लिए अनुमानित कर देयता के आधार पर की जाती है। आस्थगित कर परिसम्पत्ति तथा देयता की पहचान समय अंतराल कारण भावी कर परिणाम के लिए किया जाता है। तुलन-पत्र की तिथि तक लागू कर दर तथा कर विनियमन का उपयोग कर इनका पता लगाया जाता है। कर के दर के कारण पड़ने वाले प्रभाव की पहचान दर के परिवर्तन वाले संबंधित वित्तीय वर्ष के वित्तीय विवरण में की जाती है। अग्रेषित हानि के मामले में आस्थगित कर की पहचान उस सीमा तक की जाती है कि वर्चुअल निश्चितता हो जहाँ पर्याप्त कर योग्य आय उपलब्ध होगा, जिसके विरुद्ध इस तरह की आस्थगित कर परिसम्पत्ति की वसूली की जा सके।

गत वर्ष के 366.04 करोड़ रु. (ओसीआई को छोड़कर) की तुलना में 366.95 करोड़ रु. (ओसीआई को छोड़कर) कर से पूर्व लाभ हुआ जो 0.91 करोड़ रु. ज्यादा है। गत वर्ष के लिए 282.12 करोड़ रु. (ओसीआई को छोड़कर) की तुलना में कर पश्चात् लाभ 296.66 करोड़ रु. (ओसीआई को छोड़कर) कर पश्चात् लाभ है जो 14.54 करोड़ रु. अधिक है।

1.4 सीएमपीडीआईएल का वित्तीय पर्यावलोकन:

वर्ष के दौरान कंपनी को 296.66 करोड़ रु. कर पश्चात् लाभ हुआ। विगत तीन वर्षों का कार्यकारी परिणाम इस प्रकार है:

वित्त वर्ष 2022 - 23 के लिए कुल व्यय रु 1031.83 करोड़ (ओसीआई का शुद्ध है) रु 871.22 करोड़ रुपये की तुलना में 18.30 % की वृद्धि हुई

(करोड़ रु. में)

योग्यता मानदण्ड	सीएमपीडीआईएल का कार्य निष्पादन		
	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23
1. कर पूर्व लाभ (करोड़ रु. में)	414.49	366.04	366.95
2. कर बाद लाभ (करोड़ रु. में)	316.96	282.12	296.66
3. टर्न ओवर (करोड़ रु. में)	1488.60	1208.43	1386.09
4. टर्न ओवर के लिए कर पूर्व लाभ (प्रतिशत)	27.84	30.29	26.47
5. प्रति शेयर कमाई (रुपये में)	2219.61	1975.63	2077.45

1.4.1 सांविधिक अंकेक्षकों की रिपोर्ट तथा सचिवीय अंकेक्षक रिपोर्ट पर स्पष्टीकरण अथवा टिप्पणी

सांविधिक अंकेक्षक द्वारा किए गए प्रत्येक विपरीत रिर्माक (टिप्पणी) अथवा आरक्षण, योग्यता पर बोर्ड द्वारा स्पष्टीकरण अथवा टिप्पणी तथा सांविधिक अंकेक्षक की रिपोर्ट को परिशिष्ट-4 के रूप में संलग्न किया गया है।

सचिवीय अंकेक्षकों द्वारा किए गए रिर्माक (टिप्पणी) पर प्रबंधन द्वारा स्पष्टीकरण और सचिवीय अंकेक्षकों की रिपोर्ट को रिपोर्ट के परिशिष्ट-5 में दिया गया है।

1.4.2 कंपनी अधिनियम 2013 के सेक्शन 186 के तहत ऋण, गारंटी अथवा निवेश का विवरण

कंपनी अधिनियम 2013 के अनुच्छेद 186 के अनुसार कंपनी को दिए गए ऋण, किए गए निवेश अथवा की गई गारंटी अथवा उपलब्ध कराए गए सिक्कुरिटी तथा ऋण अथवा गारंटी अथवा सिक्कुरिटी में रेसिपिएंट द्वारा उपयोग किए जाने के लिए प्रस्तावित ऋण अथवा गारंटी अथवा सिक्कुरिटी के उद्देश्य के पूरे विवरण को वित्तीय विवरण में सदस्यों के लिए प्रकट करना चाहिए।

किसी व्यक्ति, फर्म अथवा कंपनी को कोई ऋण नहीं दिया गया, निवेश नहीं किया गया या गारंटी नहीं दी गई अथवा सिक्कुरिटी मुहैया नहीं कराई गई। इसका ब्यौरा वित्तीय विवरण में दिया गया है।

1.4.3 कंपनी मामले की स्थिति

कंपनी की चुकता शेयर पूंजी 150 करोड़ रुपये की अधिकृत पूंजी के मुकाबले 142.80 करोड़ रुपये है। पूंजी आरक्षित राशि

20.13 करोड़ रुपये है, सामान्य आरक्षित राशि 44.78 करोड़ रुपये है और पी/एल खाते में अधिशेष 1030.07 करोड़ रुपये (ओसीआई सहित) है और शेयरधारकों के फंड में पूरी तरह से 1217.65 करोड़ रुपये है। गैर चालू देनदारी 82.54 करोड़ रुपये और चालू देनदारी 599.21 करोड़ रुपये।

कंपनी की शुद्ध अचल संपत्ति 243.80 करोड़ रुपये, आस्थगित कर संपत्ति (शुद्ध) 57.89 करोड़ रुपये, अन्य गैर-वर्तमान संपत्ति 19.20 करोड़ रुपये और वर्तमान संपत्ति 1598.64 करोड़ रुपये है।

परिचालन और अन्य आय से कुल राजस्व 1398.78 करोड़ रुपये है और सभी व्यय और करों को पूरा करने के बाद, शुद्ध लाभ 296.44 करोड़ रुपये है। प्रति शेयर कमाई (अंकित मूल्य 1000 रुपये प्रति शेयर) 2077.45 रुपये बैठती है।

1.4.4 31 मार्च, 2023 तक का पूंजीगत व्यय

(करोड़ रु. में)

	2021-22	2022-23
भूमि एवं भवन	5.51	0.90
प्लांट एवं मशीन	24.92	25.30
कार्यालय उपकरण	0.05	1.73
फर्नीचर	1.79	5.99
टेलीकाम	0.01	0.60
वाहन	-	1.09
सॉफ्टवेयर	8.02	7.30
ईआरपी का विकास	2.3	-
कुल	42.60	42.91

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए जीएसटी सहित कैपेक्स रु.48.81 है

1.4.5 अंतरिम लाभांश की घोषणा:

बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 17 मार्च, 2023 को आयोजित 266 वीं सीएमपीडीआईएल की बोर्ड बैठक में निदेशक मंडल ने अंतरिम लाभांश की मंजूरी दे दी है जिसका आधार 31 दिसम्बर, 2022 की अवधि के लिए कार्यकारी परिणाम के तहत 70 करोड़ रु. अर्थात् रु. 490.20 प्रति शेयर (लाभांश) 14,28,000 इक्विटी शेयर पर दिया गया। कर पश्चात् चालू वर्ष का लाभ 1000/- प्रत्येक (शेयर का अंकित मूल्य) का इक्विटी शेयर तथा वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 31.12.2022 तक कंपनी के प्राक्कलित लाभ एवं हानि में अधिशेष को घोषित किया गया है।

1.4.6 31.03.2023 के बाद मेटेरियल परिवर्तन:

मेटेरियल और कमिटमेंट में कोई परिवर्तन नहीं जिससे कंपनी के वित्तीय वर्ष के अंत में वित्तीय स्थिति में कोई परिवर्तन नहीं, जो रिपोर्ट की तिथि तथा वित्तीय विवरण से सम्बद्ध हो।

1.5 निगमित शासन

निगमित शासन कंपनी के प्रबंधन, इसके बोर्ड, इसके शेयर होल्डर तथा अन्य स्टोक होल्डरों के बीच संबंधों का एक सेट है। यह कंपनी के उद्देश्य को प्राप्त करने का साधन तथा कार्यनिष्पादन की मॉनिटरिंग की पद्धति का एक सेट है।

अंकेक्षक द्वारा किए गए रिमार्क पर प्रबंधन द्वारा स्पष्टीकरण तथा कारपोरेट गवर्नेंस सर्टिफिकेट के रिपोर्ट को रिपोर्ट के परिशिष्ट-3 में संलग्न किया गया है।

1.6 कंपनी का दर्शन

निगमित शासन के संबंध में कंपनी का दर्शन, पारदर्शिता, इंटीग्रिटी, विश्वसनीयता, कंफीडेंसियलिटी, नियंत्रण, सामाजिक उत्तरदायित्व, डिसक्लोजर और रिपोर्टिंग जो नियम, अधिनियम विनियमन और दिशा-निर्देश का पालन करता हो, को सुनिश्चित करना है।

निगमित शासन गतिविधियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कंपनी ने निम्नलिखित को शामिल करते हुए सुस्पष्ट नीति बनाई है:

- निदेशकों तथा वरीय प्रबंधन कार्मिकों के लिए आचार संहिता (कोड आफ कंडक्ट)
- कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा आंतरिक ट्रेडिंग के संरक्षण के लिए आचार संहिता
- विसिल ब्लोअर पालिसी
- जोखिम प्रबंधन योजना

1.7 निदेशक मंडल

कंपनी का कार्य व्यापार निदेशक मंडल द्वारा चलाया जाता है। कंपनी के निदेशकों की संख्या को समय-समय पर राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित की जाती है। निदेशकों के लिए क्वालिफिकेशन शेयर को रखने की जरूरत नहीं होती है। राष्ट्रपति द्वारा

चेयरमैन, कार्यकारी निदेशक, अंशकालिक सरकारी निदेशक और गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशकों की नियुक्ति की जाती है और नियुक्ति आदेश के अनुबंध एवं शर्तों तथा कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधान के तहत भारत के राष्ट्रपति द्वारा निर्धारित वेतन, भत्ते, बैठक, शुल्क आदि दिए जाते हैं।

क) निदेशक मंडल का आकार

कंपनी के आर्टिकल ऑफ एसोसिएशन के संदर्भ में हमारे निदेशक मंडल में कम-से-कम तीन (3) निदेशक और पन्द्रह (15) निदेशक से ज्यादा नहीं होना चाहिए। ये निदेशक पूर्णकालिक निदेशक कार्यकारी निदेशक/कार्यकारी अथवा सरकारी अंशकालिक निदेशक या गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशक/स्वतंत्र निदेशक हो सकते हैं।

ख) निदेशक-मंडल का कोटिवार गठन:

31 मार्च, 2023 के अनुसार सीएमपीडीआईएल के निदेशक मंडल में 7 निदेशक हैं, जिसमें अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सहित पांच (5) पूर्णकालिक निदेशक दो (2) अंशकालिक सरकारी निदेशक हैं। कार्यकारी अध्यक्ष श्री मनोज कुमार इस बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

पहले नियुक्त स्वतंत्र निदेशकों का पद समाप्त होने के बाद कोयला मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति अभी तक नहीं की गई है। इस प्रकार बोर्ड की संरचना के संबंध में कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों का पालन केवल स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति पर किया जा सकता है।

31 मार्च, 2023 के अनुसार निदेशक मंडल का गठन निम्नानुसार है:

I. पूर्णकालिक निदेशक

क) अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

1. श्री मनोज कुमार

ख) कार्यकारी निदेशक

1. श्री रवीन्द्र नाथ झा
2. श्री सतेन्द्र कुमार गोमास्ता
3. श्री शंकर नागाचारी

4. श्री अजय कुमार

II. सरकारी अंशकालिक निदेशक

1. श्री बी वीरा रेड्डी
2. श्री मनोज कुमार गुप्ता

III. स्थायी आमंत्रित सदस्य

1. श्री अजितेश कुमार

ग)

आयोजित बोर्ड की बैठक की संख्या तथा तिथि

कंपनी का सर्वोच्च निकाय निदेशक मंडल होता है, जो कंपनी के संपूर्ण कार्यों की रेख-रेख करता है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान दस (10) बोर्ड बैठकें आयोजित की गई थी, जो इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	बैठक की संख्या	तिथि	दिन	स्थान
1.	257वीं	10.05.2022	मंगलवार	राँची
2.	258वीं	17.06.2022	शुक्रवार	राँची
3.	259वीं	08.07.2022	शुक्रवार	नई दिल्ली
4.	260वीं	28.07.2022	गुरुवार	राँची
5.	261वीं	22.09.2022	गुरुवार	राँची
6.	262वीं	15.10.2022	शनिवार	नई दिल्ली
7.	263वीं	04.11.2022	शुक्रवार	राँची
8.	264वीं	29.11.2022	मंगलवार	राँची
9.	265वीं	24.01.2023	मंगलवार	राँची
10.	266वीं	17.03.2023	शुक्रवार	राँची

घ)

निदेशक मंडल की बैठक में प्रत्येक निदेशक की उपस्थिति:

प्रत्येक निदेशक द्वारा बोर्ड की बैठक में उपस्थिति की संख्या का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	निदेशक	उनके कार्यावधि में हुई बोर्ड बैठक की संख्या	बोर्ड की बैठक में उपस्थिति की संख्या	अंतिम एजीएम में उपस्थिति
कार्यकारी निदेशक				
1.	श्री मनोज कुमार	10	10	Yes
2.	श्री आर.एन.झा	10	9	Yes
3.	श्री सतेन्द्र कु. गोमास्ता	10	10	Yes
4.	श्री शंकर नागाचारी	6	6	-
5.	श्री अजय कुमार	4	4	-
अंशकालीन सरकारी निदेशक				
6.	डॉ. बी वीरा रेड्डी	10	10	Yes
7.	श्री मुकेश चौधरी	8	7	No

क्र. सं.	निदेशक	उनके कार्यावधि में हुई बोर्ड बैठक की संख्या	बोर्ड की बैठक में उपस्थिति की संख्या	अंतिम एजीएम में उपस्थिति
8.	श्री मनोज कुमार गुप्ता	1	1	-
अंशकालीक गैर-सरकारी निदेशक				
9.	श्रीमती अलका पांडा	3	3	-
10.	डा.कृष्ण चन्द्र पाण्डेय	3	3	-
11.	श्री प्रमोद सिंह चौहान	6	6	Yes

क्रम संख्या 6 को 22.02.2022 से कोल इंडिया लिमिटेड से नामांकित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।
क्रम संख्या 7 को 26.05.2020 से 07.12.2022 तक कोयला मंत्रालय से सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।
क्रम संख्या 8 को 22.02.2023 से कोयला मंत्रालय से सरकार द्वारा नामित निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था।

ड.) 31 मार्च, 2023 के अनुसार रुचि का प्रकटीकरण

क्र. सं.	निदेशकों के नाम	जिस कंपनी के लिए वे इच्छुक हैं	रुचि की प्रकृति यानि अध्यक्ष, निदेशक प्रबंधक एवं सचिव
कार्यकारी निदेशक			
1.	श्री मनोज कुमार	शून्य	-
2.	श्री आर.एन.झा	शून्य	-
3.	श्री सतेन्द्र कु. गोमास्ता	शून्य	-
4.	श्री शंकर नागाचारी	शून्य	-
5.	श्री अजय कुमार	शून्य	-
अंशकालीन सरकारी निदेशक			
6.	डॉ. बी वीरा रेड्डी	1. कोल इंडिया लिमिटेड	1. निदेशक
		2. कोल लिग्नाइट ऊर्जा विकास प्राइवेट लिमिटेड	2. निदेशक
		3. साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	3. निदेशक
		4. सीआईएल सोलर पीवी लिमिटेड	4. निदेशक
		5. सीआईएल नाविकरणीय ऊर्जा लिमिटेड	5. निदेशक
		6. कोल इंडिया अफ्रीकाना लिमिटेड	6. अध्यक्ष
		7. ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	7. निदेशक
7.	श्री मनोज कुमार गुप्ता	शून्य	-

च.) बोर्ड की मीटिंग के समक्ष रखी गई सूचना

कंपनी बोर्ड के भीतर की किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकता है। बोर्ड के समक्ष दी जाने वाली सूचनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

- पूंजी एवं राजस्व बजट
- कंपनी का त्रैमासिक और वार्षिक वित्तीय परिणाम
- कंपनी के कार्य-निष्पादन की आवधिक संवीक्षा,
- भारी मशीनों की उपलब्धता एवं उपयोग की सांविधिक समीक्षा
- प्रयोज्य नियमों के अनुपालन पर आवधिक समीक्षा
- वार्षिक रिपोर्ट, निदेशक मंडल की रिपोर्ट इत्यादि
- अंकेक्षक समिति, सीएसआर समिति, नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति तथा जोखिम प्रबंधन समिति बैठक का कार्यवृत्त
- बड़े कंटेक्ट/एग्रीमेंट को देना
- अन्य कंपनियों में उनके द्वारा धारित स्थिति और डायरेक्टरशिप के बारे में निदेशकों की रुचि का प्रकटीकरण
- स्वतंत्र निदेशक द्वारा स्वतंत्रता की घोषणा
- श्रम-शक्ति बजट
- कोई अन्य मैटेरियली महत्वपूर्ण सूचना

1.8 निदेशकों का संक्षिप्त प्रोफाइल:



श्री मनोज कुमार
(डीआईएन 09225497)

वर्ष 1986 में IIT-BHU वाराणसी से खनन इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और वर्ष 1990 में प्रथम श्रेणी के खदान प्रबंधक का योग्यता प्रमाण पत्र भी प्राप्त किया। उन्होंने वर्ष 1986 में साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL) के कोरबा क्षेत्र से कोयला उद्योग में अपना करियर शुरू किया। और यूजी और ओसी दोनों खानों के क्षेत्र स्तर पर काम करने का व्यापक अनुभव है।

वह 1998 में सीएमपीडीआईएल में शामिल हुए और उन्होंने यूजी और ओसी खान योजना में काम किया और भारत की सबसे बड़ी कोयला खदानों जैसे गेवराए कुसुमुंडा और दीपका खानों की योजना बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्हें सीएमपीडीआईएल के तीन क्षेत्रीय संस्थानों के क्षेत्रीय निदेशक के रूप में 9 साल का प्रशासनिक अनुभव भी है जहां उन्होंने एनसीएलए एसईसीएल और सीसीएल के लिए भविष्य का रोडमैप बनाने में मदद की।

वह सीएमपीडीआईएल के सीबीएमडीसीएमएम क्लियरिंग हाउस के एचओडी भी थे और उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान सीआईएल के सीबीएम ब्लॉकों की पहली दो परियोजना रिपोर्टों को मंजूरी दी। उन्हें वर्ष 2019 में कोल इंडिया स्तर पर सर्वश्रेष्ठ महाप्रबंधक के रूप में सम्मानित किया गया था।

उन्होंने आधिकारिक क्षमता में पोलैंड ऑस्ट्रेलिया और कजाकिस्तान का दौरा किया और वैश्विक खनन प्रथाओं का अनुभव किया।

दिनांक 04.10.2021 से वे सीएमपीडीआईएल के अध्यक्ष सह.प्रबंध निदेशक हैं।



डॉ. बी वीरा रेड्डी
(डीआईएन 05195902)

वे 1 फरवरी 2022 से निदेशक (तकनीकी), सीआईएल का पदभार ग्रहण किया है। इससे

पहले वे 01.01.2020 से 31.01.2022 तक ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) संचालन थे। उन्होंने वर्ष 1986 में उस्मानिया विश्वविद्यालय के कोठागुडेम स्कूल ऑफ माइन्स से खनन में बी.टेक किया और वर्ष 1990 में डीजीएमएस द्वारा प्रथम श्रेणी प्रबंधक योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त किया। उन्होंने वर्ष 2000 में उस्मानिया विश्वविद्यालय के कोठागुडेम स्कूल ऑफ माइन्स से माइन प्लानिंग में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी भी पूरा किया है। श्री रेड्डी वर्ष 1987 में एससीसीएल में शामिल हुए और उन्हें कोयला खनन, योजना, खरीद और संचालन में 32 से अधिक वर्षों का अनुभव है। उन्होंने मैकेनाइज्ड अंडरग्राउंड और ओपनकास्ट खानों और एससीसीएल के कॉर्पोरेट प्रोजेक्ट प्लानिंग विभाग में विभिन्न क्षमताओं में काम किया।

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (तकनीकी) संचालन के रूप में शामिल होने से पहले उन्होंने सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के एड्रियाला लॉन्गवॉल प्रोजेक्ट एरिया के महाप्रबंधक के रूप में काम किया।

उन्हें सीएमपीडीआईएल के बोर्ड में 24.02.2022 से सरकारी अंशकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।



श्री मुकेश चौधरी
(डीआईएन 07532479)

यांत्रिक अभियंत्रण (मेकेनिकल इंजीनियरिंग) में स्नातक, एमबीए तथा सीएफए डिग्रीधारी

है। ये वर्ष 1997 से इंडियन आर्डिनेन्स फैक्टरी सर्विस (आईओएफएस) के अधिकारी हैं। इन्होंने 17.3.2016 को कोयला मंत्रालय, भारत सरकार में निदेशक (सीएलडी) के पद पर योगदान दिया है। इन्हें ओएफएससी, नागपुर (1997-1999), वीएम/डीजीएम, जीएसएफ, कोलकाता (1999-2009), डीजीएम, एसएएफ, कानपुर (2009-2010 तथा संयुक्त महाप्रबंधक/ निदेशक, कानपुर (2010-2016) के पद पर कार्य करते हुए 20 वर्षों से अधिक का अनुभव है। ये 29.11.2019 से 17.3.2020 तक एनएलसी के अंशकालिक सरकारी निदेशक थे तथा 11.1.2019 से 5.6.2020 तक एससीसीएल के बोर्ड में अंशकालिक सरकारी निदेशक नियुक्त किए गए थे। इन्हें 05.06.2020 से 02.01.2022 तक सीसीएल के बोर्ड में सरकारी अंशकालिक निदेशक के रूप में भी नियुक्त किया गया था। इन्हें 26.5.2020 से सीएमपीडीआईएल के निदेशक-मंडल में सरकारी अंशकालिक निदेशक नियुक्त किया गया है।



श्री मनोज कुमार गुप्ता
(डीआईएन: 09460769)

05.02.1990 को अपनी सेवा की शुरुआत की। उन्होंने 03.01.2022 से 21.02.2023

तक नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) के बोर्ड में आधिकारिक अंशकालिक निदेशक के रूप में कार्य किया है।

उन्हें स्थापना, कार्मिक मामले, भर्ती नियम, भर्ती/पदोन्नति प्रस्ताव, कार्य अध्ययन, डीडीओ, नकद/योजना, बजट, एनएचडीपी और अन्य एनएच सड़क परियोजनाओं/अनुमानों, योजनाओं, एमपी/वीआईपी संदर्भों, वार्षिक योजना की तैयारी, सीएमपीएफ और एमपी अधिनियम, 1948, सीएमपीएस, 1998 का विनियमन और सीएमपीएफओ के प्रशासनिक और वित्तीय मामले, कोयला मंत्रालय के सीआईएमएस पोर्टल से संबंधित मामले, संसदीय समिति के मामले में व्यापक अनुभव है।

उन्हें 22.02.2023 से सीएमपीडीआईएल के बोर्ड में आधिकारिक अंशकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है



श्री रवीन्द्र नाथ झा
(डीआईएन 05195902)

भारतीय खनि विद्यापीठ, धनबाद से 1985 में खनन अभियांत्रिकी से स्नातक हैं। इन्होंने 1990 में

डीजीएमएस से प्रथम श्रेणी माइन मैनेजर कम्पिटेंसी सर्टिफिकेट (कोल) प्राप्त किया है। ये एक प्रमुख क्वालिटी सिस्टम ऑडिटर भी हैं। और एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा धारक हैं।

इन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत भारत के सबसे गहरे कोयला खान, ईसीएल के चिनाकुरी के पिट-1 एवं 2 से की है। इन्होंने स्टोविंग माइन सहित लॉगवॉल में भी कार्य किया है। ईसीएल में 7 वर्षों तक अपनी सेवा देने के बाद वे 1992 में सीएमपीडीआई में पदभार ग्रहण किया। इन्होंने सीएमपीडीआई और इसके विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों के परियोजना मॉनीटरिंग/एप्रेजल डिविजन, खुली खदान खनन, भूमिगत खनन और पर्यावरण विभागों में कार्य किया है।

इन्होंने जनवरी, 2012 में निदेशक (तकनीकी) के रूप में मिनरल एक्सप्लोरेशन कारपोरेशन लिमिटेड में योगदान दिया।

- एमईसीएल को उनकी कार्य अवधि में मिनीरल (श्रेणी-II) कंपनी का दर्जा प्राप्त हुआ।

- एमईसीएल 25 वर्षों के अंतराल के बाद 2014 में भारत सरकार को डिविडेड (लाभांश) देना शुरू किया।
- एमईसीएल ने वर्ष 2012 में डीआरडीओ के लिए चुमाथन (लेह के निकट) में एक भू-तापीय परियोजना सफलतापूर्वक पूरा किया है।
- इनके कार्यअवधि में वेधन वर्ष 2012 में 2.96 लाख मीटर से बढ़कर वर्ष 2018 में 6.32 लाख मीटर हो गया और ;च्।ज्दध पीएटी रु.10 करोड़ से बढ़कर रु. 95 करोड़ हो गया।
- एमईसीएल मार्च, 2018 में तीसरा वेतन समझौता करने वाली पहली पीएसयू है।
- एमईसीएल ने माननीय कोयला मंत्री श्री पीयूष गोयल और पेट्रोलियम एंड नेचुरल गैस मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा फरवरी, 2018 में मिनी रत्न पीएसयू के बीच सर्वोत्तम वित्तीय कार्य निष्पादन के लिए हिन्दुस्तान टाइम्स द्वारा "हिन्दुस्तान रत्न" का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
- इन्होंने फरवरी, 2018 में, मुंबई में आयोजित वल्ड एचआर कांग्रेस द्वारा एचआर ओरिएंटेशन सहित सीईओ का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

ये मिनरल एक्सप्लोरेशन और डेवलपमेंट माइनिंग से संबंधित विभिन्न समितियों में एमईसीएल और खान मंत्रालय का प्रतिनिधित्व किया। ये कनाडा, दुबई, पेरू आदि देशों का दौरा किया और मिनरल एक्सप्लोरेशन और माइनिंग से संबंधित अनेकों तकनीकी आलेख प्रस्तुत किए।

सीएमपीडीआईएल में निदेशक (तकनीकी/रिसर्च, डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी) के रूप में 30.01.2019 को उनकी नियुक्ति हुई।



श्री सतेन्द्र कुमार गोमास्ता
(डीआईएन- 08714820)

ने वर्ष 1984 में रायपुर इंजीनियरिंग कॉलेज रायपुर से खनन अभियंत्रण में डिग्री प्राप्त

की। इन्होंने 1989 में फस्ट क्लास माइन मैनेजर्स सर्टिफिकेट ऑफ कंपिटेंसी उन्नीष की है। इन्होंने मार्केटिंग मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर की उपाधि

हासिल की। उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत वर्ष 1984 में डब्ल्यूसीएल से कोयला उद्योग में की। उन्होंने कोल इंडिया लिमिटेड के सबसिडियरी कंपनियों मुख्यतः डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल और एनसीएल में विभिन्न क्षमता वाले भूमिगत और खुली खदान खनन में कार्य किया है। उनका खुली खदान खानों में 16 वर्षों तथा भूमिगत खानों में 18 वर्षों का व्यापक खनन अनुभव से कोयला खनन उद्योग के साथ-साथ सीएमपीडीआईएल को व्यापक लाभ मिलेगा।

उन्होंने उच्च प्रबंधन पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए इन्होंने वर्ष 2014 में स्वीटजरलैंड तथा फ्रांस का दौरा किया। श्री सतेन्द्र कुमार गोमास्ता ने दिनांक: 25.02.2022 को सीएमपीडीआईएल के निदेशक (तकनीकी) का पदभार ग्रहण किए। इसके पहले ये नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, सिंगरौली में महाप्रबंधक (खनन) के पद पर कार्यरत थे।

दिनांक: 25.02.2020 से सीएमपीडीआईएल के निदेशक मंडल में निदेशक (तकनीकी) (कोयला संसाधन विकास) के पद पर नियुक्त किया गया है।



श्री शंकर नागाचारी
(DIN:-09729657)

ने सीएमपीडीआईएल में निदेशक (तकनीकी/इंजीनियरिंग सेवाएँ) के रूप में कार्यभार ग्रहण किया

है। इससे पहले वह एसईसीएल में विभिन्न पदों पर कार्य कर चुके हैं।

श्री नागाचारी ने 1988 में इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (भारत) से माइनिंग इंजीनियरिंग की डिग्री और इग्नू से मार्केटिंग मैनेजमेंट में एमबीए की डिग्री प्राप्त की। श्री नागाचारी ने अपना करियर अंबारा कोलियरी, कन्हान एरिया वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड से शुरू किया। श्री नागाचारी ने वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड और साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की अंडरग्राउंड और ओपन कास्ट खदानों में खान प्रबंधक से लेकर क्षेत्रीय महाप्रबंधक तक विभिन्न क्षमताओं में कोयला उत्पादन गतिविधियों में काम किया। उनके नेतृत्व में एसईसीएल के बैकुंठपुर क्षेत्र और सोहागपुर क्षेत्र को राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

श्री नागाचारी के विशाल अनुभव और ज्ञान से न केवल सीएमपीडीआईएल बल्कि संपूर्ण कोयला उद्योग को लाभ होने की उम्मीद है।



श्री अजय कुमार
(डीआईएन: 09774347)

ने 26.10.2022 से
सीएमपीडीआईएल में निदेशक
(तकनीकी/योजना एवं डिजाइन)

के रूप में कार्यभार ग्रहण किया। इससे पहले, उन्होंने एनटीपीसी लिमिटेड, सीएमपीडीआईएल क्षेत्रीय संस्थान-वी, बिलासपुर, सीएमपीडीआईएल और सीसीएल में विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

श्री अजय कुमार ने 1989 में आईआईटी (आईएसएम)-धनबाद से माइनिंग इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त की और उसी वर्ष, श्री कुमार ने सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के एनके एरिया से अपना करियर शुरू किया। श्री कुमार ने वर्ष 1993 में प्रथम श्रेणी खान प्रबंधक योग्यता प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

श्री कुमार ने आधिकारिक तौर पर इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया का भी दौरा किया और इन देशों में कोयला खदानों के काम करने के तरीकों के बारे में जानकारी हासिल की।

श्री कुमार के पास ओपन कास्ट माइन प्लानिंग और माइन डेवलपमेंट में व्यापक अनुभव और विशेषज्ञता है, जिससे सीएमपीडीआईएल के साथ-साथ पूरे कोयला खनन उद्योग को लाभ होगा।



डा. कृष्ण चन्द्र पाण्डेय
(डीआईएन 06706962)

रुहेल खंड विश्वविद्यालय,
बरेली से 1990 में स्नातकोत्तर
(एमए) की उपाधि हासिल की

तथा 1996 में आगरा विश्वविद्यालय से 1996 में पीएचडी की। इन्होंने आगरा विश्वविद्यालय, आगरा, दिल्ली प्रशासन तथा माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय, भोपाल में शिक्षण का कार्य किया।

ये वर्ष 2015 से 2017 तक पंचनंद रिसर्च इंस्टीच्यूट एंड एडिटिंग पंचनंद रिसर्च मैगजीन में, वर्ष 2016 से 2018 तक मासिक समाचार पत्रिका माखनलाल चतुर्वेदी नेशनल जर्नलिज्म एंड कम्यूनिकेशन यूनिवर्सिटी भोपाल के एडिटर-इन-चीफ रहे। वर्ष 2007 से 2019 तक इंडियन हेरिटेज मैगजीन में नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ संस्कृत (भारत सरकार) में ट्रेनिंग कैम्प के को-आर्डिनेटर भी रहे।

इन्होंने वर्ष 1996 से 2007 तक नेशनल कंजक्शन ऑफ भारत संस्कृत परिषद् के प्रशिक्षण शिविर का संचालन किया तथा वर्ष 2015-2017 तक इन्द्रप्रस्थ साहित्य भारती, दिल्ली में महासचिव के रूप में सेवा दी।

इन्होंने आल इंडिया विद्या परिषद् एंड विज्ञान भारती के विभिन्न विषयों तथा रचनाओं पर लगभग 200 आलेख लिखा तथा 7 पुस्तकों का प्रकाशन किया।

वर्ष 1988 में दिल्ली सरकार द्वारा उन्हें संस्कृत समरादक सम्मान से नवाजा गया। इन्हें 2005 में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार तथा 2015 में समाज रत्न पुरस्कार दिया गया। इन्हें 2015 में अटल साहित्य पुरस्कार दिया गया। वर्तमान में वे प्रसार भारती में पब्लिक प्रॉपर्टी कंजरवेशन डिपार्टमेंट में एडवाइजर (सलाहकार) हैं।

वे पूरे भारत में विभिन्न प्रकार की भाषाओं एवं बोलियों के पारंपरिक रूप से प्रचलित लोक संगीत का संरक्षण कर रहे हैं। इन्होंने लोक साहित्य तथा भारतीय शिक्षा पद्धति (प्रणाली) पर लिखते रहे हैं।

इन्हें 10.07.2019 से 09.07.2022 सीएमपीडीआईएल के निदेशक-मंडल में गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशक नियुक्त किया गया है।



श्रीमती अलका पण्डा
(डीआईएन 08524514)

1983 बैच के उडिसा कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। इन्होंने राजस्थान, जयपुर विश्वविद्यालय

से रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है। अपनी सेवा-काल में उड़ीसा सरकार, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग तथा जनजाति कल्याण विभाग में सचिव का पद सम्हाला। भारत सरकार में 2010 में प्रतिनियुक्ति के पहले ये उड़ीसा

के मुख्य निर्वाचन अधिकारी थीं। सचिव, भारत सरकार के समतुल्य रैंक में डायरेक्टर जनरल ऑफ ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड, नई दिल्ली के रूप में जुलाई, 2017 में सेवा-निवृत्त हुईं।

इन्हें सीएमपीडीआईएल निदेशक-मंडल में गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशक के रूप में दिनांक

उन्हें 10.07.2019 से 09.07.2022 तक सीएमपीडीआईएल के बोर्ड में और आधिकारिक अंशकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया।



श्री प्रमोद सिंह चौहान
(डीआईएन 01308337)

स्नातक उत्तीर्ण हैं तथा पेशे (व्यवसाय) से ये चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। वे वर्ष 2014-15

में दि इन्स्टीच्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया के सीआईआरसी के आगरा शाखा में सीआईसीएसए अध्यक्ष का पद सुशोभित कर चुके हैं। इन्होंने वर्ष 2015-16 में दि इन्स्टीच्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया के सीआईआरसी के आगरा शाखा के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। ये आगरा के प्रमुख प्रैक्टिशनर हैं और इनकी विशेषज्ञता का क्षेत्र अंकेक्षण, लेखा, आयकर एवं सीएसआर हैं। इन्होंने प्रिंस कारपोरेट सर्विस प्रा0 लि0 में निदेशक पद पर अपनी सेवाएँ दी हैं। वर्तमान में ये अष्ट विनायक रीयलटर्स प्रा0 लि0 के निदेशक हैं। ये एक प्रेरक वक्ता हैं और मोटिवेशनल स्पीकर हैं एवं इनका लेख कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होता आ रहा है। ये सिविल इन्क्लेव एयर पोर्ट ऑथॉरिटी, आगरा के सलाहकार समिति के सदस्य हैं।

इन्होंने डा0 भीमराव अंबेदकर विश्वविद्यालय, आगरा के “इन्फ्रास्ट्रक्चर फैसिलिटी एंड एजुकेशनल डेवलपमेंट” की योजना एवं सलाहकार समिति के सदस्य हैं।

इन्हें सीएमपीडीआईएल निदेशक-मंडल में गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशक के रूप में दिनांक

उन्हें 16.10.2019 से 15.10.2022 सीएमपीडीआईएल तक के बोर्ड में गैर आधिकारिक अंशकालिक निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है।



श्री अजितेश कुमार

श्री अजितेश कुमार: यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित इंजीनियरिंग सर्विस एक्जमिनेशन 2005 के जरिए

चयनित सेंट्रल पावर इंजीनियरिंग (ग्रुप-ए) सेवा के 2006 बैच से हैं। उन्होंने अपने बी-टेक (इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग) की डिग्री गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर (उत्तराखंड) से ली।

उन्होंने 2008 में सेंट्रल इलेक्ट्रीसिटी आथरिटी, नई दिल्ली में ज्वाइन किया और 2016 तक हाइड्रोइलेक्ट्रीक प्रोजेक्ट के विस्तृत परियोजना रिपोर्टों का मूल्यांकन भी किया। वर्ष 2016 में उनकी नियुक्ति हिंडस-ऑन-एक्सपोजर टू वापर प्लांट आपरेशन के लिए टेहरी हाइड्रो डेवलपमेंट कारपोरेशन लिमिटेड (टीएचडीसीएल) के लिए हुई और टेहरी हाइड्रो इलेक्ट्रीक प्रोजेक्ट, उत्तराखंड के पावर हाउस में पदस्थापित रहे।

वर्ष 2017 में सीईए से लौटने के पश्चात् उनकी पदस्थापना पावर सिस्टम प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग डिवीजन में हुई जहाँ उन्हें वे राष्ट्रीय महत्व के टेरिफ आधारित बिडिंग स्कीम और अन्य ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट के तहत ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट से संबंधित मामले देखने का कार्य दिया गया।

वर्तमान में वे कोयला मंत्रालय में निदेशक (पीएंड एस-1/ पीएंड एस-1) हैं।

दिनांक: 13.01.2020 से सीएमपीडीआईएल बोर्ड के स्थायी आमंत्रित सदस्य के रूप में उनकी नियुक्ति की गई है।

1.9 सेक्शन 149 के उप-धारा (6) के तहत स्वतंत्र निदेशकों द्वारा किए गए घोषणा पर विवरण

डॉ कृष्ण चंद्र पांडेय श्रीमती अलका पांडा और श्री प्रमोद सिंह चौहान कंपनी के स्वतंत्र निदेशक हैं। सभी स्वतंत्र निदेशकों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया और घोषणा की कि वे वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 149 की उप-धारा (6) में प्रदान किए गए स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।

1.10 (क) अंकेक्षण समिति:

अंकेक्षण समिति का मुख्य कार्य वित्तीय रिपोर्ट, वित्त से संबंधित आंतरिक नियंत्रण की कंपनी की प्रणाली, लेखा तथा कंपनी का अंकेक्षक लेखा एवं वित्तीय रिपोर्टिंग प्रोसेस का पुनरीक्षण करते हुए इसकी ओवर साइट उत्तरदायित्व पूरा करने में निदेशक मंडल को सहायता प्रदान करना है।

अंकेक्षण समिति अतिरिक्त अंकेक्षकों की रिपोर्ट की समीक्षा करती है, सांविधिक अंकेक्षकों से मिलती है तथा उनकी उपलब्धियों, सुझावों और अन्य संबंधित विषयों पर विचार विमर्श करती है एवं कंपनी द्वारा अपनाई गई मुख्य लेखा नीतियों की समीक्षा करती है।

(ख) विचारार्थ विषय:

अंकेक्षण समिति की विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 177 के अनुसार है तथा भारी उद्योग मंत्रालय तथा पब्लिक इंटरप्राइजेज विभाग द्वारा जारी किये गए सीपीएसईएस के कारपोरेट-गवर्नेंस पर आधारित दिशा-निर्देश के अनुसार है।

अंकेक्षण समिति का विचारार्थ विषय अन्य बातों के साथ-साथ संगठन के सभी व्यावसायिक पहलूओं को कवर करेगा।

- i. बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने के पहले वित्तीय विवरणों की समीक्षा करना।
- ii. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली का नियतकालिक पुनरीक्षण।
- iii. शासकीय अंकेक्षण तथा सांविधिक अंकेक्षण की रिपोर्ट का पुनरीक्षण।
- iv. मानक पारामीटरों के साथ-साथ संचालनीय कार्य निष्पादन का पुनरीक्षण।
- v. परियोजनाओं तथा अन्य पूँजीगत योजनाओं का पुनरीक्षण।
- vi. आंतरिक अंकेक्षण उपलब्धि/अवलोकन का पुनरीक्षण।
- vii. आनुपातिक तथा प्रभावी आंतरिक अंकेक्षण कार्य का विकास।

viii. बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट किए गए मुद्दों सहित किसी भी विषय का विशेष अध्ययन/जाँच।

(ग) अंकेक्षक समिति का कार्य क्षेत्र:

अंकेक्षण समिति का कार्य क्षेत्र/भूमिका इस प्रकार है:

1. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया को देखना तथा वित्तीय संरचनाओं का प्रकटीकरण, इस बात को सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त तथा विश्वसनीय है।
2. ऑडिट फीस को निर्धारित करने के लिए बोर्ड को अनुशंसा करना।
3. सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा प्रस्तुत किये गए अन्य सेवाओं के लिए अंकेक्षक, सांविधिक अंकेक्षकों के भुगतान का अनुमोदन करना है।
4. विशेष संदर्भ के साथ अनुमोदन हेतु बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक वित्तीय विवरणों का प्रबंधन के साथ पुनरीक्षण करना।

(क) कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134(3) और 134(5) के संदर्भ में शामिल किए जाने वाला डायरेक्टर्स रिस्पॉसिबिलिटी स्टेटमेंट में शामिल होने वाले अपेक्षित मामले।

(ख) लेखा नीतियों तथा प्रैक्टिसेस में यदि कोई परिवर्तन हो तो उसका कारण।

(ग) प्रबंधन द्वारा निर्णय पर आधारित आकलन से जुड़े मुख्य लेखा प्रविष्टि (इंट्री)।

(घ) अंकेक्षण निष्कर्ष से उत्पन्न वित्तीय विवरणों में किए गए महत्वपूर्ण समायोजन।

(ङ) वित्तीय विवरणों से संबंधित कानूनी आवश्यकताओं (प्रयोज्य नियम, अधिनियम तथा कंपनी नीतियाँ) का अनुपालन।

(च.) किसी भी संबंधित पार्टी मामलों का प्रकटीकरण (डिस्क्लोजर) तथा

(छ) मसौदा अंकेक्षण रिपोर्ट में योग्यता।



5. अनुमोदन हेतु बोर्ड में प्रस्तुत करने से पहले तिमाही वित्तीय विवरणों का प्रबंधन के साथ समीक्षा करना।
 6. आंतरिक अंकेक्षकों का कार्य निष्पादन तथा आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की उपयुक्तता का प्रबंधन के साथ समीक्षा करना।
 7. आंतरिक अंकेक्षण विभाग, ऑफिशियल होल्डिंग डिपार्टमेंट का स्टाफिंग तथा वरीयता रिपोर्टिंग संरचना कवरेज एवं आंतरिक अंकेक्षण की आवृत्ति सहित, यदि कोई हो तो आंतरिक अंकेक्षण कार्य की उपयुक्तता की समीक्षा करना।
 8. कोई महत्वपूर्ण उपलब्धियों तथा उससे संबंधित अनुवर्ती कार्रवाई हो तो आंतरिक अंकेक्षण तथा/अथवा अंकेक्षक के साथ विचार विमर्श करना।
 9. ऐसे मामले जहाँ संदिग्ध, धोखाधड़ी अथवा अनियमितता अथवा आर्थिक प्रकृति के (मेटिरियल नेचर) के आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की असफलता है तथा बोर्ड को रिपोर्टिंग करने के मामले में आंतरिक अंकेक्षकों/अंकेक्षकों एजेंसियों द्वारा किसी भी आंतरिक जांच की उपलब्धियों की समीक्षा करना।
 10. अंकेक्षण की प्रकृति तथा कार्यक्षेत्र के बारे में तथा इससे संबंधित किसी भी क्षेत्र का पता लगाने के लिए पोस्ट ऑडिट विचार-विमर्श, ऑडिट कामनसेंस के पहले सांविधिक अंकेक्षण के साथ विचार-विमर्श करना।
 11. व्हिसिल ब्लोअर मैकेनिज्म की क्रियाशीलता की समीक्षा करना।
 12. सी एंड ए जी (C&AG) ऑडिट के अंकेक्षण अवलोकन पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करना।
 13. स्वतंत्र अंकेक्षक, आंतरिक अंकेक्षक तथा बोर्ड आफ डाइरेक्टर्स के बीच सम्पर्क हेतु खुला मंच उपलब्ध कराना।
 14. कंपनी के सभी संबंधित पार्टी मामलों की समीक्षा करना तथा अनुमोदित करना। इस उद्देश्य के लिए अंकेक्षण समिति एक सदस्य को नामित कर सकता है, जो इन्स्टीच्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेंट्स आफ इंडिया द्वारा जारी एकाउंटिंग स्टैंडर्ड 18 में वर्णित पार्टी ट्रांजेक्शन से संबंधित पुनरीक्षण के लिए उत्तरदायी होगा।
 15. कवरेज, अनावश्यक प्रयास में कमी तथा सभी आडिट संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल की संपूर्णता को सुनिश्चित करने हेतु ऑडिट प्रयासों के स्वतंत्र ऑडिटर समन्वयन के साथ पुनरीक्षण करना।
 16. कम्प्यूटरीकृत सूचना प्रणाली नियंत्रण तथा सुरक्षा एवं संबंधित उपलब्धियों तथा स्वतंत्र अंकेक्षकों की अनुशंसाएँ तथा प्रबंधन प्रत्युत्तर के साथ अपेक्षित सूचना प्राप्त करने के लिए अथवा गतिविधियों के कार्यक्षेत्र पर किसी भी प्रतिबंध सहित अंकेक्षण के दौरान सामना की गई कठिनाइयों, महत्वपूर्ण उपलब्धियां एवं आंतरिक अंकेक्षक सहित इसका दायित्व प्रबंधन पर भी है।
 17. अपेक्षित सूचना की अधिकता या क्रिया-कलापों की संभावना पर किसी प्रतिबंध सहित अंकेक्षण कार्य के दौरान पायी गई किसी कठिनाइयों तथा पूर्व के अंकेक्षण की अनुशंसाओं की स्थिति सहित विवेच्य वर्ष के दौरान महत्वपूर्ण निष्कर्षों के लिए प्रबंधन, आंतरिक अंकेक्षण तथा स्वतंत्र अंकेक्षक के साथ विचार-विमर्श करना तथा समीक्षा करना।
 18. डिपोजिटर्स, डिबेंचर धारकों, शेयर होल्डर्स (घोषित लाभांश के नन पेमेंट के मामले में) को भुगतान में पर्याप्त त्रुटि के कारणों का पता लगाना।
 19. पब्लिक अंडरटेकिंग्स ऑफ द पार्लियामेंट (कोपू) पर गठित कमेटी की अनुशंसाओं पर की गई कार्रवाई का अनुसरण कर समीक्षा करना।
 20. अंकेक्षण कमेटी के विचाराधीन विषयों में उल्लिखित किसी अन्य कार्य को सम्पादित करना
- (घ) अंकेक्षक समिति की शक्तियाँ:**
अंकेक्षक समिति की शक्तियाँ निम्नलिखित के अनुरूप होगी:
1. विचारार्थ विषय के अंतर्गत किसी भी गतिविधियों की जाँच करना।
 2. किसी भी कर्मों से सूचना माँगना।
 3. बाह्य कानूनी तथा व्यावसायिक सलाह प्राप्त करना।

4. यदि विचार करना आवश्यक हो तो संबंधित विशेषज्ञता के साथ बाहरी व्यक्ति की उपस्थिति सुनिश्चित करना।
5. व्हिसिल ब्लोअर्स की रक्षा करना।
6. अंकेक्षकों की स्वतन्त्रता पर बल देते हुए हितों के टकराव को रोकना।
7. आंतरिक नियंत्रण तथा जोखिम प्रबंधन की प्रभावकारिता सुनिश्चित करना।

(ड.) अंकेक्षण समिति द्वारा सूचना की समीक्षा:

अंकेक्षण समिति निम्नलिखित सूचनाओं की समीक्षा करेगी:

- i. वित्तीय स्थिति तथा कार्य के परिणामों पर प्रबंधन के साथ मिलकर विचार-विमर्श तथा विश्लेषण।
- ii. प्रबंधन द्वारा सुपुर्द पार्टी लेनदेन से संबंधित विवरण।
- iii. सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा जारी कमियों पर आंतरिक नियंत्रण का पत्र/प्रबंधन का पत्र।
- iv. इंटरनल कंट्रोल विक्नेसेज से संबंधित आंतरिक अंकेक्षण रिपोर्ट।
- v. मुख्य आंतरिक अंकेक्षकों की नियुक्ति तथा पदच्युति को अंकेक्षण समिति के समक्ष रखना तथा,
- vi. मुख्य कार्यकारी/मुख्य वित्त अधिकारी द्वारा वित्तीय विवरण का प्रमाणन/घोषणा।

1.11 गठन:

अंकेक्षण समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं तथा इसकी अध्यक्षता गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशक (स्वतंत्र निदेशक) द्वारा की जाती है:

क्र.सं.	निदेशक के नाम	स्थिति
1	श्री बी वीरा रेड्डी	अध्यक्ष
2	श्री मनोज कुमार गुप्ता	सदस्य
3	श्री एसण्के गोमस्ता	सदस्य
4	श्री शंकर नागाचारी	सदस्य

महाप्रबंधक (वित्त), विभागाध्यक्ष (आईएडी) और सांविधिक अंकेक्षक को आडिट कमिटी की बैठक में आमंत्रित किया जाता है। सीएफओ स्थायी आमंत्रित सदस्य तथा कंपनी सचिव इस समिति के सचिव होते हैं। समिति को आवश्यक स्पष्टीकरण देने के लिए, जब और जहाँ जरूरत हो, वरीय कार्यकारी अधिकारी को भी बुलाया जाता है। आंतरिक अंकेक्षण विभाग आडिट कमिटी की बैठक को आयोजित और संपन्न करने के लिए आवश्यक सहयोग उपलब्ध करता है।

बैठक एवं उपस्थिति:

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान क्रमशः दिनांक: 10.05.2022, 08.07.2022, 28.07.2022, 22.09.2022, 04.11.2022, 24.01.2023 और 17.03.2023 के दौरान कुल सात (7) बैठकें आयोजित की गईं। सदस्यों द्वारा भाग लिए गए अंकेक्षण समिति की बैठक का विस्तृत विवरण इस प्रकार से है:

क्र.सं.	निदेशक के नाम	उनके कार्यावधि के दौरान आयोजित अंकेक्षण समिति की बैठकों की संख्या	अंकेक्षक समिति की बैठक में उपस्थिति की संख्या
कार्यकारी निदेशक			
1.	श्री एसण्के गोमस्ता	7	7
2.	श्री शंकर नागाचारी	2	2
अंशकालिक सरकारी सदस्य			
3.	श्री बी वीरा रेड्डी	7	6
4.	श्री मुकेश चैधरी	5	4
अंशकालिक गैर-सरकारी निदेशक			
5.	श्रीमती अलका पांडा	2	2
6.	डा. कृष्ण चन्द्र पाण्डेय	2	2
7.	श्री प्रमोद सिंह चैहान	4	4

1.12 नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति

निगमित शासन के सर्वोत्तम कार्य करने तथा कारपोरेट गवर्नेंस के गाइड लाइन को पूरा करने एवं स्टॉक एक्सचेंज के साथ कोल इंडिया लिमिटेड करार की लिस्टिंग करवाने के लिए दिनांक: 30.12.2015 को आयोजित बोर्ड की 191वीं बैठक में सीएमपीडीआईएल के नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का गठन किया गया।

(क) गठन

दिनांक: 09.06.2020 को आयोजित 234वीं बोर्ड की बैठक में सीएमपीडीआईएल के नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति का गठन किया गया, जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल होते हैं और इसकी अध्यक्षता गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशक (स्वतंत्र निदेशक) द्वारा की जाती है:

क्र.सं.	निदेशक का नाम	स्थिति	
1	श्रीमती अलका पांडा	अध्यक्ष	स्वतन्त्र निदेशक
2	डा. कृष्ण चन्द्र पांडेय	सदस्य	स्वतन्त्र निदेशक
3	श्री प्रमोद सिंह चैहान	सदस्य	स्वतन्त्र निदेशक
4	श्री मुकेश चैधरी	सदस्य	सरकारी अंशकालिक निदेशक
5	श्री सतेन्द्र कु.गोमास्ता	स्थाई आमंत्रित सदस्य	कार्यकारी निदेशक

विभागाध्यक्ष (कार्मिक एवं प्रशासन) कमिटी के नोडल अधिकारी रहेंगे, और सारी सुविधाएँ उपलब्ध कराएंगे तथा कंपनी सचिव इस कमिटी के सचिव रहेंगे।

(ख) बैठक एवं उपस्थिति

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कोई बैठक नहीं हुई।

1.13 निदेशकों के पारिश्रमिक:

सभी निदेशकों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। सभी पूर्णकालिक निदेशकों की सेवा एवं शर्तें तथा पारिश्रमिक का निर्धारण कंपनी के आर्टिकल ऑफ असोसियेशन/कोल इंडिया लि. के टर्म में भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

क) कार्यकारी निदेशक

वित्तीय वर्ष अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के लिए कंपनी के कार्यकारी निदेशकों के पारिश्रमिक का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है:

(आंकड़े रु. में)

नाम	पदनाम	कुल वेतन एवं मंहगाई भत्ता	पक्स (बेसिक का 35% अन्य पक्स)	एचआरएसीएमपीएफ नियोजक का अंशदान	(पीएफ \$ पेंशन एंड सीआईएल ईडीसीपीएस) दान	छुट्टी नकदीकरण	पीआरपी अग्रिम/पीआरपी	चिकित्सा व्यय	कुल
श्री मनोज कुमार	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	36,62,281.49	9,63,693.15	-	10,98,684.45	6,40,669.20	9,19,891.44	95,061.00	73,80,280.73
श्री आर.एन. झा	निदेशक (तकनीकी)	36,07,558.56	9,49,536.00	-	10,82,267.57	-	27,96,459.00	31,499.00	84,67,320.13
श्री सतेन्द्र कु. गोमास्ता	निदेशक (तकनीकी)	35,85,056.05	9,51,972.00	-	10,75,516.82	-	23,82,231.00	41,031.00	80,35,806.87
श्री शंकर नागाचारी	निदेशक (तकनीकी)	18,38,470.93	4,75,873.76	-	5,51,541.28	-	7,63,680.00	14,050.00	36,43,615.97
श्री अजय कुमार	निदेशक (तकनीकी)	12,56,511.67	3,23,502.90	1,66,372.92	3,76,953.50	-	-	3,832.00	21,27,172.99
कुल		1,39,49,878.70	36,64,577.81	1,66,372.92	41,84,963.61	6,40,669.20	68,62,261.44	1,85,473.00	2,96,54,196.68

ख) अंशकालिक सरकारी निदेशक:

सीएमपीडीआईएल द्वारा अंशकालिक सरकारी निदेशकों को किसी भी प्रकार का पारिश्रमिक नहीं दिया जा रहा है।

1. श्री मनोज कुमार गुप्ताए उप सचिव ;ईएधसीएसआर एवं डब्ल्यूद्ध कोयला मंत्रालयए नई दिल्ली से सरकार द्वारा नामित निदेशक हैं। उनके पारिश्रमिक का भुगतान भारत सरकार के कोयला मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है।
2. श्री बी वीरा रेड्डी, निदेशक (तकनीकी), कोल इंडिया लिमिटेड, कोलकाता से मनोनीत निदेशक है और उनका पारिश्रमिक कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा दिया जा रहा है।

ग.) स्वतंत्र निदेशक:

कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों को बोर्ड में उपस्थित होने के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निर्धारित सीलिंग के भीतर कोल इंडिया बोर्ड द्वारा निर्धारित दर पर दिया जाने वाला सीटिंग फीस का छोड़कर कोई अन्य पारिश्रमिक नहीं दिया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों के लिए भुगतान किए जा रहे सिटिंग फीस का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है:

(आंकड़े रु. में)

क्र.सं.	नाम	उपस्थिति के लिए भुगतान किया गया फीस		कुल
		बोर्ड की बैठक	स्मिति की बैठक	
1.	डा. कृष्ण चंद्र पाण्डेय	60,000	60,000	1,20,000
2.	श्रीमती अलका पांडा	60,000	60,000	1,20,000
3.	श्री प्रमोद सिंह चौहान	1,40,000	1,20,000	2,60,000
	कुल	2,60,000	2,60,000	5,00,000

1.14 वार्षिक आम बैठक:

विगत तीन वर्षों के दौरान आयोजित वार्षिक आम बैठक का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	2020-21 46वीं एजीएम	2021-22 47वीं एजीएम	2020-21 48वीं एजीएम
तिथि	28.07.2021	21.07.2022	21.07.2023
समय	पूर्वाह्न.10.15	पूर्वाह्न.04.00	पूर्वाह्न.10.45
स्थान	कंपनी का पंजीकृत कार्यालय, गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची-834031, झारखंड	कंपनी का पंजीकृत कार्यालय, गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची-834031, झारखंड	कंपनी का पंजीकृत कार्यालय, गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची-834031, झारखंड
विशेष संकल्प	शून्य	शून्य	शून्य

1.15 असाधारण आम बैठक

विगत तीन वर्षों के दौरान आयोजित असाधारण आम बैठक का विस्तृत विवरण नीचे दिया गया है:

विवरण	2020-21 11 वीं ईजीएम	2021-22	2022-23
दिनांक	29.09.2020	शून्य	शून्य
समय	10.30 पूर्वाह्न		
स्थान	कंपनी का पंजीकृत कार्यालय, गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची-834031,		
विशेष संकल्प	बोनस शेयर का निर्गत		

1.16 स्वतंत्र निदेशकों की बैठक:

कंपनी अधिनियम 2013 के अनुसार स्वतंत्र निदेशकों को निम्नलिखित पर चर्चा करने के लिए एक वर्ष में कम से कम एक बैठक आयोजित करने की आवश्यकता होती है।

क) गैर-स्वतंत्र निदेशकों और बोर्ड का संपूर्ण रूप से कार्य निष्पादन की संवीक्षा करना।

ख) कार्यकारी निदेशक और गैर-कार्यकारी निदेशक से कंपनी के चेयरपर्सन के बारे में विचार लेके संवीक्षा करना।

ग) कंपनी प्रबंधन और बोर्ड के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, मात्रा और टाइम लाइन का मूल्यांकन करना जो कि बोर्ड के लिए प्रभावपूर्ण और समुचित रूप से अपना कार्य कर सके, के लिए आवश्यक है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान स्वतंत्र निदेशकों की एक बैठक दिनांक: 08ण्07ण्2022 को हुई।

स्वतंत्र निदेशकों द्वारा बैठक में भाग लेने का विस्तृत विवरण इस प्रकार है

क्र.सं.	स्वतंत्र निदेशक का नाम	बैठक में भाग लेने की संख्या
1	डा. कृष्ण चंद्र पाण्डेय	1
2	श्रीमती अलका पांडा	1
3	श्री प्रमोद सिंह चैहान	1

1.17 प्रकटीकरण (डिस्कलोजर):

- मेटेरियली सिग्नीफिकेंट रिलेटेड पार्टी ट्रांजेक्शन:

कंपनी ने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए निदेशकों अथवा वरीय प्रबंधन कर्मियों या उनके संबंधियों के साथ किसी भी पार्टी मामलों (ट्रांजेक्शन) से संबंधित किसी भी विषय की दृष्टि से मेटेरियली सिग्नीफिकेंट में प्रवेश नहीं किया है, जिससे कि बड़े पैमाने पर कंपनी की संभावित रूचि हो।

सम्बद्ध पार्टी सहित किसी संविदा या व्यवस्था के संबंध में वर्ष 2022-23 के दौरान आयोजित बोर्ड की बैठक में कोई एजेंडा पेश नहीं किया गया।

संबंधित पार्टी के लेन-देन संबंधि नीति के अनुसार किसी भी दो सरकारी कंपनी तथा नियंत्रक कंपनी एवं उसकी अनुषंगी कंपनी के बीच लेन-देन में छूट है।

धारा 188(1) के तहत पार्टी से संबंधित कंट्रैक्ट या अरेंजमेंट को परिशिष्ट-टप् में संलग्न किया जाता है।

• कंपनी द्वारा नियमों/कानून क अनुपालन का विस्तृत विवरण:

कंपनी के लिए लागू विभिन्न प्रकार के नियमों के अनुपालन की यह कम्पनी मानिट्रिंग कर रही है तथा गत तीन वित्तीय वर्षों के दौरान सरकार द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों से संबंधित किसी भी विषय पर किसी भी ऑथॉरिटी द्वारा कंपनी पर आरोपित संरचना तथा वर्तमान में कंपनी द्वारा गैर-अनुपालन के लिए कोई भी विपरीत मामला नहीं है।

• व्हिसल ब्लोअर नीति के अनुसार अंकेक्षण समिति तक पहुंच

यह नीति प्रबंधन तथा अंकेक्षण समिति को गैर-नीतिपरक व्यवहार, वास्तविक अथवा संदिग्ध, धोखाधड़ी, अथवा कंपनी के कोड आफ कंडक्ट का उल्लंघन के उदाहरण की रिपोर्ट करने के लिए कर्मचारियों को अवसर उपलब्ध कराती है।

व्हिसल ब्लोअर नीति के अनुसार किसी भी कर्मियों द्वारा अंकेक्षण समिति तक पहुंच को नकारा नहीं गया है। विवेच्य वर्ष के दौरान व्हिसल ब्लोअर नीति के अंतर्गत कोई भी मामला दर्ज नहीं किया गया है।

• कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर दिशा-निर्देशों का अनुपालन

निदेशक मंडल, अंकेक्षण समिति, प्रकटीकरण, कोड आफ कंडक्ट इत्यादि के संबंध में इन दिशा-निर्देशों का पालन किया जाता है। तथापि, पारिश्रमिक समिति, अनुषंगी कंपनियों, प्रशिक्षण नीति इत्यादि पर दिशा-निर्देशों का अनुपालन कोल इंडिया लिमिटेड तथा इसकी अनुषंगी कम्पनियों द्वारा किया जाता है, इसका अनुपालन सीएमपीडीआईएल द्वारा भी किया जाता है। कारपोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन के संबंध में पूर्णकालिक कंपनी के अंकेक्षक से एक प्रमाण-पत्र इसके साथ परिशिष्ट-III में संलग्न है। कंपनी अधिनियम 2013 के प्रावधान और डीपीई के दिशा-निर्देशों के अनुपालन के लिए स्वतंत्र निदेशक की पर्याप्त संख्या में नियुक्ति के लिए कोयला मंत्रालय जो अप्वाइंटिंग आथरिटी है को इससे अवगत करा दिया है।

• इन्टीग्रेटी पैकट एवं आईईएम

कंपनी के पास अपने व्यापारिक ट्रांजेक्शन, संविदा, प्राप्ति प्रक्रिया में प्रबंधन में पादर्शिता संवृद्धि पर जोर देते हुए इंटिग्रेटी पैकट कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए ट्रांसपैरेंसी इंटरनेशनल इंडिया (टीआईआई) के साथ समझौता संलेख (एमओयू) किया हुआ है। इस समझौता संलेख (एमओयू) के अंतर्गत कंपनी अपने सभी प्राप्ति (प्रोक्यूरमेंट) तथा वर्क कांट्रैक्ट कार्यों में इंटिग्रेटी पैकट कार्यान्वित करने हेतु वचनबद्ध है। दो स्वतंत्र बाह्य मोनिटर्स केंद्रीय सतर्कता आयोग के परामर्श से ही टीआईआई द्वारा नामजद व्यक्ति इसकी गतिविधियों का मॉनिटर करते हैं। इन्टीग्रेटी पैकट ने ट्रस्ट स्थापित कर स्थापना प्रणाली एवं प्रक्रिया को सशक्त किया है तथा जिसे सीवीसी का पूरा सर्पोट है।

• सीईओ/सीएफओ प्रमाणीकरण

कंपनी के अध्यक्ष तथा महाप्रबंधक(वित्त)/

सीएफओ द्वारा वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर को “सीईओ/सीएफओ प्रमाणीकरण” प्रदान कर दिया है जिसे डाईरेक्टरों की रिपोर्ट के परिशिष्ट-11 के रूप में लगाया गया है।

- **निदेशकों तथा वरीय अधिकारियों के लिए आचार संहिता (कोड आफ कंडक्ट):**

कंपनी के निदेशकों तथा वरीय अधिकारियों के लिए आचार संहिता बोर्ड द्वारा निर्धारित की गई है, जिसे सभी संबंधित व्यक्तियों के मध्य परिचालित कर दिया गया है, तथा कंपनी के इंटरनेट पोर्टल पर भी उपलब्ध करा दिया गया है। 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के निदेशक तथा वरीय प्रबंधन कार्मिक ने कंपनी के आचार संहिता के प्रावधानों के अनुपालन का समर्थन किया है।

- **किए गए खर्च का ब्यौरा:**

बुक ऑफ एकाउन्ट में व्यय के किसी वैसे मद को डेबिट नहीं किया गया है जो निजी प्रकृति के हैं तथा निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन पर खर्च किया गया है तथा कंपनी के अंकेक्षकों ने इस तरह के किसी खर्च के लिए रिपोर्ट भी नहीं किया है।

- **राष्ट्रपति का निर्देश:**

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान सीएमपीडीआईएल के लिए केंद्र सरकार द्वारा कोई प्रेसिडेंसियल निर्देश जारी नहीं किया गया है।

1.18 संचार के साधन:

कंपनी अपनी वार्षिक रिपोर्ट आम बैठक तथा डिसक्लोजर अपने वेबसाइट, कार्यालयी पत्रिका गोंदवाना भारती, माइन्टेक, प्रमुख अंग्रेजी समाचार पत्रों तथा स्थानीय दैनिक के माध्यम से अपने शेयर होल्डरों के साथ संप्रेषण करती है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्ट एवं कंपनी का तिमाही परिणाम तथा महत्वपूर्ण घटनाओं को कंपनी की वेबसाइट यानि www.cmpdi.co.in पर उपलब्ध करा दिया गया। कंपनी से संबंधित अद्यतन जानकारी तथा घोषणाएँ कंपनी

की वेबसाइट पर देखी जा सकती है। कंपनी की उपलब्धियों से आम लोगों को अवगत कराने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस भी आयोजित की जा रही है।

1.19 ऑडिट योग्यता

कंपनी का प्रयास हमेशा से अनक्वालिफायड वित्तीय विवरण पेश करने का रहा है।

31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कंपनी के लेखे पर कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षण की टिप्पणियों को परिशिष्ट-VIII में शामिल किया गया है।

1.20 बोर्ड के सदस्यों का प्रशिक्षण:

कंपनी के व्यवसाय से संबंधित सभी मामले, इसके संबंधित जोखिम तथा कंपनी की भावी रणनीति आदि के सार (संक्षिप्त विवरण) से निदेशक-मंडल को पूर्णतः अवगत करा दिया जाता है।

सभी कार्यकारी निदेशक संबंधित क्षेत्र में अपनी विशेषज्ञता तथा अनुभव के आधार पर संबंधित कार्य क्षेत्र के प्रमुख होते हैं। वे कंपनी के बिजनेस माडल तथा जोखिमों से अवगत होते हैं। अंशकालिक निदेशक भी कंपनी के बिजनेस माडल से पूर्णतः वाकिफ होते हैं।

स्वतंत्र निदेशकों को निगमित शासन के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण हेतु प्रायोजित किया जाता है। सभी सरकारी निदेशकों की कोल इंडिया लिमिटेड की पॉलिसी के अनुसार भारत और विदेश दोनों के लिए स्पॉन्सर किया जाता है। कंपनी में नव-नियुक्त निदेशकों को कंपनी के कंस्टीच्यूशन, विजन एवं मिशन स्टेटमेंट, मुख्य क्रिया-कलाप, बोर्ड की प्रक्रिया/पद्धति, रणनीतिक दिशा-निर्देश के विस्तृत प्रजेन्टेशन, विचार-विमर्श आदि के माध्यम से पूर्णतः अवगत कराया जाता है।

1.21 व्हिसिल ब्लोअर नीति

कंपनी के कर्मचारियों के नैतिक आचरण को सशक्त करने तथा विभिन्न स्टेक होल्डरों के हितों को प्रोत्साहित करने के लिए सीएमपीडीआईएल में 2011-12 में व्हिसिल ब्लोअर नीति लागू की गई तथा दिनांक 8.11.2011 को आयोजित 163वीं बैठक में बोर्ड को इससे अवगत करा दिया गया। यह नीति वास्तविक या संदिग्ध अनैतिक आचरण, कंपनी की

आचार संहिता के साथ धोखाघड़ी या इसका उल्लंघन के मामले को प्रबंधन के पास रिपोर्ट करने के लिए कर्मचारियों को अवसर प्रदान करता है। सूचीबद्ध कंपनी तथा स्टॉक एक्सचेंज के बीच लिस्टिंग एग्रीमेंट के खंड 49 में संशोधन किया गया है तथा यह 4 नवम्बर, 2010 से लागू हो गया है। खंड 49 में अन्य बातों के साथ-साथ “व्हिसिल ब्लोअर नीति” नामक मेकानिज्म स्थापित करने के लिए सभी सूचीबद्ध कंपनियों को नन मेंडेटरी रिक्वायरमेंट प्रदान करता है। यह प्रतिशोध या उत्पीड़न से कर्मचारियों को बचाने में आवश्यक सुरक्षा प्रदान करता है।

तथापि, इस नीति के अंतर्गत व्हिसिल ब्लोअर द्वारा किए गए खराब कार्य निष्पादन या कदाचार, जो व्हिसिल ब्लोअर द्वारा किए गए स्पष्टीकरण से अलग हो, के विरुद्ध की गई अनुशासनिक कार्रवाई को इसके तहत संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

1.22 जोखिम प्रबंधन समिति

जोखिम प्रबंधन समिति का गठन दिनांक: 02.02.16 को आयोजित सीएमपीडीआईएल बोर्ड ऑफ डायरेक्टर की 192वीं बैठक में किया गया तथा दिनांक: 17.03.2023 को आयोजित बोर्ड की 266वीं बैठक में इसे पुनर्गठित किया गया।

क. गठन:

जोखिम प्रबंधन समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं, जिसकी अध्यक्षता गैर-सरकारी अंशकालिक निदेशक करते हैं:

क्र.सं.	निदेशक का नाम	स्थिति	
1	श्री सतेन्द्र कु.गोमास्ता	अध्यक्ष	कार्यकारी निदेशक
2	श्री शंकर नागाचारी	सदस्य	कार्यकारी निदेशक
3	श्री अजय कुमार	सदस्य	कार्यकारी निदेशक

कंपनी सचिव इस समिति के सचिव के रूप में कार्य करेंगे और महाप्रबंधक ;ई एंड एमद्ध समिति को सभी सेवाएं प्रदान करने वाली समिति के नोडल अधिकारी होंगे।

ख. बैठक एवं उपस्थिति:

वित्तीय वर्ष 2022.23 के दौरान दिनांक: 27ण्03ण्2023 को एक बैठक हुई। जोखिम प्रबंधन समिति की बैठक में उपस्थित सदस्य निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	निदेशक का नाम	स्थिति	बैठक में उपस्थिति
1	श्री सतेन्द्र कु.गोमास्ता	अध्यक्ष	1
2	श्री शंकर नागाचारी	सदस्य	1
3	श्री अजय कुमार	सदस्य	1

1.23 इनसाइडर ट्रेडिंग से बचाव के लिए आंतरिक प्रक्रिया और आचार संहिता:

नियंत्रक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड ने अप्रकाशित मूल्य संवेदी जानकारी के आधार पर किसी इनसाइडर द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड के शेयरों की खरीद और/या बिक्री को रोकने के उद्देश्य से इनसाइडर ट्रेडिंग को रोकने तथा कोल इंडिया लिमिटेड की प्रतिभूति से डील करने के लिए आंतरिक प्रक्रिया को कोड संहिता को अपनाया है। यह संहिता (केस) सीएमपीडीआईएल द्वारा भी अपनाई गई है। इस संहिता के तहत वैसे इनसाइडरों को डिजिग्नेटेड कर्मचारी का नाम दिया गया है, जो ट्रेडिंग बिन्दुओं के बंद होने के दौरान सीआईएल के शेयरों से डील करने से रोके

जाते हैं। विहित सीमा से अधिक प्रतिभूति डील करने के लिए अनुपालन अधिकारी की अनुमति आवश्यक है। जैसा कि संहिता में परिभाषित है, सभी डिजिगनेटेड कर्मचारी को नियमित रूप से संबंधित जानकारी प्रकट करना आवश्यक है। इस कोड के लिए कंपनी सचिव को अनुपालन अधिकारी नामित किया गया है। इनसाइडर ट्रेडिंग को रोकने के लिए आंतरिक प्रक्रिया तथा आचार संहिता को भी सीएमपीडीआईएल के वेब साइट के इन्टरनेट पर डाल दिया गया है।

1.24 निदेशकों का दायित्व

आगामी वित्तीय वर्ष आरंभ होने के पहले डीपीई दिशा-निर्देश में दिए गए प्रावधान के अनुसार सीएमपीडीआईएल के प्रबंधन तथा कोल इंडिया/कोयला मंत्रालय, भारत सरकार के बीच समझौता संलेख (एमओयू) पर हस्ताक्षर किया गया है। इस समझौता के अंतर्गत यह कंपनी वर्ष के प्रारंभ में सेट किए गए टारगेट को हासिल करने के लिए वचनबद्ध है तथा इसमें निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले वर्ष के अंत में सीएमपीडीआईएल के कार्य निष्पादन का मूल्यांकन करना निहित है। यह “फाइव प्वाइंट स्केल” तथा “क्राइटेरिया वेट” की पद्धति को अपनाकर कार्य करता है, जिसके परिणामस्वरूप “कम्पोजिट स्कोर” की गणना की जाती है। “कम्पोजिट स्कोर”, कोल इंडिया लिमिटेड के माध्यम से डीपीई तथा प्रशासनिक मंत्रालय को अनुसमर्थन के लिए भेजा जाता है।

समझौता संलेख सिस्टम दक्षतापूर्वक काम करने में सक्षम बनाता है, क्योंकि वित्तीय एवं गैर-वित्तीय दोनों प्रकार के (डायनेमिक, क्षेत्र विशिष्ट तथा उद्यम विशिष्ट पारामीटर) पारामीटरों की विविधता है। इस प्रक्रिया से दीर्घकालीन उद्देश्य तथा संपूर्ण विकास प्राप्त करने में अधिक मदद मिलती है। संपूर्ण प्रक्रिया से स्टोक होल्डरों के प्रति पारदर्शिता तथा उत्तदायित्व भी सुनिश्चित किया जाता है।

1.25 निगमित शासन के अनुपालन की त्रैमासिक रिपोर्टिंग पद्धति

अपने संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय को सीपीएसई द्वारा रिपोर्ट करने के लिए मंत्रालय द्वारा एक त्रैमासिक रिपोर्टिंग पद्धति का विकास किया गया है। इसके अनुपालन में सीएमपीडीआईएल द्वारा कोयला मंत्रालय को नियमित रूप से तथा समय पर तिमाही रिपोर्ट भेजी जाती रही है।

1.26 प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 203 के प्रावधान के अनुसार दिनांक 31 मार्च 2023 को प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक निम्नलिखित हैं:

श्री मनोज कुमार	:	सीईओ
श्री आर.एन.झा	:	निदेशक
श्री एस.के.गोमास्ता	:	निदेशक
श्री शंकर नागचारीर	:	निदेशक
श्री अजय कुमार	:	निदेशक
श्री पीण्केण् प्रसाद	:	सीएफओ
श्री अभिषेक मुंधड़ा	:	कंपनी सचिव

1.27 सीएमपीडीआईएल में सीएसआर पहल

निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) तथा सस्टेनेबिलिटी आर्थिक, सामाजिक तथा पर्यावरण के अनुकूल ढंग से कार्य, जो पारदर्शी तथा नैतिक हो, करने के लिए अपने स्टोक होल्डरों के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता है। सीएसआर तथा सस्टेनेबिलिटी क्षमता निर्माण, सामुदायिक अधिकारिता, समावेशी, सामाजिक आर्थिक विकास, पर्यावरण संरक्षण, हरित एवं कम ऊर्जा खपत वाली प्रौद्योगिकी का उन्नयन, पिछड़े क्षेत्रों का विकास, तथा समाज के सीमांत तथा अर्ध-सुविधायुक्त तबकों की उन्नति आदि पर विशेष जोर देता है। कंपनी ने दिनांक: 27.02.2014 को मिनिस्ट्री ऑफ कारपोरेट अफेयर्स, भारत सरकार द्वारा जारी नोटिफिकेशन तथा डीपीई की गाइड लाइन और कंपनी अधिनियम 2013 के धारा 135 तथा उसके तहत बने नियम के अनुसार स्वयं की सीएसआर नीति बनाई है।

सीएसआर तथा सस्टेनेबिलिटी खनन उद्योग के लिए न सिर्फ जोखिम लाता है बल्कि यह अवसर का समूह भी सृजित करता है। सीएसआर तथा सस्टेनेबिलिटी कंपनी को परिचालन, सस्टेनेबुल डेवलपमेंट में सार्थक योगदान सुनिश्चित करता है। सीएसआर तथा सस्टेनेबिलिटी के प्रति सामाजिक दायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दुहराता है। नीतियों एवं कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए सीएमपीडीआईएल में “टू-टीयर डिसिजन मेकिंग कमिटी” का गठन किया गया है।

अपने व्यापार की विशेष प्रकृति को ध्यान में रखकर, सीएमपीडीआईएल ने वर्ष 2022-23 के दौरान सीएसआर तथा सस्टेनेबिलिटी क्रिया-कलाप प्रारंभ किया है, जिसे रिपोर्ट के भाग “ख” में देखा जा सकता है।

1.28 वार्षिक रिटर्न

कंपनी का वार्षिक रिटर्न हमारे वेबसाइट लिंक <https://www.cmpdi.co.in/annualrpt.php> पर उपलब्ध है।

1.29 ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्रा में आय एवं व्यय और आऊटगो:

ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्रा में आय एवं व्यय और आऊटगो को निदेशक मंडल की रिपोर्ट के परिशिष्ट के रूप में संलग्न किया गया है (परिशिष्ट-1 में)।

1.30 बोर्ड की समिति तथा निदेशकों के कार्य-निष्पादन का वार्षिक मूल्यांकन

सूचीबद्ध कंपनी या गत वर्ष के अंत में परिकल्पित प्रदत्त पूँजी 25 करोड़ रु. या उससे अधिक रखने वाली अन्य सार्वजनिक कंपनी के मामले में कंपनीज (लेखा) नियमावली 2014 के नियम 8 तथा धारा 134(3) (पी) के अनुसार निदेशक मंडल द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में एक विवरण के रूप में शामिल किया गया है, जिसमें उस ढंग को दर्शाया गया है, जिसमें बोर्ड द्वारा अपनी उपलब्धि तथा इसकी समिति की उपलब्धि तथा प्रत्येक निदेशक की उपलब्धि को दर्शाया गया है।

सीएमपीडीआईएल की प्रदत्त शेयर पूँजी 142,80 करोड़ रु. है और प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में दर्ज की है तथा किसी अन्य स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध नहीं है एवं तदनु रूप कंपनी को अपने निदेशक मंडल, समिति तथा प्रत्येक निदेशकों के कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करना आवश्यक नहीं है।

बोर्ड में दो और स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं होने के कारण बोर्ड द्वारा अपना वार्षिक उपलब्धि का मूल्यांकन तथा अपना एवं समिति का मूल्यांकन नहीं हो सका। तथापि, उस नीति के आधार पर वार्षिक मूल्यांकन किया जाएगा जिसे नियंत्रक कंपनी तथा इसकी अनुषंगी कंपनी के लिए कोल इंडिया द्वारा बनाई जाने वाली नीति बनाए जाने की संभावना है।

भाग: ख

वार्षिक उपलब्धि का पर्यवलोकन

1.0 भूवैज्ञानिक गवेषण और ड्रिलिंग

1.0.1 सीएमपीडीआईएल ने वर्ष 2022-23 में भी मुख्य रूप से सीआईएल, गैर-सीआईएल, प्रमोशनल एनएमईटी और कैप्टिव माइनिंग ब्लॉकों में कोयला गवेषण गतिविधियों को जारी रखा। सीआईएल की अनुषंगी कंपनियों के प्रोजेक्ट प्लानिंग/उत्पादन सपोर्ट की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीआईएल ब्लॉकों में गवेषण किया गया, जबकि गैर-सीआईएल/कैप्टिव माइनिंग ब्लॉकों में गवेषण भावी उद्यमियों को कोयला ब्लॉकों के आवंटन को सरल बनाने के लिए किया गया था। नए अनछुए चिन्हित ब्लॉकों में प्रमोशनल और एनएमईटी वित्त पोषित अन्वेषण शुरू किया गया था।

1.0.2 सीएमपीडीआईएल ने XI और XII पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान ड्रिलिंग की क्षमता में काफी सुधार किया है। विभागीय संसाधनों एवं आउटसोर्सिंग के माध्यम से 2007-08 में 2.09 लाख मीटर की उपलब्धि के मुकाबले, सीएमपीडीआईएल ने 2011-12 (XI योजना का अंतिम वर्ष) में 4.98 लाख मीटर, 2016-17 (XI योजना का अंतिम वर्ष) में 11.26 लाख मीटर, 2019-20 में 12.93 लाख मीटर, 2020-21 में 12.48 लाख मीटर और 2021-22 में 7.91 लाख मीटर हासिल किया है। 2022-23 के दौरान, 7.00 लाख मीटर के लक्ष्य के मुकाबले 6.85 लाख मीटर ड्रिल किया गया है। लक्ष्य में कमी मुख्य रूप से गैर-सीआईएल और प्रमोशनल ब्लॉकों के लिए केंद्रीय क्षेत्र योजना (सीएसएस) के तहत एमओसी, भारत सरकार द्वारा

फंड में कटौती के कारण हुई। केवल अक्टूबर 2022 में, MoC से सूचना प्राप्त हुआ कि CSS योजना को जारी रखा जाएगा और कैबिनेट की मंजूरी के लिए MoC द्वारा प्रस्तावित बजट बढ़ाया जाएगा। 2022-23 के लिए सीएसएस योजना के माध्यम से गवेषण की वार्षिक योजना की मंजूरी 06.01.2023 को एमओसी से प्राप्त हुई थी।

सीएमपीडीआईएल के 67 विभागीय ड्रिल में से 26 ड्रिल हाइड्रोस्टैटिक हैं और 41 ड्रिल मैकेनिकल हैं।

- 1.0.3 2022-23 में, विभागीय संसाधनों के माध्यम से कुल लगभग 4.21 लाख मीटर और आउटसोर्सिंग के माध्यम से कुल लगभग 2.64 लाख मीटर ड्रिल किया गया था, जिसमें से लगभग 1.15 लाख मीटर टेंडरिंग के माध्यम से, लगभग 1.46 लाख मीटर एमईसीएल के साथ एमओयू के माध्यम से और लगभग 0.03 लाख मीटर राज्य सरकार के माध्यम से किया गया था।

1.1 वर्ष 2022-23 में ड्रिलिंग का कार्य-निष्पादन:

- 1.1.1 सीएमपीडीआईएल ने सीआईएल, गैर-सीआईएल, प्रमोशनल और एनएमईटी वित्त पोषित ब्लॉकों में विस्तृत गवेषण के लिए अपने विभागीय संसाधनों को तैनात किया। सीएमपीडीआईएल के साथ समझौता जापन के तहत, एमईसीएल ने अपने संसाधनों को सीआईएल, गैर-सीआईएल, प्रमोशनल, एनएमईटी वित्त पोषित और कैप्टिव ब्लॉकों में तैनात किया, जबकि डीजीएम नागालैंड ने प्रमोशनल ब्लॉकों और राज्य सरकार में संसाधनों को तैनात किया। ओडिशा ने केवल सीआईएल ब्लॉकों में संसाधन तैनात किए। इसके अलावा, छह संविदा एजेंसियों को सीआईएल, गैर-सीआईएल, प्रमोशनल और एनएमईटी ब्लॉकों में विस्तृत ड्रिलिंग/अन्वेषण के लिए संसाधन भी तैनात किए गए थे। 2022-23

में कुल 100 से 130 ड्रिल तैनात किए गए, जिनमें से 67 विभागीय ड्रिल थे।

- 1.1.2 2022-23 में, सीएमपीडीआईएल और इसकी एजेंसियों ने 08 राज्यों में स्थित 19 कोयला क्षेत्रों और 01 बॉक्साइट ब्लॉक के 92 कोयला ब्लॉकों/खदानों में गवेषणात्मक ड्रिलिंग शुरू की। 92 ब्लॉकों/खदानों में से 24 गैर-सीआईएल ब्लॉक, 01 कंसल्टेंसी ब्लॉक, 48 सीआईएल ब्लॉक/खदान और 09 प्रमोशनल ब्लॉक और 10 एनएमईटी ब्लॉक थे। बॉक्साइट ब्लॉक में अन्वेषण एनएमईटी फंडिंग के माध्यम से किया गया था। उपरोक्त 19 कोयला क्षेत्र थे रानीगंज (9 ब्लॉक), राजमहल (3 ब्लॉक), झरिया (1 ब्लॉक), उत्तरी कर्णपुरा (8 ब्लॉक), दक्षिण करणपुरा (3 ब्लॉक), वर्धा घाटी (13 ब्लॉक), चिरिमिरी (1 ब्लॉक), बिसरामपुर के पूर्व (2 ब्लॉक), कोरबा (2 ब्लॉक), सोहागपुर (16 ब्लॉक), मांड रायगढ़ (8 ब्लॉक), पेंच कन्हान तवा घाटी (2 ब्लॉक), सोनहत (2 ब्लॉक), तातापानी-रामकोला- (1 ब्लॉक), सिंगरौली (5 ब्लॉक), तालचर (6 ब्लॉक), इब घाटी (7 ब्लॉक), नामचिक नामफुक (1 ब्लॉक) और मेलाक-त्सुरांग (झांजी-दिसाई) घाटी (2 ब्लॉक)। कोयले की खोज में, सीएमपीडीआई के विभागीय ड्रिल ने 57 ब्लॉकों/खदानों में खोजपूर्ण ड्रिलिंग की, जबकि इसकी एजेंसियों ने 35 ब्लॉकों/खानों में ड्रिलिंग की।

वर्ष 2022-23 में गवेषणात्मक ड्रिलिंग का संपूर्ण कार्य निष्पादन नीचे दिया गया है:

(आंकड़े लाख मीटर में)

एजेंसी	लक्ष्य 2022-23	2022-23 में गवेषणात्मक ड्रिलिंग का कार्य-निष्पादन			गत वर्ष 2021-22 में उपलब्धि	वृद्धि
		Achieved	Achieved (%)	+/-		
क. सीएमपीडीआईएल द्वारा किया गया विस्तृत ड्रिलिंग:						
I. डिपार्टमेंटल	4.200	4.210	100%	0.010	4.438	-5%
II. आउटसोर्सिंग						
राज्य सरकार	0.030	0.025	83%	-0.005	0.011	131%
एमईसीएल (एमओयू)	1.045	1.459	140%	0.414	1.396	5%
निविदा	1.725	1.154	67%	-0.571	2.065	-44%
कुल आउटसोर्सिंग	2.800	2.638	94%	-0.162	3.472	-24%
सकल योग क '	7.000	6.849	98%	-0.151	7.911	-13%

(आंकड़े लाख मीटर में)

एजेंसी	लक्ष्य 2022-23	2022-23 में गवेषणात्मक ड्रिलिंग का कार्य-निष्पादन			गत वर्ष 2021-22 में उपलब्धि	वृद्धि
		Achieved	Achieved (%)	+/-		
ख. एमईसीएल, जीएसआई, सीएमपीडीआईएल, डीजीएम (नागालैंड) और डीजीएम (असम) द्वारा प्रमोशनल/एनएमईटी ड्रिलिंग: 1 कोल सेक्टर						
एमईसीएल	0.050	0.180	359%	0.130	0.352	-49%
डीजीएम, नागालैंड	0.014	0.019	134%	0.005	0.015	24%
डीजीएम, असम	0.006	0.000	0%	-0.006	0.000	
सीएमपीडीआई	0.580	0.569	98%	-0.011	1.184	-52%
कुल कोयला:	0.650	0.768	118%	0.118	1.552	-51%
2ण् लिग्नाइट सेक्टर						
एमईसीएल	0.000	0.000		0.000	0.140	-100%
कुल लिग्नाइट	0.000	0.000		0.000	0.140	-100%
सकल योग ख	0.650	0.768	118%	0.118	1.691	-55%

वर्ष 2022-23 में 6.849 लाख मीटर के कुल विस्तृत ड्रिलिंग में से गैर-सीआईएल ब्लॉकों में 1.822 लाख मी. वेधित किया गया है। 2022-23 में, सीएमपीडीआईएल ने अपने विभागीय लक्ष्य और समग्र ड्रिलिंग लक्ष्य को 98% तक हासिल किया। विभागीय ड्रिलिंग के प्रदर्शन में 5% की नकारात्मक वृद्धि हुई है और औसत परिचालन ड्रिल उत्पादकता लगभग 578 मीटर/ड्रिल/माह दर्ज की गई है। नकारात्मक वृद्धि मुख्य रूप से आरआई-VII में प्रमुख स्थानीय मुद्दे के कारण है, जहां 9 रिग निष्क्रिय थे और ड्रिलिंग 26.07.2022 से पूरी तरह से निलंबित है। 30.08.2022 से गोपालपुर शिविर में केवल 2 रिग शुरू किए जा सके और ड्रिल स्थलों पर अप्रत्याशित बेमौसम भारी वर्षा और बाढ़ के कारण आरआई-IV क्षेत्र में 2 रिग के इंजनों को नुकसान हुआ।

1.1.3 प्रमोशनल ब्लॉकों में ड्रिलिंग

2022-23 के दौरान सीएमपीडीआईएल द्वारा कोयले में कुल 0.77 लाख मीटर प्रमोशनल (क्षेत्रीय) ड्रिलिंग की गई। प्रमोशनल (क्षेत्रीय) अन्वेषण कार्यक्रम के तहत, सीएमपीडीआईएल ने कोयला क्षेत्र में एमईसीएल द्वारा 4 कोयला ब्लॉकों (मांड रायगढ़ = 3, तातापानी-रामकोला = 1) में किए गए प्रमोशनल अन्वेषण कार्य का तकनीकी पर्यवेक्षण जारी रखा। डीजीएम (नागालैंड) ने कोयला क्षेत्र में क्षेत्रीय ड्रिलिंग के लिए 2 ब्लॉक भी शुरू किए हैं। सीएमपीडीआईएल ने 3 ब्लॉकों में प्रमोशनल एक्सप्लोरेशन किया, 1 राजमहल सीएफ में, 1 सोहागपुर सीएफ में और 1 तालचेर सीएफ में।

1.1.4 गैर-सीआईएल/कैप्टिव माइनिंग ब्लॉकों में ड्रिलिंग:

2022.23 में गैर.सीआईएल ब्लॉकों में कुल 1.35 लाख मीटर ड्रिलिंग का लक्ष्य रखा गया था (विभागीय = 0.750 लाख मीटर) आउटसोर्सिंग = 0.600 लाख मीटर)। इसके विपरीत कुल 1.822 लाख मीटर हासिल किया गया है, जिसमें से सीएमपीडीआईएल के विभागीय ड्रिल ने 0.932 लाख मीटर गवेषणात्मक ड्रिलिंग की है जबकि 0.890 लाख मीटर आउटसोर्सिंग के माध्यम से हासिल किया गया है।

उपर्युक्त गवेषणात्मक कार्य के अतिरिक्त, सीएमपीडीआई ने आवंटन के उद्देश्य से कोयला मंत्रालय को वर्तमान कैप्टिव खनन ब्लॉकों का प्रारंभिक भूवैज्ञानिक सूचना प्रदान की है। आवंटन की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद, सीएमपीडीआईएल द्वारा गवेषण के कुल लागत के भुगतान के लिए आवंटि को मूल भूवैज्ञानिक रिपोर्ट उपलब्ध करा दी है।

कोयला मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, सीएमपीडीआईएल एलोकेट्स द्वारा प्रस्तुत योजना को प्रमाणित कर रहा है। खनन योजना की तैयारी में प्रयुक्त भूवैज्ञानिक कोऑर्डिनेट्स निहित आदेश और खनन योजना में शामिल भूवैज्ञानिक कोऑर्डिनेट्स के अनुरूप है तथा यह किसी भी अन्य समीपवर्ती ब्लॉक का अतिक्रमण नहीं करता है।

1.1.5 कैप्टिव खनन ब्लॉकों में ड्रिलिंग:

2022-23 के दौरान, सीएमपीडीआईएल ने आउटसोर्स माध्यम से राजमहल-बीरभूम कोयला क्षेत्र में 1 कैप्टिव खनन ब्लॉक में गवेषण किया है।

1.2 भूगर्भीय रिपोर्ट:

- 1.2.1 1.2.1 वर्ष 2022-23 में गत वर्षों में किए गए विस्तृत गवेषण के आधार पर 29 भूगर्भीय रिपोर्ट तैयार किया गया है। तैयार भूगर्भीय रिपोर्टों ने लगभग 10 बिलियन टन अतिरिक्त कोयला संसाधनों को श्रमाणितध्मापितश् श्रेणी में अपग्रेड किया है।
- 1.2.2 प्रोमोशनल एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम के तहत, कोयला ब्लॉकों पर 5 भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई हैं, जिसमें निर्दिष्ट मोटाई से ऊपर 'संकेतित' और 'अनुमानित' श्रेणियों में लगभग 7.9 बिलियन टन कोयला संसाधन स्थापित किए गए हैं। लिग्नाइट ब्लॉकों पर पहली भूवैज्ञानिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई है, जिसमें 'संकेतित' और 'अनुमानित' श्रेणियों में लगभग 31 मिलियन टन लिग्नाइट संसाधनों की स्थापना की गई है।

1.3 जल भू-विज्ञान (हाइड्रोज्योलोजी)

- 1.3.1 सीएमपीडीआई को फरवरी 23 में सीजीडब्ल्यूए द्वारा भूजल मॉडलिंग रिपोर्ट तैयार करने के लिए भूजल पेशेवर के रूप में मान्यता दी गई है।
- 1.3.2 वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सीजीडब्ल्यूए से एनओसी के लिए कुल 49 व्यापक हाइड्रोज्योलॉजिकल रिपोर्ट और 44 भूजल मॉडलिंग रिपोर्ट जल शक्ति मंत्रालय (सीजीडब्ल्यूए) को सौंपी गईं। यह खनन क्षेत्र के लिए सीजीडब्ल्यूए की राजपत्र अधिसूचना द्वारा सितंबर 2020 से प्रभावी वैधानिक रिपोर्ट है।
- 1.3.3 है वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान ईआईए/ईएमपी को तैयार करने के लिए खनन परियोजनाओं के 35 हाइड्रोज्योलॉजिकल रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।
- 1.3.4 2022-23 के दौरान कुल 46 अन्य हाइड्रोज्योलॉजिकल अध्ययन/पीजोमीटर के लिए अध्याय/क्षति आकलन रिपोर्ट/भूवैज्ञानिक रिपोर्ट/परियोजना रिपोर्ट/ढलान स्थिरता रिपोर्ट/जल आपूर्ति योजनाएं तैयार की गईं।
- 1.3.5 बाह्य परामर्शी कार्य और नए प्रकार के अध्ययन -
- जेएमएस माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड की पिपरवार परियोजना यूजी चरण- I, टंडवा, चतरा, झारखंड के सीजीडब्ल्यूए से एनओसी के लिए भूजल मॉडलिंग अध्ययन के साथ व्यापक हाइड्रोज्योलॉजिकल रिपोर्ट तैयार की गई है और वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान प्रस्तुत की गई है।
 - जलभृत हाइड्रोलिक का मूल्यांकन करने के लिए बीसीसीएल कमांड क्षेत्र के झरिया कोयला क्षेत्र में 23 पीजोमीटर में जलभृत प्रदर्शन परीक्षण का हाइड्रोज्योलॉजिकल अध्ययन किया गया।
- 1.3.6 हाइड्रोज्योलॉजी अनुभाग एमओईएफएंडसीसी, नई दिल्ली द्वारा सीआईएल (ईसीएल, बीसीसीएल, सीसीएल और एनसीएल) की स्वीकृत परियोजनाओं के अनुपालन के लिए वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के साथ भूजल स्तर और गुणवत्ता-निगरानी कार्य भी कर रहा है।
- 1.3.7 सीएमपीडीआईएल ने भूजल मॉडलिंग रिपोर्ट तैयार करने के लिए सीजीडब्ल्यूए, नई दिल्ली के पैनल में शामिल विशेषज्ञों के साथ समझौता ज्ञापन निष्पादित किया।

1.4 भूभौतिकीय सर्वेक्षण:

1.4.1 भूभौतिकीय लॉगिंग: गवेषण के उद्देश्य से बोरहोल ड्रिल किए गए जिससे बोरहोल में सामने आए विभिन्न स्ट्रेटा की इन-सीटू जानकारी प्राप्त करने के लिए भूभौतिक रूप से लॉग-इन किया गया। इस उद्देश्य के लिए वर्ष 2022-23 के दौरान सीआईएल और गैर-सीआईएल परियोजनाओं में मल्टी पारामीट्रिक भूभौतिकीय लॉगिंग उपकरण सहित कुल 3,30,618.90 मीटर की भूभौतिकीय लॉगिंग किया गया। इसमें से 6 विभागीय भूभौतिकीय लॉगिंग के द्वारा 2,01,494.60 गहराई मीटर तक तथा संविदात्मक एजेंसियों द्वारा 1,29,124.30 मीटर लॉगिंग किया गया।

1.4.2 भूतल भूभौतिकीय सर्वेक्षण:

सीएमपीडीआईएल ने कोल सीमाओं के इन-क्रॉप का डिलीनिशन, डाइक के डिलीनिशन और भूगर्भ जल की जाँच के लिए सीआईएल और गैर-सीआईएल ब्लॉकों में इलेक्ट्रिकल रेसिस्टिविटी तथा मैग्नेटिक सर्वेक्षण भी शुरू किया है। ऐसे उद्देश्य के लिए 2022-23 में कुल 54 लाइन किमी प्रतिरोधकता इमेजिंग, 7 वर्टिकल इलेक्ट्रिकल साउंडिंग (VES), गुरुत्वाकर्षण सर्वेक्षण में 417 ग्रेविटी स्टेशन और 62 लाइन किमी चुंबकीय सर्वेक्षण किया गया है।

विभागीय एवं आउटसोर्सिंग के माध्यम से कुल 609 लाइन किमी का भूकंपीय सर्वेक्षण किया गया है। 609 लाइन किमी में से, लगभग 162.90 लाइन किमी 2डी भूकंपीय सर्वेक्षण सोनपुरी के दक्षिण में, कोरबा कोयला क्षेत्र, घुघुस के निचले हिस्से - नाकोडा और बेलोरा ब्लॉक, वर्धा घाटी कोयला क्षेत्र, बुंदेली ब्लॉक, कोरबा कोयला क्षेत्र, बलकुदरा ओसीपी, सीसीएल क्षेत्र और तमरा ब्लॉक, रानीगंज कोयला क्षेत्र में विभागीय संसाधनों के माध्यम से तथा आउटसोर्सिंग के माध्यम से 52.48 वर्ग किमी (446.11 एलकेएम) 3 डी भूकंपीय सर्वेक्षण से किया गया है।

1.4.3 रिपोर्ट: 2022.23 के दौरान प्रस्तुत कुल 16 भूभौतिकीय रिपोर्टों में से 7 (शिडयूल्ड रिपोर्ट) थीं और 9 (अनशिडयूल्ड रिपोर्ट) थीं। इसमें प्रतिरोधकता इमेजिंग सर्वेक्षण पर एकए एकीकृत भूभौतिकीय सर्वेक्षण पर चारए भूभौतिकीय लॉगिंग पर एक रिपोर्टए चुंबकीय सर्वेक्षण पर एक रिपोर्टए जीपीआर सर्वेक्षण पर एक रिपोर्टए डीजीआर के लिए सात

भूभौतिकीय अध्याय और खनन सिफारिश के लिए एक मसौदा रिपोर्ट शामिल है।

1.5 भू-प्रणाली (जियोसिस्टम):

कोयला ब्लॉकों की नीलामी के लिए खान सारांश तैयारी : कोयला ब्लॉकों की नीलामी के लिए लगभग 100 कोयला ब्लॉकों का खान सारांश तैयार किया गया है। और ब्लॉक आवंटनधनीलामी के संबंध में बोलीदाताओं के विभिन्न प्रश्नों पर स्पष्टीकरण प्रदान किया गया।

लिग्नाइट कोयला ब्लॉकों की नीलामी के लिए खान सारांश तैयारी:

लिग्नाइट कोयला ब्लॉकों की पहचान के लिए खोजे गए क्षेत्र और लिग्नाइट विकास क्षेत्र में काफी अंतर के कारण ब्लॉक सीमा का पुनरु कार्य अभ्यास किया गया था और बाद में नीलामी के लिए 9 लिग्नाइट कोयला ब्लॉकों की पहचान की गई थी। 9 लिग्नाइट कोयला ब्लॉकों के लिए खदान डोजियर तैयार किए गए और इन ब्लॉकों के लिए डीएसएसड्यूएसजेड विश्लेषण किया गया।

सीमा प्रमाणीकरण गैर-सीआईएल ब्लॉक:

10 गैर-सीआईएल कोयला ब्लॉक सीमाओं को प्रमाणित किया गया।

वेब में ओसीबीआईएस एप्लिकेशन को अपडेट करना: वेब में ओसीबीआईएस एप्लिकेशन को नवीनतम ब्लॉक सीमा के साथ 45 कोयला क्षेत्रों के लिए अपडेट किया गया था जिसमें नई विशेषता जैसे गैर-सीआईएल ब्लॉकों की आवंटन स्थिति आदि शामिल थी।

2.0 कोल बेड मिथेन (सीबीएम)

2.1 सीआईएल एवं ओएनजीसी के कंसोर्टियम द्वारा झरिया एवं रानीगंज कोलफील्डों में सीबीएम के विकास का सहयोगात्मक व्यावसायिक विकास

सीबीएम के व्यावसायिक विकास के लिए भारत सरकार ने नामांकन के आधार पर ओएनजीसी सीआईएल के कंसोर्टियम को 2002 में निम्नलिखित दो सीबीएम ब्लॉकों का आवंटन किया है:

1. रानीगंज कोलफील्ड में रानीगंज नार्थ सीबीएम ब्लॉक:

लगभग 311.79 वर्ग किलोमीटर (लगभग) क्षेत्रफल वाले

रानीगंज नार्थ सीबीएम ब्लॉक के लिए पश्चिम बंगाल सरकार ने 10 फरवरी, 2020 के पत्र द्वारा अस्थायी रूप से ओएनजीसी-सीआईएल कंसोर्टियम को पेट्रोलियम माइनिंग लीज जारी कर दिया है।

संशोधित क्षेत्र विकास योजना को 2 मार्च, 2023 को ओएनजीसी-सीआईएल जेवी की संचालन समिति द्वारा अनुमोदित किया गया है।

2. झरिया कोलफील्ड में झरिया सीबीएम ब्लॉक:

झारखंड सरकार द्वारा जुलाई, 2015 में झरिया सीबीएम ब्लॉक के लिए पेट्रोलियम माइनिंग लीज जारी कर दिया है, जबकि अप्रैल, 2017 पर्यावरणिक स्वीकृति दे दी गई है।

ब्लॉक विकास चरण में है और मार्च 2023 तक आठ (08) विकास कुएं खोदे जा चुके हैं।

2.2 वर्ष 2022-2023 के दौरान उन्नायक गवेषण (प्रोमोशनल एक्सप्लोरेशन) के तहत सीबीएम तथा शेल गैस से संबंधित अध्ययन:

सीएमपीडीआई गवेषण के दौरान ड्रिल किए गए बोरहोल के जरिए “भारतीय कोलफील्ड्स/लिग्नाइट फील्ड्स के कोल बेड मिथेन गैस-इन-प्लेस संसाधन के मूल्यांकन” से संबंधित अध्ययन कर रहा है। वर्ष 2022-23 के दौरान 8 बोर होलों में सीबीएम के लिए तथा पाँच बोरहोलों में शेल गैस के लिए अध्ययन पूरा कर लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, जिसमें सभी संबंधित प्रयोगशाला विश्लेषण शामिल है। इस अध्ययन से सीबीएम तथा शेल गैस की संभावना के लिए डाटा बेस तैयार होता है तथा सीबीएम तथा शेल गैस विकास के लिए और अधिक ब्लॉक के रूपरेखा निर्धारित करना सरल हो जाता है।

2.3 कोल बेड मिथेन (सीबीएम/कोल माइन मिथेन (सीएमएम) का व्यावसायिक विकास:

भारत सरकार पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस ने दिनांक 8 मई 2018 की अधिसूचना के माध्यम से सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा कोयला आधारित क्षेत्रों से सीबीएम की खोज और दोहन के लिए संशोधित दिशानिर्देश जारी किए हैं।

जिसके लिए उनके पास खनन पट्टा है और सीबीएम निष्कर्षण के लिए डीमंड लीज प्रदान किया गया है।

सीबीएम डेवलपर (सीबीएमडी) के जरिए सीबीएम के विकास के संचालन के लिए बीसीसीएल एवं सीएमपीडीआई, ईसीएल एवं सीएमपीडीआई तथा एसईसीएल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया जा चुका है, जहाँ सीएमपीडीआई प्रमुख मुख्य कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) है।

माडेल ग्लोबल बिड डॉक्यूमेंट को सीआईएल बोर्ड द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है। प्रारंभ में निम्नलिखित चिन्हनत संभावित सीबीएम ब्लॉक में सीबीएम विकास का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है।

1. झरिया सीबीएम ब्लॉक-1 (बीसीसीएल क्षेत्र) :

25.2 बीसीएम के सीबीएम संसाधन वाले लगभग 26.55 वर्ग किलोमीटर का एक ब्लॉक बीसीसीएल के खनन पट्टा क्षेत्र में वाणिज्यिक विकास के लिए कपूरिया, मुनीडीह, जरमा, सिंगरा ब्लॉकों को मिलाकर रूपरेखा तैयार की गई है।

झरिया सीबीएम ब्लॉक-1 को वैश्विक बोली के माध्यम से मेसर्स प्रभा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड (पीईपीएल) को प्रदान किया गया है। राजस्व साझाकरण अनुबंध पर 20 सितंबर, 2021 को हस्ताक्षर किए गए थे। परियोजना गवेषण के चरण में है।

ख. रानीगंज सीबीएम ब्लॉक (ईसीएल क्षेत्र):

रानीगंज कोयला क्षेत्र, ईसीएल के श्रीपुर, सतगाम और कुनुस्तोरिया क्षेत्र के खनन पट्टे वाले क्षेत्र के तहत 33 वर्ग कि.मी. के क्षेत्र को सीबीएम के व्यावसायिक विकास के लिए चिन्हित किया गया है।

रानीगंज सीबीएम ब्लॉक से सीबीएम के वाणिज्यिक निष्कर्षण के लिए वैश्विक बोली दस्तावेज़ तीन बार प्रकाशित किया गया था, हालांकि कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी।

रानीगंज सीबीएम ब्लॉक को ओएनजीसी (ऑपरेटर) के साथ ओएनजीसी-सीआईएल जेवी के सन्निहित ब्लॉक के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव है और इसके लिए प्रक्रिया चल रही है।

ग. सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक (एसईसीएल क्षेत्र):
सोहागपुर कोलफील्ड में एसईसीएल के अधिकार वाले क्षेत्र में 0.53 बीसीएम संसाधन वाले 51 वर्ग किलो मीटर के क्षेत्र को सीबीएम के विकास के लिए चिह्नित किया गया है।

सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक-1 से सीबीएम के वाणिज्यिक निष्कर्षण के लिए वैश्विक बोली दस्तावेज़ दो बार प्रकाशित किया गया था, हालांकि कोई बोली प्राप्त नहीं हुई थी। सोहागपुर सीबीएम ब्लॉक-1 के विकास के लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

2.4 कोयला गैसीकरण (कोल गैसीफिकेशन)

सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए सीएमपीडीआईएल प्रधान कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) है।

प्रारंभ में निम्नलिखित 3 कोयला गैसीकरण परियोजनाएं शुरू की गई हैं:

क) एसईसीएल (महामाया एससीजी परियोजना):

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अमोनिया के उत्पादन के लिए बुनियादी कच्चे माल के रूप में कोयले का उपयोग करने के लिए 2200 एमटीपीडी की क्षमता के साथ महामाया, छत्तीसगढ़ में कोयला से अमोनिया संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है।

बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदा 29 जनवरी, 2022 को जारी की गई है। बोली 29 अप्रैल 2022 को खोली गई और कोई बोली प्राप्त नहीं हुई।

12.10.2022 को एसईसीएल में कोयला-से-डीएमई गैसीकरण परियोजना के लिए सीआईएल और आईओसीएल के बीच समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

कार्यान्वयन के एलएसटीके मोड पर एसईसीएल में कोल-टू-डीएमई संयंत्र की स्थापना के लिए पीएफआर की तैयारी के लिए पीडीआईएल को 24.11.2022 को कार्य आदेश जारी किया गया है।

ख) ईसीएल (शिल्पांचल एससीजी परियोजना):

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने मेथनॉल के उत्पादन के लिए बुनियादी कच्चे माल के रूप में कोयले का उपयोग करने के लिए 2000 एमटीपीडी की क्षमता के साथ बहादुरपुर - रानीगंज, पश्चिम बर्धमान (डब्ल्यू.बी.) में जमीनी स्तर पर कोयला से मेथनॉल संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है।

बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदा 31 जनवरी, 2022 को जारी की गई है। बोली 5 मई 2022 को खोली गई और कोई बोली प्राप्त नहीं हुई है।

गेल के साथ समझौता ज्ञापन पर 12 अक्टूबर, 2022 को हस्ताक्षर किए गए हैं (सीआईएल-गेल जेवी: ईसीएल में कोयला-टू-एसएनजी)।

कार्यान्वयन के एलएसटीके मोड पर ईसीएल में कोयला-से-एसएनजी संयंत्र की स्थापना के लिए पीएफआर की तैयारी के लिए पीडीआईएल को 24.11.2022 को कार्य आदेश जारी किया गया है।

ग) डब्ल्यूसीएल (प्रोजेक्ट उत्कर्ष एससीजी परियोजना):

वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के लिए बुनियादी कच्चे माल के रूप में कोयले का उपयोग करने के लिए 2000 एमटीपीडी की क्षमता के साथ महाराष्ट्र के भद्रावती ताशिल - चंद्रपुर जिले में स्थित डब्ल्यूसीएल के माजरी क्षेत्र के जूना कुनाडा ओपनकास्ट खदान और चारगांव ओसी खदान (परित्यक्त गड्ढों) में कोयला-से-अमोनियम-नाइट्रेट (पिघल) संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है।

डब्ल्यूसीएल कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदा 3 अगस्त, 2022 को जारी की गई है। बोलियां 19 दिसंबर 2022 को खोली गईं। कोई बोली प्राप्त नहीं हुई।

डब्ल्यूसीएल एससीजी परियोजना के लिए बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदा 06 मार्च 2023 को जारी की गई है। बोली खोलने की तारीख 14 सितंबर, 2023 है।

संभावित बोलीदाताओं के साथ एक बोली-पूर्व बैठक 27 मार्च, 2023 को ईआईएल, दिल्ली में आयोजित की गई थी।

2.5 कोल बेड मिथेन तथा कोयला गैसीकरण पर एसएंडडी तथा आरएंडडी परियोजनाएँ:

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभ की तिथि	पूरा करने की तिथि	परियोजना की लागत	कार्यान्वयन एजेंसी	कार्य की स्थिति
1.	“भारतीय कोलफील्ड्स के लिए सीबीएम भंडार आकलन” पर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परियोजना	25 फरवरी, 2014	23 मार्च, 2022	2069.91 लाख रु.	आईआईएसटी, शिबपुर, मु. एनजीआरआई, हैदराबाद, सीएमपीडीआई, राँची टीसीई, कोलकाता	परियोजना गतिविधियाँ पूरी हो गई। अंतिम रिपोर्ट IEST द्वारा प्रस्तुत की जाएगी
2.	“सीआईएल के अधिकार वाले क्षेत्रों में सीएमएम संसाधन की निकासी के लिए क्षमता निर्माण” पर एसएंडडी परियोजना	21, मार्च, 2016	22 जून, 2022	परियोजना की अनुमोदित लागत 2392.79 रु. है, जिसमें से उपकरण की लागत 934.32 लाख रु. है।	सीएमपीडीआई, मुख्यालय सीएसआईआरओ, अस्ट्रेलिया सीएसआईआर-एनएमएल, जमशेदपुर	परियोजना पूरी हो चुकी है
3.	“वाशरी ग्रेड कोकिंग कोल से राख की मात्रा (खनिज पदार्थ) को कम करने पर बेंच स्केल स्टडी और ऑयल एग्लोमरेशन के माध्यम से हाई ऐश नॉन-कोकिंग कोल” पर अनुसंधान एवं विकास परियोजना	1 अक्टूबर, 2020	31 मार्च, 2022	रु. 53.62 लाख (सीएमपीडी आईएल-17.46लाख)	सीएमपीडी आईएल, राँची रु. 72.07 लाख (सीएमपीडी आईएल-17.70लाख)	परियोजना पूरी हो चुकी है

क्र.सं.	विवरण	प्रारंभ की तिथि	पूरा करने की तिथि	परियोजना की लागत	कार्यान्वयन एजेंसी	कार्य की स्थिति
4.	"उच्च राख वाले भारतीय कोयले के लिए अप्रत्यक्ष कोयला गैसीकरण रिएक्टर की मॉडलिंग और डिजाइन" पर एस एंड टी परियोजना।	1 दिसम्बर, 2021	30 दिसम्बर, 2022	रु. 72.07 लाख (सीएमपीडी आईएल-17.70लाख)	आईआईटी, मद्रास सीएमपीडीआईएल, रांची	परियोजना पूरी हो चुकी है

3. परियोजना आयोजन एवं अभिकल्पन:

87 मी.ट.प्र.व. की अतिरिक्त कोयला उत्पादन क्षमता के लिए वर्ष 2022-23 के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों के द्वारा प्राथमिकता के आधार पर नई/विस्तार/पुर्नगठन खानों के लिए परियोजना रिपोर्ट की तैयारी किया गया नए पीआर के साथ परियोजना रिपोर्ट/परियोजनाओं के लिए लागत अनुमानों में संशोधन भी किया गया।

उपर्युक्त के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्य भी शुरू किए गए:

- नए/वर्तमान कोयला वाशरियों के लिए वैचारिक/संभाव्यता रिपोर्ट, निविदा दस्तावेज, कंट्रैक्ट ड्राफ्टिंग, बिड का मूल्यांकन आदि की तैयारी।
- पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) ।
- ओसी माइन्स के लिए आपरेशनल प्लान।
- ओपेनकास्ट तथा भूग.खान के लिए माइनिंग प्लान एवं माइन क्लोजर प्लान।
- कोल इंडिया लिमिटेड के भूमिगत खान तथा खुली खान के लिए खान क्षमता का मूल्यांकन।
- खुली खान तथा भूमिगत खानों के संचालन से संबंधित विभिन्न तकनीकी मूल्यांकन।
- कोल इंडिया लिमिटेड के खुली खदान खानों में एचईएमएम के संचालन का कार्य निष्पादन विश्लेषण।
- भूमिगत खानों ओपनकास्ट खानों बंद खानों और क्षेत्रीय रूप से खोजे गए ओपनकास्ट कोयला ब्लॉकों के लिए एमडीओ मोड पर मॉडल बोली दस्तावेज।
- कार्बन पदचिह्न विश्लेषण।
- रेत पुनःपूर्ति अध्ययन।
- विस्तृत डिजाइन एवं ड्राइंग,एनआईटी,निविदा जाँच आदि।

वर्ष 2022-23 के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनियों को पर्यावरणिक प्रबंधन और मॉनिटरिंग, रिमोट सेंसिंग, ऊर्जा आडिट (डीजल एंड इलेक्ट्रीकल) तथा ओपेन कास्ट खानों का बेंच मार्किंग, रॉक और कोयला नमूनों पर फिजिको-मैकेनिकल टेस्ट, धूसान अध्ययन, स्ट्रेटा कंट्रोल, गैर विध्वंसक जाँच (एनडीटी), नियंत्रित विस्फोटन एवं कम्पन अध्ययन और विस्फोटक उपयोग, भूमिगत खानों का संवातन/गैस सर्वेक्षण, माइनिंग इलेक्ट्रॉनिक्स, कोयला नमूनों पर पेट्रोग्रफिक अध्ययन, कोल कोर प्रोसेसिंग एंड विश्लेषण, धोवन क्षमता परीक्षण, ओबीआर सर्वेक्षण, मैन राइडिंग सिस्टम, स्टडी ऑफ रिवराइन ईकोसिस्टम और कोयला खनन क्षेत्रों का कैरिंग क्षमता, विंड ब्रिक (डब्ल्यू बी) और वर्टिकल ग्रीनरी सिस्टम (बीजीएस), स्लोप स्थायित्व

अध्ययन, इफ्लूएंट/सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स, माइन क्लोर ऑडिटिंग इत्यादि के क्षेत्र में कोल इंडिया लिमिटेड की अनुबंधी कंपनियों का विशेषज्ञ परामर्श सेवाएँ प्रदान की गई।

वर्ष 2021-22 के दौरान कुल 269 रिपोर्ट तैयार की गई है। तैयार की गई रिपोर्ट का ब्रेक अप नीचे दिया गया है:

रिपोर्ट	संख्या
भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट	29
प्रोजेक्ट रिपोर्ट	39
ड्राफ्ट ईएमपी (फार्म-1/पअ/अप सहित)	66
अन्य अध्ययन	220
कुल	354

वर्ष 2022-23 के दौरान तैयार किए गए रिपोर्ट का विस्तृत विवरण नीचे दिया जा रहा है:

वर्ष 2022-23 के दौरान पूरे किए गए रिपोर्ट की सूची

क्षेत्रीय संस्थान/ मुख्यालय	रिपोर्ट का नाम
भू-वैज्ञानिक रिपोर्ट:	
क्षे.संस्थान-I	1. धर्मा (गैर-सीआईएल)
	2. बिनोदपुर बभनीगंज (नॉन-सीआईएल)
क्षे.संस्थान -IV	1. कोलार पिंपरी स्ट्राइक एक्सपेंशन।
क्षे.संस्थान -V	1. केवई
	2. बरौद बिजारी सेक्टर-II का डिपसाइड
	3. धनपुरा नया
	4. भिलाईबाजार
क्षे.संस्थान -VI	1. अमेलिया (परामर्श)
	2. बंधा उत्तर (गैर-सीआईएल)
क्षे.संस्थान -VII	1. कोणार्क
	2. कोसल पूर्व (गैर-सीआईएल)
संविदात्मक	1. सोमावरम पूर्व (गैर-सीआईएल)
	2. धर्मबंध
	3. धाड़ पूर्व दक्षिण
	4. लुबजी पासला सेक्टर II और III
	5. पश्चिमी महुदा
	6. चुलिया भुलिया पूर्व
	7. ओनगांव पोटिया सेक्टर III
	8. सयाल डी
	9. अर्जुनी पूर्व (गैर-सीआईएल)
	10. मधुबंद
	11. ओनगांव पोटिया I और II
	12. मधुपुर

क्षेत्रीय संस्थान/ मुख्यालय	रिपोर्ट का नाम
	13. पिचरी
	14. चैनपा (गैर-सीआईएल)
	15. सुरसा (गैर-सीआईएल)
	16. लुबजी पासला सेक्टर I
	17. रेओटी वेस्ट (नॉन-सीआईएल)
	18. पथोरा पूर्व (गैर-सीआईएल)
परियोजना रिपोर्ट :	
क्षे.संस्थान-I	1. पैरास्कोल जंबाद (यूजी और ओसी)
	2. भनोरा वेस्ट एमडीओ पीआर
	3. पांडवेश्वर डालुरबैंड यूजी+ओसी पुनर्रचना
क्षे.संस्थान-II	1. शुद्ध बेनेडीह यूजी
	2. ब्लॉक- II यूजी रीकास्ट
क्षे.संस्थान -III	1. अंगावली ओसी
	2. केदला ओसी आरपीआर
	3. असनगरहा ओसी
	4. चलकरी ओसी
	5. कारो ओसी ईपीआर (डीवीसी बेरमो और करगाली सहित)
क्षे.संस्थान -IV	1. गौरी दीप एक्सपेंशन. ओसी
	2. उर्धन एक्सपन. ओसी
	3. सस्ती एक्सपन. ओसी
	4. मकरधोकरा-I विस्तार। ओसी
	5. शारदा यूजी सीएम
	6. धनकसा जमुनिया समामेलित यूजी
	7. भानेगांव ओसी रीकास्ट पीआर
	8. विष्णुपुरी यूजी से ओसी तक
	9. बल्लारपुर एनडब्ल्यू ओसी पुनर्रचना
	10. गौरी सेंट्रल ओसी माइन रीकास्ट
	11. पेंगंगा डीप ओसी / गाडेगांव ओसी
	12. कोलगांव विस्तार ओसी
	13. पौनी II ओसी एक्सपेंशन।
	14. वाघोडा यूजी आरपीआर
	15. गौरी पौनी विस्तार ओसी
क्षे.संस्थान -VI	1. अमृतधारा यूजी
	2. अमरतीपुर ओसी
	3. तातापानी ओसी
	4. मालाचुआ यूजी (एमडीओ पीआर)
	5. बगदेवा यूजी एक्सपेंशन। जनसंपर्क
	6. सिंघली यूजी
	7. कुसमुंडा एक्सपेंशन ओसी (50-75 एमटीवाई)
क्षे.संस्थान -VII	1. भुवनेश्वरी एक्सपेंशन. ओसी (एमडीओ पीआर)
मुख्यालय	1. रामनागोर इंडिकटटा यूजी संशोधित डीपीआर, सेल (गैर-सीआईएल)
	2. हूरा सी ओसी एमडीओ
	3. मार्की बरका यूजी
	4. टिकक वेस्ट एक्सपेंशन आरपीआर ओसी

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



क्षेत्रीय संस्थान/ मुख्यालय	रिपोर्ट का नाम
5.	जीवनधारा-लपंगा ओसी आरपीआर
6.	मांडू यूजी
पर्यावरण प्रबंधन योजना:	
फॉर्म-I (फॉर्म IV और VI सहित)	
क्षे.संस्थान-I	1. कलस्टर नंबर 9 (ईसीएल की 12 खदानों का समूह) (फॉर्म-IV: ईसी में संशोधन)
	2. कलस्टर नंबर 2 (ईसीएल की 3 खदानों का समूह) (फॉर्म-IV: ईसी में संशोधन)
	3. कलस्टर नंबर 12 (ईसीएल की 14 खदानों का समूह) (फॉर्म-IV: ईसी में संशोधन)
क्षे.संस्थान-II	1. कलस्टर VIII (फॉर्म-IV: ईसी में संशोधन)
क्षे.संस्थान -III	1. ढोरी ओसीपी का चयन किया गया
	2. रोहिणी विस्तार ओसीपी
	3. झारखंड लड़यो ओसीपी
	4. केदला ओसीपी
क्षे.संस्थान -IV	1. मकरधोकरा-III (दिनेश) OC
	2. सिंघोरी ओसी
	3. गोंडेगांव ओसी
	4. धुपताला एक्सपेंशन। ओसी
क्षे.संस्थान -V	1. गायत्री यूजी (पुनर्वैधीकरण)
	2. गायत्री अंडरग्राउंड (विस्तार) की ईसी में वृद्धि
	3. गेवरा ओसी परियोजना (टीओआर में संशोधन) (फॉर्म-III)
	4. दीपका ओसी खदान (टीओआर में संशोधन)(फॉर्म-III)
क्षे.संस्थान-VI	1. जयंत ओसीपी (दिनांक 11.04.2022 के ओएम के अनुसार विस्तार के लिए फॉर्म-I)
	2. निगाही ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए फॉर्म- I)
	3. खड़िया ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए फॉर्म- I)
	4. अमलोहरी ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए फॉर्म-I)
	5. कृष्णशिला (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए फॉर्म- I)
	6. झिंगुरदा ओसीपी (फॉर्म VI: ईसी वैधता का विस्तार)
क्षे.संस्थान -VII	1. भुवनेश्वरी एक्सपेंशन ओसीपी (नए ओएम दिनांक 11-04-22 और 07-05-22 के अनुसार 40% से 50% तक विस्तार के लिए फॉर्म I)
	2. लखनपुर ओसीपी एक्स (नए ओएम दिनांक 11-04-22 और 07-05-22 के अनुसार 40% से 50% तक विस्तार के लिए फॉर्म I)
	3. कुल्दा ओसीपी एक्सपेंशन (नए ओएम दिनांक 11-04-22 और 07-05-22 के अनुसार 40% से

क्षेत्रीय संस्थान/ मुख्यालय	रिपोर्ट का नाम
	50% तक विस्तार के लिए फॉर्म I)
4.	गर्जनबहाल ओसीपी एक्सपेंशन (7(ii) खंड के तहत 20% से 40% विस्तार के लिए फॉर्म I)
5.	भरतपुर ओसीपी एक्सपेंशन (क्षेत्र विस्तार)
6.	सियारमल ओसीपी (ईसी में संशोधन)
7.	कुल्दा ओसीपी एक्सपेंशन (ईसी में संशोधन)
8.	गर्जनबहाल ओसीपी एक्सपेंशन (ईसी में संशोधन)
9.	कुल्दा ओसीपी एक्सपेंशन ललमा वन सहित (प्रपत्र-I : क्षेत्रफल में वृद्धि)
10.	नंदिरा यूजी (फॉर्म IV: ईसी में संशोधन)
11.	बेलपहाड़ ओसीपी (फॉर्म VI: ईसी की वैधता का विस्तार)
12.	भुवनेश्वरी एक्सपेंशन. ओसीपी
मुख्यालय	1. मुनीडीह कोकिंग कोल वाशरी (फॉर्म-III: टीओआर में संशोधन)
	2. तिराप ओसीपी (फॉर्म-III: टीओआर में संशोधन)
ड्राफ्ट ईएमपी	
क्षे.संस्थान -III	1. उत्तरी उरीमारी ओसी (20% से 40% तक विस्तार के लिए परिशिष्ट ईआईए/ईएमपी)
	2. जारंगडीह ओसीपी एक्स.
	3. चंद्रगुप्त ओसीपी
क्षे.संस्थान -IV	1. पौनी-II एक्सपेंशन ओसी
	2. सस्ती एक्सपेंशन. ओसी
	3. तवा-III यूजी
	4. सिंघोरी ओसी
	5. मकरधोकरा-III (दिनेश ओसी)
क्षे.संस्थान -V	1. बरौद ओसी विस्तार
	2. झिरिया पश्चिम ओसीपी
	3. गेवरा ओसी विस्तार परियोजना
	4. सरायपाली ओसी विस्तार
	5. जामपाली ओसी विस्तार
	6. मानिकपुर ओसी विस्तार
	7. गेवरा ओसी खदान
	8. दीपका ओसी खदान
क्षे.संस्थान -VI	1. जयंत ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए परिशिष्ट ईआईए/ईएमपी)
	2. निगाही ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए परिशिष्ट ईआईए/ईएमपी)
	3. खड़िया ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए परिशिष्ट ईआईए/ईएमपी)
	4. अमलोहरी ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए परिशिष्ट ईआईए/ईएमपी)
	5. कृष्णशिला ओसीपी (ओएम दिनांक 11.04.2022 के अनुसार विस्तार के लिए परिशिष्ट ईआईए/ईएमपी)

Regional Institute/HQ		Name of the Reports
	6.	झिंमुरदा ओसीपी (परिशिष्ट ईएमपी)
क्ष.संस्थान -VII	1.	बैतर्नी पश्चिम कोयला खदान
	2.	लखनपुर ओसीपी एक्स. (50% तक विस्तार)
	3.	भुवनेश्वरी एक्सपेंशन. ओसीपी (50% तक विस्तार)
	4.	कुल्दा ओसीपी (50% तक विस्तार)
	5.	गर्जनबहाल ओसीपी (50% तक विस्तार)
	6.	भरतपुर ओसीपी एक्सपेंशन।
मुख्यालय	1.	भटाडी विस्तार ओसीपी, डब्ल्यूसीएल
	2.	झरिया (बीसीसीएल) सीबीएम ब्लॉक

4. कोयला और खनिज परिष्करण :

कोल एंड मिनरल प्रिपेरेशन डिवीजन ग्रीनफील्ड कोल वाशरीज, मिनरल बेनिफिशिएशन प्लांट और मौजूदा प्लांटों के संशोधन / आधुनिकीकरण के लिए तकनीकी परामर्श सेवाएं प्रदान करता है। इन सेवाओं में विस्तृत प्रयोगशाला अध्ययन, परियोजना रिपोर्ट (पीआर), वैचारिक रिपोर्ट (सीआर), बोली प्रक्रिया प्रबंधन, अनुबंध दस्तावेज तैयार करना और परियोजना निष्पादन के दौरान ड्राइंग की जांच के बाद कार्यों के पुरस्कार में सहायता शामिल है। यह आर एंड डी सेवाओं और कॉर्पोरेट समर्थन की विस्तृत श्रृंखला भी प्रदान करता है। सीएमपी लैब को 2019 में नेशनल एक्रिडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त हुई है। सीएमपी लैब की पुनः मान्यता प्रगति पर है, इस तरह के पुनर्गठित निकाय को परीक्षण परिणामों की पारस्परिक स्वीकृति की सुविधा के लिए पहला आवश्यक कदम माना जाता है।

सीएमपीडीआईएल प्रयोगशाला स्तर के अध्ययन करने के लिए आधुनिकतम और परिष्कृत उपकरण सहित आईएसओ प्रमाणित आधुनिक प्रयोगशाला से सुसज्जित है।

इस विभाग द्वारा वर्ष 2022-2023 के दौरान निम्नलिखित प्रमुख कार्य पूरे किए गए हैं-

4.1 पूर्व संभाव्यता/वैचारिक रिपोर्ट।

- नई सवांग वाशरी (1.5 एमटीवाई), सीसीएल

- ढोरी वाशरी (3.0 एमटीवाई), सीसीएल
- नई कथारा वाशरी (3.0 एमटीवाई), सीसीएल

4.2 निविदा दस्तावेज

✓ बीओओ कांसेप्ट पर

निम्नलिखित वाशरियों के ई-टेंडरिंग मोड में बोली दस्तावेज (आरएफपी के साथ आरएफक्यू):

- नई सवांग वाशरी (1.5 एमटीवाई), सीसीएल
- ढोरी वाशरी (3.0 एमटीवाई), सीसीएल
- नई कथारा वाशरी (3.0 एमटीवाई), सीसीएल

✓ बीओ कांसेप्ट पर

निम्नलिखित खदानों के रेत/एग्रीगेट पृथक्करण संयंत्र की स्थापना के लिए ई-टेंडरिंग मोड में बोली दस्तावेज (आरएफपी के साथ आरएफक्यू):

- कथारा क्षेत्र, सीसीएल में गोविंदपुर यूजी परियोजना।
- मानिकपुर ओसीपी, कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल
- अमादंड ओसीपी, जमुना एवं कोतमा क्षेत्र, एसईसीएल
- अमलाई ओसीपी, सोहागपुर क्षेत्र, एसईसीएल

✓ ROM संकल्पना पर

पुरानी मधुबन वाशरी, बीसीसीएल के नवीनीकरण कार्य के लिए बोली दस्तावेज

✓ टर्नकी अवधारणा पर

पुरानी मुनीडीह वाशरी, बीसीसीएल के नवीकरण कार्य के लिए बोली दस्तावेज

4.3 निविदा दस्तावेज का मूल्यांकन

- न्यू रजरप्पा (3.0 एमटीवाई), सीसीएल
- ढोरी (3.0 एमटीवाई), सीसीएल
- न्यू सवांग (1.5 एमटीवाई), सीसीएल
- न्यू कथारा (3.0 एमटीवाई), सीसीएल

4.4 निर्माण ड्राइंग्स की स्कूटनी

- भोजुडीह वाशरी, (2.0 एमटीवाई), बीसीसीएल
- पाथरडीह-II (2.5 एमटीवाई),
- बीसीसीएल आई बी-वैली लखनपुर वाशरी (10.0 एमटीवाई), एमसीएल

4.5 अनुसंधान और विकास क्रियाकलाप

आर एंड डी परियोजना अर्थात् "भारतीय कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयले की बेहतर धुलाई दक्षता के लिए लागत प्रभावी प्रक्रिया फ्लोशीट का डिजाइन" पूरा हो गया है और पूर्णता रिपोर्ट 28.07.2022 को सीआईएल के आर एंड डी बोर्ड द्वारा स्वीकार कर ली गई थी।

4.6 कॉर्पोरेट सहायता

- कोकिंग कोयले की मांग से संबंधित मुद्दों को सुलझाने के लिए एक मसौदा रिपोर्ट सीएमडी, सीएमपीडीआईएल और सीएमडी, मेकॉन की संयुक्त अध्यक्षता में एमओसी द्वारा गठित समिति द्वारा तैयार की गई है और रिपोर्ट अंतिम चरण में है।
- बीसीसीएल के कमांड क्षेत्र के तहत कोकिंग कोयला खदानों के गुणवत्ता मानकों के संबंध में एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई है और सीआईएल को प्रस्तुत की गई है और बीसीसीएल की वेबसाइट पर अपलोड की गई है।
- कोल इंडिया लिमिटेड से कोयला खरीदने और इस्पात क्षेत्र को उत्पादन बेचने के लिए स्वतंत्र रूप से वाशरी स्थापित करने वाली निजी पार्टियों के लिए एक मसौदा नीति ढांचा तैयार किया गया है और सीआईएल को प्रस्तुत किया गया है।

5. परियोजना मूल्यांकन:

- 5.1** वर्ष 2022-23 के दौरान, सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थानों तथा मुख्यालय के विभागों द्वारा तैयार किए गए 19 ड्राफ्ट पीआर/आरपीआर/ईपीआर की संवीक्षा तथा मूल्यांकन तथा मसौदा रिपोर्ट को अंतिम रूप देने के पूर्व सीएमपीडीआई मुख्यालय में उनके प्रस्तुतिकरण के लिए समन्वय।
- 5.2** वर्ष 2022-23 के दौरान क्षेत्रीय संस्थानों द्वारा तैयार किए गए 13 वैचारिक नोट की संवीक्षा तथा मूल्यांकन और मसौदा पीआर/आरपीआर/ईपीआर तैयार करने के पहले प्रमुख तकनीकी पारामीटरों को अंतिम रूप देने के लिए ओसी/यूएमडी विभाग तथा पीएडी विभाग के साथ निदेशक (तक./पी एंड डी) द्वारा मूल्यांकन हेतु समन्वयन।

5.3

खासकर कोयला (सचिव) की तिमाही/मासिक समीक्षा बैठक के लिए सीएमपीडीआई के दायित्व के तहत कार्रवाई के संबंध में 3 एमटीवाई से अधिक क्षमता की 500 करोड़ रु. से अधिक लागत वाली चालू परियोजनाओं के कार्यान्वयन की स्थिति का अद्यतनीकरण।

5.4

वर्ष 2025-26 के लिए सीआईएल के 1 बीटी कार्यक्रम के तहत चिह्नित परियोजनाओं के लिए पीआर निर्माण की मानिट्रिंग।

6.0

खुली खदान खनन:

6.1

पूर्ण की गई प्रमुख बाहरी परामर्श कार्य हैं:

- तलाईपल्ली कोयला ब्लॉक के लिए वैचारिक योजना, खनन योजना और व्यवहार्यता रिपोर्ट, मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड।
- तलाईपल्ली कोयला ब्लॉक के लिए गड्डे और डंप ढलान स्थिरता, मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड।
- यूपी के 25 जिलों के रेत पुनःपूर्ति अध्ययन के लिए रेत के दानों का विश्लेषण, यूपी सरकार।
- बिहार की 4 नदियों के रेत पुनःपूर्ति अध्ययन के लिए रेत के दानों का विश्लेषण, बिहार सरकार।

6.2

पूरे किए गए कोल इंडिया के प्रमुख कार्य इस प्रकार हैं:

- खड़िया ओसीपी (16 एमटीपीए), एनसीएल की अंतिम परिचालन योजना।
- जीवनधारा ओसीपी (2.50 एमटीपीए), सीसीएल के लिए परियोजना रिपोर्ट।
- ब्लॉक ई ओसीपी (15.00 एमटीपीए), बीसीसीएल के लिए परियोजना रिपोर्ट।
- संक्षिप्त पीआर, एमसीए और आरएफबी दस्तावेजों के साथ हुरा सी (एमडीओ वेरिफाई) (3.00 एमटीपीए) के लिए पीआर।
- टिकक वेस्ट एक्सपेंशन ओसीपी (0.60 एमटीपीए), एनईसी के लिए संशोधित परियोजना रिपोर्ट।
- तिराप ओसीपी (0.6 एमटीवाई), एनईसी के लिए संशोधित लागत अनुमान।

- झारखंड ओसी, सीसीएल के लिए वैज्ञानिक अध्ययन/ढलान स्थिरता विश्लेषण।
- टिकक एक्सटेंशन के लिए ढलान स्थिरता विश्लेषण/वैज्ञानिक अध्ययन। ओसी, एनईसी।
- ओपनकास्ट और यूजी के लिए एमडीओ मोड के तहत ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए राजस्व साझाकरण दस्तावेज़ (एमसीए और आरएफबी)।
- हाईवॉल माइनिंग के लिए मॉडल एमडीओ दस्तावेज़ और एनआईटी दस्तावेज़।
- सीआईएल की ओपनकास्ट खदानों की क्षमता का आकलन - 01.04.2023 तक का अनुमान।
- 2021-22 के दौरान सीआईएल की ओपनकास्ट खदानों के लिए क्षमता और क्षमता उपयोग का आकलन।
- सीआईएल की सभी सहायक कंपनियों के लिए 2021-22 के दौरान एचईएमएम का प्रदर्शन विश्लेषण।
- 2021-22 के दौरान डंपरों और उत्खननकर्ताओं का प्रदर्शन विश्लेषण और सीआईएल का सारांश।
- विस्फोटक, डीजल और इलेक्ट्रिक-पावर के लिए 2021-22 के दौरान सीआईएल की ओपनकास्ट खदानों में विशिष्ट खपत का विश्लेषण।
- परियोजना रिपोर्ट का तकनीकी और वित्तीय मूल्यांकन।

6.3 शामिल अन्य कार्य:

- आरआईआरआई लिग्नाइट ब्लॉक, एमओसी के लिए पीआरसी (पीक रेटेड क्षमता) का मूल्यांकन
- आवश्यकता पड़ने पर माइन इंफ्रास्ट्रक्चर परिसंपत्ति स्पष्टीकरण
- आर एंड डी प्रोजेक्ट कोड का सफल समापन: सीआईएल/आर एंड डी/01/64/2017 जिसका शीर्षक है "ओबी डंप की ऊंचाई बढ़ाने के लिए दिशानिर्देशों का विकास", जिसके माध्यम से सीएमपीडीआईएल में एक भू-तकनीकी लैब स्थापित की गई है।

6.4 वर्ष 2022-23 में खुली खनन विभाग की उपलब्धियां

- एमडीओ के बीच विवाद का समाधान और एक तकनीकी के माध्यम से एन.टी.पी.सी तलाईपल्ली के लिए व्यवहार्यता अध्ययन ओपनकास्ट खदान और उसके बाद संबंधित नए दस्तावेज़ तैयार करना वैचारिक योजना, खनन योजना, व्यवहार्यता रिपोर्ट और पिट एवं डंप तलाईपल्ली ओपनकास्ट खदान के लिए स्थिरता 5.82 रुपये के मूल्य पर एनटीपीसी का करोड़।
- सभी अनुबंध दस्तावेजों के साथ हुरा सी के लिए एमडीओ मोड में पीआर और निविदा प्रक्रिया में ईसीएल को समर्थन, बहुत कम समयसीमा के भीतर निष्पादित किया गया और एमडीओ को काम सौंपा गया और उत्पादन शुरू हुआ।
- मेसर्स आईसीवीएल, मोज़ाम्बिक के ज़ाम्बेज़ और टेटे ईस्ट कोल ब्लॉक के लिए डीपीआर परामर्श असाइनमेंट के लिए प्रस्ताव भेजा गया। वैश्विक निविदा के माध्यम से 1.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्य पर सीएमपीडीआईएल को काम सौंपा गया है।
- नए तरह के कार्य - उत्तर प्रदेश और बिहार के लिए रेत पुनःपूर्ति अध्ययन के लिए रेत के दानों के आकार विश्लेषण से संबंधित कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।
- अनुसंधान एवं विकास परियोजना (आईआईटी दिल्ली के सहयोग से डिजाइन) के माध्यम से 2500 केएन सामान्य कतरनी भार क्षमता वाली बड़ी डायरेक्ट शीयर मशीन (भारत में सबसे बड़ी) का सफल कमीशनिंग। विभिन्न स्तरों पर अनुमोदन की कठोर प्रक्रिया और अनुवर्ती कार्रवाई के बाद जियोटेक्निकल सॉफ्टवेयर/टूल्स (20 प्रतिभागियों को दिए गए पेशेवर प्रशिक्षण सहित) की खरीद की गई।

7. भूमिगत खनन:

7.1 वाह्य परामर्शी कार्य

- सेल की रामनागोर कोलियरी के लिए रामनागोर-इंडिकट्टा भूमिगत परियोजना के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (संशोधित) तैयार करना।
- माँयल लिमिटेड की डोंगरी-बुजुर्ग खदान में भूमिगत कार्य के लिए डीपीआर तैयार करना।
- तलाईपाली खदान के लिए भूमिगत वैचारिक नोट तैयार करना।

7.2 कोल इंडिया के कार्य

- एनसीएल की मार्की बरका पश्चिम और बोरका साराटोला संयुक्त यूजी खदान के लिए परियोजना रिपोर्ट (पीआर) तैयार करना
- सीसीएल की मांडू यूजी खदान के लिए परियोजना रिपोर्ट (पीआर) तैयार करना
- पतरातू एबीसी यूजी खदान, सीसीएल के लिए 3डी सबसिडेंस पूर्वानुमान और प्रबंधन
- पारेज ईस्ट यूजी माइन, सीसीएल के लिए 3डी सबसिडेंस पूर्वानुमान और प्रबंधन
- बोर्ड यूजी खदान, डब्ल्यूसीएल के लिए 3डी सबसिडेंस पूर्वानुमान और प्रबंधन
- खनन उपकरण के लिए मानक मूल्य सूची तैयार करना
- सीआईएल की यूजी खदानों के लिए खदान क्षमता मूल्यांकन और क्षमता उपयोग
- शारदा खदान, डब्ल्यूसीएल के लिए शाफ्ट, फैन ड्रिफ्ट और इवेसी के लिए विस्तृत डिजाइन की तैयारी;
- सावनेर खदान, डब्ल्यूसीएल के लिए शाफ्ट, फैन ड्रिफ्ट और इवेसी के लिए विस्तृत डिजाइन की तैयारी;
- धनकासा खदान, डब्ल्यूसीएल के लिए शाफ्ट, फैन ड्रिफ्ट और इवेसी के लिए विस्तृत डिजाइन की तैयारी;
- सेंट्रल सौंदा, सौंदा डी, खास करणपुरा, संबद्ध करणपुरा यूजी खदान, सीसीएल के लिए बंद/परित्यक्त खदानों की खदान प्रोफाइल तैयार करना

- डकरा बुकबुका ओसीपी खदान सीसीएल की हाईवॉल खनन व्यवहार्यता मूल्यांकन
- गोविंदपुर यूजी खदान (चालू), सीसीएल के लिए खदान प्रोफाइल की तैयारी
- संयुक्त सालानपुर एजीकेसी (समामेलित गजरीटांड कतरास चौटिडीह कोलियरी), खरखरी यूजी खदान (बीसीसीएल), चिनाकुरी यूजी (ईसीएल), तालचेर यूजी खदान (एमसीएल), ओरिएंट यूजी खदान 3 और 4 के लिए बंद/परित्यक्त खदानों की खदान प्रोफाइल तैयार करना।
- राजस्व-साझाकरण के आधार पर ग्रीन फील्ड खदानों के लिए भूमिगत और ओपनकास्ट के लिए मॉडल एमडीओ दस्तावेज़।
- हाईवॉल खनन के लिए मॉडल निविदा दस्तावेज़
- मॉडल एमडीओ दस्तावेज़ [बोली के लिए अनुरोध (आरएफबी) और मॉडल अनुबंध अनुबंध (एमसीए)] ने राजस्व-साझाकरण के आधार पर यूजी खानों को बंद कर दिया।
- 21 खदान स्थलों की हाईवॉल खनन व्यवहार्यता पर आकलन के लिए सीआईएल की सहायता करें।

7.3 कोयला मंत्रालय के लिए किये गए अन्य कार्य

- वाणिज्यिक कोयला खनन की नीलामी के लिए नए ब्लॉकों (कोयला और लिग्नाइट) की पहचान।
- वाणिज्यिक खनन की 6वीं/16वीं किश्त तक के 250 कोयला ब्लॉकों के लिए खदान डोजियर और खदान सारांश (नक्शे और कार्डिनल बिंदुओं सहित) तैयार किए गए और कोयला मंत्रालय को भेजे गए।
- वाणिज्यिक कोयला खनन की नीलामी के संबंध में बोलीदाताओं द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर तैयार करना और प्रस्तुत करना।

7.4 प्रगति पर कार्य

सीआईएल के कार्य

- बीसीसीएल की गोधर/कुसुंडा यूजी खदान के लिए परियोजना रिपोर्ट (पीआर) तैयार करना।
- सीसीएल की झारखंड यूजी खदान के लिए परियोजना रिपोर्ट (पीआर) तैयार करना।

8 सिविल अभियंत्रण सेवाएँ:

8.1 परियोजना प्रबंधन परामर्श कार्य

1. आईआईसीएम, रांची के छात्रावास भवन का निर्माण।
2. मिनरेम, एमसीएल, भुवनेश्वर के शेष कार्य का निर्माण।
3. सीसीएल, रांची में कॉलोनीयों का नवीनीकरण, आवासीय क्वार्टरों का निर्माण
4. आवासीय क्वार्टरों के निर्माण के लिए वास्तुकला और संबद्ध परामर्श सेवाएं, दरभंगा हाउस परिसर में मल्टीलेवल पार्किंग कॉम्प्लेक्स, कॉलोनीयों और गांधी नगर अस्पताल का नवीनीकरण, तेतरियाखार ओसीपी, राजहरा क्षेत्र, सीसीएल में आवासीय और सेवा भवन, अमरपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र में जीएम कार्यालय, जीएम कार्यालय, हज़ारीबाग क्षेत्र में इनडोर स्टेडियम और इंडोर स्टेडियम, बरका सयाल, रामगढ़ क्षेत्र में आउटडोर स्टेडियम और ईटीपी, जीएम कार्यालय और जीएम यूनिट के तहत बीटीटीआई, भुरकुंडा में बरका-सयाल क्षेत्र का नया टाउनशिप। ", सी.सी.एल.
5. जारंगडीह ओसीपी, कथारा क्षेत्र में कार्य के दायरे के अनुसार सामुदायिक भवनों को ध्वस्त करने और पुनर्स्थापित करने के लिए वास्तुकला और संबद्ध परामर्श सेवाएं और राजरप्पा, रामगढ़ क्षेत्र, सीसीएल, झारखंड में वीआईपी गेस्ट हाउस का निर्माण।
6. कोनार ओसीपी, बीएंडके एरिया, सीसीएल, बोकारो, जिला, झारखंड के लिए स्मार्ट टाउनशिप विकसित करने के लिए वास्तुकला और संबद्ध परामर्श सेवाएं।
7. जारंगडीह ओसीपी, कथारा क्षेत्र, सीसीएल में विभिन्न सामुदायिक भवनों के विध्वंस और पुनर्निर्माण के लिए वास्तुकला और संबद्ध परामर्श सेवाएं।
8. बसुंधरा क्षेत्र, लखनपुर क्षेत्र, हिंगुला क्षेत्र, लिंगराज क्षेत्र, जगन्नाथ क्षेत्र, भरतपुर क्षेत्र, तालचर क्षेत्र, आईबी वैली क्षेत्र और एमसीएल मुख्यालय, संबलपुर में कॉलोनीयों के नवीनीकरण के लिए एसक्यूसी (पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण) के साथ वास्तुकला और संबद्ध परामर्श सेवाएं।
9. केंद्रीय अस्पताल, गांधीनगर, सीसीएल रांची के लिए टर्नकी आधार पर 25 केएलडी क्षमता के अपशिष्ट उपचार संयंत्र की योजना, जांच, डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, निर्माण, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, परीक्षण संचालन और कमीशनिंग।
10. केंद्रीय अस्पताल नईसराय, रामगढ़ सीसीएल में 80 केएलडी के एसटीपी (प्री-ट्रीटमेंट के लिए 25 केएलडी के ईटीपी सहित) की योजना, जांच, डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण, निर्माण, निर्माण, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, ट्रायल रन और कमीशनिंग।
11. दीपका क्षेत्र, गेवरा क्षेत्र, कुसमुंडा क्षेत्र, घरघोड़ा और रायगढ़ क्षेत्र, एसईसीएल में अखंड/पारंपरिक आरसीसी निर्माण के साथ बहुमंजिला आवासीय प्रकार के क्वार्टरों के निर्माण के लिए एसक्यूसी (पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण) के साथ वास्तुकला और संबद्ध परामर्श सेवाएं।
12. जीएनसी, रांची, सीसीएल में एक ब्लॉक बी टाइप क्वार्टर (जी+7) कुल 32 के निर्माण के लिए पीएमसी।



13. जीएनसी, सीसीएल, रांची में दो ब्लॉक सी टाइप क्वार्टर (जी+7) के निर्माण के लिए पीएमसी, कुल 64 क्वार्टर।
14. सीसीएल, मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में पार्किंग परिसर के निर्माण के लिए पीएमसी।
15. सीसीएल के उत्तरी उरीमारी (बिरसा) के परगढ़ा आर एंड आर साइट पर इनडोर स्टेडियम के निर्माण के लिए पीएमसी।
16. डीएवी, उरीमारी, सीसीएल के पास आउटडोर स्टेडियम के निर्माण के लिए पीएमसी।
17. सीसीएल के एएंडसी क्षेत्र में जीएम कार्यालय भवन के निर्माण के लिए पीएमसी।

8.2 एफएमसी और अन्य परियोजनाओं की डिजाइन/ड्राइंग जांच:

1. भोजुडीह वाशरी, बीसीसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
2. लखनपुर वाशरी, एमसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
3. पाथरडीह वाशरी, बीसीसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
4. एनसीएल की अनुमोदित वार्षिक कार्य योजना के विरुद्ध दुधिचुआ सीएचपी चरण-III (10 एमटीपीए) की वृद्धिशील जांच।
5. उत्तरी उरीमारी सीएचपी, सीसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
6. राजमहल सीएचपी, ईसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
7. झांझरा सीएचपी, ईसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
8. ब्लॉक-बी सीएचपी, एनसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
9. कनिहा सीएचपी, एमसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
10. दीपका मैकेनाइज्ड साइडिंग, एसईसीएल हेतु डिजाइन/ड्राइंग की जांच।

11. कुसमुंडा सेंट्रल इनपिट, एसईसीएल हेतु डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
12. छाल सीएचपी एवं सबस्टेशन, एसईसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
13. गेवरा 5 एवं 6 साइलो, एसईसीएल हेतु डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
14. मानिकपुर सीएचपी एवं साइलो, एसईसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
15. हुरा-सी सीएचपी, ईसीएल के लिए डिजाइन/ड्राइंग की जांच।
16. अमलोहरी ओसीपी, एनसीएल में 190टी डंपर मरम्मत कार्यशाला की ड्राइंग जांच
17. ब्लॉक बी ओसीपी वर्कशॉप, एनसीएल की ड्राइंग जांच।
18. जयन्त ओसीपी, एनसीएल में 190टी डम्पर मरम्मत कार्यशाला की ड्राइंग जांच।
19. सीडब्लूएस जयन्त (उन्नयन), एनसीएल की जांच।
20. एसईसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में बनाये जाने वाले बी, सी एवं डी टाइप क्वार्टरों के डिजाइन/ड्राइंग की जांच।

8.3 परियोजना नियोजन कार्य:

1. सिविल भाग की पीआर तैयारी/लागत अद्यतनीकरण
 - हुरा सी (3.0 एमटीवाई), ईसीएल
 - जीवनधारा ओसीपी (2.5एमटीवाई) सीसीएल के लिए आरपीआर
 - तल्लाइपल्ली (25 एमटीवाई), एनटीपीसी
 - आरसीई टिकक पश्चिम विस्तार (0.4 एमटीवाई)
 - चूपरबिता-सिमलॉग संयुक्त (6.0 एमटीवाई), ईसीएल
 - ब्लॉक ई (15.0 एमटीवाई), बीसीसीएल
2. वर्ष भर पीएडी द्वारा तकनीकी जांच के लिए इस विभाग को भेजी गई विभिन्न रिपोर्टों के लिए पीआर/आरपीआर की तकनीकी जांच

8.4 सिविल एवं वास्तुशिल्पीय विस्तृत डिजाइन एवं ड्राइंग कार्य:

1. दुधिचुआ परियोजना, एनसीएल के लिए ए) शॉपिंग सेंटर, स्टेडियम/खेल का मैदान और कल्याण मंडप और बी) परियोजना कार्यालय के लिए निर्माण ड्राइंग की तैयारी।
2. जारंगडीह ओसीपी (1.5 एमटीवाई), कथारा क्षेत्र, सीसीएल के संबंध में उत्खनन कार्यशाला और अन्य संबद्ध बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए डिजाइन, संरचनात्मक ड्राइंग, विस्तृत अनुमान आदि की तैयारी।

8.5 नाला परिवर्तन कार्य:

1. केदला नाला डायवर्सन, सीसीएल।
2. पुंडी ओसीपी नाला डायवर्सन, सीसीएल
3. बैकोला क्षेत्र, ईसीएल के नकरकोंडा-कुमारडीही बी कोलियरी में तुमनी नाला के डायवर्सन का अध्ययन।
4. 28.06.2022 को MoEF&CC द्वारा दिए गए ToR के अनुसार भरतपुर OCP (20 Mty; क्षेत्र विस्तार-927.42 हेक्टेयर से 1556.94 हेक्टेयर) के संबंध में बंगारू झोर धारा की डायवर्सन योजना और अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी बफर जोन के भीतर पहले से ही क्षतिग्रस्त जल निकायों की उचित बहाली कार्य योजना के साथ एक विस्तृत जल विज्ञान अध्ययन।

8.6 बाहरी कार्य:

1. मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड की तलाईपल्ली कोयला खदान को बंद करने की योजना, खदान योजना और व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करना।
2. ईपीसी मॉडल पर जेवीआरओसी और केके1 ओसी, एससीसीएल में सीएचपी स्थापित करने के लिए परामर्श सेवा अनुबंध।
3. आरजीओसी3 6 सीएचपी में कोयला हैंडलिंग संयंत्र की स्थापना के लिए परामर्श सेवा अनुबंध। ईपीसी मोड पर आरजी2 क्षेत्र।

8.7 निविदा दस्तावेज की तैयारी:

1. बसुंधरा क्षेत्र कॉलोनी, एमसीएल के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और सीवेज नेटवर्क के लिए योजना और टर्नकी निविदा दस्तावेज तैयार करना।
2. मोहनपुर ओसीपी (पीएच-II), सालानपुर क्षेत्र, ईसीएल के कोयला हैंडलिंग प्लांट (2.5 एमटीवाई) के लिए एनआईटी, अनुमान (वॉल्यूम II और III) की तैयारी।
3. बोन्जेमेहारी ओसीपी, सालानपुर क्षेत्र, ईसीएल में 2X2MVA,11kV/3.3kV सबस्टेशन के निर्माण के लिए एनआईटी।
4. तापिन साउथ ओसीपी, हजारीबाग क्षेत्र, सीसीएल में 2X1.6MVA,11kV/3.3kV सबस्टेशन के निर्माण के लिए एनआईटी।
5. कृष्णशिला सीएचपी, एनसीएल में सेकेंडरी साइजर्स के लिए एनआईटी/निविदा दस्तावेज।
6. कांके रोड, सीसीएल में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के लिए एप्रोच पीक्यूसी रोड और चारदीवारी का निर्माण।
7. निगाही ओसीपी, एनसीएल में रेलवे साइडिंग, सीएचपी और ओबी डंप क्षेत्र की ओर जाने वाली सड़क के किनारे निश्चित जल छिड़काव प्रणाली (फॉग-मिस्ट) प्रकार की स्थापना की योजना।
8. रेलिगरा परियोजना, अरगडा क्षेत्र, सीसीएल के अंतर्गत मंगरधा नाला पर पुल का निर्माण।
9. एनसीएल की ब्लॉक-बी (विस्तार) परियोजना के पीआर के अनुसार वर्कशॉप और स्टोर के डिजाइन, इंजीनियरिंग, निर्माण और कमीशनिंग के लिए निविदा दस्तावेज (वाणिज्यिक और तकनीकी) तैयार करना।
10. जयन्त ओसीपी, एनसीएल की 10 एमटीवाई की वृद्धिशील सीएचपी के लिए निविदा दस्तावेज, अनुमान, ई-टेंडरिंग, ड्राइंग और डिजाइन जांच आदि की तैयारी।

11. कोनार ओसीपी (5 एमटीवाई), बीएंडके एरिया, सीसीएल के लिए डिजाइन, इंजीनियरिंग निर्माण और सेवा भवन (उत्खनन कार्यशाला) के कमीशनिंग के लिए एनआईटी की तैयारी।
12. दुधिचुआ परियोजना, एनसीएल के लिए ईटीपी और एसटीपी का संशोधन और एनआईटी की तैयारी।

8.8 योजना/रिपोर्ट की तैयारी:

1. हुरा-सी ओसी के लिए अनुकूलित एमडीओ दस्तावेज़ और परियोजना रिपोर्ट (एमडीओ संस्करण) तैयार करना।
2. एनसीएल में मिनी स्मार्ट सिटी/कॉलोनीयों के विकास हेतु डीपीआर तैयार करना।
3. एमसीएल में मिनी स्मार्ट सिटी/कॉलोनीयों के विकास हेतु डीपीआर तैयार करना।
4. अवधारणा नोट या योजना की तैयारी और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट की तैयारी में वैधान सीधी में नए स्मार्ट एनसीएल कार्यालय और स्मार्ट टाउनशिप के लिए वास्तुशिल्प और संबद्ध सेवाएं शामिल थीं।
5. नेहरू शताब्दी चिकित्सालय (एनएससी), अस्पताल, जयंत, एनसीएल में अपशिष्ट उपचार संयंत्र के लिए योजना की तैयारी।
6. बसुंधरा क्षेत्र कॉलोनी, एमसीएल के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और सीवेज नेटवर्क के लिए योजना और टर्नकी निविदा दस्तावेज तैयार करना।
7. बीओओ अवधारणा पर ढोरी कोकिंग कोल वाशरी सीसीएल के लिए पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन की तैयारी।
8. न्यू स्वांग कोकिंग कोल वाशरी सीसीएल के लिए प्री-फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करना।
9. मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड की तलाईपल्ली कोयला खदान को बंद करने की योजना, खदान योजना और व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करना।

10. बीना डीशेलिंग प्लांट के संशोधन के लिए अध्ययन रिपोर्ट और बीना डीशेलिंग प्लांट के संशोधन के लिए एनआईटी।
11. कृष्णशिला परियोजना, एनसीएल में आगामी 4 एमटीवाई सीएचपी में सेकेंडरी साइजर (-100 मिमी) की स्थापना के लिए योजना की तैयारी।

8.9 संरचनात्मक पर्याप्तता अध्ययन:

1. निगाही सीएचपी, एनसीएल का संरचनात्मक स्थिरता अध्ययन।
2. अमलोहरी सीएचपी, एनसीएल का संरचनात्मक स्थिरता अध्ययन।
3. जयंत, एनसीएल में सीएचपी संरचना के लिए संरचनात्मक स्थिरता

8.10 चित्र (साइट व्यू)



चित्र 1: जारंगडीह ओसीपी, कथारा क्षेत्र के सामुदायिक भवन



चित्र 2: अमरपाली-चंद्रगुप्त क्षेत्र, सीसीएल, चतरा जिला, झारखंड में महाप्रबंधक कार्यालय।





चित्र 3: बरका सयाल, रामगढ़ क्षेत्र, सीसीएल, झारखंड में आउटडोर स्टेडियम।

9.0 इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग सेवाएँ

मुख्यालय

9.1 खान योजना (बुनियादी ढाँचा) ➤ प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करना

✓ मुख्यालय

- कायदा-चौधर गरियापानी ओसी (4 एमटीवाई)
- हुरा सी (एमडीओ मोड)
- चंद्रगुप्त ओसी (15 एमटीवाई)
- जीवनधारा ओसी (2.5 एमटीवाई)

✓ क्षेत्रीय संस्थान II

- एकीकृत एनटीएसटी के लिए पीआर
- समामेलित ब्लॉक-II और शुद्ध बेनीडीह यू/जी खदान के लिए पीआर

✓ क्षेत्रीय संस्थान III

- अंगवाली ओसीपी
- चलकरी ओसीपी
- असनागड़ा ओसीपी
- अशोक ओ.सी.पी
- करो ओ.सी.पी
- हेसालोंग ओ.सी.पी

✓ क्षेत्रीय संस्थान V

- कुसमुंडा OC विस्तार (50-75 Mty)
- मानिकपुर ओसी विस्तार (3.5-6 एमटीवाई)
- बगदेवा यूजी
- मालाचुआ यूजी एमडीओ मोड
- सिंघली यूजी में सीएम तैनाती के लिए योजना की तैयारी (0.66 एमटीवाई)
- खैराहा यूजी में सीएम तैनाती के लिए योजना की तैयारी (1.40 मिलियन टन)
- दामिनी यूजी (0.72 एमटीवाई) में सीएम तैनाती के लिए योजना की तैयारी
- अमर्तीपुर ओसीपी (5 एमटीवाई), दुगापुर ओसीपी (4 एमटीवाई), तातापानी ओसीपी (3 एमटीवाई) और कटकोना यूजी (1.74 एमटीवाई) का यूसीई

✓ क्षेत्रीय संस्थान VII

- कुल्दा - गर्जनबहाल ओसीपी (40 एमटीवाई) के लिए अंतिम परियोजना रिपोर्ट
- बलभद्र ओसीपी के लिए एमडीओ पीआर (10 एमटीवाई)
- भुवनेश्वरी ओसीपी (50 एमटीवाई) के लिए एमडीओ पीआर
- अनंता ओसीपी के लिए आरपीआर (20 एमटीवाई)
- हिंगुला ओसीपी के लिए आरपीआर (20 एमटीवाई)

➤ परियोजना रिपोर्ट/लागत अनुमान का अद्यतनीकरण

✓ मुख्यालय

- ब्लॉक ई, बीसीसीएल का आरपीआर

9.2 कोयला प्रबंधन संयंत्र: ई-निविदा दस्तावेज तैयार करना:

✓ मुख्यालय

- कृष्णशिला सीएचपी, एनसीएल में सेकेंडरी साइजर की स्थापना के लिए ड्राफ्ट एनआईटी ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान II

- कुमारडीह बी के लिए सीएचपी का एनआईटी।
- आरएलएस के माध्यम से श्यामसुंदरपुर यू/जी और तिलबोनी यू/जी से कोयले के एकीकृत रेलवे प्रेषण की योजना।

✓ क्षेत्रीय संस्थान III

- पूर्णाडीह सीएचपी (7.5 एमटीवाई) के टर्नकी निष्पादन के लिए एनआईटी
- कारो सीएचपी (7.0 एमटीवाई) के टर्नकी निष्पादन के लिए एनआईटी (संशोधित दायरे के साथ)

✓ क्षेत्रीय संस्थान IV

- सस्ती ओसी परियोजना, बल्लारपुर क्षेत्र, डब्ल्यूसीएल (10 एमटीवाई)
- मकरधोकरा - I ओसी विस्तार परियोजना, उमरेर क्षेत्र, डब्ल्यूसीएल। (4.90 एमटीवाई।)
- शारदा यूजी परियोजना, कन्हान क्षेत्र, डब्ल्यूसीएल

✓ क्षेत्रीय संस्थान V

- अमादंड सीएचपी के लिए एनआईटी (4 एमटीवाई)
- कुसमुंडा ओसीपी में क्रशिंग और कन्वेइंग सिस्टम के लिए एनआईटी (10 एमटीवाई)

✓ क्षेत्रीय संस्थान VI

- खड़िया ओसीपी सीएचपी पर सेकेंडरी साइजर की स्थापना के लिए एनआईटी ।
- खड़िया ओसीपी सीएचपी (चरण-III) में 4 एमटीवाई के लिए एनआईटी ।
- अमलोहरी ओसीपी सीएचपी (10एमटीपीए) पर सेकेंडरी साइजर की स्थापना के लिए एनआईटी ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान VII

- कोठागुडम क्षेत्र में साइलो लोडिंग व्यवस्था के साथ वीके-7 कोयला हैंडलिंग प्लांट का अंतिम ई-एनआईटी

- मनुगुरु क्षेत्र, एससीसीएल में पीके ओसीपी कोल हैंडलिंग प्लांट का ड्राफ्ट ई- एनआईटी

9.3 वर्कशॉप एवं स्टोर: ई-निविदा दस्तावेज तैयार करना

✓ मुख्यालय

- ककरी के लिए एनआईटी डब्ल्यू/एस एवं स्टोर एक्सपेंशन , एनसीएल।
- कोनार ओसीपी, बीएंडके एरिया, सीसीएल में वर्कशॉप और स्टोर के लिए एनआईटी ।
- जारंगडीह ओसीपी (1.5 एमटीवाई), कथारा क्षेत्र, सीसीएल में कार्यशाला के लिए एनआईटी ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान VIII

- ई- एससीसीएल (बाहरी परामर्श) के तहत ईपीसी मोड पर केजीएम क्षेत्र में वीके7 सीएचपी के लिए निविदा दस्तावेज
- एससीसीएल (बाहरी परामर्श) के तहत ईपीसी मोड पर एमएनजी क्षेत्र में पीकेओसी सीएचपी पर 10 एमटीपीए कन्वेयर स्ट्रीम के लिए ई-निविदा दस्तावेज
- लखनपुर क्षेत्र (पीएच- II), 20 एमटीवाई में सीएचपी/एसआईएलओ के कार्य के लिए निविदा दस्तावेज और लागत अनुमान तैयार करना
- कोयला निकासी प्रणाली और 3 नगों के माध्यम से प्रेषण के लिए निविदा-दस्तावेज और लागत अनुमान तैयार करना। बरपाली बल्ब (40 एमटीवाई), बसुंधरा क्षेत्र में कुलदा -गर्जनबहाल ओसीपी के लिए एसआईएलओ की संख्या

9.4 सीएचपी/वर्कशॉप/सबस्टेशन के चित्रों की जांच/अनुमोदन

✓ मुख्यालय

- जयंत ओसीपी, एनसीएल में इंफ्रीमेंटल (15 एमटीवाई) सीएचपी की ड्राइंग जांच
- दुधिचुआ ओसीपी, एनसीएल में इंफ्रीमेंटल (10 एमटीवाई) सीएचपी के लिए ड्राइंग स्क्रूटनी



- ब्लॉक-बी सीएचपी (4.5 एमटीपीए इंक.), एनसीएल की ड्राइंग जांच
- झांजरा सीएचपी (5 एमटीपीए अतिरिक्त), ईसीएल की ड्राइंग जांच
- राजमहल सीएचपी (10 एमटीपीए), ईसीएल की ड्राइंग जांच
- कनिहा सीएचपी (10 एमटीपीए), एमसीएल की ड्राइंग जांच
- =हुरा -सी सीएचपी (3 एमटीपीए), ईसीएल की ड्राइंग जांच
- पाथरडीह , न्यू वाशरी , बीसीसीएल के बीओबीआर ट्रैक हॉपर की ड्राइंग जांच ।
- जयंत ओसीपी सेकेंडरी साइजर, एनसीएल की ड्राइंग जांच।
- आरजी ओसी 3 सीएचपी , एससीसीएल की ड्राइंग जांच
- सीडब्ल्यूएस जयंत ओसीपी (उन्नयन), एनसीएल की ड्राइंग जांच
- अमलोहरी ओसीपी, एनसीएल में 190टी डंपर मरम्मत कार्यशाला की ड्राइंग जांच ।
- जयंत ओसीपी, एनसीएल में 190टी डंपर मरम्मत कार्यशाला की ड्राइंग जांच
- ब्लॉक बी ओसीपी कार्यशाला, एनसीएल की ड्राइंग जांच

✓ क्षेत्रीय संस्थान I

- कुमारडीह बी के लिए सीएचपी की ड्राइंग स्कूटनी।

✓ क्षेत्रीय संस्थान II

- 5.0 एमटीवाई एनएलडब्ल्यू पाथरडीह के धुले उत्पादों के प्रेषण के लिए आरएलएस की ड्राइंग जांच धोबीघर .

✓ क्षेत्रीय संस्थान III

- कोनार सीएचपी की ड्राइंग जांच ।
- मगध सबस्टेशन की ड्राइंग स्कूटनी ।

- आमपाली सबस्टेशन की ड्राइंग स्कूटनी ।
- मगध ओवर हेड लाइन्स की ड्राइंग स्कूटनी ।
- आमपाली ओवर हेड लाइन्स की ड्राइंग स्कूटनी ।
- उत्तरी उरीमारी ओवर हेड लाइन्स की ड्राइंग संवीक्षा ।
- उत्तरी उरीमारी सबस्टेशन की ड्राइंग जांच ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान IV

- बरौद ओसी परियोजना में सीएचपी और साइलो की जांच ।
- मकरधोकरा- III) ओसी में सीएचपी और साइलो की जांच ।

क्षेत्रीय संस्थान V

- सीएचपी की ड्राइंग जांच:
 - क) छगेवरा चरण- II (30 एमटीवाई)
 - ख) छदीपका यंत्रीकृत साइडिंग (25 एमटीवाई)
 - ग) छल सीएचपी (6 एमटीवाई)
 - घ) मानिकपुर सीएचपी (5 एमटीवाई)
 - ड) कुसमुंडा चरण-III (40 मिलियन टन)
- गेवरा वर्कशॉप, एसईसीएल की ड्राइंग स्कूटनी
- सबस्टेशन की ड्राइंग जांच:
 - क) 3 नग. गेवरा ओसीपी में 33 केवी सबस्टेशन ।
 - ख) जगनाथपुर ओसीपी में 33 केवी सबस्टेशन ।
 - ग) छाल ओसीपी पर 33 केवी सबस्टेशन ।
 - घ) 3 नग. कुसमुंडा ओसीपी में 33 केवी सबस्टेशन ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान VI

- निगाही की ड्राइंग स्कूटनी एनसीएल का सीएचपी (10 एमटीपीए)।

- बीना सीएचपी (9.5 एमटीपीए) की ड्राइंग जांच।
- दुधुचुआ ओसीपी के घाट पर मैकेनाइज्ड लोडिंग सिस्टम की ड्राइंग जांच ।
- अमलोहरी ओसीपी में सीएचपी घाट दीवार साइडिंग की ड्राइंग जांच ।
- खड़िया ओबी सब-स्टेशन और बीना स्विचिंग सब-स्टेशन की ड्राइंग जांच ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान VII

- सारडेगा साइडिंग महालक्ष्मी क्षेत्र (20 एमटीवाई) में सीएचपी सर्ज बिन लोडिंग व्यवस्था के निर्माण के लिए ड्राइंग की जांच
- लाजकुरा साइडिंग, आईबी वैली एरिया (15 एमटीवाई) में सर्ज बिन लोडिंग व्यवस्था के साथ सीएचपी का निर्माण।
- भुवनेश्वरी ओसीपी पीएच-II (15 एमटीवाई) में साइलो लोडिंग व्यवस्था के साथ पाइप कन्वेयर के साथ सीएचपी के निर्माण के लिए ड्राइंग की जांच
- लखनपुर सीएचपी (पीएच- I) 10 एमटीवाई की ड्राइंग जांच
- सर्ज बिन लोडिंग व्यवस्था अनंता ओसीपी (20एमटीवाई) के साथ सीएचपी के निर्माण के लिए ड्राइंग जांच
- भुवनेश्वरी क्षेत्र में भुवनेश्वरी सीएचपी (यू/सी) - 10 एमटीवाई के टीआरएच से टीएच-2 तक कोयला परिवहन के लिए जांच की जा रही है।
- हिंगुला क्षेत्र के हिंगुला ओसीपी में टीएच-2 पर पाइप कन्वेयर के मुख्य सिरे से एसआईएलओ (निर्माणाधीन) तक कोयला परिवहन (10 एमटीवाई) के लिए सीएचपी के निर्माण की जांच

9.5 ऊर्जा लेखापरीक्षा और बेंचमार्किंग

- सत्तासी (87) नगों के लिए वार्षिक डीजल बेंचमार्किंग। मुख्यालय, रांची द्वारा निम्नलिखित सहायक कंपनियों के लिए सीसीएल (मुख्यालय) की ओपनकास्ट खदानें + 1

✓ मुख्यालय

- बीसीसीएल के 11 ओसीपी
- कुल मिलाकर 29 ओसीपी+सीसीएल
- ईसीएल के 7 ओसीपी
- एमसीएल के 12 ओ.सी.पी
- एनसीएल के 10 ओ.सी.पी
- एसईसीएल के 3 ओ.सी.पी
- डब्ल्यूसीएल के 15 ओसीपी

✓ क्षेत्रीय संस्थान III

- जारंगडीह ओसीपी, सीसीएल
- सिरका ओसीपी, सीसीएल
- चंद्रगुप्त ओसीपी, सीसीएल

✓ क्षेत्रीय संस्थान VI

- खड़िया ओसीपी, एनसीएल

➤ विस्तृत डीजल बेंचमार्किंग

✓ मुख्यालय

- गेवरा और कुसमुंडा ओसीपी, एसईसीएल

क्षेत्रीय संस्थान II

- गेवरा एवं कुसमुंडा (मुख्यालय परियोजना)

➤ विद्युत ऊर्जा ऑडिट एवं बेंचमार्किंग के लिए

✓ मुख्यालय

- दुधुचुआ ओसीपी, एनसीएल
- बीना ओसीपी, एनसीएल
- राजमहल ओसीपी, ईसीएल
- एबी ओसीपी, ब्लॉक-द्वितीय क्षेत्र, बीसीसीएल
- सीसीएल की 05 परियोजनाएं: परेज ईस्ट ओसीपी, ढोरी खास यूजी, रजरप्पा ओसीपी, गोविंदपुर पीएच- II ओसीपी

✓ **क्षेत्रीय संस्थान II**

- एबीओसीपी (विभागीय) और मधुबंद डी/जी सबस्टेशन

✓ **क्षेत्रीय संस्थान III**

- उत्तर उरीमारी ओसीपी, सीसीएल

✓ **प्रकाश सर्वेक्षण**

✓ **क्षेत्रीय संस्थान द्वितीय**

AKWMC मेरा

✓ **क्षेत्रीय संस्थान VI**

- जयन्त ओसीपी, एनसीएल
- बीना ओसीपी, एनसीएल
- कृष्णशिला ओसीपी, एनसीएल

9.6 विद्युत आपूर्ति एवं वितरण एवं नियंत्रण प्रणालियाँ

✓ **मुख्यालय**

- टैपिन साउथ, ओसीपी में 2x1.6 एमवीए, 11 केवी/3.3 केवी के निर्माण के लिए ड्राफ्ट एनआईटी
- गिद्दी में 33/11 केवी सब-स्टेशन के निर्माण हेतु ड्राफ्ट एनआईटी वाशरी सी.सी.एल
- बोन्जेमिहारी विस्तार ओसीपी, सालानपुर क्षेत्र, ईसीएल में 2x4 एमवीए, 11/3.3 केवी उप-स्टेशन के लिए ड्राफ्ट एनआईटी

✓ **क्षेत्रीय संस्थान I**

- श्यामसुंदरपुर यू/जी के लिए 2 एक्स 7.5 एमवीए, 33/3.3 केवी सब-स्टेशन के लिए ड्राफ्ट एनआईटी।

✓ **क्षेत्रीय संस्थान II**

- एकीकृत एनटीएसटी के लिए अनुमान एवं लेआउट ड्राइंग
- समामेलित ब्लॉक-II और शुद्ध बेनीडीह यू/जी खदान के लिए अनुमान और लेआउट ड्राइंग

✓ **क्षेत्रीय संस्थान III**

- 2x5 एमवीए, 33/6.6 केवी कोनार परियोजना सबस्टेशन के टर्नकी निष्पादन के लिए एनआईटी।
- 2x3.15 एमवीए, 33/6.6 केवी तेतारीखार परियोजना सबस्टेशन के टर्नकी निष्पादन के लिए एनआईटी।
- आमपाली ओसीपी पर 4 ओवरहेड लाइनों के टर्नकी निष्पादन के लिए एनआईटी ।

✓ **क्षेत्रीय संस्थान IV**

- मकरधोकरा ओसीएम (संशोधित) के लिए 33 केवी/11 केवी, 6.3 एमवीए और 33 केवी/6.6 केवी, 7.5 एमवीए सबस्टेशन।
- मुंगोली के लिए 33kV/6.6kV, 6.30 MVA सबस्टेशन निर्गुडा ओसी परियोजना।
- इंदर के लिए 33kV/6.6kV, 5.00 MVA सबस्टेशन कैम्पटी (डीप) ओसी प्रोजेक्ट (ड्राफ्ट एनआईटी)।

✓ **क्षेत्रीय संस्थान V**

- 33 केवी सबस्टेशन बरौद ओसीपी, रायगढ़ क्षेत्र के लिए एनआईटी
- 33 केवी सबस्टेशन मानिकपुर ओसीपी, कोरबा क्षेत्र के लिए एनआईटी
- 2X10 एमवीए, 33/6.6 केवी सबस्टेशन दीपका ओसीपी के लिए एनआईटी
- कुसमुंडा क्षेत्र में 33/6.6-3.3 केवी टाउनशिप सबस्टेशन के लिए एनआईटी

✓ **क्षेत्रीय संस्थान VI**

- खड़िया कॉलोनी सबस्टेशन के लिए एनआईटी ।

✓ **क्षेत्रीय संस्थान VII**

- नंदीरा सबस्टेशन से न्यू क्वारी तक 33 केवी ओवरहेड लाइन और न्यू क्वारी, जगन्नाथ ओसीपी, एमसीएल में नए 2x2.5 एमवीए, 33/3.3 केवी प्रोजेक्ट सबस्टेशन का निर्माण।

- नए 928 नगों के लिए 2 X 5 एमवीए, 33/6.6 केवी सबस्टेशन की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग के लिए ई-एनआईटी और लागत अनुमान। बसुंधरा टाउनशिप में निर्माणाधीन (जी+8) क्वार्टर
- गर्जनबहाल क्षेत्र में 2 X 10 एमवीए, 33/6.6 केवी सबस्टेशन के काम के लिए एनआईटी और लागत अनुमान तैयार करना।
- गर्जनबहाल एस/एस से सियारमल ओसीपी तक 33 केवी ओएचटीएल के निर्माण के लिए ई-एनआईटी और लागत अनुमान तैयार करना।
- लखनपुर ओसीपी की उत्तरी खदान के लिए 3x12.5 एमवीए, 33/6.6 केवी परियोजना सबस्टेशन और 33 केवी ओवरहेड लाइन के लिए ई-एनआईटी और लागत अनुमान तैयार करना।

9.7 सौर पहल

✓ मुख्यालय

- सीसीएल में विभिन्न स्थानों पर 5.02 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र (जमीन + छत के ऊपर) के लिए निविदा जारी की गई और जांच के अधीन है
- सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में 15.78 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए निविदा दस्तावेज प्रस्तुत किया गया।
- सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में 27 मेगावाट का सोलर पावर प्लांट लगाने की योजना स्वीकृत .

✓ क्षेत्रीय संस्थान III

- बरका-सयाल क्षेत्र में 5 मेगावाट (एसी) ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए परियोजना रिपोर्ट की तैयारी । (कोल इंडिया में पहली बार पुराने ओबी डंप पर) ।
- कथारा क्षेत्र में 6.25 मेगावाट (एसी) ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।

- मेगावाटपी (एसी) ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।

- लाइयो ओसीपी में 1.5 मेगावाटपी (एसी) ग्राउंड माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करना ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान V

- 100kWp की स्थापना एवं कमीशनिंग (30 छत पर केडब्ल्यूपी और पार्किंग शेड पर सुपर एलिवेटेड संरचना पर 70 केडब्ल्यूपी) क्षेत्रीय संस्थान-वी में चरण-द्वितीय सौर ऊर्जा संयंत्र और नेट जीरो एनर्जी कार्यालय भवन का दर्जा प्राप्त करना।
- सरायपाली ओसीपी, कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल में ग्रिड कनेक्टेड 800 किलोवाट (एसी) सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए रिपोर्ट तैयार करना

9.8 अन्य रिपोर्ट/निविदा दस्तावेज़/योजना

✓ मुख्यालय

- के लिए योजना निगाही ओसीपी, एनसीएल में सेंट्रल हॉल रोड पर ऑटो स्प्रिंकलिंग सिस्टम की शुरुआत ।
- एनसीएल की शक्ति का आकलन।
- मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड की तलाईपल्ली कोयला खदान को बंद करने की योजना, खदान योजना और व्यवहार्यता रिपोर्ट की तैयारी।
- एबी ओसी2 खदानों से नए 5 एमटीपीए एनएलडब्ल्यू, बीसीसीएल तक कन्वेयर की स्थापना के लिए व्यवहार्यता रिपोर्ट

✓ क्षेत्रीय संस्थान II

- आग से निपटने की योजनाएँ

✓ क्षेत्रीय संस्थान III

- दो वर्षों के लिए बरकाकाना और ओरला कैंप कार्यालय के व्यापक विद्युत रखरखाव" के लिए निविदा दस्तावेज की तैयारी
- बरकाकाना में आवासीय कॉलोनी के दो वर्षों के लिए व्यापक विद्युत रखरखाव" के लिए निविदा दस्तावेज की तैयारी



✓ क्षेत्रीय संस्थान V

- सरायपाली में बिजली संरक्षण प्रणाली के लिए जोखिम मूल्यांकन और पर्याप्तता अध्ययन के लिए रिपोर्ट तैयार करना ओसीपी, कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल।

✓ क्षेत्रीय संस्थान VII

- लखनपुर क्षेत्र में रोड सेल में पे लोडर लोडिंग को खत्म करने के लिए वैकल्पिक कोयला लोडिंग सिस्टम (4 एमटीवाई) के निर्माण के लिए योजना, ई-एनआईटी और लागत अनुमान
- कुल्दा से सरडेगा सीएचपी (यू/सी) तक स्वतंत्र टीआरएच और पाइप कन्वेयर के साथ कोयला निकासी प्रणाली (12.5 एमटीवाई) के काम के लिए योजना, एनआईटी और लागत अनुमान की तैयारी गर्जनबहाल ओसीपी

9.9 निरीक्षण सेवाएँ

- निर्माता के कार्यस्थल पर सभी सीआईएल सहायक कंपनियों द्वारा खरीदे गए संयंत्र और मशीनरी के लिए प्री-डिस्पैच निरीक्षण सेवाएँ
- वर्ष 2022-23 के लिए मुख्यालय और सभी आरआई सहित सीएमपीडीआई द्वारा सेवाओं से अर्जित राजस्व रु . लगभग 4.42 करोड़।

9.10 एनडीटी (गैर-विनाशकारी परीक्षण) नौकरियाँ

✓ मुख्यालय

- एनडीटी सेल, सीएमपीडीआई (मुख्यालय) के लिए स्टील वायर रस्सी के एनडीटी के लिए एनएबीएल मान्यता।
- मुख्यालय टीम के सहयोग से एनडीटी सेल-आरआई-6 लैब की एनएबीएल मान्यता।
- एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं में 10 नग सीएचपी की एनडीटी।
- एनसीएल और सीसीएल परियोजनाओं के एचईएमएम और अन्य पीएंडएम की एनडीटी।
- बल्लारपुर क्षेत्र, डब्ल्यूसीएल में हाइड्रोलिक उत्खनन (6 संख्या) की एनडीटी

- को एनडीटी कार्य और सीआईएल की सहायक कंपनियों की 48 परियोजनाओं के लिए रिपोर्ट तैयार करने के लिए 6.00 करोड़ रुपये (लगभग) प्राप्त हुए।

✓ क्षेत्रीय संस्थान VI

- ज्वाला ड्रैगलाइन, दुधिचुआ ओसीपी की एनडीटी

9.11 आईएसओ परामर्श:

✓ मुख्यालय

- आईएसओ/आईईसी 27001:2013 के लिए परामर्श कार्य - एनसीएल के लिए सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली कार्य ..
- मानकों के नवीनतम संस्करण में सीसीएल और एमसीएल के लिए पुनः प्रमाणीकरण पूरा हो गया।
- सीसीएल की 05 इकाइयों के लिए आईएसओ 50001:2018 के कार्यान्वयन और प्रमाणन परामर्श कार्य की शुरुआत।
- ईसीएल, सीसीएल, एनसीएल, एमसीएल और डब्ल्यूसीएल के लिए आईएमएस पोस्ट सर्टिफिकेशन समर्थन कार्य

9.12 अन्य प्रमुख नौकरियाँ

✓ मुख्यालय

- कोयला ब्लॉक लागत अद्यतनीकरण (ई एंड एम भाग)
- सीएमपीडीआई के आरआई द्वारा तैयार की गई परियोजना रिपोर्ट की जांच
- जयंत ओसीपी, एनसीएल के लिए ईटीपी (32एमएलडी) और सीईटीपी (8एमएलडी) के संशोधन के लिए ड्राफ्ट एनआईटी की जांच
- आवश्यकता पड़ने पर वाहन किराये पर लेने के लिए वाहन निविदा
- विभागीय एवं किराये के वाहनों का संचालन एवं विभागीय वाहनों का रख-रखाव

✓ क्षेत्रीय संस्थान II

- सीआईएल के लिए वार्षिक कोयला स्टॉक माप
- खदान बंद करने की योजना की तैयारी

- खनन योजना एवं खदान बंद करने की योजना:

क.महेशपुर

ख.निचितपुर

ग.बांसदेवपुर

घ.तेतुलमारी

ड.पूर्वी बसुरिया

च.क्लस्टर-III

छ.क्लस्टर-IV

ज.मुदीडीह

- आरआई-II के लिए वाहन किराये पर लेना
- बैटरी बैंक के साथ यूपीएस की स्थापना के लिए निविदा दस्तावेज और निविदा प्रक्रिया की तैयारी

✓ क्षेत्रीय संस्थान III

- करणपुरा कोलफील्ड्स (सीआईएल ब्लॉक) में ऊर्जा प्रबंधन योजना, ऊर्जा संरक्षण और हरित ऊर्जा का प्रावधान तैयार करना।
- करणपुरा कोलफील्ड्स (सीआईएल ब्लॉक) में ऊर्जा प्रबंधन योजना, ऊर्जा संरक्षण और हरित ऊर्जा का प्रावधान तैयार करना।
- करणपुरा कोलफील्ड्स (सीआईएल ब्लॉक) के लिए कोयला निकासी मास्टर प्लान के लिए इंटरैक्टिव मानचित्र तैयार करना ।
- करणपुरा कोयला क्षेत्रों के लिए कोयला निकासी मास्टर प्लान के लिए इंटरैक्टिव मानचित्र तैयार करना ।
- बोकारो कोलफील्ड्स के लिए कोयला निकासी मास्टर प्लान के लिए इंटरैक्टिव मानचित्र तैयार करना ।
- बोकारो कोलफील्ड्स के लिए कोयला निकासी मास्टर प्लान के लिए इंटरैक्टिव मानचित्र तैयार करना ।
- रामगढ़ कोयला क्षेत्रों के लिए कोयला निकासी मास्टर प्लान के लिए इंटरैक्टिव मानचित्र तैयार करना ।

✓ क्षेत्रीय संस्थान V

- कोरबा मास्टर प्लान की तैयारी , एसईसीएल।
- कोयला निकासी मास्टर प्लान की तैयारी, एसईसीएल।

10.0 नगर अभियंत्रण सेवाएँ

नगर अभियंत्रण विभागों के प्रमुख दायित्व इस प्रकार हैं:

- भवन अर्थात् कार्यालय भवन और आवासीय स्टाफ क्वार्टर्स का रख-रखाव, साफ-सफाई का रख-रखाव, स्वच्छ और हरा पर्यावरण आवश्यक बागवारी कार्य और खन-रखाव सहित।
- कार्यालय से संबंधित इलेक्ट्रीकल, इलेक्ट्रॉनिक और मैकेनिकल उपकरण का रख-रखाव और इसकी इन्वेंट्री का रख-रखाव
- सभी कार्यालय फर्नीचर का रख-रखाव
- आवश्यक उपाय कर जलापूर्ति प्रबंधन
- विद्युत् का बचाव और संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाकर विद्युत प्रबंधन
- इलेक्ट्रीसिटी बिल, टेलीफोन बिल, वाटर बिल और अन्य संविदात्मक भुगतान आदि के लिए प्राप्ति, चेकिंग और सुपुर्दगी को सुनिश्चित करना
- नगर निगम और जेबीवीएनएल जैसे वैधानिक निकायों के साथ संपर्क संबंधी कार्य।

सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) के टीई एंड सीएम डिवीजन में 2022-23 में पूंजीगत कार्य, चल रहे मरम्मत कार्य, विशेष मरम्मत कार्य और सीएसआर कार्य के तहत पूर्ण और चालू कार्य की सूची निम्नलिखित है:



क्र.सं.	कार्यों का नाम	कार्य मूल्य (रु .लाख में)
	Ongoing Works	
1.	सीएमपीडीआईएल कार्यालय और सेवा भवन, रांची का व्यापक रखरखाव।	551.74
2.	सीएमपीडीआईएल कॉलोनी, रांची में आवासीय क्वार्टरों और टाउनशिप का व्यापक रखरखाव।	564.09
3.	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची कार्यालय परिसर में एक वर्ष की अवधि के लिए पीने योग्य आरओ पानी उपलब्ध कराना।	4.86
4.	सीएमपीडीआईएल कॉलोनी कॉम्प्लेक्स, रांची (टर्नकी आधार) में जल उपचार संयंत्र (400 केएलडी) का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, स्थापना और कमीशनिंग और एक वर्ष की वारंटी अवधि के बाद 5 वर्षों के लिए व्यापक संचालन और रखरखाव (सीओएमसी)।	103.98
5.	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) परिसर, रांची में 'बी' प्रकार और 'ए' प्रकार की इमारतों में विट्रीफाइड टाइल्स फर्श और एल्यूमीनियम खिड़कियां प्रदान करना और बिछाना।	211.26
6.	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची में एकीकृत क्रशर क्षमता 500 किलोग्राम प्रति दिन के साथ स्वचालित निरंतर ड्रम कंपोस्टर की आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग।	58.64
	पूर्ण कार्य	
1	नंबर की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग। 11/0.433kV, 630 kVA ट्रांसफार्मर एवं 1 नं. सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) सबस्टेशन, रांची में 11 केवी, 800 एएमपी वीसीबी।	14.73
2	बरकाकाना की सीमा दीवार की मरम्मत और अन्य विविध सिविल कार्य ।	15.91
3	बहुमंजिला आवासीय इमारतों की बाहरी दीवारों से रिसाव नियंत्रण के लिए बाहरी दीवार पेंटिंग और अन्य विविध कार्य	24.89
4	सीएमपीडीआईएल परिसर, रांची में सेवा और कार्यालय भवनों की बाहरी मरम्मत और पेंटिंग का काम।	44.87
5	छज्जा की मरम्मत , बिरसा स्कूल, रांची में बाहरी पेंटिंग के साथ-साथ छत के रिसाव को रोकने का काम ।	29.42
6	सीएमपीडीआईएल परिसर, रांची में सिविल कार्यों के साथ बटरफ्लाई पार्क का विकास।	6.92
7	उपकरणों की सफल आपूर्ति और स्थापना के बाद न्यूनतम एक वर्ष की वारंटी के साथ सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची में ओपन जिम उपकरण प्रदान करना और स्थापित करना	7.95
8	उपकरण की सफल आपूर्ति और स्थापना के बाद न्यूनतम एक वर्ष की वारंटी के साथ सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची में चिल्ड्रन पार्क में खेल के मैदान उपकरण प्रदान करना और स्थापित करना।	8.91
9	2 नगों की आपूर्ति एवं स्थापना सहित पम्प हाउस का निर्माण। सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) परिसर, रांची में 25 एचपी मोनोब्लॉक पंप सेट	8.97
10	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय, रांची) में रेडियोधर्मी स्रोत भंडारण कक्ष का निर्माण।	3.28
11	सीएमपीडीआईएल, रांची में गोंडवाना हाउस के लिए हाइड्रोलिक मास्ट रोप प्रकार 350 किलोग्राम भार क्षमता वाले यात्री लिफ्ट जी+1 की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग	9.55
12	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) परिसर, रांची में गोंडवाना प्राथमिक विद्यालय का नवीनीकरण ।	40.40

Sl. No.	Name of works	Work Value (Rs. In lakh)
13	पिठोरिया और उरगुट्टू, रांची में सरकारी हाई स्कूल में दो शौचालय ब्लॉक का निर्माण (सीएसआर कार्य)।	35.34
14	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची (सीएसआर कार्य) के पास मिसिरगोंडा गांव में 2 शौचालय ब्लॉकों का निर्माण ।	36.98
15	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) परिसर, रांची (सीएसआर कार्य) के पीछे मिसिरगोंडा गांव में सौर स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति और स्थापना ।	2.70

11.0 अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएँ:

- कोयला क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को एक शीर्ष निकाय, स्थायी वैज्ञानिक अनुसंधान समिति (एसएसआरसी) के माध्यम से प्रशासित किया जाता है, जिसके अध्यक्ष सचिव (कोयला) होते हैं। इस शीर्ष निकाय के अन्य सदस्यों में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल), सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) और नेवेली लिग्नाइट कॉर्पोरेशन इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) के अध्यक्ष, खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस) के महानिदेशक (डीजी), वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के महानिदेशक, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि, सलाहकार ऊर्जा, नीति आयोग, निदेशक, सीआईएमएफआर, धनबाद शामिल हैं। निदेशक, टीईआरआई और एसएसआरसी की तकनीकी उप-समिति के अध्यक्ष। एसएसआरसी का मुख्य कार्य बजट की योजना बनाना, कोयला और लिग्नाइट क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करना, नई अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी देना, पूरी की गई परियोजनाओं के परिणामों की निगरानी करना और वास्तविक क्षेत्र की स्थिति में उनकी प्रतिकृति बनाना है।
- विभागाध्यक्ष (खनन) आईआईटी-केजीपी/आईआईटी-आईएसएम/आईआईटी-बीएचयू की अध्यक्षता में एक तकनीकी उप-समिति द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। उप-समिति भूमिगत खनन और ओपन कास्ट खनन से उत्पादन और उत्पादकता में सुधार, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण में सुधार, अपशिष्ट से धन, कोयले और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों के वैकल्पिक उपयोग, कोयला लाभकारी और उपयोग, अन्वेषण, नवाचार और स्वदेशीकरण (मेक-इन-इंडिया अवधारणा के तहत) आदि के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी/पद्धति से संबंधित नए अनुसंधान प्रस्तावों से संबंधित है।
- सीएमपीडीआईएल कोयला क्षेत्र में अनुसंधान गतिविधियों के समन्वय के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है, जिसमें अनुसंधान गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करना, उन एजेंसियों की पहचान करना जो पहचाने गए क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य कर सकते हैं, सरकारी अनुमोदन के लिए प्रस्तावों की जांच और प्रसंस्करण करना, अनुसंधान गतिविधियों के लिए बजट अनुमान तैयार करना, परियोजना की प्रगति के आधार पर कार्यान्वयन एजेंसियों को निधि का वितरण और परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी करना आदि शामिल हैं।
 - कुल संख्या शुरू की गई एस एंड टी परियोजनाओं की संख्या (31.03.2023 तक) - 408।
 - कुल संख्या पूरी हुई एस एंड टी परियोजनाओं की संख्या (31.03.2023 तक) - 334।

11.4. वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन

क. भौतिक प्रदर्शन

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कोयला एस एंड टी परियोजनाओं की स्थिति इस प्रकार है (अनुलग्नक-क):

01.04.2022 तक चालू परियोजनाएँ	-	11
एसएसआरसी द्वारा अनुमोदित परियोजनाएं	-	09
परियोजनाएं पूरी हुई	-	04
परियोजनाएँ समाप्त/जब्त कर दी गई	-	01
01.04.2023 तक चालू परियोजनाएँ	-	15

ख. वित्तीय प्रदर्शन:

बजट प्रावधान और वास्तविक व्यय नीचे दिखाए गए हैं:

(करोड़ रुपये में)

2021-22			2022-23 तक		
आरई	एमओसी से फंड प्राप्त हुआ	वास्तविक	आरई	एमओसी से फंड प्राप्त हुआ	वास्तविक
11.50	8.35	7.54	8.35	6.94	7.88*

*पिछले वर्ष की 0.95 करोड़ रुपये की अव्ययित निधि का उपयोग

अनुलग्नक -क

2022-23 के दौरान अनुमोदित कोयला मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एस एंड टी परियोजनाओं का नाम

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसियां	स्वीकृत लागत (लाख रुपये में)
1.	ऊर्जा भंडारण के लिए उच्च गुणवत्ता वाले ग्राफीन और कार्बन नैनो -कणों के उत्पादन के लिए निम्न श्रेणी के कोयले का उपयोग। [प्रोजेक्ट कोड: सीयू-59]	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (बीएचयू), वाराणसी, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापत्तनम, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, रांची	86.61
2.	कोयले के डीसल्फराइजेशन के लिए अल्ट्रासोनिक धुलाई। [प्रोजेक्ट कोड: सीपी-51]	आईआईटी, गुवाहाटी, अविनाशीलिंगम इंस्टीट्यूट फॉर होम साइंस एंड हायर एजुकेशन फॉर वुमेन (एआईएचएसएचईडब्ल्यू), कोयंबटूर, कुवेम्पु यूनिवर्सिटी, ज्ञानसह्याद्री, शंकरगढ़टा, तुमकुर यूनिवर्सिटी, वेंकटेश राव कॉलोनी, तुमकुरु और एनईसी, मार्गैरिटा	197.35
3.	बाल्टी पहिया उत्खनन में उपयोग किए जाने वाले बॉटम रोलर्स की असामयिक विफलताओं को रोकना और उनके जीवन को बढ़ाना। [प्रोजेक्ट कोड: एमटी-175]	अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं विकास केंद्र, एनएलसीआईएल, नेवेली, एनआईटी, त्रिची और आईआईएससी, बेंगलुरु	188.27
4.	भारत में कोयले के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से कम करने के लिए इष्टतम रणनीति पर अध्ययन। [प्रोजेक्ट कोड: एमटी-176]	स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज (एसआईएस), जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली	79.17

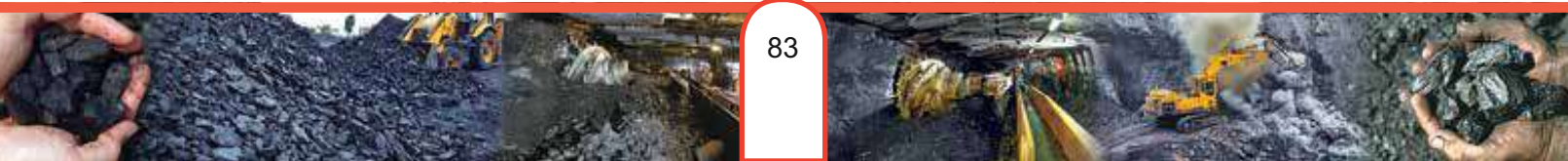
क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसियां	स्वीकृत लागत (लाख रुपये में)
5.	कोयला खदान मीथेन (सीएमएम) के संवेदनशील और चयनात्मक पता लगाने के लिए मल्टीवॉल्ट कार्बन नैनोट्यूब (एमडब्ल्यूसीएनटी) का इलेक्ट्रोस्टैटिक जमाव और क्रियाशीलता । [प्रोजेक्ट कोड: एमटी-177]	एमटी इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड स्टडीज (सामग्री और उपकरण), नोएडा	41.39
6.	Co2 कैप्चर के लिए छिद्रपूर्ण अवशोषक विकसित करने के लिए कोयला गैंग का उपयोग । [प्रोजेक्ट कोड: सीयू-60]	आईआईटी, कानपुर और बीसीसीएल, धनबाद	84.73
7.	सुरक्षा और उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से भूमिगत खदानों के खतरे की निगरानी के लिए एक उपकरण के रूप में सूक्ष्म-भूकंपीयता का उपयोग। [प्रोजेक्ट कोड: एमटी-178]	आईआईटी, खड़गपुर , सीएमपीडीआईएल, रांची और ईसीएल, सैंक्टरिया	199.78
8.	कोयले का बायोमेथेनाइजेशन [प्रोजेक्ट कोड- सीई-36]	विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू., वाराणसी	69.94
9.	बढ़ी हुई कोलबेड मीथेन रिकवरी और कार्बन पृथक्करण की संभावनाओं के लिए कोयला भंडार का जलाशय लक्षण वर्णन और संख्यात्मक मॉडलिंग। [प्रोजेक्ट कोड- सीई-35]	आईआईटी, बॉम्बे और सीएमपीडीआईएल, रांची	193.77

2022-23 के दौरान पूरा किया गया कोयला मंत्रालय (एमओसी) द्वारा वित्त पोषित एस एंड टी परियोजनाओं का नाम

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसियां	स्वीकृत लागत (लाख रुपये में)
1.	सीआईएल कमांड क्षेत्रों के भीतर सीएमएम संसाधन के निष्कर्षण के लिए क्षमता निर्माण। [प्रोजेक्ट कोड: सीई-32]	सीएमपीडीआईएल, रांची और सीएसआईआरओ, ऑस्ट्रेलिया	2392.79
2.	कनवल्शनल न्यूरोल नेटवर्क और हाइपरस्पेक्ट्रल छवियों पर आधारित कोयला गुणवत्ता अन्वेषण तकनीक का विकास [प्रोजेक्ट कोड: सीपी-50]	सीआईएमएफआर, नागपुर और श्री रामदेवबाबा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, नागपुर	103.59
3.	उच्च राख वाले भारतीय कोयले के लिए अप्रत्यक्ष कोयला गैसीकरण रिएक्टर की मॉडलिंग और डिजाइन । [प्रोजेक्ट कोड: सीई-34]	आईआईटी, मद्रास और सीएमपीडीआईएल, रांची	72.07
4.	कोयला खदान कामकाज में विभिन्न खनन विधियों के लिए स्तंभों/स्तंभों की श्रृंखला की डिजाइन और स्थिरता [प्रोजेक्ट कोड: एमटी-170]	सीआईएमएफआर, धनबाद , आईआईटी-आईएसएम, धनबाद , सीएमपीडीआईएल, रांची, एसईसीएल, बिलासपुर , बीसीसीएल, धनबाद और एससीसीएल, कोठागुडेम	562.29

11.2 कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं

- सीआईएल के इन-हाउस आर एंड डी कार्य के लिए, सीआईएल के अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक आर एंड डी बोर्ड है । आर एंड डी बोर्ड को सीआईएल के निदेशक (तकनीकी) की अध्यक्षता वाली एक शीर्ष समिति द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।



सीएमपीडीआईएल अनुसंधान गतिविधियों के लिए बजट अनुमान तैयार करने, नए परियोजना प्रस्तावों के मूल्यांकन और परियोजना की प्रगति के आधार पर कार्यान्वयन एजेंसियों को धन का वितरण, परियोजनाओं की प्रगति की उनके पूरा होने तक निगरानी करने और अनुसंधान निष्कर्षों के प्रसार आदि के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।

2. मार्च 2008 को आयोजित अपनी बैठक में सीआईएल के अनुसंधान एवं विकास बोर्ड और अनुसंधान एवं विकास बोर्ड की शीर्ष समिति को पर्याप्त शक्तियां सौंपी हैं। शीर्ष समिति को रु. तक की व्यक्तिगत अनुसंधान एवं विकास परियोजना को मंजूरी देने का अधिकार है। रुपये की सीमा के साथ 5.0 करोड़ मूल्य। सभी परियोजनाओं को मिलाकर 25.0 करोड़ प्रति वर्ष और सीआईएल आर एंड डी बोर्ड को प्रति वर्ष 500 करोड़ रुपये आवंटित करने और व्यक्तिगत आर एंड डी परियोजना को मंजूरी देने का अधिकार है। 50.0 करोड़.

• कुल संख्या शुरू की गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या (31.03.2023 तक) - 114

• कुल संख्या पूरी की गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की संख्या (31.03.2023 तक) - 71

3. 2022-23 के दौरान भौतिक और वित्तीय प्रदर्शन:

क. भौतिक प्रदर्शन:

2022-23 के दौरान सीआईएल अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की स्थिति इस प्रकार है:

क्र.सं.	पैरामीटर	मात्रा
1	01.04.2022 तक चालू परियोजनाएँ	30
2	2022-23 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएं	04
3	2022-23 के दौरान पूरी की गई परियोजनाएं	05
4	2022-23 के दौरान परियोजनाएं समाप्त/बंद हो गई	03
5	01.04.2023 तक चालू परियोजनाएँ	26

ख. वित्तीय प्रदर्शन:

विवेच्य अवधि के दौरान वास्तविक निधि संचितरण की तुलना में बजट प्रावधान नीचे दिए गए हैं:

2021-22		2022-23	
दोबारा	वास्तविक	होना	वास्तविक (31.3.2022 तक)
30.00	31.2	67.0	66.98 (अन-लेखापरीक्षित)

अनुलग्नक ख

सीआईएल द्वारा वित्त पोषित 2022-23 के दौरान मंजूरी दी गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं को

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसियां	स्वीकृत लागत (लाख रुपये में)
1.	हाईवॉल खनन व्यवहार्यता आकलन और लेआउट डिजाइन। (प्रोजेक्ट कोड: CIL/R&D/01/78/2022)	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची;	493.53
2.	वाशरी और प्रसंस्करण अपशिष्टों से सिरेमिक सामग्री के उत्पादन के लिए तर्कसंगत प्रौद्योगिकी का विकास। (परियोजना कोड: सीआईएल/आर एंड डी/04/17/2022)	सीआईएसआरओ, ऑस्ट्रेलिया और सीआईएल (मुख्यालय), कोलकाता	136.36

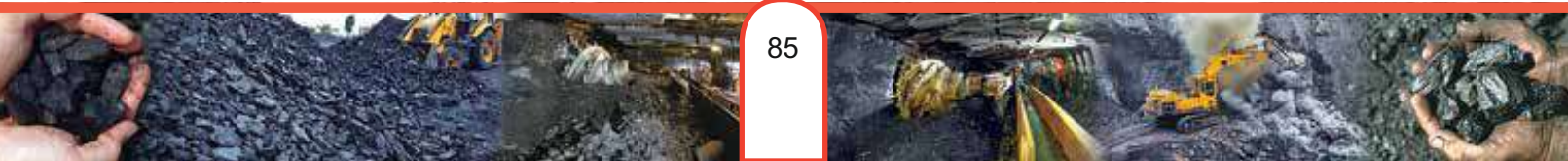
क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसियां	स्वीकृत लागत (लाख रुपये में)
3.	मुग्गा क्षेत्र, ईसीएल के श्यामपुर बी कोलियरी के लिए सतत खनिक (सीएम) की तैनाती द्वारा पेस्ट फिल प्रौद्योगिकी और निष्कर्षण पद्धति के लिए अग्रानुक्रम दृष्टिकोण का विकास। [परियोजना कोड: सीआईएल/आर एंड डी/04/18/2022]	बीआईटी, मेसरा और सीसीएल, रांची ईसीएल, सैंक्टोरिया और सीआईएमएफआर, धनबाद	4997.45
4.	नरम आवरण के नीचे खंभों को निकालने के लिए सुरक्षित विभाजन मोटाई और इष्टतम गोफ किनारे समर्थन आवश्यकता का आकलन। [परियोजना कोड: सीआईएल/आर एंड डी/01/79/2022]	आईआईटी (बीएचयू), वाराणसी, ईसीएल, सैंक्टोरिया, सीसीएल, रांची, और एसईसीएल, बिलासपुर	182.29

सीआईएल द्वारा वित्त पोषित 2022-23 के दौरान पूरी हुई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कार्यान्वयन एजेंसियां	स्वीकृत लागत (लाख रुपये में)
1.	भारत में ओपनकास्ट कोयला खदानों में ओवरबर्डन डंप की ऊंचाई बढ़ाने के लिए दिशानिर्देशों का विकास [परियोजना कोड: सीआईएल/आर एंड डी/01/64/2017]	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची और आईआईटी दिल्ली	442.81
2.	वाँशरी ग्रेड कोकिंग कोयले और तेल संचय के माध्यम से उच्च राख वाले गैर-कोकिंग कोयले से राख सामग्री (खनिज पदार्थ) को कम करने पर बेंच स्केल अध्ययन। [परियोजना का कोड: सीआईएल/आर एंड डी/02/09/2020]	एनएमएल, जमशेदपुर और सीएमपीडीआई एल (मुख्यालय), रांची	53.62
3.	मोबाइल मशीनरी के लागत प्रभावी सुरक्षित संचालन के लिए रियल-टाइम प्रोग्नोसिस सिस्टम (आरटीपीएस) का विकास और अपनाना: डम्पर बेड़े का शो-केस प्रदर्शन। [परियोजना कोड: सीआईएल /आर एंड डी/01/71/2019]	आईआईटी, खड़गपुर, सीआईएमएफआर, धनबाद, लूलिया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (एलटीयू), स्वीडन और ईसीएल, सैंक्टोरिया	440.30
4.	सुरक्षा के साथ बंद कोयला खंभों को निकालने वाली खुली खदानों में आग लगने की घटना की भविष्यवाणी करने में सक्षम करने के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मशीन लर्निंग समाधान विकसित करना। [परियोजना कोड: सीआईएल /आर एंड डी/05/01/2021]	आईआईटी-आईएसएम, धनबाद	25.99
5.	उपग्रह डेटा और जमीनी अवलोकन का उपयोग करके कोयला क्षेत्र क्षेत्र में क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए एक पद्धति का विकास। [परियोजना कोड: सीआईएल/आर एंड डी/04/08/2017]	सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), रांची और एनआरएससी, इसरो, हैदराबाद	709.82

12.0 विस्फोटन

सीएमपीडीआईएल ने नियंत्रित ब्लास्टिंग और कंपन अध्ययन, विस्फोटकों और सहायक उपकरणों के परीक्षण, विखंडन मूल्यांकन और एचईएमएम के लाभकारी उपयोग के लिए सुधार अध्ययन के क्षेत्र में मूल्य वर्धित सेवाएं प्रदान करने के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और क्षमताएं विकसित की हैं। सीएमपीडीआईएल का ब्लास्टिंग डिवीजन अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। हाई स्पीड कैमरा, इन-द-होल वीओडी माप के लिए डेटा ट्रैप-II, विपफ्रैग सॉफ्टवेयर द्वारा विखंडन मूल्यांकन और माप, जेके सिम्ब्लास्ट द्वारा ब्लास्ट सिमुलेशन और विस्फोटक और सहायक उपकरण परीक्षण करने के लिए उच्च नमूना दर के साथ उच्च आवृत्ति ऑसिलोस्कोप।



2022-23 के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड की विभिन्न सहायक कंपनियों और बाहरी एजेंसियों को प्रदान की गई तकनीकी सेवाएँ:

12.1 सीआईएल की सहायक कंपनियों में कार्य:

1. पूरे वर्ष के दौरान विस्फोटकों (थोक विस्फोटक, गैर-अनुमत बड़े व्यास (एनपीएलडी) और अनुमत छोटे व्यास वाले विस्फोटक (पीएसडी)) और सहायक उपकरण (नॉनल , डेटोनेटिंग फ्यूज, एमएस कनेक्टर, कॉर्ड रिले, पीईटीएन कास्ट बूस्टर, इमल्शन कास्ट बूस्टर, इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर और सीडीडी/सीईडी डेटोनेटर) का यादृच्छिक नमूनाकरण और परीक्षण:

- बीसीसीएल, सीसीएल, एमसीएल और एनईसी - सीएमपीडीआई एल (मुख्यालय) के ब्लास्टिंग डिवीजन द्वारा परीक्षण 27 रिपोर्ट
- ईसीएल - सीएमपीडीआई (मुख्यालय) और आरआई-आई, सीएमपीडीआईएल के ब्लास्टिंग सेल द्वारा परीक्षण किया गया। - 8 रिपोर्ट
- डब्ल्यूसीएल - आरआई-IV, सीएमपीडीआई एल के ब्लास्टिंग सेल द्वारा परीक्षण - 8 रिपोर्ट
- एसईसीएल- आरआई-V, सीएमपीडीआईएल के ब्लास्टिंग सेल द्वारा परीक्षण - 8 रिपोर्ट
- एनसीएल - आरआई-VI, सीएमपीडीआईएल के ब्लास्टिंग सेल एल द्वारा परीक्षण किया गया - 8 रिपोर्ट

2. बेंच मार्क पाउडर फैक्टर (BMPF) का निर्धारण

- सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) का ब्लास्टिंग डिवीजन :- 9 रिपोर्ट
- आरआई-I, सीएमपीडीआईएल का ब्लास्टिंग सेल :- शून्य
- आरआई-IV, सीएमपीडीआईएल का ब्लास्टिंग सेल :- 3 रिपोर्ट
- आरआई-VII, सीएमपीडीआईएल का ब्लास्टिंग सेल :- 2 रिपोर्ट
- आरआई-VI, सीएमपीडीआईएल का ब्लास्टिंग सेल :- शून्य
- आरआई-VII, सीएमपीडीआईएल का ब्लास्टिंग सेल :- शून्य

3. नियंत्रित ब्लास्टिंग एवं कंपन अध्ययन के लिए वैज्ञानिक अध्ययन:

- सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) का ब्लास्टिंग डिवीजन :- 7 रिपोर्ट
- आरआई-I, सीएमपीडीआई एल का ब्लास्टिंग सेल :- 1 रिपोर्ट
- आरआई-IV, सीएमपीडीआई एल का ब्लास्टिंग सेल :- शून्य
- आरआई-VII, सीएमपीडीआई एल का ब्लास्टिंग सेल :- 3 रिपोर्ट
- आरआई-VI, सीएमपीडीआई एल का ब्लास्टिंग सेल :- 1 रिपोर्ट
- आरआई-VII, सीएमपीडीआई एल का ब्लास्टिंग सेल :- 2 रिपोर्ट

4. कंपन अध्ययन की नियमित निगरानी

- एल (मुख्यालय) का ब्लास्टिंग डिवीजन :- 4 खदानें

12.2 सीएमपीडीआई (मुख्यालय) के ब्लास्टिंग डिवीजन द्वारा किए गए आउट-साइड कंसल्टेंसी कार्य

- एनएलसी इंडिया लिमिटेड की खदानों में विभिन्न निर्माताओं द्वारा आपूर्ति किए गए विस्फोटकों और सहायक उपकरणों का प्रदर्शन मूल्यांकन - 1 रिपोर्ट
- तालाबीरा II और III खदानों में विभिन्न निर्माताओं द्वारा आपूर्ति किए गए विस्फोटकों और सहायक उपकरणों का प्रदर्शन मूल्यांकन - 3 रिपोर्ट
- नए विस्फोटकों और सहायक उपकरणों का प्रदर्शन मूल्यांकन: - 6 रिपोर्ट

12.3 सीएमपीडीआई (मुख्यालय) के ब्लास्टिंग डिवीजन द्वारा किए गए विशेष कार्य

- सीआईएल की सभी सहायक कंपनियों के लिए विस्फोटकों और सहायक उपकरणों की खरीद के लिए आवश्यक एनआईटी के लिए तकनीकी विशिष्टताओं की तैयारी (2023-25)
- कोल इंडिया लिमिटेड की खदानों में उपयोग किए जाने वाले उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नए विस्फोटक उत्पादों का परीक्षण और गुणवत्ता जांच की गई।
- ओपनकास्ट माइन डंप पर ब्लास्टिंग का प्रभाव और ब्लास्ट प्रेरित कंपन और डंप डिजाइन के बीच संबंध का विकास नामक अनुसंधान एवं विकास परियोजना में प्रमुख-कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में कार्य करना।
- आरआई/सीआईएल के लिए रिपोर्टों की तकनीकी सहायता/परीक्षण।

13.0 प्रयोगशाला सेवाएँ

13.1 रासायनिक प्रयोगशाला

रासायनिक प्रयोगशाला प्रभाग ने 50,000 नमूनों (लक्ष्य का 100.55%) के लक्ष्य के मुकाबले 50274 नमूनों का विश्लेषण किया और 13,500 मीटर (लक्ष्य का 144.40%) के लक्ष्य के मुकाबले नमूना तैयार करने के लिए 19493.87 मीटर कोयला कोर संसाधित किया। नमूना विश्लेषण के मामले में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि 10.8% थी और कोयला कोर प्रसंस्करण के मामले में 30% थी। कोयला विशेषता अध्ययन 15 कोयला क्षेत्रों को कवर करने वाले 36 अन्वेषण ब्लॉकों से कोयला कोर नमूनों पर किया गया था।

13.2 कोयला पेट्रोग्राफी प्रयोगशाला

नमूनों का विश्लेषण किया गया। 40 नमूनों के दिए गए लक्ष्य के मुकाबले 30 नमूनों पर माइक्रो क्लीट अध्ययन किए गए। पेट्रोग्राफी विश्लेषण 15 कोयला क्षेत्रों को कवर करने वाले 24 ब्लॉकों के लिए किया गया था। पेट्रोग्राफी लैब डिवीजन ने पिछले साल की तुलना में 2.66% की वृद्धि दिखाई है।

13.3 कोयला तैयार करने वाली प्रयोगशाला

सीएमपी प्रयोगशाला कार्यों की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न कोयला क्षेत्रों के कोकिंग और गैर-कोकिंग कोयला नमूनों (प्रॉक्सीमेट विश्लेषण, जीसीवी, एचजीआई, केकिंग गुणों आदि सहित) के लिए Washability विश्लेषण में लगी हुई है। ये विश्लेषण बोर कोर कोयला नमूनों और आरओएम कोयले के लिए किए जाते हैं। 2022-2023 के दौरान कोयले के नमूनों की संख्या जिनका विश्लेषण किया गया है, नीचे दी गई है:

- क) बोर कोर कोयला नमूने - 11 Washability विश्लेषण के लिए नमूनों का परीक्षण किया गया
- ख) आरओएम कोयला नमूने - 12 Washability विश्लेषण के लिए नमूनों का परीक्षण किया गया
- ग) बीसीसीएल के कोयला नमूनों के कोकिंग कोयला गुणवत्ता पैरामीटर: 64

13.4 एमवी एवं एमटी प्रयोगशाला

सीएमपीडीआईएल की एमवी एंड एमटी लैब सर्विसेज एनएबीएल मान्यता और आईएसओ प्रमाणित प्रयोगशाला के साथ एक अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशाला है जो चट्टान और कोयले के मुख्य नमूनों पर उनके भौतिक-यांत्रिक गुणों का निर्धारण करने के लिए परीक्षण करती है। यह प्रयोगशाला मानक परीक्षण प्रक्रियाओं

का उपयोग करके नियमित आधार पर विशेष रूप से कोयला-माप चट्टानों के साथ-साथ कोयले के विभिन्न भौतिक-यांत्रिक संपत्ति परीक्षण कर रही है। वर्तमान में, विभिन्न कोयला क्षेत्रों की इस प्रयोगशाला में वर्ष 2022-23 के लिए लगभग 3600 मीटर की कुल कोर लंबाई का परीक्षण किया जाता है। चट्टानों और कोयले की परतों का कोर सीएमपीडीआईएल के विभिन्न ड्रिलिंग शिविरों से आता है जो भारतीय कोयला क्षेत्रों में कोयले की खोज में लगे हुए हैं।

विभिन्न भौतिक-यांत्रिक संपत्ति परीक्षणों के परिणामों को संकलित किया जाता है और उस कोयला ब्लॉक की भूवैज्ञानिक रिपोर्ट में शामिल करने के लिए सीएमपीडीआईएल के अन्वेषण प्रभाग को भेज दिया जाता है। कोयला ब्लॉक की भूवैज्ञानिक रिपोर्ट में शामिल कोयले और संबंधित कोयला-माप चट्टानों के भौतिक-यांत्रिक गुणों के परीक्षण परिणाम उस कोयला ब्लॉक के लिए परियोजना रिपोर्ट तैयार करते समय खदान योजनाकारों के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में काम करते हैं।

सीएमआर 2017 के विनियमन 123(1) के तहत वैज्ञानिक अध्ययन और स्तर नियंत्रण और निगरानी योजना (एससीएमपी)। स्तंभ स्थिरता अध्ययन, रॉक मास रेटिंग (आरएमआर) का निर्धारण और भूमिगत खदानों का समर्थन डिजाइन, भूमिगत खदानों के कैविटी इंडेक्स का निर्धारण। यहां नियमित रूप से किया जा रहा है। माइन वेंटिलेशन सर्वेक्षण, यूजी माइन की गैसनेस की डिग्री, यूजी फायर डीलिंग भी यहां की जा रही है।

क.रॉक यांत्रिकी:

3600 मीटर लंबाई वाले कोर का भौतिक-यांत्रिक गुण (पीएमपी) परीक्षण:

- (ए) बीएच नंबर सीएमपीबी-34, पतरातू ब्लॉक, साउथ करनपुरा कोलफील्ड का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण। (अप्रैल 2022)
- (बी) बीएच नंबर सीकेडब्ल्यूपी-423, अशोक करकट्टा पश्चिम चरण II ब्लॉक, एन.के.कोलफील्ड का भौतिक-यांत्रिक गुणों का परीक्षण। (जुलाई 2022)
- (सी) बीएच नंबर एमएईबीपी-26 (पी-34 पिचहरी ब्लॉक, ईस्ट बोकारो कोलफील्ड) का भौतिक-यांत्रिक गुणों का परीक्षण। (जुलाई 2022)
- (डी) बीएच नंबर सीएसएम-046 अमेलिया ब्लॉक,

पूर्वी सिंगरौली का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण। (अगस्त 2022)

(ई) कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल के बीएच नंबर एमडीएसबीएम-01, डेलवाडीह-सिंघाली-बगदेवा खदान का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण। (अगस्त 2022)

(एफ) कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल के बीएच नंबर एमडीएसबीएम-02, डेलवाडीह-सिंघाली-बगदेवा खदान का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण। (सितंबर 2022)

(जी) बीएच नंबर सीएसएएम050, अमेलिया ब्लॉक, सिंगरौली का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण। (सितंबर 2022)

(ज) बीएच नंबर एमएमजे-21, झुनकुंदर ओसीपी ब्लॉक, रानीगंज कोलफील्ड का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण।

(आई) हीराखंड बुंदिया खदान के सेक्टर ए1, सेक्टर ए, सेक्टर बी, सेक्टर सी, सेक्टर सी1 और आईबी सीम के कोयले के भौतिक-यांत्रिक गुणों का निर्धारण।

(जे) बीएच नंबर सीकेडब्ल्यूपी-435ए, अशोक करकट्टा पश्चिम चरण II ब्लॉक, एन.के. कोलफील्ड का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण।

(के) बीएच नंबर सीएसएसएन-346(एम-127), सिंहपुर नॉर्थ ब्लॉक, सोहागपुर कोलफील्ड का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण।

(एल) बीएच नंबर एपीएमएस-191(पीएन-84), मिर्जागांव ब्लॉक, राजमहल कोलफील्ड का भौतिक-यांत्रिक गुण परीक्षण

(एम) रानीगंज कोयला क्षेत्र के लखीमाता कापासारा मंडामन ब्लॉक के बीएच नंबर सीएमएलके-047 का भौतिक - यांत्रिक गुणों का परीक्षण

ख. स्तर नियंत्रण:

छह यूजी खदान की आरएमआर/एससीएमपी अध्ययन रिपोर्ट पूरी हो गई

(i) बगदेवा भूमिगत खदान, कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल के लिए SCAMP अध्ययन ।

(ii) ढोरी के इनक्लाइन 7 और 8 के लिए SCAMP अध्ययन खास कोलियरी, ढोरी क्षेत्र, सीसीएल।

(iii) धोरी खास कोलियरी, ढोरी क्षेत्र, सीसीएल के इनक्लाइन 4, 5 और 6 के लिए SCAMP अध्ययन

(iv) सिंघाली भूमिगत खदान, कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल के लिए SCAMP अध्ययन ।

(v) डेलवाडीह भूमिगत खदान, कोरबा क्षेत्र, एसईसीएल के लिए SCAMP अध्ययन

(vi) चुरी भूमिगत खदान, एनके एरिया, सीसीएल के लिए SCAMP अध्ययन ।

ग. खदान वेंटिलेशन/स्तंभ स्थिरता अध्ययन/यूजी फायर डीलिंग और खदान गैस सर्वेक्षण

(1) दो यूजी खदानों का खदान वेंटिलेशन

(i) गायत्री यूजी माइंस , एसईसीएल का वेंटिलेशन सर्वेक्षण ।

(ii) सावनेर यूजी माइंस , डब्ल्यूसीएल का वेंटिलेशन सर्वेक्षण

(2) दो यूजी खानों की स्तंभ स्थिरता

(i) वाघोडा यूजी प्रोजेक्ट, डब्ल्यूसीएल में विकसित स्तंभ के सुरक्षा कारक (एफओएस) का आकलन।

(ii) निमचा यूजी खदान , ईसीएल के लिए स्तंभ स्थिरता का अध्ययन ।

(3) दो यूजी खानों की परियोजना रिपोर्ट (पीआर)।

(i) एमडीओ मोड में मकरी / बोरका यूजी माइंस, एनसीएल के लिए पीआर

(ii) परासिया के लिए पीआर बेलबाद यूजी माइंस, ईसीएल।

घ. अनुसंधान एवं विकास और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कार्य

अनुसंधान एवं विकास

(क) बड़े पैमाने पर उत्पादन की वायु आवश्यकता प्रौद्योगिकी-पूर्ण

(ख) यूजी माइन (आईआईटी-आईएसएम)/सीएमपीडी आईएल की वर्चुअल माइन सिम्युलेटर लैब का विकास- कार्य प्रगति पर है

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

(क) कोयला खनन कार्य की विभिन्न खनन पद्धतियों के लिए स्तंभ विधि के स्तंभ/ एरिया की डिजाइन और स्थिरता । (सीआई

एमएफआर/आईआईटी (आईएसएम)/सीएमपीडी
आईएल- प्रगति पर

14.0 पर्यावरणिक सेवाएँ:

14.1 ईआईए/ईएमपी:

सीआईएल परियोजना:

वर्ष 2022-23 के दौरान पर्यावरण विभाग ने कुल 36 फार्म-1 (फार्म-पअ एव अप सहितद्ध तथा 30 ईएमपी का मसौदा तैयार किया। कुल 66 रिपोर्ट तैयार की गई।

बाहरी परियोजनाएँ

वर्ष 2022-23 के दौरान पर्यावरण विभाग ने तैयार की:

- नैनी कोयला खदान, मेसर्स एससीसीएल के लिए मृदा नमी संरक्षण (एसएमसी) रिपोर्ट ।
- उत्कल -ई कोयला खदान, मेसर्स यूसीएमआईपीएल के निकटवर्ती क्षेत्र में मृदा नमी संरक्षण (एसएमसी) उपायों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर)।
- राधिकापुर पूर्वी कोयला खदान, मेसर्स वेदांता एंटरप्राइजेज लिमिटेड के लिए लेवल-1 जलभृत और मृदा नमी संरक्षण (एसएमसी) अध्ययन।
- बिहार की 4 (चार) नदियों के लिए रेत पुनःपूर्ति अध्ययन रिपोर्ट, बिहार सरकार।
- उत्तर प्रदेश सरकार के उत्तर प्रदेश (यूपी) के 26 (छब्बीस) जिलों के लिए रेत पुनःपूर्ति अध्ययन रिपोर्ट।
- कार्बन पदचिह्न की मसौदा अध्ययन रिपोर्ट और कार्बन तटस्थता के लिए रोडमैप, मेसर्स एससीसीएल।

14.2 वायु, जल और शोर की पर्यावरण निगरानी

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ एंड सीसी) खनन परियोजनाओं को नियमित पर्यावरण निगरानी (आरईएम) आयोजित करने की शर्त के साथ पर्यावरणीय मंजूरी (ईसी) प्रदान करता है ताकि ईसी शर्तों के अनुपालन के लिए परियोजना स्तर पर खदानों के संचालन के

दौरान किये गए प्रदूषण नियंत्रण उपायों की प्रभावकारिता का पता लगाया जा सके।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान सीआईएल (ईसीएल-16, बीसीसीएल-17, सीसीएल-72, डब्ल्यूसीएल-84, एसईसीएल-69, एनसीएल-13 और एमसीएल-28) की 299 परियोजनाओं/क्लस्टरों/प्रतिष्ठानों की पर्यावरण निगरानी आसनसोल, धनबाद , नागपुर, बिलासपुर , भुवनेश्वर, हसदेव , जयंत और रांची में स्थित आठ पर्यावरण प्रयोगशालाओं के माध्यम से गई।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान एकत्र और विश्लेषण किए गए कुल नमूने: वायु: 122482 संख्या, शोर: 24820 संख्या +312 संख्या (दिन और रात + केवल दिन) और पानी: 19665 संख्या।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान पर्यावरण सेवाओं से अर्जित कुल राजस्व जीएसटी को छोड़कर 275.43 करोड़ रुपये (अनंतिम) है ।





पानी के नमूनों का विश्लेषण: सीएमपीडीआईएल, मुख्यालय में स्थापित पर्यावरण प्रयोगशाला और सीएक्यूएमएस का एक दृश्य

14.3 सीएमपीडीआई एल को ईआईए परामर्श संगठन के रूप में मान्यता

वाशरी क्षेत्र, अपतटीय और खनिजों के खनन क्षेत्रों के लिए भारतीय गुणवत्ता परिषद (पर्यावरण और वन मंत्रालय की एक नामित एजेंसी) द्वारा ईआईए मान्यता प्राप्त सलाहकार संगठन (एसीओ) के रूप में मान्यता प्राप्त है। कोल बेड मीथेन के ईआईए के लिए तटवर्ती तेल और गैस की खोज, विकास और उत्पादन। सीएमपीडीआईएल ईआईए और ईएमपी की तैयारी के लिए भारत में सबसे बड़ा मान्यता प्राप्त सलाहकार संगठन (एसीओ) है और इसके पास 80 से अधिक अनुमोदित विशेषज्ञ हैं।

14.4 सीएमपीडीआईएल पर्यावरण प्रयोगशाला का प्रत्यायन

को पहले से मौजूद दायरे में 21 नए मापदंडों को जोड़ने के साथ आईएसओ/आईईसी 17025:2017 मान्यता योजना के अनुसार प्रयोगशालाओं के परीक्षण और अंशांकन के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा फिर से मान्यता दी गई है। मान्यता 15 दिसंबर 2024 तक वैध है।

पर्यावरण प्रयोगशाला, सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) ने पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के तहत केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली द्वारा अपनी मान्यता को नवीनीकृत कर दिया है और यह 15 दिसंबर 2024 तक वैध है।

पर्यावरण प्रयोगशाला, सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) ने आईएस/आईएसओ 45001:2018 के अनुसार व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (ओएचएसएमएस) के लिए मान्यता प्राप्त कर ली है, जो 10 जुलाई 2025 तक वैध है।

आरआई-I, आसनसोल, आरआई-II, धनबाद, आरआई-IV, नागपुर, आरआई-V, बिलासपुर और आरआई-VII, भुवनेश्वर की पर्यावरण प्रयोगशालाओं को भी ISO/IEC 17025:2017 मान्यता योजना के अनुसार NABL से मान्यता प्राप्त है।

14.5 कोयला परियोजनाओं के लिए ईटीपी/एसटीपी/ एएमडी (आईडब्ल्यूएसएस) योजना

वित्तीय वर्ष के दौरान, निम्नलिखित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी)/एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (ईटीपी) संबंधित कार्य किए गए:-

1. 70 केएलडी ईटीपी, नेहरू शताब्दी की योजना चिकित्सालय (एनएससी) अस्पताल, सिंगरौली, एनसीएल।
2. सीवर नेटवर्क और 1.4 एमएलडी एसटीपी, बसुंधरा कॉलोनी, एमसीएल के डिजाइन की योजना।
3. 25 केएलडी ईटीपी, केंद्रीय अस्पताल, नईसारी, रामगढ़, सीसीएल के लिए योजना।
4. 25 केएलडी ईटीपी, केंद्रीय अस्पताल, गांधी नगर, रांची, सीसीएल के लिए योजना।
5. इसके अलावा, 2(दो) परियोजनाओं यानी बीना ओसीपी, एनसीएल के ईटीपी और बीना ओसीपी, एनसीएल के एसटीपी के लिए निविदा दस्तावेज (तकनीकी भाग) भी तैयार और प्रस्तुत किए गए थे।

14.6 कोयला खनन परियोजनाओं के लिए परियोजना रिपोर्ट का मूल्यांकन

13 कोयला खनन परियोजनाओं के लिए परियोजना रिपोर्ट का मूल्यांकन इस वर्ष में पर्यावरण प्रभाग द्वारा किया गया है।

14.7 नई धूल नियंत्रण प्रौद्योगिकी के लिए पेटेंट अनुमोदन

पर्यावरण प्रभाग, सीएमपीडीआईएल, रांची ने "धूल के उत्पादन और संचलन को नियंत्रित करने के लिए एक प्रणाली और विधि" का आविष्कार किया है और दिसंबर 2022 में पेटेंट संख्या 416065 के माध्यम से इसके लिए एक पेटेंट प्राप्त किया है।

इस प्रणाली का उपयोग खदानों, ताप विद्युत संयंत्रों, रेलवे साइडिंग, बंदरगाहों और निर्माण स्थलों में किया जा सकता है जहां कोयला या अन्य खनिज/भगोड़ी सामग्री खुले आसमान के नीचे संग्रहीत की जाती है। खुले स्रोतों से धूल उत्पादन को कम करने के अलावा, यह शोर क्षीणन भी प्रदान करेगा।

14.8 एमओसी की सहायता के लिए सतत विकास सेल

एमओसी के निर्देशानुसार एसडीसी नौकरियों के तहत सीएमपीडीआईएल ने निम्नलिखित रिपोर्ट तैयार की है और उन्हें प्रस्तुत किया है:

- भारत के G20 प्रेसीडेंसी के लिए कोयला मंत्रालय (MoC) के मार्गदर्शन में कोयला क्षेत्र में उचित परिवर्तन के लिए सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाएँ।
- एमओसी के लिए एसडीसी के तहत 2020-21 में कोयला खदानों में पर्यावरणीय स्थिरता की स्थिति सीएमपीडीआईएल द्वारा तैयार की गई है।
- एमओसी को सौंपी गई भारत की कोयला खदानों की हरित सांख्यिकी (वित्त वर्ष 2021-22) पर मसौदा रिपोर्ट को रिमोट सेंसिंग डेटा के साथ और अधिक प्रमाणित किया गया है।
- सीआईएल की उत्सर्जन तीव्रता में कमी पर ड्राफ्ट दृष्टिकोण नोट

14.9 विशेष अध्ययन एवं विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी/ अनुसंधान एवं विकास अध्ययन

- उपग्रह डेटा और जमीनी अवलोकन का उपयोग करके कोयला क्षेत्र में क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए कार्यप्रणाली के विकास के लिए एस एंड टी अध्ययन एनआरएससी, हैदराबाद के सहयोग से पूरा किया गया।
- यूजी कोयला खदानों के शीघ्र ईसी और एफसी पर संकल्पना नोट।

- आईआईटी-आईएसएम, धनबाद के सहयोग से अनंता ओसीपी, एमसीएल की पारिस्थितिकी की निरंतर निगरानी पर मसौदा रिपोर्ट
- सियारमल ओसीपी, एमसीएल का मृदा नमी संरक्षण अध्ययन
- केदला की पारिस्थितिकी एवं जैव विविधता प्रभाव आकलन नाला , सीसीएल
- भुवनेश्वरी ओसीपी, एमसीएल की वहन क्षमता पर अध्ययन
- गेवरा ओसीपी, एसईसीएल यानी क्षेत्र की वहन क्षमता अध्ययन, क्षेत्र के 15 किमी के भीतर संचयी प्रभाव मूल्यांकन, और पारंपरिक फावड़ा डम्पर विधि और सतह खनिक सह फावड़ा डम्पर का उपयोग करके डीजल खपत और सीओ 2 उत्सर्जन अध्ययन की तुलना के लिए विशेष अध्ययन किए गए। परियोजना के ओबी के लिए)

14.10 क्षमता निर्माण प्रशिक्षण क्षमता निर्माण प्रशिक्षण

पर्यावरण प्रभाग, सीएमपीडीआईएल ने 24 व्यक्तियों के लिए क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण का आयोजन किया। भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई), देहरादून में पारिस्थितिकी और जैव विविधता पर विभाग (मुख्यालय और आरआई सहित) के अधिकारी।

14.11 विश्व पर्यावरण दिवस का उत्सव

विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2022 को मुख्यालय और आरआई में मनाया गया। अनेक कार्यक्रम अर्थात. सीएमपीडीआईएल के कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण ध्वजारोहण, पर्यावरण शपथ ग्रहण, प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने पर एक सेमिनार और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए।





15.0 सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी।

इन-हाउस सहायता प्रदान करने के अलावा, सीएमपीडीआईएल का आईसीटी प्रभाग सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों को परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान किए गए कुछ प्रमुख कार्यों की रूपरेखा नीचे दी गई है।

15.1 संपूर्ण सीआईएल के लिए आईसीटी प्रभाग सीएमपीडीआईएल द्वारा विकसित और अनुरक्षित केंद्रीकृत सॉफ्टवेयर:

क. अनुबंध श्रम सूचना पोर्टल (सीएलआईपी) के लिए पोर्टल।

ख. कार्यकारी सूचना प्रणाली (ईआईएस)।

ग. PRIDE/PAR सहित ऑन-लाइन मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (HRMS)।

घ. सतर्कता निकासी प्रणाली/सतर्कता निगरानी प्रणाली।

ङ. सभी अधिकारियों के लिए वार्षिक संपत्ति रिटर्न प्रणाली।

च. बैंक कार्ड दर प्रणाली - कंपनियों की एफडी लगाने के लिए बैंकों से ब्याज दर कोटेशन आमंत्रित करती है।

छ. भूमिगत और खुली खदान क्षमता का आकलन।

ज. ऑनलाइन कोयला ब्लॉक सूचना प्रणाली।

झ. सीआईएल द्वारा निगरानी की जा रही परियोजनाओं के लिए माइन डेटा मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल (एमडीएमएस)। इसमें पर्यावरण मंजूरी (ईसी), वन मंजूरी (एफसी), भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्वास (आर एंड आर) आदि शामिल हैं।

ञ. एमडीएमएस के साथ एकीकृत वेब पोर्टल जिसका उपयोग पर्यावरणीय स्थिति और ईसी-एफसी अनुपालन संबंधी डेटा (पर्यावरणीय स्थिति जैसे परिवेशी वायु, शोर, पेयजल, सतही जल आदि) की निगरानी के लिए किया जाता है।

ट. एमडीएमएस के साथ एकीकृत वेब मॉड्यूल जिसका उपयोग सीआईएल स्तर पर 1 बीटी योजना की स्थिति की निगरानी के लिए किया जाता है।

ठ. नवीकरणीय ऊर्जा, पारिस्थितिकी और जैव विविधता की बहाली और कोयला क्षेत्र में सर्वोत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन के संबंध में एसडीसी योजनाओं के निर्माण के लिए एमडीएमएस पोर्टल के तहत सतत विकास सेल (एसडीसी)।

ड. साथियों (सीएमपीडीआई के क्षेत्रीय संस्थान), सीआईएल और परियोजनाओं की संबंधित सहायक कंपनियों द्वारा फॉर्म 1,2,3,4,5 और ईआईए/ईएमपी के संबंध में ईसी/एफसी जांच पर परिवेश पोर्टल का क्लोन।

ढ. एमओसी के लिए एक डैशबोर्ड, कोयला दर्पण।

ण. कॉलोनी रखरखाव पोर्टल (सीसीएमएस)।

15.2 ईआरपी को इसके 6 मॉड्यूल अर्थात् एचसीएम, एफआईसीओ, पीएम, पीएस, एमएम और एसडी के साथ सीएमपीडीआईएल में लागू किया गया है। रेलटेल कॉर्पोरेशन द्वारा मुख्यालय, डीसी और डीआर

में 100 एमबीपीएस बैंडविड्थ और आरआई में 40 एमबीपीएस बैंडविड्थ के साथ प्राथमिक एमपीएलएस कनेक्टिविटी स्थापित की गई है। मुख्यालय पर 100 एमबीपीएस बैंडविड्थ और आरआई पर 40 एमबीपीएस बैंडविड्थ के साथ माध्यमिक एमपीएलएस कनेक्टिविटी बीएसएनएल द्वारा स्थापित की गई है।

15.3 सीएमपीडीआईएल ने पूरे कोल इंडिया लिमिटेड के ई-ऑफिस को नए बुनियादी ढांचे में अपग्रेड किया है।

15.4 फाइबर ऑप्टिक बैकबोन के साथ स्थानीय क्षेत्र नेटवर्क का रखरखाव कर रहा है। सभी आरआई को एमपीएलएस वीपीएन सर्किट के माध्यम से सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) से जोड़ा गया है। सीएमपीडीआईएल के पास बीएसएनएल के माध्यम से 1 जीबीपीएस समर्पित इंटरनेट लीज्ड लाइन और रेलटेल के माध्यम से 1 जीबीपीएस सेकेंडरी आईएलएल है।

15.5 सीएमपीडीआईएल मुख्यालय और आरआई से चालान अपलोड करने के लिए एक पोर्टल जो सीआईएल सहायक कंपनियों को चालान डाउनलोड करने और उन्हें तुरंत संसाधित करने की सुविधा प्रदान करता है।

15.6 कार्यों/कार्य बिंदुओं की वास्तविक समय निगरानी के लिए, सीएमपीडीआईएल नामक एक डैशबोर्ड विकसित किया गया है।

15.7 सीएमपीडीआईएल के लिए ऑनलाइन क्वार्टर आवंटन पोर्टल विकसित किया गया है और कार्यान्वयन के लिए तैयार है।

15.8 इनोवेशन सेल

इनोवेशन सेल द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान किए गए कुछ प्रमुख कार्यों की रूपरेखा नीचे दी गई है।

1. डेटा एनालिटिक्स अनुप्रयोगों के लिए सीआईएल के सहयोग से तीन परियोजनाओं की पहचान की गई है। सीआईएल, सीसीएल और एनसीएल के साथ विभिन्न बैठकें आयोजित की गई हैं और इस विषय पर आईआईसीएम में एक कार्यशाला की व्यवस्था की गई है। सीएमपीडीआई के लिए दो उपयोग के मामले उपयोगकर्ता स्वीकृति परीक्षण (यूएटी) के अंतर्गत हैं।

2. ईआईए-ईएमपी रिपोर्ट तैयारी के तहत सामाजिक-आर्थिक रिपोर्ट तैयारी-आरआई-4,5 और 6 की 09 परियोजनाएं प्रस्तुत की गई हैं।

15.9 एस एंड टी और आर एंड डी परियोजनाएं :

1. लॉन्गवॉल शील्ड दबाव की निगरानी, विश्लेषण और व्याख्या के लिए आईओटी सक्षम प्रौद्योगिकी का स्वदेशी विकास- सिस्टम को झांजरा परियोजना, ईसीएल के लॉन्गवॉल पैनेल पर विकसित, स्थापित और निर्बाध रूप से चलाया गया है।

2. विस्फोट के छेद के वेग को मापने और क्षेत्र की स्थिति में विस्फोटक के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए स्वदेशी ऑप्टिकल फाइबर आधारित उपकरण का विकास- क्षेत्र परीक्षण का पहला चरण एनसीएल के जयंत परियोजना में सफलतापूर्वक किया गया है।

16.0 सूचना प्रबंधन प्रणाली

वर्ष 2022-23 के दौरान की गई महत्वपूर्ण गतिविधियाँ/कार्य इस प्रकार हैं:

16.1 त्रैमासिक पत्रिकाएँ " माइनटेक " एवं " गोंडवाना भारती" का प्रकाशन

वर्ष 2022-23 के दौरान उपरोक्त पत्रिकाओं के प्रत्येक चार अंक प्रकाशित किये गये हैं।

16.2 पत्रिकाओं का प्रेषण:

इन-हाउस वितरण के अलावा, वर्ष 2022-23 के दौरान दोनों पत्रिकाओं की लगभग 10000 प्रतियां MoC , CIL और इसकी विभिन्न सहायक कंपनियों (मुख्यालय, क्षेत्र और कोलियरी इकाई), विभिन्न संस्थानों और अन्य ज्ञात संगठनों को भेजी गई।

16.3 पुस्तक/ई-न्यूज़लेटर का प्रकाशन

2022-23 के दौरान निम्नलिखित पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है:

1. सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 के अवसर पर प्रकाशित सीवीसी/सीआईएल/एमओसी/ डीओपीटी /सीएमपीडीआई परिपत्रों और दिशानिर्देशों के सार-संग्रह की ई-पुस्तक।

2. सीएमपीडीआईएल की मीडिया योजना के तहत कोयला मंत्रालय द्वारा सौंपे गए कार्य के तहत सीएमपीडीआईएल का ई-न्यूज़-लेटर तैयार करना।

16.4 पुस्तक/ माइनटेक की बिक्री

सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों और बाहरी पार्टियों में तकनीकी पुस्तकों और हमारे इन-हाउस जर्नल ' माइनटेक ' की बिक्री, जब भी उनकी आवश्यकता होती है, की जाती है।

16.5 सोशल मीडिया गतिविधियाँ

जीएम (आईएमएस) को सीएमपीडीआईएल के सोशल मीडिया के नोडल अधिकारी के रूप में भी नामित किया गया है। सीएमपीडीआईएल का आधिकारिक फेसबुक पेज, ट्विटर हैंडल है और सीएमपीडीआईएल, सीआईएल और एमओसी की महत्वपूर्ण गतिविधियों को नियमित रूप से अपलोड किया जाता है। घरेलू गतिविधियों के अलावा, सरकार की महत्वपूर्ण जानकारी/उपलब्धियाँ। भारत के कोयला मंत्रालय को भी साझा किया जा रहा है। माननीय कोयला एवं खान मंत्री, भारत सरकार के कार्यालय से भी सोशल मीडिया गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। भारत की।

16.6 विशेष उपलब्धियाँ

1. माइनटेक के दो विशेष अंक यानी एक अनुसंधान एवं विकास पर प्रकाशित और दूसरा जी20 पर विशेष अंक प्रकाशन की प्रक्रिया में है। इसके अलावा हमारी इन-हाउस पत्रिका गोंडवाना भारती का एक विशेष अंक 2021-22 के दौरान सीएमपीडीआईएल द्वारा किए गए सीएसआर कार्यों पर प्रकाशित हुआ।
2. कोयला और लिग्नाइट क्षेत्र में कुछ पूर्ण अनुसंधान और विकास परियोजनाओं की झलक पर लौफलेट की पुनः छपाई की गई।

17 जागरूकता

17.1 सतर्कता जागरूकता सप्ताह

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड, रांची (कोल इंडिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी) के रांची स्थित मुख्यालय और उसके सभी सात क्षेत्रीय संस्थानों में 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) - 2022 मनाया गया।

रांची में सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) में 31.10.2022 को सुबह 11.00 बजे शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। श्री सुमीत कुमार

सिन्हा, सीवीओ, सीएमपीडीआईएल ने उपस्थित अधिकारियों का स्वागत किया।

श्री आरएन झा ने सभी अधिकारियों को शपथ दिलाई। सीएमपीडीआईएल के सभी क्षेत्रीय संस्थानों में संबंधित क्षेत्रीय निदेशकों द्वारा शपथ भी दिलाई गई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2022 के अवसर पर मुख्यालय स्तर एवं आरआई पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं। मुख्यालय स्तर पर, सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 के दौरान नीचे दी गई विभिन्न गतिविधियाँ की गईं:

आउट-रीच कार्यक्रम

1. स्कूल और कॉलेज के छात्रों (कक्षा IX-XII) के लिए वाद-विवाद प्रतियोगिता।
2. स्कूल और कॉलेज के छात्रों (कक्षा IX और XII) के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता।
3. नुक्कड़ रांची विश्वविद्यालय और रांची रेलवे स्टेशन पर नाटक।
4. विभिन्न स्कूलों के छात्रों के लिए वॉकथॉन (लगभग 100 छात्र), कक्षा IX-XII।
5. ग्राम सभा (ग्रामीणों के साथ सतर्कता जागरूकता का आयोजन)।
6. एफएम रेडियो के माध्यम से जागरूकता

मुख्यालय और आरआई-III में इन-हाउस कार्यक्रम

1. अधिकारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता।
2. गैर-कार्यकारियों के लिए भाषण प्रतियोगिता।
3. अधिकारियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।
4. कर्मचारियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।
5. सतर्कता जागरूकता पर कार्यशाला/संगोष्ठी।
6. कर्मिकों के वार्डों के लिए निबंध प्रतियोगिता (कक्षा VII से XII)।
7. कर्मचारियों की पत्नियों और महिला कर्मचारियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता।

मुख्य रूप से नवंबर, 2021 से अक्टूबर, 2022 के दौरान सीवीसी, डीओपीटी, एमओसी, सीआईएल और सीएमपीडीआईएल द्वारा जारी महत्वपूर्ण

परिपत्रों/एसओपी/कार्यालय आदेशों आदि पर ई-बुक का शुभारंभ और विभिन्न इन-हाउस और आउट रीच कार्यक्रमों के विजेताओं को पुरस्कार वितरण।

सीवीसी के निर्देशों के अनुसार, वीएडब्ल्यू -2022 के अग्रदूत के रूप में सीएमपीडीआई एल में तीन महीने के अभियान (16.08.2022 से 15.11.2022) में निवारक सह हाउसकीपिंग गतिविधियां आयोजित की गईं। सीएमपीडीआईएल प्रबंधन ने सीवीसी द्वारा पहचाने गए छह फोकस क्षेत्रों पर कार्रवाई की थी। ये छह क्षेत्र थे:

1. अद्यतनीकरण जिसके लिए आवश्यक स्वामित्व दस्तावेज/कंपनी के साथ पट्टा समझौता।
2. संगठन के भीतर विभिन्न इकाइयों/कार्यालयों में अप्रयुक्त संपत्तियों का निपटान।
3. एल में रिकार्ड प्रतिधारण/संरक्षण नीति को अपनाना ।
4. वेबसाइट का नियमित रखरखाव एवं अद्यतनीकरण । उपयोगकर्ता-अनुकूल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म बनाने की पहल।
5. अभियान अवधि के दौरान किए गए दिशा-निर्देशों/परिपत्रों/मैनुअलों का अद्यतनीकरण ।
6. सीवीसी कार्यालय/सीवीसी के अलावा अन्य से प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निपटान।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2022 और इसकी थीम “भ्रष्टाचार मुक्त भारत - विकसित भारत” (विकसित राष्ट्र के लिए भ्रष्टाचार मुक्त भारत) के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया।

सीएमपीडीआईएल के सात क्षेत्रीय संस्थानों में भी वीएडब्ल्यू, 2022 के अवसर पर इसी तरह के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

17.2 निवारक सतर्कता गतिविधियाँ

1. सीएमपीडीआईएल का सतर्कता विभाग प्रक्रियात्मक खामियों के साथ-साथ कंपनी को

होने वाले वित्तीय नुकसान को रोकने के लिए संविदात्मक नौकरियों/सामग्री खरीद के क्षेत्र में निवारक उपाय करने के लिए उन्मुख है। भ्रष्टाचार पर नजर रखने के लिए सतर्कता विभाग द्वारा किए गए औचक निरीक्षण/जांच के आधार पर निवारक उपाय सुझाए जाते हैं।

2. सीएमपीडीआईएल के विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों में ठेकेदारों को भुगतान, बुक बैलेंस के मुकाबले नकदी का सत्यापन, चिकित्सा दावों का सत्यापन, निविदा फाइलों की जांच आदि जैसे विभिन्न पहलुओं पर औचक जांच की गई।
3. सतर्कता विभाग द्वारा संवेदनशील विभागों की पहचान और लंबे समय से संवेदनशील पदों पर कार्यरत कर्मियों के स्थानांतरण/रोटेशन का सुझाव दिया गया है जिसे बाद में लागू किया गया है।
4. वार्षिक संपत्ति रिटर्न जांच और ऑडिट पैरा जांच।

17.3 सिस्टम सुधार के उपाय

1. सीवीसी, नई दिल्ली की सलाह के अनुसार एमबी में हेरफेर को रोकने के लिए पर्याप्त जांच के साथ दैनिक/आवधिक आधार पर माप कैप्चर करने के लिए डिजिटल एमबी विकसित किया जाएगा।
2. एल के कर्मचारियों को पारदर्शी तरीके से क्वार्टर आवंटन के लिए ऑनलाइन क्वार्टर आवंटन प्रणाली का प्रस्ताव किया गया है।
3. टाउन इंजीनियरिंग और आईसीटी विभाग के सहयोग से कंपनी के क्वार्टर के रखरखाव के मामले में शिकायतें दर्ज करने और निगरानी के लिए ऑनलाइन प्रणाली विकसित की जाएगी।
4. सीवीसी के निर्देशानुसार एवं सीआईएल की नीति के अनुसार संवेदनशील पदों पर कार्यरत अधिकारियों के रोटेशन की समीक्षा।

17.4 वीएडब्ल्यू, 2022 के दौरान सतर्कता गतिविधियों के :



वीएडब्ल्यू, 2022 के दौरान सीवीओ,
सीएमपीडीआई द्वारा स्वागत भाषण



श्री आरएन झा , निदेशक (आरडी एंड टी)
सीएमपीडीआईएल द्वारा शपथ प्रशासन



सीडीए नियम, 2022 और सीएमपीडीआईएल के
सीएसओ पर कार्यशाला



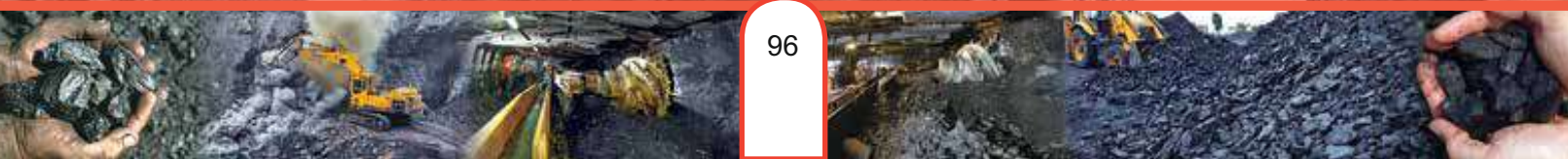
VAW, 2022 के दौरान
CMPDIL में क्विज़ प्रतियोगिता अधिकारी



VAW 2022 के दौरान छात्रों के लिए वॉकथॉन



VAW का समापन समारोह, 2022



18.0 जियोमैटिक्स

जियोमैटिक्स प्रभाग रिमोट सेंसिंग और सर्वेक्षण के क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करता है। प्रमुख कार्यो में भूमि पुनर्ग्रहण निगरानी, ओबी माप, वनस्पति आवरण मानचित्रण, भूमि उपयोग/कवर मानचित्रण, निपटान मानचित्रण, कोयला खदान अग्नि मानचित्रण, डीजीपीएस सर्वेक्षण, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण, भूमिगत सहसंबंध सर्वेक्षण, विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए ड्रोन आधारित सर्वेक्षण आदि शामिल हैं।

18.1 रिमोट सेंसिंग सेल

1. भूमि पुनर्ग्रहण निगरानी

सीएमपीडीआईएल उच्च रिज़ॉल्यूशन उपग्रह डेटा के आधार पर नियमित आधार पर सीआईएल खदानों की भूमि सुधार निगरानी कर रहा है। वर्ष 2022-23 में, कुल 110 परियोजनाओं की भूमि सुधार निगरानी, जिसमें 5 एमसीएम (कोयला + ओबी) श्रेणी से अधिक उत्पादन करने वाली 76 ओपनकास्ट परियोजनाएं और विभिन्न सहायक कंपनियों के तहत 5 एमसीएम (कोयला + ओबी) श्रेणी से कम उत्पादन करने वाली 34 खदानें / क्लस्टर शामिल हैं। सीआईएल पूरा हो गया है .

2. वनस्पति कवर मैपिंग

कोयला क्षेत्र क्षेत्र में भूमि उपयोग/वनस्पति कवर पर खनन के प्रभाव के आकलन के लिए उच्च रिज़ॉल्यूशन उपग्रह डेटा के आधार पर सीआईएल कोयला क्षेत्रों की वनस्पति कवर मैपिंग नियमित रूप से की जा रही है। 2022-23 के दौरान, छह कोयला क्षेत्रों की वनस्पति कवर मैपिंग वर्धा और कैम्पटी कोलफील्ड्स (डब्ल्यूसीएल), तालचेर कोलफील्ड (एमसीएल), बिश्रामपुर कोलफील्ड (एसईसीएल), झरिया कोलफील्ड (बीसीसीएल) और मकुम कोलफील्ड (एनईसी) का काम पूरा हो चुका है।

3. ईएमपी के लिए कोर एवं बफर जोन की भूमि उपयोग/कवर मैपिंग

उपग्रह डेटा के आधार पर सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों के तहत 32 परियोजनाओं के कोर और बफर जोन की भूमि उपयोग/कवर मैपिंग 2022-23 के दौरान पूरी हो गई है।

4. यूजी परियोजनाओं का भूमि उपयोग कवर मानचित्रण

एमओईएफ और सीसी अनुपालन के लिए एसईसीएल की 13 यूजी परियोजनाओं के

लीजहोल्ड क्षेत्र के लिए भूमि उपयोग कवर मानचित्र 2022-23 के दौरान पूरा किया गया ।

5. डीएसएस विश्लेषण

डीएसएस विश्लेषण कार्य, जो कोयला ब्लॉक नीलामी को ध्यान में रखते हुए महत्वपूर्ण है, कोयला ब्लॉकों के लिए जब और जब आवश्यक हो, आधार पर भी किया जा रहा है। डीएसएस विश्लेषण के माध्यम से, वन्य जीवन गलियारों, अभयारण्यों, पर्यावरण-संवेदनशील क्षेत्रों आदि से निकटता के संबंध में ब्लॉकों की पर्यावरणीय स्थिति का आकलन किया जाता है।

6. पीएम गति शक्ति परियोजना (राष्ट्रीय मास्टर प्लान)

कोयला मंत्रालय से संबंधित भास्कराचार्य राष्ट्रीय अंतरिक्ष अनुप्रयोग और भू सूचना विज्ञान संस्थान, गांधीनगर (बीआईएसएजी-एन) के साथ पीएम गति शक्ति और कोयला ब्लॉक सूचना पोर्टल के विकास का समन्वय और सुविधा प्रदान कर रहा है ।

7. कोयला खदान निगरानी और प्रबंधन प्रणाली

भास्कराचार्य नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस एप्लीकेशन एंड जियो इंफॉर्मेटिक्स, गांधीनगर (बीआईएसएजी-एन) के सहयोग से कोयला खदान निगरानी और प्रबंधन प्रणाली की साइट को सुचारू रूप से चलाने और अद्यतन रखने के साथ-साथ मासिक रिपोर्ट तैयार करने और प्रसारित करने की जिम्मेदारी है। चिंतित .

8. झारखंड में उपयुक्त सीए भूमि की पहचान

सीएमपीडीआईएल को झारखंड राज्य में प्रतिपूरक वनीकरण के लिए उपयुक्त वन भूमि की पहचान करने का काम सौंपा गया था। झारखंड वन विभाग के दिशानिर्देशों के आधार पर, सीएमपीडीआईएल ने झारखंड के सभी 24 जिलों में जीआईएस आधारित पद्धति विकसित करते हुए सीए उद्देश्यों के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान की है।

18.2 सर्वे

1. ड्रोन अनुप्रयोग

सीएमपीडीआई के पास स्थलाकृतिक मानचित्रण, कोयला खदान अग्नि मानचित्रण, वनस्पति कवर मानचित्रण, निपटान मानचित्रण, वृक्षारोपण ऊंचाई



मूल्यांकन और खनन से संबंधित अन्य गतिविधियों के लिए पूरी तरह से ड्रोन आधारित क्षमता है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान क्रियान्वित कुछ प्रमुख परियोजनाएँ इस प्रकार हैं:

- झरिया मास्टर प्लान के लिए झरिया कोलफील्ड, बीसीसीएल में अस्थिर स्थलों का भू-भाग मानचित्रण ,
- एमओईएफ अनुपालन के लिए सीसीएल की चार परियोजनाओं के लिए ड्रोन आधारित अधिग्रहण वास्तविक समय वीडियो फुटेज
- नवगठित ब्लॉक - सी, डी और ई झरिया कोलफील्ड्स, बीसीसीएल का भू-भाग मानचित्रण
- कुजू ओसीपी, सीसीएल में ड्रोन आधारित थर्मल सर्वेक्षण
- नाल्को, वेदांता और एससीसीएल के लिए मृदा नमी संरक्षण अध्ययन के लिए ड्रोन आधारित सर्वेक्षण
- डीपीडीएच ब्लॉक में डब्ल्यूबीपीडीसीएल के लिए ड्रोन आधारित सर्वेक्षण
- डन का उपयोग करके रेत पुनःपूर्ति अध्ययन ने प्री-मॉनसून और पोस्ट मॉनसून सीज़न के लिए 25 जिलों में डेटा प्राप्त किया।
- दीपका कॉलोनी, एसईसीएल का मानचित्रण ; रजरप्पा ओसीपी, सीसीएल; एना कोलियरी, बीसीसीएल

2. जाइरोस्कोपिक सर्वेक्षण

जियोमैटिक्स डिवीजन ने पश्चिम बंगाल के सिवोक-रंगपो रेल लिंक परियोजना में GYROMAT 3000 का उपयोग करके सुरंग संरेखण के लिए सफलतापूर्वक जाइरोस्कोपिक सर्वेक्षण किया है। (इरकॉन और आईटीडी सीमेंटेशन)

3. ओबीआर/ ओबी+कोयला माप

एमटीवाई से अधिक उत्पादन करने वाली सभी आउटसोर्स और विभागीय ओसी खानों का ओबीआर माप और 1 एमटीवाई (केवल किराए के पैच) से कम उत्पादन करने वाली ओसी खानों का वार्षिक माप पूरा हो चुका है और रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई है।

एनटीपीसी की दुलंगा और तलाईपल्ली कोयला खनन परियोजनाओं, टीएचडीसी की अमेलिया कोयला खनन परियोजना, महावीर कोल रिसोर्सज प्राइवेट लिमिटेड के रिजेक्ट यार्ड में ओजीएल/उत्खनन माप कार्य किया गया। लिमिटेड

4 डीजीपीएस सर्वेक्षण के कार्य

- बिहार की 4 नदियों अर्थात सोन, फल्गु , किऊल और चानन नदियों में डीजीपीएस पद्धति का उपयोग करके रेत पुनःपूर्ति अध्ययन पूरा हो चुका है।
- यूपी के बांदा जिले में यमुना, केन और बागीन नदियों के विभिन्न स्थलों पर रेत पुनःपूर्ति का अध्ययन पूरा हो चुका है।
- मेसर्स एनटीपीसी की बादाम कोयला खनन परियोजना के वन भूमि का डीजीपीएस सर्वेक्षण, ब्लॉक सीमा सीमांकन और भू-संदर्भित कैडस्ट्राल मानचित्र की तैयारी पूरी हो चुकी है।
- मंजूरी के आवेदन के लिए डीजीपीएस सर्वेक्षण मानचित्र की तैयारी और एनईसी के खनन पट्टों की केएमएल फाइलों की तैयारी पूरी हो चुकी है।
- हजारीबाग द्वारा उठाए गए प्रश्नों के अनुपालन के उद्देश्य से गांवों (देवगढ़ , अंगो और उरेज) को कवर करने वाले 557.49 हेक्टेयर क्षेत्र और मेसर्स एनएमडीसी लिमिटेड के ग्राम टोक्सिद में पहुंच सड़क सह रेलवे साइडिंग क्षेत्र का डीजीपीएस सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।
- सीसीएल की परियोजनाओं के लिए डीजीपीएस, केएमएल और भूमि उपयोग योजना की तैयारी (वार्षिक कार्य कार्यक्रम 2022-23 के अनुसार) - 20 परियोजनाएं पूरी हुईं।

- नए संगठित ओपनकास्ट ब्लॉक-एफ, झरिया कोलफील्ड्स में डीजीपीएस सर्वेक्षण
- मेसर्स एपीएमडीसी की ब्रह्मडीहा कोयला खदान का भू-संदर्भित मानचित्र/योजना तैयार करने के लिए डीजीपीएस सर्वेक्षण पूरा हो चुका है।

19.0 खनन इलेक्ट्रॉनिक्स

सीएमपीडीआईएल का खनन इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग व्यवहार्यता रिपोर्ट, विस्तृत डिजाइन रिपोर्ट तैयार करने में सेवाएं प्रदान करता है। टेक की तैयारी, विशिष्टता, बीओक्यू, और ऑपरेटर स्वतंत्रता ट्रक डिस्पैच सिस्टम (ओआईटीडीएस) के लिए बजटीय लागत और पात्रता मानदंड और संचार नेटवर्क स्थापित करने के लिए निविदा दस्तावेज, यू/जी और ओ/सी खानों के लिए पर्यावरणीय मापदंडों की टेलीमॉनिटरिंग। यह शॉवेल, डंपर और ड्रैगलाइन आदि के लिए आयातित/स्वदेशी एचईएमएम इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रण कार्डों की मरम्मत में सहायक कंपनियों को मूल्यवान सेवाएं भी प्रदान करता है। विभाग ने खदानों की उत्पादकता और सुरक्षा से संबंधित ओपन कास्ट और भूमिगत खदानों के लिए विभिन्न आर एंड डी/एस एंड टी परियोजनाएं भी शुरू की हैं। वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्य पूर्ण/परिचालन किये गये।

19.1 अनुसंधान एवं विकास/एस&टी परियोजनाएं

1. एमओसी एस एंड टी परियोजना - "ओपन कास्ट माइन के लिए ऑन-लाइन कोयला धूल दमन प्रणाली" - अशोक ओपनकास्ट माइन, सीसीएल। समापन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। कॉपी राइट सॉफ्टवेयर के लिए आवेदन किया है
2. एमओसी एस एंड टी परियोजना - "ओ/सी खानों में विफलता/ढलान अस्थिरता की भविष्यवाणी के लिए प्रारंभिक चेतावनी रडार प्रणाली का स्वदेशी विकास"-एसएआर को दुधुचुआ, एनसीएल में

सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। फ़ील्ड परीक्षण पूरा हो गया।

3. सीआईएल आर एंड डी परियोजना- "भूमिगत खदानों के लिए थ्रू द अर्थ (टीटीई) दो-तरफा संचार प्रणाली का स्वदेशी विकास"। समापन रिपोर्ट प्रस्तुत की गई। पेटेंट के लिए आवेदन किया।
4. छेद में विस्फोट के वेग (वीओडी) को मापने और क्षेत्र की स्थिति में विस्फोटकों के प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए एक स्वदेशी ऑप्टिकल फाइबर आधारित उपकरण का विकास। - चालू
5. मुद्रण द्वारा मोनोलिथिक पेट्रोव्स्काइट मॉड्यूल निर्माण का स्वदेशी विकास। - पेट्रोव्स्काइट मॉड्यूल और प्रयोगशाला परीक्षण का विकास।
6. खदान ढलान स्वास्थ्य निगरानी के लिए वास्तविक समय ऊर्जा कुशल साइबर-भौतिक बुद्धिमान प्रणाली। - सिस्टम डिजाइन और लैब स्केल परीक्षण।

19.2 पी एंड डी/एनआईटी/अन्य नौकरियां

1. सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों और बाहरी एजेंसियों की परियोजना रिपोर्ट में शामिल करने के लिए 24 यूजी और ओसी खदानों के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार पर अध्याय तैयार किए गए हैं।
2. अमलोहरी, निगाही, दुधुचुआ और खड़िया) में ऑपरेटर स्वतंत्रता ट्रक डिस्पैच सिस्टम (ओआईटीडीएस) के लिए तकनीकी विशिष्टता, बीओक्यू, और बजटीय लागत और पात्रता मानदंड।
3. आरआई-वी बिलासपुर कार्यालय भवन के लिए सीसीटीवी प्रणाली के लिए तकनीकी विशिष्टता। - प्रस्तुत



4. मांडू यूजी खदान, सीसीएल के लिए स्वचालन और संचार अध्याय । - प्रस्तुत।
5. सीएमपीडीआई पृथ्वी विज्ञान संग्रहालय के ऑडियो विजुअल मल्टीमीडिया सिस्टम का कार्य प्रगति पर है।

19.3. इलेक्ट्रॉनिक कार्डों की मरम्मत/परीक्षण

1. इलेक्ट्रॉनिक एचईएमएम नियंत्रण कार्डों की मरम्मत - 06 नग।

20.0 कोयला अभिलक्षण एवं प्रयोगशाला

20.1 रासायनिक प्रयोगशाला प्रभाग

1. **भौतिक उपलब्धि:-** रासायनिक प्रयोगशाला प्रभाग ने 50,000 नमूनों (लक्ष्य का 100.55%) के लक्ष्य के मुकाबले 50274 नमूनों का विश्लेषण किया और 13,500 मीटर (लक्ष्य का 144.40%) के लक्ष्य के मुकाबले नमूना तैयार करने के लिए 19493.87 मीटर कोयला कोर संसाधित किया। नमूना विश्लेषण के मामले में पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि 10.8% थी और कोयला कोर प्रसंस्करण के मामले में 30% थी।

कोयला विशेषता अध्ययन 15 कोयला क्षेत्रों को कवर करने वाले 36 अन्वेषण ब्लॉकों से कोयला कोर नमूनों पर किया गया था।

2. **बाहरी परामर्श कार्य:** बाहरी परामर्श कार्य के मूल्य में पिछले वर्ष की तुलना में 14% की वृद्धि देखी गई है।

3. **प्रयोगशालाओं का पैनेल बनाना:-** सीएमपीडीआईएल के सीएमपीडीआईएल के बीओडी के निर्देशों के अनुसार, कोयला कोर प्रसंस्करण क्षमता को और बढ़ाने के लिए, प्रयोगशाला ने वित्त वर्ष 2023-24 तक 02 वर्षों के लिए 20000 मीटर के कोयला कोर का विश्लेषण करने में सक्षम 02 निजी प्रयोगशालाओं को सूचीबद्ध किया है।

4. **मान्यता :-** सीसी लैब के रासायनिक प्रयोगशाला प्रभाग को जनवरी 2022 में 12 कोयला और कोक परीक्षण मापदंडों के लिए एनएबीएल मान्यता प्रमाण पत्र के साथ मान्यता दी गई है। इसका निगरानी ऑडिट मार्च'23 के महीने में सफलतापूर्वक किया गया था।

20.2 कोयला पेट्रोग्राफी प्रयोगशाला प्रभाग

1. **भौतिक उपलब्धि :-** 945 नमूनों के दिए गए लक्ष्य के मुकाबले पेट्रोग्राफिक अध्ययन के लिए कुल 965 नमूनों का विश्लेषण किया गया। 40 नमूनों के दिए गए लक्ष्य के मुकाबले 30 नमूनों पर माइक्रो क्लीट अध्ययन किए गए। पेट्रोग्राफी विश्लेषण 15 कोयला क्षेत्रों को कवर करने वाले 24 ब्लॉकों के लिए किया गया था। पेट्रोग्राफी लैब डिवीजन ने पिछले साल की तुलना में 2.66% की वृद्धि दिखाई है।

2. **मान्यता :-** पेट्रोग्राफी लैब के अधिकारियों ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अपने आईसीसीपी प्रमाणीकरण को सफलतापूर्वक नवीनीकृत किया है।

3. **एस एंड टी परियोजना से संबंधित कार्य:-** प्रयोगशाला ने कोयला और गैर-कोयला स्तर में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (आरईई) और अन्य आर्थिक संसाधनों का आकलन और एसिड खदान जल निकासी (एएमडी) के लक्षण वर्णन और इसके प्रदूषण नियंत्रण शीर्षक से एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना शुरू की है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र (एनईआर) कोयला क्षेत्र, भारत" पंजाब विश्वविद्यालय के साथ।

21.0 सामग्री प्रबंधन

वर्ष 2022-2023 के लिए वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की दिशा में की गयी गतिविधियों की मुख्य बातें इस प्रकार हैं:

21.1 आपूर्ति आदेश:

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	विवरण	वित्त वर्ष 2021-22	वित्त वर्ष 2022-23
1.	कुल खरीद मूल्य	77.42	92.41
2.	एमएसई से प्राप्त कुल मूल्य	47.23	72.85
3.	एमएसई से खरीद का प्रतिशत	61.00%	78.83%
4.	GeM पोर्टल के माध्यम से आपूर्ति आदेशों का मूल्य	56.99	81.69
5.	GeM से खरीद का प्रतिशत	73.60%	88.40%

टिप्पणी: 1. एमएसई से खरीद का प्रतिशत भारत सरकार के निर्धारित लक्ष्य 25% से काफी ऊपर है। ईडी (एम एंड सी), सीआईएल के पत्र संख्या सीआईएल/सी2डी/एमएसएमई/2022/169

दिनांक 01.06.2022 के माध्यम से प्रसारित एमएसएमई द्वारा वित्त वर्ष 2022-23 से सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों के लिए इस लक्ष्य को 35% तक बढ़ा दिया गया है। हालाँकि, एचईएमएम, आयरन एंड स्टील, पीओएल, विस्फोटक आदि जैसी कुछ छूट प्राप्त श्रेणियों के सामानों की खरीद के लिए कटौती, जो एमएसई की क्षमता से परे

हैं, प्रतिशत खरीद आंकड़ों पर पहुंचने के लिए सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों के लिए एमएसई से कुल खरीद मूल्य से भी कटौती की अनुमति दी गई है।

2. GeM से खरीद का प्रतिशत 25% के अनिवार्य लक्ष्य से काफी ऊपर है।

21.2 वित्त वर्ष 2023-24 का लक्ष्य :

क्र.सं.	विवरण	वस्तुएं	सेवाएं	कुल
1.	लक्षित खरीद	55.00	50.00	105.00
2.	एमएसई से लक्षित खरीद (कुल खरीद का लगभग 40%, सीएमपीडीआई द्वारा जारी निविदाओं में एमएसई की भागीदारी के अधीन)	22.00	20.00	42.00

22.0 मानव संसाधन विकास

वर्ष 2022-23 के दौरान, ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रशिक्षण/सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला आयोजित की गई है। सारांशित कथन इस प्रकार है:-

कार्यक्रमों	प्रतिभागियों की संख्या	कार्यक्रमों की संख्या	प्रशिक्षण के दिन	प्रशिक्षण मानव दिवस
आंतरिक	1276	47	170	4363
बाहरी	703	140	786	3810
आईआईसीएम	123	36	233	690
कुल	2102	223	1189	8863

22.1 स्टाफ ट्रेनिंग कॉलेज (एसटीसी) में प्रशिक्षण

प्रशिक्षण एवं विकास कार्मिकों के विकास का एक अभिन्न अंग है। इसलिए सीएमपीडीआईएल में यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि उनका समय विकास वर्षों तक जारी रहे। इस संबंध में 1276 कार्मिकों के लिए विभिन्न तकनीकी और गैर-तकनीकी विषयों पर ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से इन-हाउस प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। दिए गए कुछ महत्वपूर्ण प्रशिक्षण इस प्रकार हैं:-

1. माइनएक्स ट्रेनिंग (भूविज्ञानी)
2. MATLAB पर प्रशिक्षण
3. कोल बेड मीथेन के लिए जलाशय सिमुलेशन की अवधारणा में सीईडी अधिकारियों का प्रशिक्षण।
4. सीआईएल और गैर-सीआईएल के लिए सीएमपीडीआईएल में एमडीओ मोड में परियोजना रिपोर्ट तैयार करने पर कार्यक्रम
5. रोसाइंस सॉफ्टवेयर मॉड्यूल के उपयोग पर प्रशिक्षण
6. हाइड्रोजियोलॉजिकल अध्ययन और रिपोर्ट से संबंधित मानचित्रों को संसाधित करने के लिए एआरसी-जीआईएस सॉफ्टवेयर

7. उड़ान - A LEADERSHIP RETREAT

8. नव पदोन्नत कर्मचारियों के कौशल उन्नयन के लिए ई-ऑफिस/फाइल प्रबंधन और कंपनी नियम/विनियम पर प्रशिक्षण

9. आंतरिक लेखापरीक्षा कौशल प्रबंधन प्रणाली आईएसओ 9001 पर कार्यक्रम:2015 (क्यूएमएस)

10. अनुबंध प्रबंधन पर कार्यक्रम.

11. माइन क्लोजर-वर्तमान स्थिति और उभरते वैश्विक रुझान।

12. एससी एसटी एवं ओबीसी प्रावधान पर प्रशिक्षण।

22.2 आईआईसीएम में प्रशिक्षण

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, एचआरडी डिवीजन ने आईआईसीएम के वार्षिक कैलेंडर के अनुसार आईआईसीएम में प्रशिक्षण के लिए बड़ी संख्या में वरिष्ठ और मध्यम स्तर के अधिकारियों को नामांकित किया। नामांकन प्रशिक्षण आवश्यकता मूल्यांकन और एचआरआईएस प्लेटफॉर्म के आधार पर किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 123 अधिकारियों ने आईआईसीएम में ऑनलाइन/ऑफलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

22.3 बाह्य प्रशिक्षण

वर्ष भर अधिकारियों को तकनीकी/प्रबंधकीय कौशल उन्नयन से संबंधित प्रशिक्षण, सम्मेलन, कार्यशाला, कॉन्क्लेव और संगोष्ठी आदि में भाग लेने और नवीनतम तकनीकी विकास की बराबरी के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों/संस्थानों में भेजा गया है। इस वर्ष 703 अधिकारियों और कर्मचारियों ने भारत के विभिन्न स्थानों से ऑनलाइन/ऑफलाइन कार्यक्रमों में भाग लिया है।

कुछ संस्थानों के नाम जहां हमारे कर्मचारियों ने कार्यक्रमों में भाग लिया, वे इस प्रकार हैं:-

- भारतीय मानकीकरण ब्यूरो के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान, नोएडा
- आईएसएनटी, नई दिल्ली
- क्यूसीआई, जयपुर।
- आईसीएफआरई, देहरादून
- ओएनजीसी, देहरादून

- एएससीआई, हैदराबाद
- एनआईटीएस, नोएडा
- आईआईएम, कोलकाता
- आईआईएम, इंदौर
- आईआईएम, लखनऊ
- एक्सएलआरआई, जमशेदपुर
- सीजीडब्ल्यूबी, प्रशिक्षण विंग रायपुर
- एमआईटी, अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
- आईएसएनटी, जमशेदपुर, चैप्टर आदि।
- आरजीडब्ल्यूटीआरआई, रायपुर।
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागपुर
- जीएसआई फील्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, जयपुर

22.4 सीएमपीडीआईएल में इंटरनशिप प्रशिक्षण

मुख्यालय और सीएमपीडीआईएल के विभिन्न क्षेत्रीय संस्थानों में मानव संसाधन विकास प्रभाग द्वारा विभिन्न संस्थानों के छात्रों को ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन इंटरनशिप प्रशिक्षण दिया जा रहा है। 2021-22 के दौरान सीएमपीडीआईएल में कुल 130 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया है। छात्रों ने अपने संबंधित क्षेत्रों में 4-6 सप्ताह के लिए इन प्रशिक्षणों/परियोजना कार्यों को पूरा किया है। प्रशिक्षण/प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद और उनकी प्रोजेक्ट रिपोर्ट जमा करने पर, सफल समापन के लिए प्रमाण पत्र जारी किए जा रहे हैं।

प्रशिक्षण के लिए जिन संस्थानों से संपर्क किया गया वे हैं:-

- वीआईटी वेल्लोर,
- बी एच यू वाराणसी,
- बीआईटी रांची,
- आईआईटी (आईएसएम) धनबाद,
- एक्सआईएसएस रांची,
- आईआईटी भुवनेश्वर,
- केआईआईटी भुवनेश्वर,
- चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटना,
- आईआईटी खड़गपुर,
- एनआईटी राउरकेला आदि।

22.5 प्रशिक्षु अधिनियम 1961 के अनुसार प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण

अपरेंटिस अधिनियम 1961 के अनुसार, सीएमपीडीआईएल को ठेकेदार श्रमिकों सहित सीएमपीडीआईएल की औसत जनशक्ति का

न्यूनतम 2.5% लक्ष्य हासिल करना है (यानी 31 मार्च 2022 तक 4029)। सीएमपीडीआईएल ने 142 प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया है जो कि 3.52% है। इसमें 95 डिप्लोमा धारक और 40 डिग्री धारक और 07 फ्रेशर शामिल हैं जो विभिन्न विषयों जैसे मैकेनिकल, सिविल, कंप्यूटर विज्ञान, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, रसायन, खनन आदि में हैं और उन्हें वित्त वर्ष 2022-23 में सीएमपीडीआईएल के विभिन्न आरआई और मुख्यालय में रखा गया है।

नए प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सीएमपीडीआईएल को बेसिक ट्रेनर प्रोवाइडर (बीटीपी) के रूप में पंजीकृत किया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सीएमपीडीआईएल मुख्यालय में 07 नए प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया गया है।

22.6 उत्कृष्टता केन्द्र में प्रशिक्षण

प्रतिभा प्रबंधन और कैरियर प्रगति की निरंतरता में, सीएमपीडीआईएल ने भारत के उत्कृष्टता केंद्रों जैसे-आईआईटीएस, आईआईएम, एनआईटीएस, आईएसएनटी, एनपीसी, आईसीआई, आईआईआरएस, जीएसआई आदि में अपने अधिकारियों को कम से कम 1 सप्ताह का प्रशिक्षण प्रदान करके अपनी क्षमता बनाए रखी। सीएमपीडीआईएल वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उत्कृष्टता केंद्र में 229 अधिकारियों यानी (892 अधिकारियों की कुल श्रमशक्ति का 25.7%) को प्रशिक्षण दिया गया।

23.0 श्रमशक्ति और कल्याण गतिविधियाँ

23.1 जनशक्ति की स्थिति:

विवरण		31 मार्च, 2022 तक	31 मार्च 2023 तक
अधिकारी		795	815
कर्मचारी	मासिक रेटेड	1002	943
	दैनिक रेटेड	1149	1095
	पीस रेटेड	02	02
	कुल योग	2948	2855

23.2 कल्याणकारी गतिविधियाँ

क्रमांक	आयोजन	तारीख
01	अंबेडकर जयंती 2022 का आयोजन	14-अप्रैल-22
02	आतंकवाद विरोधी दिवस का आयोजन	21-मई-22
03	कर्मचारियों के वार्ड के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन	जून 2023
04	स्वतंत्रता दिवस	15-अगस्त-22
05	हर घर तिरंगा	अगस्त 2022
06	सेलिब्रिटी फुटबॉल मैच	15-अगस्त-22
07	महात्मा गांधी की जयंती	2-अक्टूबर-22
08	फिट इंडिया फ्रीडम रन	2-अक्टूबर-22

22.7

विशेष कार्यक्रमों के साथ विशेष उपलब्धियाँ

- माइन क्लोजर -वर्तमान स्थिति और उभरते वैश्विक रुझानों पर 3 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम विशेष रूप से पर्यावरण पेशेवरों के अभ्यास के लिए डिज़ाइन किया गया था ताकि खनन गतिविधियों के क्षेत्र के आसपास पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने की चुनौतियों का सामना किया जा सके।
- ओएनजीसी देहरादून में 75 सीएमपीडीआईएल फील्ड कर्मियों (कार्यकारी और गैर-कार्यकारी दोनों) के लिए ड्रिलिंग द्रव प्रौद्योगिकी पर एक बुनियादी पाठ्यक्रम, जिन्हें उपयुक्त मिट्टी रसायनों और नियंत्रित ड्रिलिंग परिचालन पैरामीटर का उपयोग करके ड्रिलिंग ऑपरेशन के दौरान गैर-उत्पादक समय को कम करने के लिए कुछ वैज्ञानिक तकनीकों से अवगत कराया जाना चाहिए।
- उड़ान : एक लीडरशिप रिट्रीट - बढ़ते बदलावों, व्यवधानों और बाजार प्रतिस्पर्धा की तीव्र दर का सामना करने वाले सभी आरडी/जीएम और एचओडी के लिए सीएमपीडीआईएल के आसपास दो दिवसीय इनडोर/आउटडोर अनुकूलित कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

क्रमांक	आयोजन	तारीख
09	एकता दौड़	31-अक्टूबर-22
10	संविधान दिवस	26-नवंबर-22
11	सांप्रदायिक सौहार्द	23-नवंबर-22
12	सीआईएल स्थापना दिवस	1-नवंबर-22
13	स्थापना दिवस पर दसवीं और बारहवीं कक्षा के मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति	1-नवंबर-22
14	इंटर सीआईएल और आरआई टूर्नामेंट के लिए मुख्यालय टीम का चयन करने के लिए चयन ट्रायल	अप्रैल 2022 से दिसंबर 2022
15	सीआईएल ब्रिज टूर्नामेंट	10-जनवरी-23
16	गणतंत्र दिवस का भव्य समारोह	26-जनवरी-23
17	अपने कर्मचारियों के लिए सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन	अप्रैल 2022 से मार्च 2023
18	भारत सरकार/एमओसी/सीआईएल/डीपीई आदि के निर्देशों के अनुसार विभिन्न दिशानिर्देशों का कार्यान्वयन	

23.3 वर्ष 2022-23 हेतु अधिकारी स्थापना से संबंधित प्रमुख जानकारी

क्र.सं.	वार्षिक कार्य योजनाकृत	कार्रवाई
1	टर्मिनल लाभ का निपटान	28
2	जीवन बीमा योजना का भुगतान	01
3	सीपीआरएमएसई के तहत मेडिकल कार्ड जारी करना	35
4	सेवानिवृत्ति पर अवकाश नकदीकरण प्राप्त हुआ	30
5	समायोजन	25
6	प्रक्रिया के अधीन	5
7	मेडिकल रेफर केस	203

23.4 वर्ष 2022-23 के दौरान आरटीआई से संबंधित जानकारी

क्र.सं.	कार्य विवरण	कार्रवाई
1	प्राप्त आवेदनों की कुल संख्या	184
2	वर्ष के दौरान आवेदनों का निपटारा किया गया	203
3	प्रक्रिया के तहत	17
4	वर्ष के दौरान प्राप्त अपील	5
5	निस्तारित अपील	5
6	शेष	00
7	सीआईसी (दूसरा अपील आवेदन प्राप्त)	5
8	सीआईसी अपील का निपटारा	5

23.5 वर्ष 2022-23 के दौरान सीपीजीआरएम से संबंधित जानकारी

क्र.सं.	शिकायत स्रोत	कुल आवेदन प्राप्त हुआ	आवेदन का निराकरण किया गया	शेष/ प्रक्रियाधीन
1	स्थानीय/इंटरनेट	19	19	0
2	पेंशन	0	0	0
3	पीएमओ	0	0	0

23.6 वर्ष 2022-23 के दौरान वीआईपी संदर्भ से संबंधित जानकारी

क्र.सं.	शिकायत स्रोत	कुल आवेदन प्राप्त हुआ	आवेदन का निराकरण किया गया	शेष/ प्रक्रियाधीन
1	स्थानीय/इंटरनेट	31	31	0

23.7 वर्ष 2022-23 के दौरान पेंशन की स्थिति

क्र.सं.	वर्ष के दौरान प्राप्त कुल मामले	समायोजित	समायोजित	लंबित	शेष प्रक्रियाधीन
			सीएमपीडीआईएल	सीएमपीएफओ	
1	151	104	6	41	

23.8 वर्ष 2022-23 के दौरान कर्मचारियों से संबंधित जानकारी:

SI No	वार्षिक कार्य योजना	कार्रवाई की
1	टर्मिनल लाभ का निपटान	79
2	जीवन बीमा योजना का भुगतान	14
3	सीपीआरएमएसएनई के तहत मेडिकल कार्ड जारी करना	94
4	सेवानिवृत्ति पर अवकाश नकदीकरण प्राप्त हुआ	94
5	समायोजित	79
6	प्रक्रिया के तहत	15
7	मेडिकल रेफर केस	572

23.9 राजभाषा:

आपकी कंपनी समीक्षाधीन अवधि में कोयला मंत्रालय, गृह मंत्रालय (राजभाषा विभाग), कोल इंडिया लिमिटेड तथा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के निर्देशों का पालन करना जारी रखी और राजभाषा अधिनियम, राजभाषा नियमों के सांविधिक प्रावधानों को लागू करने में सतत् प्रयत्नशील रही और कार्यालयीन कार्य में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के लिए बहुआयामी प्रयास करती रही।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान आपकी कंपनी ने गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, नई दिल्ली द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित पत्राचार के लक्ष्य को 'ग' क्षेत्र में प्राप्त कर लिया तथा 'क' और 'ख' क्षेत्र में भी पत्राचार का लक्ष्य प्राप्त करने के बहुत नजदीक रही।

इसके अलावे राजभाषा अधिनियम की धारा 3 (3) के तहत जारी दस्तावेज, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक/निदेशक स्तर पर आयोजित विभिन्न बैठकों के कार्यवृत्त, आपकी कंपनी की मासिक और वार्षिक रिपोर्ट द्विभाषी रूप में तैयार करना जारी रहा। हिन्दी में रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने के लिए आपकी कंपनी की प्रतिष्ठित एवं राष्ट्रीय स्तर की गृह पत्रिका गोंदवाना भारती का प्रकाशन भी लगातार जारी है, जिसे सारे देश से प्रशंसा मिल रही है।

कोयला मंत्रालय के निदेशानुसार सितम्बर, 2022 में "राजभाषा माह" का आयोजन किया गया। कंपनी के कामगारों के बीच हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के लिए तथा इसे बढ़ावा देने के लिए कई हिन्दी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। विवेच्य माह के दौरान सभी प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया। विजेताओं को प्रथम पुरस्कार में 5000 रु., द्वितीय पुरस्कार 4000/-रु., तृतीय पुरस्कार 3000/-रु. और सांत्वना पुरस्कार 800 रु. से नवाजा गया। सभी पुरस्कार विजेताओं को प्रमाण-पत्र भी दिया गया। इसके अलावा अन्य प्रतिभागियों को भी पुरस्कृत किया गया।

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी दिशा-निर्देश और वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार क्षेत्रीय संस्थानों और मुख्यालय के विभिन्न विभागों का निरीक्षण भी किया गया।

गृह मंत्रालय राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश और वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार आपकी कंपनी के विभिन्न विभागों में राजभाषा के त्रैमासिक प्रगति की समीक्षा करने के लिए अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठकें भी आयोजित की गईं।

आपकी कंपनी ने अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (लोक उपक्रम), राँची की दो छमाही बैठकें आयोजित की जिसमें विभिन्न लोक उपक्रमों में राजभाषा हिन्दी की प्रगति की समीक्षा की गई।

24.0 महिलाओं को यौन उत्पीड़न के तहत प्रकटीकरण और जानकारी:

निवारण) अधिनियम , 2013 के तहत प्रकटीकरण और जानकारी के तहत वर्ष 2022-23 के दौरान सीएमपीडीआईएल में कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न के शिकायती मामलों की संख्या इस प्रकार है: :

1. एक वर्ष में प्राप्त यौन उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या - शून्य
2. एक वर्ष में निस्तारित शिकायतों की संख्या - शून्य
3. 90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या - शून्य
4. एक वर्ष में यौन उत्पीड़न के विरुद्ध आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों या कार्यशालाओं की संख्या - 01

मामले के संबंध में नियोक्ता या जिला अधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई की प्रकृति - लागू नहीं

25.0 सीएमपीडीआईएल और सीआईएल के बीच समझौता ज्ञापन 2022-23 के भौतिक मापदंडों के मुकाबले उपलब्धि

1. ड्रिलिंग :

सीएमपीडीआई एल के एमओयू 2022 -23 के अनुसार , 'ड्रिलिंग (लाख मीटर में)' शीर्षक के तहत 'क्रमांक 2.0 ' के 7 लाख मीटर की ड्रिलिंग लक्ष्य के विरुद्ध 6.85 लाख मीटर ड्रिलिंग की उपलब्धि प्राप्त हुई.

2. कुल खरीद के % के रूप में GeM से खरीद :

सीएमपीडीआई एल के एमओयू 2022-23 के अनुसार , ' कुल खरीद के % के रूप में GeM से खरीद (%) , क्रमांक 7.0 अंतर्गत', 'कुल खरीद के % के रूप में GeM से 25% खरीद' के लक्ष्य के मुकाबले कुल खरीद के % के रूप में GeM से 88.40% खरीद की उपलब्धि हासिल की गई।

3. भूवैज्ञानिक की तैयारी और प्रस्तुतिकरण रिपोर्ट :

सीएमपीडीआईएल के एमओयू 2022-23 के अनुसार, 'भूवैज्ञानिक रिपोर्ट (संख्या) की तैयारी और प्रस्तुतिकरण' शीर्षक के तहत, क्रमांक 8.0', उपलब्धि 'भूवैज्ञानिक रिपोर्टों की 29 की तैयारी और प्रस्तुति' के लक्ष्य के मुकाबले 29 भूवैज्ञानिक रिपोर्टों को तैयार करना और प्रस्तुत करना था।

4. परियोजनाओं की तैयारी और प्रस्तुतिकरण यूजी खदानों के लिए रिपोर्ट :

सीएमपीडीआईएल के एमओयू 2022-23 के अनुसार, 'यूजी खानों (संख्या) के लिए परियोजना रिपोर्ट की तैयारी और प्रस्तुतिकरण' शीर्षक के तहत, क्रम संख्या 9.1', उपलब्धि 'यूजी खदानों के लिए 15 परियोजनाओं की रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने' के लक्ष्य के मुकाबले यूजी खदानों के लिए 15 परियोजनाओं की रिपोर्ट तैयार करना और प्रस्तुत करना था।

5. परियोजनाओं की तैयारी और प्रस्तुतिकरण ओसी खदानों के लिए रिपोर्ट :

सीएमपीडीआईएल के एमओयू 2022-23 के अनुसार, 'ओसी खानों (संख्या) के लिए परियोजना रिपोर्ट की तैयारी और प्रस्तुतिकरण' शीर्षक के तहत, क्रम संख्या 9.2', उपलब्धि 'ओसी खदानों के लिए 24 परियोजनाओं की रिपोर्ट तैयार करने और प्रस्तुत करने' के लक्ष्य के मुकाबले ओसी खदानों के लिए 24 परियोजनाओं की रिपोर्ट तैयार करना और प्रस्तुत करना था।

6. के चालानों की स्वीकृति/अस्वीकृति TReDS पोर्टल के माध्यम से सामान और सेवाएँ :

सीएमपीडीआई एल के एमओयू 2022 -23 के अनुसार , ' टीआरईडीएस पोर्टल (%) के माध्यम से वस्तुओं और सेवाओं के चालान की स्वीकृति/ अस्वीकृति शीर्ष के तहत , क्रमांक 10.0 ' , 100% के लक्ष्य के मुकाबले उपलब्धि 100% रही । (वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान आरएक्सआईएल के टीआरईडीएस पोर्टल पर किसी भी एमएसएमई विक्रेताओं द्वारा कोई बिल अपलोड नहीं किया गया है , इसलिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 की धारा 2 बी (ii) के अनुसार 31.03.2023 तक

आरएक्सआईएल के टीआरडीईएस पोर्टल पर भुगतान के लिए कोई बिल लंबित नहीं है।

7. 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण (विभाग) के माध्यम से डेटा का अधिग्रहण :

सीएमपीडीआईएल के एमओयू 20 22 -2 3 के अनुसार , ' 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण (विभाग) (लाइन केएम) के माध्यम से डेटा का अधिग्रहण , शीर्षक के तहत क्रमांक 12.0' , उपलब्धि 180 लाइन किमी के लिए 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण (विभाग) के माध्यम से डेटा का अधिग्रहण के लक्ष्य के मुकाबले 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण (विभाग) के माध्यम से 162.90 लाइन किमी डेटा का अधिग्रहण '

8. परिसंपत्ति मुद्रीकरण मील के पत्थर पर लक्ष्य (अनुपालन पैरामीटर) :

एमओयू 2022 -23 के अनुसार , ' परिसंपत्ति मुद्रीकरण मील के पत्थर (अनुपालन पैरामीटर) पर लक्ष्य' शीर्षक के तहत , क्रमांक 3 ' , उपलब्धि 'ट्रैच-3 के लिए छह बंद खदानों के लिए खदान डोजियर तैयार करने' के लक्ष्य के मुकाबले ट्रैच-3 के लिए छह बंद खदानों के लिए माइन डोजियर तैयार करना और जमा करना था ।

26.0 सीएमपीडीआईएल में मनाया गया कोल इंडिया स्थापना दिवस.

सीएमपीडीआईएल, एक मिनी-रत्न कंपनी, ने 11 नवंबर, 2022 को रवीन्द्र भवन में कोल इंडिया स्थापना दिवस समापन-सह-पुरस्कार वितरण समारोह पूरे उत्साह के साथ मनाया। मुख्य अतिथि श्री शेखर सरन, पूर्व सीएमडी, सीएमपीडीआईएल ने कोल इंडिया और सीएमपीडीआईएल के साथ अपने संबंधों के बारे में जानकारी दी और भारतीय कोयला खनन उद्योग में बदलती परिस्थितियों में सीएमपीडीआईएल की चुनौतियों, अवसरों, संभावनाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि सीएमपीडीआईएल की सेवाएं कोयला मंत्रालय और कोयला उद्योग के लिए महत्वपूर्ण हैं। गैर-कोयला क्षेत्र, कैप्टिव खनिकों को परामर्श, 2डी और 3डी सिस्मिक प्रौद्योगिकियों का व्यापक उपयोग, स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों, पर्यावरण सेवाओं, कोयला गैसीकरण और यूएवी (ड्रोन) के अनुप्रयोग आदि के क्षेत्रों में सीएमपीडीआईएल के व्यवसाय के विविधीकरण पर जोर दिया गया। उन्होंने किसी के जीवन में श्री डी यानी समर्पण, अनुशासन और

निर्णय के महत्व को बताया और सभी से भारत को समृद्ध बनाने में मदद करने का आग्रह किया।

इस अवसर पर सीएमपीडीआईएल के सीएमडी श्री मनोज कुमार ने अपने भाषण में कोयला और खनिजों के परिदृश्य पर वर्तमान व्यवसाय योजना, जनशक्ति, मशीनों और पूंजी का अध्ययन कर क्षमता बढ़ाने के उपायों पर एक रणनीतिक कदम के रूप में विचार करने की आवश्यकता बताई। भविष्य की चुनौतियाँ और परिवर्तन। इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए, उन्होंने संभावित व्यावसायिक संभावनाओं को पूरा करके, प्रतिष्ठित व्यावसायिक सलाहकारों को शामिल करके, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केस स्टडीज आयोजित करके और व्यावसायिक अवसरों को ध्यान में रखते हुए सीएमपीडीआईएल की भविष्य की रणनीति के लिए एक रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

सीएमपीडीआईएल का सबसे मूल्यवान संसाधन वर्षों से विभिन्न विभागों में कार्यरत अनुभवी श्रमशक्ति है। हमें गर्व है कि देश में हमारे जैसा कोई अन्य संगठन नहीं है जिसके पास देश की अधिकांश कोयला खदानों के लिए योजना बनाने और संबंधित कार्यों में इतना व्यापक अनुभव हो।

आज कोयला खनन क्षेत्र तेजी से व्यावसायीकरण की ओर बढ़ रहा है और निजी खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। कोयला खदान योजना और डिजाइन में 48 वर्षों की अपनी विशाल विशेषज्ञता के साथ सीएमपीडीआईएल को इस क्षेत्र में अग्रणी बनने के लिए इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। अन्य निजी कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए, यह हमारा कर्तव्य है कि हम नवीनतम तकनीक को पैनी नज़र से अपनाएँ और उसके अनुसार अपनी कुशल जनशक्ति विकसित करें।

अपने-अपने परिचालन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सीएमपीडीआईएल के कर्मचारियों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर ड्रिल उत्पादकता के आधार पर गौरांगडी कैंप, आरआई-1, आसनसोल को सर्वश्रेष्ठ ड्रिलिंग कैंप (मैकेनिकल) और सिंहपुर कैंप, आरआई-वी, बिलासपुर (हाइड्रोस्टैटिक) श्रेणी का पुरस्कार मिला।

सर्वश्रेष्ठ ड्रिल क्यू श्रेणी पुरस्कार (उच्चतम उत्पादकता) के तहत, सीडीएमएम-1000-13, सिंहपुर, आरआई-V,



बिलासपुर और सीएमकेआर-डब्ल्यूआईआईसी-08, सिंहपुर, आरआई-वी, बिलासपुर के चालक दल को क्रमशः मैकेनिकल और हाइड्रोस्टैटिक्स ड्रिल के लिए पुरस्कार मिला।

रिपोर्ट तैयार करने में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए, श्री बादल मन्ना, सीएम (खनन), आरआई-V को ओपनकास्ट रिपोर्ट के लिए और श्री आशीष कुमार होता, वरिष्ठ प्रबंधक (भूविज्ञान) और आरआई-VII, भुवनेवर की उनकी टीम को भूवैज्ञानिक रिपोर्ट के लिए पुरस्कार दिए गए। पर्यावरण सेवाओं के लिए श्री प्रतीश वी पैरोलिकल, सीएमपीडीआई (मुख्यालय), श्री विपुल बंसल, उप प्रबंधक (ईएंडएम), आरआई-V और श्री टीके दास, जीएम (सिविल) और श्री नवीन कुमार, उप प्रबंधक (सिविल), सीएमपीडीआई (मुख्यालय) ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के लिए पुरस्कार प्राप्त किया।

आरआई-V, बिलासपुर और आरआई-I, आसनसोल, श्री मलय कृष्ण साहू, वरिष्ठ प्रबंधक (भूविज्ञान), सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) और गुरला तेजस्वी, प्रबंधक (वित्त), आरआई-IV, नागपुर को क्रमशः 'लैब', 'गवेषण' और 'वित्तीय' सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला।, ।

आरआई-V, बिलासपुर और आरआई-I, आसनसोल, श्री मलय कृष्ण साहू, वरिष्ठ प्रबंधक (भूविज्ञान), सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) और गुरला तेजस्वी, प्रबंधक (वित्त), आरआई-IV, नागपुर को क्रमशः 'लैब', 'गवेषण' और 'वित्तीय' सेवाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कार मिला।, ।

सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) और आरआई-I, आसनसोल के व्यवसाय विकास विभाग और गवेषण विभाग के प्रत्येक तीन प्रतिनिधियों को 2021-22 में प्राप्त बाहरी परामर्श कार्यों के अधिकतम मूल्य के लिए पुरस्कार मिला; 2021-22 में बाहरी परामर्श कार्यों में अधिकतम वृद्धि के लिए महाप्रबंधक (पर्यावरण), सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) को तथा आरडी, आरआई-VI, सिंगरौली को जियोमैटिक सेवाओं के लिए पुरस्कार मिला ।

एसएपी एफआईसीओ मॉड्यूल आदि के लिए डेटा की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित करने वाले वित्त रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण और एमएस एक्सेस में रिपोर्ट तैयार करने के लिए 'इनोवेशन' श्रेणी में श्री सुभेदु बनर्जी, लेखाकार, आरआई-V को और श्री श्रवण कुमार गारा, वरीय प्रबंधक (सिविल), मुख्यालय को सीएमपीडीआई में जियोटेक प्रयोगशाला की स्थापना में वैज्ञानिक ढलान स्थिरता विश्लेषण के कार्य और सहायता के लिए पुरस्कार मिला।

श्री डी.पी.सिंह और उनकी टीम को मृदा नमी संरक्षण (एसएमसी) रिपोर्ट तैयार करने के लिए; डॉ. विनीता अरोड़ा और उनकी टीम को सीआईएल/एमओसी को कार्बन फुटप्रिंट विश्लेषण (सीएफए) प्रस्तुत करने के लिए और श्री रजनीश कुमार और उनकी टीम को एरियल सर्वेक्षण के क्षेत्र में ड्रोन प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के लिए पुरस्कार प्राप्त हुए।

सीएसआर के तहत , आरआई-IV, नागपुर को 2021-22 में सीएसआर बजट के अधिकतम उपयोग के लिए पुरस्कार मिला और क्षेत्रीय संस्थान-I, आसनसोल को वित्त वर्ष 2021-22 में सभी क्षेत्रीय संस्थानों के बीच दूरस्थ क्षेत्रों में अधिकतम व्यय के लिए पुरस्कार मिला।

श्री अभिषेक कुमार, प्रबंधक (पर्यावरण), सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय), श्री वीएन दुपट्टावाला, मुख्य प्रबंधक (खनन), आरआई-VI, सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय); रांची टीम में 5 सदस्य हैं, श्री डी. भट्टाचार्य, जीएम (खनन/ओसी); श्री रणदीप सिंह, महाप्रबंधक (उत्खनन); श्री अशोक प्रसाद, महाप्रबंधक (उत्खनन); श्री सुधीर कुमार सिंह, मुख्य प्रबंधक (खनन); श्री सुदर्शन रथ, उप. प्रबंधक (खनन); श्री बिकेश कुमार पांडे, मुख्य प्रबंधक (खनन), आरआई-III; श्री आशीष रंजन, मुख्य प्रबंधक (खनन), मुख्यालय; मुख्यालय, रांची टीम में 3 सदस्य श्री आर.के. अमर, महाप्रबंधक (खनन); श्री विनोद कुमार पांडे, मुख्य प्रबंधक (पर्यावरण) श्री विक्रान्त गुप्ता, प्रबंधक (ईएंडएम) को 'विशेष उपलब्धि' पुरस्कार मिला ।

इसके अतिरिक्त, श्री आदित्य तेलंग, उप. प्रबंधक (सिविल), आरआई-II; श्री राम निवास टाक, उप. प्रबंधक (वित्त), आरआई-II; श्री संदीप शर्मा, प्रबंधक (पर्यावरण), आरआई-IV; कुमारी प्रियंका तिवारी, उप. प्रबंधक (एचआर/पी), आरआई-IV; श्री राहुल कार्की, उप. प्रबंधक (भूविज्ञान), आरआई-VI; श्रीमती मनस्विनी रथ, उप. प्रबंधक (जियो), आरआई-VII; डॉ. प्रीतम विश्वास, उप. प्रबंधक (खनन), आरआई-VII ने 'यंग एक्जीक्यूटिव' पुरस्कार जीता। इसके अलावा, श्रीमती दीपनविता बिन - जेएसए, आरआई-V; श्री सत्येन्द्र सिंह, सीनियर सर्वेयर (सिविल), आरआई-VI; श्री कौशिक विश्वास, सीनियर सर्वेयर (सिविल), आरआई-VI; श्री सुभम मंडल, सर्वेक्षक (खनन), आरआई-VII; श्री स्वराज सौरभ, वरिष्ठ सहायक, ड्रिलर (गेड-ए), मुख्यालय को कर्मचारी श्रेणी में सेवाओं के संबंधित क्षेत्र में पुरस्कार प्राप्त हुए।

श्री रजनीश कुमार, महाप्रबंधक (जियोमैटिक्स); श्री पुस्कर, महाप्रबंधक (पर्यावरण/सतर्कता); श्री प्रीतम कुमार प्रसाद, महाप्रबंधक (वित्त); श्री उज्ज्वल चटर्जी, सीएम (वित्त); श्री अर्जुन हेम्ब्रोम, महाप्रबंधक (भूविज्ञान); डॉ. शांतनु

कुमार बनर्जी, सीएम (भूविज्ञान); जेबा इमाम, सीएम (भूविज्ञान)/एचओडी (सीसी लैब); श्री डी. भट्टाचार्य, महाप्रबंधक (खनन/ओसी); श्री अभिजीत सिन्हा, महाप्रबंधक (खनन/पर्यावरण); श्री रवीन्द्र नाथ सिंह, महाप्रबंधक (उत्खनन); श्री वी. मधुकर, मुख्य प्रबंधक (खनन) को 'विशेष योगदान पुरस्कार' प्राप्त हुआ।

खेल श्रेणी में, श्री विश्वराजन रे, श्री पी.के.बिसोई, श्री बी.राजू को पुरस्कार मिला और श्री उपेन्द्र कुमार सिंह, प्रबंधक (भूविज्ञान) को कोविड-19 प्रभावित व्यक्तियों को सेवाएं प्रदान करने के लिए वीरता पुरस्कार मिला।

इस अवसर पर, श्री आरएन झा, निदेशक (टी/आरडी&टी); श्री एस.के. गोमस्ता, निदेशक (टी/सीआरडी); श्री शंकर नागाचारी, निदेशक (टी/ईएस); श्री अजय कुमार, निदेशक (पी एंड डी); श्री सुमीत कुमार सिन्हा, सीवीओ; सभी क्षेत्रीय निदेशक; जीएम/एचओडी, जेसीसी के सदस्य, सीएमओआई के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और कोल इंडिया लिमिटेड के कॉर्पोरेट गीत के साथ हुई



27.0 2022-23 में सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं के मंच (WIPS) CMPDIL की गतिविधियाँ।

WIPS, CMPDIL चैप्टर (मुख्यालय और RI-III) की नवगठित "कार्यात्मक प्रबंधन समिति" के पदाधिकारी और कार्यकारी सदस्य इस प्रकार हैं:

1. सुश्री शिल्पी स्वरूप, उप सीएमओ: समन्वयक
2. सुश्री आभा प्रसाद, महाप्रबंधक (सीपी): महासचिव
3. सुश्री स्वप्नाली बसु, मुख्य प्रबंधक (वित्त): कोषाध्यक्ष
4. सुश्री प्रियंका भट्टा, प्रबंधक (भूविज्ञान): वैकल्पिक समन्वयक
5. सुश्री संगीता विश्वास, वरिष्ठ प्रबंधक (भूविज्ञान): संयुक्त सचिव
6. सुश्री चारु ओबेरॉय, सहायक प्रबंधक (सीपी): संयुक्त कोषाध्यक्ष

27.1 महिलाओं के लिए योग के साथ स्वास्थ्य पर कार्यक्रम

21 जून 2022 को 8 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर महिलाओं के लिए योग के साथ स्वास्थ्य पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षक आर्ट ऑफ लिविंग, रांची से सुश्री नेहा झा थीं और इस सत्र में लगभग 32 महिलाओं ने भाग लिया। सत्र था शरीर और दिमाग दोनों में प्रतिदिन जमा होने वाले तनाव से छुटकारा पाने का एक शानदार तरीका। सत्र की शुरुआत गायत्री मंत्र का जाप करके सर्वशक्तिमान का आशीर्वाद मांगने से हुई। वार्मअप और स्ट्रेचिंग से शुरू होने वाले आसनों के बाद पद्मासन, सुखासन, ताड़ासन, भुजंग आसन की श्रृंखला शवासन के साथ समाप्त हुई। महिलाओं के लाभ के लिए तनाव से राहत, जोड़ों के दर्द को कम करने और पीठ के लचीलेपन को बढ़ाने वाले व्यायाम भी किए गए।

27.2 व्यक्तिगत विकास कार्यक्रम

सीएमपीडीएल (मुख्यालय) और आरआई-III की महिला कर्मचारियों के कल्याण को प्रोत्साहन और प्रेरणा देने के लिए "बेहतर के लिए संतुलन-वह खुद को फिर से खोज रही है" विषय पर एक दिवसीय सत्र 20 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया गया था। सुश्री रितिका स्वरूप, हार्टफुलनेस मेडिटेशन की प्रीसेप्टर/प्रशिक्षक ने सत्र का संचालन किया।



यह सत्र किसी व्यक्ति की स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए अपने पेशेवर और व्यक्तिगत घंटों को निर्धारित करने की क्षमता के कार्य जीवन संतुलन को समझने के लिए बहुत अच्छा था। एक नौकरीपेशा महिला के लिए अपने काम और व्यक्तिगत जीवन को व्यवस्थित और संतुलित करने के लिए अपने मूल्यों और दृष्टिकोण को विकसित करना एक बड़ी चुनौती है।

27.3 बाल दिवस का उत्सव

WIPS, सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) चैप्टर ने बाल दिवस के अवसर पर 14 नवंबर 2022 को गोंडवाना प्राइमरी स्कूल, सीएमपीडीआई एल परिसर में फैसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया।

नर्सरी से कक्षा पांचवीं तक के लगभग 50 छात्रों ने अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए भाग लिया। इसका उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास निर्माण और व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करना था।

श्रीमती ममता सिंह, प्रिंसिपल, गोंडवाना प्राइमरी स्कूल; श्रीमती सुमन रस्तोगी, मुख्य प्रबंधक (सीपी/सीएसआर) और गोंडवाना प्राइमरी स्कूल की शिक्षिका श्रीमती मौप्रिया पात्रा ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया।

27.4 चित्रकला प्रतियोगिता

22 नवंबर 2022 को बिरसा उच्च विद्यालय, कांगे की छात्राओं के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इसका उद्देश्य उनके कलात्मक कौशल को विकसित करना, उनकी रचनात्मकता को व्यक्त करना और मूल्यवान अनुभव प्राप्त करना और उनकी प्रतिभा को मान्यता देना था। इस प्रतियोगिता ने बालिकाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने, दूसरों से सीखने और अपनी कलात्मक क्षमता का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान किया। सोने पर सुहागा तो तब हो गया जब इस पेंटिंग प्रतियोगिता में 14 लड़कों ने स्वेच्छा से भाग लिया।

16 दिसंबर 2022 को सुश्री शिल्पी स्वरूप, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी; सुश्री स्वप्नाली बसु, मुख्य प्रबंधक (वित्त) और सुश्री चारु ओबेरॉय, सहायक प्रबंधक (सीपी) और सुश्री अमिता मेहता की उपस्थिति में पुरस्कार वितरित किए गए।

27.5 स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम

1. कर्मचारियों और उनके परिजनों के लिए 14 से 15 दिसंबर 2022 को सीएमपीडीआईएल परिसर में एक नेत्र शिविर का आयोजन किया गया था। WIPS और कस्तूरी महिला सभा द्वारा टाइटन आई+, रांची के सहयोग से नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।
2. 14 फरवरी 2023 को सीएमपीडीआईएल परिसर में दूसरा नेत्र शिविर आयोजित किया गया। WIPS द्वारा IDFC FIRST बैंक, रांची के सहयोग से नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।

27.6 अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष का जश्न

24 जनवरी 2023 को श्री मनोज कुमार, क्षेत्रीय निदेशक, सीएमपीडीआई एल, आरआई-IV, नागपुर के नेतृत्व में WIPS, CMPDIL, RI-IV, नागपुर के तत्वावधान में एक पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन में अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष, 2023 को ध्यान में रखकर किया गया था। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हमारी दैनिक दिनचर्या में अद्भुत अनाज बाजरा के मूल्य और कई स्वास्थ्य लाभों को बढ़ावा देना था। विदेशी और नवीन व्यंजन तैयार किए गए और प्रदर्शित किए गए।

27.7 सीएमपीडीआईएल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

सार्वजनिक क्षेत्र में महिलाओं का मंच (डब्ल्यूआईपीएस), सीएमपीडीआईएल चैप्टर ने अपने मुख्यालय, रांची में 2 मार्च, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस "डिजिट ऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी" थीम के साथ मनाया। इस अवसर पर श्री सुमीत कुमार सिन्हा, सीवीओ, सीएमपीडीआईएल, श्रीमती सीमा झा, श्रीमती नीरजा गोमास्ता और श्रीमती प्रीति नागाचारी, कस्तूरी महिला सभा की अन्य सदस्य, कर्मचारी उपस्थित थे।

कस्तूरी महिला सभा की अध्यक्ष श्रीमती रूपाली गुप्ता ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया और अपने संबोधन में कहा, "डिजिट ऑल तकनीक महिला सशक्तिकरण के लिए नए द्वार खोल रही है और डिजिटल युग सभी प्रकार की असमानताओं को खत्म करने के अवसर का प्रतिनिधित्व करता है"।

विशिष्ट अतिथि, सुश्री मनीषा ओराँव, सह-संस्थापक, ओपन फ़िल्ड फार्म, झाखंड ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं के जीवन में प्रौद्योगिकी की पूरी क्षमता को अनलॉक करने के लिए महिलाओं में डिजिटल अंतर को संबोधित करने की आवश्यकता है।

सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) और आरआई-III में कार्यरत संविदा कर्मियों और कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों सहित लगभग 200 महिलाएं उपस्थित थीं और समारोह में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी और डब्ल्यूआईपीएस समन्वयक डॉ. शिल्पी स्वरूप के साथ साथ आभा प्रसाद, महाप्रबंधक (सीपी) और स्वप्नाली बसु, विभागाध्यक्ष (आईएडी), सीएमपीडीआईएल द्वारा किया गया।

27.8 सीएमपीडीआईएल, आरआई-IV में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह में

सीएमपीडीआईएल, आरआई-IV, नागपुर ने WIPS, RI-IV, चैंप्टर के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर "डिजिटऑल: लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी" विषय पर एक ज्ञान साझाकरण सत्र का आयोजन किया।

इस सत्र में श्रीमती. बी श्रुति, प्रबंधक (सिविल) ने विभिन्न वित्तीय निवेशों और वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र के लिए विभिन्न डिजिट प्लेटफार्मों के उपयोग पर प्रकाश डाला।

श्री मनोज कुमार, आरडी, आरआई-IV, नागपुर तथा महिला कर्मचारियों ने इस सत्र में भाग लिया और वित्तीय प्रबंधन से संबंधित विविध मुद्दों पर चर्चा की गई।

27.9 WIPS के कार्यक्रमों की चित्रमय अभिव्यक्ति



21.06.2022 को सीएमपीडीआईएल में महिलाओं के लिए योग के साथ स्वास्थ्य पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।



20 अक्टूबर, 2022 को महिला कर्मचारियों के लिए "बेहतर के लिए संतुलन- वह खुद को फिर से खोज रही है" विषय पर एक दिवसीय सत्र।





22 नवंबर 2022 को बिरसा स्कूल में लड़कियों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया



अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष, 2023 का जश्न मनाने के लिए WIPS, CMPDIL के तत्वावधान में एक कुकरी प्रतियोगिता का आयोजन किया।



नवनिर्वाचित WIPS समिति की पहली जीबी बैठक 09.12.2022 को आयोजित की गई थी

28.0 निदेशक का उत्तरदायित्व विवरण:

- 28.1 वार्षिक खातों की तैयारी में, सामग्री विचलन से संबंधित उचित स्पष्टीकरण के साथ-साथ लागू लेखांकन मानकों का पालन किया गया था।
- 28.2 निदेशकों ने ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया था और उन्हें लगातार लागू किया था और निर्णय और अनुमान लगाए थे जो उचित और विवेकपूर्ण थे ताकि वित्तीय वर्ष के अंत में या उस अवधि के लिए कंपनी के मामलों की स्थिति और लाभ तथा हानि का सही और निष्पक्ष विवरण दिया जा सके।

28.3 निदेशकों ने कंपनी की संपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं को रोकने और उनका पता लगाने के लिए इस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार पर्याप्त लेखांकन रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए उचित और पर्याप्त देखभाल की थी।

28.4 निदेशकों ने गोइंग कंसर्न के आधार पर वार्षिक खाते तैयार किए थे।

28.5 निदेशकों ने पुष्टि की कि उन्होंने सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणाली तैयार की है और ऐसी प्रणालियाँ पर्याप्त हैं और प्रभावी ढंग से काम कर रही हैं।

लेखा परीक्षक:

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की सलाह पर मेसर्स. केसी टाक एंड कंपनी, चार्टर्ड

परिशिष्ट :

ऊर्जा संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेश और विदेशी मुद्रा आय और व्यय, अनुसंधान और विकास, सीईओ और सीएफओ प्रमाणन, उद्धरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 (3) (एम) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट में दी जाने वाली आवश्यक जानकारी कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 92 के तहत वार्षिक रिटर्न, कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर अनुपालन पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट, वैधानिक लेखा परीक्षक और प्रबंधन के उत्तरों की रिपोर्ट, सचिवीय लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और प्रबंधन के उत्तर, धारा 143 के तहत भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ कंपनी अधिनियम, 2013, एमओयू 2021-22 पर रिपोर्ट और प्रबंधकीय कार्मिकों के पारिश्रमिक आदि के विवरण की जानकारी भी इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

अकाउंटेंट्स, रांची को वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था।

स्वीकृति:

आपके निदेशक भारत सरकार, विशेष रूप से कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया लिमिटेड और इसकी सहायक कंपनियों, राज्य सरकारों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के आभारी हैं जिनके साथ आपकी कंपनी को अपने कार्यों को पूरा करने के लिए उनके सहयोग और प्रोत्साहन के लिए निकट संपर्क में काम करना है। हम अपने सम्मानित ग्राहकों द्वारा हम पर जताए गए विश्वास और हमें तथा कंपनी के समर्पित कर्मचारियों को दिए गए संरक्षण के लिए आभारी हैं।

निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से

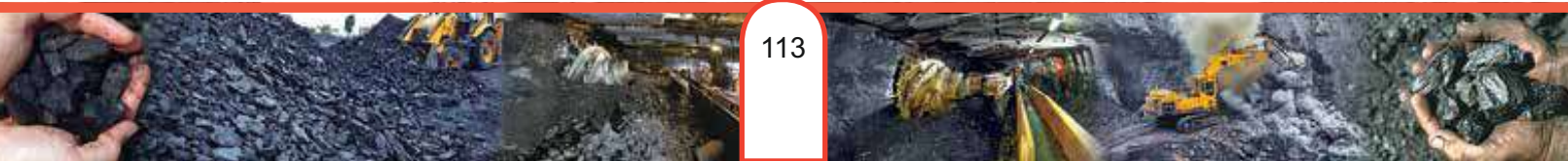


(मनोज कुमार)

अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

दिनांक : 21.07.2023

स्थान : राँची



निदेशक मंडली की रिपोर्ट का परिशिष्ट

ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन तथा विदेशी मुद्रा का अर्जन एवं खर्च के बारे में निदेशक मंडल की रिपोर्ट के साथ पठित नियम 8 में शामिल किए जाने वाले मामले कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 134(3) (एम) के तहत निदेशकों की रिपोर्ट में दिए जाने के लिए अपेक्षित सूचना।

क) कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए ऊर्जा का संरक्षण

सीएमपीडीआईएल ने वर्ष 2022-23 में ऊर्जा संरक्षण अध्ययन शुरू किया है और बीईई मान्यता प्राप्त ऊर्जा अंकेक्षकों द्वारा कोल इंडिया की विभिन्न अनुषंगी कंपनियों में स्थित विभिन्न खुली खदान और भूमिगत खानों में विशेष इलेक्ट्रीकल ऊर्जा खपत का बेंचमार्किंग तथा इलेक्ट्रीकल ऊर्जा अंकेक्षण के साथ-साथ विशिष्ट डीजल खपत (स्पेशिफिक डीजल कंजप्सन) का बेंचमार्किंग एवं डीजल अंकेक्षण किया गया।

कोल इंडिया के विभिन्न कोयला क्षेत्रों में किए गए डीजल बेंच मार्किंग अध्ययन में डीजल संरक्षण के लिए निम्नलिखित स्थूल शीर्ष(ब्रोड हेड) को स्वीकार किया गया।

- लगाए गए एचईएमएम के लिए प्रीवेंटिव मेंटेनेंस मेजर्स को अपनाते हुए तथा लीकेज की पहचान करना और कम करना।
- हाऊल रोड की स्थिति को ध्यान में रखकर एचईएमएम का गति अनुकूलन
- निष्क्रिय घंटे को कम करने एचईएमएम के अनावश्यक मूवमेंट को रोकने के लिए टाइम स्टडी
- इलेक्ट्रिकल व्हील माउन्टेड एचईएमएम के लिए 0.054 लीटर प्रति बीएचपी घंटे तथा व्हील माउन्टेड के लिए 0.06 लीटर प्रति/बीएचपी घंटे, ट्रैक माउन्टेड के लिए 0.1 लीटर/बीएचपी घंटे को सीएमपीडीआईएल आयोजन एवं अभिकल्पन के मानदंड के साथ तुलना।

कोल इंडिया के विभिन्न कोयला क्षेत्रों में किए गए इलेक्ट्रीकल एनर्जी आडिट एवं बेंचमार्किंग अध्ययन में भूमिगत और खुली खदान खानों के क्षेत्र निरीक्षण के दौरान इलेक्ट्रीकल मेजरमेंट एवं 3 वर्षों के हिस्टोरिकल डाटा के आधार पर ट्रेंड एनालिसिस (प्रवृत्ति विश्लेषण) किया गया। निम्नलिखित ऊर्जा संरक्षण विधि अपनाई गई है:

- डिमांड साइट मैनेजमेंट
- संचरण एवं वितरण हानि में कमी
- पावर फैक्टर में सुधार
- इफिशिएंट इल्यूमिनेशन सिस्टम
- ट्रांसफॉर्मर की पहचान कर ट्रांसफॉर्मेशन हानि में कमी लाना
- ऊर्जा की मॉनिटरिंग के लिए एनर्जी मीटर की स्थापना
- पम्पिंग प्रणाली में ऊर्जा संरक्षण उपाय

बीईई मान्यता प्राप्त ऊर्जा अंकेक्षकों के द्वारा किए गए ऊर्जा अंकेक्षण तथा ऊर्जा बेंचमार्किंग अध्ययन के लिए कृपया नीचे दी गई तालिका पर ध्यान दिया जाए:

(क1) वर्ष 2022-23 के लिए सीएमपीडीआई द्वारा शुरू की गई ऊर्जा संरक्षण पहल

क	डीजल ऑडिट और बेंचमार्किंग	डीजल की खपत (केएल)	प्रस्तावित बचत क्षमता
1	ईसीएल द्वारा चिन्हित 7 ओसीपी की वार्षिक बेंचमार्किंग	28103	1208 K लीटर/ वर्ष
2	बीसीसीएल द्वारा चिन्हित 11 ओसीपी की वार्षिक बेंचमार्किंग	29215	1280 K लीटर/ वर्ष
3	सीसीएल द्वारा चिन्हित 30 ओसीपी की वार्षिक बेंचमार्किंग	45595	2032 K लीटर/ वर्ष
4	डब्ल्यूसीएल द्वारा चिन्हित 15 ओसीपी की वार्षिक बेंचमार्किंग	50020	2216 K लीटर/ वर्ष
5	एसईसीएल द्वारा चिन्हित 3 ओसीपी की वार्षिक बेंचमार्किंग	95744	4233 K लीटर/ वर्ष
6	एनसीएल द्वारा चिन्हित 10 ओसीपी की वार्षिक बेंचमार्किंग	125631	5596 K लीटर/ वर्ष
7	एमसीएल द्वारा चिन्हित 12 ओसीपी की वार्षिक बेंचमार्किंग	45989	2067 K लीटर/ वर्ष
B	2022-23 के दौरान विद्युत ऊर्जा ऑडिट और बेंचमार्किंग अध्ययन किए गए		
1.	दुधिचुआ ओसीपी, एनसीएल के लिए विद्युत ऊर्जा ऑडिट और बेंचमार्किंग रिपोर्ट		
2.	एबी ओसीपी, ब्लॉक-II क्षेत्र, बीसीसीएल के लिए विद्युत ऊर्जा ऑडिट और बेंचमार्किंग रिपोर्ट		
3.	सीसीएल की निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए विद्युत ऊर्जा ऑडिट और बेंचमार्किंग रिपोर्ट। I.रेलीगढ़ा ओसीपी, अरगडा क्षेत्र II.पारेज ईस्ट ओसीपी, एचजेडबी क्षेत्र III.ढोरी खास यू/जी, ढोरी क्षेत्र IV.रजरप्पा ओसीपी, रजरप्पा क्षेत्र V.गोविंदपुर पीएच- II ओसीपी, कथारा क्षेत्र VI.उत्तरी उरीमारी ओसीपी, बरकासयाल क्षेत्र		

(क2)वर्ष 2022-23 के लिए सीएमपीडीआईएल द्वारा संज्ञान में ली गई खदान रोशनी सर्वेक्षण रिपोर्ट

क्रम सं.	कार्य का विवरण
1.	जयंत ओसीपी, एनसीएल का रोशनी सर्वेक्षण
2.	बीना ओसीपी, एनसीएल का रोशनी सर्वेक्षण
3.	कृष्णशिला ओसीपी, एनसीएल का रोशनी सर्वेक्षण
4.	AKWMC OCP, कतरास क्षेत्र, बीसीसीएल का रोशनी सर्वेक्षण

(क3) सौर ऊर्जा संयंत्र पहल

- सीसीएल कमांड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर 47.77 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र (ग्राउंड माउंटेड, फ्लोटिंग और रूफ टॉप) की स्थापना के लिए अवधारणा से कमीशनिंग तक पीएमसी सेवाओं के तहत सीसीएल को योजना प्रस्तुत की गई।
- सीसीएल में 17.02 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए निविदा दस्तावेज तैयार किए गए हैं और 5.02 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए निविदा जारी की गई है।
- बिलासपुर के कार्यालय भवन में 100kWp (DC) रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र चालू किया गया ।
- सीएमपीडीआईएल (मुख्यालय) परिसर, रांची के विभिन्न स्थानों पर सौर वृक्ष सहित 100 किलोवाट रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए योजना की तैयारी।

ख. विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

(करोड़ रुपये में)

क्र.सं.	विवरण	2022-23
1.	कमाई	0.02
2.	विदेशी मुद्रा पर व्यय	2.28

क. अनुसंधान और विकास और प्रौद्योगिकी समावेशन

1. एक एस एंड टी परियोजना जिसका शीर्षक है " क्लोज्ड लूप बाइनरी ऑर्गेनिक रैंकिन साइकिल प्रोसेस टेक्नोलॉजी पर आधारित एससीसीएल कमांड क्षेत्र के मनुगुरु क्षेत्र में भू-तापीय ऊर्जा (20 किलोवाट क्षमता) बिजली उत्पादन पायलट प्रोजेक्ट की स्थापना " - सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड, कोठागुडेम और शिराम इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल अनुसंधान, नई दिल्ली।

उपरोक्त परियोजना निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ शुरू की गई है:

- ❖ भूतापीय द्रव का ताप स्रोत के रूप में उपयोग करते हुए स्वच्छ, विश्वसनीय और दक्ष बिजली के उत्पादन के लिए मनुगुरु , एससीसीएल, तेलंगाना में कुंडली द्विआधारी कार्बनिक रैंकिन चक्र (ओआरसी) प्रक्रिया तकनीकी के आधार पर भारत में स्वदेशी 20 किलोवाट पायलट प्रदर्शन इकाई स्थापित करना ।
 - ❖ वाणिज्यिक व्यवहार्यता के उद्देश्य से निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र रूप से या संयोजन में भू-तापीय स्रोत का उपयोग करके बिजली उत्पादन लागत को मानकीकृत और अनुकूलित करना।
2. भूमिगत कोयला खदानों में विद्युत ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत के रूप में वेंटिलेशन फैन विंड पावर रिकवरी सिस्टम की डिजाइन और तैनाती" शीर्षक से एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना - आईआईटी-आईएसएम, धनबाद और ईसीएल
 - ❖ उपरोक्त परियोजना का प्रमुख उद्देश्य मुख्य वेंटिलेशन पंखे के निकास से अधिकतम बिजली उत्पन्न करने के लिए प्रायोगिक मॉडल डिजाइन करना है।
 - ❖ इस सेट-अप के प्रस्तावित मॉडल से एगजॉस्ट फैन की बिजली खपत 10% तक कम हो जाएगी । कुमारडुभी कोलियरी, मुगमा एरिया, ईसीएल में मौजूदा मुख्य वेंटिलेशन पंखे के आउटलेट में वर्टिकल एक्सिस विंड टर्बाइन (वीएडब्ल्यूटी) तकनीक स्थापित की जाएगी । रोटेशन द्वारा निकास से वायु प्रवाह को निर्देशित करने के लिए, परियोजना में पवन टरबाइन के डेरिकस ब्लेड स्थापित करने का प्रस्ताव है। इससे मौजूदा वेंटिलेशन सिस्टम की बिजली खपत कम हो जाएगी।
 3. एक अनुसंधान एवं विकास परियोजना जिसका शीर्षक है "प्रिंटिंग द्वारा मोनोलिथिक पेरोव्स्काइट मॉड्यूल विनिर्माण का स्वदेशी विकास" - आईआईटी बॉम्बे, सीएमपीडीआईएल, रांची और सीआईएल, कोलकाता।
 - ❖ 2 डिवाइस में 12-14% की लक्षित दक्षता और >10 वर्षों के डिवाइस जीवनकाल के साथ बड़े क्षेत्र में प्रिंट करने योग्य पेरोव्स्काइट मॉड्यूल के लिए पायलट प्लांट का विकास करना है।
 - ❖ डिवाइस के अलग-अलग घटकों का अनुसंधान और विकास शून्य आयात निर्भरता के साथ 100% मेक इन इंडिया दृष्टिकोण को सक्षम करेगा।

घ. प्रौद्योगिकी समावेशन:

कोयला क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास मुख्य रूप से खदान सुरक्षा, कोयला लाभकारी/उपयोग, खदान पर्यावरण और पारिस्थितिकी की सुरक्षा और स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी के विकास आदि सहित खनन कार्यों में दक्षता मापदंडों में सुधार के लिए है।

एक नोडल एजेंसी और अनुसंधान संगठन होने के नाते सीएमपीडीआईएल ने अपनी कुल परिचालन गतिविधियों में विभिन्न क्षेत्रों में कई तकनीकी पहल की हैं।

- भूमिगत खनन में, कई खदानों में बड़े पैमाने पर उत्पादन तकनीक शुरू की गई है। सीआईएल की अब तक 18 खदानों में सतत खनिक प्रौद्योगिकी (26) शुरू की गई है, जो चालू हैं। बीसीसीएल के मुनीडीह यूजी और ईसीएल के झांझरा यूजी में लॉन्ग वाल माइनिंग चल रही है।
- झांझरा और कोटाडीह यू/जी खदानों और सीसीएल की चुरी यू/जी खदानों में लोगों और सामग्रियों के भूमिगत परिवहन के लिए निःशुल्क चालित वाहन शुरू किए गए हैं।
- सीआईएल की 41 यूजी खदानों में 52 मैन राइडिंग सिस्टम (एमआरएस) चालू हैं और 3 एमआरएस की स्थापना की जा रही है। सीआईएल की अन्य 12 भूमिगत खदानों के लिए मैन राइडिंग योजनाएं तैयार की गई हैं।
- बड़े पैमाने पर उत्पादन तकनीक के साथ प्रस्तावित कुछ भूमिगत खदानों के लिए, लोगों और सामग्री के लिए ट्रैकलेस परिवहन प्रणाली प्रस्तावित की गई है। झांझरा भूमिगत खदान में तीन फ्री-स्टीयर वाहन (डीजल संचालित) और खोटाडीह भूमिगत खदान में दो फ्री-स्टीयर वाहन (बैटरी संचालित) वर्तमान में ईसीएल में परिचालन में हैं।
- शारदा खदान में हाईवॉल माइनर के दो सेट परिचालन में हैं, जिनकी कुल क्षमता 0.85 मिलियन टन है। लगभग 2.0 मिलियन टन की कुल क्षमता वाली सीआईएल की 4 हाईवॉल माइनर परियोजनाओं के लिए एलओए जारी किया गया है।
- जियोविया माइनेक्स, डेटा माइन, वल्कन, कार्लसन सॉफ्टवेयर के नवीनतम संस्करण खदान योजना के लिए पेश किए गए हैं। यह गड्डे के डिजाइन, गड्डे के अनुकूलन, संसाधनों और डंपों के शेड्यूलिंग आदि के माध्यम से सर्वोत्तम संसाधन योजना प्रदान करता है। इसके अलावा, चट्टान और मिट्टी की ढलानों की स्थिरता का विश्लेषण करने के लिए रॉकसाइंस इंक से भू-तकनीकी सॉफ्टवेयर/उपकरण खरीदे गए हैं।
- अनुसंधान और विकास परियोजना (आईआईटी दिल्ली के सहयोग से डिजाइन किया हुआ) के जरिये 2500 केएन सामान्य कतरनी भार क्षमता वाली बड़ी डायरेक्ट शीयर मशीन (भारत में सबसे बड़ी) की कमीशनिंग और एक जियोटेक्निकल लैब की स्थापना।
- ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग को खत्म करने और चयनात्मक खनन की सुविधा के लिए सीआईएल की कई खुली खदानों में 40 विभागीय सरफेस माइनर्स कार्यरत हैं।
- ओपनकास्ट खदानों में विब्रो रिपर के उपयोग पर एक अध्ययन हाल ही में किया गया है। इस अध्ययन से यह पता चला है कि विब्रो रिपर उन स्थानों पर उपयुक्त है जहां पर्यावरण, सुरक्षा या अन्य कारणों से ड्रिलिंग और ब्लास्टिंग की अनुमति नहीं है/वांछित है। वर्तमान में वे एमसीएल में कनिहा और हिंगुला खदानों और एसईसीएल के गेवरा में तैनात हैं।
- कोयले की चोरी और pilferage को रोकने के लिए कोयला परिवहन करने वाले वाहनों में जीपीएस/जीपीआरएस आधारित वाहन ट्रैकिंग सिस्टम [वीटीएस] शुरू किया गया है।
- आरएफआईडी, सीसीटीवी और बूम बैरियर आधारित वजन निगरानी और नियंत्रण प्रणाली शुरू की गई है। इसने केंद्रीय सर्वर पर कोयला तौल डेटा का वास्तविक समय प्रसारण सुनिश्चित किया है। इससे सिस्टम में पारदर्शिता बढ़ी है और साथ ही पारगमन के दौरान कोयले की चोरी को कम करने में मदद मिली है।

- ऑपरेटर इंडिपेंडेंट ट्रक डिस्पैच सिस्टम (ओआईटीडीएस) - वास्तविक समय वाहन स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली, वीआईएमएस और ईंधन प्रबंधन प्रणाली (एफएमएस) के साथ-साथ अधिकांश खदानों में वर्तमान में केवल वाहनों की ट्रैकिंग के बजाय चक्र समय और लागत को कम करने के लिए फावड़ियों को डंपरों का स्वचालित आवंटन का इस्तेमाल किया जा रहा है।
- ओपन कास्ट खदानों में धूल दमन के लिए निश्चित प्रकार की स्वचालित स्पिंकलर प्रणाली - पंप ड्राइव अर्थात् स्टार्ट, स्टॉप, ट्रिप आदि की निरंतर निगरानी अनुसंधान एवं विकास प्रयासों के माध्यम से शुरू की गई है।
- खोजपूर्ण ड्रिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए पीसीडी बिट्स के साथ हाइड्रोस्टैटिक ड्रिल प्रयोग की गई हैं।
- आईएसपी, 2022 की शर्तों के अनुसार अनुकूलित ड्रिलिंग कार्य के साथ-साथ अत्याधुनिक भूकंपलेखी और आधुनिक भूकंपीय स्रोतों (जैसे वाइब्रेटर/विस्फोटक आदि) का उपयोग करके कोयला अन्वेषण कार्य के लिए व्यापक पैमाने पर 2डी/3डी भूकंपीय सर्वेक्षण शुरू किया है।
- सीएमपीडीआईएल भूकंपीय डेटा के प्रसंस्करण और व्याख्या के लिए इन-हाउस विकसित सॉफ्टवेयर "एसपीई" के साथ अत्याधुनिक पैराडाइम सॉफ्टवेयर का उपयोग कर रहा है, जो प्रौद्योगिकी की कल्पना करके उप-सतह की बेहतर संरचनात्मक जानकारी उत्पन्न करता है।
- संख्यात्मक मॉडलिंग सॉफ्टवेयर (एफएलएसी 3डी) को अनुसंधान एवं विकास परियोजना के तहत खरीदा/उन्नत किया गया था, जिसका उपयोग स्तर नियंत्रण से जुड़े वैज्ञानिक अध्ययनों के लिए नियमित रूप से किया जा रहा है। यूजी खदानों में वेंटिलेशन योजना के लिए VENTSIM सॉफ्टवेयर पेश किया गया है। उपरोक्त सॉफ्टवेयर के उपयोग से इन-हाउस कार्यों का सृजन किया गया है।
- सीएमपीडीआईएल सीआईएल लीजहोल्ड क्षेत्रों यानी बीसीसीएल, ईसीएल और एसईसीएल में सीबीएम के विकास के लिए प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) है। एक सीबीएम ब्लॉक अर्थात् झरिया सीबीएम ब्लॉक-1 (बीसीसीएल लीजहोल्ड क्षेत्र) को राजस्व हिस्सेदारी के आधार पर सीबीएम के निष्कर्षण के लिए मेसर्स प्रभा एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड को प्रदान किया गया है।
- सीएमपीडीआईएल सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों में कोयला गैसीकरण परियोजनाओं के लिए प्रधान कार्यान्वयन एजेंसी (पीआईए) भी है।

प्रारंभ में निम्नलिखित कोयला गैसीकरण परियोजनाएँ शुरू की गई हैं:

- एसईसीएल (महामाया) एससीजी परियोजना: साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने अमोनिया के उत्पादन के लिए बुनियादी कच्चे माल के रूप में कोयले का उपयोग करने के लिए 2200 एमटीपीडी की क्षमता के साथ महामाया, छत्तीसगढ़ में कोयला से अमोनिया संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है। 12.10.2022 को SECL में कोयला-से-DME गैसीकरण परियोजना के लिए CIL और IOCL के बीच समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया है। कार्यान्वयन के एलएसटीके मोड पर एसईसीएल में कोल-टू-डीएमई संयंत्र की स्थापना के लिए पीएफआर की तैयारी के लिए पीडीआईएल को 24.11.2022 को कार्य आदेश जारी किया गया है।
- ईसीएल (शिल्पांचल) परियोजना) एससीजी परियोजना: ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने उत्पादन के लिए बुनियादी कच्चे माल के रूप में कोयले का उपयोग करने के लिए 2000 एमटीपीडी की क्षमता के साथ बहादुरपुर - रानीगंज , पश्चिम बर्धमान (डब्ल्यूबी) में जमीनी स्तर पर कोयला से मेथनॉल संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है। बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदा 31 जनवरी, 2022 को जारी की गई है। बोली 5 मई 2022 को खोली गई और कोई बोली प्राप्त नहीं हुई है। गेल के साथ समझौता ज्ञापन पर 12 अक्टूबर , 2022 को हस्ताक्षर किए गए हैं (सीआईएल-गेल जेवी: ईसीएल में कोयला-टू-एसएनजी)। कार्यान्वयन के एलएसटीके मोड पर ईसीएल में कोयला-से-एसएनजी संयंत्र की स्थापना के लिए पीएफआर की तैयारी के लिए पीडीआईएल को 24.11.2022 को कार्य आदेश जारी किया गया है।

- डब्ल्यूसीएल (उत्कर्ष एससीजी परियोजना: वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने जूना में कोयला-से-अमोनियम-नाइट्रेट (पिघला हुआ) संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई है। अमोनियम नाइट्रेट के उत्पादन के लिए बुनियादी कच्चे माल के रूप में कोयले का उपयोग करने के लिए 2000 एमटीपीडी की क्षमता के साथ महाराष्ट्र के डब्ल्यूसीएल के माजरी क्षेत्र की कुनाडा ओपनकास्ट खदान और चारगांव ओसी खदान (परित्यक्त गड्ढे) । डब्ल्यूसीएल कोयला गैसीकरण परियोजना के लिए बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदा 3 अगस्त, 2022 को जारी की गई है। कोई बोली प्राप्त नहीं हुई। डब्ल्यूसीएल एससीजी परियोजना के लिए बीओओ प्रोसेसर के चयन के लिए निविदा 06 मार्च 2023 को जारी की गई है। बोली खोलने की तारीख 14 सितंबर, 2023 है । संभावित बोलीदाताओं के साथ एक बोली-पूर्व बैठक 27 मार्च, 2023 को ईआईएल, दिल्ली में आयोजित की गई थी ।

ड. 2022-23 के दौरान पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाओं का संक्षिप्त परिणाम:

(i) सीआईएल कमांड क्षेत्रों के भीतर सीएमएम संसाधन के निष्कर्षण के लिए क्षमता निर्माण

इस परियोजना को सीएसआईआरओ, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से सीएमपीडीआईएल, रांची द्वारा क्रियान्वित किया गया था।

इस परियोजना के तहत, सीएमपीडीआईएल ने भारत में अपरंपरागत गैस संसाधनों के निष्कर्षण में सहायता के लिए सीबीएम/सीएमएम संसाधनों को समझने के लिए पिछले कुछ वर्षों में एक अच्छी अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधा विकसित की है।

नए उपकरणों और सुविधाओं में मोबाइल प्रयोगशाला शामिल है; नए डिजाइन के सोखने वाले कनस्टर; गैस माप के साथ अवशिष्ट गैस माप प्रणाली; सूक्ष्म गैस क्रोमैटोग्राफ; त्रिअक्षीय चट्टान परीक्षण प्रणाली; adsorption इज़ोटेर्म उपकरण, और गैस जलाशय मॉडलिंग सॉफ्टवेयर और क्षमता। सभी नए उपकरण सीएमपीडीआईएल द्वारा खरीदे गए हैं ।

(ii) कनवल्शनल न्यूरल नेटवर्क और हाइपरस्पेक्ट्रल छवियों पर आधारित कोयला गुणवत्ता अन्वेषण तकनीक का विकास

इस परियोजना को सीआईएमएफआर, नागपुर द्वारा श्री रामदेवबाबा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, नागपुर के सहयोग से क्रियान्वित किया गया था।

इस परियोजना के तहत, कनवल्शनल न्यूरल नेटवर्क तकनीक/मशीन लर्निंग आदि का उपयोग करके हाइपर-स्पेक्ट्रल इमेजिंग द्वारा कोयला गुणवत्ता डेटा की भविष्यवाणी करने के लिए एक नई कोयला गुणवत्ता पहचान और वर्गीकरण तकनीक विकसित की गई है।

(iii) उच्च राख वाले भारतीय कोयले के लिए अप्रत्यक्ष कोयला गैसीकरण रिएक्टर की मॉडलिंग और डिजाइन।

सीएमपीडीआईएल, रांची के सहयोग से आईआईटी, मद्रास द्वारा क्रियान्वित किया गया था

इस परियोजना के तहत, कोयले के अप्रत्यक्ष गैसीकरण के लिए दो रिएक्टरों, अर्थात् कोयला हीटिंग रिएक्टर (सीएचआर) और चार गैसीफिकेशन रिएक्टर (सीजीआर) का उपयोग किया जाता है। भारत में उपलब्ध कई कोयले के अनुमानित और अंतिम विश्लेषण के आधार पर विस्तृत ताप और द्रव्यमान संतुलन गणना की गई है। गैसीफायर को 1 मेगावाट के कैलोरी मान के साथ सिनगैस के उत्पादन के लिए डिज़ाइन किया गया है। सीजीआर से आवश्यक आउटपुट के आधार पर कोयला, वायु और भाप की द्रव्यमान प्रवाह दरों की गणना की गई है।

दो विन्यासों पर विचार किया गया है। कॉन्फिगरेशन-1 में सीएचआर और सीजीआर दोनों धीमी बबलिंग बेड व्यवस्था में काम करते हैं। यहां, कोयला हीटिंग रिएक्टर (सीएचआर) के नीचे से गर्म चार को हटा दिया जाता है और चार गैसीफिकेशन रिएक्टर (सीजीआर) को आपूर्ति की जाती है। इसी प्रकार, सीजीआर के नीचे से रेत और राख हटा दी जाती है। कॉन्फिगरेशन-2 सीएचआर में अशांत/तेज़ द्रवीकरण व्यवस्था को नियोजित करता है।

यहां, गर्म चार कणों को रिएक्टर के शीर्ष के माध्यम से ले जाया जाता है, एक चक्रवात का उपयोग करके अलग किया जाता है और सीजीआर में डाला जाता है।

(iv) कोयला खदान कामकाज में विभिन्न खनन विधियों के लिए स्तंभों/स्तंभों की शृंखला की डिजाइन और स्थिरता

इस परियोजना को सीआईएमएफआर, धनबाद द्वारा आईआईटी-आईएसएम, धनबाद, सीएमपीडीआईएल, रांची, एसईसीएल, बिलासपुर, बीसीसीएल, धनबाद और एससीसीएल, कोठागुडेम के सहयोग से निष्पादित किया गया था।

इस परियोजना के तहत विभिन्न गहराई के लिए खंभों के डिजाइन और स्थिरता से संबंधित दिशानिर्देश विकसित किए गए थे। बीसीसीएल की मुनीडीह यूजी खदान और एसईसीएल की चुरचा खदान में वीडब्ल्यू स्ट्रेस सेल, एक्सटेन्सोमीटर, रिमोट कन्वर्जेंस इंडिकेटर्स, डेटा लॉगर्स जैसे स्ट्रेट मॉनिटरिंग उपकरणों का उपयोग करके इन-सीटू स्ट्रेस मापन किया गया था। इसके बाद, FLAC 3D में स्तंभ व्यवहार के अनुकरण के लिए मॉडल तैयार किए गए जिन्हें क्षेत्र अवलोकनों से मान्य किया गया।

(v) भारत में ओपनकास्ट कोयला खदानों में ओवरबर्डन डंप की ऊंचाई बढ़ाने के लिए दिशानिर्देशों का विकास

इस परियोजना को आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से सीएमपीडीआई एल (मुख्यालय), रांची द्वारा क्रियान्वित किया गया था।

इस परियोजना के तहत, सबसे कुशल ओवरबर्डन डंप डिजाइन के लिए तकनीकी-आर्थिक और परिचालन चुनौती को पूरा करने के लिए तीन प्रमुख कोयला क्षेत्रों में कोयला खदान ओवरबर्डन डंप का विस्तृत भू-तकनीकी लक्षण वर्णन और स्थिरता विश्लेषण किया गया था, जो सुरक्षित और सपाट होने के लिए पर्याप्त खड़ी हो। आर्थिक रूप से स्वीकार्य हो। प्रत्यक्ष कतरनी मशीन (डीएसएम) और बड़ी प्रत्यक्ष कतरनी मशीन (एलडीएसएम) से संख्यात्मक विश्लेषण और ताकत गुणों का उपयोग करके एफओएस का अनुमान, विफलता की संभावना और इष्टतम डंप ज्यामिति प्राप्त करने का भी प्रदर्शन किया गया।

(vi) वॉशरी ग्रेड कोकिंग कोयले और तेल संचय के माध्यम से उच्च राख वाले गैर-कोकिंग कोयले से राख सामग्री (खनिज पदार्थ) को कम करने पर बेंच स्केल अध्ययन।

इस परियोजना को सीएमपीडीआई एल (मुख्यालय), रांची के सहयोग से एनएमएल, जमशेदपुर द्वारा क्रियान्वित किया गया था।

इस परियोजना के तहत, पेट्रोग्राफी, जेटा क्षमता और एफटीआईआर लक्षण वर्णन सहित समूहन प्रक्रिया की उपयुक्तता का आकलन करने के लिए एमसीएल और सीसीएल से कच्चे कोयले का लक्षण वर्णन किया गया था। इसके अलावा, कोयले के कण आकार, पायसीकरण और ढेर दोनों के लिए आंदोलन की अवधि, आंदोलनकारी के ब्लेड डिजाइन सहित प्रत्येक कोयले के लिए ढेर मापदंडों के अनुकूलन के साथ 5 किलोग्राम पैमाने पर भारतीय मूल के कोयले से उच्च राख स्तर को हटाने के लिए उपयुक्त तेल ढेर प्रक्रिया इकाई का स्वदेशी निर्माण, तेल का प्रकार और तेल की मात्रा। अंत में, अपनाई जाने वाली उपयुक्त छानने की प्रक्रिया भी निर्धारित की गई।

(vii) मोबाइल मशीनरी के लागत प्रभावी सुरक्षित संचालन के लिए रियल-टाइम प्रोग्नोसिस सिस्टम (आरटीपीएस) का विकास और अपनाना: डम्पर बेड़े का शो-केस प्रदर्शन।

इस परियोजना को आईआईटी, खड़गपुर द्वारा CIMFR, धनबाद, लूलिया टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी (LTU), स्वीडन और ECL, सैंक्टोरिया के सहयोग से क्रियान्वित किया गया था।

इस परियोजना के तहत, उन्नत प्रौद्योगिकी पर आधारित सतह खनन परिसंपत्ति उपयोग ढांचा विकसित किया गया था। इसमें शामिल है बेहतर उपयोग और सुरक्षा के साथ डम्पर बेड़े के लिए पूर्वानुमान प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के विशिष्ट उद्देश्य के साथ फावड़ा-डम्पर संयोजन के साथ एक पारंपरिक सतह खदान में ढांचे का प्रदर्शन।

- (viii) सुरक्षा के साथ बंद कोल पिलर्स को निकालने वाली खुली खदानों में आग लगने की घटना की भविष्यवाणी करने में सक्षम करने के लिए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित मशीन लर्निंग समाधान विकसित करना।

इस परियोजना को आईआईटी-आईएसएम, धनबाद द्वारा क्रियान्वित किया गया था ।

इस परियोजना के तहत, खदान के स्थान के लिए विशिष्ट रूप से आग लगने/आग न लगने की घटना के बारे में भविष्यवाणी करने के लिए एक हाथ से संचालित एआई आधारित मशीन इंटेलिजेंस समाधान विकसित किया गया था।

- (ix) अवलोकन का उपयोग करके कोयला क्षेत्र में क्षेत्रीय वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए एक पद्धति का विकास ।

यह परियोजना सीएमपीडीआई एल (मुख्यालय), रांची द्वारा एनआरएससी, इसरो, हैदराबाद के सहयोग से निष्पादित की गई थी।

इस परियोजना के तहत, ऑनलाइन वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशनों से पार्टिकुलेट मैटर और मौसम संबंधी डेटा [जैसा कि सीएमपीडीआई एल प्राधिकरण द्वारा आपूर्ति की गई है], मॉडल व्युत्पन्न मौसम विज्ञान क्षेत्रों के साथ संयोजन में टेरा और एक्वा उपग्रह से एमओडीआईएस सेंसर व्युत्पन्न एओडी डेटा का उपयोग उपग्रह आधारित पीएम 2.5 और पीएम 10 के सहती सांद्रण का स्तर पता करने के लिए किया गया है। इस विकसित संबंध का उपयोग सैटेलाइट ओवरपास टाइम के दौरान कण मानचित्र के स्थानिक मानचित्र को उत्पन्न करने के लिए किया गया था और सिंगरौली और तालचेर कोयला क्षेत्र में मान्य किया गया था।

रसायन विज्ञान (डब्ल्यूआरएफ- केम) के साथ मौसम अनुसंधान और पूर्वानुमान, सेंटिनल-5पी उपग्रह (ट्रोपोमी) के स्तंभ डेटा के साथ संयोजन में ट्रेस गैसों की सांद्रता के मॉडल-व्युत्पन्न सतह और स्तंभ एकीकृत मूल्यों का उपयोग सतह स्तर के उपग्रह आधारित ट्रेस गैसों की सांद्रता को मैप करने के लिए किया गया था। (NO₂ और SO₂) दैनिक आधार पर और पार्टिकुलेट मैटर और ट्रेस गैसों की कल्पना और निगरानी के लिए एक इंटरफ़ेस भी विकसित किया गया था।

परिशिष्ट-II

सेवा में,
निदेशक मंडल,
सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीच्यूट लि.,

सीईओ एवं सीएफओ प्रमाणन

हम मनोज कुमार, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक एवं पी.के.प्रसाद महाप्रबंधक (वित्त)/सीएफओ जो कि वित्तीय कार्यों के लिए जिम्मेवार हैं, प्रमाणित करते हैं कि:

- क. हमने 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए वित्तीय विवरण तथा नकद प्रवाह के विवरण की समीक्षा की है तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार:
- इन विवरणों में न तो कोई भी वस्तुपरक असत्य विवरण शामिल है, न ही कोई प्रमुख तथ्य छोड़ दिया गया है और न ही कोई गुमराह करने वाला विवरण शामिल किया गया है।
 - ये विवरण कंपनी के कार्यों का सच्चा एवं सही चित्र प्रस्तुत करते हैं तथा ये विद्यमान लेखा मानकों, लागू कानून एवं विनियमों के अनुरूप हैं।
- ख. हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार 31 मार्च, 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा किया गया कोई भी लेन-देन कपटपूर्ण, गैर-कानूनी एवं कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन करने वाला नहीं है।
- ग. वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण की स्थापना एवं रख-रखाव हेतु हम अपनी जिम्मेवारी स्वीकार करते हैं तथा हमने वित्तीय रिपोर्टिंग हेतु आंतरिक नियंत्रण प्रणाली के प्रभावकारिता का मूल्यांकन किया है तथा ऐसे आन्तरिक नियंत्रण के डिजाइन अथवा संचालन में यदि कोई कमियाँ हैं तो उनके बारे में अंकेक्षकाने तथा अंकेक्षण समितियों को बताया है एवं इनके बारे में उन्हें जानकारी है वे इन कमियों को दूर करने के लिए कदम उठा रहे हैं अथवा उनके द्वारा प्रस्तावित हैं।
- घ. हमने अंकेक्षकों तथा अंकेक्षण समितियों को निम्नलिखित जानकारी दी है:
- 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान वित्तीय रिपोर्ट के संदर्भ के अंतर्गत आंतरिक नियंत्रण में कुछ खास बदलाव नहीं हुआ है।
 - 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के दौरान लेखांकन नीतियों में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है
 - किसी बड़ी धोखाधड़ी के किसी भी दृष्टांत के बारे में, जिसमें प्रबंधन की भूमिका हो अथवा किसी ऐसे कर्मचारी जिसकी वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका हो, की कोई जानकारी हमें नहीं है।



(पी.के.प्रसाद)
महाप्रबंधक (वित्त)



(मनोज कुमार)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक

परिशिष्ट-III

Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,
BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091.

Tel. +91 9867771580 • Email raveena@mehta-mehta.com • Visit Us www.mehta-mehta.com

कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट निगमित शासन अनुपालन का प्रमाण-पत्र

CIN of the Company: U14292JH1975GOI001223

Nominal Capital: Rs. 150,00,00,000 (Rupees One Hundred Fifty Crores Only)

Paid up Capital: Rs. 142,80,00,000 (Rupees One Hundred Forty Two Crores Eighty Lakhs Only)

To,

The Members,

Central Mine Planning & Design Institute Limited

Gondwana Place, Kanke Road

Ranchi – 834031

We have examined the compliance conditions of Corporate Governance of Central Mine Planning & Design Institute Limited (the "Company") for the year ended on 31st March, 2023, as stipulated in the Department of Public Enterprises (DPE) Guidelines 2010 on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprises.

Our examination has been summarized as follows:-

1. The Compliance with the conditions of Corporate Governance is the responsibility for management. Our examination is in accordance with the Corporate Governance (Modules of Best Practices) issued by the Institute of Company Secretaries of India and Corporate Governance guidelines referred under Department of Public Enterprises Guidelines 2010 and was limited to procedures and implementation thereof, adopted by the Company for ensuring the compliance of the conditions of Corporate Governance.

It is neither an audit nor an expression of opinion on the Financial Statements of the Company. We have obtained all the information and explanations, which to the best of our knowledge and belief, were necessary for the purpose of certification and have been provided with such records, documents, certificates, etc. as had been required by us.

2. In our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us and the representations made by the Directors and the Management, we certify that the Company has taken steps for reviewing the Compliance of laws and the standards issued for ensuring good governance practices, in line with the provisions of the Companies Act, 2013 and the various modules and standards issued by The Institute of Company Secretaries of India in this regard.

1. BOARD OF DIRECTORS

The business of the company is managed by the Board of Directors. The president determines, from time to time, the number of Directors of the company. The Directors are not required to hold any qualification shares. The Chairman, Functional Directors, Part-time official Directors and Non-official



Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,

BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091

part-time Directors are appointed by the President of India and they are paid salary, allowances, sitting fees etc. as determined by the President of India subject to provisions of the Companies Act, 2013 and terms and condition of appointment order.

(A) SIZE OF THE BOARD:

In terms of the Article of Association of the company, strength of the Board shall not be less than 2 Directors and not more than 15 Directors. These Directors may be Whole Time Directors / Functional Directors or Part-Time Directors/Independent Directors.

(B) COMPOSITION OF THE BOARD OF DIRECTORS CATEGORY WISE:

As on 31st March, 2023, the Board of Directors of CMPDIL comprises of 7 (seven) Directors out of which five are Whole-time Directors including the Chairman-cum-Managing Director and two are part time official Directors. The Board is headed by an Executive Chairman, Shri Manoj Kumar. There are no Independent Directors on the Board of the company. *Five Independent Directors including one woman Director are yet to be appointed* by the Ministry of Coal, Govt. of India after the cessation of office of the Independent Directors appointed earlier. As such the guidelines on Corporate Governance in respect of composition of Board could be followed only on appointment of the Independent Directors.

The composition of Board of Directors as on 31st March, 2023 is as follows:

I. WHOLE-TIME DIRECTORS

A. CHAIRMAN-CUM-MANAGING DIRECTOR

1. SHRI MANOJ KUMAR

B. FUNCTIONAL DIRECTORS

1. SHRI RABINDRA NATH JHA

2. SHRI SATENDRA KUMAR GOMASTA

3. SHRI SHANKAR NAGACHARI

4. SHRI AJAY KUMAR

II. PART-TIME OFFICIAL DIRECTORS

1. Dr. B. VEERA REDDY

2. SHRI MANOJ KUMAR GUPTA*

[*Form DIR 12 for cessation of Mr. Mukesh Choudhary was duly filed by the Company but the same has not been processed from ROC, for this management has issued requisite letters to ROC for resolving the issue and because of which Form DIR 12 for Appointment of Shri Manoj Kumar Gupta is not getting filed.]



Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,
BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091.

III. PERMANENT INVITEE Email: raveena@mehta-mehta.com • Visit Us: www.mehta-mehta.com

I. SHRI AJITESH KUMAR

(C) NUMBER OF BOARD MEETINGS HELD AND DATES ON WHICH HELD

The Board of Directors is the supreme body of the company which oversees the overall function of the company. 10 (Ten) Board meetings were held during the financial year 2022-23.

Sl No.	No. of Meeting	Date	Day	Place of Meeting
1	257 th	10.05.2022	Tuesday	CMPDIL, Ranchi
2	258 th	17.06.2022	Friday	CMPDIL, Ranchi
3	259 th	08.07.2022	Friday	New Delhi
4	260 th	28.07.2022	Thursday	CMPDIL, Ranchi
5	261 st	22.09.2022	Thursday	CMPDIL, Ranchi
6	262 nd	15.10.2022	Saturday	New Delhi
7	263 rd	04.11.2022	Friday	CMPDIL, Ranchi
8	264 th	29.11.2022	Tuesday	CMPDIL, Ranchi
9	265 th	24.01.2023	Tuesday	CMPDIL, Ranchi
10	266 th	17.03.2023	Friday	CMPDIL, Ranchi

2. A. AUDIT COMMITTEE:

The primary function of the Audit Committee is to assist the Board of Directors in fulfilling its oversight responsibilities by reviewing the financial report; the Company's system of internal control regarding finance, Accounting and the Company's auditing, accounting and financial reporting process generally.

The Audit Committee reviews reports of the Internal Auditors, meets Statutory Auditors and discusses their findings, suggestions and other related matters and reviews major accounting policies followed by the Company.

B. TERMS OF REFERENCE:

The terms of reference of the Audit Committee are in accordance with Section 177 of the Companies Act, 2013 and in accordance with the guidelines on Corporate Governance of CPSEs issued by the Ministry of Heavy Industries and Public Enterprises, Department of Public Enterprises.

The Terms of reference of Audit Committee will cover all commercial aspects of the organization inter-alia:

- Review of financial statement before submission to the Board.
- Periodical review of internal control system.
- Review of Government audit and Statutory Auditor's report.



HEAD OFFICE : 201-206, Shiv Smriti, 2nd Floor, 49/A, Dr. Annie Besant Road, Above Corporation Bank, Worli, Mumbai-400 018
Tel.: +91-22-6611 9696 • E-mail: info@mehta-mehta.com • Visit us: www.mehta-mehta.com

Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,

BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091

iv. Review of operational performance vis-a-vis standard parameters. info@mehta-mehta.com www.mehta-mehta.com

v. Review of projects and other capital scheme.

vi. Review of internal audit findings/ observations.

vii. Development of a commensurate and effective Internal Audit function.

viii. Special studies/investigation of any matter including issues referred by the Board.

C. SCOPE OF AUDIT COMMITTEE:

The Scope / Role of Audit Committee are as follows:

1. Overseeing of the company's financial reporting process and the disclosure of its financial information to ensure that the financial statement is correct, sufficient and credible.
2. Recommending to the Board the fixation of audit fees.
3. Approval of payment to Statutory Auditors for any other services rendered by the Statutory Auditors.
4. Reviewing, with the Management, the Annual Financial Statements before submission to the Board for approval, with particular reference to:
 - a. Matters required being included in the Directors' Responsibility Statement to be included in Boards report in terms of Section 134(3) and 134(5) of the Companies Act, 2013.
 - b. Changes, if any, in accounting policies and practices and reasons for the same;
 - c. Major accounting entries involving estimates based on the exercise of judgment by management;
 - d. Significant adjustments made in the financial statement arising out of audit findings;
 - e. Compliance with legal requirements (applicable laws, regulation and Company policies) relating to Financial Statements;
 - f. Disclosure of any related party transactions; and
 - g. Qualifications in the draft audit report.
5. Reviewing with the Management, the Quarterly Financial Statements before submission to the Board for approval.
6. Reviewing with the Management, performance of Internal Auditors and adequacy of the internal control systems.



HEAD OFFICE : 201-206, Shiv Smriti, 2nd Floor, 49/A, Dr. Annie Besant Road, Above Corporation Bank, Worli, Mumbai-400 018
Tel : 022 22 6611 9696 • E-mail : info@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

Mehtha & Mehtha

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,
BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091

7. Reviewing the adequacy of internal audit function, if any including the structure of the internal audit department, staffing and seniority of the official heading the department, reporting structure coverage and frequency of internal audit.
8. Discussion with Internal Auditor and / or Auditors any significant findings and follow up thereon.
9. Reviewing the findings of any internal investigations by the Internal Auditors / Auditors / agencies into matters where there is suspected fraud or irregularity or a failure of internal control system of a material nature and reporting the matter to the Board.
10. Discussion with Statutory Auditors before the audit commences, about the nature and scope of audit as well as post-audit discussion to ascertain any area of concern.
11. Reviewing the functioning of the Whistle Blower Mechanism.
12. Reviewing the follow up action on the audit observations of the C&AG audit.
13. Providing an open avenue of communication between the Independent Auditor, Internal Auditor and the Board of Directors.
14. Reviewing and approving all related party transactions in the company. For this purpose, the Audit Committee may designate a member who shall be responsible for reviewing related party transactions as contained in the Accounting Standard 18 issued by the Institute of Chartered Accountants of India.
15. Reviewing with the Independent Auditor the co-ordination of audit efforts to assure completeness of coverage, reduction of redundant efforts, and the effective use of all audit resources.
16. Reviewing with the Independent Auditors the adequacy of internal controls including computerized Information System Controls and security, and related findings and recommendations of the Independent Auditor and Internal Auditor, together with the management responses.
17. Consider and review with the management, Internal Auditor and Independent Auditor, the significant findings during the year including the status of previous audit recommendations and any difficulties encountered during audit work including any restrictions on the scope of activities or access to required information.
18. To look into the reasons for substantial defaults in the payment to the depositors, debenture holders, shareholders (in case of non- payment of declared dividends) and creditors.
19. To review the follow up action taken on the recommendations of Committee on Public Undertakings (COPU) of the Parliament.
20. Carrying, out any other function as mentioned in the terms of reference of the Audit Committee.

D. POWERS OF THE AUDIT COMMITTEE:

The Audit Committee shall have powers commensurate with its role including the following:



HEAD OFFICE : 201-206, Shiv Smriti, 2nd Floor, 49/A, Dr. Annie Besant Road, Above Corporation Bank, Worli, Mumbai-400 018
Tel. : +91-22-6611 9696 • E-mail: info@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

Mehhta & Mehhta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK: 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,
BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091

1. To investigate any activity within its terms of reference. info@mehta-mehta.com • Visit Us: www.mehta-mehta.com

2. To seek information from any employee.

3. To obtain outside legal or other professional advice.

4. To secure attendance of outsiders with relevant expertise, if considered necessary.

5. To protect whistle blowers.

6. To mitigate conflicts of interest by strengthening Auditors independent.

7. To ensure the effectiveness of internal controls and risk management.

E. REVIEW OF INFORMATION BY AUDIT COMMITTEE:

The Audit Committee shall review the following information:

i. Management discussion and analysis of financial condition and results of operations;

ii. Statement of related party transactions submitted by management;

iii. Management letters / letters of internal control weaknesses issued by the Statutory Auditors;

iv. Internal Audit reports relating to internal control weaknesses;

v. The appointment and removal of the Chief Internal Auditor shall be placed before the audit Committee; and

vi. Certification / declaration of financial statements by the Chief Executive / Chief Finance Officer.

F. COMPOSITION:

The Board reconstituted the Audit Committee of CMPDIL in its 266th Board meeting held on 17.03.2023. As on 31st March, 2023 the Audit Committee consists of following members and is headed by Official part-time Director:

<u>Sl No.</u>	<u>Name of Director</u>	<u>Status</u>	<u>Designation in Company</u>
1	Dr. B. Veera Reddy	Chairman	Official part-time Director
2	Shri S.K Gomasta	Member	Functional Director
3	Shri Shankar Nagachari	Member	Functional Director
4	Shri Manoj Kumar Gupta	Member	Official part-time Director

*Shri Manoj Kumar Gupta was appointed as Member on 27th March, 2023

HoD (IAD) and Statutory Auditors are invited to the Audit Committee Meeting. CFO is the Permanent Invitee and Company Secretary is the Secretary to the Committee. Senior functional executives are also invited as and when required to provide necessary clarification to the Committee.



Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,
BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091

Internal Audit Department provides necessary support for holding and conducting the Audit Committee Meeting.

G. DETAILS OF AUDIT COMMITTEE MEETINGS HELD IN F.Y. 2022-23:

7 (Seven) meetings were held during the financial year 2022-23 on:-

10.05.2022, 08.07.2022, 28.07.2022, 22.09.2022, 04.11.2022, 24.01.2023 and 17.03.2023

3. NOMINATION AND REMUNERATION COMMITTEE

The Board constituted the Nomination & Remuneration Committee of CMPDIL in its 191st Board Meeting held on 30.12.2015 in order to follow the best practice of Corporate Governance and to comply with the guidelines of Corporate Governance and the listing agreement entered into by Coal India Limited with Stock Exchanges.

A. COMPOSITION

The Board reconstituted the Nomination & Remuneration Committee of CMPDIL in its 234th Board meeting held on 09.06.2020 consists of following members and is headed by a Non-official part-time Director (Independent Director):

Sl No.	Name of Director	Status	Designation
1.	Smt. Alka Panda	Chairperson	Independent Director
2.	Dr. Krishna Chandra Pandey	Member	Independent Director
3.	Shri Pramod Singh Chauhan	Member	Independent Director
4.	Shri Mukesh Choudhary	Member	Official part-Time Director
5.	Shri S.K Gomasta	Permanent Invitee	Functional Director

Company Secretary will act as Secretary to this Committee and HoD (P&A) would be the Nodal Officer of the Committee providing all services to the Committee. Among the above members all others ceased from directorship except Shri S.K. Gomasta, permanent invitee. No new member has been appointed till date.

B. DETAILS OF NOMINATION & REMUNERATION COMMITTEE MEETINGS HELD IN F.Y. 2022-23:

No meeting was held during the financial year 2022-23.

4. CSR COMMITTEE

Corporate Social Responsibility (CSR) and Sustainability is a company's commitment to its stakeholders to conduct business in an economically, socially and environmentally sustainable manner that is transparent and ethical. Stakeholders include employees, investors, shareholders, customers,





COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,
BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091

business partner, clients, civil society groups, Government and non-governmental organizations, local communities, environment and society at large.

Each CPSEs is required to have a Board level committee headed by either the Chairman and/or Managing Director or an independent Director to oversee the implementation of the CSR and sustainability policies of the company and to assist the Board of Directors to formulate suitable policies and strategies to take these agenda of the company forward in the desired direction as per the guidelines issued by DPE w.e.f. 01.04.2013. In terms of the guidelines, CSR & sustainability has been included as a compulsory element under non-financial parameters in MoU.

In line with the guidelines, the Board constituted the CSR Committee in its 172nd meeting held on 10.05.2013.

A. COMPOSITION:

As on 31st March, 2023 the CSR Committee consists of following members and is headed by Functional Director:

1. Shri R.N. Jha Chairman, Functional Director
2. Shri Ajay Kumar Member Functional Director
3. Shri Shankar Nagachari Member Functional Director

Company Secretary will act as Secretary to this Committee and General Manager (HRD/CSR) is the Nodal Officer of the Committee providing all services to the CSR Committee.

B. DETAILS OF CSR COMMITTEE MEETINGS HELD IN F.Y. 2022-23:

5 (Five) meetings were held during the financial year 2022-23 on 17.06.2022, 14.09.2022, 15.10.2022, 23.01.2023 and 17.03.2023

5. RISK MANAGEMENT COMMITTEE

Risk Management Committee was constituted by CMPDIL Board of Directors in its 192nd Board Meeting held on 02.02.2016 and reconstituted by the Board in its 266th Board Meeting held on 17.03.2023.

A. Composition:

The Risk Management committee consists of following members and is headed by a Functional Director:

1. Shri S.K. Gomasta- Chairman, Functional Director
2. Shri Ajay Kumar- Member, Functional Director
3. Shri Shankar Nagachari- Member, Functional Director



Company Secretary will act as Secretary to this Committee and General Manager (E&M) would be the Nodal Officer of the Committee providing all services to the Committee.

Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO. 25, GP BLOCK, SECTOR-5,
BIDHANNAGAR, KOLKATA- 700091

B. DETAILS OF RISK MANAGEMENT COMMITTEE MEETING HELD IN F.Y. 2022-23:

1 (One) meeting was held during the financial year 2022-23 on 27.03.2023.

6. INDEPENDENT DIRECTORS MEETING:

A. Composition:

The Independent Director meeting consists of following members and is headed by a Non-official parttime Director:

1. Smt. Alka Panda, Chairperson Independent Director
2. Dr. Krishna Chandra Pandey, Member Independent Director
3. Shri Pramod Singh Chauhan, Member Independent Director

B. AS PER THE COMPANIES ACT, 2013, INDEPENDENT DIRECTORS ARE REQUIRED TO HOLD AT LEAST ONE MEETING IN A YEAR TO DISCUSS THE FOLLOWING:

- a. Review the performance of non-independent directors and the Board as a whole.
- b. Review the performance of the Chairperson of the company taking into account the views of Executive Directors and Non-executive Directors.
- c. Assess the quality, quantity and timeliness of flow of information between the company management and the Board that is necessary for the Board to effectively and reasonably perform their duties.

C. DETAILS OF INDEPENDENT DIRECTOR MEETING HELD IN F.Y. 2022-23:

1 meeting of Independent Directors was held during the financial year 2022-23 on 08.07.2022

For Mehta and Mehta

Company Secretary



Raveena Dugar Agarwal

ACS No.: A51836

C.P.No.: 26055



स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

वास्ते
सदस्य
सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड

इंड एस वित्तीय विवरण की लेखापरीक्षा पर रिपोर्ट

विचार

हमने सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड “दि कंपनी” का संलग्न पदक । वित्तीय विवरण का अंकेक्षण किया है, जिसमें 31 मार्च, 2023 के अनुसार तुलन-पत्र, लाभ एवं हानि का विवरण (अन्य विस्तृत आय सहित), उस तिथि को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण तथा नकद प्रवाह का विवरण और और इंड एस वित्तीय विवरणों पर नोट्सए जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है ;इसके बाद इसे षूडंड एस वित्तीय विवरण कहा जाएगा

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्टों पर विचार के आधार पर उपरोक्त इंड एस वित्तीय विवरण अधिनियम द्वारा अपेक्षित तरीके से आवश्यक जानकारी देते हैं और 31 मार्च, 2023 तक कंपनी की स्थिति से संबंधित भारत में सामान्यतः स्वीकृत अन्य लेखा सिद्धांतों के अनुसार सकल विस्तृत आय, उस तिथि को समाप्त वर्ष में इक्विटी तथा उसके नकद प्रवाहों में परिवर्तन के बारे में सत्य और स्पष्ट दृष्टिकोण देता है।

विचार के लिए आधार :

Ind AS वित्तीय विवरण के अंकेक्षण का संचालन, हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के अंतर्गत वर्णित अंकेक्षण के मानकों के अनुसार किया है। उन मानकों के अंतर्गत हमारे दायित्वों का विस्तृत वर्णन Ind As वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण हमारी रिपोर्ट के लिए अंकेक्षकों के दायित्व से संबंधित अनुभाग में किया गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (पब्लिप) द्वारा जारी कोड ऑफ एथिक्स के साथ-साथ कंपनी अधिनियम 2013 तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों, जो नैतिक आवश्यकताओं से संबंधित हैं और वित्तीय विवरण के हमारे अंकेक्षण के लिए प्रासंगिक हैं, के अनुसार हम कंपनी से स्वतंत्र हैं और हमने इन आवश्यकताओं तथा (पब्लिप) के कोड ऑफ एथिक्स के अनुसार अन्य नैतिक दायित्वों को पूरा किया है। हमें विश्वास है कि अंकेक्षण के लिए जो प्रमाण हमने प्राप्त किया है, वह Ind AS वित्तीय विवरण के अंकेक्षण विचार (नकपज वचपदपद) आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त है।

मामलों का महत्व

हम निम्नलिखित बातों पर ध्यान आकर्षित करते हैं:



ए) ऋण शेष (नोट संख्या 8), अन्य वित्तीय संपत्ति (नोट संख्या 9), अन्य चालू संपत्ति (नोट संख्या 11), अन्य गैर-चालू संपत्ति (नोट संख्या 10), व्यापार देय (नोट संख्या 19), व्यापार प्राप्त (नोट संख्या 13), अन्य वित्तीय देनदारियाँ (नोट संख्या 20) और अन्य वर्तमान देनदारियाँ (नोट संख्या 23) की अधिकांश मामलों में पुष्टि नहीं की गई है। इनमें पिछले कई वर्षों से खाते की पुस्तकों में अंतिम समायोजन/वर्ग-अप के लिए लंबित पुरानी शेष राशि भी शामिल है। ऐसे शेषों की पुष्टि/समाधान/समायोजन पर परिणामी प्रभाव, यदि कोई हो, वर्तमान में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है।

इस मामले के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है।

प्रमुख लेखापरीक्षा मामले

वर्तमान अवधि के इंड एस वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट में सबसे महत्वपूर्ण थे। इन मामलों को समग्र रूप से इंड एस वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संदर्भ में और उस पर हमारी राय बनाने के संदर्भ में संबोधित किया गया था, और हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने नीचे वर्णित मामलों को हमारी रिपोर्ट में संप्रेषित किए जाने वाले प्रमुख ऑडिट मामलों के रूप में निर्धारित किया है।

क्र. सं.	प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षक की प्रतिक्रिया
	आकस्मिक देनदारियों और उसके आकलन प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों सहित कुछ मुकदमों के संबंध में प्रावधान, अन्य पक्षों द्वारा दायर किए गए विभिन्न दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया है। प्रावधान के स्तर का अनुमान लगाने में उच्च स्तर के निर्णय की आवश्यकता होती है। कंपनी का मूल्यांकन मामले के तथ्यों, उनके स्वयं के निर्णय, पिछले अनुभव और जहां भी आवश्यक समझा जाए, कानूनी और स्वतंत्र कर सलाहकार की सलाह द्वारा समर्थित है। तदनुसार, अप्रत्याशित प्रतिकूल परिणाम कंपनी के रिपोर्ट किए गए लाभ और शुद्ध संपत्ति पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। परिणाम से संबंधित अनिश्चितता के लिए कानून की व्याख्या में निर्णय के अनुप्रयोग की आवश्यकता होती है।	प्रधान लेखापरीक्षा प्रक्रियाएँ: हमारा ऑडिट विचाराधीन विषय वस्तु के तथ्यों और प्रासंगिक कानून के निर्णय/व्याख्या के विश्लेषण पर केंद्रित था। • प्रत्यक्ष कर/अप्रत्यक्ष कर/अन्य पक्षों द्वारा दायर विभिन्न दावों सहित आकस्मिक देनदारियों की सूची प्राप्त करना। • परीक्षण जांच के आधार पर, विभिन्न कर अधिकारियों/न्यायिक मंचों से प्राप्त हालिया आदेशों और/या संचार की जांच करना और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई करना। • मुकदमेबाजी/कर निर्धारण की वर्तमान स्थिति को समझना



क्र. सं.	प्रमुख लेखा परीक्षा मामले	लेखापरीक्षक की प्रतिक्रिया
	इंड एस वित्तीय विवरण के लिए नोट 38 पैरा 4(ए) देखें ।	• उसमें प्रस्तुत आधारों और उपलब्ध स्वतंत्र कानूनी/कर सलाह के संदर्भ में विचाराधीन विषय वस्तु की योग्यता का मूल्यांकन करना • चर्चा के माध्यम से कंपनी के तर्कों की समीक्षा और विश्लेषण, विचाराधीन विषय वस्तु के विवरण का संग्रह, संभावित परिणाम और उन मुद्दों पर परिणामी संभावित बहिर्वाह। लेखापरीक्षा निष्कर्ष: हमारी प्रक्रियाओं ने किसी भी महत्वपूर्ण अपवाद की पहचान नहीं की।

इंड एस वित्तीय विवरण और उस पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

अन्य जानकारी के लिए कंपनी प्रबंधन और निदेशक मंडल जिम्मेदार हैं। अन्य जानकारी में प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण में शामिल जानकारी, बोर्ड की रिपोर्ट के अनुलग्नक सहित बोर्ड की रिपोर्ट, व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट, कॉर्पोरेट प्रशासन और शेयरधारक की जानकारी शामिल है, लेकिन इसमें इंड एस वित्तीय विवरण और उस पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं हैं।

इंड एस वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उस पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

Ind AS वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के संबंध में , हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना है और ऐसा करते समय, इस बात पर विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी Ind AS वित्तीय विवरणों के साथ भौतिक रूप से असंगत है या ऑडिट में प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा भौतिक रूप से गलत प्रकट होता है।

यदि, हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि इस अन्य जानकारी का गलत विवरण दिया गया है; हमें उस तथ्य की रिपोर्ट करना आवश्यक है। चूंकि अन्य जानकारी हमें उपलब्ध नहीं कराई गई है, इसलिए हमारे पास इस संबंध में रिपोर्ट करने के लिए कुछ भी नहीं है।

जब हम वार्षिक रिपोर्ट पढ़ते हैं, जो इस लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट की तारीख के बाद हमें उपलब्ध कराए जाते हैं, तो हमें उम्मीद है, अगर हम निष्कर्ष निकालते हैं कि इसमें कोई महत्वपूर्ण गलत विवरण है, तो हमें शासन के प्रभारी लोगों को इस मामले के बारे में सूचित करना आवश्यक है।



Ind AS वित्तीय विवरण के लिए प्रबंधन का दायित्व

कंपनी का निदेशक मंडल इन इंड एस वित्तीय विवरणों को जो वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण देते हैं और जिसमें अन्य व्यापक आय तथा नकदी प्रवाह और अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानक (इंड एस) व इसके अंतर्गत जारी अन्य प्रासंगिक नियमों सहित भारत में आम तौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की इक्विटी में परिवर्तन शामिल हैं, की तैयारी के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 ("अधिनियम") की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए जिम्मेदार हैं। इस दायित्व में, कंपनी की परिसंपत्तियों की रक्षा के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुरूप पर्याप्त लेखा रिकार्ड का रखरखाव तथा फ्राड अन्य अनियमितताओं, यथोचित लेखा नीति का चयन और प्रयोग, निर्णय और आकलन जो उचित और विश्वसनीय हों, पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों जो लेखा रिकार्डों की शुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए संचालित किया जा रहा हो, जो भौतिक गलतबयानी, चाहे वह फ्राड या भूलवश हो से मुक्त हो तथा सत्य एवं स्पष्ट विचार देते हों, को पहचानने और उनसे बचाने का दायित्व भी शामिल है।

वित्तीय विवरणों को तैयारी करने में, वर्तमान चिंताओं के साथ जारी रखने प्रकटीकरणों, वर्तमान चिंताओं से संबंधित उपयोग करते हुए जब तक प्रबंधन या तो करने का इरादा रखता है, या ऐसा करने के लिए कोई वास्तविक विकल्प नहीं है से संबंधित कंपनी क्षमता के आकलन के लिए प्रबंधन उत्तरदायी है।

कंपनी के वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स उत्तरदायी है।

इंड एस वित्तीय विवरण के ऑडिट के लिए ऑडिटर की जिम्मेदारी

वित्तीय विवरणों के बारे में हमारा लक्ष्य, उस तार्किक आश्वासन को प्राप्त करना है कि क्या ये विवरण अपनी पूर्णता में फ्राड या त्रुटि के कारण होने वाले किसी गलतबयानी से मुक्त हैं। इस संबंध में इससे जुड़े हमारे विचारों से युक्त अंकेषकों की रिपोर्ट जारी करना भी हमारा लक्ष्य है। यद्यपि तार्किक आश्वासन एक उच्च श्रेणी का आश्वासन है तथापि SAs के सहयोग से किये जाने वाले लेखा परीक्षा में इस बात की गारंटी नहीं है कि यह हमेशा वित्तीय विवरणों में मौजूद गलतबयानी की पहचान कर ले। गलतबयानियाँ फ्राड या त्रुटि के कारण उत्पन्न हो सकती हैं और सामग्री मानी जाती है यदि वे व्यक्तिगत रूप से या समग्र रूप से वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ताओं के आर्थिक निर्णयों को युक्तिपूर्वक प्रभावित करने के लिए अपेक्षित हों।

SAs के साथ संचालित इस लेखा परीक्षा के एक सदस्य के रूप में हमने पूरी लेखा परीक्षा के दौरान पेशेवर निर्णयों का प्रयोग किया है तथा पेशेवर संशयवाद (Scepticism) को बनाए रखा है।

- इंड एस वित्तीय विवरणों की महत्वपूर्ण गलतबयानी, चाहे वह फ्राड या त्रुटि के कारण हुई हो, के जोखिमों की पहचान और मूल्यांकन किया है। उन जोखिम के लिए उत्तरदायी निष्पादित लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की पहचान और मूल्यांकन भी किया है और उन लेखा परीक्षा प्रमाणों को प्राप्त किया है जो हमारी राय को आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।



त्रुटि की बजाय फ्रॉड के कारण होने वाली महत्वपूर्ण गलतबयानी को नहीं पहचान पाने का जोखिम अधिक है क्योंकि फ्रॉड में कपटपूर्ण समझौता, फर्जीवाड़ा, जानबूझकर की गई भूल, गलत अर्थ या आंतरिक नियंत्रण पर ओवरराइड होना शामिल हो सकता है।

- लेखा परीक्षा प्रक्रिया की रूपरेखा जो कि इन परिस्थितियों में उपयुक्त हो, को तैयार करने हेतु लेखा परीक्षा के लिए प्रासंगिक, आंतरिक नियंत्रण की एक समझ प्राप्त की। कंपनी 2013 की धार 143(3)(ंप)के अंतर्गत हम इस पर भी विचार देने के लिए उत्तरदायी हैं कि कंपनी के पास आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए पर्याप्त तंत्र मौजूद है और उन नियंत्रणों की परिचालनगत प्रभावशीलता कितनी है।
- प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता, और लेखांकन आकलनों की उपयुक्तता और सम्बद्ध प्रकटीकरणों का मूल्यांकन किया।
- लेखांकन के लिए वर्तमान चिंताओं को आधार बनाकर प्रबंधन द्वारा उनके प्रयोग की उपयुक्तता का निष्कर्ष निकाला है और प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य के आधार पर, यह भी निष्कर्ष निकाला है कि क्या घटनाओं या स्थितियों से संबंधित एक महत्वपूर्ण अनिश्चितता व्याप्त है जो वर्तमान चिंताओं के साथ कंपनी को जारी रखने की क्षमता पर महत्वपूर्ण संदेह पैदा कर सकती है। यदि हमने यह निष्कर्ष निकाला कि एक महत्वपूर्ण अनिश्चितता व्याप्त है तो यह आवश्यक है कि वित्तीय विवरणों में हम अपनी लेखा परीक्षाओं की रिपोर्ट में संबंधित प्रकटीकरणों की तरफ ध्यान आकर्षित करें, या ऐसे प्रकटीकरण हमारी राय को संशोधित करने के लिए अपर्याप्त हैं। लेखा परीक्षाओं की हमारी रिपोर्ट के हमारे निष्कर्ष प्राप्त आधारित लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। हालाँकि, भविष्य में होने वाली घटनाओं या स्थिति के कंपनी की चिंता समाप्त हो सकती है।

समग्र प्रस्तुतियों, संरचना और प्रकटीकरण युक्त वित्तीय विवरणों की अंतर्वस्तु का मूल्यांकन किया। तथा इसका भी मूल्यांकन की क्या वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेन और घटनाओं का इस ढंग से प्रतिनिधित्व करते हैं कि वे निष्पक्ष प्रस्तुती को प्राप्त करते हों।

हमें विश्वास है कि जो लेखा परीक्षा साक्ष्य हमने प्राप्त किया, वह वित्तीय विवरणों पर हमारी अंकेक्षण राय देने के लिए आधार देने हेतु पर्याप्त और उपयुक्त है।

हम अन्य मामलों के अलावा, शासन से संबंधित आरोप लगाने वाले लोगों से संपर्क करते हैं। ऑडिट और महत्वपूर्ण ऑडिट निष्कर्षों की योजनाबद्ध गुंजाइश और समय, जिसमें अंतरिम नियंत्रण में कोई महत्वपूर्ण कमी शामिल है जिसे हम अपने ऑडिट के दौरान पहचानते हैं।

हम एक स्टेटमेंट के साथ शासन को उन आरोपों को भी प्रदान करते हैं जिनका हमने स्वतंत्रता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक आवश्यकताओं के साथ अनुपालन किया है, और संबंधों और अन्य मामलों, जो कि हमारी स्वतंत्रता पर सहन करने के लिए सोचे जा सकते हैं और सुरक्षा से संबंधित उपाय जहाँ लागू होते हों को संप्रेषित किया है।

शासन के साथ उन आरोपों जिनका संप्रेषण किया गया, हम मानते हैं कि वे मामले मौजूदा अवधि के वित्तीय विवरणों के अंकेक्षण में महत्वपूर्ण थे और इसलिए वे मुख्य अंकेक्षण मामले लेखा परीक्षा की अपनी रिपोर्ट में हमने इन मामलों का वर्णन किया है, जब तक विधि या विनियम इन मामलों के संबंध में सार्वजनिक प्रकटीकरण को प्रतिबंधित करते हैं या जब



अत्यंत असामान्य परिस्थितियाँ हों, हमने निश्चय किया कि एक मामला हमारी रिपोर्ट में संप्रेषित नहीं होना चाहिए क्योंकि ऐसा करने दुष्परिणामों से इस तरह के सार्वजनिक हित लाभों के पिछड़ने की उम्मीद की जाएगी।

अन्य मामला

क. 202.39 करोड़ रुपये (PY 173.74 करोड़ रुपये) की आकस्मिक देनदारी में केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों (आयकर, सेवा कर आदि) द्वारा उठाई गई विवादित मांगें शामिल हैं। इस राशि में नवीनतम मांग आदेश की तारीख तक जुटाई गई मूल राशि, ब्याज और जुर्माना शामिल है। मांग आदेश की नवीनतम तारीख से लेकर बैलेंस शीट की तारीख तक की अवधि के लिए ब्याज और जुर्माने की न तो गणना की गई है और न ही आकस्मिक देनदारी में शामिल किया गया है। आकस्मिक देनदारी की कुल राशि पर परिणामी प्रभाव वर्तमान में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है (नोट संख्या 38 इंड एस वित्तीय विवरणों के पैरा 4(क) को संदर्भित करता है।) इसके अलावा, इसमें कंपनी के खिलाफ विभिन्न न्यायिक मंचों (सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, मध्यस्थों आदि) के समक्ष लंबित कानूनी मामले भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ विभिन्न तीसरे पक्षों द्वारा दावे किए गए हैं। तीसरे पक्ष द्वारा उठाए गए दावों की राशि के विवरण, प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए जाने के अभाव में, यदि उन मामलों का निर्णय कंपनी के पक्ष में नहीं किया जाता है, तो आकस्मिक देनदारी की कुल राशि पर परिणामी प्रभाव वर्तमान में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है। नोट संख्या 38 इंड एस वित्तीय विवरण के पैरा 4(ए) का संदर्भ लें।

ख. यह देखा गया कि देनदारों में सीआईएल सहायक कंपनियों के खिलाफ 82.86 करोड़ रुपये (पीवाई 67.11 करोड़ रुपये) का पुराना बकाया शामिल है, जो 1 वर्ष से अधिक समय से वसूली के लिए लंबित है। सीआईएल द्वारा जारी परिपत्र संख्या सीआईएल/डीटी/2021/3093 के अनुसार; i) बिल प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर सहायक कंपनियों द्वारा सीएमपीडीआई को बिल मूल्य की मूल राशि का 70% और उस पर 18% जीएसटी (यानी, कुल बिल मूल्य का कुल 75%) का भुगतान किया जाना है; ii) भविष्य में बिल समाधान एक पोर्टल के माध्यम से होगा और सीएमपीडीआई पोर्टल पर कार्रवाई की सूचना देगा और सहायक कंपनियों के साथ संवाद करेगा; iii) एक वर्ष से अधिक के बकाया बिलों की समीक्षा सीएमपीडीआई और संबंधित सहायक कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी। हालाँकि, हमारे ऑडिट के दौरान यह देखा गया कि सीआईएल द्वारा जारी उपर्युक्त परिपत्र के अनुसार सहायक कंपनियों को दिए गए बिलों की वसूली नहीं की जा रही है। ऐसे शेषों की पुष्टि/समाधान/समायोजन पर परिणामी प्रभाव, यदि कोई हो, वर्तमान में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है।

उपरोक्त के संबंध में हमारी राय संशोधित नहीं है

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. जैसा कि कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(5) के तहत आवश्यक है, हम "अनुलग्नक क" में, लेखापरीक्षा की सुझाई गई पद्धति का अनुपालन करने के बाद भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों/अतिरिक्त



निर्देशों पर एक विवरण देते हैं, कार्यवाई उस पर लिया गया और कंपनी के खातों और इंड एस वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव।

2. जैसा कि अधिनियम की धारा 143(11) के संदर्भ में भारत की केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (ऑडिटर की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("आदेश") द्वारा अपेक्षित है, हम "अनुलग्नक बी" में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण देते हैं। आदेश के पैराग्राफ 3 और 4 में लागू सीमा तक।
3. अधिनियम की धारा 143(3) के अनुसार, हम रिपोर्ट करते हैं कि:
 - क. हमने वे सभी जानकारी और स्पष्टीकरण मांगे और प्राप्त किए हैं जो हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार उपर्युक्त पैराग्राफ "मामलों पर महत्व" के खंड (ए) में रिपोर्ट के अनुसार पढ़े गए उपरोक्त इंड एस वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के प्रयोजनों के लिए आवश्यक थे।
 - ख. इंड एस वित्तीय विवरणों की तैयारी से संबंधित कानून द्वारा आवश्यक खाते की उचित पुस्तकें कंपनी द्वारा रखी गई हैं, जहां तक उन पुस्तकों की हमारी जांच से पता चलता है।
 - ग. इस रिपोर्ट में शामिल बैलेंस शीट, अन्य व्यापक आय सहित लाभ और हानि का विवरण, नकदी प्रवाह विवरण और इक्विटी में परिवर्तन का विवरण खातों की किताबों के अनुरूप है।
 - घ. हमारी राय में, हमारे पास ऐसा कोई अवलोकन नहीं है जिसका कंपनी के कामकाज पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।
 - ङ. हमारी राय में, उपरोक्त इंड एस वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट इंड एस का अनुपालन करते हैं, जो उसके तहत जारी प्रासंगिक नियम के साथ पढ़ा जाता है।;
 - च. कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना संख्या जीएसआर463(ई) दिनांक 05.06.2015 के अनुसरण में, निदेशकों की अयोग्यता से संबंधित अधिनियम की धारा 164(2) सरकारी कंपनी पर लागू नहीं है।
 - छ. खातों के रखरखाव और उससे जुड़े मामलों के संबंध में हमारे पास कोई योग्यता, आरक्षण या प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।
 - ज. कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की परिचालन प्रभावशीलता के संबंध में, "अनुलग्नक ग" में हमारी अलग रिपोर्ट देखें।



हमारी रिपोर्ट वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और परिचालन प्रभावशीलता पर एक असंशोधित राय व्यक्त करती है।

झ. कंपनी (ऑडिट और ऑडिटर) नियम, 2014 के नियम 11, यथासंशोधित, के अनुसार ऑडिटर की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार हम:

- कंपनी ने इंड एस वित्तीय विवरण के अतिरिक्त नोट 38 के तहत अपने लंबित मुकदमों का खुलासा किया इन मुकदमों का प्रभाव, यदि कोई हो, तब प्रभावी होगा जब इनका निर्धारण/निपटारा हो जाएगा।
- कंपनी ने लंबी अवधि के अनुबंधों पर, यदि कोई हो, तो संभावित अनुमानित नुकसान के लिए लागू कानून या लेखांकन मानकों के तहत आवश्यक प्रावधान किए हैं और कंपनी के पास कोई व्युत्पन्न अनुबंध नहीं है।
- प्रबंधन से प्राप्त लिखित अभ्यावेदन के अनुसार, ऐसी कोई राशि नहीं थी जिसे कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष में स्थानांतरित करने की आवश्यकता थी।

iv.(क) प्रबंधन ने यह निरूपित किया है कि, अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास अनुसार कंपनी द्वारा या किसी भी प्रकार का कोई फंड अग्रिम या उधार के रूप में नहीं लिया गया है या निवेश नहीं किया गया है (या तो उधार ली गई निधि या शेयर प्रीमियम या किसी अन्य स्रोत या प्रकार के फंड से) अन्य व्यक्ति या संस्था, जिसमें विदेशी संस्था ("मध्यस्थ") शामिल है, इस समझ के साथ कि चाहे वह लिखित रूप में दर्ज हो या अन्यथा, कि मध्यस्थ प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं को उधार देगा या निवेश करेगा, जो किसी भी तरह से या कंपनी की ओर से ("अंतिम लाभार्थी") या अंतिम लाभार्थियों की ओर से कोई गारंटी, सुरक्षा या इसी तरह की कोई गारंटी प्रदान करें;

(ख) प्रबंधन ने यह निरूपित किया है कि अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार कंपनी द्वारा विदेशी संस्था ("फंडिंग पार्टियां") सहित किसी भी व्यक्ति या संस्था से कोई भी ऋण प्राप्त नहीं किया गया है, इस समझ के साथ, चाहे लिखित रूप में दर्ज किया गया हो या अन्यथा, कंपनी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, फंडिंग पार्टियों ("अंतिम लाभार्थी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरह से पहचाने गए अन्य व्यक्तियों या संस्थाओं में उधार या निवेश करेगी या, अंतिम लाभार्थियों की ओर से सुरक्षा या कोई गारंटी इस तरह की कोई गारंटी प्रदान करेगी:

(ग) मौजूदा परिस्थितियों में सुविचारित, तार्किक और उपयुक्त प्रतीत होने वाली अंकेक्षण प्रक्रिया के अनुसार, हमारे संज्ञान में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसके आधार पर यह विश्वास कायम किया जा सके कि सब क्लॉज (क) और (ख) के अंतर्गत निरूपित किये गए तथ्य किसी भी तरह की वस्तुपरक गलतबयानी पर आधारित हैं।



के सी टाक एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट



(v) कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान घोषित और भुगतान किया गया लाभांश कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 123 के अनुपालन में है।

केसी टाक एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट

फर्म का पंजीकरण क्रमांक: 000216C

Anil Jain

सीए अनिल जैन

साझेदार

एम नंबर: 079005

UDIN: 23079005BGYQBK2530

स्थान: रांची

दिनांक: 02/05/2023



31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय विवरण इंड एस वित्तीय विवरण पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 1 में संदर्भित अनुबंध "क", हम रिपोर्ट करते हैं कि;

भाग- I

क्र.सं	दिशा-निर्देश	लेखापरीक्षक का उत्तर
1.	क्या कंपनी के पास आईटी सिस्टम के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने की प्रणाली है? यदि हां, तो वित्तीय निहितार्थों के साथ-साथ खातों की अखंडता पर आईटी सिस्टम के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण का निहितार्थ, यदि कोई हो, बताया जा सकता है।	सभी सामग्री लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए एक प्रणाली मौजूद है और सभी अंतर्निहित व्यावसायिक लेनदेन की रिकॉर्डिंग इसके एसएपी-ईआरपी सॉफ्टवेयर में की जाती है। तदनुसार, खातों की अखंडता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। वित्तीय लेखांकन और नियंत्रण (एफआईसीओ), बिक्री और वितरण (एस एंड डी), सामग्री प्रबंधन (एमएम), मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम) उत्पादन योजना (पीपी), परियोजना प्रणाली (पीएस) और संयंत्र रखरखाव (पीएम) जैसी प्रक्रियाओं के लिए एसएपी के तहत स्वचालन के माध्यम से सूचना/ डेटा विभिन्न मॉड्यूल से प्रवाहित हो रहा है और वित्तीय विवरणों में कैचर किया गया है। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, 31 मार्च 2022 को स्थिरीकरण चरण पूरा होने के बाद, सिस्टम एएमसी चरण के अंतर्गत है। हमारे ऑडिट के दौरान, यह देखा गया कि, SAP के बाहर, निम्नलिखित गतिविधियाँ की जाती हैं: जैसा कि हमें बताया गया है, बायोमेट्रिक उपस्थिति का एसएपी एकीकरण उपलब्ध है, लेकिन एनआईसी के साथ एकीकरण मुद्दे के कारण, वर्तमान में उपस्थिति या तो मैन्युअल रूप से बनाए रखी जा रही है या बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से स्रोत डेटा के रूप में काम कर रही है जो अंततः एसएपी में दर्ज की जाती है। एसएपी के बाहर की गई गतिविधियों के संबंध में, जैसा कि ऊपर बताया गया है, हमारी राय में कोई महत्वपूर्ण वित्तीय निहितार्थ नहीं है।
2.	क्या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा मौजूदा ऋण का कोई पुनर्गठन किया गया है या ऋण/ऋण/ब्याज आदि की माफी/ बट्टे खाते में डालने का कोई मामला है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव बताया जा सकता है। क्या ऐसे मामलों का ठीक से	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, मौजूदा ऋण के किसी भी पुनर्गठन का कोई मामला नहीं है या कंपनी द्वारा चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को दिए गए ऋण/ऋण/ब्याज आदि की माफी/बट्टे खाते में डालने का कोई मामला नहीं है।

तीसरी मंजिल, पारस कॉम्प्लेक्स, आकाश इंस्टीट्यूट के पास, क्लब रोड, रांची - 834001
मेल आईडी: fca.kctanil@gmail.com Mob. नंबर +91 - 9031008947

	हिसाब-किताब किया जाता है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)	
	क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य निधियों का इसके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब/उपयोग किया गया था? विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग, आर एंड डी और एस एंड टी और एनएमईटी के अलावा कोई फंड/अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है, जैसा कि भाग- II के खंड 2 और 3 में उल्लिखित है - अतिरिक्त निर्देश (अनुलग्नक - 'क')।

भाग-II - अतिरिक्त निर्देश

क्र.सं	दिशा-निर्देश	की गई कार्रवाई एवं लेखापरीक्षक का उत्तर
1.	कोलनेट पोर्टल से एसएपी में डेटा की माइग्रेशन प्रक्रिया का कोई स्वतंत्र मूल्यांकन और प्रमाणीकरण किया गया था।	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कोलनेट पोर्टल से एसएपी में डेटा की माइग्रेशन प्रक्रिया का स्वतंत्र मूल्यांकन और प्रमाणीकरण नहीं किया गया था। जैसा कि हमें बताया गया है, मामला सीआईएल स्तर पर उठाया गया है।
2.	क्या ब्लॉकों की खोज एमओयू के अनुपालन में पूरी की गई थी और विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग के लिए प्राप्त अनुदान का उपयोग और हिसाब-किताब ठीक से किया गया था। विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, सीएमपीडीआई और एमओसी/सीआईएल/एनएमईटी के बीच कोई समझौता ज्ञापन नहीं है। सीएमपीडीआई देश में कोयला और लिग्नाइट की खोज से संबंधित सभी जानकारी के लिए नोडल एजेंसी है। सीएमपीडीआई एमओसी/सीआईएल/एनएमईटी द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित परियोजना/ब्लॉक के अनुसार विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग की गतिविधियाँ स्वयं या एमईसीएल और निजी पार्टियों के माध्यम से एमओयू और निविदाओं के माध्यम से करता है। परीक्षण जांच के आधार पर नमूनों की हमारी जांच के आधार पर, यह देखा गया कि ब्लॉकों की खोज एमओयू के अनुपालन में पूरी की गई थी और विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग के लिए प्राप्त अनुदान का उपयोग और हिसाब-किताब ठीक से किया जा रहा है।



के सी टाक एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट

2.	क्या R&D और S&T के लिए प्राप्त फंड का नियम और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब-किताब किया गया/उपयोग किया गया? विचलन के मामलों की सूची बनाएं	हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, R&D और S&T परियोजनाओं को कार्यान्वयन एजेंसी/संस्थान द्वारा सीएमपीडीआई को प्रस्तुत प्रस्ताव के आधार पर कुछ नियमों और शर्तों के साथ एमओसी/सीआईएल की तकनीकी समिति द्वारा अनुमोदित/स्वीकृत किया जाता है। सीएमपीडीआई सभी चालू या नई आरएंडडी/एसएंडटी परियोजनाओं के लिए फंड की आवश्यकता का अनुमान लगाता है और एमओसी/सीआईएल से एक समेकित मांग करता है। एक बार फंड प्राप्त होने के बाद, सीएमपीडीआई परियोजनाओं की प्रगति के आधार पर विभिन्न किशतों में कार्यान्वयन एजेंसी/संस्थान को फंड वितरित करता है। एक बार जब परियोजना पूरी हो जाती है और परियोजना पूर्णता रिपोर्ट तकनीकी समिति द्वारा अनुमोदित हो जाती है, तो कार्यान्वयन एजेंसी/संस्थान सीएमपीडीआई को उपयोग प्रमाण पत्र जमा करती है और ऐसी परियोजनाओं पर प्राप्त निधि की खर्च न की गई राशि को उन निधियों पर अर्जित ब्याज के साथ सीएमपीडीआई को वापस कर देती है। परीक्षण जांच के आधार पर नमूनों की हमारी जांच के आधार पर, यह देखा गया कि आर एंड डी और एस एंड टी के लिए प्राप्त धनराशि का नियम और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब/उपयोग किया गया था।



तीसरी मंजिल, पारस कॉम्प्लेक्स, आकाश इंस्टीट्यूट के पास, क्लब रोड, रांची - 834001
मेल आईडी: fca.kctanil@gmail.com Mob. नंबर +91 - 9031008947

अनुलग्नक ख - 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इंड एस वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 2 में संदर्भित, हम रिपोर्ट करते हैं कि;

I (क) (i) कंपनी ने परिसंपत्तियों, संयंत्र और मशीनरी के मानात्मक विवरण और अवस्थिति सहित पूर्ण विवरणों को दिखाते हुए समुचित रिकार्ड रखा है।

(ii) कंपनी ने अमूर्त संपत्ति का पूरा विवरण दिखाते हुए उचित रिकॉर्ड बनाए रखा है।

(ख) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को कंपनी की नीति के अनुसार प्रबंधन द्वारा चरणबद्ध तरीके से इस उद्देश्य के लिए विधिवत गठित टीम द्वारा भौतिक रूप से सत्यापित किया गया था। जैसा कि हमें सूचित किया गया था, सत्यापन पर कोई भौतिक विसंगति नहीं देखी गई।

(ग) हमें दी गई जानकारी के अनुसार, वित्तीय विवरणों में प्रकट सभी अचल संपत्तियों (संपत्तियों के अलावा जहां कंपनी पट्टेदार है और पट्टा समझौतों को पट्टे के पक्ष में विधिवत निष्पादित किया गया है) के शीर्षक विलेख कंपनी के नाम पर आयोजित किए जाते हैं। हमारे आगे के सत्यापन के लिए शीर्षक विलेख हमारे सामने प्रस्तुत नहीं किए गए थे।

हालाँकि, हमारे ऑडिट के दौरान, सीएमपीडीआई आरआई1 (आसनसोल) के संबंध में भूमि होल्डिंग्स का स्वामित्व विलेख, हमारे सत्यापन के लिए हमारे सामने प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके अलावा, कुदुमकेला में पट्टे की भूमि का मूल्य रु . 0.46 करोड़. 1.2.2023 से नवीनीकरण हेतु लंबित अन्य भूमि (नोट क्रमांक 3) के अंतर्गत दर्शाया गया है। हालाँकि, नवीनीकरण के लिए दिनांक 20.03.2023 की COFD बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई है।

(घ) कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण (उपयोग संपत्ति के अधिकार सहित) या अमूर्त संपत्ति का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

(ड.) हमें दी गई जानकारी के अनुसार, बेनामी लेनदेन (निषेध) अधिनियम, 1988 (1988 का 45) और उसके अधीन बनाए गए नियम के तहत किसी भी बेनामी संपत्ति को रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्यवाही शुरू नहीं की गई है या लंबित नहीं है।

(ii) (क) कंपनी की नीति के अनुसार, स्टोर और स्पेयर का भौतिक सत्यापन कंपनी द्वारा विधिवत नियुक्त बाहरी एजेंसी द्वारा उचित अंतराल पर किया जाता है और 30 दिसंबर 2022 को स्टॉक की स्थिति के लिए एक रिपोर्ट कंपनी द्वारा प्राप्त की गई है और हमारे सामने प्रस्तुत की गई है और बाहरी एजेंसी द्वारा कोई विसंगति की सूचना नहीं दी गई है और सूची के मूल्य में कोई समायोजन नहीं किया गया है।



- (ख) कंपनी को चालू परिसंपत्तियों की सुरक्षा के आधार पर वर्ष के किसी भी समय किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान से कोई कार्यशील पूंजी स्वीकृत नहीं की गई है।
- (iii) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कोई गारंटी या सिक्यूरिटी प्रदान नहीं की है या कंपनियों, फर्मों, सीमित देयता भागीदारी या किसी अन्य पक्ष को सुरक्षित या असुरक्षित ऋण की प्रकृति में कोई ऋण या अग्रिम प्रदान नहीं किया है।
- (iv) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कंपनी अधिनियम की धारा 185 और 186 में परिभाषित प्रावधानों के अनुसार ऋण नहीं दिया है, निवेश नहीं किया है, गारंटी या सुरक्षा प्रदान नहीं की है।
- (v) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कंपनी अधिनियम की धारा 73 से 76 या कंपनी अधिनियम के किसी भी प्रासंगिक प्रावधान और उसके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार जनता से कोई जमा स्वीकार नहीं किया है। हालाँकि, कंपनी का विचार है कि ग्राहकों/अन्य लोगों से बयाना राशि जमा, सुरक्षा जमा और अग्रिम जमा के रूप में या कंपनी के व्यवसाय के उद्देश्य से प्राप्त राशि के संबंध में शेष राशि जैसे जमा कंपनी (जमा की स्वीकृति) नियम 2014 के दायरे में नहीं आते हैं।
- (vi) हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 (1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित कंपनी द्वारा बनाए गए लागत रिकॉर्ड की मोटे तौर पर समीक्षा की है और हमारी राय है कि प्रथम दृष्टया निर्धारित खाते और रिकॉर्ड बनाए गए हैं और उनका रख रखाव किया जाता है। हालाँकि, हमने यह निर्धारित करने की दृष्टि से लागत रिकॉर्ड की विस्तृत जांच नहीं की है कि वे सटीक हैं या पूर्ण हैं।
- (vii)
- (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, माल और सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, सेवा कर, पेंशन निधि, पेशेवर कर और अन्य भौतिक वैधानिक बकाया सहित अविवादित वैधानिक बकाया के संबंध में खाते की किताबों में कटौती / अर्जित राशि आम तौर पर कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान उपयुक्त अधिकारियों के पास नियमित रूप से जमा किए जाते हैं।
- हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वस्तु एवं सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आयकर, सेवा कर पेंशन निधि, पेशेवर कर और अन्य सामग्री वैधानिक बकाया के संबंध में देय कोई भी निर्विवाद राशि बकाया नहीं थी। 31 मार्च 2023 उनके देय होने की तारीख से छह महीने से अधिक की अवधि के लिए।



- (ख) उप-खंड (क) में निर्दिष्ट वैधानिक बकाया जो किसी भी विवाद के कारण जमा नहीं किया गया है , इसमें शामिल राशि और फोरम जहां ऐसा विवाद लंबित है, " परिशिष्ट -1" में उल्लिखित है ।
- (viii) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कर निर्धारण के तहत कर अधिकारियों द्वारा किसी भी लेनदेन की पहचान या रिपोर्ट नहीं की गई है, जिसे वर्ष के दौरान आय के रूप में सरेंडर या खुलासा करने की आवश्यकता है।
- (ix)
- (क) कंपनी ने किसी भी ऋण या अन्य उधार के पुनर्भुगतान या उस पर ब्याज के भुगतान में चूक नहीं की है।
- (ख) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को किसी भी बैंक या वित्तीय संस्थान या अन्य ऋणदाता द्वारा जानबूझकर चूककर्ता घोषित नहीं किया गया है।
- (ग) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान जिस उद्देश्य के लिए ऋण प्राप्त किए गए थे, उसके लिए कोई सावधि ऋण लागू नहीं किया गया था।
- (घ) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार कंपनी ने अल्पावधि आधार पर कोई फंड नहीं जुटाया है, जिसका उपयोग दीर्घकालिक आधार पर किया गया है।
- (ङ) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, सहयोगियों या संयुक्त उद्यमों के दायित्वों को पूरा करने के लिए किसी इकाई या व्यक्ति से कोई धनराशि नहीं ली है।
- (च) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनी में रखी गई प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर वर्ष के दौरान कोई ऋण नहीं लिया है।
- (x)
- (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे द्वारा जांच की गई पुस्तकों और रिकॉर्ड के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश या आगे सार्वजनिक पेशकश (ऋण उपकरणों सहित) के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया। तदनुसार, आदेश का पैराग्राफ 3 (x) पैरा (ए) लागू नहीं होता है।
- (ख) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और हमारे द्वारा जांच की गई पुस्तकों और रिकॉर्ड के आधार पर, कंपनी ने वर्ष के दौरान शेयरों या परिवर्तनीय डिबेंचर (पूर्ण, आंशिक या वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय) का कोई तरजीही आवंटन या निजी प्लेसमेंट नहीं किया है। तदनुसार, आदेश का पैराग्राफ 3 (x) पैरा (बी) लागू नहीं होता है।
- (xi)
- (क) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई महत्वपूर्ण धोखाधड़ी और उसके अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा कंपनी पर कोई धोखाधड़ी देखी या रिपोर्ट नहीं की



(ख) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत ऑडिटर्स द्वारा नियम 13 कंपनी (ऑडिट और ऑडिटर), नियम, 2014 के तहत निर्धारित फॉर्म एडीटी-4 में केंद्र सरकार के साथ कोई रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है।

(ग) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को कोई व्हिसल-ब्लोअर शिकायत नहीं मिली है

(xii)

(क) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश का पैराग्राफ 3(xii) लागू नहीं होता है।

(ख) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश का पैराग्राफ 3(xii) लागू नहीं होता है।

(ग) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी एक निधि कंपनी नहीं है। तदनुसार, आदेश का पैराग्राफ 3(xii) लागू नहीं होता है।

(xiii) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और कंपनी के रिकॉर्ड की हमारी जांच के आधार पर, संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और धारा 188 के अनुपालन में हैं, जहां लागू हो और ऐसे लेनदेन का विवरण दिया गया है। लागू लेखांकन मानकों के अनुसार वित्तीय विवरणों में खुलासा किया गया।

(xiv)

(क) हमारी राय में, और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी के पास उसके व्यवसाय के आकार और प्रकृति के अनुरूप एक आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली है;

(ख) हां, ऑडिट अवधि के लिए आंतरिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर हमारे द्वारा विचार किया गया था;

(xv) हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने निदेशकों या उनसे जुड़े व्यक्तियों के साथ गैर-नकद लेनदेन नहीं किया है। तदनुसार, आदेश का पैराग्राफ 3(xv) लागू नहीं होता है।

(xvi)

(क) कंपनी को भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 की धारा 45-आईए के तहत पंजीकृत होने की आवश्यकता नहीं है। तदनुसार, आदेश का खंड 3(xvi) लागू नहीं है।

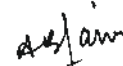


- (ख) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी ने कोई गैर-बैंकिंग या आवास वित्त गतिविधियां संचालित नहीं की हैं।
- (ग) कंपनी एक कोर निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है जैसा कि भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों में परिभाषित किया गया है।
- (घ) कंपनी भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार एक कोर निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है और न ही इसके पास एक से अधिक सीआईसी हैं।
- (xvii) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को वित्तीय वर्ष और ठीक पिछले वित्तीय वर्ष में कोई नकद घाटा नहीं हुआ है।
- (xviii) हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वर्ष के दौरान वैधानिक लेखा परीक्षकों का कोई इस्तीफा नहीं है।
- (Xiii) हमारी राय में और हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार और वित्तीय अनुपातों के आधार पर, एजिंग व वित्तीय परिसंपत्तियों की वसूली और वित्तीय देनदारियों के भुगतान की अपेक्षित तिथियां, वित्तीय विवरणों के साथ अन्य जानकारी जैसी ऐसी कोई भी वस्तुपरक अनिश्चितता ऑडिट रिपोर्ट की तारीख तक मौजूद नहीं है जिसका कि कंपनी बैलेंस शीट की तारीख में अपनी मौजूदा देनदारियों को पूरा करने में सक्षम नहीं है, जो जब और जैसी आवश्यकता के आधार पर तुलन पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय हो जाते हैं।
- (xx)
- (क) चल रही परियोजना के संबंध में या चल रही परियोजनाओं के अलावा, कंपनी के पास उक्त अधिनियम की धारा 135 की उपधारा (5) के दूसरे प्रावधान के अनुपालन में वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छह महीने की अवधि के भीतर कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची VII में निर्दिष्ट निधि में स्थानांतरित करने के लिए आवश्यक अव्ययित राशि का कोई शेष नहीं था।
- (xxi) यह खंड लागू नहीं है।

के सी टाक एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

फर्म का पंजीकरण क्रमांक: 000216C



सीए अनिल जैन

साझेदार

एम नंबर: 079005

UDIN: 23079005BGYQBK2530



स्थान: रांची

दिनांक: 02/05/2023

परिशिष्ट - "ग" 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इंड एस वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 3 (एच) में संदर्भित "सी", हम रिपोर्ट करते हैं कि;*

(कंपनी अधिनियम, 2013 (दि एक्ट) की धारा 143 की उपधारा 3 के खंड(1) के तहत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर स्वतंत्र अंकेक्षणों की रिपोर्ट में उल्लिखित परिशिष्ट)

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर रिपोर्ट हमने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के Ind As वित्तीय विवरण के हमारे अंकेक्षण के साथ उसी तिथि के अनुसार "सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड" ("दि कंपनी") की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अंकेक्षण किया है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के लिए प्रबंधन का दायित्व:

इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अंकेक्षण पर दिशा-निर्देश टिप्पणी (नोट) में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटक पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय नियंत्रण मानदंड पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रमाणित (स्थापित) स्थापित करने तथा मैनटेन करने का दायित्व कंपनी प्रबंधन का है। इन दायित्वों में पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के डिजाइन, कार्यान्वयन तथा रख-रखाव शामिल है, जो इसके कार्यव्यापार के उचित एवं प्रभावकारी आचार सुनिश्चित करने के लिए कारगर ढंग से संचालित किए जा रहे थे। इसमें कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत यथा अपेक्षित विश्वसनीय वित्तीय जानकारी की समय पर तैयारी, लेखा अभिलेख की शुद्धता एवं पूर्णता, घोखाधड़ी या त्रुटियों पर रोक एवं पता लगाना, इसकी संपत्तियों की सुरक्षा करना, कंपनी की नीति का अनुसरण शामिल है।

अंकेक्षणों का दायित्व:

हमारी जिम्मेवारी अपने अंकेक्षण के आधार पर वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर राय देना है। हमने अपना अंकेक्षण आईसीएआई द्वारा जारी और कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(10) के अंतर्गत संबद्ध, वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के अंकेक्षण के लिए गाइडेंस नोट (गाइडेंस नोट) तथा अंकेक्षण के मानकों, जो आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों, के अंकेक्षण तक विस्तारित है, दोनों आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए लागू होते हैं, दोनों इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी किए जाते हैं, के अनुसार संचालित किया गया। इन मानकों एवं दिशा-निर्देश नोट में अपेक्षित है कि क्या वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक नियंत्रण स्थापित है तथा मैनटेन किया जा रहा है और क्या ऐसा नियंत्रण सभी भौतिक (मेटेरियल) संबंध में प्रभावकारी तरह से संचालित किया जा रहा है, इसके बारे में तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए नैतिक अपेक्षाओं को पूरा करें तथा योजना बनाकर अंकेक्षण करें।

हमारे अंकेक्षण में वित्तीय रिपोर्टिंग के ऊपर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता तथा उनकी रिपोर्टिंग प्रभावकारिता के बारे में अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रिया पूरा करना शामिल है। वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय निरीक्षण को हमारे अंकेक्षण में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की व्याख्या प्राप्त करना, उस जानकारी का मूल्यांकन



करना जिसमें अपर्याप्तता हो तथा मूल्यांकित जोखिमों पर आधारित डिजाइन और आंतरिक नियंत्रण की संचालन प्रभावकारिता की जाँच एवं मूल्यांकन शामिल है। चयनित प्रक्रिया अंकेक्षक के निर्णय पर निर्भर करता है, जिसमें वित्तीय विवरण को मैटेरियल गलतबयानी, चाहे वह धोखाधड़ी के कारण हो या त्रुटिवश, का मूल्यांकन शामिल है।

हमें विश्वास है कि हमने जो अंकेक्षण साक्ष्य प्राप्त किया है वह वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के बारे में हमारी अंकेक्षण राय के लिए पर्याप्त एवं उचित आधार प्रदान करता है।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का अर्थ:

किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण सामान्यतः स्वीकृत लेखनीति के अनुसार बाहरी उद्देश्य से वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता तथा वित्तीय विवरण की तैयारी के बारे में पर्याप्त (तर्कसंगत) आश्वासन देने हेतु डिजाइन की गई प्रक्रिया है। किसी कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में वे नीतियाँ तथा प्रक्रिया शामिल हैं जो (1) रिकार्ड के रख-रखाव से संबंधित, जो तर्कसंगत विवरण में कंपनी की परिसंपत्ति के लेन-देन तथा जमा को परिशुद्ध एवं स्वच्छ रूप से प्रतिबिम्बित करता हो य(2) पर्याप्त आश्वासन देना की लेन-देन सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांत के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए अनुमति हेतु यथा आवश्यक रूप से दर्ज है तथा कि कंपनी का आय एवं व्यय कंपनी के प्रबंधन तथा निदेशकों के प्राधिकार के अनुरूप किया जा रहा है य(3) कंपनी की वैसी परिसंपत्तियों के अनाधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या जमा की रोकथाम तथा समय पर पता लगाने के बारे में पर्याप्त आश्वासन देना जो वित्तीय विवरण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता हो।

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अन्तर्निहित सीमाएँ:

वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की अन्तर्निहित सीमाओं के कारण मिलीभगत अपर्याप्त प्रबंधन, के कारण कमी, नियंत्रण की अवहेलना, भूलवश या धोखाधड़ी के कारण भौतिक (मैटेरियल) गलत बयानी शामिल है जो उपस्थित नहीं हो पाता है या जिसका पता नहीं लगाया जा सकता, की संभावना रहती है। इसके अतिरिक्त भावी अवधि के लिए वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण का कोई भी मूल्यांकन का प्रक्षेपण जोखिम के अनुसार है, जो वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थिति में परिवर्तन या प्रक्रिया के अनुपालन की स्थिति में कमी क्षरण हो सकने के कारण वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण अपर्याप्त हो जा सकता है।

विचार

हमारी राय में, कंपनी के पास सभी भौतिक (महत्वपूर्ण) मामलों में वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पद्धति है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर इस तरह के आंतरिक नियंत्रण 31 मार्च, 2023 के अनुसार प्रभावकारी ढंग से संचालित किए जा रहे थे। इसका आधार इन्स्टीच्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा निर्गत वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण पर मार्गदर्शन टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटक पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंड पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण है।



के सी टाक एंड कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट्स



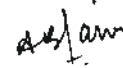
हालाँकि, i) इसके जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया के संबंध में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के दस्तावेजीकरण, विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के जोखिम विश्लेषण और बीमा कवरेज के संबंध में जोखिम शमन सहित विभागीय स्तर पर प्रक्रिया प्रवाह को शामिल करने में और सुधार की आवश्यकता है, ii)) विविध खर्चों के संबंध में नियंत्रण की निगरानी को मजबूत करना, iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों, अन्य वर्तमान और गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों, व्यापार देय और प्राप्त्य, अन्य वित्तीय देनदारियों और अन्य वर्तमान और गैर-वर्तमान देनदारियों की पुष्टि/समाधान/समायोजन। iv) कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने और दर्ज करने पर नियंत्रण। उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय योग्य नहीं है।

उपरोक्त मामलों के संबंध में हमारी राय मान्य नहीं है।

केसी टाक एंड कंपनी के लिए

चार्टर्ड अकाउंटेंट्स

फर्म का पंजीकरण क्रमांक: 000216C



सीए अनिल जैन

साझेदार

एम नंबर: 079005

UDIN: 23079005BGYQBK2530



स्थान: रांची

दिनांक: 02/05/2023

परिशिष्ट- "1" परिशिष्ट - "ख" के खंड vii में संदर्भित है, जो 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए इंड एस वित्तीय विवरणों पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के "अन्य कानूनी और विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 2 में संदर्भित है।

31.03.2023 तक विवादित वैधानिक देनदारियों का विवरण

कानून की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	फोरम जहां विवाद लंबित	हैलंबित अवधि जिससे राशि संबंधित है	राशि (करोड़ रुपये में)	राशि प्रोटेस्ट के तहत भुगतान (करोड़ रुपये में)
आयकर अधिनियम, 1961	पूर्व अवधि के खर्चों की अस्वीकृति	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	1.05	0.59
आयकर अधिनियम, 1961	सीएसआर, चिकित्सा व्यय और संपत्ति की बिक्री से लाभ की अस्वीकृति	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	0.33	-
आयकर अधिनियम, 1961	स्कूल और संस्थानों को चिकित्सा व्यय अनुदान की अस्वीकृति। खेल एवं मनोरंजन तथा पर्यावरण एवं वृक्षारोपण	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	1.19	0.76
आयकर अधिनियम, 1961	सीएसआर की अस्वीकृति, एनसीडब्ल्यू के लिए प्रावधान, चिकित्सा व्यय, अनुदान, कैटीन, क्रेच और अन्य कर्मचारी लाभ	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	31.67	25.11
आयकर अधिनियम, 1961	एनसीडब्ल्यू, कार्यकारी वेतन संशोधन, चिकित्सा व्यय, स्कूल और संस्थानों को अनुदान, खेल और मनोरंजन जैसे कर्मचारी लाभ खर्चों की अस्वीकृति।	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	55.02	16.01
आयकर अधिनियम, 1961	क्लब की सदस्यता, निधियों और ग्रेच्युटी के प्रावधान की अस्वीकृति।	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	0.02	-
आयकर अधिनियम, 1961	आकस्मिक धन, निधियों और उपदान के प्रावधान की अस्वीकृति।	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	25.69	19.13
आयकर अधिनियम, 1961	बोनस या कमीशन की अस्वीकृति, अवकाश नकदीकरण, ग्रेच्युटी, पीएफ और मूल्यहास में धारा 43बी योगदान के तहत व्यय।	सीआईटी(ए)	निर्धारण वर्ष 2010-2011	7.38	5.73
सेवा कर अधिनियम	सर्विस टैक्स के बकाया ब्याज और पेनल्टी की मांग	झारखण्ड उच्च न्यायालय	निर्धारण वर्ष 2010-2011	5.05	5.05
सेवा कर अधिनियम	सर्विस टैक्स की मांग	झारखण्ड उच्च न्यायालय	निर्धारण वर्ष 2010-2011	3.82	
सेवा कर अधिनियम	सर्विस टैक्स और पेनल्टी की मांग	CESTAT	निर्धारण वर्ष 2013-14 से 2017-18 तक	60.16	



तीसरी मंजिल, पारस कॉम्प्लेक्स, आकाश इंस्टीट्यूट के पास, क्लब रोड, रांची - 834001
मेल आईडी: fca.kctanil@gmail.com Mob. नंबर +91 - 9031008947

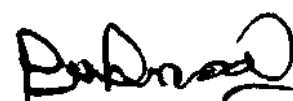
31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर प्रबंधन का उत्तर

महत्वपूर्ण मामले	प्रबंधन की टिप्पणी
क. ऋण शेष (नोट संख्या 8), अन्य वित्तीय संपत्ति (नोट संख्या 9), अन्य चालू संपत्ति (नोट संख्या 11), अन्य गैर-चालू संपत्ति (नोट संख्या 10), व्यापार देय (नोट संख्या 19), व्यापार प्राप्त्य (नोट संख्या 13), अन्य वित्तीय देनदारियाँ (नोट संख्या 20) और अन्य वर्तमान देनदारियाँ (नोट संख्या 23) की अधिकांश मामलों में पुष्टि नहीं की गई है। इनमें पिछले कई वर्षों से खाते की पुस्तकों में अंतिम समायोजन/स्क्वायर-अप के लिए लंबित पुरानी शेष राशि भी शामिल है। ऐसे शेषों की पुष्टि/समाधान/समायोजन पर परिणामी प्रभाव, यदि कोई हो, वर्तमान में सुनिश्चित नहीं है	6 लाख रुपये की राशि दो कर्मचारियों को दिए गए एचबीए/कार ऋण पर ब्याज का प्रतिनिधित्व करती है, जिसके लिए वसूली पहले से ही चल रही है। मूल रकम पहले ही वसूल की जा चुकी है। उपरोक्तानुसार ब्याज की वसूली के विरुद्ध किसी भी कर्मचारी को कोई आपत्ति नहीं है नोट 9 में - 91.51 करोड़ की कुल शेष राशि में से, 57.85 करोड़ रुपये सीआईएल के साथ चालू खाता लेनदेन का प्रतिनिधित्व करता है। इस राशि का सीआईएल द्वारा पहले ही समाधान और सहमति हो चुकी है। इसके अलावा 33.66 करोड़ रुपये की शेष राशि भुगतान की गई सुरक्षा जमा/प्राप्त्य दावों आदि का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसी राशि के लिए पुष्टि प्राप्त करने की कोई प्रथा नहीं है। नोट 10 के मामले में, 7 लाख रुपये की राशि घोघरा हल्का, सराय तहसील, सिंगरौली के मुख्य बेसिन में नए ड्रिलिंग शिविर की स्थापना के लिए पट्टे पर 4.5 हेक्टेयर भूमि के आवंटन के लिए एमपी सरकार के साथ सीएमपीडीआई द्वारा जमा की गई सुरक्षा राशि का प्रतिनिधित्व करती है। नोट 13-शेष राशि की पुष्टि हेतु सभी देनदारों को पत्र भेजा गया। सीसीएल को छोड़कर सीआईएल की सभी सहायक कंपनियों ने 31.03.2023 तक शेष राशि की पुष्टि की है। सीसीएल ने 30.09.2022 तक शेष राशि की पुष्टि की है। 31.03.2023 तक बकाया के संबंध में सीसीएल के साथ समाधान चल रहा है।



	सामान्य तौर पर शेष राशि की पुष्टि के लिए संबंधित घरेलू विक्रेता/लेनदारों/देनदारों को पत्र/मेल पहले ही भेजे जा चुके हैं। कुछ पार्टियों से जवाब मिल गया है।
अन्य मामला	प्रबंधन टिप्पणी
क. 202.39 करोड़ रुपये की आकस्मिक देयता (PY रु . 173.74 करोड़) में केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों (आय कर, सेवा कर आदि) द्वारा उठाई गई विवादित मांगें शामिल हैं। इस राशि में नवीनतम मांग आदेश की तारीख तक जुटाई गई मूल राशि, ब्याज और जुर्माना शामिल है। मांग आदेश की नवीनतम तारीख से लेकर बैलेंस शीट की तारीख तक की अवधि के लिए ब्याज और जुर्माने की न तो गणना की गई है और न ही आकस्मिक देनदारी में शामिल किया गया है। आकस्मिक देनदारी की कुल राशि पर परिणामी प्रभाव वर्तमान में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है (नोट संख्या 38 इंड एस वित्तीय विवरणों के पैरा 4(ए) को देखें।) इसके अलावा, इसमें कंपनी के खिलाफ विभिन्न न्यायिक मंचों (सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट, मध्यस्थों आदि) के समक्ष लंबित कानूनी मामले भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ विभिन्न तीसरे पक्षों द्वारा दावे किए गए हैं। तीसरे पक्ष द्वारा उठाए गए दावों की राशि के विवरण, प्रबंधन द्वारा उपलब्ध कराए जाने के अभाव में, यदि उन मामलों का निर्णय कंपनी के पक्ष में नहीं किया जाता है, तो आकस्मिक देनदारी की कुल राशि पर परिणामी प्रभाव वर्तमान में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है (नोट संख्या) 38 इंड एस वित्तीय विवरण के पैरा 4(ए) को देखें ।	चूंकि विभाग 191.39 करोड़ रुपये की विवादित मांग के मुकाबले 68.03 करोड़ रुपये पहले ही समायोजित किया जा चुका है। इसलिए विभाग द्वारा पहले ही समायोजित की गई राशि पर ब्याज का कोई सवाल ही नहीं है। असमायोजित विवादित मांग के संबंध में, यह बताना है कि पिछले वित्तीय वर्षों में, निर्णय हमारे पक्ष में किए गए थे । इसलिए ब्याज राशि को आकस्मिक देनदारी में शामिल करने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके अलावा, ब्याज विवादित मामलों के नतीजे पर निर्भर है और जैसा कि हमारे कानूनी सलाहकार ने अपनी कानूनी राय में कहा है कि सभी मामलों का निपटारा सीएमपीडीआई के पक्ष में होने की उम्मीद है, इसलिए ब्याज के कारण देनदारी की संभावना बहुत कम है । इसके अलावा, जैसा कि वित्त वर्ष 2020-21 के ऑडिट के संबंध में सीएजी के साथ बैठक के दौरान निर्णय लिया गया था, अपील की तारीख तक के ब्याज को केवल आकस्मिक देनदारी में माना जाना है। इसका पालन पहले ही किया जा चुका है।

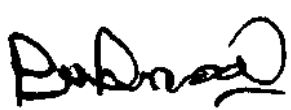
अन्य मामला	प्रबंधन टिप्पणी
ख. यह देखा गया कि देनदारों में सीआईएल की सहायक कंपनियों के खिलाफ 82.86 करोड़ रुपये (पी.वाई. 67.11 करोड़ रुपये) का पुराना बकाया शामिल है, जो 1 वर्ष से अधिक समय से वसूली के लिए लंबित है। सीआईएल द्वारा जारी परिपत्र संख्या सीआईएल/डीटी/2021/3093 के अनुसार; i) बिल प्राप्त होने के 15 दिनों के भीतर सहायक कंपनियों द्वारा बिल मूल्य की मूल राशि का 70% और उस पर 18% जीएसटी (यानी, कुल बिल मूल्य का कुल 75%) का भुगतान सीएमपीडीआई को किया जाना है; ii) भविष्य में बिल समाधान एक पोर्टल के माध्यम से होगा और सीएमपीडीआई पोर्टल पर कार्रवाई की सूचना देगा और सहायक कंपनियों के साथ संवाद करेगा; iii) एक वर्ष से अधिक के बकाया बिलों की समीक्षा सीएमपीडीआई और संबंधित सहायक कंपनी द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी। हालाँकि, हमारे ऑडिट के दौरान यह देखा गया कि सीआईएल द्वारा जारी उपर्युक्त परिपत्र के अनुसार सहायक कंपनियों को दिए गए बिलों की वसूली नहीं की जा रही है। ऐसे शेषों की पुष्टि/समाधान/समायोजन पर परिणामी प्रभाव, यदि कोई हो, वर्तमान में सुनिश्चित नहीं किया जा सकता है।	सीएमपीडीआईएल मुख्यालय कोल इंडिया लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियों के बकाया की वसूली के लिए उच्चतम स्तर पर नियमित रूप से कार्रवाई कर रहा है। जीएम (वित्त) ने ईसीएल, बीसीसीएल, सीसीएल, डब्ल्यूसीएल, एसईसीएल, एनसीएल, एमसीएल और सीआईएल के जीएम (पी एंड पी) को क्रमशः 15.09.2021, 24.08.2022 और 13.12.2022 को सीएमपीडीआईएल बिलों के लिए 75% अग्रिम भुगतान के लिए पत्र लिखा है। जीएम (वित्त), सीएमपीडीआईएल ने व्यक्तिगत रूप से ईसीएल, बीसीसीएल, एसईसीएल और डब्ल्यूसीएल का दौरा किया है और नियमित आधार पर 75% अग्रिम भुगतान के लिए संबंधित अधिकारियों से अनुरोध किया है। सीएमपीडीआईएल के सीएमडी ने कुल बिल मूल्य के 75% अग्रिम भुगतान के लिए ई-ऑफिस दिनांक 14.07.2022/25.07.2022 के माध्यम से सभी सहयोगी कंपनियों के सीएमडी और निदेशक (तकनीकी), सीआईएल के साथ संचार किया है। इसके अलावा, देनदारों की शेष राशि का समय-समय पर समाधान किया जाता है और संबंधित सहायक कंपनियों से शेष राशि की पुष्टि प्राप्त की जाती है।



31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट के पैराग्राफ 1 में संदर्भित परिशिष्ट "क" पर प्रबंधन की टिप्पणी।

दिशा-निर्देश	लेखापरीक्षा उत्तर	प्रबंधन उत्तर
1) क्या कंपनी के पास आईटी सिस्टम के माध्यम से सभी लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने की प्रणाली है? यदि हां, तो वित्तीय निहितार्थों के साथ-साथ खातों की अखंडता पर आईटी सिस्टम के बाहर लेखांकन लेनदेन के प्रसंस्करण का निहितार्थ, यदि कोई हो, बताया जा सकता है	सभी सामग्री लेखांकन लेनदेन को संसाधित करने के लिए एक प्रणाली मौजूद है और सभी अंतर्निहित व्यावसायिक लेनदेन की रिकॉर्डिंग इसके एसएपी-ईआरपी सॉफ्टवेयर में की जाती है। तदनुसार, खातों की अखंडता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। वित्तीय लेखांकन और नियंत्रण (एफआईसीओ), बिक्री और वितरण (एस एंड डी), सामग्री प्रबंधन (एमएम), मानव पूंजी प्रबंधन (एचसीएम) जैसी प्रक्रियाओं के लिए एसएपी के तहत स्वचालन के माध्यम से सूचना/डेटा विभिन्न मॉड्यूल से प्रवाहित हो रहा है और वित्तीय में कैप्चर किया गया है। उत्पादन योजना (पीपी), परियोजना प्रणाली (पीएस) और संयंत्र रखरखाव (पीएम)। हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, 31 मार्च 2022 को स्थिरीकरण चरण पूरा होने के बाद, सिस्टम एएमसी चरण के अंतर्गत है। हमारे ऑडिट के दौरान, यह देखा गया कि, SAP के बाहर, निम्नलिखित गतिविधियाँ की जाती हैं: जैसा कि हमें बताया गया है, बायोमेट्रिक उपस्थिति का एसएपी एकीकरण उपलब्ध है, लेकिन एनआईसी के साथ एकीकरण मुद्दे के कारण, वर्तमान में उपस्थिति या तो मैन्युअल रूप से बनाए रखी जा रही है या बायोमेट्रिक प्रणाली के माध्यम से स्रोत डेटा के रूप में काम कर रही है जो अंततः एसएपी में दर्ज की जाती है।	कोई टिप्पणी नहीं। 

	एसएपी के बाहर की गई गतिविधियों के संबंध में, जैसा कि ऊपर बताया गया है, हमारी राय में कोई महत्वपूर्ण वित्तीय निहितार्थ नहीं है।	
2) क्या कंपनी द्वारा ऋण चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा मौजूदा ऋण का कोई पुनर्गठन किया गया है या ऋण/ऋण/ब्याज आदि की माफी/बट्टे खाते में डालने का कोई मामला है? यदि हाँ, तो वित्तीय प्रभाव बताया जा सकता है। क्या ऐसे मामलों का ठीक से हिसाब-किताब किया जाता है? (यदि ऋणदाता एक सरकारी कंपनी है, तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के वैधानिक लेखा परीक्षक के लिए भी लागू होता है)	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, मौजूदा ऋण के किसी भी पुनर्गठन का कोई मामला नहीं है या कंपनी द्वारा चुकाने में असमर्थता के कारण किसी ऋणदाता द्वारा कंपनी को दिए गए ऋण/ऋण/ब्याज आदि की माफी/बट्टे खाते में डालने का कोई मामला नहीं है।	कोई टिप्पणी नहीं।
3) क्या केंद्रीय/राज्य एजेंसियों से विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त/प्राप्य धनराशि का इसके नियमों और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब/उपयोग किया गया था?	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कंपनी को विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग, आर एंड डी और एस एंड टी और एनएमईटी के अलावा कोई फंड/अनुदान प्राप्त नहीं हुआ है, जैसा कि भाग- II के खंड 2 और 3 में उल्लिखित है - अतिरिक्त निर्देश (अनुलग्नक - 'ए')।	कोई टिप्पणी नहीं।
भाग-II नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के अतिरिक्त निर्देश		
1) कोलनेट पोर्टल से एसएपी में डेटा की माइग्रेशन प्रक्रिया का कोई स्वतंत्र मूल्यांकन और प्रमाणीकरण किया गया था	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, कोलनेट पोर्टल से एसएपी में डेटा की माइग्रेशन प्रक्रिया का स्वतंत्र मूल्यांकन और प्रमाणीकरण नहीं किया गया था। जैसा कि हमें बताया गया है, मामला सीआईएल स्तर पर उठाया गया है	कोई टिप्पणी नहीं।
2) क्या ब्लॉकों की खोज एमओयू के अनुपालन में पूरी की गई थी और विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग के लिए प्राप्त अनुदान का उपयोग और हिसाब-किताब	हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, सीएमपीडीआई और एमओसी/सीआईएल/एनएमईटी के बीच कोई समझौता जापन नहीं है। सीएमपीडीआई देश में कोयला	कोई टिप्पणी नहीं। 

ठीक से किया गया था। विचलन के मामलों की सूची बनाएं।	और लिग्नाइट की खोज से संबंधित सभी जानकारी के लिए नोडल एजेंसी है। सीएमपीडीआई एमओसी/सीआईएल/एनएमईटी द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित परियोजना/ब्लॉक के अनुसार विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग की गतिविधियाँ स्वयं या एमईसीएल और निजी पार्टियों के माध्यम से एमओयू और निविदाओं के माध्यम से करता है। परीक्षण जांच के आधार पर नमूनों की हमारी जांच के आधार पर, यह देखा गया कि ब्लॉकों की खोज एमओयू के अनुपालन में पूरी की गई थी और विस्तृत और प्रचारात्मक ड्रिलिंग के लिए प्राप्त अनुदान का उपयोग और हिसाब-किताब ठीक से किया जा रहा है।	
3) क्या R&D और S&T के लिए प्राप्त फंड का नियम और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब-किताब किया गया/उपयोग किया गया? विचलन के मामलों की सूची बनाएं.	हमें प्रदान की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, R&D और S&T परियोजनाओं को कार्यान्वयन एजेंसी/संस्थान द्वारा सीएमपीडीआई को प्रस्तुत प्रस्ताव के आधार पर कुछ नियमों और शर्तों के साथ एमओसी/सीआईएल की तकनीकी समिति द्वारा अनुमोदित/स्वीकृत किया जाता है। सीएमपीडीआई सभी चालू या नई आरएंडडी/एसएंडटी परियोजनाओं के लिए फंड की आवश्यकता का अनुमान लगाता है और एमओसी/सीआईएल से एक समेकित मांग करता है। एक बार फंड प्राप्त होने के बाद, सीएमपीडीआई परियोजनाओं की प्रगति के आधार पर विभिन्न किस्तों में कार्यान्वयन एजेंसी/संस्थान को फंड वितरित करता है। एक बार जब परियोजना पूरी हो जाती है और परियोजना पूर्णता रिपोर्ट तकनीकी समिति द्वारा अनुमोदित हो जाती है, तो कार्यान्वयन एजेंसी/संस्थान सीएमपीडीआई को उपयोग प्रमाण पत्र जमा करती है और ऐसी परियोजनाओं पर प्राप्त निधि की खर्च	कोई टिप्पणी नहीं। 

	न की गई राशि को उन निधियों पर अर्जित ब्याज के साथ सीएमपीडीआई को वापस कर देती है। परीक्षण जांच के आधार पर नमूनों की हमारी जांच के आधार पर, यह देखा गया कि आर एंड डी और एस एंड टी के लिए प्राप्त धनराशि का नियम और शर्तों के अनुसार उचित हिसाब/उपयोग किया गया था।	

31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट के पैराग्राफ 2 में संदर्भित परिशिष्ट "ख" पर प्रबंधन की टिप्पणी।

परिशिष्ट "बी" का बिंदु संख्या (i) (सी)	प्रबंधन उत्तर
हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई सभी अचल संपत्तियों (उन संपत्तियों के अलावा जहां कंपनी पट्टेदार है और पट्टे के पक्ष में पट्टा समझौते विधिवत निष्पादित किए गए हैं) के शीर्षक विलेख कंपनी के नाम पर रखे गए हैं। हालाँकि, हमारे ऑडिट के दौरान, सीएमपीडीआई आरआई1 (आसनसोल) के संबंध में भूमि होल्डिंग्स का स्वामित्व विलेख, हमारे सत्यापन के लिए हमारे सामने प्रस्तुत नहीं किया जा सका। इसके अलावा, कुदुमकेला में पट्टे की भूमि का मूल्य रु . 0.46 करोड़. 1.2.2023 से नवीनीकरण हेतु लंबित अन्य भूमि (नोट क्रमांक 3) के अंतर्गत दर्शाया गया है। हालाँकि, नवीनीकरण के लिए दिनांक 20.03.2023 की COFD बैठक में इसे मंजूरी दे दी गई है।	कोई टिप्पणी नहीं।



31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए "स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट" के पैराग्राफ 3 (एच) में संदर्भित परिशिष्ट "ग" पर प्रबंधन की टिप्पणी।

लेखापरीक्षक की राय	प्रबंधन उत्तर
वित्तीय रिपोर्टिंग पर पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली है और वित्तीय रिपोर्टिंग पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी ढंग से काम कर रहे थे। 31 मार्च 2023, इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के ऑडिट पर मार्गदर्शन नोट में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित वित्तीय रिपोर्टिंग मानदंडों पर आंतरिक नियंत्रण के आधार पर। i) इसके जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया के संबंध में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण के दस्तावेजीकरण, विभिन्न कार्यात्मक क्षेत्रों के जोखिम विश्लेषण और बीमा कवरेज के संबंध में जोखिम शमन सहित विभागीय स्तर पर प्रक्रिया प्रवाह को शामिल करने में और सुधार की आवश्यकता है ।) विविध के संबंध में नियंत्रण की निगरानी को मजबूत करना। व्यय, iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों, अन्य वर्तमान और गैर-वर्तमान परिसंपत्तियों, व्यापार देय और प्राप्त, अन्य वित्तीय देनदारियों और अन्य वर्तमान और गैर-वर्तमान देनदारियों की पुष्टि/समाधान/समायोजन। iv) कर्मचारियों की उपस्थिति दर्ज करने और दर्ज करने पर नियंत्रण।	जोखिम मूल्यांकन के संबंध में वर्तमान में उपलब्ध आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली भी मजबूत और पर्याप्त है। हमारा आंतरिक लेखा परीक्षक नियमित रूप से सभी पहलुओं को कवर करते हुए जोखिम मूल्यांकन पर एक रिपोर्ट बनाता है। इस पर सीओएफडी और लेखापरीक्षा समिति के समक्ष लगातार अंतराल पर नियमित रूप से विचार-विमर्श किया जाता है।

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



परिशिष्ट-V



COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO 25. GP BLOCK, SECTOR-5
BIDHANNAGAR, KOLKATA - 700091.

Mob.: +91 9867771580 • E-mail: raveena@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

FORM MR-3

सचिवीय लेखा परीक्षक की रिपोर्ट और प्रबंधन के उत्तर
31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

{Pursuant to Section 204(1) of the Companies Act, 2013 and rule 9 of the Companies
(Appointment and Remuneration of Managerial Personnel) Rules, 2014}

To,

The Members,

CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE LIMITED

Gondwana Place, Kanke Road

Ranchi, Jharkhand- 834008

We have conducted the secretarial audit of the compliance of applicable statutory provisions and the adherence to good corporate practices by **Central Mine Planning & Design Institute Limited** (hereinafter called "the Company"). Secretarial audit was conducted in a manner that provided us a reasonable basis for evaluating the corporate conduct / statutory compliance and expressing our opinion thereon.

Based on our verification of the Company's books, papers, minutes books, forms and returns filed and other records maintained by the Company and also the information provided by the Company, its officers, agents and authorized representatives during the conduct of secretarial audit, we hereby report that in our opinion, the Company has, during the audit period covering the financial year ended on March 31, 2023, complied with the statutory provisions listed here under and also that the Company has proper Board processes and compliance mechanism in place to the extent, in the manner and subject to the reporting made hereinafter:

We have examined the books, papers, minute books, forms and returns filed and other records maintained by the Company for the financial year ended on March 31, 2023, according to the provisions of:

- (i) The Companies Act, 2013 ('the Act') and the rules made thereunder;
- (ii) The Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 ('SCRA') and the rules made there under (during the period under review not applicable to the company);
- (iii) The Depositories Act, 1996 and the Regulations and Bye-laws Framed there under (during the period under review not applicable to the company);



HEAD. OFFICE : 201-206, Shiv Smriti, 2nd Floor, 49/A, Dr. Annie Besant Road, Above Corporation Bank, Worli, Mumbai-400 018
Tel.: +91-22-6611 9696 • E-mail: info@mehta-mehta.com. • Visit us : www.mehata-mehta.com

Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO 25, GP BLOCK, SECTOR-5
BIDHANNAGAR, KOLKATA - 700091.

Mob.: +91 9867771580 • E-mail: raveena@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

- (iv) Foreign Exchange Management Act, 1999 and the rules and regulations made thereunder to the extent of Foreign Direct Investment, Overseas Direct Investment and External Commercial Borrowings; **(during the period under review not applicable to the company);**
- (v) The following Regulations and Guidelines prescribed under the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 ('SEBI Act'):-
 - (a) The Securities and Exchange Board of India (Substantial Acquisition of Shares and Takeovers) Regulations, 2011 **(during the period under review not applicable to the company);**
 - (b) The Securities and Exchange Board of India (Prohibition of Insider Trading) Regulations, 2015;
 - (c) The Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 **(during the period under review not applicable to the company);**
 - (d) The Securities and Exchange Board of India (Issue and Listing of Non-Convertible Securities) Regulations, 2021 **(during the period under review not applicable to the company);**
 - (e) The Securities and Exchange Board of India (Share Based Employee Benefits and Sweat Equity) Regulations, 2021 **(during the period under review not applicable to the company);**
 - (f) The Securities and Exchange Board of India (Registrars to an Issue and Share Transfer Agents) Regulations, 1993 regarding the Companies Act and dealing with client **(during the period under review not applicable to the Company);**
 - (g) The Securities and Exchange Board of India (Delisting of Equity Shares) Regulations, 2021 **(during the period under review not applicable to the Company);**
 - (h) The Securities and Exchange Board of India (Buyback of Securities) Regulations, 2018 **(during the period under review not applicable to the Company);**



HEAD. OFFICE : 201-206, Shiv Smriti, 2nd Floor, 49/A, Dr. Annie Besant Road, Above Corporation Bank, Worli, Mumbai-400 018
Tel.: +91-22-6611 9696 • E-mail: info@mehta-mehta.com. • Visit us : www.mehata-mehta.com

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO 25, GP BLOCK, SECTOR-5
BIDHANNAGAR, KOLKATA - 700091.

Mob.: +91 9867771580 • E-mail: raveena@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

We have examined compliance with the applicable clauses of the following:

- (i) Secretarial Standards issued by the Institute of Company Secretaries of India;
- (ii) Securities and Exchange Board of India (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 (**during the period under review not applicable to the Company**);
- (iii) Other laws specifically applicable to the Company namely :
 - a) The Coal Mines Act, 1952
 - b) Indian Explosives Act, 1884
 - c) Colliery Control Order, 2000 and Colliery Control Rules, 2004
 - d) The Coal Mines Regulations, 2017
 - e) The Payment of Wages (Mines) Rules, 1956
 - f) Coal Mines Pension Scheme, 1998
 - g) Coal Mines Conservation and Development Act, 1974
 - h) The Mines Vocational Training Rules, 1966
 - i) The Mines Creche Rules, 1961
 - j) The Mines Rescue Rules, 1985
 - k) Coal Mines Pithead Bath Rules, 1946
 - l) Maternity Benefit (Mines and Circumstances) Rules, 1963
 - m) The Explosives Rules, 2008
 - n) Mineral Concession Rules, 1960
 - o) Coal Mines Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1948
 - p) Mines and Minerals (Development and Regulation) Act, 1957
 - q) The Payment of Undisbursed Wages (Mines) Rules, 1989
 - r) Indian Electricity Act, 2003 and the Indian Electricity Rules, 1956
 - s) Environment Protection Act, 1986 and Environment Protection Rules, 1986
 - t) The Hazardous and Other Wastes (Management and Transboundary Movement) Rules, 2016
 - u) The Water (Prevention & Control of Pollution) Act, 1974 and Rules made thereunder
 - v) The Air (Prevention & Control of Pollution) Act, 1981
 - w) Public Liability Insurance Act, 1991 and Rules made thereunder.

During the period under review the Company has complied with the provisions of Act, Rules, Regulations, Guidelines etc.

We further report that:

During the Audit Period, the Company has complied with the provisions of the Act, Rules, Regulations, Guidelines, etc. mentioned above *except* to the extent as mentioned below:



HEAD. OFFICE : 201-208, Shiv Smriti, 2nd Floor, 49/A, Dr. Annie Besant Road, Above Corporation Bank, Worli, Mumbai-400 018
Tel.: +91-22-6611 9696 • E-mail: info@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehata-mehta.com

Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO 25. GP BLOCK, SECTOR-5
BIDHANNAGAR, KOLKATA - 700091.

Mob.: +91 9867771580 • E-mail: raveena@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

1. Composition of the Board of Directors of the Company

The requisite number of Independent Directors were not on the Board of the Company as contemplated in Section 149(4) of the Act and the Clause 3.1.2 of DPE Guidelines on Corporate Governance for Central Public Sector Enterprise (CPSE) issued by the Department of Public Enterprises (DPE) during the period under review. Further, as per the provisions of Section 149 of the Act, the Company did not have a Woman Independent Director on its Board from 10th July, 2022 to 31st March, 2023 for which requisite letters were sent for appointment of both Independent Directors including Women Director by the management from time to time to Ministry of Coal and copy to its Holding Company.

2. Composition of the Audit Committee of the Board of Directors of the Company

As per the provisions of the Section 177 of the Act and Clause 4.1.1 of the DPE Guidelines for Corporate Governance on CPSE, during the period under review, the Audit Committee was constituted without Independent Directors for a period from 16th October, 2022 to 31st March, 2023 for which requisite letters has been submitted by the management from time to time.

3. *In view of exemption provided to Government Companies, vide notification dated June 5, 2015 issued by Ministry of Corporate Affairs, from complying with the provision of section 134(3)(p) of the Companies Act 2013, the Company is not required to comply which requires performance evaluation of Independent Directors by the entire Board of Directors and review of performance of Non-Independent Directors, the Board of Directors as a whole and the Chairperson of the Company by the Independent Directors.*

We further report that all the changes in the composition of the Board of Directors during the Audit Period, except the aforesaid, were made in due compliance of the various provisions of the Act and DPE Guidelines on Corporate Governance for CPSE.

Adequate notices are given to all Directors to schedule the Board / Committee Meetings, agenda and detailed notes on agenda were sent at least seven days in advance and a system exists for seeking and obtaining further information and clarifications on the agenda items before the meeting and for meaningful participation at the meeting.



Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO 25, GP BLOCK, SECTOR-5
BIDHANNAGAR, KOLKATA - 700091.

Mob.: +91 9867771580 • E-mail: raveena@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

We further report that there are adequate systems and processes in the company commensurate with the size and operations of the company to monitor and ensure compliance with applicable laws, rules, regulations and guidelines.

We further report that during the year 2022-23.

- 1) The Company at its Annual General Meeting held on July 21, 2022 declared final dividend of 16.842% i.e. Rs. 168.42 per equity share of face value of Rs. 1000/- each i.e. Rs. 24.05 crores for the Financial Year 2021-2022.
- 2) The Board of Directors of the Company at its meeting held on March 17, 2023 declared interim dividend at 49.02% i.e. Rs. 490.20 per equity share of face value of Rs. 1000/- each aggregating to Rs. 70 crores for F.Y. 2022-23

For Mehta & Mehta,
Company Secretaries
(ICSI Unique Code P1996MH007500)



Nayan Handa
Partner

FCS No: 11993

CP No.: 18686

UDIN: F011993E000662335

Place: Delhi

Date: 22.06.2023

Note: This report is to be read with our letter of even date which is annexed as 'ANNEXURE A' and forms an integral part of this report.

Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO 25, GP BLOCK, SECTOR-5
BIDHANNAGAR, KOLKATA - 700091.

Mob.: +91 9867771580 • E-mail: ravaena@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

Annexure A

To,
The Members,
CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE LIMITED
Gondwana Place, Kanke Road
Ranchi, Jharkhand- 834008

Our report of even date is to be read along with this letter.

- 1) Maintenance of secretarial record is the responsibility of the management of the Company. Our responsibility is to express an opinion on these secretarial records based on our audit.
- 2) We have followed the audit practices and processes as were appropriate to obtain reasonable assurance about the correctness of the contents of the secretarial records. The verification was done on test basis to ensure that correct facts are reflected in secretarial records. We believe that the processes and practices we followed provide a reasonable basis for our opinion.
- 3) We have not verified the correctness and appropriateness of financial records and Books of Accounts of the Company.
- 4) Wherever required, we have obtained the Management representation about the compliance of laws, rules and regulations and happening of events etc.
- 5) The compliance of the provisions of corporate laws, rules, regulations, standards is the responsibility of management. Our examination was limited to the verification of procedures on test basis.
- 6) As regard the books, papers, forms, reports and returns filed by the Company under the provisions referred to in our Secretarial Audit Report in Form MR-3 the adherence and compliance to the requirements of the said regulations is the responsibility of management. Our examination was limited to checking the execution and timeliness of the filing of various forms, reports, returns and documents that need to be filed by the Company with various authorities under the said regulations. We have not verified the correctness and coverage of the contents of such forms, reports, returns and documents.





Mehta & Mehta

COMPANY SECRETARIES

INFINITY BENCHMARK, 18TH FLOOR, ROOM NO. 105, STREET NO 25, GP BLOCK, SECTOR-5
BIDHANNAGAR, KOLKATA - 700091.

Mob.: +91 9867771580 • E-mail: raveena@mehta-mehta.com • Visit us : www.mehta-mehta.com

- 7) The secretarial audit report is neither an assurance as to the future viability of the Company nor of the efficacy or effectiveness with which the management has conducted the affairs of the Company.

For Mehta & Mehta,
Company Secretaries
(ICSI Unique Code P1996MH007500)



Nayan Handa
Partner
FCS No: 11993
CP No.: 18686
UDIN: F011993E000662335

Place: Delhi
Date: 22.06.2023

परिशिष्ट-VI

**संबंधित पार्टियों यू / एस 188 (1) के साथ अनुबंध या व्यवस्था।
फॉर्म नंबर एओसी-2**

(अधिनियम की धारा 134 की उपधारा (3) के खंड (ज) और कंपनियों (लेखा) नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसार) कंपनी द्वारा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट संबंधित पक्षों के साथ अनुबंधों की व्यवस्थाओं के विवरणों के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र, जिसमें तीसरे नियम के तहत सुरक्षित और सुविधाजनक प्रक्रिया शामिल है।

क्र.सं.	विवरण	ब्यौरा
1.	वैसे संविदा व्यवस्था या लेन-देन का ब्यौरा जो आर्मलेन्थ बेसिस पर न हो	NIL
क)	संबंधित पार्टी का नाम तथा संबंध की प्रकृति	
ख)	संविदा/व्यवस्था/लेन-देन की प्रकृति	
ग)	संविदा/व्यवस्था/लेन-देन की अवधि	
घ)	मूल्य सहित संविदा/व्यवस्था/लेन-देन की प्रमुख शर्तें	
ड.)	इस प्रकार के संविदा या व्यवस्था या लेन-देन करने का औचित्य	
च)	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि	
छ)	अग्रिम, यदि कोई हो, के रूप में भुगतान की गई रकम	
ज)	धारा 188 के पहले परंतुक के तहत यथा अपेक्षित रकम आम बैठक द्वारा पारित विशेष संकल्प की तिथि	परिशिष्ट 'क' के अनुसार
2.	आर्मस लेन्थ आधार पर महत्वपूर्ण (मेटेरियल) संविदा, व्यवस्था या लेन-देन का ब्यौरा	
क)	संबंधित पार्टी का नाम तथा संबंध की प्रकृति	
ख)	संविदा/व्यवस्था/लेन-देन की प्रकृति	
ग)	संविदा/व्यवस्था/लेन-देन की अवधि	
घ)	मूल्य, यदि कोई हो, सहित संविदा या व्यवस्था या लेन-देन की प्रमुख शर्तें	
ड.)	बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि, यदि कोई हो,	
च)	अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो,	

31.03.2023 के अनुसार ग्रुप के भीतर संबंधित पार्टियों का साथ लेन-देन

सरकार से सम्बद्ध संस्था होने के नाते सम्बद्ध पार्टी के साथ लेन-देन तथा नियंत्रक सरकार और एक ही सरकार के तहत अन्य संस्था (इंटिटी) के पास बकाया शेष के संबंध में सामान्य प्रकटीकरण आवश्यकता से इसे छूट मिली है।

आईएनडी एस 24 के अनुसार महत्वपूर्ण लेन-देन की प्रकृति एवं रकम का स्पष्टीकरण नीचे दिया गया है:

(करोड़ रु. में)

कंपनी का नाम	विवेच्य वर्ष के दौरान लेन-देन की रकम	लेन-देन की प्रकृति
ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	94.62	बिक्री
भारत कोकिंग कोलफील्ड्स लिमिटेड	53.02	बिक्री
सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड	192.87	बिक्री
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	175.13	बिक्री
साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	380.01	बिक्री
नार्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड	126.57	बिक्री
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड	110.80	बिक्री
कोल इंडिया लिमिटेड, सीआईएल (100 प्रतिशत होल्डिंग कंपनी)	13.07	बिक्री
समग्र योग	1146.09	

परिशिष्ट-VII

31.3.2023 की तिथि को समाप्त वर्ष के लिए निदेशक मंडल की रिपोर्ट के भाग का परिशिष्ट कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति एवं पारिश्रमिक), नियम 2014 के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 के नियम 5(2) के अनुसार सूचना

क्र.सं.	नाम	पदनाम/कार्य की प्रकृति	वर्ष के दौरान पारिश्रमिक (रु.)	नियुक्ति की प्रकृति स्थाई/अस्थायी	योग्यता	अनुभव(वर्ष)	प्रारंभ की तिथि	31.3.2017 को उम्र (वर्ष)	अंतिम नियोजन	धारित इक्विटी शेयर का %	क्या निदेशक/प्रबंधक से संबंधित है
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.	12.
(a)	समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष में पूरे वित्तीय वर्ष के दौरान नियोजित तथा उस वित्तीय वर्ष के लिए प्राप्त सकल पारिश्रमिक जो 1,02,00,000/-रु. से कम नहीं था। शून्य										
(b)	समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के किसी भाग के लिए नियुक्त एवं वित्तीय वर्ष के लिए संपूर्ण योग के दर पर प्राप्त पारिश्रमिक जो 8,50,000/-रु. प्रति माह से कम नहीं था। शून्य										
(c)	पूरे वित्तीय वर्ष या उसके भाग के दौरान नियोजित एमडी/डिप्टी/मैनेजर द्वारा मिलने वाले पारिश्रमिक से अधिक की प्राप्ति तथा जिसके पास कंपनी की इक्विटी शेयर का 2: से अधिक नहीं था। शून्य										

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



परिशिष्ट-VIII

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ

भारतसरकार

GOVERNMENT OF INDIA

भारतीय लेखापरीक्षा एवं लेखाविभाग

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT

कार्यालय निदेशक लेखापरीक्षा (कोयला), कोलकाता

OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF AUDIT (COAL)

पुराना निजाम महल, 234/4 आचार्य जगदीशचन्द्र बोस रोड,

कोलकाता। - 700 020

OLD NIZAM PALACE, 234/4, A. J. C. BOSE ROAD,

KOLKATA-700020



No. CAR/CCL/A/c Audit/CMPDIL/2022-23/ 237

Date 28 June 2023

To
The Chairman-cum-Managing Director
Central Mine Planning & Design Institute Limited
Ranchi

Subject: Comments of the Comptroller and Auditor General of India under Section 143(6)(b) of the Companies Act, 2013 on the Financial Statements of Central Mine Planning & Design Institute Limited for the year ended 31 March 2023.

Sir,

I forward herewith the Comments of the Comptroller and Auditor General of India under Section 143(6)(b) of the Companies Act, 2013 on the financial statements of **Central Mine Planning & Design Institute Limited** for the year ended 31 March 2023.

The receipt of this letter may please be acknowledged.

Yours faithfully,

Encl: As stated.

(Atul Prakash)
Principal Director of Audit (Coal)
Kolkata

पुराना निजाम महल, 234/4 आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, कोलकाता। - 700 020, 234/4, A. J. C. BOSE ROAD, KOLKATA-700020

दु° भा° Phone: 91-33-22875380/ 033-22815784, 033-22877165, 033-22900314

ईमेल E-mail: dgacoalkol@cag.gov.in फ़ैक्स FAX: 300-22800062,

**COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA
UNDER SECTION 143(6) (B) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL
STATEMENTS OF CENTRAL MINE PLANNING & DESIGN INSTITUTE FOR THE
YEAR ENDED 31 MARCH 2023.**

The preparation of financial statements of Central Mine Planning & Design Institute Limited for the year ended 31 March 2023 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139 (5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 02 May 2023.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of Central Mine Planning & Design Institute Limited for the year ended 31 March 2023 under section 143(6)(a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit nothing significant has come to my knowledge which would give rise to any comment upon or supplement to statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller and Auditor General of India



(Atul Prakash)

Principal Director of Audit (Coal)
Kolkata

Place: Kolkata
Date: 28 June 2023

परिशिष्ट- IX

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पर रिपोर्ट

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा।

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआईएल) कंपनी अधिनियम, 2013 के नवीनतम डीपीई दिशानिर्देशों और प्रावधानों का पालन करते हुए कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत विभिन्न विकासात्मक गतिविधियां कर रहा है। सीएमपीडीआईएल की सीएसआर नीति के अनुसार न्यूनतम अनिवार्य व्यय जो ठीक पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए औसत शुद्ध लाभ का 2.00% है, एक विशेष वित्तीय वर्ष के लिए आवंटित किया जाता है। सीएमपीडीआईएल की सीएसआर नीति इसकी वेबसाइट www.cmpdi.co.in पर अपलोड की गई है।

2. सीएसआर समिति की संरचना:

01.04.2022 से 31.03.2023 तक सीएसआर समिति की संरचना				
	निदेशक का नाम	निदेशक पद का पदनाम एवं प्रकृति	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों की संख्या
सीएसआर समिति के अध्यक्ष के रूप में बैठकों में भाग लिया				
1	श्री प्रमोद सिंह चौहान	अध्यक्ष (15.10.2022 को कार्यालय समाप्त)	3	3
2	श्री आर.एन.झा	अध्यक्ष (23.12.2022 से)	2	2
सीएसआर समिति के सदस्य के रूप में बैठकों में भाग लिया				
3	श्रीमती अलका पांडा	सदस्य (09.07.2022 को कार्यालय समाप्त)	1	1
4	डॉ. कृष्ण चंद्र पांडे	सदस्य (09.07.2022 को कार्यालय समाप्त)	1	1
5	श्री आर.एन.झा	सदस्य (22.12.2022 तक सदस्य के रूप में सीएसआर समिति की बैठकों में भाग लिया)	3	3
6	श्री एस.के. गोमस्ता	सदस्य (06.10.2022 तक सदस्य)	2	2
7	श्री शंकर नागाचारी	सदस्य (06.10.2022 से सदस्य)	3	3
8	श्री अजय कुमार	सदस्य (23.12.2022 से सदस्य)	2	2

3. आयोग ने सिफारिश की है कि लोक सेवकों के लिए लोक सेवकों का चयन संबंधित वेब-लिंक प्रदान करें जहां बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं की संरचना का खुलासा कंपनी की वेबसाइट पर किया गया है।

बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं की संरचना का विवरण वेबसाइट <https://www.cmpdi.co.in/csr.php> पर दिया गया है।

4. कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के उप-नियम 8 के अनुसरण में की गई सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव मूल्यांकन का विवरण प्रदान करें, यदि लागू हो (रिपोर्ट संलग्न करें)।

कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति) नियम, 2014 के उप-नियम 8 के अनुसरण में, सीएमपीडीआईएल द्वारा की गई कोई भी सीएसआर परियोजना प्रभाव मूल्यांकन के दायरे में नहीं आती है।

5. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 4(3) के अंतर्गत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) नियम, 2014 के नियम 7 के उप-नियम (3) के अनुसरण में समंजन के लिए उपलब्ध राशि और वित्तीय वर्ष के लिए समंजन के लिए आवश्यक राशि, यदि कोई हो, का विवरण।

क्र.सं.	वित्तीय वर्ष	पिछले वित्तीय वर्षों से सेट-ऑफ के लिए उपलब्ध राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष के लिए निर्धारित की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई हो (रुपये में)
1	2022-23	25,27,000.00	शून्य
	कुल		

6. धारा 135(5) के अनुसार कंपनी का औसत निवल लाभ:

मद	राशि (करोड़ ₹ में)
वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए पीबीटी	367.24
वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए पीबीटी	414.49
वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए पीबीटी	312.62
पिछले तीन वर्षों का कुल योग	1094.35
पिछले तीन वर्षों का औसत	364.7833

- 7.(क) धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत।

पिछले तीन वर्षों के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत ₹7.30 करोड़ था।

- (ख) पिछले वित्तीय वर्ष की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष।

पिछले वित्तीय वर्ष की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से कोई अधिशेष नहीं हुआ है।

- (ग) वित्तीय वर्ष के लिए समंजित की जाने वाली आवश्यक राशि, यदि कोई हो

वित्तीय वर्ष के लिए कोई राशि निर्धारित नहीं की जानी है।

- (घ) वित्तीय वर्ष (7क+7ख-7ग) के लिए कुल सीएसआर दायित्व।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सीएमपीडीआईएल द्वारा सीएसआर के तहत खर्च की जाने वाली अनिवार्य राशि थी।

- 8.(क) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई या खर्च नहीं की गई सीएसआर राशि:

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (₹ में)	खर्च न की गई राशि (₹ में)				
	धारा 135(6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि।		धारा 135(5) के दूसरे प्रावधान के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में हस्तांतरित राशि।		
	राशि	स्थानांतरण की तिथि	निधि का नाम	राशि	स्थानांतरण की तिथि
89203204.85	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	शून्य	लागू नहीं

(ख) वित्तीय वर्ष के लिए चल रही परियोजनाओं पर खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण :

क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				ज़िला	राज्य						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
1	आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएम)	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	4.00	1.29	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
2	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	1.00	0.68	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
3	बहुवर्षीय: शौचालय ब्लॉक और सौर प्रकाश व्यवस्था के माध्यम से सीएमपीडीआईएल मुख्यालय, राँची के पास मिसिरगोंडा गांव का विकास, सीएमपीडी आईएल कार्यालय के पीछे मिसिरगोंडा। (बहुवर्षीय परियोजना- वित्तीय वर्ष 2021-24)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	2 वर्ष	40.85	39.69	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
4	बहुवर्षीय: बिरसा स्कूल, हटियागोंडा, राँची का नवीनीकरण (वित्तीय वर्ष 2021-24)	बिंदु II, अनुसूची VII: शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	2 वर्ष	35.00	30.63	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से
				ज़िला	राज्य				नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
5	बहुवर्षीय: दो सरकारी उच्च विद्यालयों, कांके, रांची में शौचालय की सुविधा (बहुवर्षीय परियोजना-वित्तीय वर्ष 2021-24)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	2 वर्ष	31.35	शून्य	हाँ	लागू नहीं
6	स्पिलओवर: एक सरकारी हाई स्कूल, कांके, रांची में वर्चुअल रियलिटी लैब स्थापित करने के लिए परियोजना प्रस्ताव	बिंदु II, अनुसूची VII: शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	21.98	शून्य	नहीं	जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, राँची
7	स्पिलओवर: झारखंड के विभिन्न जिलों में पशुओं में प्रभावी टीकाकरण के लिए 2000 पशु सखियों को वैक्सीन बॉक्स प्रदान करके आजीविका में सहायता करना।	बिंदु II, अनुसूची VII: आजीविका को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	26.25	शून्य	नहीं	झारखण्ड राज्य आजीविका मिशन, राँची
8	स्पिलओवर: महामारी सीओवीआईडी-19 (ओमाइक्रोन वैरिएंट) के हालिया प्रकोप को देखते हुए "कोविड-19 की रोकथाम" का प्रस्ताव	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य को देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	2.00	शून्य	नहीं	जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, राँची
										CSR 00033478
										CSR 00033478
										CSR 00020742

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
9	स्पिलओवर: भविष्य में कोविड की लहरों (कोविड के हालिया ओमिक्रॉन संस्करण को ध्यान में रखते हुए) की तैयारी के लिए जिला अस्पताल, रांची के लिए कोविड डायग्नोस्टिक और मेडिकल सर्जरी के लिए चिकित्सा उपकरणों की आवश्यकता।	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	60.00	42.06	शून्य	नहीं	जिला ग्रामीण विकास एजेंसी, राँची	CSR 00020742
10	सरकार के लिए 20 युवाओं को प्रयोजित करना। लोक नायक जय प्रकाश पारा मेडिकल इंस्टीट्यूट, चौपारण, हजारीबाग में नेत्र सहायक में मान्यता प्राप्त 2 साल का डिप्लोमा कोर्स।	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	15.50	15.50	शून्य	नहीं	नव भारत जागृति केंद्र	CSR 00001693
11	ब्रजकिशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय, राँची की 25 दृष्टिबाधित छात्राओं को शिक्षा और कौशल विकास के लिए वित्तीय सहायता	बिंदु II, अनुसूची VII: दिव्यांगों के बीच विशेष शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	4.80	4.80	शून्य	नहीं	ब्रजकिशोर नेत्रहीन बालिका विद्यालय, राँची	CSR 00017468
12	करुणा अनाथालय, राँची में अनाथ बच्चों के लिए एक वाहन ईको-5 सीटर एसो(ओ) सीएनजी उपलब्ध करना।	बिंदु III, अनुसूची VII: असमानताओं को कम करने के उपाय	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	7.43	6.59	शून्य	नहीं	करुणा एनएमओ	CSR 00029838

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
13	राँची, झारखंड में स्थायी आजीविका और आत्मनिर्भरता के लिए महिलाओं को इंडिविंग पर कौशल प्रशिक्षण	बिंदु II, अनुसूची VII: रोजगार बढ़ाने वाले कौशल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	7.40	4.44	शून्य	नहीं	एसोसिएट एडु स्ट्रिकल फाउंडेशन	CSR 00009270
14	झारखंड के 50 अभ्यर्थियों को जनरल इयूटी असिस्टेंस (जीडीए) पर कौशल प्रशिक्षण	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	10.98	10.98	शून्य	नहीं	प्रयास क्लिंशोर सहायता केंद्र	CSR 00001803
15	नजदीकी सरकारी अस्पताल में पीने योग्य पानी की सुविधा। स्कूल (आरओ + वाटर कूलर (7 नग) @ 60,000/- रु.	बिंदु I, अनुसूची VII: पीने का पानी	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	4.20	4.05	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
16	बहुवर्षीय: मशीन ऑपरेटर, झारखंड में 80 वंचित/ बेरोजगार/अल्परोजगार युवाओं को रोजगारोन्मुखी छह महीने का कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करना (बहुवर्षीय परियोजना-वित्तीय 2022-24)	बिंदु II, अनुसूची VII: रोजगार बढ़ाने वाले कौशल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	2 वर्ष	68.00	34.00	शून्य	नहीं	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), राँची	CSR 00008481

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य						नाम	
17	बहुवर्षीय: मशीन ऑपरेटर, झारखंड में 80 वंचित/क्षेत्रजगार/अल्परोजगार युवाओं को रोजगारोन्मुखी छह महीने का कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करना (बहुवर्षीय परियोजना-वित्तीय 2022-24)	बिंदु II, अनुसूची VII: रोजगार बढ़ाने वाले कौशल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	2 वर्ष	68.00	6.80	शून्य	नहीं	इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), राँची	CSR 00008481
18	आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	1 वर्ष	5.00	5.00	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
19	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	Yes	Asansol	West Bengal	1 year	2.00	1.99	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
20	आसनसोल आन्दोलन के 35 विशेष बच्चों को प्रायोजन	बिंदु II, अनुसूची VII: दिव्यांगों के बीच विशेष शिक्षा को बढ़ावा देना	Yes	Asansol	West Bengal	1 year	12.18	12.18	शून्य	नहीं	आसनसोल आन्दोलन	CSR 00005956

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए अनुसंधान परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन एजेंसी का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
21	श्रीमा प्रतिभा कल्याण केंद्र (सोसाइटी), आसनसोल के 50 विशेष बच्चों को प्रायोजन	बिंदु II, अनुसूची VII: दिव्यांगों के बीच विशेष शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	1 वर्ष	11.46	11.46	शून्य	नहीं	श्रीमा प्रतिभा कल्याण केंद्र (सोसाइटी), आसनसोल	CSR 00003769
22	पश्चिम बर्धमान जिले के हांडेरडांगा गांव में 51 सौर स्ट्रीट लाइटों की स्थापना	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	1 वर्ष	9.10	7.70	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
23	पश्चिम बर्धमान जिले के जामगोरा गांव में 100 सौर स्ट्रीट लाइट की स्थापना	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	1 वर्ष	17.85	15.10	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
24	स्पिनओवर: नाबरन एफ पी स्कूल, आसनसोल को 4 कंप्यूटरों की सुविधा प्रदान करना	बिंदु II, अनुसूची VII: शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	1 वर्ष	2.14	2.00	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
25	स्पिनओवर: गोपालपुर एफपी स्कूल, आसनसोल को 3 कंप्यूटरों की सुविधा प्रदान करना	बिंदु II, अनुसूची VII: शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	1 वर्ष	1.61	1.51	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
26	आसनसोल के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को 5 सर्वशिक्षित केन्द्रों की सुविधा प्रदान करना (पुरानहाट सरकार प्रायोजित नि:शुल्क प्राथमिक विद्यालय, हीरापुर दक्षिणपारा एफ पी स्कूल, अंबागन एफ.पी. स्कूल, मुर्गसोल जी.एस.एफ.पी. स्कूल और अरदंगा-जोड़ंगा एफ.पी. स्कूल आसनसोल)	बिंदु II, अनुसूची VI: शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	आसनसोल	पश्चिम बंगाल	1 वर्ष	0.53	0.65	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
27	आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)	बिंदु IV, अनुसूची VI: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	3.00	2.72	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
28	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VI: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	2.00	1.95	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
29	विकलांग व्यक्तियों को सहायता और सहायक उपकरणों की पहचान और वितरण, धनबाद, झारखंड	बिंदु I, अनुसूची VI: स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	20.00	19.93	शून्य	नहीं	भारतीय कोटिम अंग निर्माण निगम (एएलआईएमसीओ), कानपुर	CSR 00000532

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परियोजना (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन एजेंसी का तरीका (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	
				ज़िला	राज्य						नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
30	एक चिकित्सा शिविर	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	2.96	2.17	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
31	लाल मणि वृद्ध सेवा आश्रम, धनबाद को 25 सेमी फोल्डिंग रोगी बिस्तर और गद्दे उपलब्ध कराना	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	3.67	2.80	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
32	सरकारी हाई स्कूल करमाटांड, स्वालंबी रोजगार सोसायटी, मुकंदा, धनबाद और महिला आश्रय गृह, धनबाद, झारखंड को स्वचालित 3 सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन और 3 इंसीनरेटर इकाइयां प्रदान करना।	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	1.33	1.27	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
33	आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	6.50	5.46	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
34	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	2.00	2.07	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परियोजना (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
35	स्पिलओवर: सीएससी-बुर्म् बर्म् ब्लॉक, रांची में मैनिफोल्ड पाइपलाइन के साथ 200 एलपीएम पीएसए ऑक्सीजन संयंत्र की स्थापना	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	झारखण्ड	1 वर्ष	80.00	76.61	शून्य	नहीं	ज़िला ग्रामीण विकास एजेंसी, राँची	CSR 00020742
36	बहुवर्षीय परियोजना: विभिन्न सरकारी स्कूलों में आठ सौर ऊर्जा चालित डीप बोरिंग पंप की स्थापना (बहुवर्षीय परियोजना-वित्तीय वर्ष 2022-24)	बिंदु I, अनुसूची VII: पीने का पानी	हाँ	राँची	लातेहार और राँची	1 वर्ष	14.00	8.81	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
37	तीन चिकित्सा शिविर और तीन अनुवर्ती शिविर	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	हजारीबाग और राँची	1 वर्ष	10.96	6.17	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
38	क्षेत्रीय संस्थान-3 के कमांड एरिया लातेहार में ग्रामीणों के बीच मच्छरदानी का वितरण	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	लातेहार	1 वर्ष	0.50	0.34	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
39	राजकीय मध्य विद्यालय, बाबूमाथ, लातेहार में पेयजल के लिए सौर ऊर्जा चालित डीप बोरिंग	बिंदु I, अनुसूची VII: पीने का पानी	हाँ	राँची	लातेहार	1 वर्ष	3.50	2.56	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परियोजना (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य						लागू नहीं	लागू नहीं
40	क्षेत्रीय संस्थान-3 के कमांड क्षेत्र के सरकारी स्कूलों में 75 पुस्तकों के 4 सेट का वितरण	बिंदु II, अनुसूची VII: शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	लातेहार	1 वर्ष	0.20	0.20	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
41	आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	राँची	नागपुर	1 वर्ष	6.50	6.50	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
42	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	नागपुर	1 वर्ष	2.00	1.99	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
43	स्पिलओवर: कोविड से संबंधित वस्तुएं-गाददे उपलब्ध कराना	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	राँची	नागपुर	1 वर्ष	1.01	1.01	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
44	बोरेगांव में जल फिल्टर संयंत्र की एएमसी।	बिंदु I, अनुसूची VII: पीने का पानी	हाँ	राँची	नागपुर	1 वर्ष	0.38	0.38	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
45	शिवपुर (बंदर) गांव, वरोरा, चंद्रपुर में 2 जल संयंत्र के लिए एएमसी (एएमसी का दूसरा वर्ष)।	बिंदु I, अनुसूची VII: पीने का पानी	हाँ	राँची	चंद्रपुर नागपुर	1 वर्ष	2.36	1.63	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका प्रत्यक्ष (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
46	सीएमपीडीआई क्षेत्रीय संस्थान-4, चंद्रपुर, नागपुर के कमांड क्षेत्रों के युवाओं के लाभ के लिए प्लास्टिक प्रौद्योगिकी में 120 उम्मीदवारों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम।	बिंदु II, अनुसूची VII: रोजगार बढ़ाने वाले कौशल को बढ़ावा देना	हाँ	चंद्रपुर नागपुर	महाराष्ट्र	1 वर्ष	84.00	84.00	शून्य	नहीं	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), रांची	CSR 00008481
47	नागपुर और ड्रिलिंग स्थलों के पास के क्षेत्रों में दिव्यांगजन को 175-200 सहायक सामग्री एवं उपकरणों का वितरण	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	चंद्रपुर नागपुर	महाराष्ट्र	1 वर्ष	40.00	39.97	शून्य	नहीं	भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एएलआईए मसीओ), कानपुर	CSR 00000532
48	नागपुर में जंगली पक्षियों और छोटे जानवरों के बचाव और परिवहन के लिए ट्रैजिट ट्रीटमेंट सेंटर (टीटीसी) को दान करने के लिए 04 इलेक्ट्रिक स्कूटर की आपूर्ति।	बिंदु IV , अनुसूची VII: पशु कल्याण को बढ़ावा देना	हाँ	नागपुर	महाराष्ट्र	1 वर्ष	2.92	2.92	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान	परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से कार्यान्वयन
				ज़िला	राज्य				नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
49	बहुवर्षीय: 100 लाभार्थियों के लिए एफडीडीआई द्वारा फुटवियर डिजाइन और उत्पादन में 4 महीने का अल्पकालिक आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना (बहुवर्षीय परियोजना - वित्तीय वर्ष 2022-24)।	बिंदु II, अनुसूची VII: रोजगार बढ़ाने वाले कौशल को बढ़ावा देना	हाँ	नागपुर	महाराष्ट्र	2 वर्ष	16.52	शून्य	फुटेयर डिजाइन एवं विकास संस्थान	CSR 00042665
50	कैंसर रोगियों के हिस्टोपैथोलॉजिकल नमूनों की रिपोर्टिंग की दक्षता और गुणवत्ता बढ़ाने के लिए राष्ट्र संत तुकडोजी चैरिटेबल कैंसर अस्पताल, नागपुर को 01 दूरबीन माइक्रोस्कोप प्रदान करना।	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	नागपुर	महाराष्ट्र	1 वर्ष	0.42	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं
51	आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	बिलाशपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	4.12	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं
52	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	बिलाशपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	1.97	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं



1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परियोजना (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए आवंटित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य						लागू नहीं	लागू नहीं
53	बहुवर्षीय: धर्मशाला में मरीजों के रहने की स्थिति में सुधार के लिए गिनियारी के जन स्वास्थ्य सहयोग अस्पताल के सचिव धर्मशाला में अतिरिक्त कमरों का निर्माण (बहुवर्षीय परियोजना-वित्तीय वर्ष 2022-24)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	बिलाशपुर	छत्तीसगढ़	2 वर्ष	12.00	12.00	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
54	क्षेत्रीय संस्थान-5 के ड्विलिंग कैम्प/प्रयोगशालाओं/मुद्रालय के अधिकार क्षेत्र में और उसके आसपास अस्पतालों, स्कूलों, कॉलेजों, बधिर और मूक संगठनों के लिए 20 जल शोधक की खरीद और एसीपी बोर्ड की स्थापना	बिंदु I, अनुसूची VII: पीने का पानी	हाँ	बिलाशपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	3.95	3.95	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
55	एक चिकित्सा शिविर और एक अनुवर्ती शिविर	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	बिलाशपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	3.65	2.03	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
56	कैम्प एरिया और कार्यालयों के पास 100 लीटर के 20 टाइन बिन कूड़ेदान की खरीद और वितरण।	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	बिलाशपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	0.78	0.78	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/ नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
57	क्षेत्रीय संस्थान-5, बिलासपुर के कमांड क्षेत्र में ग्रामीणों को मच्छरदानी वितरण	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	1.04	1.04	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
58	एलिम्को के माध्यम से बिलासपुर जिले के बिलासपुर ब्लॉक और मस्ट्री के दिव्यांगजन हितग्राहियों को 194 मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल (बॉक्स सहित) का वितरण	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	91.10	91.09	शून्य	नहीं	भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एएलआईएमसीओ), कानपुर	CSR 00000532
59	बहुवर्षीय: सीआईपीईटी, रायपुर के माध्यम से छत्तीसगढ़ के उम्मीदवारों के लिए मशीन ऑपरेटर पाठ्यक्रम में 110 वंचित/ बेरोजगार/अल्परोजगार युवाओं को रोजगार उन्मुख आवासीय कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित करना (बहुवर्षीय परियोजना - वित्तीय वर्ष 2022-24)	बिंदु II, अनुसूची VII: रोजगार बढ़ाने वाले कौशल को बढ़ावा देना	हाँ	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	2 वर्ष	9.35	9.35	शून्य	नहीं	सेट्टल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), रांची	CSR 00008481
60	अंध एवं विकलांग शिक्षण-प्रशिक्षण विद्यालय, अमरखेरा, महेंद्रगढ़ को संगीत वाद्ययंत्र उपलब्ध कराना	बिंदु II, अनुसूची VII: शिक्षा को बढ़ावा देना	हाँ	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	0.37	0.37	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
61	जन स्वास्थ्य सहयोग, गनियारी, बिलासपुर में सोलर लाइटिंग की स्थापना।	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	2.60	0.86	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
62	गांवों/स्कूलों में 240 लीटर के 50 कूड़ेदान की स्थापना	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	बिलासपुर	छत्तीसगढ़	1 वर्ष	1.90	1.73	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
63	आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	सिंगरौली	मध्य प्रदेश	1 वर्ष	3.00	2.95	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
64	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	सिंगरौली	मध्य प्रदेश	1 वर्ष	2.00	1.91	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
65	एक चिकित्सा शिविर और एक अनुवर्ती कैम्प	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	सिंगरौली	मध्य प्रदेश	1 वर्ष	3.65	2.13	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
66	जिला विकासांगता पुनर्वास केंद्र-सिंगरौली जिला, मध्य प्रदेश के परामर्श से 20 विकासांग व्यक्तियों को सहायता और सहायक उपकरणों की पहचान और वितरण।	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	सिंगरौली	मध्य प्रदेश	1 वर्ष	3.00	2.86	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य							
67	आजादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम)	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	भुवनेश्वर	ओडिशा	1 वर्ष	6.00	5.99	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
68	स्वच्छता कार्य योजना (एसएपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वच्छता को बढ़ावा देना	हाँ	भुवनेश्वर	ओडिशा	1 वर्ष	2.00	1.99	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
69	ज्वेल्स इंटरनेशनल, चेतना इंस्टीट्यूट फॉर द मेटली हैंडिकेप्ड, भुवनेश्वर में एक नया वाटर प्यूरीफायर और वाटर कूलर प्रदान किया जा रहा है।	बिंदु I, अनुसूची VII: पीने का पानी	हाँ	भुवनेश्वर	ओडिशा	1 वर्ष	0.87	0.59	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
70	मशीन ऑपरेटर, भुवनेश्वर, ओडिशा में 40 उम्मीदवारों का कौशल विकास।	बिंदु II, अनुसूची VII: रोजगार बढ़ाने वाले कौशल को बढ़ावा देना	हाँ	भुवनेश्वर	ओडिशा	1 वर्ष	41.74	41.74	शून्य	नहीं	सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ़ पेट्रोकैमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), रांची	CSR 00008481
71	एक चिकित्सा शिविर और एक अनुवर्ती कैम्प	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	भुवनेश्वर	ओडिशा	1 वर्ष	3.65	2.98	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या
72	स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, ओलाटपुर, बैरौई, कटक में एक चिकित्सा शिविर तथा एक अनुवर्ती शिविर जहाँ जल शोधक, जल कलर (प्लेटफार्म एवं छाया के साथ) और मोटर चालित व्हील चेरर प्रदान करना(आरडी के डीओपी)	बिंदु I, अनुसूची VII: स्वास्थ्य सेवा को बढ़ावा देना	हाँ	भुवनेश्वर	ओडिशा	1 वर्ष	5.00	5.00	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
73	चिड़ियाघर के जानवरों की स्वास्थ्य देखभाल के लिए प्रयोगशाला उपकरणों की खरीद से नंदन कानन चिड़ियाघर के बुनियादी ढांचे का विस्तार, खरीदे जाने वाले उपकरणों की सूची में वटिकल डीप फ्रिज -86 सी, ब्राइट फील्ड, डार्क फील्ड, फेज कंट्रोल तथा प्रतिदीप्ति संगत और आरटी पीसीआर के साथ माइक्रोस्कोप शामिल हैं।	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	भुवनेश्वर	ओडिशा	1 वर्ष	34.56	28.93	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं

1	2	3	4	5		6	7	8	9	10	11	
क्र.सं.	परियोजना का नाम	अधिनियम में अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम	स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	परियोजना का स्थान		परियोजना अवधि	वित्त वर्ष 2022-23 के लिए परियोजना या कार्यक्रम के अनुसार राशि परिव्यय (बजट) (लाख रुपये में)	वित्त वर्ष 2022-23 में खर्च की गई राशि (लाख रुपये में)	धारा 135(6) के अनुसार परियोजना के लिए अव्ययित सीएसआर खर्च में हस्तांतरित राशि (लाख रुपये में)	कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	नाम	कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से सीएसआर पंजीकरण संख्या
				ज़िला	राज्य						लागू नहीं	लागू नहीं
74	निम्नलिखित स्थानों पर 75 सौर स्ट्रीट लाइट की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग : • सीएमपीडीआई गोपालपुर और कोसला गवेषण कैम्प का कमांड एरिया। • सुंदेगढ़ की हेमगिर, झारसगुड़ा की लखनपुर और अंगुल की चेन्डीपाड़ा तेहसील।	बिंदु IV, अनुसूची VII: पर्यावरणीय स्थिरता	हाँ	अंगुल	ओडिशा	1 वर्ष	18.60	10.30	शून्य	हाँ	लागू नहीं	लागू नहीं
	विविध एडमिन ओवरहेड							33.83				
	क्षेत्रीय संस्थान-3, राँची और क्षेत्रीय स्थान-4, नागपुर द्वारा दक्षिण के उन्नयन							2.24				
	कुल						1042.69	892.03				

(ख) वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए चालू परियोजनाओं के अलावा अन्य खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण

(1) क्र. सं.	(2) परियोजना का नाम	(3) अधिनियम की अनुसूची VII में गतिविधियों की सूची से आइटम।	(4) स्थानीय क्षेत्र (हाँ/नहीं)	(5) परियोजना का स्थान		(6) परियोजना के लिए खर्च की गई राशि (₹ में)	(7) कार्यान्वयन का तरीका (हाँ/नहीं)	(8) कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से कार्यान्वयन का तरीका	
				राज्य	ज़िला			नाम	सीएसआर पंजीकरण संख्या.
1.	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	कुल								

(ग) प्रशासनिक ओवरहेड्स में खर्च की गई राशि:

प्रशासनिक ओवरहेड्स के तहत ₹33.83 लाख रुपये बुक किए गए हैं।

(घ) प्रभाव आकलन में खर्च की गई राशि, यदि लागू हो

प्रभाव आकलन में कोई राशि खर्च नहीं की गई है

(ङ) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि

(8ख+8ग+8घ+8ङ)

₹892.03 लाख

(च) सेट-ऑफ के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो

क्र. सं.	विवरण	विवरण राशि (₹ में)
(I)	धारा 135(5) के अनुसार कंपनी के औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत	7,30,00,000.00
(II)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि	8,92,03,204.85
(III)	वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई अतिरिक्त राशि [(ii)-(i)]	1,62,03,005.23
(IV)	पिछले वित्तीय वर्ष की सीएसआर परियोजनाओं या कार्यक्रमों या गतिविधियों से उत्पन्न अधिशेष, यदि कोई हो	Nil
(V)	आगामी वित्तीय वर्ष के लिए उपलब्ध राशि [(iii)-(iv)]	1,62,03,005.23

9. (क) वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए चालू परियोजनाओं के अलावा अन्य खर्च की गई सीएसआर राशि का विवरण

क्र. सं.	पूर्ववर्ती वित्तीय वर्ष	धारा 135(6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (₹ में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	धारा 135(6) के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी खोज में हस्तांतरित राशि, यदि कोई हो			अगले वित्तीय वर्ष में खर्च की जाने वाली शेष राशि (₹ में)
				निधि का नाम	राशि (₹ में)	स्थानांतरण की तिथि	
1.	2021-22	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
2.	2020-21	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
3.	2019-20	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
	कुल	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

(ख) पिछले वित्तीय वर्ष की चल रही परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष में खर्च की गई सीएसआर राशि का

विवरण: ऐसी कोई परियोजना नहीं

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
क्र. सं.	प्रोजेक्ट आईडी	परियोजना का नाम	वित्तीय वर्ष जिसमें परियोजना शुरू की गई थी	परियोजना अवधि.	परियोजना के लिए आवंटित कुल राशि (रुपये में)	रिपोर्टिंग वित्तीय वर्ष में परियोजना पर खर्च की गई राशि (रुपये में)	वित्तीय वर्ष की रिपोर्टिंग के अंत में खर्च की गई संचयी राशि (रुपये में)	पूर्ण/चालू परियोजना की स्थिति.
	शून्य	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

- 10 पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के मामले में, वित्तीय वर्ष में खर्च किए गए सीएसआर के माध्यम से बनाई गई या अर्जित संपत्ति से संबंधित विवरण (संपत्ति-वार विवरण) प्रस्तुत करें।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में सीएसआर खर्च के माध्यम से ऐसी कोई संपत्ति बनाई या अर्जित नहीं की गई।

(क) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण की तिथि।

लागू नहीं।

(ख) पूंजीगत संपत्ति के निर्माण या अधिग्रहण के लिए खर्च की गई सीएसआर की राशि।

लागू नहीं।

प्रविष्टि या सार्वजनिक प्राधिकारी या लाभार्थी का विवरण जिसके नाम पर ऐसी पूंजीगत संपत्ति पंजीकृत है, उनका पता आदि।

लागू नहीं।

11. यदि कंपनी धारा 135(5) के अनुसार औसत शुद्ध लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही है, तो कारण बताएं।

सीएमपीडीआईएल ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में 892.03 लाख रुपये खर्च किए हैं जो औसत शुद्ध लाभ के दो प्रतिशत (यानी 730.00 लाख रुपये) की वैधानिक आवश्यकता से अधिक है।

यह प्रमाणित किया जाता है कि सीएसआर गतिविधियों का कार्यान्वयन और निगरानी सीएमपीडीआईएल की सीएसआर गतिविधियों और नीति के अनुपालन में है।

ह/-

(मनोज कुमार)

मुख्य कार्यकारी अधिकारी या
प्रबंध निदेशक या निदेशक

ह/-

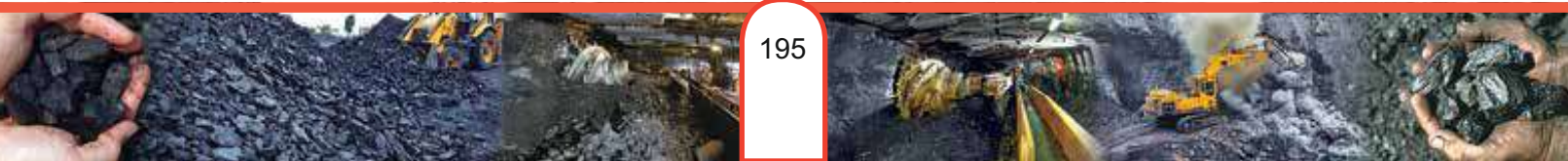
(आर.एन. झा)

अध्यक्ष सीएसआर समिति

ह/-

(आर. के. महापात्रो)

नोडल अधिकारी(सीएसआर)





वार्षिक लेखा 2022 – 23



सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक अनुषंगी कम्पनी)

31.03.2023 के अनुसार बैलेंस शीट

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी सं.	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2023 के अनुसार
परिसंपत्तियाँ			
गैर-चालू परिसंपत्ति			
(क) परिसंपत्ति, संयंत्र और उपकरण	3	229.46	194.45
(ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर है	4	15.09	36.66
(ग) परिसंपत्तियों का गवेषण और मूल्यांकन	5	-	-
(घ) अमूर्त संपत्ति	6.1	14.34	10.40
(ङ) विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्तियाँ	6.2	-	2.30
(च) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) निवेश	7	-	-
(ii) ऋण	8	0.06	0.08
(iii) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	3.98	5.45
(छ) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)		57.89	66.97
(ज) अन्य गैर-चालू संपत्तियाँ	10	0.07	2.95
कुल गैर-चालू परिसंपत्तियाँ (क)		320.89	319.26
वर्तमान परिसंपत्तियाँ			
(क) सूची	12	16.01	13.07
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) निवेश	7	-	-
(ii) व्यापार प्राप्य	13	822.40	815.90
(iii) नकद और नकद समकक्ष	14	379.97	160.97
(iv) अन्य बैंक शेष	15	90.14	40.14
(v) ऋण	8	-	-
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	91.51	110.41
(ग) वर्तमान कर परिसंपत्तियाँ (शुद्ध)		93.17	58.54
(घ) अन्य वर्तमान परिसंपत्तियाँ	11	105.44	174.53
कुल वर्तमान परिसंपत्तियाँ (ख)		1,598.64	1,373.56
कुल परिसंपत्तियाँ (क+ख)		1,919.53	1,692.82
इक्विटी और देयता			
इक्विटी			
(क) इक्विटी शेयर पूंजी	16	142.80	142.80
(ख) अन्य इक्विटी	17	1094.98	871.72
कंपनी के इक्विटीधारकों के कारण इक्विटी		1237.78	1014.52
गैर नियंत्रित ब्याज		-	-
कुल इक्विटी (क)		1237.78	1014.52

31.03.2023 के अनुसार बैलेंस शीट

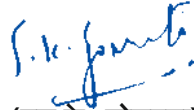
(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी सं.	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
देयताएं			
गैर-चालू देनदारियां			
(a) वित्तीय देनदारियां			
(i) उधार	18	-	-
(ii) लीज़ देनदारियाँ		0.86	1.02
(iii) व्यापार देय (यदि कोई हो)		-	-
(iv) अन्य वित्तीय देनदारियाँ	20	71.67	78.30
(b) प्रावधान	21	10.01	88.76
(c) आस्थगित कर देनदारियां (शुद्ध)			
(d) अन्य गैर-चालू देनदारियां	22	-	-
कुल गैर-चालू देनदारियाँ (B)		82.54	168.08
वर्तमान देनदारियां			
(क) वित्तीय देनदारियां			
(i) उधार	18	-	-
(ii) लीज़ देनदारियाँ		0.84	0.29
(iii) व्यापार देय	19	-	-
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया		-	-
सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को छोड़कर अन्य लेनदारों का कुल बकाया		145.33	150.94
(iv) अन्य वित्तीय देनदारियाँ	20	88.09	73.12
(ख) अन्य वर्तमान देनदारियाँ	23	130.23	140.99
(ग) प्रावधान	21	234.72	144.88
(घ) वर्तमान कर देनदारियां (शुद्ध)			
कुल वर्तमान देनदारियाँ (ग)		599.21	510.22
कुल इक्विटी और देनदारियां (क+ख+ग)		1919.53	1692.82

संलग्न नोट्स और नोट संख्या 1,2 और 38 वित्तीय विवरण का एक अभिन्न अंग हैं।


(ए. मुंधरा)
कंपनी सचिव


(पी.के. प्रसाद)
महाप्रबंधक (वित्त)


(एस.के. गोमस्ता)
निदेशक
डीआईएन-08714820


(मनोज कुमार)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन-09225497

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
के.सी. टाक कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
फर्म रजिस्ट्रेशन सं.: 000216C


(सी ए अनिल जैन)
पार्टनर

दिनांक : 02.05.2023
स्थान : राँची

सदस्यता सं. : 079005
यूडीआईएन: 23079005BGYQBK2530

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

लाभ एवं हानि का विवरण 31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी सं.	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
संचालन से राजस्व			
A बिक्री (शुद्ध)	24	1386.09	1208.43
B अन्य परिचालन राजस्व (शुद्ध)		-	-
(I) परिचालन से राजस्व (क+ख)		1386.09	1208.43
(II) अन्य कमाई	25	12.69	29.83
(III) कुल आय (I+II)		1398.78	1238.26
(IV) खर्च			
उपभोग की गई सामग्री की लागत	26	33.09	33.62
स्टॉक-इन-ट्रेड की खरीद			
तैयार माल/कार्य प्रगति पर और व्यापार में	27	-	-
स्टॉक की सूची में परिवर्तन			
उत्पाद शुल्क			
कर्मचारी लाभ व्यय	28	698.33	570.82
बिजली एवं ईंधन		3.70	2.58
कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय मरम्मत	29	7.30	6.86
	30	31.33	21.26
संविदात्मक व्यय	31	142.75	145.87
वित्त लागत	32	0.09	0.07
मूल्यहास/परिशोधन/हानि व्यय		28.61	22.99
प्रावधानों	33	0.04	-
खारिज करना	34	-	-
अन्य खर्चों	35	86.59	68.15
कुल व्यय (IV)		1031.83	872.22
(V) असाधारण वस्तुओं और कर से पहले लाभ (III-IV)		366.95	366.04
(VI) असाधारण वस्तुएँ		-	-
(VII) कर पूर्व लाभ (V-VI)		366.95	366.04
(VIII) कर व्यय	36	70.29	83.92
(IX) निरंतर संचालन से अवधि के लिए लाभ (VII-VIII)		296.66	282.12
(X) बंद किए गए परिचालन से लाभ/(हानि)		-	-
(XI) बंद किए गए परिचालन का कर व्यय		-	-
(XII)		-	-
(XIII) जेवी/एसोसिएट के लाभ/(हानि) में हिस्सा		-	-
(XIV) अवधि के लिए लाभ (IX+XII+XIII)		296.66	282.12
अन्य व्यापक आय			
क (i) आइटम जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा	37	25.95	26.65
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा		6.53	6.71

लाभ एवं हानि का विवरण 31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी	समाप्त वर्ष 31.03.2023 के अनुसार	समाप्त वर्ष 31.03.2022 के अनुसार
ख (i) आइटम जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा			
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा		-	-
(XV) कुल अन्य व्यापक आय		19.42	19.94
(XVI) अवधि के लिए कुल व्यापक आय (XIV+XV) (इस अवधि के लिए लाभ (हानि) और अन्य व्यापक आय शामिल)		316.08	302.06
इसके कारण होने वाला लाभ:			
कंपनी के मालिक		296.66	282.12
अनियंत्रित ब्याज		296.66	282.12
अन्य व्यापक आय के कारण:			
कंपनी के मालिक		19.42	19.94
अनियंत्रित ब्याज		19.42	19.94
कुल व्यापक आय जिसके कारण:			
कंपनी के मालिक		316.08	302.06
अनियंत्रित ब्याज		316.08	302.06
(XVII) प्रति इक्विटी शेयर आय (संचालन जारी रखने के लिए):			
(1) बुनियादी		2,077.45	1,975.63
(2) डाइल्यूटेड		2,077.45	1,975.63

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



लाभ एवं हानि का विवरण 31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए

(₹ करोड़ में)

	टिप्पणी सं.	समाप्त वर्ष 31.03.2023 के अनुसार	समाप्त वर्ष 31.03.2022 के अनुसार
(XVIII)	प्रति इक्विटी शेयर आय (बंद किए गए परिचालन के लिए):		
	(1) बुनियादी	-	-
	(2) डाइलुटेड	-	-
(XIX)	प्रति इक्विटी शेयर आय (बंद और जारी परिचालन के लिए):		
	(1) बुनियादी	2,077.45	1,975.63
	(2) डाइलुटेड	2,077.45	1,975.63

साथ में दिए गए टिप्पणियाँ वित्तीय विवरण का एक अभिन्न अंग हैं।


(ए. मुंधरा)
कंपनी सचिव


(पी.के. प्रसाद)
महाप्रबंधक (वित्त)


(एस.के. गोमस्ता)
निदेशक
डीआईएन-08714820


(मनोज कुमार)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन-09225497

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
के.सी. टाक कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
फर्म रजिस्ट्रेशन सं.: 000216C


(सी ए अनिल जैन)
पार्टनर

दिनांक : 02.05.2023
स्थान : राँची

सदस्यता सं. : 079005
यूडीआईएन: 23079005BGYQBK2530

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

नकदी प्रवाह का विवरण-अप्रत्यक्ष विधि 31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए

		(₹ करोड़ में)	
		31.03.2023	31.03.2022
		के अनुसार	के अनुसार
क.	संचालनीय गतिविधियों से प्राप्त रोकड़ :		
	कर देने से पूर्व लाभ	366.95	366.04
	के लिए समायोजन:		
	अचल संपत्तियों का मूल्यहास और हानि	28.61	22.99
	बैंक जमा से ब्याज	(7.47)	(4.13)
	वित्तीय लागत	0.09	0.07
	निवेश से ब्याज/लाभांश	-	-
	अचल संपत्तियों की बिक्री पर लाभ/हानि	(0.02)	-
	अन्य गैर-परिचालन आय	(4.43)	(24.57)
	अवधि के दौरान लायबिलिटी राइट बैक	(0.77)	(1.13)
	अग्रिम स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	-	-
	चालू/गैर चालू परिसंपत्तियों और देनदारियों से पहले		
	परिचालन लाभ के लिए समायोजन :	382.96	359.27
	व्यापार प्राप्य	(6.50)	76.43
	सूची	(2.94)	(2.25)
	लघु/दीर्घकालिक ऋण/अग्रिम एवं अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	19.69	49.36
	लघु/दीर्घकालिक देनदारियाँ और प्रावधान	29.40	(200.35)
	संचालन से उत्पन्न नकदी	422.61	282.46
	आयकर भुगतान/रिफंड	(76.82)	(90.63)
	ब्याज का भुगतान किया	(0.09)	(0.07)
	परिचालन गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह (क)	345.70	191.76
ख.	निवेश गतिविधियों से नकदी प्रवाह		
	अचल संपत्तियों की खरीद	(46.57)	(41.65)
	परिसंपत्तियों की बिक्री से प्राप्त आय	0.02	-
	अन्य दीर्घकालिक ऋण एवं अग्रिम (पूँजीगत अग्रिम)	-	-
	सावधि जमा / अनुषंगी कंपनी को ऋण पर प्राप्त ब्याज	7.47	4.13
	अन्य गैर-परिचालन आय	5.20	25.70
	बैंक जमा में निवेश	-	-
	निवेश में बदलाव	-	-
	संयुक्त उद्यम में निवेश	-	-
	निवेश गतिविधियों से संबंधित ब्याज	-	-
	निवेश से ब्याज/लाभांश	-	-
	निवेश गतिविधियों से शुद्ध नकदी प्रवाह (ख)	(33.88)	(11.82)

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)

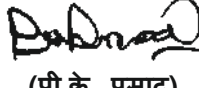


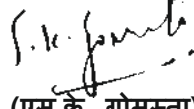
C. वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्रवाह

अल्पावधि उधार/सरकारी अनुदान से आगे बढ़ना	1.23	1.12
उधार का पुनर्भुगतान	-	-
वित्तीय गतिविधियों से संबंधित ब्याज और वित्त लागत	-	-
स्थानांतरण एवं पुनर्वास निधि की प्राप्ति	-	-
लाभांश एवं लाभांश कर	(94.05)	(90.91)
इक्विटी शेयर पूंजी की पुनर्खरीद	-	-
वित्तीय गतिविधियों में उपयोग की गई शुद्ध नकदी (ग)	(92.82)	(89.79)
नकदी एवं बैंक शेष में शुद्ध वृद्धि/कमी (क+ख+ग)	219.00	90.15
वर्ष की शुरुआत में नकद और नकद समकक्ष (नकद और नकद समकक्षों के घटकों के लिए नोट 14 देखें)	160.97	70.82
अवधि के अंत में नकद और नकद समकक्ष (नकद और नकद समकक्षों के घटकों के लिए नोट 14 देखें equivalents)	379.97	160.97

(कोष्ठक में सभी आंकड़े बहिर्वाह को दर्शाते हैं)


(ए. मुंधरा)
कंपनी सचिव


(पी.के. प्रसाद)
महाप्रबंधक (वित्त)


(एस.के. गोमस्ता)
निदेशक
डीआईएन-08714820


(मनोज कुमार)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन-09225497

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
के.सी. टाक कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
फर्म रजिस्ट्रेशन सं. : 000216C


(सी ए अनिल जैन)
पार्टनर

दिनांक : 02.05.2023
स्थान : राँची

सदस्यता सं. : 079005
यूडीआईएन: 23079005BGYQBK2530

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

क. इक्विटी शेयर पूंजी

31.03.2023 के अनुसार

(₹ करोड़ में)

विवरण	01.04.2022 के अनुसार शेष राशि	पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	01.04.2022 के अनुसार पुनर्निर्धारित शेष राशि	वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर में परिवर्तन	31.03.2023 के अनुसार शेष राशि
प्रत्येक ₹1000/- मूल्य के 14,28,000 इक्विटी शेयर	142.8	-	142.80	-	142.80

31.03.2022 के अनुसार

विवरण	01.04.2021 के अनुसार शेष राशि	पूर्व अवधि की त्रुटियों के कारण इक्विटी शेयर पूंजी में परिवर्तन	01.04.2021 के अनुसार पुनर्निर्धारित शेष राशि	वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर में परिवर्तन	31.03.2022 के अनुसार शेष राशि
प्रत्येक ₹1000/- मूल्य के 14,28,000 इक्विटी शेयर	142.8	-	142.80	-	142.80

ख. अन्य इक्विटी

31.03.2022 के अनुसार

(₹ करोड़ में)

	अन्य रिजर्व				परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मापन (कर का शुद्ध) - (ओसीआई)	कुल
	पूंजी वापसी रिजर्व	पूंजी रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित कमाई		
01.04.2021 के अनुसार शेष	-	17.78	15.85	607.14	18.68	659.45
लेखांकन नीति में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियाँ	-	-	-	-	-	-
01.04.2021 के अनुसार पुनर्निर्धारित शेष	-	17.78	15.85	607.14	18.68	659.45
वर्ष के दौरान जोड़ना	-	2.20	14.10	(14.10)	-	16.30
वर्ष के दौरान समायोजन	-	(1.08)	-	(60.59)	-	(15.18)
अंतरिम लाभांश	-	-	-	(30.32)	-	(60.59)
अंतिम लाभांश	-	-	-	282.12	-	(30.32)
इस साल का मुनाफा	-	-	-	-	19.94	302.06
बोनस शेयर जारी करना	-	-	-	-	-	-
31.03.2022 के अनुसार शेष	-	18.90	29.95	784.25	38.62	871.72

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

ख. अन्य इक्विटी

31.03.2023 के अनुसार

	अन्य रिजर्व			परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मापन (कर का शुद्ध) - (ओसीआई)	कुल
	पूंजी वापसी रिजर्व	पूंजी रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित कमाई	
01.04.2022 के अनुसार शेष लेखांकन नीति में परिवर्तन या पूर्व अवधि की त्रुटियाँ	-	18.90	29.95	784.25	871.72
01.04.2022 के अनुसार पुनर्निर्धारित शेष वर्ष के दौरान जोड़ना	-	2.63	14.83	-	17.46
वर्ष के दौरान समायोजन	-	(1.40)	-	(14.83)	(16.23)
अंतरिम लाभांश	-	-	-	(70.00)	(70.00)
अंतिम लाभांश	-	-	-	(24.05)	(24.05)
अवधि के लिए लाभ	-	-	-	296.66	316.08
बोनस शेयर जारी करना	-	-	-	-	-
31.03.2023 के अनुसार शेष	-	20.13	44.78	972.03	1,094.98

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 3: संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

(₹ करोड़ में)

	सकल वहन राशि: 1 अप्रैल 2021 के अनुसार जोड़ना	पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि	अन्य भूमि	भूमि पुनर्गठन/स्थल पुनर्स्थापन लागत	भवन (जल आपूर्ति, सड़क और पुलिया सहित)	संयंत्र और उपकरण	दूरसंचार	रेलवे साइडिंग्स	फर्निचर व फिक्सचर	कार्यालय उपकरण	वाहनों	हवाई जहाज	अन्य खनन अवसंरचना	सर्वेऑफ परिसंपत्तियाँ	उपयोग का अधिकार	कुल
हटाना/समायोजन	-	-	-	-	69.15	175.17	0.49	-	14.03	3.35	11.96	-	-	0.75	-	278.99
31 मार्च 2022 तक	-	-	-	-	1.09	28.47	0.01	-	1.79	0.05	-	-	-	-	-	31.41
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	-	-	-	-	0.09	(5.86)	(0.07)	-	3.69	0.13	(0.11)	-	-	0.02	-	(2.11)
जोड़ना	1.15	1.15	2.94	-	70.33	197.78	0.43	-	19.51	3.53	11.85	-	-	0.77	-	308.29
हटाना/समायोजन	-	-	-	-	70.33	197.78	0.43	-	19.51	3.53	11.85	-	-	0.77	-	308.29
31 मार्च 2023 तक	-	-	-	-	16.80	33.39	0.60	-	5.99	1.73	1.09	-	-	0.06	-	60.12
संयंत्र और उपकरण	-	-	-	-	(0.07)	(3.00)	-	-	(0.75)	0.78	(0.12)	-	-	-	-	(3.42)
31 मार्च 2023 तक	-	-	-	-	87.06	228.17	1.03	-	24.75	6.04	12.82	-	-	0.83	-	364.99
संचित मूल्यहास और हानि	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	-	-	0.35	-	9.29	70.97	0.21	-	6.64	1.86	7.03	-	-	-	-	96.35
वर्ष के लिए शुल्क	-	-	0.20	-	1.74	16.13	0.06	-	1.52	0.43	1.24	-	-	-	-	21.32
हानि	-	-	-	-	0.09	(4.95)	(0.06)	-	1.17	0.05	(0.13)	-	-	-	-	(3.83)
हटाना/समायोजन	-	-	-	-	11.12	82.15	0.21	-	9.33	2.34	8.14	-	-	-	-	113.84
31 मार्च 2022 तक	-	-	-	-	11.12	82.15	0.21	-	9.33	2.34	8.14	-	-	-	-	113.84
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	-	-	0.55	-	11.12	82.15	0.21	-	9.33	2.34	8.14	-	-	-	-	113.84
वर्ष के लिए शुल्क	-	-	0.22	-	3.20	17.29	0.09	-	2.07	0.45	1.04	-	-	-	-	24.36
हानि	-	-	-	-	(0.03)	(2.24)	-	-	(0.49)	0.46	(0.11)	-	-	-	-	(2.67)
हटाना/समायोजन	-	-	-	-	14.29	97.20	0.30	-	10.91	3.25	9.07	-	-	-	-	135.53
31 मार्च 2023 तक	-	-	-	-	72.77	130.97	0.73	-	13.84	2.79	3.75	-	-	0.83	-	229.46
शुद्ध वहन राशि	-	-	-	-	59.21	115.63	0.22	-	10.18	1.19	3.71	-	-	0.77	-	194.45
31 मार्च 2023 तक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-

टिप्पणी:

- 1-उपयुक्त प्लॉट और मशीनरी में स्टैंड बाय उपकरण और स्टोर और स्पेयर सहित प्लॉट और मशीनरी शामिल है जो पीपीई के रूप में मान्यता के मानदंडों को पूरा करते हैं लेकिन अभी तक स्टोर से जारी नहीं किए गए हैं।
- 2-कंपनी की लेखांकन नीति के अनुसार मूल्यहास प्रदान किया गया है। (टिप्पणी संख्या 2 देखें)
3. अन्य भूमि में उपयोग का अधिकार, 1.71 करोड़ रुपये की संपत्ति और 31.03.2023 तक उस पर 0.35 करोड़ रुपये का संचित परिशोधन शामिल है। कुदुमकेला में लीड होल्ड भूमि को 01.02.2023 से नवीनीकृत किया जाना आवश्यक था, जिसे सीओएफडी बैठक दिनांक 20.03.2023 द्वारा अनुमोदित किया गया है। यह अंतिम समझौते की प्रक्रिया में है।
4. समाप्त वर्ष के लिए मूल्यहास 30.02 करोड़ रुपये (अमूर्त संपत्ति परिशोधन सहित) है। इसमें से वित्तपोषित परिसंपत्तियों से संबंधित मूल्यहास 1.41 करोड़ रुपये है।
5. इंड एएस के अनुसार, 01.04.2015 को सकल मूल्य घटाकर संचित मूल्यहास को लेनदेन तिथि पर केरी वैल्यू माना जाता था।

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 4 : पूंजी डब्ल्यूआईपी

(₹ करोड़ में)

	भवन (जल आपूर्ति, सड़क और पुलिया सहित)	संयंत्र और उपकरण	रेलवे साइडिंग्स	अन्य खनन अवसंरचना/विकास	अन्य (टिप्पणी में निर्दिष्ट किया जाना चाहिए)	कुल
सकल वहन राशि:						
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	20.01	17.13	-	-	-	37.14
जोड़ना	4.90	0.06	-	-	-	4.96
हटाना/समायोजन	(0.48)	(4.96)	-	-	-	(5.44)
31 मार्च 2022 तक	24.43	12.23	-	-	-	36.66
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	24.43	12.23	-	-	-	36.66
जोड़ना	1.66	0.76	-	-	-	2.42
पूँजीकरण/हटाना	(24.11)	0.12	-	-	-	(23.99)
31 मार्च 2023 तक	1.98	13.11	-	-	-	15.09
संचित मूल्यहास और हानि						
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	-	-	-	-	-	-
वर्ष के लिए शुल्क	-	-	-	-	-	-
हानि	-	-	-	-	-	-
हटाना/समायोजन	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2022 तक	-	-	-	-	-	-
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	-	-	-	-	-	-
वर्ष के लिए शुल्क	-	-	-	-	-	-
हानि	-	-	-	-	-	-
हटाना/समायोजन	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2023 तक	-	-	-	-	-	-
शुद्ध वहन राशि						
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	-	-	-	-	-	-
वर्ष के लिए शुल्क	-	-	-	-	-	-
हानि	-	-	-	-	-	-
हटाना/समायोजन	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2023 तक	1.98	13.11	-	-	-	15.09
31 मार्च 2022 तक	24.43	12.23	-	-	-	36.66

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ
टिप्पणी 4 : पूंजी डब्ल्यूआईपी

31.03.2023 तक पूंजी-कार्य प्रगति पर (सीडब्ल्यूआईपी)।

(क) पूंजी-कार्य-प्रगति के लिए उम्र बढ़ने का कार्यक्रम:

(₹ करोड़ में)

की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर चल रही परियोजनाएँ:				
इमारत				
सीएमपीडीआई में बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण	-	0.74	-	-
सिविल एवं संबद्ध कार्य का निर्माण	0.35	-	-	-
विकिरण रखने हेतु भण्डार कक्ष का निर्माण	0.03	-	-	-
ड्रेनेज कवरेज	0.18	-	-	-
शौपिंग कॉम्प्लेक्स	0.22	-	-	-
दो (2) स्रोत कमरे	0.07	-	-	-
सीएमपीडीआई कॉलोनी क्षेत्रीय संस्थान-7 में नई बाउंड्री वॉल का निर्माण	0.14	-	-	-
सीएमपीडीआई कॉलोनी क्षेत्रीय संस्थान-7 में नई जलापूर्ति पाइपलाइन	0.11	-	-	-
संयंत्र और उपकरण				
स्वचालित ड्रम कंपोस्टर के लिए डब्ल्यूआईपी	0.16	-	-	-
प्रवाह उपचार योजना (ईटीपी)	0.07	-	-	-
सौर संयंत्र	0.49	-	-	-
बी1 बी2 सी डी ब्लॉक क्वार्टर सीएमपीडीआई कॉलोनी की रीवायरिंग	0.22	-	-	-
परियोजनाएँ अस्थायी रूप से निलंबित:				
इमारत				
क्षेत्रीय संस्थान-7 के गोपालपुर कैंप के लिए लखनपुर आवासीय भवन	-	0.10	0.02	0.02
संयंत्र और उपकरण				
सीआईएल आर एंड डी डब्ल्यूआईपी	-	-	-	12.17
सकल योग	2.04	0.84	0.02	12.19

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 4 : पूंजी डब्ल्यूआईपी

(ख) अतिदेय पूंजी-कार्य-प्रगति पर

की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि			
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष
प्रगति पर चल रही परियोजनाएँ:			
भवन (जल आपूर्ति, सड़क और पुलिया सहित)			
संयंत्र और उपकरण			
रेलवे साइडिंग्स			
कुल			

31.03.2022 तक पूंजी-कार्य प्रगति पर (सीडब्ल्यूआईपी)

(क) पूंजी-कार्य-प्रगति के लिए उम्र बढ़ने का कार्यक्रम:

(₹ करोड़ में)

की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि				
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
प्रगति पर चल रही परियोजनाएँ:				
इमारत				
सीएमपीडीआई में बैडमिंटन कोर्ट का निर्माण	0.40	-	-	-
सिविल एवं संबद्ध कार्य का निर्माण	0.23	-	-	-
कार्यालय भवन क्षेत्रीय संस्थान-4	0.07	-	-	23.21
सीएमपीडीआई क्षेत्रीय संस्थान-7 कार्यालय भवन	0.15	0.22	-	-
क्षेत्रीय संस्थान-7 के गोपालपुर कैंप के लिए लखनपुर आवासीय भवन का निर्माण	0.10	0.03	-	0.02
संयंत्र और उपकरण				
दीपक कुमार सिंह द्वारा कैप्सूल लिफ्ट	0.03	-	-	-
सजावटी प्रकाश व्यवस्था	0.03	-	-	-
परियोजनाएँ अस्थायी रूप से निलंबित:	-	-	-	-
संयंत्र और उपकरण	-	-	-	-
सीआईएल आर एंड डी डब्ल्यूआईपी	-	-	-	12.17
सकल योग	1.01	0.25	-	35.40

(ख) अतिदेय पूंजी-कार्य-प्रगति पर

	की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि		
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष
प्रगति पर चल रही परियोजनाएँ:			
भवन (जल आपूर्ति, सड़क और पुलिया सहित)			
संयंत्र और उपकरण			
रेलवे साइडिंग्स			
कुल			

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 5 : गवेषण और मूल्यांकन परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	गवेषण और मूल्यांकन लागत
सकल वहन राशि:	
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	-
जोड़ना	-
हटाना/समायोजन	-
31 मार्च 2022 तक	-
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	-
जोड़ना	-
हटाना/समायोजन	-
31 मार्च 2023 तक	-
संचित प्रावधान और क्षति	
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	-
वर्ष के लिए शुल्क	-
हानि	-
हटाना/समायोजन	-
31 मार्च 2022 तक	-
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	-
वर्ष के लिए शुल्क	-
हानि	-
हटाना/समायोजन	-
31 मार्च 2023 तक	-
शुद्ध वहन राशि	
31 मार्च 2023 तक	-
31 मार्च 2022 तक	-

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 6.1 : अन्य अमूर्त संपत्ति

(₹ करोड़ में)

	Computer Software	Others (specify in note)	Total
सकल वहन राशि:			
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	17.55	-	17.55
जोड़ना	8.02	-	8.02
हटाना/समायोजन	0.14	-	0.14
31 मार्च 2022 तक	25.71	-	25.71
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	25.71	-	25.71
जोड़ना	9.60	-	9.60
हटाना/समायोजन	-	-	-
31 मार्च 2023 तक	35.31	-	35.31
संचित परिशोधन और हानि			
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	12.18	-	12.18
वर्ष के लिए शुल्क	3.13	-	3.13
हानि	-	-	-
हटाना/समायोजन	-	-	-
31 मार्च 2022 तक	15.31	-	15.31
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	15.31	-	15.31
वर्ष के लिए शुल्क	5.66	-	5.66
हानि	-	-	-
हटाना/समायोजन	-	-	-
31 मार्च 2023 तक	20.97	-	20.97
शुद्ध वहन राशि			
31 मार्च 2023 तक	14.34	-	14.34
31 मार्च 2022 तक	10.40	-	10.40

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ टिप्पणी 6.2 :विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	ईआरपी विकासाधीन
सकल वहन राशि:	
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	-
जोड़ना	2.30
पूँजीकरण/हटाना	-
31 मार्च 2022 तक	2.30
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	2.30
जोड़ना	1.06
हटाना/समायोजन	(3.36)
31 मार्च 2023 तक	-
संचित क्षति	-
1 अप्रैल 2021 के अनुसार	-
वर्ष के लिए शुल्क	-
हानि	-
हटाना/समायोजन	-
31 मार्च 2022 तक	-
1 अप्रैल 2022 के अनुसार	-
वर्ष के लिए शुल्क	-
हानि	-
हटाना/समायोजन	-
31 मार्च 2023 तक	-
शुद्ध वहन राशि	-
31 मार्च 2023 तक	-
31 मार्च 2022 तक	2.30

विकास के तहत अमूर्त संपत्ति 31.03.2022

(क) विकास के तहत अमूर्त संपत्तियों के लिए उम्र बढ़ने का कार्यक्रम

	एक अवधि के लिए विकासाधीन अमूर्त संपत्तियों में राशि				
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
प्रगति पर चल रही परियोजनाएँ:					
ईआरपी विकासाधीन है	2.30	-	-	-	2.30
परियोजनाएँ अस्थायी रूप से निलंबित:					
कुल	2.30	-	-	-	2.30

(ख) विकास के तहत अतिदेय अमूर्त संपत्ति

	की अवधि के लिए सीडब्ल्यूआईपी में राशि			
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
कुल	-	-	-	-

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 7 : निवेश

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
गैर चालू		
शेयरों में निवेश	-	-
संयुक्त उद्यम कंपनियों में इक्विटी शेयर	-	-
अन्य निवेश	-	-
सुरक्षित बांड में	-	-
सहकारी शेयरों में	-	-
कुल	-	-
गैर-उद्धृत निवेश की कुल राशि:	-	-
उद्धृत निवेश की कुल राशि:	-	-
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य:	-	-
निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि:	-	-

टिप्पणी - 7 (जारी...)

निवेश

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
वर्तमान		
म्यूचुअल फंड निवेश		
यूटीआई म्यूचुअल फंड	-	-
यूटीआई लिक्विड कैश प्लान	-	-
एलआईसी म्यूचुअल फंड	-	-
एसबीआई म्यूचुअल फंड	-	-
केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड	-	-
यूनियन केबीसी म्यूचुअल फंड	-	-
बीओआई एक्स म्यूचुअल फंड	-	-
कुल	-	-
उद्धृत निवेश का समुच्चय :	-	-
गैर-उद्धृत निवेशों का समुच्चय :	-	-
उद्धृत निवेश का बाजार मूल्य :	-	-
निवेश के मूल्य में हानि की कुल राशि :	-	-

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 8 : ऋण

(₹ करोड़ में)

31.03.2023 के अनुसार 31.03.2022 के अनुसार

अन्य ऋण

- सुरक्षित, अच्छा माना जाता है	0.06	0.08
- असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
- क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-
- क्रेडिट खराब	-	-
	0.06	0.08

घटाएँ: संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता

-	-
0.06	0.08

कुल

0.06	0.08

वर्तमान

अन्य ऋण

- सुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
- असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
- क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-
- क्रेडिट खराब	-	-
- संदिग्ध	-	-
	-	-

घटाएँ: संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता

-	-
-	-

कुल

-	-

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ टिप्पणी - 9 : अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
गैर चालू		
12 महीने से अधिक की परिपक्वता अवधि वाली बैंक जमा	-	-
निम्नलिखित के अंतर्गत बैंक में जमा		
- खदान बंदी योजना	-	-
- स्थानांतरण एवं पुनर्वास निधि योजना	-	-
सुरक्षा जमा राशि	4.02	5.49
घटाएँ: संदिग्ध सुरक्षा जमा के लिए भत्ता	0.04	0.04
अन्य जमा एवं प्राप्त्य	-	-
घटाएँ: संदिग्ध जमा के लिए भत्ता	-	-
	3.98	5.45
कुल	3.98	5.45
वर्तमान		
सीआईएल के साथ चालू खाता शेष	57.85	53.63
आईआईसीएम के साथ बैलेंस	-	-
घटाएँ: संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान	-	-
अर्जित ब्याज	4.92	0.94
दावे और अन्य प्राप्त्य*	28.74	55.84
घटाएँ: संदिग्ध दावों के लिए भत्ता	-	-
	28.74	55.84
कुल	91.51	110.41
दावे और अन्य प्राप्त्य*	31.03.2023	31.03.2022
भारतीय लेखा मानक 115 से प्राप्त्य	26.29	49.80
प्राप्त्य दावे एवं अन्य	2.45	6.04
कुल	28.74	55.84

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ टिप्पणी 10 : अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
(I) पूंजीगत अग्रिम	0.07	2.95
घटाएँ: संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ता	-	-
	0.07	2.95
(ii) पूंजीगत अग्रिमों के अलावा अन्य अग्रिम		
(क) अन्य जमा और अग्रिम	-	-
घटाएँ: संदिग्ध अग्रिमों के लिए भत्ता	-	-
	-	-
(ख) संबंधित पक्षों को अग्रिम	-	-
कुल	0.07	2.95

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ टिप्पणी 11 :अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

(₹ करोड़ में)

31.03.2023 के अनुसार 31.03.2022 के अनुसार

(क) वैधानिक बकाया का अग्रिम भुगतान	0.04	0.04
कम: संदिग्ध वैधानिक बकाया के लिए भत्ता	-	-
	0.04	0.04
(ख) संबंधित पक्षों को अग्रिम	-	-
(ग) अन्य अग्रिम एवं जमा*	84.52	146.41
कम: संदिग्ध अन्य जमाओं और अग्रिमों के लिए भत्ता	0.25	0.25
	84.27	146.16
(घ) इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्य	21.13	28.33
	21.13	28.33
कुल	105.44	174.53

टिप्पणी :

1- (ग) अन्य अग्रिम एवं जमा*

	31.03.2023	31.03.2022
अग्रिम (एक्स ए)	0.36	0.28
टी.ए.	1.92	0.82
चिकित्सा अग्रिम	0.83	0.24
विरोध के तहत आयकर**	68.03	38.31
अन्य	13.38	106.76
कुल	84.52	146.41

** विरोध के तहत भुगतान किया गया आयकर 68.03 करोड़ रुपये है। इसमें से 0.61 करोड़ रुपये निर्धारण वर्ष 2010-11 से संबंधित हैं, 0.68 करोड़ रुपये निर्धारण वर्ष 2014-15 से संबंधित हैं, 0.76 करोड़ रुपये निर्धारण वर्ष 2016-17 से संबंधित हैं। 25.11 करोड़ रुपये 2017-18 से संबंधित हैं, 16.01 करोड़ रुपये 2018-19 से संबंधित हैं, 19.13 करोड़ रुपये निर्धारण वर्ष 2020-21 से संबंधित हैं, 5.73 करोड़ रुपये निर्धारण वर्ष 2021-22 से संबंधित हैं।

- 2 उपरोक्त अन्य जमा और अग्रिमों में अतिरिक्त सीएसआर शामिल है (टिप्पणी - 29 सीएसआर व्यय का अनुलग्नक देखें)

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 12 : इन्वेंट्री

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
(क) कोयले का भण्डार		
कोयला विकासाधीन	-	-
कोयले का स्टॉक (नेट)	-	-
(ख) स्टोर और पुर्जों का स्टॉक (शुद्ध)	16.01	13.07
जोड़ें: ट्रांज़िट में स्टोर	-	-
स्टोर और पुर्जों का शुद्ध स्टॉक	16.01	13.07
(ग) सेंट्रल अस्पताल में दवा का स्टॉक	-	-
(घ) वर्कशॉप कार्य और प्रेस संबंधित कार्य	16.01	13.07

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 13 : व्यापार प्राप्तियां

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
वर्तमान		
व्यापार प्राप्तियां		
- सुरक्षित, अच्छा माना जाता है	-	-
- असुरक्षित, अच्छा माना जाता है	822.40	815.90
ऋण जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है		
क्रेडिट खराब	2.58	3.35
	824.98	819.25
कम: अशोध्य और संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता	2.58	3.35
कुल	822.40	815.90

31.03.2023 के अनुसार

(₹ in Crore)

व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
विवरण	6 महीने से कम	6 महीने 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है	598.96	96.71	51.32	19.32	58.67	824.98
(ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य - जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है						
(iii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य - क्रेडिट खराब						
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है						
(v) विवादित व्यापार प्राप्य - जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है						
(vi) विवादित व्यापार प्राप्य - क्रेडिट खराब						
कुल						
बिल न किया गया बकाया						
अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता					2.58	2.58
अपेक्षित क्रेडिट हानि (हानि भत्ता प्रावधान) - %						0.31%

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 13 : व्यापार प्राप्तियां

31.03.2022 के अनुसार

व्यापार प्राप्य एजिंग शेड्यूल	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया					कुल
विवरण	6 महीने से कम	6 महीने 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) निर्विवाद व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है	555.08	113.28	69.89	23.23	57.77	819.25
(ii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य - जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है						
(iii) निर्विवाद व्यापार प्राप्य - क्रेडिट खराब						
(iv) विवादित व्यापार प्राप्य - अच्छा माना जाता है						
(v) विवादित व्यापार प्राप्य - जिनमें क्रेडिट जोखिम में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है						
(vi) विवादित व्यापार प्राप्य - क्रेडिट खराब						
कुल						
बिल न किया गया बकाया						
अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए भत्ता					3.35	3.35
अपेक्षित क्रेडिट हानि (हानि भत्ता प्रावधान) - %						0.41%

व्यापार प्राप्य में समूह के भीतर सीआईएल और अनुषंगी कंपनियों का बकाया ₹ 663.85 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 586.10 करोड़) और उस पर मान्यता प्राप्त भत्ते शून्य (पिछले वर्ष शून्य) शामिल हैं। बाहरी समूह के बकाया में ₹ 161.13 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 232.89 करोड़) और उस पर स्वीकृत भत्ते ₹ 2.58 करोड़ (पिछले वर्ष ₹ 3.35 करोड़) शामिल हैं।

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 14 : नकद और नकद के समतुल्य

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
(क) बैंकों के पास शेष		
जमा खातों में		
- चालू खातों में		
ब्याज वहन (सीएलटीडी)	342.40	146.00
गैर ब्याज असर	37.55	14.94
- नकद ऋण खातों में		-
(ख) भारत के बाहर बैंक शेष	-	-
(ग) हाथ में चेक, ड्राफ्ट और स्टॉप	-	0.01
(घ) हाथ में नकदी	0.01	0.02
(ङ) भारत के बाहर हाथ में नकदी	-	-
(च) अग्रदाय खाता	0.01	-
कुल नकद और नकद समतुल्य	379.97	160.97
(छ) बैंक ओवरड्राफ्ट	-	-
कुल नकद और नकद समतुल्य (बैंक ओवरड्राफ्ट का शुद्ध)	379.97	160.97

टिप्पणी - 15 : अन्य बैंक शेष

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
बैंकों के पास शेष		
- जमा खाते	90.14	40.14
- चल रही परियोजनाओं के लिए सीएसआर फंड	-	-
- खदान बंद करने की योजना	-	-
- स्थानांतरण एवं पुनर्वास निधि योजना	-	-
- शेयरों की पुनर्खरीद के लिए एस्करो खाता	-	-
- अवैतनिक लाभांश खाते	-	-
- लाभांश खाते	-	-
कुल	90.14	40.14

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 16 : इक्विटी शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

अधिकृत

प्रत्येक ₹1000/- मूल्य के 15,00,000 इक्विटी शेयर

31.03.2023 के अनुसार 31.03.2022 के अनुसार

150.00

150.00

150.00

150.00

जारी किया गया, सब्सक्राइब किया गया और भुगतान किया गया

(कोल इंडिया लिमिटेड, होल्डिंग कंपनी द्वारा संचालित और उसके नामांकित व्यक्ति)

प्रत्येक ₹ 1,000/- के 8 इक्विटी शेयर पूरी तरह से नकद में भुगतान किए गए (पिछले वर्ष ₹ 1,000/- मूल्य के 8 इक्विटी शेयर)

-

-

₹ 1,000/- मूल्य के 1322992 इक्विटी शेयर नकद के अलावा प्राप्त प्रतिफल के लिए पूर्ण भुगतान के रूप में आवंटित किए गए (पिछले वर्ष ₹ 1,000/- मूल्य के 275792 इक्विटी शेयर)

132.30

132.30

ऋण को इक्विटी में परिवर्तित करके होल्डिंग कंपनी को पूर्ण भुगतान के रूप में ₹ 1000/- मूल्य के 105000 इक्विटी शेयर आवंटित किए गए।

10.50

10.50

कुल

142.80

142.80

1 कंपनी में प्रत्येक शेयरधारक के पास 5% से अधिक शेयर हैं।

शेयरधारक का नाम	धारित शेयरों की संख्या (प्रत्येक का अंकित मूल्य ₹1000)	% का कुल शेयर
कोल इंडिया लिमिटेड	1,428,000	100%

2 रिपोर्टिंग अवधि के आरंभ और अंत में बकाया इक्विटी शेयरों का समाधान:-

विवरण	शेयर की संख्या	राशि करोड़ ₹ में
01.04.2021 के अनुसार शेष	1,428,000	142.80
वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान अतिरिक्त		
01.04.2022 के अनुसार शेष	1,428,000	142.80
वर्ष के दौरान परिवर्तन	-	-
31.03.2023 के अनुसार शेष	1,428,000	142.80

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 17 : अन्य इक्विटी

(₹ करोड़ में)

	Other Reserves				अन्य व्यापक आय	कुल
	कैपिटल रिडेम्पशन रिजर्व	पूंजी रिजर्व	सामान्य रिजर्व	प्रतिधारित कमाई		
01.04.2021 के अनुसार शेष						
वर्ष के दौरान जोड़ना	-	17.78	15.85	607.14	18.68	659.45
वर्ष के दौरान समायोजन	-	2.20	14.10		-	16.30
इस साल का मुनाफा	-	(1.08)	-	(14.10)	-	(15.18)
अंतरिम लाभांश	-	-	-	282.12	19.94	302.06
अंतिम लाभांश	-	-	-	(60.59)		(60.59)
बोनस शेयर जारी करना	-	-	-	(30.32)		(30.32)
31.03.2022 के अनुसार शेष		18.90	29.95	784.25	38.62	871.72
वर्ष के दौरान परिवर्धन (एडिशन)	-	2.63	14.83	(14.83)		17.46
वर्ष के दौरान समायोजन	-	(1.40)		296.66	19.42	(16.23)
इस साल का मुनाफा	-			(70.00)		316.08
अंतरिम लाभांश	-			(24.05)		(70.00)
अंतिम लाभांश	-					(24.05)
बोनस शेयर जारी करना	-	-	-		-	-
31.03.2023 के अनुसार शेष	-	20.13	44.78	972.03	58.04	1,094.98

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 18: उधारी

(₹ करोड़ में)

31.03.2023 के अनुसार 31.03.2022 के अनुसार

गैर-चालू

सावधि ऋण

-बैंकों से

-

-

-अन्य पार्टियों से

-

-

संबंधित पक्षों से ऋण

-

-

अन्य ऋण

-

-

कुल

-

-

वर्गीकरण

सुरक्षित

-

-

असुरक्षित

-

-

वर्तमान

मांग पर चुकाए जाने वाले ऋण

-बैंकों से

-

-

-अन्य पार्टियों से

-

-

संबंधित पक्षों से ऋण

-

-

अन्य ऋण

-

-

कुल

-

-

वर्गीकरण

सुरक्षित

-

-

असुरक्षित

-

-

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 19 : व्यापार देनदारियां

31.03.2023 के अनुसार 31.03.2022 के अनुसार

वर्तमान

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम

-

-

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अलावा

145.33

150.94

कुल

145.33

150.94

व्यापार देय - सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों का कुल बकाया

	31.03.2023	31.03.2022
क) मूलधन और ब्याज की राशि का भुगतान नहीं किया गया है लेकिन अवधि के अंत तक देय नहीं है।	शून्य	शून्य
बी) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 की धारा 16 के अनुसार कंपनी द्वारा भुगतान किया गया ब्याज, अवधि के दौरान नियत दिन से परे आपूर्तिकर्ता को किए गए भुगतान की राशि के साथ।	शून्य	शून्य
ग) भुगतान करने में देरी की अवधि के लिए देय ब्याज (जिसका भुगतान वर्ष के दौरान नियत दिन के बाद किया गया हो) लेकिन सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के तहत निदिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।	शून्य	शून्य
घ) अर्जित ब्याज और अवधि के अंत तक भुगतान न किया गया शेष।	शून्य	शून्य
ई) आगामी वर्षों में भी अतिरिक्त ब्याज देय और देय रहेगा, जब तक कि ऊपर बताए गए ब्याज का भुगतान वास्तव में छोटे उद्यम को नहीं कर दिया जाता है।	शून्य	शून्य

31.03.2023 के अनुसार

व्यापार देनदारियां एजिंग शेड्यूल	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				
विवरण	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
i) एमएसएमई					
ii) अन्य	133.14	12.05		0.14	145.33
iii) विवादित बकाया -एमएसएमई					
iv) विवादित बकाया - अन्य					
अनबिल्स ड्यूज					

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 19 : व्यापार देनदारियां

31.03.2022 के अनुसार

व्यापार देनदारियां एजिंग शेड्यूल विवरण	लेन-देन की तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				
	एक वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
i) एमएसएमई					
ii) अन्य	150.81			0.13	150.94
iii) विवादित बकाया -एमएसएमई					
iv) विवादित बकाया - अन्य					
अनबिल्ट्स ड्यूज					

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 20 : अन्य वित्तीय देनदारियाँ

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
गैर चालू		
सुरक्षा जमा	71.67	78.30
अन्य		
कुल	71.67	78.30
वर्तमान		
अनुषंगी कंपनियों से अधिशेष निधि	-	-
चालू खाता के साथ	-	-
- अनुषंगी कंपनियाँ	-	-
- आईआईसीएम	0.20	-
दीर्घकालिक ऋण की वर्तमान परिपक्वता	-	-
अवैतनिक लाभांश	-	-
सुरक्षा जमा	26.08	15.46
अग्रिम धन	2.91	2.29
पूँजीगत व्यय के लिए देय	14.44	8.95
कर्मचारी लाभ के लिए दायित्व	39.22	38.98
अन्य	5.24	7.44
कुल	88.09	73.12

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 21 : प्रावधानों

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
गैर चालू		
कर्मचारी लाभ		
- ग्रेच्युटी*	-	44.77
- अवकाश नकदीकरण*	0.72	0.26
- सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ*	3.87	38.83
- अन्य कर्मचारी लाभ	5.41	4.89
साइट का पुनरुद्धार/खदान बंद करना	-	-
स्ट्रिपिंग गतिविधि समायोजन	-	-
अन्य	0.01	0.01
कुल	10.01	88.76
वर्तमान		
कर्मचारी लाभ		
- ग्रेच्युटी*	4.17	21.74
- अवकाश नकदीकरण**	8.55	8.01
- सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ***	5.97	8.06
- एक्स-ग्रेटिया	16.47	14.08
- प्रदर्शन से संबंधित भुगतान	114.35	84.46
- अन्य कर्मचारी लाभ	85.21	8.53
	234.72	144.88
साइट का पुनरुद्धार/खदान बंद करना	-	-
कोयले के अंतिम स्टॉक पर उत्पाद शुल्क	-	-
अन्य	-	-
कुल	234.72	144.88

टिप्पणी:

* ग्रेच्युटी देनदारियां 150.83 करोड़ रुपये की सीमा तक पूरी हो गई हैं।

*** सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ देयता 78.48 करोड़ रुपये तक शुद्ध हो गई है

** अवकाश नकदीकरण देयताएं 99.35 करोड़ रुपये की सीमा तक शुद्ध हो गई हैं।

वेतन और पारिश्रमिक के सभी तत्वों में वृद्धि के कुल प्रभाव पर विचार करते हुए गैर-अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौते (एनसीडब्ल्यूए-11) को अंतिम रूप देने तक 83.87 /- करोड़ रुपये के अनुमानित प्रावधान को 19,100 /- प्रति कर्मचारी (गैर-अधिकारी) प्रति माह की दर से 01.07.2021 से 31.03.2023 की अवधि के लिए मान्यता दी गई है।

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 22 : अन्य गैर-चालू देनदारियाँ

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
स्थानांतरण एवं पुनर्वास निधि		
आस्थगित आय	-	-
अन्य		
कुल	-	-

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 23 : अन्य वर्तमान देनदारियाँ

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 के अनुसार	31.03.2022 के अनुसार
वैधानिक बकाया	80.33	76.92
कोयला आयात के लिए अग्रिम	-	-
ग्राहकों/अन्य से अग्रिम	3.23	1.83
उपकर समानीकरण खाता	-	-
*अन्य देनदारियाँ	46.67	62.24
कुल	130.23	140.99

* अन्य देनदारियों में कोयला मंत्रालय और खान मंत्रालय से प्राप्त धनराशि शामिल है। इसमें पारित बिल भी शामिल हैं, लेकिन प्राप्य निधि के कारण भुगतान नहीं किया गया है और मंत्रालय से इसकी प्रतीक्षा है।

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी - 24 : संचालन से राजस्व

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
क. सेवाओं की बिक्री	1,637.76	1,426.33
घटाएँ: वैधानिक शुल्क	251.67	217.90
शुद्ध बिक्री (क)*	1,386.09	1,208.43
ख.अन्य परिचालन राजस्व		
रेत भंडारण और सुरक्षात्मक कार्यों के लिए सब्सिडी	-	-
कोयला आयात के लिए सुविधा शुल्क	-	-
लोडिंग और अतिरिक्त परिवहन शुल्क	-	-
घटाएँ: वैधानिक लेवी (उत्पाद शुल्क को छोड़कर)	-	-
	-	-
निकासी सुविधा शुल्क	-	-
घटाएँ: वैधानिक शुल्क	-	-
	-	-
सेवाओं से राजस्व	-	-
घटाएँ: वैधानिक शुल्क	-	-
	-	-
अन्य परिचालन राजस्व (ख)	-	-
संचालन से राजस्व (क+ख)	1,386.09	1,208.43

*बिक्री में सीआईएल और सहायक कंपनियों को समूह की सकल राशि 1352.58 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 1145.94 करोड़ रुपये) और उस पर 206.48 करोड़ रुपये (पिछले वर्ष 174.80 करोड़ रुपये) की लेवी शामिल है; समूह के बाहर की सेवाओं में सकल रु. 285.18 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 280.39 करोड़) और उस पर मान्यता प्राप्त लेवी रु. 45.19 करोड़ (पिछले वर्ष रु. 43.10 करोड़) शामिल हैं।

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 25 : अन्य आय

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
ब्याज आय	7.47	4.13
लाभांश आय	-	-
अन्य		
शीर्ष आरोप	-	-
संपत्ति की बिक्री पर लाभ	0.02	-
विदेशी मुद्रा लेनदेन पर लाभ	0.02	0.03
पट्टा किराया	-	-
दायित्व/प्रावधान राईट बैक	0.77	1.13
विविध आय	4.41	24.54
कुल	12.69	29.83

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 26 : उपभोग की गई सामग्री की लागत

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
विस्फोटक		0.02
लकड़ी		-
तेल एवं स्नेहक	16.60	18.14
एचईएमएम स्पेयर्स	0.30	-
अन्य उपभोज्य भंडार एवं पुर्जे	16.19	15.46
कुल	33.09	33.62

टिप्पणी 27 तैयार माल की सूची में परिवर्तन, कार्य प्रगति पर और व्यापार में स्टॉक

कार्य प्रगति पर है और व्यापार में स्टॉक है

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
कोयले का प्रारंभिक स्टॉक		
जोड़ें: प्रारंभिक स्टॉक का समायोजन	-	-
घटाएँ: कोयले का खराब होना	-	-
	-	-
कोयले का समापन स्टॉक	-	-
घटाएँ: कोयले का खराब होना	-	-
	-	-
क कोयले की सूची में परिवर्तन	-	-
	-	-
जोड़ें: प्रारंभिक स्टॉक का समायोजन	-	-
घटाएँ: प्रावधान	-	-
	-	-
घटाएँ: प्रावधान	-	-
	-	-
ख कार्यशाला की सूची में परिवर्तन	-	-
प्रेस ओपनिंग जाँच		
i) तैयार माल	-	-
ii) कार्य प्रगति पर है	-	-
	-	-
घटाएँ: प्रेस समापन कार्य		
i) तैयार माल	-	-
ii) कार्य प्रगति पर है	-	-
	-	-
ग प्रेस कार्य के समापन स्टॉक की सूची में परिवर्तन	-	-
	-	-
व्यापार में स्टॉक की सूची में परिवर्तन (क+ख+ग) { कमी / (अभिवृद्धि) }	-	-

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 28 : कर्मचारी को खर्चों से लाभ होता है

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
वेतन और मजदूरी (भत्ते और बोनस आदि सहित)	554.48	434.05
पीएफ में योगदान एवं अन्य निधि	122.87	119.03
कर्मचारी कल्याण व्यय	20.98	17.74
कुल	698.33	570.82

वेतन और पारिश्रमिक के सभी तत्वों में वृद्धि के कुल प्रभाव पर विचार करते हुए गैर-अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौते (एनसीडब्ल्यूए-11) को अंतिम रूप देने तक 83.87 /- करोड़ रुपये के अनुमानित प्रावधान को 19,100 /- प्रति कर्मचारी (गैर-अधिकारी) प्रति माह की दर से 01.07.2021 से 31.03.2023 की अवधि के लिए मान्यता दी गई है।

टिप्पणी 29 : कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व व्यय

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
सीएसआर व्यय	7.30	6.86
कुल	7.30	6.86

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 29 का परिशिष्ट: सीएसआर व्यय

टिप्पणी 29 का परिशिष्ट: सीएसआर व्यय

(₹ करोड़ में)

क. सीएसआर खर्चों का गतिविधिवार विवरण (अतिरिक्त खर्च सहित):	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
भूख, गरीबी और कुपोषण को मिटाना	4.51	4.93
विशेष शिक्षा और रोजगार बढ़ाने वाले व्यावसायिक कौशल सहित शिक्षा को बढ़ावा देना	3.01	0.80
लैंगिक समानता और सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े समूहों द्वारा सामना की जाने वाली असमानताओं को कम करने के उपाय	0.07	0.47
पर्यावरणीय स्थिरता	0.99	0.62
राष्ट्रीय विरासत, कला एवं संस्कृति का संरक्षण	-	-
सशस्त्र बलों के दिग्गजों, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों को लाभ	-	-
ग्रामीण खेलों, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त खेलों, पैरालंपिक खेलों और ओलंपिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण	-	-
सामाजिक आर्थिक विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निधि में योगदान	-	-
इन्क्यूबेटर्स या अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं में योगदान	-	-
विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों में योगदान	-	-
ग्रामीण विकास परियोजनाएँ	-	-
स्लम क्षेत्र विकास	-	-
प्रशासन व्यय	0.34	0.04
आपदा प्रबंधन, जिसमें राहत, पुनर्वास और पुनर्निर्माण गतिविधियाँ शामिल हैं	-	-
कुल	8.92	6.86

ख. सीएसआर खर्च करना आवश्यक है और सीएसआर व्यय का ब्यौरा

(₹ करोड़ में)

(क) वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली आवश्यक राशि	7.30	6.61
(ख) बोर्ड द्वारा वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली स्वीकृत राशि	10.00	7
(ग) वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि:		
(i) किसी संपत्ति का निर्माण/अधिग्रहण	Nil	Nil
ii) उपरोक्त (i) के अलावा अन्य उद्देश्यों पर	Nil	Nil
कुल		

ग. मान्यता प्राप्त सीएसआर व्यय और खर्च किए गए सीएसआर व्यय का समाधान

(₹ करोड़ में)

	2022-23	2021-22
सीएसआर व्यय व्यय	8.92	6.86
घटाएँ: वर्ष के दौरान अतिरिक्त आगे बढ़ाया गया/(उपयोग किया गया)।	1.62	-
जोड़ें: चल रही परियोजनाओं पर अव्ययित सीएसआर व्यय		
जोड़ें: चालू के अलावा अन्य पर अव्ययित सीएसआर व्यय		
पी&एल में मान्यता प्राप्त राशि	7.30	6.86

घ. चल रही परियोजना के अलावा अव्ययित राशि [धारा 135(5)]

	2022-23	2021-22
प्रारंभिक जमा	-	-
6 महीने के भीतर अनुसूची VII के विशिष्ट फंड में जमा किया गया	-	-
वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली आवश्यक राशि	-	-
वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि	-	-

ड. अधिक राशि खर्च की गई [धारा 135(5)]

(₹ करोड़ में)

वर्षवार विवरण	प्रारंभिक जमा	वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली आवश्यक राशि	वर्ष के दौरान खर्च की गई राशि	जमा शेष
2020-21	-	4.65	4.66	0.01
2021-22	-	6.61	6.86	0.25
2022-23	-	7.30	8.92	1.62
Total				

टिप्पणी-11 के तहत अन्य अग्रिम और जमा के लिए फुटनोट देखें : अन्य चालू परिसंपत्तियाँ

च. अव्ययित चालू परियोजना [धारा 135(6)] (वर्षवार)

प्रारंभिक जमा	कंपनी के साथ	2022-23	2021-22
	अलग सीएसआर खाते में		
वर्ष के दौरान व्यय की जाने वाली आवश्यक राशि			
वर्ष के दौरान व्यय की गई राशि	कंपनियों के बैंक खाते से		
	अलग सीएसआर खाते में		
जमा शेष	कंपनी के साथ		
	अलग सीएसआर खाते में		



छ. सीएसआर व्यय की देनदारी के लिए प्रावधान

(₹ करोड़ में)

	2022-23
प्रारंभिक जमा	0.90
अवधि के दौरान अतिरिक्त	4.16
वर्ष के दौरान समायोजन	1.90
जमा शेष	3.16

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 30 : मरम्मत

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
इमारत	14.96	8.51
पौधे व यंत्र	12.28	10.01
अन्य	4.09	2.74
कुल	31.33	21.26

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 31 : संविदात्मक व्यय

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
यातायात भुगतान :		
संयंत्र एवं उपकरणों को किराये पर लेना	7.69	-
अन्य संविदात्मक कार्य	16.42	-
सीएमपीडीआई संविदा व्यय	118.64	145.87
कुल	142.75	145.87

टिप्पणी 32 : वित्त लागत

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
ब्याज खर्च		
उधारी	-	-
छूट को समाप्त नहीं करना	0.09	0.07
अन्य	-	-
कुल	0.09	0.07

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 33 : प्रावधानों

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
भत्ता/प्रावधान किया गया		
संदिग्ध ऋण	-	-
संदिग्ध अग्रिम एवं दावे	-	-
	0.04	-
भण्डार एवं पुर्जे	-	-
अन्य	0.04	-

टिप्पणी 34 : बट्टे खाते में डालना (पिछले प्रावधानों को छोड़कर)

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
संदिग्ध ऋण	-	-
घटाएँ :- पहले प्रदान किया गया	-	-
ग्रेड भिन्नता	-	-
संदिग्ध प्रगति	-	-
घटाएँ :- पहले प्रदान किया गया	-	-
	-	-
कोयले का भण्डार	-	-
घटाएँ:- पहले प्रदान किया गया	-	-
	-	-
अन्य	-	-
घटाएँ :- पहले प्रदान किया गया	-	-
	-	-
कुल	-	-

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 35 : अन्य खर्च

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
यात्रा खर्च	22.24	13.93
प्रशिक्षण व्यय	1.75	1.76
टेलीफोन और इंटरनेट	3.99	4.76
विज्ञापन एवं प्रचार	1.56	1.31
भाड़ा प्रभार	-	-
डैमरेज	-	-
सुरक्षा व्यय	24.89	20.27
सीआईएल के सेवा शुल्क	-	-
वैध व्यय	0.32	0.08
परामर्श शुल्क	1.28	0.81
लोडिंग शुल्क के तहत	-	-
परिसंपत्तियों की बिक्री/त्याग/सर्वेक्षण पर हानि	-	-
लेखापरीक्षक का पारिश्रमिक एवं व्यय		
- अंकेक्षण शुल्क के लिए	0.09	0.08
- कराधान मामलों के लिए	-	0.04
- अन्य सेवाओं के लिए		
- व्यय की प्रतिपूर्ति के लिए	0.28	-
आंतरिक एवं अन्य लेखापरीक्षा व्यय	0.96	1.00
पुनर्वास शुल्क		-
लीज किराया और किराया शुल्क	15.12	13.10
दरें एवं कर	1.24	1.34
बीमा	0.44	0.33
विनिमय दर भिन्नता पर हानि	0.05	0.06
अन्य बचाव/सुरक्षा व्यय		-
साइडिंग रखरखाव शुल्क	-	-
अनुसंधान एवं विकास व्यय	0.04	-
पर्यावरण एवं वृक्षारोपण व्यय	2.66	1.75
दान, पुरस्कार और अनुदान	0.01	
विविध व्यय	9.67	7.53
कुल	86.59	68.15

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 36 : कर व्यय

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
चालू वर्ष	76.00	75.03
आस्थगित कर	9.07	8.89
पहले के वर्षों	(14.78)	-
कुल	70.29	83.92

कर व्यय और लेखांकन लाभ का समाधान	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
कर देने से पूर्व लाभ	366.95	366.04
25.168% की आयकर दर पर	92.35	92.12
स्वीकार्य खर्चों पर कम कर	55.57	23.45
जोड़ें: गैर-कटौती योग्य खर्चों पर कर	39.22	6.36
आयकर व्यय सामान्य के अनुसार (क)	76.00	75.03
एमएटी प्रावधान के तहत आयकर (धारा 115जेबी) (ख)	-	-
क/ख से अधिक कर देय	76.00	75.03
एमएटी क्रेडिट पात्रता	-	-
आस्थगित कर	9.07	8.89
पहले के वर्षों के लिए कर	(14.78)	-
लाभ और हानि के विवरण में आयकर व्यय की सूचना दी गई	70.29	83.92
प्रभावी आयकर दर:	19.16	22.93

आस्थगित कर देयता निम्नलिखित से संबंधित है:	31.03.2023	31.03.2022
क. आस्थगित कर संपत्तियां:		
संदिग्ध अग्रिमों, दावों और ऋणों के लिए प्रावधान	0.65	0.85
कर्मचारी लाभ	68.05	75.75
अन्य (कर योग्य हानियाँ शामिल हैं)	0.05	0.04
कुल (क)	68.75	76.64
ख. आस्थगित कर देनदारी:		
अचल परिसंपत्तियों से संबंधित	10.86	9.67
अन्य	-	-
कुल (ख)	10.86	9.67
ग. शुद्ध आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (क-ख)	57.89	66.97

सेन्ट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टिट्यूट लिमिटेड

वित्तीय विवरण के लिए टिप्पणियाँ

टिप्पणी 37 : अन्य व्यापक आय

(₹ करोड़ में)

	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2023	समाप्त वर्ष के लिए 31.03.2022
(क)(i) वे वस्तुएँ जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत नहीं किया जाएगा परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन	25.95	26.65
	25.95	26.65
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनर्वर्गीकृत नहीं किया जाएगा परिभाषित लाभ योजनाओं का पुनर्मूल्यांकन	6.53	6.71
	6.53	6.71
कुल (क)	19.42	19.94
(ख) वे वस्तुएँ जिन्हें लाभ या हानि के लिए पुनः वर्गीकृत किया जाएगा संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का हिस्सा	-	-
	-	-
(ii) उन वस्तुओं से संबंधित आयकर जिन्हें लाभ या हानि के रूप में पुनः वर्गीकृत किया जाएगा संयुक्त उद्यमों में ओसीआई का हिस्सा	-	-
	-	-
कुल (क)	-	-
कुल (क+ख)	19.42	19.94

परिभाषित लाभ योजनाओं के पुनर्माप पर आयकर में 31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए वर्तमान कर ₹ 6.53 करोड़ (31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 6.71 करोड़) शामिल है।

टिप्पणी -1 निगमित सूचना

सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीच्यूट लिमिटेड (सीएमपीडीआई) की स्थापना कोल इंडिया लिमिटेड एवं इसकी सहायक कंपनियों तथा अन्य बाहरी कंपनियों भू-वैज्ञानिक, भू-भौतिकी, जलभू-वैज्ञानिक तथा पर्यावरणिक डाटा सृजन सहित कोयला एवं खनिज गवेषण में परामर्शी सहायता देने के लिए भारतीय कंपनी अधिनियम 1956 के तहत किया गया। सीएमपीडीआई शिड्यूल “बी”/मिनी रत्न कैट-1। सीपीएसई है जिसका प्रशासनिक नियंत्रण कोयला मंत्रालय के अधीन है। सीएमपीडीआईएल 100 प्रतिशत (पूर्णतः) कोल इंडिया लिमिटेड की सहायक कंपनी है। इसका निबंधित कार्यालय गोंदवाना प्लेस, काँके रोड, राँची 834031, झारखंड भारत में स्थिति है। कंपनी की अधिकृत तथा प्रदत्त पूंजी 31 मार्च, 2023 के अनुसार क्रमशः 150 करोड़ रूपए तथा 142.80 करोड़ रूपए है।

टिप्पणी-2 महत्वपूर्ण लेखा नीति

2.1 तैयारी का आधार:

कंपनी के वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 (“The Act”) (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 की धारा 133 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) के अनुसार तैयार किए गए हैं।

निम्नलिखित को छोड़कर वित्तीय विवरण मापन के हिस्टोरिकल कॉस्ट के आधार पर तैयार किया गया है।

- फेयर वैल्यू के आधार पर कुछ निश्चित वित्तीय परिसंपत्तियों और देयताओं
- डिफाइंड बेनेफिट प्लान-फेयर वैल्यू के आधार पर प्लान परिसंपत्तियों का मापन
- लागत पर वस्तुसूची या NRV जो भी कम हो

2.1.1 रकम को पूर्णांक में बदलना (राउंडिंग ऑफ)

यदि कोई अन्यथा उल्लेख नहीं किया गया हो, तो इस वित्तीय विवरण में रकम को दो दशमलव अंक तक करोड़ रूपए में राउन्ड ऑफ किया गया है।

2.2 करेंट एवं नॉन करेंट वर्गीकरण

कंपनी करेंट/नॉन करेंट वर्गीकरण के आधार पर तुलन-पत्र में परिसम्पत्तियों एवं देयताओं को प्रस्तुत करता है।

किसी परिसंपत्ति को चालू (करेंट) के रूप में माना जाता है जब:

- क) इसे सामान्य परिचालन चक्र (सायकिल) में परिसंपत्तियों को वसूल (रियलाइज) करने की उम्मीद हो इसे बिक्री या खपत करने का इरादा हो।
- ख) व्यापार के उद्देश्य से प्रारंभिक तौर पर परिसंपत्ति को रखता (होल्ड करता) हो,
- ग) प्रतिवेदित अवधि के बाद बारह माह के भीतर परिसंपत्ति को वसूल (रियलाइज) करने की संभावना हो या
- घ) परिसंपत्ति नकद या नकद समतुल्य होता है (जैसा कि इंडएस 7 में परिभाषित किया गया है) जब तक कि परिसंपत्ति रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह माह के भीतर के लिए बदले जाने या दायित्व के निपटारा के लिए प्रयुक्त होने से प्रतिबंधित न हो। अन्य सभी परिसंपत्ति को गैर-चालू के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

एक संस्था चालू के रूप में एक दायित्व को वर्गीकृत करेगी:

- क) यह अपने सामान्य परिचालन चक्र में दायित्व का निपटान करने की अपेक्षा करता है
- (ख) यह मुख्य रूप से व्यापार के उद्देश्य के लिए दायित्व रखता है
- (ग) रिपोर्टिंग अवधि के बाद बारह महीनों के भीतर देय होने के कारण देयता है या

(घ) रिपोर्टिंग अवधि के बाद कम से कम बारह महीने के लिए देयता के निपटान को रद्द करने का बिना शर्त अधिकार नहीं है। एक दायित्व की शर्तें जो प्रतिपक्ष के विकल्प पर हो सकती हैं, इक्विटी उपकरणों के मुद्दे के द्वारा इसके निपटान में इसके वर्गीकरण को प्रभावित नहीं करती हैं।

अन्य सभी देयताओं को नॉन-करंट के रूप में वर्गीकृत किया गया।

2.3

राजस्व की पहचान:

ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व

ग्राहकों के साथ अनुबंध से प्राप्त राजस्व की पहचान तब की जाती है जब वस्तुओं और सेवाओं का नियंत्रण ग्राहक को ऐसी राशि पर हस्तांतरित किया जाता है, जो उस विचार को दर्शाता है, जिसके अनुसार कंपनी उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले में हकदार होने की उम्मीद करती है। कंपनी ने यह सामान्य निष्कर्ष निकाला है कि यह अपनी राजस्व व्यवस्थाओं प्रमुख है, क्योंकि यह वस्तुओं या सेवाओं के ग्राहकों को हस्तांतरण से पूर्व विशिष्ट तौर नियंत्रित करता है।

निम्नलिखित 5 चरणों का प्रयोग करते हुए Ind AS 115 का सिद्धांत लागू होता है:

चरण 1 : अनुबंध की पहचान:

निम्नलिखित सभी कसौटियों के पूरा करने पर ही कंपनी एक ग्राहक के साथ अनुबंध के लिए उत्तरदायी है:

- क) अनुबंध करने वाली पार्टियों ने अनुबंध की स्वीकृति दी है और अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हो ;
- ख) वस्तुओं और सेवाओं की स्थानांतरित करने के लिए कंपनी प्रत्येक पार्टी के इस संबंध में अधिकारों की पहचान कर सकती है ;
- ग) वस्तुओं और सेवाओं को स्थानांतरित करने के लिए कंपनी भुगतान की शर्तों की पहचान कर सकती है ;
- घ) अनुबंध में व्यावसायिक तत्व हों (जैसे अनुबंध के परिणामस्वरूप कंपनी के भविष्य के नकद प्रवाह से संबंधित खतरा, समय और राशि में परिवर्तन होने की संभावना) ; और
- ड.) यह संभावना है कि कंपनी उस विचार को एकत्र करेगी जिसके लिए वह उन वस्तुओं या सेवाओं के बदले हकदार होगा जिन्हें ग्राहक को हस्तांतरित किया जाएगा। विचार करने की राशि, जिसके लिए कंपनी हकदार होगी, अनुबंध में बताई गई कीमत से कम हो सकती है, यदि विचार परिवर्तनशील है, क्योंकि कंपनी ग्राहक को मूल्य रियायत, छूट, छूट, धनवापसी, क्रेडिट की पेशकश कर सकती है या प्रोत्साहन, प्रदर्शन बोनस या समान आइटम के लिए हकदार हो सकती है।

अनुबंध का संयोजन:

कंपनी दो या दो से अधिक अनुबंधों की एक ही ग्राहक (या ग्राहक से संबंधित पार्टियों) के साथ एक ही समय में एक ही अनुबंध मानकर प्रवेश करेगी यदि निम्नलिखित मानदंडों में एक या अधिक का पालन हो:

- क) अनुबंधों को एक एकल वाणिज्यिक उद्देश्य के साथ एक पैकेज के रूप में नेगोशिएट करती है;
- ख) एक अनुबंध में भुगतान की जाने वाली राशि की मात्रा दूसरे अनुबंध की कीमत या प्रदर्शन पर निर्भर करती है;
- ग) अनुबंध में वचनबद्ध वस्तुएँ और सेवाएँ (या प्रत्येक अनुबंध में वचनबद्ध वस्तुएँ या सेवाएँ) एक एकल प्रदर्शन दायित्व है।

अनुबंध संशोधन

यदि निम्नलिखित दो स्थितियाँ मौजूद हों तो कंपनी अनुबंध संशोधन को एक अलग अनुबंध के रूप में स्वीकार करेगी।

- क) अनुबंध का दायरा बढ़ जाता है वचनबद्ध वस्तुओं और सेवाओं के जोड़ अलग-अलग होते हैं और
- ख) अनुबंध की कीमत एक विचारणीय मात्रा में बढ़ जाती है जो कंपनी की अतिरिक्त वचनबद्ध वस्तुओं और सेवाओं के स्टैंड अलोन बिक्री मूल्य को दर्शाती हैं और विशिष्ट अनुबंध की परिस्थितियों को उस मूल्य के लिए कोई उपयुक्त समायोजन दर्शाता है।

चरण-2 प्रदर्शन दायित्वों की पहचान करना

अनुबंध की स्थापना के समय, कंपनी ग्राहक के साथ अनुबंध में वादा की गई वस्तुओं या सेवाओं का आकलन करती है और प्रदर्शन दायित्व के रूप में पहचानती है कि ग्राहक को हस्तांतरित करने का प्रत्येक वादा या तो:

- क) एक वस्तु या सेवा (या वस्तुओं और सेवाओं का एक बंडल) अलग-अलग है या
- ख) अलग-अलग वस्तुओं या सेवाओं की एक श्रृंखला जो काफी हद तक समान है और ग्राहक के लिए स्थानांतरण का समान पैटर्न है।

चरण-3 लेन-देन की कीमत का निर्धारण

लेन-देन की कीमत का निर्धारण करने के लिए कंपनी अनुबंध की शर्तों व अपनी प्रचलित व्यावसायिक प्रथाओं को ध्यान में रखती है। लेन-देन की कीमत के तौर पर उस राशि पर विचार किया जाता है, जिसे कंपनी ग्राहकों को वचनबद्ध वस्तुओं एवं सेवाओं के हस्तांतरण के बदले प्राप्त करने की आशा करती है। तीसरे पक्ष हेतु एकत्रित राशि की गणना इसके अंतर्गत नहीं की जाती है (ग्राहकों के साथ अनुबंध में जिन वायदों पर विचार किया जाता है उनमें निश्चित या परिवर्ती या दोनों की राशियाँ शामिल होती है।

जब लेन-देन की कीमतों का निर्धारण किया जाता है, जब एक कंपनी निम्नलिखित प्रभावों को ध्यान में रखती है:

- वैरिएबल कंसिडरेशन
- वैरिएबल कंसिडरेशन की बाधा का अनुमान
- महत्वपूर्ण वित्तीय अवयवों की मौजूदगी
- नॉन-कैश कंसिडरेशन
- ग्राहक को देय कंसिडरेशन

कंसिडरेशन की राशि- छूट, रिबेट, रिफंड, क्रेडिट, मूल्य में छूट, प्रोत्साहनों, प्रदर्शन बोनसों या इसी तरह की वस्तुओं के कारण अलग-अलग हो सकती है। वायदा किया गया कंसिडरेशन की अलग-अलग हो सकता है यदि कंपनी भविष्य की आकस्मिक घटनाओं से प्रभावित होती है।

कुछ अनुबंधों में, पेनाल्टी स्पष्ट होती है। इन मामलों अनुबंध के सार के अनुसार पेनाल्टी दी जाती है। जहाँ लेन-देन की कीमत के निर्धारण में पेनाल्टी निहित है, वह वैरिएबल कंसिडरेशन के भाग का निर्माण करता है।

कंपनी अनुमानित वैरिबल कंसिडरेशन की राशि के कुछ या संपूर्ण राशि को एक सीमा तक शामिल करती है, जिसके संबंध में यह अत्याधिक संभावना है कि मान्यता प्राप्त संचयी राजस्व की मात्रा में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन तब तक नहीं होगा जब तक वैरिएबल के साथ जुड़ी अनिश्चितता का बाद में समाधान नहीं कर लिया जाता है।

अनुबंध की स्थापना के समय, अगर यह अपेक्षा की जाती है तो, एक महत्वपूर्ण वित्तीय अवयवों के प्रभाव के लिए कंपनी वायदा की गई कंसिडरेशन की राशि को समायोजित नहीं करती है। जब कि वह किसी ग्राहक को एक वचनबद्ध वस्तु या सेवा स्थानांतरित करता है और ग्राहक उस वस्तु या सेवा के लिए भुगतान करता है जिसके बीच की अवधि एक वर्ष या कम होगी।

कंपनी रिफंड देयता की पहचान करती है यदि कंपनी ग्राहक से कंसिडरेशन प्राप्त करती है और उस कंसिडरेशन की राशि का कुछ भाग या पूरी राशि के ग्राहक की रिफंड किए जाने की संभावना है। एक रिफंड देयता प्राप्त (या प्राप्ति के योग्य) कंसिडरेशन की राशि के आधार पर मापी गई है, जिसके लिए कंपनी के हकदार होने की संभावना नहीं है। जैसे लेन-देन की कीमत में शामिल नहीं होने वाली राशि) रिफंड देयता (और लेन-देन की कीमत में संबंधित परिवर्तन, जिसके कारण अनुबंध देयता में भी परिवर्तन हो) परिस्थिगत परिवर्तनों के लिए प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में संशोधित की जाती है।

अनुबंध की स्थापना के बाद विभिन्न कारणों से लेन-देन की कीमत में परिवर्तन हो सकता है। इन कारणों में अनिश्चित घटनाओं का समाधान या परिस्थितियों में ऐसे परिवर्तन शामिल हैं जो वायदा की गई वस्तुओं और सेवाओं के विनिमय के बदले में प्राप्त होने वाली संभावित कंसिडरेशन राशि, जिसकी हकदार कंपनी है, में परिवर्तन करते हैं।

चरण-4: लेन-देन की कीमत का आवंटन:

कंपनी के लिए लेन-देन की कीमत के आवंटन का उद्देश्य प्रत्येक प्रदर्शन दायित्व (या विशिष्ट वस्तु या सेवा) को लेन-देन की कीमत का आवंटन एक ऐसी राशि के रूप में हो जो कंसिडरेशन की उस राशि को दर्शाता हो जो ग्राहक को वचनबद्ध वस्तुओं और सेवाओं के विनिमय के बदले कंपनी प्राप्त करने की संभावित हकदार हो।

प्रत्येक प्रदर्शन दायित्व को लेन-देन की कीमत का आवंटन स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य के सापेक्षिक आधार पर करने के लिए, कंपनी अनुबंध की स्थापना में प्रत्येक प्रदर्शन दायित्व को अंतर्निहित अलग-अलग वस्तु या सेवा के अनुबंधन पर स्टैंड अलोन विक्रय मूल्य निर्धारित करती है और उन स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य के अनुपात में लेन-देन की कीमत आवंटित करती है।

चरण-5: राजस्व की पहचान:

कंपनी राजस्व की पहचान तब (या जैसे) करती है जब ग्राहक को हस्तांतरित वायदा की गई वस्तु और सेवा के प्रदर्शन दायित्व से संतुष्ट हो। एक वस्तु या सेवा तब (या जैसे) हस्तांतरित की जाती है जब ग्राहक उस वस्तु या सेवा का नियंत्रण प्राप्त कर लेता है।

कंपनी समय के साथ वस्तु और सेवा का नियंत्रण हस्तांतरित करती है और इसलिए समय के साथ ही प्रदर्शन दायित्व को संतुष्ट करते हुए राजस्व की पहचान करती है, यदि निम्नलिखित में से कोई एक मानदंड प्राप्त हो:

- क) ग्राहक एक कंपनी के द्वारा प्रदान किए गए लाभों को प्राप्त करता है और खपत करता है, जैसा कि कंपनी करती है;
- ख) कंपनी का प्रदर्शन ऐसी संपत्ति बनाता है या बढ़ाता जिसे ग्राहक उस संपत्ति के रूप में नियंत्रित करता है जिसे बनाया या बढ़ाया जाता है ;
- ग) कंपनी का प्रदर्शन कंपनी के लिए एक वैकल्पिक उपयोग के साथ एक संपत्ति का सृजन नहीं करता है और कंपनी के पास आज तक के प्रदर्शन के लिए भुगतान करने हेतु प्रवर्तनीय अधिकार है।

समय के साथ संतुष्ट प्रत्येक प्रदर्शन दायित्व के लिए, कंपनी उस प्रदर्शन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में प्राप्ति को मापकर समय के साथ राजस्व को पहचानती है।

समय के साथ संतुष्ट प्रत्येक प्रदर्शन दायित्व की प्रगति के मापन के लिए कंपनी एक ही तरीका लागू करती है और समान परिस्थितियों में समरूप प्रदर्शन दायित्वों के लिए कंपनी निरंतर उसी तरीके को लागू करती है।

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में, कंपनी समय के साथ संतुष्ट प्रदर्शन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में हुई प्रगति का पुनर्मापन करती है।

कंपनी अनुबंध के तहत वादा किए गए शेष वस्तुओं या सेवाओं के सापेक्ष स्थानांतरित वस्तुओं या सेवाओं के ग्राहक की मूल्य के प्रत्यक्ष माप के आधार पर राजस्व पहचानने के लिए आउटपुट तरीके से लागू करती है। आउटपुट विधियों में प्रदर्शन के सर्वेक्षण से लेकर आज तक पूर्ण किए गए परिणाम प्राप्त परिणामों का मूल्यांकन, मील के पथर तक पहुँच, बीते हुआ समय और उत्पादित या प्रदत्त इकाईयाँ शामिल हैं।

समय के साथ बदलती परिस्थितियों के अनुरूप कंपनी प्रगति के अपने मापकों में संशोधन करती है ताकि प्रदर्शन दायित्व के आउटकम में होने वाले किसी भी परिवर्तन को दर्शाया जा सके। प्रगति की कंपनी के मापकों ऐसे में परिवर्तन; Ind AS 8 लेखांकन नीतियों, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियों के अनुरूप लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन के लिए उत्तरदायी मानी जाती है।

समय के साथ संतुष्ट प्रदर्शन दायित्व के लिए कंपनी राजस्व की पहचान केवल तभी करती है यदि वह प्रदर्शन दायित्व की पूर्ण संतुष्टि की दिशा में हुई प्रगति का तार्किक मापन कर सके। जब (या जैसे) प्रदर्शन दायित्व संतुष्ट होता है तब कंपनी लेन-देन की कीमत की राशि की गणना राजस्व के रूप में करती है।

यदि समय के साथ प्रदर्शन दायित्व संतुष्ट नहीं होता है, तब कंपनी समय के एक बिन्दु पर प्रदर्शन दायित्व को संतुष्ट करती है। समय के एक बिन्दु या समय विशेष; जिसमें कि ग्राहक वायदा की गई वस्तु या सेवा का नियंत्रण प्राप्त करता है तथा जिसमें कंपनी प्रदर्शन दायित्व से संतुष्ट होती है, का निर्धारण करने के लिए कंपनी; नियंत्रण के हस्तांतरण के सूचकों जो निम्नलिखित से युक्त लेकिन उसी तक सीमित नहीं हैं, पर विचार करती है:

- क) वस्तु और सेवा के लिए भुगतान का अधिकार कंपनी के पास है ;
- ख) वस्तु या सेवा का ग्राहक के पास विधिक टाइटल है ;
- ग) कंपनी ने वस्तु और सेवाओं के भौतिक नियंत्रण को हस्तांतरित कर दिया है ;
- घ) ग्राहक के पास वस्तु और सेवा के स्वामित्व का महत्वपूर्ण खतरा और पुरस्कार है;
- ड.) ग्राहक के पास वस्तु और सेवा को स्वीकार कर लिया हो।

जब किसी अनुबंध के लिए पार्टी ने प्रदर्शन किया है, तो कंपनी के प्रदर्शन और ग्राहक के भुगतान के बीच संबंध पर निर्भर करते हुए अनुबंध को अनुबंध परसंपत्ति या अनुबंध देयता के रूप में बैलेंस शीट में प्रस्तुत करती है। कंपनी अलग-अलग प्राप्य के रूप विचार करने के बिना शर्त अधिकार प्रस्तुत करती है।

अनुबंध परिसंपत्तियाँ:

एक अनुबंध परिसंपत्ति ग्राहक को हस्तांतरित वस्तुओं और सेवाओं के लिए विनिमय में कंसिडरेशन का अधिकार है। यदि कंपनी ग्राहक द्वारा कंसिडरेशन के भुगतान के पहले या भुगतान के देय होने के पहले किसी वस्तुओं या सेवाओं का हस्तांतरण है तो, अर्जित कंसिडरेशन; जो कि शर्तों के अधीन है, के लिए एक अनुबंध परिसंपत्ति की पहचान की जाती है।

ट्रेड रिसिवेबल्स:

एक प्राप्य (रिसिवेबल्स); कंसिडरेशन की एक राशि जो शर्तों के अधीन है; के संबंध में कंपनी के अधिकार को व्यक्त करता है। (जैसे देय कंसिडरेशन के भुगतान के पूर्व केवल समय के पैसेज की आवश्यकता होती है)

अनुबंध देयताएँ:

एक अनुबंध देयता ग्राहक को उन वस्तुओं या सेवाओं के हस्तांतरण की बाध्यता है, जिसके बदले कंपनी ने

ग्राहक से कांसीडरेशन प्राप्त किया हो (याकंसिडरेशन की एक राशि देय हो)। कंपनी द्वारा ग्राहक को वस्तुओं या सेवाओं के हस्तांतरण के पूर्व यदि ग्राहक द्वारा कंसिडरेशन का भुगतान किया जाता है, तब एक अनुबंध देयता की पहचान की जाती है जबकि भुगतान कर दिया गया हो या देय हो (दोनों में जो भी पहले हो)। जब कंपनी अनुबंध के अंतर्गत कार्य कर रही हो तो अनुबंध देयता की राजस्व के रूप में देखा जाता है।

ब्याज:

प्रभावी ब्याज प्रणाली का प्रयोग कर ब्याज आय की पहचान की जाती है।

लाभांश:

निवेश से प्राप्त लाभांश आय की पहचान तब की जाती है जब पेमेंट को प्राप्त करने का अधिकार स्थापित कर लिया गया हो।

अन्य दावे:

अन्य दावे (ग्राहकों से देरी से किये गए रियलाइजेशन पर व्याज सहित) की गणना तब की जाती है जब रियलाइजेशन की निश्चितता हो और उसका मापन विश्वसनीय ढंग से हो सके।

2.4 सरकार से अनुदान:

सरकारी अनुदान की पहचान तब तक नहीं की जाती है जब तक यह पर्याप्त आश्वासन नहीं मिल जाता है कि कंपनी उनसे संबंधित शर्तों को पूरा करेगी तब अनुदान प्राप्त किया जाएगा।

उस अवधि में लाभ एवं हानि लेखा में सरकारी अनुदान की पहचान योजनाबद्ध आधार पर की जाती है जिसमें कंपनी संबंधित लागत को व्यय के रूप में पहचान करती है जिसके लिए अनुदान की क्षतिपूर्ति करने का इरादा होता है।

परिसंपत्ति से संबंधित सरकारी अनुदान को आस्थगित आय के रूप में अनुदान को स्थापित कर तुलन-पत्र में प्रस्तुत किया जाता है।

आय से संबंधित अनुदान (यानि परिसंपत्तियों से इतर से संबंधित अनुदान) को सामान्य शीर्षक “अन्य आय” के तहत लाभ या हानि के विवरण के रूप में प्रस्तुत किया जाता है।

सरकारी अनुदान की गई खर्च या हानि के लिए क्षतिपूर्ति के कारण प्राप्ति योग्य होता है, या किसी भावी खर्च के साथ इंटिटी के लिज तत्काल वित्तीय सहायता देने के उद्देश्य से प्राप्ति योग्य (रीसिवेबुल) होता है उसकी उस अवधि के लाभ या हानि में पहचान की जाती है जिस अवधि में वह प्राप्ति योग्य (रीसिवेबुल) हो जाता है।

2.5 पट्टा (लीज)

एक अनुबंध है, या होता है, एक पट्टा अगर अनुबंध विचार के बदले में किसी समयावधि के लिए किसी पहचाने गए परिसंपत्ति के उपयोग को नियंत्रित करने का अधिकार देता है तो वह अनुबंध है या उसमें अनुबंध के गुण शामिल हैं।

2.5.1 पट्टादाता के रूप में कंपनी

प्रारंभ तिथि में, पट्टेदार को लागत पर एक सही उपयोग परिसंपत्ति और पट्टे के भुगतान के वर्तमान मूल्य पर एक पट्टा देयता को पहचानना होगा जो कि सभी पट्टों के लिए उस तिथि पर भुगतान नहीं किया जाता है जब तक कि पट्टा अवधि 12 महीने या उससे कम नहीं हो या अंतर्निहित संपत्ति कम मूल्य की है।

इसके बाद, राइट-टू-यूज एसेट को कॉस्ट मॉडल का उपयोग करके मापा जाता है, जबकि लीज देनदारी पर ब्याज को प्रतिबिंबित करने के लिए ली जाने वाली राशि को बढ़ाकर लीज देयता को मापा जाता है, किसी भी पुनर्मूल्यांकन या पट्टे में संशोधन के लिए ली गई भुगतानों को दर्शाने हेतु कैरी की राशि को कम करने और ले जाने के लिए रीम्यूरिंग राशि को प्रतिबिंबित करने के लिए।

जब तक कि वह वित्त प्रभार को लाभ और हानि के विवरण में वित्त लागतों में मान्यता प्राप्त है, जब तक कि लागत अन्य लागू मानकों को लागू करने वाली किसी अन्य परिसंपत्ति की वहन राशि में शामिल नहीं होती है।

यदि पट्टाकर्ता पट्टे की अवधि के अंत तक पट्टेदार को परिसंपत्ति का स्वामित्व हस्तांतरित करता है या यदि राइट-ऑफ-यूज संपत्ति की लागत दर्शाती है कि पट्टेदार एक खरीद विकल्प का उपयोग करेगा, तो संपत्ति के उपयोगी जीवन पर राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्ति का मूल्यहास किया जाता है। अन्यथा, पट्टादाता राइट-ऑफ-यूज संपत्ति के अधिकार से पहले के उपयोग के अधिकार की संपत्ति के जीवन के अंत या पट्टे की अवधि के अंत से पहले राइट-ऑफ-यूज परिसंपत्ति का मूल्यहास करेगा।

2.5.2 पट्टाकर्ता रूप में कंपनी

सभी पट्टे या तो एक परिचालन पट्टे या एक वित्त पट्टे हैं।

एक पट्टे को एक वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह काफी हद तक सभी जोखिमों को स्थानांतरित करता है और अंतर्निहित परिसंपत्ति के स्वामित्व के लिए प्रासंगिक है। एक पट्टे को एक ऑपरेटिंग पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है यदि यह अंतर्निहित जोखिम के स्वामित्व में प्रासंगिक रूप से सभी जोखिमों और पुरस्कारों को स्थानांतरित नहीं करता है।

परिचालन पट्टे- परिचालन पट्टों से लीज भुगतान को एक सीधी रेखा के आधार पर आय के रूप में मान्यता दी जाती है जब तक कि एक और व्यवस्थित आधार पैटर्न का अधिक प्रतिनिधि नहीं होता है जिसमें अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग से लाभ कम होता है।

वित्त पट्टे - एक वित्त पट्टे के तहत रखी गई संपत्ति को शुरू में अपनी बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त है और पट्टे में शुद्ध निवेश को मापने के लिए उसमें निहित ब्याज दर का उपयोग करके पट्टे में शुद्ध निवेश के बराबर राशि के रूप में प्राप्त के रूप में प्रस्तुत करता है।

इसके बाद, पट्टे की अवधि में वित्त आय को मान्यता दी जाती है, जो पट्टे पर पट्टेदार के शुद्ध निवेश पर निरंतर आवधिक दर को दर्शाती है।

2.6 सम्पत्ति, संयंत्र एवं उपकरण (पीपीई)

भूमि को ऐतिहासिक लागत मूल्य पर वहन (कैरी) किया जाता है। ऐतिहासिक मूल्य में वैसा खर्च शामिल है, जो संबंधित विस्थापित व्यक्ति के लिए दिए जाने वाले रोजगार आदि के बदले में पुनर्वास खर्च, पुनर्स्थापना लागत तथा मुआबजा आदि वाले जमीन अधिग्रहण को प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित करता है।

पहचान के बाद अन्य सभी संपत्तियों के मर्दों, संयंत्र एवं उपकरण संचित मूल्यहास तथा लागत में संचित इम्पेयरमेंट हानि को घटाकर इसकी लागत पर वहन (कैरी) किया जाता है। संपत्ति के किसी मद, संयंत्र एवं मशीनरी की लागत में निम्नलिखित शामिल हैं:

- क) इसकी खरीद मूल्य में व्यापार छूट एवं राहत को घटाने के बाद आयात कर तथा गैर वापसी योग्य क्रय कर शामिल है।
- ख) किसी परिसंपत्ति को उचित स्थान तक लाने तथा प्रबंधन द्वारा इच्छित ढंग से परिचालन योग्य बनाने के लिए आवश्यक स्थिति में लाने में प्रत्यक्ष तौर पर प्रभावित करने वाली लागत।
- ग) किसी मद को विखण्डित करने एवं हटाने तथा जिस स्थान पर वह स्थापित है उसके पुनरुद्धार करने की लागत का प्रारंभिक प्राक्कलन या जब आइटम खरीदा गया हो या उस अवधि के दौरान इन्वेटरी को उत्पादित करने के अलावा अन्य उद्देश्य के लिए किसी खास अवधि के दौरान उपयोग करने के परिणामस्वरूप होने वाले इंटिटी का दायित्व।

संपत्ति, संयंत्र एवं मशीनरी की लागत सहित किसी आइटम का प्रत्येक भाग जो आइटम की कुल लागत के संबंध में महत्वपूर्ण हो, का मूल्यहास पृथक रूप से किया जाता है। तथापि, समान उपयोगी जीवन वाले प्रत्येक आइटम का प्रमुख भाग तथा मूल्यहास पद्धति को मूल्यहास चार्ज निर्धारित करने के लिए एक साथ समूहित किया जाता है।

‘मरम्मत एवं रख-रखाव’ के लिए विहित दैनिक सर्विसिंग लागत को लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसे अवधि में इसे यह हुआ है।

संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के किसी मद को बदलने वाले भाग की परवर्ती लागत है उसके कैरिंग अमाउन्ट में पहचान की जाती है, यदि यह संभावना हो कि आइटम के साथ संबंधित भावी आर्थिक लाभ ग्रुप तक फ्लो करेगा और उस आइटम की लागत विश्वसनीय तौर पर आँकी जा सकती है। बदले गए पार्टों की कैरिंग रकम को नीचे दी गई डिरिकोग्नाइजेशन नीति के अनुसार डिरिकोग्नाइज किया जाता है।

जब कोई बड़ा (महत्वपूर्ण) निरीक्षण (इंस्पेक्शन) किया जाता है तो संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के आइटम के कैरिंग रकम की पहचान प्रति स्थापन के रूप में की जाती है, यदि संभावना हो कि आइटम से सम्बद्ध भावी आर्थिक लाभ ग्रुप तक फ्लो करेगा और आइटम की लागत को विश्वसनीय तौर पर आँका जा सकता है। बचे हुए पूर्व निरीक्षण (इंस्पेक्शन) की लागत की कैरिंग रकम डिरिकोग्नाइज होता है।

संपत्ति, संयंत्र एवं मशीनरी के किसी आइटम को निपटान पर या परिसंपत्ति के सतत् उपयोग से कोई भावी आर्थिक लाभ की संभावना नहीं हो, पर रिकोग्नाइज किया जाता है। सम्पत्ति, संयंत्र तथा उपकरण के किसी आइटम के इस डिरिकोग्नाइजेशन के फलस्वरूप होने वाले लाभ या हानि को लाभ एवं हानि में पहचान (रिकोग्नाइज) की जाती है।

फ्री होल्ड जमीन को छोड़कर, सम्पत्ति, संयंत्र एवं मशीनरी पर मूल्यहास परिसंपत्ति के आकलित उपयोगी जीवन पर स्ट्रेट लाइन बेसिस पर लागत मॉडल के अनुसार किया जाता है।

अन्य भूमि

(पट्टे वाली जमीन सहित)	:	परियोजना का जीवन काल या पट्टे की अवधि, जो भी कम हो
भवन	:	3-60 वर्ष
सड़क :3 से 10 वर्ष	:	3 से 10 वर्ष
दूर संचार	:	3 से 9 वर्ष
संयंत्र एवं मशीनरी	:	5 से 15 वर्ष
कम्प्यूटर एवं लैपटॉप	:	3 वर्ष
कार्यालय उपकरण	:	3 से 6 वर्ष

फर्निचर एवं फिक्सर : 10 वर्ष

वाहन : 8 से 10 वर्ष

तकनीकी मूल्यांकन के आधार पर, प्रबंधन का मानना है कि ऊपर दिया गया उपयोगी जीवन उस अवधि का प्रतिनिधित्व करता है जिस अवधि में प्रबंधन परिसंपत्ति का उपयोग करने की उम्मीद करता है। इसलिए कंपनियों के अधिनियम, 2013 की अनुसूची II के भाग सी के तहत निर्धारित संपत्ति का उपयोगी जीवन उनके उपयोगी जीवन से भिन्न हो सकता है।

प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन की समीक्षा की जाती है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का अवशिष्ट मूल्य परिसंपत्ति की मूल लागत का 5% माना जाता है।

वर्ष के दौरान जोड़ी गई /हटा दी गई संपत्तियों पर मूल्यहास को प्रो-राटा के आधार पर जोड़ /निपटान के महीने के संदर्भ में प्रदान किया जाता है।

“अन्य भूमि” में कोयला वाहक(धारक) क्षेत्र (अधिग्रहण एवं विकास)(सीबीए) अधिनियम 1957 के तहत अधिग्रहित भूमि, भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 1894 भूमि अधिग्रहण में न्यायोचित मुआबजा (क्षतिपूर्ति) एवं पारदर्शिता, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन (आरएफसीटीएलएएआर) अधिनियम 2013, सरकारी भूमि का दीर्घकालीन हस्तांतरण आदि शामिल हैं जिसे परियोजना के शेष जीवन के आधार परिशोधन पर (एमोर्टाइज) किया जाता है तथा लीजहोल्ड जमीन के मामले में लीज होल्ड अवधि या परियोजना के जीवन, जो भी कम हो, के आधार पर परिशोधित किया जाता है।

पूर्णतः वैसी मूल्यहारसित परिसंपत्ति जो सक्रिय इस्तेमाल लायक नहीं रह गया है, को सम्पत्ति, संयंत्र, उपकरण के तहत इसके रिसिड्यूअल मूल्य पर सर्वे आफ परिसंपत्ति के रूप में अलग से प्रकट किया जाता है।

कंपनी द्वारा कुछ परिसंपत्ति के निर्माण/विकास पर किए गए खर्च जो सामान के उत्पादन, आपूर्ति के लिए या कंपनी के विद्यमान परिसंपत्ति के मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक हो, को संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण के तहत इनेबिलग परिसंपत्ति के रूप में माना जाता है।

Ind AS के लिए संक्रमण:

कंपनी ने लागतम मॉडल के अनुसार कैरिंग मूल्य को जारी रखने का चुनाव किया है (अपनी सभी संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त Ind AS के लिए संक्रमण की तारीख के रूप में, पिछले GAAPके अनुसार मापा जाता है)।

2.7 अप्रत्यक्ष (इन्टन्जिबल) परिसम्पत्ति:

पृथक रूप से अधिग्रहित अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति को लागत पर प्रारंभिक पहचान के आधार पर आँका जाता है। बिजनेस कंबिनेशन में प्राप्त अप्रत्यक्ष परिसम्पत्ति की लागत अधिग्रहण के समय उसका उचित मूल्य होता है। इनिशीयल रिकोग्निजेशन के अनुसरण में अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति को संचित परिशोधन (उनके उपयोगी जीवन पर स्ट्रेटलाइन आधार पर परिकलित) तथा संचित इम्पेयरमेंट हानि, यदि कोई हो, को घटाकर लागत पर कैरी किया जाता है।

पूँजीकृत विकास लागत सहित आंतरिक सृजित परिसंपत्ति को पूँजीकृत नहीं किया जाता है। इसके बदले में इससे संबंधित खर्च को लाभ या हानि विवरण में तथा जिस अवधि में खर्च किया जाता है उस अवधि में विस्तृत आय की पहचान की जाती है। अप्रत्यक्ष परिसम्पत्ति का उपयोगी जीवन को या तो सीमित (फाइ नाइट) या इन्डेफिनिट के रूप में मूल्यांकित किया जाता है। सीमित जीवन अवधि वाली अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति को उनके उपयोगी आर्थिक जीवन पर परिशोधित किया जाता है तथा जहाँ यह संकेत हो कि अप्रत्यक्ष परिसम्पत्ति इम्पेयर हो सकता हो वहाँ इसे इम्पेयरमेंट (हानि/क्षति) के लिए मूल्यांकित किया जाता है। सीमित उपयोगी जीवन अवधि वाली अप्रत्यक्ष परिसम्पत्ति के लिए परिशोधित अवधि तथा परिशोधन पद्धति की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के कम-से-कम

अंत में की जाती है। संभावित उपयोगी जीवन या भावी आर्थिक लाभ की खपत की संभावित पैटर्न जिसे परिसंपत्ति में मूर्त रूप दिया गया हो परिशोधन अवधि को रूपान्तरित करने पर विचार किया जाता है तथा उसे लेखा प्राक्कलन में परिवर्तन के रूप में माना जाता है। सीमित जीवन वाली अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति पर परिशोधन व्यय की पहचान लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में की जाती है।

अनिश्चित उपयोगी जीवन वाली अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति को परिशोधित नहीं किया जाता है, लेकिन प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर इम्पेयरमेंट की पहचान की जाती है।

किसी अप्रत्यक्ष परिसंपत्ति के डिप्रिकोगनाइजेशन से उत्पन्न लाभ या हानि को नेट डिस्पोजल प्रोसिडिंग तथा परिसंपत्तियों के कैरिंग अमाउन्ट के बीच के अंतर के रूप में मापा जाता है तथा लाभ एवं हानि लेखा में इसकी पहचान की जाती है।

2.8 परिसंपत्ति की हानि (इम्पेयरमेंट):

प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में कंपनी यह मूल्यांकित करती है कि क्या यह संकेत है कि परिसंपत्ति को इम्पेयर किया जा सकता है। यदि ऐसा कोई संकेत है, तो कंपनी इस परिसंपत्ति की वसूली योग्य मात्रा का आकलन करती है। परिसंपत्ति का वसूली योग्य रकम प्रयोग में लाई जा रही परिसंपत्ति से या कैश जेनरेंटिंग इकाई से ज्यादा है तथा इसका उचित मूल्य डिस्पोजल की लागत से कम है तथा इसे व्यक्तिगत परिसंपत्ति निर्धारित किया जाता है। जब तक कि परिसंपत्ति वैसा कैश सृजित नहीं करता हो जो अन्य परिसंपत्ति या परिसंपत्तियों के समूह से वैधानिक रूप से स्वतंत्र हो, जिस मामले में वसूली योग्य रकम कैश जेनरेंटिंग इकाई जिसकी वह है, के लिए निर्धारित किया जाता है। इम्पेयरमेंट के परीक्षण के उद्देश्य से कंपनी इंडिविजुअल खानों को कैश जेनरेशन की एक अलग इकाई के रूप में विचार करती है।

यदि एक परिसंपत्ति की रिकवरी के योग्य राशि इसकी वहनीय राशि से कम अनुमानित की जाती है, जब वहनीय राशि; परिसंपत्ति की रिकवरी के योग्य राशि से कम हो जाती है और इम्पेयरमेंट हानि की गणना लाभ और हानि के विवरण में की जाती है।

2.9 वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट:

वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट एक संविदा है जो किसी इंटिटी की वित्तीय परिसंपत्ति है तथा दूसरी इक्विटी के इन्टीटी इन्स्ट्रूमेंट या वित्तीय देयता को उत्थान प्रदान करता है।

2.9.1 वित्तीय परिसंपत्ति:

2.9.1 प्रारंभिक पहचान (रिकॉग्निशन) एवं माप:

प्रारंभ में सभी वित्तीय परिसंपत्तियों की पहचान उचित मूल्य एवं वित्तीय परिसंपत्तियों के अधिग्रहण में लगने वाली लागत को जोड़कर की जाती है, यदि वित्तीय परिसंपत्ति लाभ एवं हानि के जरिए उचित मूल्य पर दर्ज नहीं किया गया हो,

वैसे वित्तीय परिसंपत्तियों की खरीद बिक्री जिसकी विनियमन या परंपरा द्वारा स्थापित समय-सीमा के भीतर सुपुर्दगी अपेक्षित हो, की पहचान व्यापार की तिथि, यानि जिस तिथि को कंपनी खरीदती या बेचती हो, पर की जाती है।

2.9.2 परवर्ती माप:

वित्तीय देयता की परवर्ती माप का वर्गीकरण निम्नलिखित 4 कोटि के आधार पर की जाती है:

- परिशोधित लागत पर ऋण इन्स्ट्रूमेंट
- अन्य विस्तृत आय के जरिए उचित मूल्य पर ऋण इन्स्ट्रूमेंट (एफवीटीओसीआई)
- लाभ एवं हानि के जरिए उचित मूल्य पर ऋण इन्स्ट्रूमेंट, ब्युतपन्न तथा इक्विटी इन्स्ट्रूमेंट (एफवीटीपीएल)।
- अन्य विस्तृत आय के जरिए उचित मूल्य पर मापित इक्विटी इन्स्ट्रूमेंट (एफवीटीओसीआई)

2.9.2.1 डीरिकग्नीशन

एक वित्तीय संपत्ति (या, जहां लागू हो, एक वित्तीय संपत्ति का एक हिस्सा या इसी तरह की वित्तीय परिसंपत्तियों के एक समूह का हिस्सा) मुख्य रूप से व्युत्पन्न है (जब बैलेंस शीट से हटा दिया गया है)रू

- संपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के अधिकार समाप्त हो गए हैं, या
- कंपनी ने संपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के लिए अपने अधिकारों को हस्तांतरित किया है या एक पास-थ्रू व्यवस्था के तहत किसी तीसरे पक्ष को सामग्री की देरी के बिना प्राप्त नकदी प्रवाह का भुगतान करने के लिए एक दायित्व मान लिया है, और या तो (क) कंपनी परिसंपत्ति के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को पर्याप्त रूप से स्थानांतरित कर दिया है, या (ख) कंपनी ने परिसंपत्ति के सभी जोखिमों और पुरस्कारों को न तो स्थानांतरित किया है और न ही बरकरार रखा है, लेकिन परिसंपत्ति का नियंत्रण स्थानांतरित कर दिया है।

जब कंपनी ने संपत्ति से नकदी प्रवाह प्राप्त करने के लिए अपने अधिकारों को हस्तांतरित किया है या पास-थ्रू व्यवस्था में प्रवेश किया है, तो यह मूल्यांकन करता है कि क्या और किस हद तक इसने स्वामित्व के जोखिमों और पुरस्कारों को बरकरार रखा है। जब यह परिसंपत्ति के सभी जोखिमों और पुरस्कारों के न तो हस्तांतरित और न ही पर्याप्त रूप से हस्तांतरित किया गया है, और न ही परिसंपत्ति का नियंत्रण हस्तांतरित किया गया है, तो कंपनीय कंपनी की निरंतर भागीदारी की हद तक हस्तांतरित संपत्ति को पहचानती है। उस स्थिति में, कंपनी एक संबद्ध देयता को भी पहचानती है। हस्तांतरित संपत्ति और संबंधित देयता को एक आधार पर मापा जाता है जो कंपनी द्वारा बनाए गए अधिकारों और दायित्वों को दर्शाता है। हस्तांतरित परिसंपत्ति पर गारंटी का रूप लेने वाली निरंतर भागीदारी को परिसंपत्ति की मूल वहन राशि और कंपनी को चुकाने के लिए आवश्यक अधिकतम राशि के निचले स्तर पर मापा जाता है।

2.9.2.2 वित्तीय परिसंपत्तियों की क्षति (इम्पेयरमेंट) (उचित मूल्य के अतिरिक्त)

इंड एस 109 के अनुसार कंपनी ने निम्नलिखित वित्तीय परिसंपत्ति एवं क्रेडिट रिस्क एक्सपोजर पर इम्पेयरमेंट हानि की माप एवं पहचान के लिए संभावित क्रेडिट हानि (ईसीएल) प्रयोग में लाती है:

- क) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जो ऋण इंस्ट्रूमेंट है और जिसकी माप परिशोधित लागत यानि ऋण, डेब्ट सिक्यूरिटी डिपोजिट, ट्रेड रीसिवेबुल और बैंक बैलेंस आदि पर की जाती है डेब्ट इंस्ट्रूमेंट हैं।
- ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ जो डेब्ट इंस्ट्रूमेंट है उन्हें एफवीटीओसीआडू पर मापा जाता है।
- ग) इंडएस 17 के तहत प्राप्ति योग्य (रीसिवेबुल) लीज
- घ) रीसिवेबुल ट्रेड या नकद या अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ प्राप्त करने के लिए कोई संविदात्मक अधिकार (राइट) जो ट्रान्जेक्शन के परिणाम स्वरूप हुआ हो, वे इंड एस 11 तथा इंड एस 18 के क्षेत्र में आता है।

कंपनी निम्नलिखित पर इम्पेयरमेंट हानि (लॉस) की पहचान के लिए “सरलीकृत दृष्टिकोण (अप्रोच) का अनुसरण करती है:

- ट्रेड रीसिवेबुल या कॉन्ट्रैक्ट रेवेन्यू रीसिवेबुल ; तथा
- इंड एस 17 के क्षेत्र के भीतर ट्रान्जेक्शन के परिणामस्वरूप सभी रीसिवेबुल लीज 1

कंपनी को सरलीकृत दृष्टिकोण के प्रयोग में कंपनी को क्रेडिट रिस्क में बदलाव की जरूरत नहीं पड़ती है। बल्कि इसकी प्रारंभिक पहचान से ही प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि तक लाइफटाइम ईसीएल के आधार पर यह इम्पेयरमेंट लॉस अलाउएन्स की पहचान करता है।

2.9.3 वित्तीय देयताएँ:

2.9.3.1 प्रारंभिक पहचान एवं माप:

कंपनी की वित्तीय देयता में ट्रेड एवं अन्य देय, बैंक ओवरड्राफ्ट सहित लोन और उधारी शामिल है।

सभी वित्तीय देयता की पहचान फेयर वैल्यू पर की जाती है, यदि लोन एवं उधारी तथा देयता, प्रत्यक्षतः एट्रीब्यूटेबुल ट्रान्जक्शन कास्ट का नेट हो।

2.9.3.2 परवर्ती माप:

वित्तीय देयता की माप उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है, जैसा कि नीचे दिया गया है।

2.9.3.3 लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय देयता:

लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं में ट्रेडिंग के लिए रखे गए वित्तीय देयताएँ तथा लाभ या हानि के जरिए उचित मूल्य पर प्रारंभिक पहचान पर नामित (डिजिग्नेटेड) वित्तीय देयता शामिल हैं। वित्तीय देयता को “ट्रेडिंग के लिए रखे गए” के रूप में तब वर्गीकृत किया जाता है यदि वे निकट भविष्य में खरीद के उद्देश्य के लिए खर्च किए गए हैं। इस कोटि में कंपनी द्वारा की गई उत्पन्न वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट्स शामिल हैं जो इंड एस 109 द्वारा परिभाषित हेडज रिलेशनशीप में हेडिंग इन्स्ट्रूमेंट के रूप में नामित किया जाता है। सेपरेटेड इमवेडेड डेरिवेटिव्स (ब्युत्पन्न) को भी हेल्ड फार ट्रेडिंग के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। जब तक कि उन्हें इफेक्टिव हेडजिंग इन्स्ट्रूमेंट के रूप में नामित नहीं किया जाता है।

ट्रेडिंग के लिए रखे गए (हेल्ड फार ट्रेडिंग) देयता पर प्राप्ति (गेन) या हानि की पहचान लाभ एवं हानि लेखा में की गई है।

लाभ या हानि के जरिए फेयर वैल्यू पर आरंभिक रिकोग्नाइजेशन पर डिजिग्नेट वित्तीय देयता को वास्तव में रिकोग्नाइजेशन की आरंभिक तिथि तथा इंड एस 109 में दिए गए मानदंड को पूरा करने पर ही डिजिग्नेट किया जाता है। एफवीटीएल के रूप में डिजिग्नेटेड देयताओं के लिए अपने क्रेडिट रिस्क में बदलाव के कारण फेयर वैल्यू प्राप्ति (गेन)/हानि को ओसीएल में रिकोग्नाइज किया गया है। ये प्राप्ति(गेन/हानि) पीएंडएल में स्थानांतरित करने के लिए पर्याप्त नहीं है, तथा कंपनी संचित प्राप्ति (गेन) हानि को इक्विटी में स्थानांतरित कर सकती है। इस प्रकार देयता के फेयर वैल्यू में अन्य सभी परिवर्तन की पहचान लाभ एवं हानि विवरण में की जाती है। कंपनी ने लाभ एवं हानि के जरिए फेयर वैल्यू पर किसी वित्तीय देयता को डिजिग्नेट नहीं किया है।

2.9.3.4 परिशोधित लागत पर वित्तीय देयताएँ:

प्रारंभिक पहचान (रिकोग्नाइजेशन) के बाद, इन्हें प्रभावी व्याज दर पद्धति का प्रयोग कर परिशोधित लागत पर मापा जाता है। प्राप्ति (गेन) तथा हानि की लाभ या हानि में तब पहचान की जाती है, जब देयता को डिरिकोग्नाइज के साथ-साथ प्रभावी व्याज दर परिशोधन प्रक्रिया के जरिए किया जाता है। परिशोधित लागत की गणना अधिग्रहण पर किसी प्रकार की छूट या किस्त तथा प्रभावी व्याज दर के किसी अभिन्न हिस्से के रूप में लगे शुल्क या लागत/मूल्य को ध्यान में रख कर की जाती है। प्रभावी व्याज दर परिशोधन को लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में वित्तीय लागत के रूप में शामिल किया जाता है। यह कोटि सामान्यतः उधारी में लागू होती है।

2.9.3.5 डिरिकोग्नाइजेशन:

किसी वित्तीय देयता को तब डिरिकोग्नाइज किया जाता है, जब देयता के तहत दायित्व डिस्चार्ज या रद्द या समाप्त हो जाता है। जब वर्तमान देयता को महत्वपूर्ण भिन्न शर्त या वर्तमान देयता की पर्याप्त ढंग से रूपान्तरित शर्त के आधार पर उस उधारदाता से दूसरे उधारदाता द्वारा प्रतिस्थापित कर दिया जाता है, तब इस तरह के बदलाव या रूपान्तरण को मूल देयता तथा नया दायित्व की पहचान को डिरिकोग्नाइज माना जाता है। समाप्त (इक्सटिंग्विस्ड) वित्तीय देयता (या वित्तीय देयता के किसी भाग) या अन्य पार्टी को स्थानांतरित तथा कन्सिडरेशन पेड सहित गैर नकद परिसंपत्ति हस्तांतरित या मानी गई देयता के कैरिंग रकम के बीच के अंतर को लाभ या हानि में रिकोग्नाइज किया जाता है।

2.9.4 वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्वर्गीकरण:

कंपनी प्रारंभिक पहचान पर वित्तीय परिसंपत्तियों तथा दायित्वों का वर्गीकरण निर्धारित करती है। प्रारंभिक

पहचान के बाद उन वित्तीय परिसंपत्तियों के कोई पुनर्वर्गीकरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी इन्स्ट्रूमेंट तथा वित्तीय दायित्व हो। वित्तीय परिसंपत्तियों जो ऋण इन्स्ट्रूमेंट हो, के लिए पुनर्वर्गीकरण तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों को व्यवस्थित करने के लिए बिजनेस माडल में कोई बदलाव किया गया हो। बिजनेस माडल में परिवर्तन शायद ही कभी (इन्फ्रीक्वेंट) होने की उम्मीद है। कंपनी के वरीय प्रबंधन कंपनी के संचालन के लिए महत्वपूर्ण हो, बाहरी या आंतरिक परिवर्तन के फलस्वरूप बिजनेस माडल में हुए परिवर्तन को निर्धारित करता है। ऐसा परिवर्तन बाहरी पार्टियों के साक्ष्य हैं। बिजनेस माडल में बदलाव तभी आता है, जब कंपनी वैसे क्रिया-कलाप या तो शुरू करती है या बंद कर देती है, जो उसके संचालन के लिए महत्वपूर्ण हों। यदि कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों को पुनर्वर्गीकृत करती है तो यह पुनर्वर्गीकरण की तिथि से परिप्रेक्ष्य रूप से पुनर्वर्गीकरण पर लागू होती है, बिजनेस माडल में बदलाव के बाद अगली रिपोर्टिंग तिथि से तत्काल बाद का दिन पहला दिन होता है। ग्रुप किसी प्रकार के पूर्व का रिकोगनाइज्ड प्राप्ति (गेन), हानि (इम्पेयरमेंट गेन या हानि सहित) या ब्याज को रिस्टेट नहीं करता है।

निम्नांकित तालिका विभिन्न पुनर्वर्गीकरण तथा किस प्रकार उनकी गणना की जाती है, को दर्शाता है।

मूल वर्गीकरण	संशोधित वर्गीकरण	लेखांकन उपचार
परिशोधित लागत	एफवीटीपीएल	उचित मूल्य पुनर्वर्गीकरण तिथि पर मापा जाता है। पिछली परिशोधन लागत और उचित मूल्य के बीच अंतर को पी एंड एल में मान्यता दी गई है।
एफवीटीपीएल	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई सकल वहन राशि बन जाती है। ईआईआर की गणना नई सकल वहन राशि के आधार पर की जाती है।
परिशोधित लागत	FVTOCI	उचित मूल्य पुनर्वर्गीकरण तिथि पर मापा जाता है। पिछली परिशोधन लागत और उचित मूल्य के बीच अंतर को ओसीआई में मान्यता दी जाती है। पुनर्वर्गीकरण के कारण ईआईआर में कोई बदलाव नहीं।
FVTOCI	परिशोधित लागत	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई परिशोधन लागत वहन राशि बन जाती है। हालांकि, OCI में संचयी लाभ या हानि को उचित मूल्य के विरुद्ध समायोजित किया जाता है। नतीजतन, परिसंपत्ति को ऐसे मापा जाता है जैसे कि इसे हमेशा परिशोधन लागत पर मापा गया हो।
एफवीटीपीएल	FVTOCI	पुनर्वर्गीकरण तिथि पर उचित मूल्य इसकी नई वहन राशि बन जाती है। किसी अन्य समायोजन की आवश्यकता नहीं है।
FVTOCI	एफवीटीपीएल	परिसंपत्तियों को उचित मूल्य पर मापा जाना जारी है। ओसीआई में पहले से मान्यता प्राप्त संचयी लाभ या हानि को पुनर्वर्गीकरण तिथि पर पी एंड एल में पुनः वर्गीकृत किया जाता है।

2.9.5 वित्तीय इन्स्ट्रूमेंट की ऑफ सेटिंग:

वित्तीय परिसंपत्ति तथा वित्तीय देयताएँ आफसेट होते हैं तथा नेट रकम को समेकित तुलन-पत्र में प्रतिवेदित किया जाता है, यदि रिकोगनाइज्ड रकम को आफसेट करने के लिए प्रवर्तनीय वैधानिक अधिकार हो तथा परिसंपत्तियों की वसूली तथा देयताओं का निपटारा साथ-साथ करने हेतु नेट आधार पर सेटल करने का इरादा हो।

2.9.6 नकद एवं नकद इक्यूवेलेंट:

बैलेंस शीट में नकद एवं नकद इक्यूवेलेंट बैंकों और हाथों पर नकदी और महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के साथ अल्पकालिक जमा, जो मूल्य में परिवर्तन के महत्वहीन जोखिम के अधिन है। नकद प्रवाह के समेकित बकाया के प्रयोजन के लिए नकद एवं नकद इक्यूवेलेंट में उपर परिभाषित अनुसार नकदी और अल्पकालिक जमा शामिल है, बकाया बैंक ओवरड्राफ्ट का शुद्ध क्योंकि उन्हें कंपनी के नकद प्रबंधन का एक अभिन्न हिस्सा माना जाता है।

2.10 कराधान:

आयकर व्यय, वर्तमान में देय कर तथा आस्थगित कर के योग को दर्शाता है।

वर्तमान कर आयकर की वह रकम है जो किसी अवधि के लिए (कर योग्य आय) के संबंध में देय (वसूली योग्य) है। लाभ या हानि तथा अन्य विस्तृत आय के विवरण में की गई रिपोर्ट के अनुसार “आयकर के पहले लाभ” से कर योग्य लाभ में अंतर है क्योंकि इसमें आय एवं खर्च के वैसे मदों को निकाल दिया गया है, जो अन्य वर्ष में कटौती योग्य या कर योग्य हैं। इसमें से भी वैसे मदों को निकाल दिया गया है, जो कभी भी वैसे मदों को निकाल दिया गया है जो कभी भी कर योग्य या कटौती योग्य नहीं हो। वर्तमान कर के लिए कंपनी की देयता का परिकलन उस दर का प्रयोग कर किया जाता है जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक इनेक्ट या पर्याप्त रूप से इनेक्ट किया गया है।

वित्तीय विवरण में आस्थगित कर की पहचान परिसंपत्ति की कैरिंग करम तथा देयता और कर योग्य लाभ की गणना में प्रयुक्त संगत कर आधार के बीच अस्थायी अंतर (डिफरेंस) के आधार पर की जाती है। सामान्यतः आस्थगित कर देयता की पहचान सभी करयोग्य अस्थायी अंतर (डिफरेंस) के लिए की जाती है। आस्थगित कर परिसंपत्तियों की पहचान सामान्यतः सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतर के लिए इस सीमा तक की जाती है कि यह संभव है कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके विरुद्ध उन कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है। इस प्रकार की परिसंपत्तियों एवं देयताओं की पहचान नहीं किया जाती है। यदि अस्थायी अंतर (टेम्पोररी डिफरेंस) किसी ट्रांजेक्शन में अन्य परिसंपत्तियों एवं देयताओं के प्रारंभिक पहचान (किसी बिजनेस कम्बिनेशन के अलावा) से या गुडविल से उत्पन्न हुआ हो जिसका प्रभाव न तो कर योग्य लाभ पड़ता है और न ही लेखा लाभ पर।

अनुषंगी कंपनी तथा सम्बद्ध कंपनियों के निवेश से संबंधित कर योग्य अंतर के लिए आस्थगित कर देयता की पहचान उनको छोड़कर की जाती है, जहाँ कंपनी अस्थायी अंतर के रिवर्सल को नियंत्रित करने में सक्षम हो तथा यह संभव है कि निकट भविष्य में अस्थायी अंतर वापस नहीं होता हो। इस प्रकार के निवेश तथा ब्याज से सम्बद्ध कटौती योग्य अस्थायी अंतर से उत्पन्न आस्थगित कर की पहचान इस सीमा तक की जाती है। यह संभव है कि पर्याप्त कर योग्य लाभ होगा जिसके विरुद्ध अस्थायी अंतर के लाभ का उपयोग करना है।

आस्थगित कर परिसंपत्ति कैरिंग रकम की समीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में की जाती है तथा इस सीमा तक घटा दी जाती है कि लम्बे समय तक यह संभव है कि पर्याप्त करयोग्य लाभ उपलब्ध रहेगा जिससे परिसंपत्ति के पूरे या किसी भाग को वसूल (रिकवर) किया जा सकेगा।

अनरिकोगनाइज्ड आस्थगित कर का पुनर्मूल्यांकन रिपोर्टिंग वर्ष के अंत में की जाती है इस हद तक पहचान (रिकोगनाइज) की जाती है कि यह संभव हो चुका है कि वसूली योग्य आस्थगित कर परिसंपत्ति को पूरे या किसी भाग का प्रबंध करने (अलाउ) के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

आस्थगित कर परिसंपत्ति तथा देयता की गणना उस टैक्स दर पर की जाती है, जिन्हें उस अवधि में उपयोग किए जाने की संभावना हो जिसमें देयता को निपटाया जाता है या परिसंपत्ति को वसूला (रियलाइज) किया जाता है, उस टैक्स दर (कर कानून) पर जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक इनेक्ट या पर्याप्त ढंग से इनेक्ट किया जा चुका हो।

आस्थगित कर देयता एवं परिसंपत्ति की गणना (माप) कर परिणाम को दर्शाता है जो इस ढंग से अनुसरण करेगा कि कंपनी को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में अपनी परिसंपत्ति तथा देयता के कैरिंग रकम को वसूल या निपटाने (सेटल) करने की उम्मीद हो।

लाभ या हानि में वर्तमान एवं आस्थगित कर की पहचान उस तिथि को छोड़कर की जाती है जब उन मदों से संबंधित हों जिन्हें अन्य विस्तृत आय या सीधे इक्विटी में चिह्नित (पहचान) की गई है जिस मामले में चालू एवं आस्थगित कर भी पहचान क्रमशः अन्य विस्तृत आय या प्रत्यक्षतः इक्विटी में की गई है। जहाँ किसी बिजनेस कंबिनेशन के लिए प्रारंभिक लेखा (अकाउंटिंग) से चालू कर या आस्थगित कर उत्पन्न होता है, वहाँ बिजनेस कम्बिनेशन के लिए कर प्रभाव को लेखा (अकाउंटिंग) में शामिल किया गया है।

2.11 कर्मचारियों के लाभ:

2.11.1 अल्पकालीन लाभ

अल्पकालिक कर्मचारी लाभ वे कर्मचारी लाभ (समाप्ति लाभों के अलावा) हैं जिनके वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत के बारह महीने से पहले पूरी तरह से निपटाए जाने की उम्मीद है जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रदान करते हैं।

सभी अल्पकालिक कर्मचारी लाभों को उस अवधि में मान्यता दी जाती है जिसमें कर्मचारियों द्वारा सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

2.11.2. नियोजन के बाद लाभ तथा अन्य दीर्घकालीन कर्मचारी लाभ:

2.11.2.1 परिभाषित (डिफाइन्ड) अंशदान योजना:

भविष्य निधि तथा पेंशन के लिए परिभाषित अंशदान योजना नियोजन के उपरांत दी जाने वाली लाभ योजना है जिसके तहत कानून के अधिनियम (इनएक्टमेंट) के तहत गठित पृथक सांविधिक निकाय (कोरप्लान खान भविष्य निधि) द्वारा मेनटेन किए जा रहे कोष में कंपनी निर्धारित अंशदान देती है तथा कंपनी के पास अतिरिक्त रकम को देना के लिए कोई कानूनी या रचनात्मक बाध्यता नहीं होगी। परिभाषित अंशदान योजना में अंशदान के लिए दायित्व की पहचान लाभ एवं हानि विवरण में कर्मचारी लाभ व्यय के रूप में उस अवधि में की जाती है जिस अवधि में यह कर्मचारियों को दिए जाते हैं।

2.11.2.2 परिभाषित (डिफाइन्ड) लाभ योजना:

परिभाषित लाभ योजना नियोजन के उपरांत लाभ योजना है जो परिभाषित अंशदान योजना से अलग है। ग्रेच्युटी, छुट्टी नकदीकरण परिभाषित लाभ योजना (लाभ पर सीमा (सिलिंग) है। परिभाषित लाभ योजना के संबंध में कंपनी का शुद्ध दायित्व (ओब्लिगेशन) की गणना भावी लाभ की रकम का आकलन कर की जाती है जिसे कर्मचारी ने वर्तमान एवं पूर्व की अवधि में अपने सेप के लिए अर्जित किया है। इस लाभ को इसके वर्तमान मूल्य निर्धारित करने के लिए डिस्काउन्ट कर दिया जाता है तथा प्लान परिसंपत्ति, यदि कोई हो, के फेयर वैल्यू तक घटा दिया जाता है। डिस्काउन्ट रेट रिपोर्टिंग तिथि को भारत सरकार के प्रतिभूति के प्रचलित बाजार उत्पादन पर आधारित होता है जिसकी परिपक्वता की तिथि कंपनी के दायित्व के समय आसपास तथा वह उसी करेंसी में डेनोमिनेटेड होता है जिसमें लाभ दिए जाने की संभावना रहती है।

एक्चुरियल वैल्यू के प्रयोग में डिस्काउन्ट दर, परिसंपत्तियों पर प्रतिफल का संभावित दर भावी वेतन वृद्धि, मोर्टालिटी दर आदि शामिल हैं। इन योजनाओं की दीर्घकालीन प्रवृत्ति के कारण ये आकलन अनिश्चित हैं। प्रत्येक तुलन पत्र में गणना प्रोजेक्टेड यूनिट क्रेडिट मेथड का प्रयोग कर अक्चुअरी द्वारा की जाती है। जब गणना का परिणाम कंपनी के लाभ में प्रतिफलित होता है, तब रिकोग्नाइज्ड परिसंपत्ति उस आर्थिक के लाभ के वर्तमान मूल्य तक सीमित होता है, जो योजना से किसी भावी रिफंड या योजना में भावी योगदान के रूप में उपलब्ध होता है। आर्थिक लाभ कंपनी को तभी होता है, जब यह योजना की जीवन अवधि में वसूलीयोग्य या योजना देयता के सेटलमेंट पर वसूलीयोग्य होता है। शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व की पुनर्माप में योजना परिसंपत्ति (व्याज को छोड़कर) पर रिटर्न पर विचार करते हुए अक्चुरियल प्राति (गेन) तथा हानि शामिल है तथा परिसंपत्ति की सीलिंग (सीमा) के प्रभाव की पहचान तत्काल अन्य विस्तृत आय में की जाती है।

तत्कालीन निबल परिभाषित अंशदान एवं लाभ भुगतान के परिणामस्वरूप अवधि के दौरान निबल लाभ देयता (परिसंपत्ति) में किसी तरह के बदलाव को ध्यान में रखकर निबल ब्याज दर उस समय निबल परिभाषित देयता के प्रति वार्षिक अवधि के प्रारंभ में परिभाषित लायदायित्व की माप करने के लिए प्रयुक्त डिस्काउन्ट दर को लागू कर निबल अवधि देयता पर निर्धारित की जाती है। परिभाषित लाभ दायित्व को माप करने के लिए प्रयुक्त डिस्काउन्ट दर को लागू कर अवधि के लिए निबल लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर निबल व्याज व्यय निर्धारित करती है। परिभाषित लाभ योजना से संबंधित निबल व्याज व्यय तथा अन्य व्यय की पहचान लाभ एवं हानि लेखा में की जाती है।

जब योजना के लाभ में सुधार होता है तब कर्मचारी द्वारा की गई विगत की सेवा से संबंधित बड़े हुए लाभ के भाग की पहचान लाभ एवं हानि के विवरण में तत्काल की जाती है।

2.11.3 कर्मचारियों के लिए अन्य दीर्घकालिक लाभ:

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ अल्पकालिक कर्मचारी लाभ, रोजगार के बाद के लाभ और समाप्ति लाभों के अलावा अन्य सभी कर्मचारी लाभ हैं।

अन्य लंबी अवधि के कर्मचारी लाभों में वे आइटम शामिल हैं जिन्हें वार्षिक रिपोर्टिंग अवधि के अंत के बारह महीने से पहले पूरी तरह से निपटाने की उम्मीद नहीं है जिसमें कर्मचारी संबंधित सेवा प्रदान करते हैं।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभों के लिए, निम्नलिखित राशियों का कुल योग लाभ या हानि के विवरण में पहचाना जाता है:

क) सेवा लागत

ख) शुद्ध परिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) पर शुद्ध ब्याज

ग) शुद्ध परिभाषित लाभ देयता (परिसंपत्ति) का पुनः माप

2.12 विदेशी मुद्रा:

जिस वातावरण में कंपनी काम करती है उस आर्थिक वातावरण के प्रमुख करेंसी होने के नाते कंपनी की रिपोर्टेड करेंसी तथा इसके बड़े संचालन की कार्यकारी करेंसी भारतीय रुपया (आईएनआर) है।

ट्रान्जेक्शन तिथि को प्रचलित विनियम दर का प्रयोग कर विदेशी मुद्रा में ट्रान्जेक्शन को कंपनी की रिपोर्टेड करेंसी में बदल दिया जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया विदेशी मुद्रा में प्रभावी मौद्रिक परिसंपत्ति एवं देयता को रिपोर्टिंग अवधि के अंत में प्रचलित विनियम दर पर परिवर्तित कर दिया जाता है। मौद्रिक परिसंपत्ति तथा देयता के निपटारा तथा मौद्रिक परिसंपत्ति एवं देयता को परिवर्तित करने के फलस्वरूप उत्पन्न विनिमय अंतर को, उस अवधि के दौरान या पूर्व वित्तीय विवरण में प्रारंभिक पहचान पर उन्हें परिवर्तित किया गया था, से अलग दर पर लाभ एवं हानि लेखा के विवरण में पहचान की जाती है जिस अवधि में वे उत्पन्न हुई हो।

गैर मौद्रिक वस्तुओं को विदेशी मुद्रा में डीमॉनेटाइज्ड किया जाता है, जो लेन-देन की तारीख को प्रचलित विनियम दर पर मूल्यवान है।

2.13 वस्तु सूची

2.13.1 स्टोर एवं स्पेयर्स:

केंद्रीय तथा क्षेत्र में स्थित स्टोर एवं स्पेयर पार्ट (जो लूज टूल्स को भी शामिल करता है) के स्टॉक पर प्राइस्ड स्टोर लेजर में दिए गए बैलेंस के अनुसार विचार किया जाता है तथा भारित औसत पद्धति (वेटेड अवरेज मेथड) के आधार पर परिकलित लागत पर मूल्यांकित किया जाता है। कोलियरी/सबस्टोर्स/ट्रिलिंग कैम्पों/उपयोग केंद्रों पर पड़े स्टोर्स एवं स्पेयर पार्टों की वस्तुसूची पर विचार भौतिक रूप से सत्यापित स्टोर्स के अनुसार वर्षांत में किया जाता है तथा लागत पर मूल्यांकित किया जाता है।

बेकार, क्षतिग्रस्त तथा अप्रयुक्त स्पेयर एवं पार्टों के लिए 100 प्रतिशत की दर पर प्रावधान किया जाता है तथा 5 वर्ष से उपयोग में नहीं लाए गए स्पेयर पार्टों के लिए 50 प्रतिशत की दर पर किया जाता है।

2.13.2 अन्य वस्तु सूची:

स्टेशनरी के स्टॉक के मूल्य महत्वपूर्ण नहीं होने के कारण उन पर वस्तु सूची के लिए विचार नहीं किया जाता है।

2.14 प्रावधान, आकस्मिक देयताएँ एवं आकस्मिक परिसंपत्तियाँ:

प्रावधान की पहचान तब की जाती है, जब वर्तमान दायित्व पिछली (विधिक और संरचनात्मक) घटना के फलस्वरूप उत्पन्न हुआ है तथा यह संभव है कि आर्थिक लाभ के आउटफ्लो के दायित्व सेटल करना अपेक्षित होगा तथा दायित्व की रकम का विश्वसनीय आकलन किया जा सकता है। जहाँ धन का समय मूल्य महत्वपूर्ण हो वहाँ प्रावधान दायित्व निपटाने के लिए संभावित व्यय को वर्तमान मूल्य पर निश्चित किया जाता है।

सभी प्रावधान की प्रत्येक तुलन-पत्र तिथि में संवीक्षा की जाती है और करेंट बेस्ट आकलन को प्रतिभाषित करने के लिए समायोजित किया जाता है।

जहाँ यह संभव नहीं है कि इकोनामिक बेनीफिट के लिए आउटफ्लो की जरूरत होगी अथवा धन को आकलित नहीं किया जाता है का ओब्लिगेशन आकस्मिक देयता के रूप में उल्लेख किया जाता है, क्योंकि इकोनामिक बेनीफिट की आउटफ्लो की संभावना संभव (दूर) नहीं है। संभावित ओब्लिगेशन जिसका अस्तित्व एक या अधिक के आकूरेंस या नन-आकूरेंस द्वारा संपुष्ट करना होगा। भावी अनिश्चितता वाली घटना पूरी तरह कंपनी के नियंत्रण में नहीं होती है, को आकस्मिक देयताएँ में उल्लेख किया गया है, क्योंकि आर्थिक लाभ का आउटफ्लो की संभाव्यता न के बराबर (दूर) है।

आकस्मिक परिसंपत्ति को वित्तीय विवरण में नहीं माना गया है, हालाँकि जब रियलाइजेशन ऑफ इनकम वरचुअली निश्चित होता है तो संबंधित परिसंपत्ति आकस्मिक परिसंपत्ति में नहीं आता है और इसकी पहचान समुचित तरीके से की जाती है।

2.15 प्रति शेयर अर्जन (अर्निंग):

प्रति शेयर मूल अर्जन की अवधि के दौरान इक्विटी शेयर आउटस्टैंडिंग के भारित औसत नंबर को कर के बाद निबल लाभ से भाग देकर गणना की जाती है। प्रतिशेयर डायल्यूटेड अर्निंग की गणना इक्विटी शेयर की भारित औसत नंबर द्वारा कर पश्चात् लाभ से भाग देकर की जाती है और प्रतिशेयर डिवाइडिंग बेसिक पर विचार किया गया है और इक्विटी शेयर का भारित औसत संख्या को सभी को सभी डायल्यूटेड पेटेंशियल इक्विटी शेयर में बदल कर जारी किया जाता है।

2.16 जजमेंट्स, एस्टीमेट्स और एजम्पसन:

आईएनडी एस के अनुरूप वित्तीय विवरण की तैयारी में प्रबंधन को आकलन, जजमेंट्स और एजम्पसन बनाने की जरूरत होती है, जो वित्तीय विवरण में परिसंपत्ति और देयताओं के रिपोर्टेड राशि और आकस्मिक परिसंपत्ति तथा रिपोर्टेड अवधि के दौरान राजस्व और व्यय को प्रकट किया गया है। लेखा नीति को लागू करने में कमप्लेक्स और सबजेक्टिव जजमेंट्स को इस वित्तीय विवरण में एजम्पसन के उपयोग का उल्लेख किया गया है। लेखा आकलन समय-समय पर बदल सकता है। वास्तविक परिणाम उससे भिन्न हो सकता है। एस्टीमेट और अंडरलाईग एजम्पसन की संवीक्षा आनगोईंग आधार पर की जाती है। लेखा आकलन का रिवीजन उस अवधि में की जाती है यदि महत्वपूर्ण हो तो जब आकलन को रिवाइज किया जाता है उसके प्रभाव को वित्तीय विवरण की टिप्पणी में उल्लेख किया गया है।

2.16.1 जजमेंट्स:

कंपनी लेखा नीति का लागू करने की प्रक्रिया में प्रबंधन निम्नलिखित जजमेंट (निर्णय) करता है जो वित्तीय विवरण में रिकोगनाइज्ड राशि पर इसके महत्वपूर्ण प्रभाव को व्यक्त करता है।

2.16.2 लेखा नीति का निर्माण

लेखांकन नीतियों को इस रूप में तैयार किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय विवरणों में लेनदेन, अन्य घटनाओं और शर्तों के बारे में प्रासंगिक और विश्वसनीय जानकारी होती है, जिन पर वे लागू होते हैं। उन नीतियों को लागू करने की आवश्यकता नहीं है जब उन्हें लागू करने का प्रभाव अपरिहार्य है।

इस नीति की आवश्यकता तब नहीं होती है जब उन्हें लागू करने का प्रभाव महत्वपूर्ण न हो आईएनडीएस की अनुपस्थिति में जो विशेषकर लेनदेन अन्य इवेंट्स या परिस्थिति के लिए लागू होता है, प्रबंधन ने लेखा नीति के विकास और लागू करने के लिए अपने निर्णय (जजमेंट) का उपयोग किया है उसके परिणाम स्वरूप निम्नलिखित सूचना शामिल है:

क) उपयोगकर्ता की इकोनोमिक डिजीजन-मेकिंग आवश्यकता से सम्बद्ध हो तथा

ख) वह तथा कथित वित्तीय विवरण विश्वसनीय हो,

- (i) वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्यनिष्पादन और इनटीटी का कैशफ्लो को विश्वसनीय तरीके से प्रतिनिधित्व करता होय ;
- (ii) लेन-देन, अन्य इवेंट्स और स्थिति के इकोनामिक सबसटांस को बतलाता है, जो लीगल फार्म में नहीं होता हैय ;
- (iii) यह न्यूट्रल अर्थात् पूर्वाग्रह से मुक्त होता है ;
- (iv) विश्वसनीय होता है तथा ;
- (v) निरंतरता के आधार पर सभी महत्वपूर्ण पहलूओं को पूरा करता है।

निर्णय करने में प्रबंधन घटते क्रम में निम्नलिखित के प्रयोज्यता पर विचार करता है:

क) आईएनडी एस में समान और सम्बन्धित मुद्दे से निपटा जाता है।

ख) फ्रेम वर्क में परिसंपत्ति, देयता, आय और व्यय के लिए परिभाषा, रिकोगनिशन क्राइटेरिया और मेजरमेंट अवधारणा।

जजमेंट करने में प्रबंधन इन्टरनेशनल एकाउन्टिंग बोर्ड के मोस्ट रिसेन्ट प्रोनाउंसमेंअ पर विचार करता है, और उसकी अनुपस्थिति में अन्य स्टैंडर्ड सेटिंग बॉडीज जिसका उपयोग डेवलपमेंट एकाउन्टिंग स्टैंडर्ड, अन्य एकाउन्टिंग लिटरेचर का विकास करने के लिए समान कंसेपचुअल फ्रेम वर्क का उपयोग करता हो और इंडस्ट्री प्रैक्टिस को स्वीकार उस सीमा तक करता है, जो उपर्युक्त पाराग्राफ के सोर्स का विरोधाभासी न हो।

वह ग्रुप जो खनन के क्षेत्र में कार्य करता है (वैसा सेक्टर जहाँ प्रौन टू कंसटेंट चेंजेज और दशकों से चल रहे लीज की अवधि जो विभिन्न टोपोग्राफिकल और जियोमाइनिंग टेरेन के आधार पर गवेषण, मूल्यांकन, उत्पादन चरणों के विकास पर आधारित है) लेखा नीति जहाँ गत विभिन्न दशकों से इसके कंसिस्टेंट एप्लीकेशन को विभिन्न नियामकों द्वारा अनुमोदित और अनुसंधान समिति द्वारा समर्थित होता है। स्पेसिफिक एकाउन्टिंग लिटरेचर की अनुपस्थिति में कुछ विशेष क्षेत्रों जो इवोल्यूशन की प्रक्रिया में हो के

दिशा-निर्देश और मानकों का पालन करता हो। एकाउन्टिंग लिटरेचर और उससे संबंधित विकास आईएनडी एस 8 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार लेखे में लिया जाएगा।

लेखे के वास्तविक आधार का उपयोग कर मौजूदा चिंताओं पर वित्तीय विवरण तैयार किया गया है।

2.16.3 मेटेरियलिटी (महत्ता):

आईएनडी एस वहीं लागू होता है जहाँ आइटम महत्वपूर्ण हो। प्रबंधन यह निर्णय करने में अपने जजमेंट का उपयोग वित्तीय विवरण में इंडिविजुअल आइटम अथवा ग्रुप ऑफ आइटम महत्वपूर्ण है या नहीं में करता है। महत्वपूर्णता का निर्णय आइटम के आकार और प्रकृति से होता है। डिसाइजिंग फैक्टर है कि या तो ओमिशन या मिस स्टेटमेंट निजी या सामूहिक रूप से आर्थिक निर्णय को प्रभावित करता है या नहीं तथा जिसे वित्तीय विवरण के आधार पर बनाया जाता है। प्रबंधन आईएनडीएस की अनुपूरक आवश्यकता का निर्धारण करने के लिए महत्वपूर्ण (मेटेरियलिटी) का जजमेंट का उपयोग करता है। विशेष परिस्थिति में एक आइटम की राशि या प्रकृति या आइटमों का कुल योग डिटरमाइनिंग फैक्टर होता है। प्रेजेन्ट सेपेटेली इमेहेरियल आइटमों के लिए इनटिटी की जरूरत हो सकती है जहाँ कानूनी रूप से जरूरी हो।

1.04.2019 से त्रुटियों/चूकों, जो पिछली अवधि से संबंधित हों तथा जिनका पता मौजूदा वर्ष में लगाया गया हो; महत्वपूर्ण नहीं मानी है और चालू वर्ष (बनततमदज लमंत) के दौरान समायोजित कर ली जाती है, यदि ये सभी त्रुटियाँ और चूकें, सीआईएल की पिछली अंकेक्षित समेकित वित्तीय विवरण के आधार पर परिचालन (वैधानिक लेवी का निबल) से प्राप्त कुल राजस्व के 1 प्रतिशत से अधिक नहीं हों तो।

2.16.3.1 प्राक्कलन और एजम्पसन:

अगले वित्तीय वर्ष में परिसंपत्ति और देयताएँ कैरिंग राशि को मेटेरियल एजुजसटमेंट के कारण महत्वपूर्ण जोखिम में एसटिमेशन अनसरटेटी के अन्य की स्रोत और भावी संबंधि मुख्य छूट को नीचे दिया जा रहा है। पारामीटर पर ग्रुप आधारित इसमें छूट और आकलन तभी उपलब्ध होगा जब कंसोलिडेटेड वित्तीय विवरण तैयार किया गया हो। भावी विकास में छूट और वर्तमान परिस्थिति जो ग्रुप के नियंत्रण से परे मार्केट चेंजेज अथवा परिस्थिति के कारण बदल सकता है। ऐसे परिवर्तन एजम्पसन जिसका पता चलता है को दर्शाता है।

2.16.3.2 गैर-वित्तीय परिसंपत्ति में छूट:

यदि रिकवरेबल एमाउन्ट कैश जेनेरेटिंग यूनिट अथवा परिसंपत्ति का कैरिंग वैल्यू डिस्पेजल के न्यूनतम लागत और इसके उपयोग मूल्य का फेयर वैल्यू अधिक हो तो इम्पेयरमेंट का इंडिकेशन होता है। इम्पेयरमेंट के परीक्षण के उद्देश्य से सेपरेट कैश जेनेरेटिंग यूनिट्स के रूप में इंडिविजुअल खान पर ग्रुप विचार करता है। वैल्यू डीसीएफ मॉडल के आधार पर यूज में वैल्यू की गणना की जाती है। अगले पाँच वर्षों के लिए नकद प्रवाह बजट से होता है तथा इसमें रीस्ट्रिक्चरिंग एक्टिविटी शामिल नहीं होता है, जिसके लिए ग्रुप वचनबद्ध नहीं होता है अथवा महत्वपूर्ण भावी निवेश जिसका सीजीयू की परिसंपत्ति के कार्य निष्पादन, बढ़ाएगा का परीक्षण किया जाएगा। गवेषण के उद्देश्य के लिए प्रयुक्त ग्रेथ रेट और एक्सपेक्टेड भावी कैश इनफ्लो के साथ-साथ डीसीएफ मॉडल के लिए प्रयुक्त डिस्काउंट रेट के लिए रिकवरेबल एमाउन्ट संवेदनशील होता है। यह आकलन अन्य माइनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज्यादा अनुकूल होता है। विभिन्न सीजीयू के लिए रिकवरेबल एमाउन्ट के निर्धारण के लिए प्रयुक्त की एजम्पसन होता है, उल्लेख किया जाता है और संबंधित टिप्पणी में उल्लेखित किया जाता है।

2.16.3.3 कर

आस्थगित कर परिसंपत्ति अप्रयुक्त कर हानि के लिए उस सीमा तक रिकोगनाइज्ड किया जाता है, जिस सीमा तक हानि को यूटिलाइज्ड करने के विरुद्ध उपलब्ध कर लाभ संभव है। आस्थगित कर परिसंपत्ति की

राशि को निर्धारित करने के लिए प्रबंधन के प्रभावी निर्णय की आवश्यकता होती है ताकि भावी टैक्स स्ट्रेटजी के साथ भावी टैक्सेबुल लाभ के स्तर और संभावित टाइमिंग के आधार पर जाना जा सके।

2.16.3.4 परिभाषित लाभ योजना:

डिफाइन्ड बेनीफिट ग्रेच्युटि प्लान की लागत और अन्य पोस्ट इम्प्लायमेंट मेडिकल बेनीफिट तथा ग्रेच्युटि ओबलिंगेशन का वर्तमान मूल्य को वास्तविक मूल्यांकन का उपयोग कर निर्धारित किया जाता है। वास्तविक मूल्यांकन में मेकिंग वेरियल एजम्पसन, भविष्य में वास्तविक विकास से भिन्न हो सकता है। इसमें डिसकाउंट दर का निर्धारण, भावी वेतन में बढ़ोतरी तथा मोर्टालिटी दर शामिल है।

मूल्यांकन और इसके दीर्घकालीन प्रकृति में शामिल जटिलता के कारण डिफाइन्ड बेनीफिट ओबलिंगेशन इन एजम्पसन में परिवर्तन से हाईली सेंसेटीव हो जाता है। सभी एजम्पसन की संवीक्षा प्रत्येक रिपोर्टिंग डेट पर की जाती है। पारामीटर अधिकांशतः डिसकाउन्ट दर में परिवर्तित होता है। भारत में परिचालित प्लान के लिए समुचित डिस्काउंट दर के निर्धारण में पोस्ट इम्प्लायमेंट बेनीफिट ओबलिंगेशन के करेंसी सहित करेंसी कंसीसटेंट में सरकारी बॉन्ड के ब्याज दर पर प्रबंधन विचार करता है।

मोर्टालिटी रेट देश में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध मोर्टालिटी तालिका पर आधारित होता है। वह मोर्टालिटी टेबल डेमोग्राफिक बदलावों के रेसपोंस के इंटरवल में केवल बदलता है।

2.16.3.5 वित्तीय इंस्ट्रूमेंट्स का उचित मूल्य मापन:

जब वित्तीय परिसंपत्ति और वित्तीय देयताओं का उचित मूल्य तुलन पत्र में दर्ज हो जाता है तब डीसीएफ मॉडल सहित मूल्यांकन तकनीक का उपयोग करते हुए उसके मूल्य, सक्रिय बाजार में उल्लेखित मूल्य पर आधारित नहीं किया जा सकता है। इन मॉडल के लिए इनपुट, जहाँ संभव हो, ओबजरवेबल मार्केट से लिया जाता है, परंतु जहाँ संभव नहीं है वहाँ फेयर वैल्यू को संस्थापित करते हुए जजमेंट की डिग्री की आवश्यकता होती है। जजमेंट में तरलता जोखिम, क्रेडिट जोखिम और वोलाटिलिटी जैसे इनपुट पर विचार शामिल है। इन फैक्टर के एजम्पसन से परिवर्तन वित्तीय इंस्ट्रूमेंट के रिपोर्टेड फेयर वैल्यू पर प्रभाव पड़ सकता है।

टिप्पणी 38: 31 मार्च, 2023 की अवधि के लिए वित्तीय विवरण पर अतिरिक्त टिप्पणी

1 उचित मूल्य माप

क. श्रेणी के अनुसार वित्तीय उपकरण

(₹ करोड़ में)

	31 मार्च 2023		31 मार्च 2022	
	एफवीटीपीएल	परिशोधित लागत	एफवीटीपीएल	परिशोधित लागत
वित्तीय पूंजी				
निवेश :		-		-
सहायक कंपनी में वरीयता हिस्सेदारी				
-इक्विटी घटक		-		-
-ऋण घटक				
म्युचुअल फंड/आईसीडी		-		-
ऋण		0.06		0.08
जमा एवं प्राप्त्य		95.49		115.86
व्यापार प्राप्तियां		822.40		815.90
नकद और नकद समकक्ष		379.97		160.97
अन्य बैंक शेष		90.14		40.14
		-		-
वित्तीय देनदारियां		-		-
उधारी		-		-
व्यापार देनदारियां		145.33		150.94
सुरक्षा जमा और बयाना राशि		100.66		96.05
अन्य देनदारियां		60.80		56.68

ख. उचित मूल्य पदानुक्रम

परिशोधित लागत पर मापा जाता है और जिसके लिए वित्तीय विवरणों में उचित मूल्यों का खुलासा किया जाता है। उचित मूल्य निर्धारित करने में उपयोग किए जाने वाले इनपुट की विश्वसनीयता के बारे में संकेत प्रदान करने के लिए, समूह ने अपने वित्तीय उपकरणों को लेखांकन मानक के तहत निर्धारित तीन स्तरों में वर्गीकृत किया है। प्रत्येक स्तर का स्पष्टीकरण तालिका के नीचे दिया गया है।

(₹ करोड़ में)

वित्तीय संपत्ति और देनदारियां उचित मूल्य पर मापी गईं	31 मार्च 2023			31 मार्च 2022		
	लेवल I	लेवल II	लेवल III	लेवल I	लेवल II	लेवल III
FVTPL पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
निवेश :	-	-	-	-	-	-
म्यूचुअल फंड/आईसीडी	-	-	-	-	-	-
वित्तीय देनदारियाँ						
यदि कोई वस्तु	-	-	-	-	-	-

(₹ करोड़ में)

वित्तीय संपत्तियों और देनदारियों को परिशोधन लागत पर मापा जाता है जिसके लिए उचित मूल्यों का खुलासा किया जाता है।	31 मार्च 2023			31 मार्च 2022		
	लेवल I	लेवल II	लेवल III	लेवल I	लेवल II	लेवल III
FVTPL पर वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
निवेश :			-			-
प्रक्रिया के कर्ता - धर्ता						
-इक्विटी घटक						
-ऋण घटक						
-अन्य निवेश			-			-
ऋण			0.06			0.08
जमा एवं प्राप्त			95.49			115.86
व्यापार प्राप्तियाँ			822.40			815.90
नकद और नकद समकक्ष			379.97			160.97
अन्य बैंक शेष			90.14			40.14
			-			-
वित्तीय देनदारियाँ			-			-
उधारी			-			-
व्यापार देनदारियाँ			145.33			150.94
सुरक्षा जमा और बयाना राशि			100.66			96.05
अन्य देनदारियाँ			60.80			56.68

स्तर 1: स्तर 1 सोपानक्रम में वित्तीय इंस्ट्रूमेंट की माप उल्लेखित मूल्य का उपयोग कर मापी जाती है। इसमें म्यूचुअल फंड, जिसका कोटेड मूल्य है और जो क्लोजिंग एनएवी का उपयोग कर मूल्यांकित की जाती है।

स्तर 2: वित्तीय इंस्ट्रूमेंट की फेयर वैल्यू जिसे सक्रिय बाजार में ट्रेड नहीं किया जाता है को वैल्यूएशन तकनीक जो ऑब्जर्वेबल मार्केट डाटा का उपयोग मैक्सिमाइज कर तथा इनटि-स्पेसिफिक एस्टीमेट पर कुछ संभव का निर्धारण किया जाता है। फेयर वैल्यू का इंस्ट्रूमेंट जो ऑब्जर्वेशन के योग्य है, को सभी महत्वपूर्ण इनपुट की आवश्यकता होती है वैसे इंस्ट्रूमेंट को स्तर 2 में शामिल किया जाता है।

स्तर 3: यदि महत्वपूर्ण इनपुट का एक या अधिक ऑब्जर्वेबल मार्केट पर आधारित नहीं है तो इंस्ट्रूमेंट को स्तर 3 में शामिल किया जाता है। इक्विटी सिक्युरिटी, प्रिफरेंस शेयर, उधारी, सिक्युरिटी डिपॉजिट, लोन, पेशागत प्राप्त, नकद एवं नकद तुल्य और अन्य देयताओं/परिसंपत्तियों का यह मामला है जिसे स्तर 3 में शामिल किया गया है।

ग) फेयर वैल्यू के निर्धारण में प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक:

वैल्यू फायनांसियल इंस्ट्रूमेंट के लिए प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक में शामिल है:

- म्युचुअल फंडों में निवेश के संबंध में उल्लिखित बाजार मूल्य (NAV) का उपयोग

घ) महत्वपूर्ण अनावश्यक इनपुट की सहायता से फेयर वैल्यू की गणना:

वर्तमान में महत्वपूर्ण अनावश्यक इनपुट की सहायता से फेयर वैल्यू की गणना नहीं किया जाता है।

ड.) एमोर्टाइज्ड लागत पर वित्तीय परिसंपत्ति का फेयर वैल्यू एवं देयताओं की गणना:

- पेशागत वसूली, अल्पकालीन जमा, नकद और नकद समतुल्य, पेशागत देय का कैरिंग अमाउण्ट (वहनीय राशि) को उसके उचित मूल्य पर समान माना गया है, क्योंकि उसकी प्रकृति अल्पकालीन होती है।
- कंपनी का विचार है कि सिक्युरिटी डिपॉजिट को महत्वपूर्ण फाइनेंसिंग कम्पोनेंट में शामिल नहीं किया गया है। कंपनी के कार्यनिष्पादन सहित माइन स्टोन पेमेंट (सिक्युरिटी डिपॉजिट) का समन्वय करता है और वित्त के प्रावधान के अलावे अन्य कारणों के लिए रिटेंड किए जाने वाली अपेक्षित राशि का करार करता है। प्रत्येक माइन स्टोन पेमेंट के स्पेसिफाइड प्रतिशत के विद होल्डिंग के लिए करार के तहत अपने ओबलिगेशन को पूरा करने में ठेकेदार असमर्थ होता है तो कंपनी के हित के लिए माइन स्टोन पेमेंट किया जाता है। तदनुसार सिक्युरिटी डिपॉजिट के लेनदेन की लागत को शुरुआती रिकोगनिशन के फेयर वैल्यू और अमोर्टाइज्ड लागत माप पर फेयर वैल्यू पर विचार किया गया है।

महत्वपूर्ण आकलन: वित्तीय इंस्ट्रूमेंट का फेयर वैल्यू जिसे एक्टिव मार्केट में ट्रेड नहीं किया जाता है, को मूल्यांकन तकनीकी का उपयोग कर निर्धारित किया जाता है। कंपनी मेथड का चयन करने के लिए अपने जजमेंट का उपयोग करती है और प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि के अंत में उपयुक्त एजम्पसन बनाती है।

2. वित्तीय जोखिम प्रबंधन

वित्तीय जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य और नीति:

कंपनी के प्रमुख वित्तीय दायित्वों में व्यापार और अन्य भुगतान शामिल हैं। इस वित्तीय देयता का मुख्य ध्येय कंपनी के परिचालन के लिए वित्त और इसके संचालन के सपोर्ट में गारंटी, उपलब्ध कराना है। कंपनी के मुख्य वित्तीय परिसंपत्ति में ऋण, पेशा और अन्य प्राप्त तथा नकद एवं नकद तुल्यमान शामिल है जो सीधे इसके परिचालन से संबंधित है।

कंपनी बाजार जोखिम, क्रेडिट रिस्क और तरलता जोखिम को बतलाता है। कंपनी के वरीय प्रबंधन इस जोखिम प्रबंधन की देख-रेख करता है। कंपनी के वरीय प्रबंधन को जोखिम समिति द्वारा सपोर्ट किया जाता है जो कंपनी के लिए उपर्युक्त वित्तीय जोखिम प्रशासन फ्रेमवर्क तथा वित्तीय जोखिम पर सलाह और इंटर एलिया देता है। जोखिम समिति निदेशक मंडल को यह आश्वासन देती है कि कंपनी का वित्तीय जोखिम कार्य-कलाप समुचित नीति और प्रक्रिया द्वारा शासित होती है तथा वित्तीय जोखिम कंपनी की नीति और जोखिम के उद्देश्य के अनुरूप चिन्हित मापित और मैनेज किया जाता है। निदेशक मंडल इसकी समीक्षा करता है और इन जोखिमों के प्रत्येक के लिए मैनेज करने की नीति पर सहमत होता है, जिसे नीचे दिया जा रहा है:

यह टिप्पणी जोखिम के स्रोतों को व्यक्त करता है, जिसे इनटिटि प्रकट होती है और यह बतलाती है कि इनटिटि जोखिम को कैसे मैनेज करता है और वित्तीय विवरण में हेज एकाउन्टिंग पर क्या प्रभाव पड़ेगा को बतलाता है।

जोखिम	से उत्पन्न होने वाला एक्सपोजर	माप	प्रबंध
ऋण जोखिम	नकद और नकद समतुल्य, व्यापार प्राप्त वित्तीय परिसंपत्ति, परिशोधन लागत पर मापी गई	एजिंग का विश्लेषण/ क्रेडिट विश्लेषण	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश) बैंक जमा, क्रेडिट सीमा और अन्य प्रतिभूतियों का विविधीकरण
तरलता जोखिम	उधार और अन्य देनदारियाँ	आवधिक नकदी प्रवाह	प्रतिबद्ध क्रेडिट लाइनों और उधार सुविधाओं की उपलब्धता
बाज़ार जोखिम- विदेशी मुद्रा	भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन, मान्यता प्राप्त वित्तीय संपत्तियां और देनदारियां भारतीय रुपये में अंकित नहीं हैं	नकदी प्रवाह पूर्वानुमान संवेदनशीलता विश्लेषण	वरिष्ठ प्रबंधन और लेखापरीक्षा समिति द्वारा नियमित निगरानी और समीक्षा।
बाज़ार जोखिम- ब्याज दर	नकद और नकद समकक्ष, बैंक जमा और म्यूचुअल फंड	नकदी प्रवाह पूर्वानुमान संवेदनशीलता विश्लेषण	सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई दिशानिर्देश), वरिष्ठ प्रबंधन और लेखापरीक्षा समिति द्वारा नियमित निगरानी और समीक्षा।

कंपनी जोखिम प्रबंधन, भारत सरकार द्वारा जारी डीपीई के निर्देशानुसार निदेशक मंडल द्वारा संपन्न किया जाएगा। बोर्ड एक्सेस तरलता को शामिल करने की नीति के साथ-साथ समग्र जोखिम प्रबंधन के लिए लिखित सिद्धांत (प्रिंसिपल) उपलब्ध कराता है।

क. क्रेडिट जोखिम: क्रेडिट जोखिम तब उत्पन्न होता है जब एक प्रतिपक्षीय अनुबंध पर कंपनी को वित्तीय नुकसान होता है।

क्रेडिट की अपेक्षित हानि : कंपनी संदेहास्पद/क्रेडिट इम्पेयर्ड परिसंपत्तियों के लिए क्रेडिट की अपेक्षित हानि क्रेडिट की अपेक्षित हानियों के जीवनकाल द्वारा उपलब्ध कराती है (सरलीकृत दृष्टिकोण)।
नोट संख्या.13 का सन्दर्भ लिया जाए, व्यापार प्राप्त

वित्तीय परिसंपत्ति के महत्वपूर्ण लागत और जजमेंट्स इम्पेयरमेंट

उपर्युक्त में दर्शित वित्तीय परिसंपत्ति के लिए इम्पेयरमेंट प्रावधान रिस्क ऑफ डिफाल्ट और संभावित हानि पर के जोखिम में छूट के आधार पर है। कंपनी इन छूट के लिए जजमेंट और इम्पेयरमेंट की गणना के इनपुट का चयन कंपनी के विगत इतिहास-वर्तमान बाजार की स्थिति तथा प्रत्येक रिपोर्टिंग अवधि की समाप्ति पर अग्रिम लागत पर आधारित होता है।

ख. तरलता जोखिम:

विश्वसनीय तरलता जोखिम प्रबंधन में आवलीगेशनस जब बकाया हो को पूरा करने के लिए कमिटेड क्रेडिट सुविधा के द्वारा कोष की उपलब्धता और बाजार योग्य सिक्यूरिटी तथा पर्याप्त नकद शामिल है। अंडर लाईंग व्यवसाय, ग्रुप ट्रेजरी की डायनमिक प्रकृति के कारण कमिटेड क्रेडिट लाइन्स के तहत उपलब्धता को बनाकर कोष में लचीलापन बनाए रखना है।

प्रबंधन भावी नकद प्रवाह के आधार पर नकद और नकद समतुल्य के कंपनी तरलता स्थिति (कम्प्राइजिंग द अंडर ड्रान बॉरेविंग फेसिलिटी बिलो) के पूर्वानुमान का मानीटर करता है। यह आम तौर पर कंपनी द्वारा प्रैक्टिस और लिमिट सेट के अनुसार ग्रुप के परिचालित कंपनियों में स्थानीय स्तर पर संपन्न किया जाता है।

ग) बाजार जोखिम:**क. विदेशी करेंसी जोखिम:**

विदेशी मुद्रा जोखिम; भविष्य के वाणिज्यिक लेन-देन और एक मुद्रा में पहचानी गई परिसंपत्तियों या वर्णित देयताएँ हैं जो कि कंपनी की कार्यशील मुद्रा नहीं है ;आईएनआरद्ध। कंपनी विदेशी मुद्रा लेनदेन से उत्पन्न होने वाले विदेशी मुद्रा जोखिम के प्रति सुगम्य है। विदेशी ऑपरेशन के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम को महत्वहीन माना जाता है। कंपनी आयात भी करती है और जोखिम का प्रबंधन नियमित जाँच द्वारा किया जाता है। कंपनी की एक नीति है जिसे तब लागू किया जाता है जब विदेशी मुद्रा जोखिम महत्वपूर्ण हो जाता है।

ख. नकद प्रवाह और फेयर वैल्यू इंटररेस्ट रेट रिस्क

कैशफ्लो इंटररेस्ट रेट जोखिम कंपनी के ब्याज दर में परिवर्तन के साथ ही बैंक डिपॉजिट से होता है। कंपनी की पॉलिसी फिक्सड रेट पर अधिकांश डिपॉजिट को बनाए रखना है। बैंक डिपॉजिट क्रेडिट लिमिट और अन्य सिक्यूरिटी के विविधिकरण, डिपार्टमेंट ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेज के दिशा-निर्देश का उपयोग कर जोखिम को मैनेज करता है।

पूँजीगत प्रबंधन:

कंपनी सरकारी एनटीटी होने के कारण अपनी पूँजी को वित्त मंत्रालय के तहत पब्लिक एसेट मैनेजमेंट और डिपार्टमेंट ऑफ इनवेस्टमेंट के दिशा-निर्देश के अनुसार मैनेज करती है।

कंपनी की पूँजीगत संरचना इस प्रकार है:

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023	31.03.2022
इक्विटी शेयर कैपिटल	142.80	142.80
प्रिफरेंस शेयर कैपिटल	NIL	NIL
दीर्घकालीन ऋण	NIL	NIL

3. कर्मचारी लाभ: पहचार और मापन (आईएनडी एस-19)

परिभाषित लाभ योजनाएं:

क) ग्रेच्युटी:

ग्रेच्युटी प्रदान करने के लिए कंपनी, एक रोजगार के बाद परिभाषित लाभ योजना ("ग्रेच्युटी योजना") के पात्र कर्मचारियों को कवर करती है। ग्रेच्युटी योजना पूरी तरह से भारतीय जीवन बीमा निगम के ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित है, जिसमें नियोक्ता का योगदान मूल वेतन और महंगाई भत्ते का 2.01% है। प्रत्येक कर्मचारी जिसने 5 वर्ष या उससे अधिक की निरंतर सेवा की है, सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों के वेतन के बराबर ग्रेच्युटी राशि प्राप्त करने का हकदार है (एक महीने में 15 दिन 26 दिन 'अंतिम आहरित वेतन और महंगाई भत्ता' सेवा के पूर्ण वर्ष) ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972 के संशोधित प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए कंपनी से अलग होने के समय अधिकतम 0.20 करोड़ रुपये के अधीन। ग्रेच्युटी योजना के संबंध में बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त देयता या परिसंपत्ति रिपोर्टिंग अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य है, जिसमें से योजना संपत्ति का उचित मूल्य कम है। परिभाषित लाभ दायित्व की गणना प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके बीमांकिक द्वारा की जाती है। अनुभव समायोजन और बीमांकिक मान्यताओं में परिवर्तन से उत्पन्न होने वाले पुनः माप लाभ और हानियों को उस वर्ष में मान्यता दी जाती है जिसमें वे सीधे अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में होते हैं।

ख) सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा लाभ योजना- अधिकारी

कंपनी के पास सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा लाभ योजना है जिसे बप्स और उसकी सहायक कंपनियों के अधिकारियों के लिए अंशदायी सेवानिवृत्ति पश्चात चिकित्सा योजना ;ब्लडैम्बुध के रूप में जाना जाता है, जो केवल भारत में कंपनी के अस्पताल पैनल में शामिल अस्पतालों या आउट पेशेंट अधिवास में अधिकारियों और उनके जीवनसाथी को अधिकतम सीमा तक चिकित्सा देखभाल प्रदान करती है, सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति के कारण या चिकित्सा आधार पर कंपनी द्वारा अलग किया जाता है या समय-समय पर लागू और लागू होने वाली सामान्य कोयला संवर्ग या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत सेवानिवृत्ति होने पर इसकी सदस्यता दी जाती है। सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों की सेवाओं से इस्तीफा देने वाले अधिकारियों को सदस्यता नहीं दी जाती है। बिना किसी ऊपरी सीमा के निर्दिष्ट बीमारियों को छोड़कर, संयुक्त रूप से या अलग-अलग साथ में लिए गए सेवानिवृत्त अधिकारियों और पति या पत्नी के लिए पूरे जीवन के दौरान प्रतिपूर्ति योग्य अधिकतम राशि 25 लाख रुपये है। इस योजना को केवल इस उद्देश्य के लिए समूह स्तर पर सीआईएल द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर योजना के लिए देयता की पहचान की जाती है।

ग) सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा लाभ योजना- कर्मचारी (CPRMS-NE)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक भाग के रूप में, कंपनी कर्मचारियों और उनके पति या पत्नी और दिव्यांग बच्चे (बच्चों) को कंपनी अस्पताल में चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के लिए गैर-कार्यकारियों (सीपीआरएमएसई-एनई) के लिए अंशदायी पोस्ट-रिटायरमेंट मेडिकेयर योजना प्रदान कर रही है जो केवल भारत में कंपनी के अस्पताल पैनल में शामिल अस्पतालों या आउट पेशेंट अधिवास में अधिकारियों और उनके जीवनसाथी को अधिकतम सीमा तक चिकित्सा देखभाल प्रदान करती है, सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्ति के कारण या चिकित्सा आधार पर कंपनी द्वारा अलग किया जाता है या समय-समय पर लागू और लागू होने वाली सामान्य कोयला संवर्ग या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के तहत सेवानिवृत्ति होने पर या कंपनी से 57 वर्ष या उससे अधिक की आयु में इस्तीफा देता है या पति या पत्नी और दिव्यांग बच्चे (बच्चों) की मृत्यु पर इसकी सदस्यता दी जाती है। सेवानिवृत्त गैर-कार्यकारियों, पति या पत्नी और दिव्यांग बच्चे (बच्चों) के लिए पूरे जीवन के दौरान प्रतिपूर्ति योग्य अधिकतम राशि बिना किसी ऊपरी सीमा के निर्दिष्ट बीमारियों को छोड़कर, संयुक्त रूप से या अलग-अलग 8 लाख रुपये है। इस योजना का वित्तपोषण केवल इस उद्देश्य के लिए समूह स्तर पर सीआईएल द्वारा बनाए गए ट्रस्ट के माध्यम से किया जाता है। प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर किए गए बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर योजना के लिए देयता की पहचान की जाती है।

परिभाषित अंशदान योजनाएं:

क) भविष्य निधि और पेंशन

कंपनी योग्य कर्मचारी के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत के आधार पर पूर्व निर्धारित दरों पर भविष्य निधि और पेंशन कोष के लिए निश्चित योगदान का भुगतान करती है अर्थात मूल वेतन का 12% और 7% क्रमशः भविष्य निधि और पेंशन कोष के लिए महंगाई भत्ता नामक एक अलग ट्रस्ट को कोयला खान भविष्य निधि (सीएमपीएफ)। इस अवधि के दौरान निधि में योगदान का उल्लेख लाभ और हानि विवरण में किया गया है।

ख) सीआईएल अधिकारियों के परिभाषित अंशदान पेंशन योजना (एनपीएस)

कंपनी, कंपनी के अधिकारियों को रोजगार के बाद अंशदायी पेंशन योजना प्रदान करती है जिसे "सीआईएल कार्यकारी परिभाषित अंशदान पेंशन योजना -2007" (नई पेंशन योजना "एनपीएस" के रूप में जाना जाता है) के रूप में जाना जाता है। एनपीएस को इस उद्देश्य के लिए गठित समूह स्तर पर अलग ट्रस्ट के माध्यम से प्रशासित किया जा रहा है। कंपनी का दायित्व ट्रस्ट में मूल वेतन और महंगाई भत्ते के 30% से अधिक की राशि तक योगदान करना है, जिसमें भविष्य निधि, ग्रेच्युटी, सेवानिवृत्ति के बाद के चिकित्सा लाभ-कार्यकारी यानी सीपीआरएमएसई या किसी अन्य सेवानिवृत्ति लाभ के लिए नियोक्ता का योगदान शामिल है। मूल और महंगाई भत्ते के 6.99% के वर्तमान नियोक्ता योगदान को लाभ और हानि के विवरण के लिए प्रभारित किया जा रहा है।

अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ

क) अवकाश नकदीकरण

ख)कंपनी कंपनी के अधिकारियों को 30 दिनों की कुल अर्जित छुट्टी (ईएल) और 20 दिनों के आधे भुगतान अवकाश (एचपीएल) का लाभ प्रदान करती है, जो हर साल जनवरी और जुलाई के पहले दिन अर्धवार्षिक आधार पर अर्जित और जमा किया जाता है। . सेवा के दौरान, 75% ईएल जमा शेष राशि प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में एक बार भुनाई जा सकती है, जो अधिकतम 60 दिनों के ईएल नकदीकरण की सीमा के अधीन है। संचित एचपीएल को सेवा की अवधि के दौरान नकदीकरण की अनुमति नहीं है। सेवानिवृत्ति पर, ईएल और एचपीएल को एक साथ नकदीकरण के लिए माना जाता है, जो एचपीएल के कम्यूटेशन के बिना 300 दिनों की समग्र सीमा के अधीन है। कर्मचारियों के मामले में, छुट्टी नकदीकरण राष्ट्रीय कोयला मजदूरी समझौते (एनसीडब्ल्यूए) द्वारा शासित है और वर्तमान में कामगार प्रति वर्ष 15 दिनों की दर से अर्जित अवकाश का नकदीकरण प्राप्त करने के हकदार हैं जब तक मृत्यु, सेवानिवृत्ति, सेवानिवृत्ति और वीआरएस के कारण के कारण सेवा बंद नहीं हो जाती है, शेष अवकाश या 150 दिन जो भी कम हो, को भुनाने की अनुमति है। इसलिए, अर्जित छुट्टी के लिए देनदारियों को सेवा के दौरान और साथ ही कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के बाद निपटाने की उम्मीद है। इसलिए उन्हें अनुमानित यूनिट क्रेडिट पद्धति का उपयोग करके रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक कर्मचारियों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में किए जाने वाले अपेक्षित भविष्य के भुगतान के वर्तमान मूल्य के रूप में मापा जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बाजार प्रतिफल का उपयोग करके लाभों को छूट दी जाती है, जिसमें संबंधित दायित्व की शर्तों के अनुसार शर्तें होती हैं।

ख) जीवन बीमा योजना (LCS)

वेतन समझौते के तहत सामाजिक सुरक्षा योजना के एक हिस्से के रूप में, कंपनी के पास जमा लिंक बीमा योजना, 1976 के तहत जीवन बीमा योजना है, जिसे श्रम मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किया गया है, जिसे "कोल इंडिया लिमिटेड की लाइफ कवर योजना" (एलसीएस) के रूप में जाना जाता है। योजना के तहत 01.10.2017 से 1,25,000 रुपये की राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के तहत देयता प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार कंपनी द्वारा वहन की जाती है।

ग) निपटान भत्ता

वेतन समझौते के हिस्से के रूप में, एनसीडब्ल्यूए के तहत शासित सभी गैर-कार्यकारी कैडर कर्मचारियों को 31.10.2010 को या उसके बाद सेवानिवृत्ति भत्ते के रूप में 12000/- रुपये की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के लिए देयता को प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

घ) समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा (GPAIS)

कंपनी ने "कोल इंडिया एक्जीक्यूटिव्स ग्रुप पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस स्कीम" (जीपीएआईएस) के रूप में जानी जाने वाली व्यक्तिगत दुर्घटना के खिलाफ कंपनी के अधिकारियों को कवर करने के लिए यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से समूह बीमा योजना ली है। GPAIS दुनिया भर में 24 घंटे के आधार पर सभी प्रकार की दुर्घटनाओं को कवर करता है। योजना का प्रीमियम कंपनी द्वारा वहन किया जाता है।

इ) अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी)

वेतन समझौते के एक भाग के रूप में कर्मचारी 4 साल के ब्लॉक में एक बार अपने गृह नगर और "भारत भ्रमण" के लिए यात्रा सहायता के हकदार हैं। होम टाउन और "भारत भ्रमण" का दौरा करने के लिए क्रमशः रु 8000 / - और रु 12000 / - की एकमुश्त राशि का भुगतान किया जाता है। योजना के लिए देयता को प्रत्येक बैलेंस शीट तिथि पर बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर पहचाना जाता है।

परिभाषित लाभ योजनाओं और अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाओं की वित्तीय स्थिति निम्नानुसार है:

(i) निधित

- ग्रेच्युटी
- अवकाश नकदीकरण
- सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - कार्यकारी (सीपीआरएमएसई)
- सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ - गैर कार्यकारी (सीपीआरएमएस-एनई)

(ii) गैर-निधि

- जीवन बीमा योजना
- निपटान भत्ता
- समूह व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा
- यात्रा रियायत भत्ता

बीमांकिक द्वारा किए गए मूल्यांकन के आधार पर 31.03.2023 को कुल देनदारी, जिसका विवरण नीचे दिया गया है।

(₹ करोड़ में)

मद	01.04.2022 को ओपनिंग एक्चुरियल देयता	वर्ष के दौरान इनक्रीमेंटल देयता	31.03.2023 को क्लोजिंग एक्चुरियल देयता
उपदान	162.86	(7.86)	155.00
अवकाश अधिकारी	81.02	3.60	84.62
अवकाश कर्मचारी	20.00	4.00	24.00
सेटलमेंट अलाउंस अधिकारी	3.95	(0.10)	3.85
सेटलमेंट अलाउंस कर्मचारी	0.50	(0.06)	0.44
अवकाश यात्रा रियायत	1.78	0.68	2.46
चिकित्सा लाभ अधिकारी	88.09	(25.97)	62.12
चिकित्सा लाभ कर्मचारी	26.66	(0.46)	26.20
कुल	384.86	(26.17)	358.69

**31.03.2023 तक ग्रेच्युटी देनदारी का बीमांकिक मूल्यांकन
IND AS 19 (2015) के अनुसार प्रमाणपत्र**

तालिका 1:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क. लाभ और हानि (पी एंड एल)	31.03.2023
14.87	वर्तमान सेवा लागत	4.90
-	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-
-	कटौती लागत / (क्रेडिट)	-
-	निपटान लागत / (क्रेडिट)	-
14.87	सेवा लागत	4.90
5.64	शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	2.07
-	(लाभ)/नुकसान की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
20.51	लागत को P&L में मान्यता दी गई	6.97

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	31.03.2023
(11.37)	डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	11.00
0.72	डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(7.44)
(10.65)	अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	3.56
(0.18)	योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (अधिक)/छूट दर से कम	(0.70)
(10.83)	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/हानि	2.86

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ग: परिभाषित लाभ लागत	31.03.2023
14.87	सेवा लागत	4.90
5.64	शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	2.07
(10.83)	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/हानि	2.86
-	(लाभ)/नुकसान की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
9.67	परिभाषित लाभ लागत	9.83

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	घ: के रूप में धारणाएँ	31.03.2023
कार्यकारी: 9%	छूट की दर	7.30%
गैर-कार्यकारी: 6.25%	वेतन वृद्धि की दर	कार्यकारी: 9% गैर-कार्यकारी: 6.25%

तालिका 2:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क: नेट बैलेंस शीट स्थिति का विकास	31.03.2023
(162.86)	परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ)	(155.00)
96.35	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (एफवीए)	150.83
(66.51)	वित्तपोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(4.17)
-	परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-
(66.51)	शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)	(4.17)

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: नेट बैलेंस शीट स्थिति का समाधान	31.03.2023
(107.82)	पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)।	(66.51)
(14.87)	सेवा लागत	(4.90)
(5.64)	देनदारी / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(2.07)
10.83	ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	(2.86)
50.00	नियोक्ता का योगदान	72.17
0.99	लाभ का भुगतान सीधे कंपनी द्वारा किया जाता है	-
-	अधिग्रहण क्रेडिट/ (लागत)	-
-	divestitures	-
-	समाप्ति लाभ की लागत	-
(66.51)	वर्तमान अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)	(4.17)

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ग: इस प्रकार की मान्यताएँ:	31.03.2023
6.80%	छूट की दर	7.30%
कार्यकारी: 9%	वेतन वृद्धि की दर	कार्यकारी: 9%
गैर कार्यकारी :6.25%		गैर कार्यकारी :6.25%

तालिका 3:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क: परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ) में परिवर्तन	31.03.2023
177.85	पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	162.86
14.87	वर्तमान सेवा लागत	4.90
11.14	डीबीओ पर ब्याज लागत	10.17
-	कटौती (क्रेडिट)/लागत	-
-	निपटान (क्रेडिट)/ लागत	-
-	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-

-	अधिग्रहण (क्रेडिट)/ लागत	-
(11.36)	बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	11.00
-	बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएँ	-
0.72	बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	(7.44)
(0.99)	लाभ का भुगतान सीधे कंपनी द्वारा किया जाता है	-
(29.37)	योजना परिसंपत्तियों से भुगतान किया गया लाभ	(26.49)
162.86	अवधि के अंत में डी.बी.ओ	155.00

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन	31.03.2023
70.03	पिछली अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	96.35
-	अधिग्रहण समायोजन	-
5.50	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	8.10
50	नियोक्ता का योगदान	72.17
0.19	योजना परिसंपत्तियों पर छूट दर से अधिक/(कम) रिटर्न	0.70
(29.37)	लाभ का भुगतान किया गया	(26.49)
96.35	वर्तमान अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	150.83

तालिका 4: अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

(₹ करोड़ में)

क. समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान	
31 मार्च 2024	19.05
31 मार्च 2025	22.93
31 मार्च 2026	17.50
31 मार्च 2027	13.07
31 मार्च 2028	11.62
31 मार्च 2029 से 31 मार्च 2033 तक	43.44
10 वर्ष से अधिक	278.28
बी. 31 मार्च 2024 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अपेक्षित नियोक्ता योगदान	4.89
सी. परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	10 वर्ष
डी. 31 मार्च 2023 को उपार्जित लाभ दायित्व	113.56
ई. 31 मार्च 2023 तक योजना संपत्ति की जानकारी	Percentage
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ (केंद्रीय और राज्य)	0.00%
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बांड (सार्वजनिक क्षेत्र के बांड सहित)	0.00%
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	0.00%
संपत्ति	0.00%

नकद (विशेष जमा सहित)	0.00%
बीमा की योजनाएँ - पारंपरिक उत्पाद	100.00%
बीमा की योजनाएँ - यूलिप उत्पाद	0.00%
अन्य	0.00%
एफ. 31 मार्च 2023 तक वर्तमान और गैर-वर्तमान देयता ब्रेकअप	
वर्तमान में दायित्व	18.39
गैर-वर्तमान दायित्व	136.61
31 मार्च 2023 तक देयता	155.00

तालिका 5: प्रकटीकरण मद

संवेदनशीलता का विश्लेषण	31.03.2023
छूट की दर	बढ़ोतरी
31 मार्च 2023 तक छूट दर	7.30%
डिस्काउंट रेट में 0.5 फीसदी बढ़ोतरी से डीबीओ पर असर	(6.76)
प्रतिशत प्रभाव	(4)%
डिस्काउंट रेट में 0.5 फीसदी की कमी से डीबीओ पर असर	7.44
प्रतिशत प्रभाव	5%

वेतन वृद्धि दर	बढ़ोतरी
31 मार्च 2023 तक वेतन वृद्धि दर	अधिकारी: 9% कर्मचारी: 6.25%
वेतन वृद्धि दर में 0.5% की बढ़ोतरी से डीबीओ पर असर	3.46
प्रतिशत प्रभाव	2%
वेतन वृद्धि दर में 0.5% की कमी से डीबीओ पर असर	(3.37)
प्रतिशत प्रभाव	(2)%

31.03.2023 तक अवकाश लाभ योजना का बीमांकिक मूल्यांकन
IND AS 19 (2015) के अनुसार प्रमाणपत्र

तालिका 1:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क. लाभ और हानि (पी एंड एल)	31.03.2023
15.18	वर्तमान सेवा लागत	16.41
-	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-
-	कटौती लागत / (क्रेडिट)	-
-	निपटान लागत / (क्रेडिट)	-
15.18	सेवा लागत	16.41
2.81	शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(0.14)
(4.21)	(लाभ)/नुकसान की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	5.39
13.78	लागत को P&L में मान्यता दी गई	21.67

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	31.03.2023
(4.71)	डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	12.18
0.59	डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(6.50)
(4.13)	अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	5.68
(0.08)	योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (अधिक)/छूट दर से कम	(0.29)
-	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/हानि	-

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ग: परिभाषित लाभ लागत	31.03.2023
15.18	सेवा लागत	16.41
2.81	शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(0.14)
-	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/हानि	-
(4.21)	(लाभ)/नुकसान की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	5.39
13.78	परिभाषित लाभ लागत	21.67

31.03.2022	घ: इस प्रकार की मान्यताएँ:	31.03.2023
6.85%	छूट की दर	7.30%
अधिकारी: 9% कर्मचारी: 6.25%	वेतन वृद्धि की दर	अधिकारी: 9% कर्मचारी: 6.25%

तालिका 2:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क: नेट बैलेंस शीट स्थिति का विकास	31.03.2023
(101.02)	परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ)	(108.63)
92.75	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (एफवीए)	99.35
(8.27)	वित्तपोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(9.27)
-	परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-
(8.27)	शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)	(9.27)

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: नेट बैलेंस शीट स्थिति का समाधान	31.03.2023
(87.47)	पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)।	(8.27)
(15.19)	सेवा लागत	(16.41)
(2.81)	देनदारी / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	0.14
4.21	बीमांकिक (हानि)/लाभ	(5.39)
72.00	नियोक्ता का योगदान	20.66
20.97	लाभ का भुगतान सीधे कंपनी द्वारा किया जाता है	-
-	अधिग्रहण क्रेडिट/ (लागत)	-
-	divestitures	-
-	समाप्ति लाभ की लागत	-
(8.27)	वर्तमान अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)।	(9.27)

31.03.2022	ग: इस प्रकार की मान्यताएँ:	31.03.2023
6.80%	छूट की दर	6.80%
कार्यकारी: 9% गैर कार्यकारी :6.25%	वेतन वृद्धि की दर	कार्यकारी: 9% गैर कार्यकारी :6.25%

तालिका 3:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क: परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ) में परिवर्तन	31.03.2023
104.50	पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	101.02
15.18	वर्तमान सेवा लागत	16.42
6.44	डीबीओ पर ब्याज लागत	6.17
-	कटौती (क्रेडिट)/लागत	-
-	निपटान (क्रेडिट)/ लागत	-
-	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-

-	अधिग्रहण (क्रेडिट)/ लागत	-
(4.72)	बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	12.18
-	बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएँ	-
0.59	बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	(6.50)
(20.97)	लाभ का भुगतान सीधे कंपनी द्वारा किया जाता है	-
-	योजना परिसंपत्तियों से भुगतान किया गया लाभ	(20.66)
101.02	अवधि के अंत में डी.बी.ओ	108.63

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख:संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन	31.03.2023
17.04	पिछली अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	92.75
-	अधिग्रहण समायोजन	-
3.63	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	6.31
72	नियोक्ता का योगदान	20.66
0.08	योजना परिसंपत्तियों पर छूट दर से अधिक/(कम) रिटर्न	0.29
-	लाभ का भुगतान किया गया	(20.66)
92.75	वर्तमान अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	99.35

तालिका 4: अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

(₹ करोड़ में)

क. समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान	
31 मार्च 2024	8.86
31 मार्च 2025	12.58
31 मार्च 2026	12.08
31 मार्च 2027	6.72
31 मार्च 2028	9.44
31 मार्च 2029 से 31 मार्च 2033 तक	31.45
10 वर्ष से अधिक	262.21
ख. 31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अपेक्षित नियोक्ता योगदान	
ग. परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	12 वर्ष
घ. 31 मार्च 2023 को उपार्जित लाभ दायित्व	54.91
ड. 31 मार्च 2023 तक योजना संपत्ति की जानकारी	Percentage
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ (केंद्रीय और राज्य)	0.00%
उच्च गुणवत्ता वाले कॉर्पोरेट बांड (सार्वजनिक क्षेत्र के बांड सहित)	0.00%
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	0.00%
संपत्ति	0.00%

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



नकद (विशेष जमा सहित)	0.00%
बीमा की योजनाएँ - पारंपरिक उत्पाद	100.00%
बीमा की योजनाएँ - यूलिप उत्पाद	0.00%
अन्य	0.00%
च. 31 मार्च 2023 तक वर्तमान और गैर-वर्तमान देयता ब्रेकअप	
वर्तमान में दायित्व	8.55
गैर-वर्तमान दायित्व	100.08
31 मार्च 2023 तक देयता	108.63

तालिका 5: प्रकटीकरण मद

(₹ करोड़ में)

संवेदनशीलता का विश्लेषण	31.03.2023
छूट की दर	बढ़ोतरी
31 मार्च 2023 तक छूट दर	7.30%
डिस्काउंट रेट में 0.5 फीसदी बढ़ोतरी से डीबीओ पर असर	(5.86)
प्रतिशत प्रभाव	(5)%
डिस्काउंट रेट में 0.5 फीसदी की कमी से डीबीओ पर असर	6.50
प्रतिशत प्रभाव	6%

वेतन वृद्धि दर	बढ़ोतरी
31 मार्च 2023 तक वेतन वृद्धि दर	कर्मचारी: 9% अधिकारी: 6.25%
वेतन वृद्धि दर में 0.5% की बढ़ोतरी से डीबीओ पर असर	6.40
प्रतिशत प्रभाव	6%
वेतन वृद्धि दर में 0.5% की कमी से डीबीओ पर असर	(5.83)
प्रतिशत प्रभाव	(5)%

31.03.2023 तक सेवानिवृत्ति के बाद चिकित्सा लाभ का बीमांकिक मूल्यांकन

IND AS 19 (2015) के अनुसार प्रमाणपत्र

तालिका 1:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क. लाभ और हानि (पी एंड एल)	31.03.2023
1.28	वर्तमान सेवा लागत	1.37
13.51	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-
-	कटौती लागत / (क्रेडिट)	-
-	निपटान लागत / (क्रेडिट)	-

14.80	सेवा लागत	1.37
4.33	शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	2.77
-	(लाभ)/नुकसान की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
19.12	लागत को P&L में मान्यता दी गई	4.14

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	31.03.2023
(15.12)	डीबीओ अनुभव के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(24.26)
7.19	डीबीओ धारणा परिवर्तन के कारण बीमांकिक (लाभ)/हानि	(4.70)
(7.93)	अवधि के दौरान उत्पन्न बीमांकिक (लाभ)/हानि	(28.96)
(7.89)	योजना परिसंपत्तियों पर रिटर्न (अधिक)/छूट दर से कम	0.14
(15.82)	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/हानि	(28.82)

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ग: परिभाषित लाभ लागत	31.03.2023
14.80	सेवा लागत	1.37
4.33	शुद्ध परिभाषित लाभ दायित्व / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	2.77
(15.82)	ओसीआई में मान्यता प्राप्त बीमांकिक (लाभ)/हानि	(28.82)
-	(लाभ)/नुकसान की तत्काल पहचान - अन्य दीर्घकालिक कर्मचारी लाभ योजनाएं	-
3.30	परिभाषित लाभ लागत	(24.68)

31.03.2022	घ: इस प्रकार की मान्यताएँ:	31.03.2023
6.80%	छूट की दर	7.30%
0.00%	चिकित्सा मुद्रास्फीति दर	0.00%

तालिका 2:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क: नेट बैलेंस शीट स्थिति का विकास	31.03.2023
(114.75)	परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ)	(88.32)
67.86	योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य (एफवीए)	78.48
(46.89)	वित्तपोषित स्थिति [अधिशेष/(घाटा)]	(9.84)
-	परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-
(46.89)	शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)	(9.84)

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: नेट बैलेंस शीट स्थिति का समाधान	31.03.2023
(62.42)	पूर्व अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)।	(46.89)
(14.80)	सेवा लागत	(1.37)
(4.33)	देनदारी / (संपत्ति) पर शुद्ध ब्याज	(2.77)
15.82	ओसीआई में मान्यता प्राप्त राशि	28.82
18.83	नियोक्ता का योगदान	12.37
-	लाभ का भुगतान सीधे कंपनी द्वारा किया जाता है	-
-	अधिग्रहण क्रेडिट/ (लागत)	-
-	divestitures	-
-	समाप्ति लाभ की लागत	-
(46.89)	वर्तमान अवधि के अंत में शुद्ध परिभाषित लाभ परिसंपत्ति/ (देयता)।	(9.84)

31.03.2022	ग: इस प्रकार की मान्यताएँ:	31.03.2023
6.80%	छूट की दर	7.30%
0.00%	चिकित्सा मुद्रास्फीति दर	0.00%

तालिका 3:

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	क: परिभाषित लाभ दायित्व (डीबीओ) में परिवर्तन	31.03.2023
104.13	पूर्व अवधि के अंत में डीबीओ	114.75
1.29	वर्तमान सेवा लागत	1.37
7.69	डीबीओ पर ब्याज लागत	7.58
-	कटौती (क्रेडिट)/लागत	-
-	निपटान (क्रेडिट)/ लागत	-
13.51	पिछली सेवा लागत - योजना संशोधन	-
-	अधिग्रहण (क्रेडिट)/ लागत	-
(15.12)	बीमांकिक (लाभ)/हानि - अनुभव	(24.26)
6.63	बीमांकिक (लाभ)/हानि - जनसांख्यिकीय धारणाएँ	-
0.56	बीमांकिक (लाभ)/हानि - वित्तीय अनुमान	(4.70)
-	लाभ का भुगतान सीधे कंपनी द्वारा किया जाता है	-
(3.94)	योजना परिसंपत्तियों से भुगतान किया गया लाभ	(6.42)
114.75	वर्तमान अवधि के अंत में डी.बी.ओ	88.32

(₹ करोड़ में)

31.03.2022	ख: संपत्ति के उचित मूल्य में परिवर्तन	31.03.2023
41.71	पिछली अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	67.86
-	अधिग्रहण समायोजन	-
3.37	योजना परिसंपत्तियों पर ब्याज आय	4.81
18.83	नियोक्ता का योगदान	12.37
7.89	योजना परिसंपत्तियों पर छूट दर से अधिक/(कम) रिटर्न	(0.14)
(3.94)	लाभ का भुगतान किया गया	(6.42)
67.86	वर्तमान अवधि के अंत में परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	78.48

तालिका 4: अतिरिक्त प्रकटीकरण जानकारी

(₹ करोड़ में)

क. समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अपेक्षित लाभ भुगतान	
31 मार्च 2024	6.19
31 मार्च 2025	6.49
31 मार्च 2026	6.85
31 मार्च 2027	7.06
31 मार्च 2028	7.16
31 मार्च 2029 से 31 मार्च 2033 तक	36.59
10 वर्ष से अधिक	156.35
परिभाषित लाभ दायित्व की भारित औसत अवधि	11 years
31 मार्च 2023 को उपार्जित लाभ दायित्व	88.32

तालिका 5: प्रकटीकरण मद

संवेदनशीलता का विश्लेषण	31.03.2023
छूट की दर	बढ़ोतरी
31 मार्च 2023 तक छूट दर	7.30%
डिस्काउंट रेट में 0.5 फीसदी बढ़ोतरी से डीबीओ पर असर	(4.28)
प्रतिशत प्रभाव	(5)%
डिस्काउंट रेट में 0.5 फीसदी की कमी से डीबीओ पर असर	4.70
प्रतिशत प्रभाव	5%

4. Unrecognised Items:

क) आकस्मिक देयताएं (Indएस-37)

कंपनी के विरुद्ध दावों को ऋण के रूप में स्वीकार नहीं किया गया (ब्याज सहित, जहां भी लागू हो) (₹ करोड़ में)

क्रमांक	ब्यौरा	केंद्र सरकार	राज्य सरकार और अन्य निकाय	सीपीए सई	अन्य	कुल
1	01.04.2022 को ओपनिंग	169.50			4.24	173.74
2	अवधि के दौरान अतिरिक्त	33.42			8.24	41.66
3	इस अवधि के दौरान दावों का निपटारा किया गया	11.53			1.48	13.01
	एक) ओपनिंग बैलेंस से	11.53			1.01	12.54
	बी) समाप्त अवधि के दौरान जोड़ से बाहर	0			0.47	0.47
	सी) समाप्त अवधि के दौरान निपटाए गए कुल दावे (ए+बी)	11.53			1.48	13.01
4	31.03.2023 को समापन	191.39			11.00	202.39

आकस्मिक देयता

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	राशि 31.03.2023 तक	राशि 31.03.2022 तक
1	केंद्र सरकार आयकर केंद्रीय उत्पाद शुल्क स्वच्छ ऊर्जा उपकरण केंद्रीय बिक्री कर सेवा कर अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें) उप कुल	122.36 69.03 191.39	100.47 69.03 169.50
2	राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकारी रॉयल्टी पर्यावरण मंजूरी बिक्री कर/वैट प्रवेश कर विद्युत शुल्क माडा अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें) उप कुल		

3	केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम मध्यस्थता कार्यवाही मुकदमे के तहत कंपनी के खिलाफ मुकदमा अन्य, कृपया निर्दिष्ट करें) उप कुल		
4	अन्य: (यदि कोई हो) मिश्रित उप कुल	11.00 11.00	4.24 4.24
	कुल योग	202.39	173.74

ख) प्रतिबद्धताएं (इंड एस-37)

अन्य के लिए प्रदान नहीं किए गए पूंजी खाते पर निष्पादित किए जाने वाले शेष अनुबंधों की अनुमानित राशि ₹ है 6.77 करोड़ (₹ 6.58 करोड़)।

अन्य प्रतिबद्धताओं की राशि ₹ है 167.49 करोड़ (₹ 152.18 करोड़)।

ग) गारंटी

कंपनी ने ₹ 0.14 करोड़ (₹ 0.14 करोड़) की बैंक गारंटी दी है, जिसके लिए कंपनी की वर्तमान परिसंपत्तियों पर फ्लोटिंग चार्ज है।

5 . अन्य सूचना

क. प्रावधानों

31.03.2023 को बीमांकिक रूप से मूल्यांकित कर्मचारी लाभों से संबंधित प्रावधानों को छोड़कर विभिन्न प्रावधानों की स्थिति और संचलन नीचे दिया गया है:

(₹ करोड़ में)

प्रावधानों	1.04.2022 तक अथशेष	31.03. 2023 को समाप्त अवधि के लिए जोड़ना	31.03.2023 को समाप्त अवधि के लिए राइट बैक/समायोजन	छूट का समापन	31.03. 2023 तक इतिशेष
नोट 1:-संपत्ति, संयंत्र और उपकरण: संपत्ति की अनुपस्थिति :					
नोट 2:- पूंजीगत कार्य प्रगति पर : सीडब्ल्यूआईपी के विरुद्ध:					
नोट 3:- अन्वेषण और मूल्यांकन परिसंपत्तियाँ: प्रावधान और क्षति:					
नोट 1:- बिक्री के लिए रखी गई गैर चालू परिसंपत्तियाँ: प्रावधान :					
नोट 8:- ऋण : अन्य ऋण :					
नोट 9:- अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ: सहायक कंपनियों के साथ चालू खाता: दावा प्राप्य : अन्य प्राप्य :	0.04				0.04

(₹ करोड़ में)

नोट 10:- अन्य गैर-चालू संपत्तियां: खोजपूर्ण ड्रिलिंग कार्य: उपयोगिताओं के लिए सुरक्षा जमा के विरुद्ध:					
नोट 11:- अन्य चालू परिसंपत्तियां: राजस्व के लिए अग्रिम : वैधानिक देय राशि के विरुद्ध अग्रिम भुगतान: अन्य जमा: अन्य प्राप्त्य:	0.20 0.05				0.20 0.05
नोट 12:-इन्वेंटरी: कोयले का भंडार: स्टोर और पुर्जों का स्टॉक:	0.16	0.04			0.20
नोट 13:-व्यापार प्राप्त्य: अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान:	3.35		(0.77)		2.58
नोट 21:- गैर-वर्तमान एवं वर्तमान प्रावधान: प्रदर्शन से संबंधित भुगतान : एनसीडब्ल्यूए: कार्यकारी वेतन संशोधन: मेरा बंद होना: एनपीएस:	84.46 7.20 4.21	65.67 76.67 39.46	(35.78) 0.00 (43.67)		114.35 83.87 -

(ख) अधिकृत शेयर पूंजी

(₹ करोड़ में)

विवरण	दिनांक 31.03.23 को	दिनांक 31.03.22 तक
₹ 1000/- मूल्य के 15,00,000 इक्विटी शेयर	150.00	150.00

(₹ करोड़ में)

	विवरण	दिनांक 31.03.23 को	दिनांक 31.03.22 को
i)	इक्विटी शेयर धारकों को देय कर पश्चात शुद्ध लाभ रुपए (करोड़) में	296.66	282.12
ii)	भारित औसत संख्या. इक्विटी शेयरों का बकाया	1428000	1428000
iii)	प्रति शेयर मूल और पतला आय रुपये में (अंकित मूल्य रु. 1000/- प्रति शेयर)	2077.45	1975.63

घ. संबंधित पक्ष प्रकटीकरण (इंड एस-24)

संबंधित पक्षों की सूची

i) सहयोगी कंपनियाँ

- 1) ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल)
- 2) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल)
- 3) सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)
- 4) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल)

- 5) साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल)
- 6) नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल)
- 7) महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल)
- 8) कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल)---- होल्डिंग कंपनी

रोजगारोत्तर लाभ निधि और अन्य:

- 1) कोल इंडिया कर्मचारी ग्रेच्युटी फंड
- 2) कोयला खान भविष्य निधि (सीएमपीएफ)
- 3) कोल इंडिया सुपरएनुएशन बेनिफिट फंड ट्रस्ट
- 4) गैर-कार्यकारी अधिकारियों के लिए अंशदायी पोस्ट रिटायरमेंट मेडिकेयर योजना संशोधित
- 5) सीआईएल कार्यकारी परिभाषित अंशदान पेंशन ट्रस्ट

iii) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक

नाम	पद	विश्व आर्थिक मंच
मनोज कुमार	अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक	04.10.2021
बी वीरा रेड्डी	अंशकालिक सरकारी निदेशक	24.02.2022
मुकेश चौधरी	अंशकालिक सरकारी निदेशक	26.05.2020 से 07.12.2022 तक
आरएन झा	निदेशक तकनीकी	30.01.2019
सतेन्द्र कुमार गोमस्ता	निदेशक तकनीकी	25.02.2020
शंकर नागाचारी	निदेशक तकनीकी	02.09.2022
अजय कुमार	निदेशक तकनीकी	26.10.2022
डॉ. कृष्ण चंद्र पांडे	स्वतंत्र निदेशक	10.07.2019 से 09.07.2022 तक
अलका पांडा	स्वतंत्र निदेशक	10.07.2019 से 09.07.2022 तक
प्रमोद सिंह चौहान	स्वतंत्र निदेशक	16.10.2019 से 15.10.2022 तक
पीके प्रसाद	मुख्य वित्तीय अधिकारी	01.04.2021
अभिषेक मूंदड़ा	कंपनी सचिव	18.02.2016

iv) प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों का पारिश्रमिक

(₹ करोड़ में)

क्र. सं.	पारिश्रमिक सीएमडी, पूर्णकालिक निदेशक, सीएफओ और कंपनी सचिव को	31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
i)	अल्पावधि कर्मचारी लाभ	2.85	2.86
ii)	रोजगार के बाद के लाभ	0.56	0.39
iii)	अन्य दीर्घकालिक लाभ	2.43	2.39
iv)	समाप्ति लाभ	-	-
v)	शेयर आधारित भुगतान	-	-
	कुल	5.84	5.64

टिप्पणी:

- (i) उपरोक्त के अलावा, पूर्णकालिक निदेशकों को सेवा शर्तों के अनुसार प्रति माह ₹ 2000 के भुगतान पर 1000 किलोमीटर की अधिकतम सीमा तक निजी यात्रा के लिए कारों का उपयोग करने की अनुमति दी गई है।

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान	31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
i)	बैठने की फीस	0.05	0.19

बैठने की फीस का बकाया।

(₹ करोड़ में)

क्र.सं.	विवरण	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
i)	देय राशि	शून्य	शून्य
ii)	प्राप्य राशि	शून्य	शून्य

- कंपनी के निदेशकों या अन्य अधिकारियों से अलग-अलग या किसी अन्य व्यक्ति के साथ संयुक्त रूप से कोई व्यापार या अन्य प्राप्य देय नहीं है। न ही कोई व्यापार या अन्य प्राप्य क्रमशः उन फर्मों या निजी कंपनियों से देय है जिनमें कोई निदेशक भागीदार, निदेशक या सदस्य है।

समूह के भीतर संबंधित पार्टी लेनदेन

सरकार से संबंधित इकाई होने के कारण कंपनी को संबंधित पक्ष लेनदेन और नियंत्रक सरकार तथा उसी सरकार के अधीन अन्य इकाई के पास बकाया शेष के संबंध में सामान्य प्रकटीकरण आवश्यकताओं से छूट प्राप्त है।

इंड एस 24 के अनुसार, महत्वपूर्ण लेनदेन की प्रकृति और राशि के संबंध में खुलासे निम्नलिखित हैं।

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए संबंधित पार्टियों के साथ लेनदेन

(₹ करोड़ में)

संबंधित पक्षों का नाम	संबंधित पक्षों के लिए ऋण	संबंधित पक्षों से ऋण	शीर्ष शुल्क	पुनर्वास शुल्क	लीज किराया आय	सहायक कंपनियों द्वारा रखे गए फंड पर ब्याज	आई आई सीएम शुल्क	कोई अन्य (बिक्री)	चालू खाता शेष (देय/प्राप्य)	बकाया शेष (देय/प्राप्य)।
ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल)								94.62		94.81
भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल)								53.02		35.28
सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)								192.87		146.43
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल)								175.13		41.79
साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL)								380.01		259.37
नॉर्थ कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल)								126.57		18.55
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल)								110.80		49.17
*कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल)								13.07	57.85	18.45

*इसमें सीआईएल आर एंड डी फंड शामिल है

31.03.2023 तक सभी अंतरसहायक शेष की पुष्टि की गई है। हालांकि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड से प्राप्य की पुष्टि 30.09.2022 तक की गई है।

Central Mine Planning & Design Institute Limited

(A subsidiary of Coal India Limited)



31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन

(₹ करोड़ में)

संबंधित पक्षों का नाम	संबंधित पक्षों के लिए ऋण	संबंधित पक्षों से ऋण	शीर्ष शुल्क	पुनर्वास शुल्क	लीज किराया आय	सहायक कंपनियों द्वारा रखे गए फंड पर ब्याज	आई आई सीएम शुल्क	कोई अन्य (बिक्री)	चालू खाता शेष (देय/प्राप्य)	बकाया शेष (देय/प्राप्य)।
ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल)								92.13		106.92
भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल)								56.83		43.05
सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल)								135.18		76.52
वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल)								154.68		32.77
साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (SECL)								322.83		230.09
नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल)								112.31		45.91
महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल)								89.76		33.01
कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल)								7.40	53.62	17.46

ड. कराधान (इंड एस-12)

(₹ करोड़ में)

I) वर्तमान कर परिसंपत्तियों का विवरण	31.03.2023 तक	31.03.2022 तक
स्रोत पर कर कटौती एवं अग्रिम कर	175.71	312.34
आयकर के लिए प्रावधान	(82.54)	(253.80)
वर्तमान कर संपत्ति (शुद्ध)	93.17	58.54

च. खातों में किए गए प्रावधान

धीमी गति से चलने वाली/न चलने वाली/अप्रचलित दुकानों, प्राप्त दावों, अग्रिमों, संदिग्ध ऋणों आदि के विरुद्ध खातों में किए गए प्रावधान संभावित नुकसान को कवर करने के लिए पर्याप्त माने जाते हैं।

छ. वर्तमान संपत्ति, ऋण और अग्रिम आदि।

प्रबंधन की राय में, अचल संपत्तियों और गैर-वर्तमान निवेशों के अलावा अन्य परिसंपत्तियों का व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में वसूली पर मूल्य कम से कम उस राशि के बराबर होता है जिस पर वे बताई गई हैं।

ज. वर्तमान देनदारियां

जहां वास्तविक देनदारी को मापा नहीं जा सका, वहां अनुमानित देनदारी प्रदान की गई है।

झ. शेष राशि की पुष्टि

शेष राशि की पुष्टि/समाधान नकदी और बैंक शेष, कुछ ऋण और अग्रिम, दीर्घकालिक देनदारियों और वर्तमान देनदारियों के लिए किया जाता है। सभी संदिग्ध अपुष्ट शेषों के विरुद्ध प्रावधान किया गया है।

ञ. सीआईएफ आधार पर आयात का मूल्य

विवरण	31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
(i)कच्चा माल	शून्य	शून्य
(ii)पूँजीगत माल	2.18	6.10
(iii)स्टोर, पुर्जे एवं घटक एवं अन्य	0.05	0.23

ट. विदेशी मुद्रा में किया गया व्यय

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
यात्रा खर्च	0.05	शून्य
प्रशिक्षण व्यय	शून्य	शून्य
परामर्श शुल्क	शून्य	शून्य
व्याज	शून्य	शून्य
भण्डार एवं पुर्जे	शून्य	शून्य
पूँजीगत माल	2.18	6.10
अन्य	0.05	0.23

ठ. विदेशी मुद्रा में कमाई:

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए
यात्रा खर्च	शून्य	शून्य
प्रशिक्षण व्यय	शून्य	शून्य
परामर्श शुल्क	शून्य	शून्य
अन्य	0.02	0.03

ड. स्टोर और स्पेयर की कुल खपत (नोट संख्या 26 देखें)

(₹ करोड़ में)

विवरण	31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
	मात्रा	कुल खपत का %	मात्रा	कुल खपत का %
(i) आयातित सामग्री	0.00	0.00	0.00	0.00
(ii) स्वदेशी	33.09	100	33.62	100

ण. अलग-अलग राजस्व जानकारी:-

(₹ करोड़ में)

	31.03.2023 समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 समाप्त वर्ष के लिए
सामान या सेवा के प्रकार		
-कोयला		
-अन्य	1386.09	1208.43
ग्राहकों के साथ अनुबंध से कुल राजस्व	1386.09	1208.43

ग्राहकों के प्रकार		
-विद्युत क्षेत्र	43.53	14.11
-गैर-विद्युत क्षेत्र	1342.56	1194.32
-अन्य या सेवाएँ (CMPDIL)		
ग्राहकों के साथ अनुबंध से कुल राजस्व	1386.09	1208.43
अनुबंध के प्रकार		
-एफएसए		
-ई नीलामी		
-अन्य	1386.09	1208.43
ग्राहकों के साथ अनुबंध से कुल राजस्व	1386.09	1208.43
कुल मुनाफा	1386.09	1208.43
सीआईएल समूह पराया	1146.10	971.13
	239.99	237.30
वस्तु या सेवा का समय		
-एक निश्चित समय पर सामान हस्तांतरित किया गया		
-सामान समय के साथ स्थानांतरित किया गया		
-सेवा एक निश्चित समय पर स्थानांतरित की गई	394.14	450.31
-सेवा समय के साथ स्थानांतरित हो गई	991.95	758.12
ग्राहकों के साथ अनुबंध से कुल राजस्व	1386.09	1208.43

त. अनुपात

क) वर्तमान अनुपात

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	विचलन
2.67	2.69	(0.02)

वर्तमान अनुपात एक तरलता अनुपात है जो अपने अल्पकालिक दायित्वों को पूरा करने के लिए मौजूदा संसाधनों को मापता है। वर्तमान अनुपात की गणना वर्तमान परिसंपत्तियों को वर्तमान देनदारियों से विभाजित करके की गई है।

ख) इक्विटी अनुपात पर वापसी

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	विचलन
26.81%	31.70%	(4.89)%

इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) वित्तीय प्रदर्शन का एक माप है जिसकी गणना पीएटी को औसत शेयरधारकों की इक्विटी से विभाजित करके की जाती है। जहां औसत शेयरधारकों की इक्विटी = (शुरुआती इक्विटी + समापन इक्विटी)/2। अन्य इक्विटी में पूंजी आरक्षित शामिल नहीं है।

ग) व्यापार प्राप्त्य टर्नओवर अनुपात

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	विचलन
1.69	1.41	0.28

प्राप्य टर्नओवर अनुपात एक लेखांकन उपाय है जिसका उपयोग किसी कंपनी की प्राप्य खातों, या ग्राहकों द्वारा बकाया धन को एकत्र करने में प्रभावशीलता को मापने के लिए किया जाता है। खाता प्राप्य टर्नओवर = शुद्ध क्रेडिट बिक्री/औसत व्यापार प्राप्य

घ) शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	विचलन
1.39	1.40	(0.01)

शुद्ध पूंजी कारोबार वह माप है जो व्यवसाय में नियोजित पूंजी के उपयोग के संबंध में संगठन की दक्षता को इंगित करता है और इसकी गणना उसी अवधि के दौरान कार्यशील पूंजी की मात्रा से विभाजित शुद्ध बिक्री के अनुपात के रूप में की गई है। शुद्ध पूंजी कारोबार अनुपात = शुद्ध बिक्री/कार्यशील पूंजी

शुद्ध बिक्री की गणना कुल बिक्री घटा बिक्री रिटर्न के रूप में की जाएगी।

कार्यशील पूंजी की गणना वर्तमान परिसंपत्तियों को घटाकर वर्तमान देनदारियों के रूप में की जाएगी।

ङ) शुद्ध लाभ अनुपात

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	विचलन
21.40%	23.35%	(1.95)%

यह व्यवसाय के शुद्ध लाभ और बिक्री के बीच संबंध को मापता है।

शुद्ध लाभ अनुपात = शुद्ध लाभ/शुद्ध बिक्री

कर के बाद शुद्ध लाभ होगा।

शुद्ध बिक्री की गणना कुल बिक्री घटा बिक्री रिटर्न के रूप में की जाएगी।

च) नियोजित पूंजी पर रिटर्न

31.03.2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31.03.2022 को समाप्त वर्ष के लिए	विचलन
29.61%	36.38%	(6.77)%

नियोजित पूंजी पर रिटर्न कंपनी के प्रबंधन की ऋण धारकों और इक्विटी धारकों दोनों के लिए रिटर्न उत्पन्न करने की क्षमता को इंगित करता है। अनुपात जितना अधिक होगा, कंपनी द्वारा रिटर्न उत्पन्न करने के लिए उतनी ही अधिक कुशलता से पूंजी का उपयोग किया जाएगा।

आरओसीई = ब्याज और करों से पहले की कमाई / नियोजित पूंजी

नियोजित पूंजी = मूर्त शुद्ध संपत्ति + कुल ऋण + आस्थगित कर देयता

थ. लीज

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की दिनांक 30 मार्च, 2019 की अधिसूचना के तहत भारतीय लेखा मानक (इंड एस) 116, लीज इंडस्ट्रीज़ 17, लीज की जगह 01.04.2019 से कंपनी के लिए प्रभावी हो गई है। पट्टों पर लेखांकन नीति को Ind AS 116 के अनुसार बदल दिया गया है। Ind AS 116, पट्टों का प्रमुख परिवर्तन वर्तमान में परिचालन पट्टों के रूप में वर्गीकृत पट्टों के पट्टेदारों द्वारा लेखांकन उपचार में परिवर्तन है। लीज

समझौतों ने कंपनी के पट्टेदार होने की स्थिति में उपयोग के अधिकार वाली संपत्ति और भविष्य के लीज भुगतान के लिए लीज देनदारी की मान्यता को जन्म दिया है।

बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त पट्टा दायित्व की गणना के लिए 7.30% का उपयोग पट्टेदार की वृद्धिशील उधार दर के रूप में किया गया है।

पट्टा दायित्व प्रतिबद्धता 31.03.2023 को परिचालन पट्टे के संबंध में, पट्टेदार की वृद्धिशील उधार दर का उपयोग करते हुए छूट ₹1.38 करोड़ थी, जबकि बैलेंस शीट में मान्यता प्राप्त 31.03.2023 को पट्टा देयता ₹1.70 करोड़ है।

द.(क) विविध जानकारी

i) महत्वपूर्ण लेखांकन नीति

कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के तहत कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा अधिसूचित भारतीय लेखा मानकों (इंड एस) के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाई गई लेखांकन नीतियों को स्पष्ट करने के लिए महत्वपूर्ण लेखा नीति (नोट -2) का मसौदा तैयार किया गया है।

ii) हाल की घोषणाएँ:

कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय ("एमसीए") समय-समय पर जारी किए गए कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियमों के तहत मौजूदा मानकों में नए मानकों या संशोधनों को अधिसूचित करता है। 31 मार्च, 2023 को, MCA ने कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2023 में संशोधन किया। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक अवधि है। संशोधन इस प्रकार हैं:

- 1) **इंड एस 1 - वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति** - इस संशोधन के लिए संस्थाओं को अपनी महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के बजाय अपनी सामग्री लेखांकन नीतियों का खुलासा करने की आवश्यकता है। कंपनी को उम्मीद नहीं है कि इस संशोधन से उसके वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।
- 2) **इंड एस 8 - लेखांकन नीतियां, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियां** - इस संशोधन ने 'लेखा अनुमान' की एक परिभाषा पेश की है और संस्थाओं को लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन से लेखांकन नीतियों में परिवर्तन को अलग करने में मदद करने के लिए Ind AS 8 में संशोधन शामिल किया है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और उसके वित्तीय विवरणों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- 3) **इंड एस 12 - आयकर** - इस संशोधन ने प्रारंभिक मान्यता छूट के दायरे को सीमित कर दिया है ताकि यह उन लेनदेन पर लागू न हो जो समान और अस्थायी मतभेदों को जन्म देते हैं। कंपनी को उम्मीद नहीं है कि इस संशोधन से उसके वित्तीय विवरणों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा।

- iii) कंपनी ने मार्जिन-रुपये के साथ 89.51 लाख रुपये का राजस्व (जीएसटी को छोड़कर) दर्ज किया था। वित्त वर्ष 2017-18 में 6.25 लाख और व्यय- 83.27 लाख रुपये। उक्त राशि वित्त वर्ष 2017-18 में सेंट्रल ट्रिलिंग एसोसिएट द्वारा किए गए ट्रिलिंग कार्य से संबंधित थी। इस संबंध में किए गए भुगतान को ठेकेदार को किया गया अतिरिक्त भुगतान माना गया और इसकी वसूली के लिए मामला चलाया जा रहा है। कंपनी ने अब इसकी वसूली के लिए उचित अदालत के समक्ष ठेकेदार के खिलाफ मनी सूट दायर किया है।

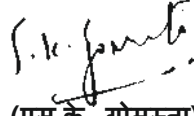
(ख) अन्य

- i) जहां भी आवश्यक समझा गया, पिछले वर्ष/अवधि के आंकड़ों को पुनः प्रस्तुत, पुनर्समूहित और पुनर्व्यवस्थित किया गया है।
- ii) 31 मार्च 2023 की बैलेंस शीट का हिस्सा हैं और 24 से 37 उस तारीख को समाप्त अवधि के लिए लाभ और हानि के विवरण का हिस्सा हैं। . नोट - 38 वित्तीय विवरणों में अतिरिक्त नोट्स का प्रतिनिधित्व करता है।

नोट 1 से 37 तक हस्ताक्षर।


(ए. मुंधरा)
कंपनी सचिव


(पी.के. प्रसाद)
महाप्रबंधक (वित्त)


(एस.के. गोमस्ता)
निदेशक
डीआईएन-08714820


(मनोज कुमार)
अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक
डीआईएन-09225497

संलग्न सम दिनांक की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
के.सी. टाक कंपनी के लिए
चार्टर्ड एकाउंटेंट
फर्म रजिस्ट्रेशन सं. : 000216C


(सी ए अनिल जैन)
पार्टनर

दिनांक : 02.05.2023
स्थान : राँची

सदस्यता सं. : 079005
यूडीआईएन: 23079005BGYQBK2530